# राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स)

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
बेंगलूर 560029

# वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023

विगाह मानोस्ति नभोन्तरालं
प्रसन्न सत्वः स्पृहणीयचंद्रः ।
प्रक्षुब्धसंसार महाब्धि मध्ये
भ्रमत्यसौ मानस राजहंसः ।
ईषव्दिकासं कृतरक्त शोभं
हृत्पंकजं सन्निहितं तु तत्र ।
जलस्य गर्भेनिहिता समस्ति
संयोगजा संयमलब्धशान्तिः ।।

In the depths of the heavens, the moon sails shedding splendour that is a benediction. Below, on the troubled waters of life moves the mind of man, swan-like. Near-by is the lotus-heart, passion-laden and just blossoming. Hidden in the womb of waters lies peace, born of harmony, to be realised by one who has subdued passion.

नभ की अटल गहराइयों चंद्रमा सुधावर्षण करता रहता है। नीचे, जीवन के अशान्त जलपर मानव मस्तिष्क हंस की तरह लहराता-लरजाता रहता है। पार्श्व में, कामनाओं से भरा हुआ हृदय कमल खिलता रहता है। शान्ति और सामंजस्य जल के उताल गर्भ में निहित रहते हैं, जिनकी अनुभूति वही कर पाता है जिसने कामनाओं पर संयम प्राप्त कर लिया हो।

ಡಾ. ಮನ್ಸುಖ್ ಮಾಂಡವಿಯಾ
डॉ. मनसुख मांडविया
**Dr. Mansukh Mandaviya**
ಮಾನ್ಯ ಕೇಂದ್ರ ಸಚಿವರು
माननीय केंद्रीय मंत्री
**Hon'ble Union Minister**
ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಚಿವಾಲಯ
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
**Ministry of Health & Family Welfare**
ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ
भारत सरकार
**Government of India**

ಪ್ರೊ. ಎಸ್. ಪಿ. ಸಿಂಗ್ ಬಘೇಲ್
प्रो. एस. पी. सिंह बघेल
**Prof. S. P. Singh Baghel**
ಮಾನ್ಯ ಕೇಂದ್ರ ರಾಜ್ಯ ಸಚಿವರು
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री
**Hon'ble Union Minister of State**
ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಚಿವಾಲಯ
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
**Ministry of Health & Family Welfare**
ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ
भारत सरकार
**Government of India**

ಡಾ. ಭಾರತಿ ಪ್ರವೀಣ್ ಪವಾರ್
डॉ. भारती प्रविण पवार
**Dr. Bharati Pravin Pawar**
ಮಾನ್ಯ ಕೇಂದ್ರ ರಾಜ್ಯ ಸಚಿವರು
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री
**Hon'ble Union Minister of State**
ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಸಚಿವಾಲಯ
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
**Ministry of Health & Family Welfare**
ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ
भारत सरकार
**Government of India**

# निम्हान्स

## राष्ट्रीय महत्व का संस्थान

एक चिरस्थायी संकल्पना, एक अदम्य भावना और एक बहु आयामी टीम, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य व स्नायु विज्ञान संस्थान या निम्हान्स के चरित्र को प्रस्तुत करने के लिए संभवत: ये सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं।

लगभग 135 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला हुआ, निम्हान्स एक अद्वितीय संस्थान है जिसमें एक ही छत के नीचे मानसिक स्वास्थ्य व स्नायु विज्ञान को संयोजित किया जाता है। इस प्रकार के विशिष्ट दृष्टिकोण ने निम्हान्स को न केवल देश का बल्कि विश्व का भी एक प्रमुख संस्थान बना दिया है और इसके तीन स्तंभों में सेवा प्रदान करना, प्रशिक्षण व शोध सम्मिलित हैं। यद्यपि इसका उद्देश्य मानसिक, स्नायु विज्ञान व न्यूरोसर्जिकल विकारों हेतु तृतीयक देखभाल के निर्देशपरक सेवा केंद्र के तौर पर काम करना है परंतु इसकी गुणवत्तायुक्त देखभाल की प्रतिष्ठा के कारण भारत के सभी हिस्सों व इस क्षेत्र के लोग इसकी ओर आकर्षित होते हैं। इसमें मानसिक व स्नायु विज्ञान संबंधी स्वास्थ्य के उपचारात्मक के साथ-साथ प्रोत्साह के दोनों पहलुओं पर एक संतुलित ध्यान हमेशा रखा जाता है। निदानात्मक पद्धतियों में काय चिकित्सा (मेडिसिन) की आधुनिक प्रणालियों के साथ देखभाल व प्रबंधन की पारंपरिक प्रणालियों का अद्भुत संयोजन किया जाता है जिससे यह संस्थान मानसिक स्वास्थ्य व स्नायु विज्ञान के क्षेत्र में एक निवार्दित अग्रणी संस्थान बन गया है।

विशेष तौर पर मानसिक स्वास्थ्य व स्नायु विज्ञान के क्षेत्र में, निम्हान्स देश का अग्रणी स्नातकोत्तर प्रशिक्षण केंद्र है। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति के अनुरूप, वर्तमान समय में इस संस्थान द्वारा 90 से अधिक पाठ्यक्रम (जबकि कई अन्य विकास अवस्था में हैं) संचालित किये जाते हैं तथा औपचारिक सूची में पोस्ट-डॉक्टरेट फैलोशिप, डॉक्टोरल अध्ययन, सुपरस्पेशियलिटी एमसीएच (MCh) व डीएम पाठ्यक्रम, एमफिल, मास्टर्स डिग्री, डिप्लोमा व हाल ही में चुनिंदा विषयों में पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं। निम्हान्स द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, संपूर्ण देश से हजारों प्रशिक्षु आधारभूत विज्ञान के साथ-साथ चिकित्सकीय विषयों में विशेषीकृत प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रत्येक वर्ष निम्हान्स में आते हैं।

कई दशकों से, व्यवहार विज्ञान व स्नायु विज्ञान दोनों में शोध के क्षेत्र में निम्हान्स एक अग्रणी संस्थान के तौर पर उभरकर सामने आया है। निम्हान्स में प्रयोगशाला से लेकर अस्पताल तक और अस्पताल से लेकर समाज तक बाधारहित तरीके से शोध किया जाता है। इस संस्थान ने विविध प्रकार के क्षेत्रों में संकेतात्मक योगदान दिया है: व्यसन से लेकर अल्झाइमर रोग तक; मानसिक अस्पताल के इतिहास से लेकर इसके पूर्वज संस्थानों के ऐतिहासिक योगदान तक, इमेजिंग से लेकर सघन देखभाल तक; मस्तिष्क चोट से लेकर अंतरक्षेपी स्नायु विकिरण विज्ञान (इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी) तक; आपदा राहत से लेकर गहन मस्तिष्क उद्दीपन तक; स्ट्रोक संबंधी शोध से लेकर मस्तिष्क में संकेतन प्रणाली (सिग्नलिंग) तक; रेबीज से लेकर रेट्रोवायरल संक्रमण तक; युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य से लेकर योग शोध तक; मॉलक्युलर जेनेटिक्स से लेकर चिंतनशील शोध तक; प्रत्यावर्तन से लेकर पुनरुद्धार तक... ये योगदान व्यापक व विविधतायुक्त हैं।

निम्हान्स द्वारा राष्ट्रीय नीति व कार्यक्रम निर्धारण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है और यह मस्तिष्क, मनोदशा व व्यवहार के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है जो भारत में मानसिक स्वास्थ्य का एजेंडा निर्धारित करने में ऐतिहासिक रूप से अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। भारत सरकार का सर्वप्रमुख जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एक विकेंद्रीकृत जिला स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के भीतर एक प्राथमिक देखभाल व्यवस्था में मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए देखभाल के बेलारी मॉडल से उभरकर सामने आया है। संपूर्ण देश में संस्थागत व समुदाय दोनों पर आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में तात्कालिक प्रबंधन और नवाचार लाते हुए, निम्हान्स द्वारा कार्यनीतियों में निरंतर रूप से व्यापक गति प्रदान की जाती है। इसने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति में योगदान दिया है और साथ ही अधिकार आधारित मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित/समर्थित भी किया है। यह कई सरकारी, अर्द्ध-सरकारी व गैर-सरकारी एजेंसियों/निकायों के साथ सक्रिय तौर पर सहयोग व नेटवर्क भी स्थापित करता है।

लैंडस्केप्स एंड माइडस्केप में उन्नीसवीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य आश्रय से लेकर 1934 में मैसूर सरकारी मानसिक अस्पताल तक, 1954 में अखिल भारतीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और 1974 में निम्हान्स बनने तथा 1994 में मानद विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने व वर्ष 2013 में संसद के एक पृथक अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्थान का दर्जा प्रदान किये जाने की यात्रा को कालक्रम के अनुसार लिपिबद्ध किया गया है।

# परिदृष्टि

मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान के क्षेत्र में
एक विश्व नायक बनना और स्थानांतरीय अनुसंधान के माध्यम से
रोगी देखभाल के लिए अत्याधुनिक साधन को विकसित करना ।

# अभियान

- मानसिक एवं स्नायुविक विकारों तथा पुनर्वास के लिए प्रमाणों पर आधारित देखभाल के उच्चतम मापदंड स्थापित करना ।
- विकासशील विश्व में जन स्वास्थ्य में प्रासंगित रोगों के लिए विशेषज्ञता विकसित करना और देखभाल के मापदंडों का गठन करना ।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायुविज्ञान के क्षेत्र में नीतिपरक योजनाओं और निगरानी हेतु कार्यनीतियों के लिए शासन के साथ कार्य करना और परामर्श सेवाएँ प्रदान करना तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाना ।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायुविज्ञान से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण के द्वारा मानव संसाधन क्षमता का निर्माण करना ।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायुविज्ञान के क्षेत्रों में वैज्ञानिक अनुसंधान, उन्नत प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण और विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए विश्व के विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ अन्तर-संकायात्मक, अन्तर-संस्थानगत एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को विकसित और सशक्त करना ।
- समाज के सभी वर्गो और आयु के और नाजुक व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायुविक विकारों हेतु प्राथमिक देखभाल की न्यायसंमत पहुँच को बढाने के लिए प्रयास करना ।
- विभिन्न सांस्कृतिक और संजातीय समूहों के लिए आपदा प्रबंधन एवं मनोसामाजिक पुर्नवास के लिए कार्यनीतियां विकसित करना और उनकी निगरानी करना ।
- मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना और मानव अधिकारों और गौरव के सम्मान हेतु,मानसिक और स्नायुविक रोगों से जुड़े तिरस्कार को समाप्त करने लिए उपाय करना और वितरण प्रणाली को प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल के केन्द्रों तक ले जाना ।
- एलोपैथी एवं पूर्वीय चिकित्साओं का स्वास्थ्य देखभाल के वितरण में समाकलन करना और प्रभाग-आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देना ।
- स्नायु विज्ञान अनुसंधान के भौतिक और पराभौतिक पहलुओं का समन्वय कर सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य में योग और इसके उपयोग को बढ़ावा देना ।
- स्नायु विज्ञान और व्यवहारात्मक अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र में भाग लेना जो कि मानव नैतिकता, अंग प्रत्योरोपण, स्टेम कोशिका अनु-संधान, अंतरिक्ष विज्ञान और नाभिकीय चिकित्सा में उपयोगी हो ।

# संगठन

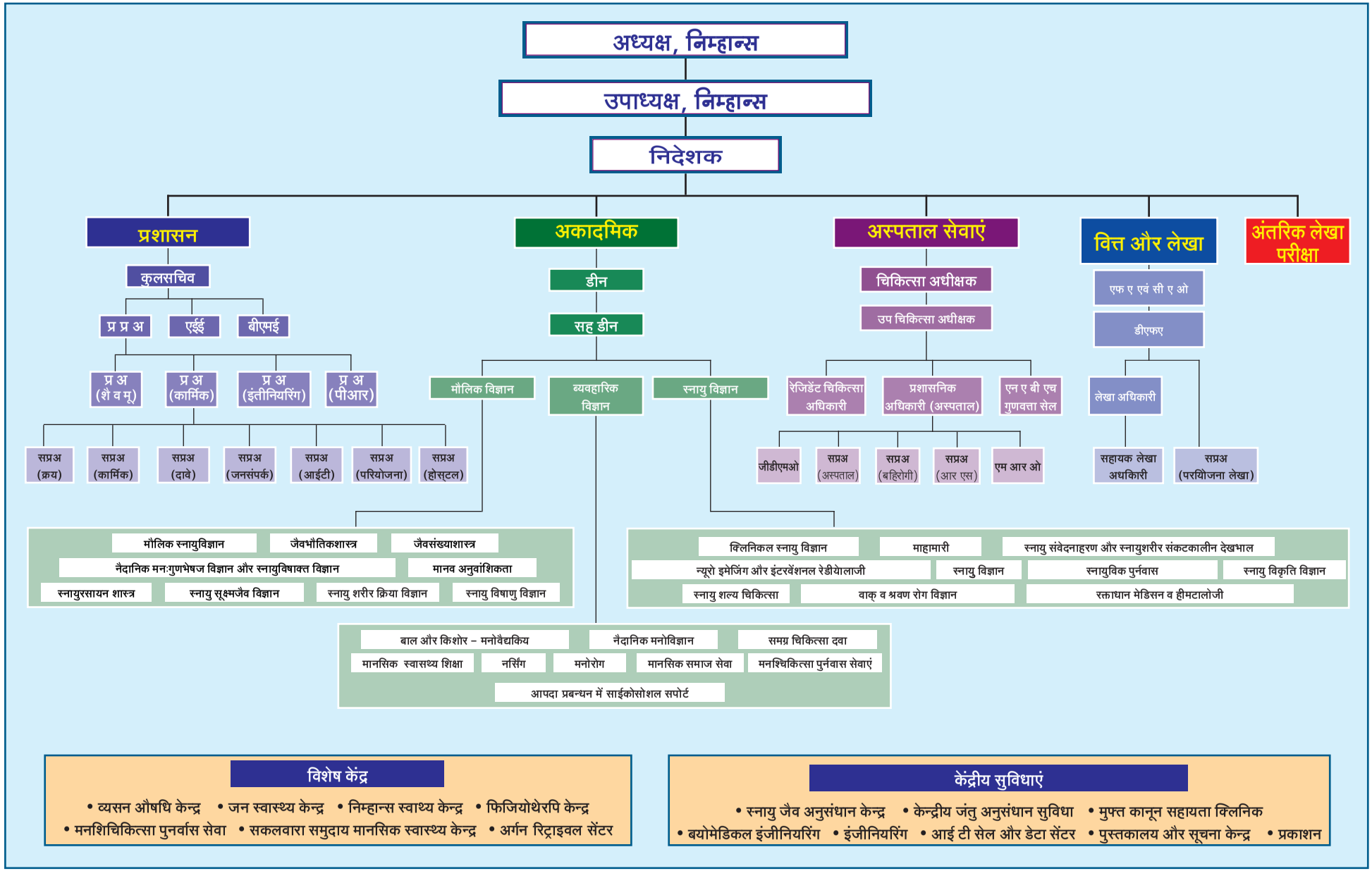


## विशेष केंद्र

- व्यसन औषधि केन्द्र
- जन स्वास्थ्य केन्द्र
- निम्हान्स स्वाथ्य केन्द्र
- फिजियोथेरपि केन्द्र
- मनशिचिकित्सा पुनर्वास सेवा
- सकलवारा समुदाय मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र
- अर्गन रिट्राइवल सेंटर

## केंद्रीय सुविधाएं

- स्नायु जैव अनुसंधान केन्द्र
- केन्द्रीय जंतु अनुसंधान सुविधा
- मुफ्त कानून सहायता क्लिनिक
- बयोमेडिकल इंजीनियरिंग
- इंजीनियरिंग
- आई टी सेल और डेटा सेंटर
- पुस्तकालय और सूचना केन्द्र
- प्रकाशन

# अनुक्रमणिका


निदेशक की कलम से ---------- 11

पुरस्कार, सम्मान और मुख्य असाइनमेन्ट्स ---------- 48

रोगी देखभाल क्रियाकलाप ---------- 66

मानव संसाधन विकास ---------- 92

सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला

I. निम्हान्स के बाहर आयोजित वैज्ञानिक कार्यक्रम ---------- 107

II. निम्हान्स में आयोजित वैज्ञानिक कार्यक्रम ---------- 109

III. फैकल्टी/स्टाफ वैज्ञानिक प्रशिक्षण ---------- 123

केंद्रीय सुविधाएँ ---------- 128

अनुसंधान गतिविधियाँ

मौलिक विज्ञान ---------- 144

व्यवहारिक विज्ञान ---------- 152

स्नायु विज्ञान ---------- 164

प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ---------- 177

राष्ट्रीय जर्नल ---------- 205

पुस्तक पाठ / सम्मेलन कारवाई ---------- 219

मोनोग्राफ्स /मैनुअल्स/रिपोर्ट ---------- 222

समाचार पत्र/स्मारिका और सामान्य जन लेखन ---------- 222

पुस्तक प्रकाशन ---------- 223

सांविधिक निकाय ---------- 224

संकाय और कर्मचारी ---------- 237

वित्त और लेखाकरण ---------- 247

# 26वें दीक्षांत समारोह

National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru
26th CONVOCATION

National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru

National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru
26th CONVOCATION

National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru
26th CONVOCATION

NIMHANS
LIBRARY AND INFORMATION
CENTRE

# निदेशक की कलम से...

मुझे, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स) की वार्षिक रिपोर्ट (2022–23) प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछला वर्ष वास्तव में अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह, इस संस्था के उत्थान हेतु हमारे दृढ़निश्चय और अथक प्रयासों को दर्शाता है।

अत्याधुनिक सुविधाऐं प्रदान करने तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए, हमने नवाचार को अपनाया है और अभूतपूर्व परियोजनाओं को शुरू किया है। सरकारी एजेंसियों और प्रमुख वैश्विक संगठनों के साथ हमारी सुदृढ़ सहकारिता ने व्यापक प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की है, जिससे अविरत अभ्यास करने और अनुभव प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। अंतरण अनुसंधान पर उचित ध्यान देने के कारण हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों और संबद्ध प्रयासों में एक नया उत्साह आया है।

आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान से संबंधित अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में हमारी स्थिति की एक बार फिर पुष्टि की गई है, जिसे सतत मानक और प्रतिष्ठानीय रैंकिंग में देखा गया है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा की गई 2022 की रैंकिंग में, निम्हान्स, क्रमागत तीसरी बार, देश के चौथे सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में उभरा है। इंडिया टुडे – एमडीआरए बेस्ट यूनिवर्सिटीज सर्वे में, निम्हान्स को देश का चौथा सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा विश्वविद्यालय घोषित किया गया है। प्राकृतिक और जीवन विज्ञान (आयुर्विज्ञान सहित) में सूचीबद्ध सरकारी विश्वविद्यालयों की एजुकेशन वर्ल्ड (ईडब्ल्यू) इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2022–23 में, हमारी संस्थान को दूसरे स्थान पर रखा गया है।

निम्नलिखित पृष्ठों में, हमारी उपलब्धियों के विषय में संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है।

निम्हान्स के विकास में उनके अमूल्य योगदान के लिए, मैं, इस अवसर पर, हमारे सभी समर्पित संकाय, स्टाफ सदस्यों और छात्रों की सराहना करती हूं। मैं, हमारे सांविधिक निकायों के सदस्यों, हमारे उदार दाताओं और हमारे सभी सहयोगियों की आभारी हूं, जिन्होंने लगातार हमारा समर्थन किया है, जिससे हमारे संस्थान को फलने–फूलने और अनगिनत व्यक्तियों के जीवन में बदलाव लाने में मदद मिली है।

**डॉ. प्रतिमा मूर्ती**
निदेशक

## रोगियों के लिए चिकित्सा सेवाएं

कार्यनिर्वाह–क्षमता, उन्नत तकनीकों तथा सहानुभूति के साथ विशेष सेवाएं प्रदान करने के लिए, मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में, निम्हान्स, एक प्रतिष्ठीत केंद्र के रूप में सुप्रसिद्ध है। रोगियों को प्राथमिक महत्व देने के लिए, इस संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता एक मार्गदर्शक सिद्धांत है जो अपने संचालन के हर पहलू में व्याप्त है।

निम्हान्स, देश के बड़े स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक है। यहाँ, रोगियों को अस्पताल में भर्ती करने के लिए 1084 बिस्तर तथा आवश्यक एवं उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं। गंभीर मस्तिष्कीय जख़्मो की उत्कृष्ट चिकित्सा के लिए, चौबीसों घंटे आपातकालीन और तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा इकाइयां ख़ास तौर पर सुव्यवस्थित हैं। हाल ही में, 125 बिस्तरों और 2 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटरों वाले सात–मंज़िला सब–स्पेशलिटी ब्लॉक के विकसित होने से, जटिल न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसर्जिकल मामलों के प्रबंधन हेतु निम्हान्स की क्षमताओं में और वृद्धि हुई है।

विशेष रूप से, निम्हान्स, भारत की राष्ट्रीय महत्व की संस्थानों में से एक है जिसे सर्वप्रथम एनएबीएच (नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स/अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) मान्यता प्राप्त अस्पताल होने का गौरव प्राप्त है।

प्रमुख छुट्टियों को छोड़कर, बहिरोगी (ओपीडी) सेवाएं अब सप्ताह के सभी दिनों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रथम–संपर्क बहिरोगी सेवा के कार्यान्वयन से रोगियों की सेवा अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक हुई है। निम्हान्स में लगभग 20 विशेष क्लीनिक उपलब्ध हैं जिनमें विशिष्ट बीमारियों के लिए व्यक्तिगत रूप से तथा रोगी की जरूरतों के अनुरूप उपचार प्रदान किया जाता है।

अस्पताल में भर्ती रोगियों एवं बाह्य रोगियों के लिए, अपनी विविध नैदानिक एवं लैब्रटॉरी सेवाओं के कारण निम्हान्स सुप्रसिद्ध है। निम्हान्स में प्रतिवर्ष, चिकित्सा से जुड़े लगभग 20 लाख विविध परीक्षण किये जाते हैं। इस संस्थान में, विशिष्ट तथा नवीनतम इमेज–गाइडेड तकनीकों के उपयोग द्वारा अनेक प्रकार की चिकित्सीय प्रक्रियाओं का भी निष्पादन किया जाता है।

| विवरण | 2021–22 | 2022–23 |
|---|---|---|
| स्क्रीनिंग | 97257 | 132885 |
| पंजीकरण | 49351 | 62334 |
| अनुवर्तन (फौलो–अप्स) | 263714 | 363497 |
| अस्पताल में दाख़िले | 15781 | 21569 |
| आपातकालीन सेवा | 38998 | 42195 |
| कुल | 465101 | 622480 |

निम्हान्स, रोगियों के लिए उत्तम एवं किफायती चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करता है, जो मुख्य रूप से समाज के अल्पाधिकारप्राप्त वर्गों तक पहुँचती है। इनमें लगभग 75 प्रतिशत रोगी बिना किसी लागत या अत्यधिक रियायती दरों पर उपचार प्राप्त करते हैं। एक विविध आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष एवं समान रुपसे स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने के लिए, ऐसी प्रतिबद्धता, इस संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। एकमात्र वर्ष 2022 –23 में, कुल 622480 रोगियों को मनोरोग और तंत्रिका संबंधी समस्याओं के लिए विशेष चिकित्सा सेवा प्रदान की गईं थी।

निम्हान्स ने समीक्षा अवधि के दौरान कई नए उपक्रम और नई सुविधाओं का शुभारंभ किया। इन दूरदर्शी प्रयासों का उद्देश्य, प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता को दुरुश्त करना है और यह सुनिश्चित करना है कि यह संस्थान, स्वास्थ्य सेवा की प्रगति में अपना योगदान कर सके तथा अग्रणी रहे।

- मल्टीमॉडल अप्रोच टू न्यूरो – कॉग्निशन ऑगमेंटेशन सर्विसेज (मानस) सेंटर की स्थापना मनोचिकित्सीय पुनर्वास सेवा इकाई में की गई है। यह सुविधा, मनोरोग विकारों से पीड़ित व्यक्तियों के उचित संज्ञानात्मक उपचार के लिए उपलब्ध है। 18 अक्टूबर 2023 को अधिष्ठापन किए गए इस केंद्र में कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक उपचार, न्यूरो – फीडबैक थेरेपी और ईवेन्ट–आधारित ईईजी रिकॉर्डिंग के लिए अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध है।

मल्टीमॉडल अप्रोच टू न्यूरो – कॉग्निशन ऑगमेंटेशन सर्विसेज (मानस) सेंटर

- नैदानिक चौकसी को सुदृढ़ करने के लिए, एचसीएल टेक्नोलॉजीज़ की सीएसआर शाखा, एचसीएल फाउंडेशन के उदार समर्थन से, नेक्स्ट जेनेरेशन सेंट्रलाइज़्ड पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना की गई है। क्लाउड–आधारित तकनीक के उपयोग से, वास्तविक समय में, रोगियों के जीवनसूचक संकेतों और चिकित्सा उपकरणों की निगरानी करने तथा इलेक्ट्रॉनिक पेशेंट रिकॉर्ड को देखने में मदद मिलती है। ईससे, रोगी की स्थिति की दूरस्थ समीक्षा को सुगम बनाया जा सकता है और नैदानिक कर्मचारियों के लिए कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित रखने में मदद हो सकती है। विविध तरीकों एवं विकल्पों के साथ, यह तकनीक, नैदानिक सेवा के लिए बहुत उपयोगी है, विशेष रूप से अस्पताल के

उन स्थानों में, जहां बड़ी संख्या में रोगियों का एक साथ एवं स्फुर्ति से इलाज़ किया जाना है।

डॉ. प्रतिमा मूर्ति, निदेशक, निम्हान्स; श्री मुरली राममूर्ति, उपाध्यक्ष, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और डॉ. लालीगम एन. शेखर, प्राध्यापक और उपाध्यक्ष, न्यूरोसर्जरी विभाग, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए, की गरिमामयी उपस्थिति में, इस सुविधा का उद्घाटन, 3 जून 2022 को श्रीमती रोली सिंह, आईएएस, अपर सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने किया था।

- 3 जून 2022 को, न्यूरोलॉजी/न्यूरोसर्जरी के लिए, 20 – बेड वाले डे केयर सेंटर का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया था। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस, यह केंद्र, न्यूरोलॉजिकल बिमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए व्यक्तिगत रुप से सेवाएं और बेहतर उपचार प्रदान करता है। आपातकालीन सेवाओं में भीड़भाड़ कम करने तथा रोगियों के लिए आवश्यक नियमित जांच या सामान्य प्रक्रियाओं से संबंधित सेवाएं भी इस केंद्र द्वारा प्रदान की जाती हैं।

- श्वासनली से जुड़ि समस्याओं से पीड़ित रोगियों में, वोकल कॉर्ड्स को सही से देख पाना और श्वासनली में ट्यूब पास करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसके समाधान हेतु, वयस्कों के लिए उपयुक्त, विभिन्न आकार के ब्लेड वाले वीडियो लैरींगोस्कोप (कार्ल स्टोर्ज C – मैक 8404 ZX) को प्राप्त किया गया है जिससे इंट्यूबेशन प्रक्रियाएं अधिक कुशल रुप से पूर्ण हो सकेंगी और जटिल स्थितियों में भी कमी आएगी। श्वासनली से जुड़ि समस्याओं के मामलों को अधिक कुशलता से सँभालने में, एक फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

- आपातकालीन सर्जरी करवाने वाले रोगियों के लिए, इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन अक्सर प्रक्रिया के दौरान आवश्यक होता है। सुचारू सर्जरी सुनिश्चित करने और गंभीर रूप से बीमार रोगियों की सहायता करने के लिए, आपातकालीन ओटी कॉम्प्लेक्स में दो नए वेंटिलेटर (ड्रैगर फैबियस जीएस प्लस) स्थापित किए गए हैं। यह वेंटिलेटर्स, श्वसन मापदंडों पर सटीक नियंत्रण प्रदान करते हैं, जिससे ज़टिल एवं ज़रूरी प्रक्रियाओं के दौरान रोगी के स्वास्थ्यलाभ में सहायक हो सकता है।

- स्थिर हेमोडायनामिक्स और रोगी के शीघ्र स्वास्थ्यलाभ में सहायता के लिए, कैथ लैब और ऑपरेटिंग रूम में शरीर के तापमान को सामान्य बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसी स्थितियों में उत्पन्न होने वाली, शरीर के तापमान में कमी से निपटने के लिए, सात पेशेंट वार्मिंग सिस्टम (आईओबी मेडिकल इंक से) खरीदे गए हैं। सर्जरी के दौरान हाइपोथर्मिया और इससे जुड़ी जटिलताओं से निपटने के लिए, यह उपकरण, अत्याधुनिक वार्मिंग तकनीक का उपयोग करते हैं।

- मरीजों के श्वसन प्रयासों के सटीक आकलन को सुविधाजनक बनाना आवश्यक है, विशेष रूप से शल्यक्रिया–पश्चात। अतेव, इन्सेंटिव स्पाइरोमेट्री उपकरणों (ईजऑन पीसी – स्पाइरोमीटर, ब्रिगेड मेडिकल सिस्टम) की ख़रीद की गई है। यह हस्त–उपकरण, रोगियों के फेफड़ों की मात्रा को मापने और अपने फेफड़ों की कसरत करने में सहायक होते हैं, जिससे, शल्यक्रिया–पश्चात श्वसन से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम होती है और शीघ्र स्वास्थ्यलाभ होता है।

- ऑपरेटिंग रूम रिकॉर्ड की वर्तमान चार्टिंग प्रणाली को मॉड्यूल–बेस्ड फॉर्मेट में समाविष्ट करने और कार्यक्षमता में सुधार करने के लिए, हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (एचआईएमएस) को अपग्रेड किया गया है। इस उन्नयन के कारण, रोगियों के डेटा को देखना, अपडेट और साझा करना सरल हो गया है, तथा इससे, चिकित्सा कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय और रोगियों की सेवा में सुधार हुआ है।

- मिनेसोटा विश्वविद्यालय के सहयोग से, इको – प्लैनर स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग (ईपीएसआई) प्रोटोकॉल के विकास के कारण, न्यूरोइमेजिंग से संबंधित एडवांस्ड मेटाबॉलिक कॉरीलैशन करना संभव हुआ है। मैग्नेटिक रेज़ोनेंस पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (एमआरपीईटी) में इस प्रोटोकॉल और पोस्ट – प्रोसेसिंग तकनीकों का एक साथ या संयुक्त रूप से उपयोग करने से, ब्रेन मेटाबॉलिजिम तथा न्यूरोलॉजिकल एवं न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों में इसकी भूमिका को बेहतर रूप से समझा जा सकता है।

- 18 F – Fet का उत्पादन करने के लिए एक किफ़ायती विधि विकसित की गई है, जो पीईटी (पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी) इमेजिंग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस रेडियोट्रेसर के किफ़ायती तौर पर उत्पादन होने से, सुलभता और वहनीयता में सुधार होता है, और जिससे अंततः नैदानिक जांच करवाने वाले न्यूरोलॉजिकल बिमारियों से पीड़ित रोगी लाभान्वित होते हैं।

  18F–AVT–011 रेडियोट्रेसर का प्रीक्लिनिकल परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया है। रेडियोट्रेसर के उपयोग से, सटीक रुप से नैदानिक जाँच तथा कुछ न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों के अंतर्निहित न्यूरोबायोलॉजिकल तंत्र को समझना संभव है।

- एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस), पार्किन्सन–रोग (पीडी), और प्रोग्रेसिव सुपरन्यूक्लियर पाल्सी (पीएसपी) से पीड़ित रोगियों में, Pbr –11C–PBR28 ट्रांसलोकेटर प्रोटीन (टीएसपीओ) रेडियोट्रेसर का संश्लेषण और परीक्षण किया गया है। इन न्यूरोडिजेनरेटिव विकारों के शीघ्र निदान और निगरानी के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं, तथा जिससे अधिक लक्षित उपचार युक्तियों के विकास में सहायता मिलती है।

- जीएबीए और ग्लूटामेट (जीएलयू) जैसे न्यूरोमेटाबोलाइट के इन विवो मापन के लिए, मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी (एमआरएस) विधियों को अनुकूलित किया गया है। यह सुविधाएं, रोगियों के लिए अधिक सटीक निदान और उपचार की निगरानी करने में सहायक हैं, तथा, इनके उपलब्ध होने से, न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसाइकियाट्रिक बिमारियों की नॉन–इनवेसिव जांच करना संभव है।

- कॉम्प्लेक्स न्यूरोवास्कुलर डिसऑर्डर्स के उपचार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वाइड नेक्ड बाइफरकेसन एन्यूरिज्म से पीड़ित, तीन रोगियों ने इंट्रासेक्यूलर फ़्लो डिस्रप्शन (कंटूर न्यूरोवास्कुलर सिस्टम, सेरस एंडोवास्कुलर का उपयोग करके) करवाया। इससे उपलब्ध होने वाले निष्कर्ष आशाजनक थे, अतेव, यह, सामान्य तौर पर की जाने वाली उपचार विधियों के मुक़ाबले में एक विकल्प सिद्ध हो सकता है।

- रेकरेंट सबड्यूरल हेमरिज के मामलों में, मिड्ल मेनिनजीएल आर्टरी (एमएमए) एम्बोलाइजेशन का उपयोग करने की एक नई पद्धति अपनाई गई है। इस न्यूनतम इनवेसिव तकनीक के उपयोग से, इस गंभीर स्थिति को संभालना तथा अधिक इनवेसिव सर्जिकल इलाज़ की आवश्यकता को कम करना मुमकिन है।

- कर्नाटक सरकार के समर्थन से ऑर्गन रिट्रीवल सेंटर (अंग पुनर्प्राप्ति केंद्र) की स्थापना की गई है। पिछले कुछ महीनों में, इस केंद्र के माध्यम से लिवर, स्किन और कॉर्निया के प्रत्यारोपण का सफलतापूर्वक समन्वय किया गया है।

- राज्य भर में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को कारगर बनाने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा (दिसंबर 2022 में) मानसिक स्वास्थ्य समीक्षा बोर्ड की स्थापना की गई है, जो मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में विभिन्न संस्थानों के प्रयासों को एकजुट करता है। इस बोर्ड ने, सहमति, उपचार और अस्पताल से छुट्टी से संबंधित प्रक्रियाओं हेतु, एसओपी (उद्देश्यों के विवरण) तैयार करने के लिए, 2018 में, निम्हान्स में गठित विभागीय आंतरिक समीक्षा समिति द्वारा पहले किए गए कार्यों को संभाला है।

- अधिकांश ब्रेन ट्यूमर्स के आणविक परीक्षण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए न्यूरो–ऑन्कोलॉजी प्रयोगशाला में विभिन्न नए परीक्षण शुरू किए गए हैं। लैब द्वारा किए जाने वाले आणविक नैदानिक परीक्षणों में शामिल हैं: 1p19q के लिए FISH, CDKN2A/B, CMYC, NMYC, EGFR, MN1, BRAF, EWSR1; IDH और H3.3/3.1 की डीएनए सिक्वेंसिंग, TERT प्रमोटर म्यूटेशन, BCOR ITD; BRAF फ्यूज़न की पीसिआर, MGMT प्रमोटर मिथाइलेशन; और मेडुलोब्लास्टोमा मॉलिक्यूलर पैनल। यह देश की उन कुछ ख़ास प्रयोगशालाओं में से एक है, जहां बायोमार्कर के हाई थ्रूपुट वेलिडेशन के लिए टिश्यू माइक्रोएरे तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। नेक्स्ट जनरेशन सिक्वेंसिंग के उपयोग से, ब्रेन ट्यूमर पैनल के आणविक परीक्षण भी जल्द ही शुरू किये जाएंगे।

- एंटी – हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) एंटीबॉडी का निदान करने के लिए सीरोलॉजिकल परिक्षण शुरू किये गए हैं। एंटी – एचसीवी एंटीबॉडी के निदान के लिए, यह परीक्षण, एक विश्वसनीय और कुशल विधि है, जिससे हेपेटाइटिस सी संक्रमण का शीघ्र पता लगाया जा सकता है। इस रोग का, समय रहते उचित इलाज़ करने के लिए, इस तरह के परीक्षणों द्वारा इसका पता लगाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

- जून 2022 में प्रारंभ किये गए फ्लो साइटोमेट्री – आधारित CD19 CD20 B सेल फेनोटाइपींग परिक्षण, न्यूरोलॉजी रोगियों के बी सेल्स की जांच करने हेतु अधिक सक्षम बनने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाते हैं। यह परीक्षण न केवल न्यूरोलॉजिकल बिमारियों के निदान और चिकित्सा में सहायता करते हैं, अपितु इसके अन्य व्यापक पहलु भी हैं। व्यापक पहुंच और प्रभाव सुनिश्चित करने के लिये, इस सेवा का विस्तार अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों में भी किया जा रहा है।

- बाल मनोचिकित्सा केंद्र (सीपीसी) और किशोर मनोचिकित्सा केंद्र (एपीसी) वार्डों में वालंटियर – आधारित गतिविधियों को फिर से शुरू किया गया है। एनसीडब्ल्यूबी में वेलबीइंग वालंटियर कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित स्वयंसेवक कार्यकर्ता, विभिन्न गतिविधियों में युवा रोगियों को शामिल करने के लिए उदारतापूर्वक अपना समय और कौशल प्रदान करते हैं। इनमें इनडोर गेम, कला और शिल्प, नृत्य और संगीत सत्र और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं। यह कार्यक्रम पूरी तरह से स्वैच्छिक है और संस्थान पर इसके कारण कोइ वित्तीय बोझ् नहीं पड़ता है। इन सत्रों का आयोजन एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम के तहत किया जाता है, और इनमें की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों का भावनात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास करना एवं उन्हें मिलनसार बनाना संभव है।

## मानव संसाधन विकास

### अकादमिक

निम्हान्स की कार्यशैली में नवाचार अंतर्निहित है तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान से संबंधित अकादमिक क्षेत्र में निम्हान्स ने आकांक्षात्मक मानदंड स्थापित किए हैं। 30 अकादमिक विभागों के साथ यह संस्थान, सुपर–स्पेशलिटी एमसीएच और डीएम पाठ्यक्रम, पोस्ट–डॉक्टर फैलोशिप,

डॉक्टरेट अध्ययन, एमफिल, मास्टर डिग्री, डिप्लोमा और चुनिंदा विषयों में स्नातक कार्यक्रमों सहित कई और पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

सम्पूर्ण रूप से शिक्षा प्रदान करने के लिए, अपनी बहु – विषयक पद्धति की वज़ह से, निम्हान्स ने विशेष ख्याति प्राप्त की है। छात्रों के लिए एक शिक्षण अस्पताल, विशेष क्लीनिक, अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं। यह समृद्ध वातावरण, ख़ास शिक्षकों से प्रशिक्षण प्राप्त करने में, छात्रों को सक्षम बनाता है। उन्हें व्यापक रोगी आबादी के संपर्क में आने से भी लाभ होता है, जिससे उनके नैदानिक कौशल और ज्ञान में वृद्धि होती है।

भारत में सम्मानित विश्वविद्यालय रैंकिंग एजेंसियों से निरंतर उच्च रैंकिंग प्राप्त करना, देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक के रूप में, निम्हान्स की प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

समीक्षा अवधि के दौरान, 48 छात्रों ने पीएचडी सम्पूरित की (बायोफिज़िक्स: 2, बायोस्टैटिस्टिक्स: 1, क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज: 4, क्लिनिकल साइकोलॉजी: 11, क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी: 2, ह्यूमन जेनेटिक्स: 2, मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन: 1, न्यूरोकेमिस्ट्री: 1, न्यूरोपैथोलॉजी: 1, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी ,1 :न्यूरोफिजियोलॉजी: 3, न्यूरोवायरोलॉजी: 1, नर्सिंग: 3, साइकियाट्रिक सोशल वर्क: 10, साइकियाट्री: 5)। कुल 37 उम्मीदवारों ने पोस्ट–डॉक्टरल फैलोशिप प्राप्त की। कुल 37 उम्मीदवारों ने डीएम की डिग्री प्राप्त की (न्यूरोलॉजी: 20, न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर: 5, न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी: 4, न्यूरोपैथोलॉजी: 1, जेरियाट्रिक साइकियाट्री: 1, एडिक्शन साइकियाट्री: 2, चाइल्ड एंड अडोलेसेंट साइकियाट्री: 4), एमसीएच (न्यूरोसर्जरी): 10, एमडी (साइकियाट्री): 32, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच): 8. फैलोशिप: 11 (साइकियाट्रिक रिहैबिलिटेशन: 2, जेरियाट्रिक मेंटल हेल्थ केयर: 1, बुजुर्गों के लिए मनोसामाजिक सेवा: 1, क्लीनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी: 1, साइकोसोशल सपोर्ट इन डिजास्टर मैनेजमेंट: 4 और मेंटल हेल्थ एजुकेशन: 2)। एमफिल: 62 (बायोफिज़िक्स: 2, न्यूरोफिजियोलॉजी: 2, क्लिनिकल साइकोलॉजी: 27 और साइकियाट्रिक सोशल वर्क: 31)। एमएससी साइकियाट्रिक नर्सिंग: 7. बीएससी डिग्री: 94 (नर्सिंग: 76, रेडियोग्राफी: 10 और एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी: 8)। पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग (पीबीबीएन): 40, पोस्ट–बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक/मेंटल हेल्थ नर्सिंग (डीपीएन): 44 और पोस्ट–बेसिक डिप्लोमा इन न्यूरो नर्सिंग (डीएनएन): 9. न्यूरोपैथोलॉजी टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स: 1.

## क्षमता निर्माण (कपैसिटी बिल्डिंग)

बहुसंख्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, वैज्ञानिकों और विद्वानों को सशक्त बनाने में, निम्हान्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही है – उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में सुधार करने के लिए, निम्हान्स, आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। चिकित्सकों और नीति निर्माताओं के साथ सहयोग करते हुए, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला को सुविधाजनक बनाने के लिए, निम्हान्स साल भर सक्रिय रूप से कार्यरत रहता है। मेडिकल, पैरा–मेडिकल और नर्सिंग पेशेवरों को उन्नत तकनीकी ज्ञान प्रदान करने तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी राष्ट्र की जरूरतों को पूरा करने हेतु कुशल एवं रोजगार योग्य जनशक्ति विकसित करने के लिए यह संस्थान सक्रिय रूप से कार्यरत है।

केवल व्यावहारिक प्रशिक्षण ही नहीं, अपितु, देखभाल करने वालों, पुलिस कर्मियों, मीडिया कर्मियों, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों सहित अन्य लोगों को भी प्रशिक्षित किया जाता है। निरंतर अभ्यास करने हेतु, इस संस्थान के संकाय, कर्मचारी और छात्र, नियमित रूप से विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अन्य अकादमिक प्रयासों का आयोजन करते हैं / उनमें भाग लेते हैं। इन पहलकदमी को स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाने और देश में एक सुविज्ञ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, इन पहलकदमीयों से जुड़े कार्यों को डिज़ाइन किया गया है।

**निम्हान्स डिजिटल अकादमी (एनडीए):** अकादमी ने पूरे वर्ष, मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित उत्कृष्ट डिजिटल प्रशिक्षण प्रदान करना जारी रखा, तथा बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम का विस्तार किया गया। यह अकादमी अब 27 अलग – अलग पाठ्यक्रम प्रदान करती है, जिनमें ऑनलाइन और हाइब्रिड दोनों प्रारूपों में विशेष डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम शामिल हैं।

देश भर में, मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों की वृद्धि करने के लिए, एनडीए ने ओडिशा डिजिटल अकादमी, एलजीबीआरआईएमएच डिजिटल अकादमी और एम्स – देवगढ़ डिजिटल अकादमी जैसी संस्थानों के साथ सहयोग किया है ताकि पाठ्यक्रम आयोजित किए जा सकें और देश भर में मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को संभाला जा सके। ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से, हरियाणा तथा जम्मू और कश्मीर जैसे राज्यों के मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को संपन्न बनाने के लिए, यह अकादमी, इन राज्यों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए, सक्रिय रूप से काम कर रही है।

एनडीए ने अब तक 693 डॉक्टरों, 50 मनोवैज्ञानिकों, 62 सामाजिक

कार्यकर्ताओं, 1,686 नर्सों, अन्य पेशेवरों और जन साधारण सहित कुल 6,407 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

डॉक्टरों, नर्सों/सीएचओ और फील्ड – स्तरीय श्रमिकों सहित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सभी संवर्गों के राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए, गोल्डमैन सैक्स ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत, निम्हान्स को सहयोग प्रदान करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं। पिछले वर्ष में, निम्हान्स ने 3,487 सहभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, और पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक राज्यों में 135 रोगियों को सीधे लाभ हुआ है। इसके अतिरिक्त, तेलंगाना, उत्तराखंड और झारखंड राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार करने की योजना बनाई गई है।

**सपोर्ट एडवोकेसी एंड मेंटल हेल्थ इंटरवेंशंस फॉर चिल्ड्रन इन वल्नरेबल सरकमस्टान्सेस एंड डिस्ट्रेस (संवाद):** "बाल संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक देखभाल के लिए राष्ट्रीय पहल और एकीकृत संसाधन" जो अब संवाद (सपोर्ट एडवोकेसी एंड मेंटल हेल्थ इंटरवेंशंस फॉर चिल्ड्रन इन वल्नरेबल सरकमस्टान्सेस एंड डिस्ट्रेस) कहलाता है, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD), भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक उल्लेखनीय परियोजना है। निम्हान्स के बाल और किशोर मनोचिकित्सा विभाग में स्थित "संवाद" का प्राथमिक उद्देश्य, बच्चों और किशोरों का मनोसामाजिक कल्याण करना है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य और बाल संरक्षण के लिए एकीकृत युक्तियों पर उचित ध्यान देना इस परियोजना का प्रमुख लक्ष्य है। प्रदाताओं और हितधारकों के विभिन्न समूहों के लिए, अपने दूसरे चरण में, "संवाद" द्वारा भारत के 29 राज्यों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। बाल संरक्षण कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षा प्रदाताओं और न्यायिक कर्मियों के लिए, इन कार्यक्रमों की रूप–रेखा तैयार की गई थी, जिसका उद्देश्य उन्हें, बच्चों और नवयुवकों के मानसिक स्वास्थ्य और संरक्षण पर उचित ध्यान देने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। मार्च 2023 तक, "संवाद" द्वारा कुल 511,419 कर्मियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है, जिससे भारत में, असुरक्षित बच्चों के समग्र कल्याण और संरक्षण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

**जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम:** केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य (एनपीसीसीएचएच) हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत, प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में, निम्हान्स ने, एनपीसीसीएचएच कार्यान्वयन की देखरेख करने वाली नोडल एजेंसी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया। जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के संबंध में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्य योजना, प्रशिक्षण मॉड्यूल, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), सर्वोत्तम अभ्यास के विषयों में प्रलेखन, जांच प्रक्रियाओं की रूपरेखा, तथा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री जैसे महत्वपूर्ण घटकों के विकास में, इस संस्थान ने अपना योगदान दिया है। इन कार्यों को करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ दल से मंजूरी मिल गई है और वर्तमान में मंत्रालय द्वारा विचाराधीन हैं।

**आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षुओं की सकारात्मक मनोवैज्ञानिक विशेषताओं का विशेषीकरण:** नैदानिक मनोविज्ञान विभाग ने, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं की सकारात्मक मनोवैज्ञानिक विशेषताओं का पता लगाने की पहल की है। इस कार्यक्रम के तहत, अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक सोच विकसित करने और कार्यस्थल से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए, इस विभाग ने अल्पकालीन मनोवैज्ञानिक उपचार प्रदान किया है। नौ व्यक्तिगत कार्यशाला सत्रों के माध्यम से, भारतीय पुलिस सेवा के 73वें और 74वें आरआर बैच के लगभग 270 आईपीएस अधिकारियों के लिए, यह उपचार कार्यक्रम, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए), हैदराबाद, में आयोजित किया गया था।

निम्हान्स संसाधन व्यक्तियों के साथ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों के 73वें और 74वें आरआर बैच

**भारतीय वायु सेना के अधिकारियों के लिए मेंटरिंग और मानसिक स्वास्थ्यवर्धन कार्यक्रम:** भारतीय वायु सेना के अधिकारियों और प्रशिक्षकों की मेंटरिंग और मानसिक स्वास्थ्यवर्धन हेतु वर्कशॉप आयोजित करने के लिए, 21 जून 2022 को निम्हान्स और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे।

विभिन्न प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों और भारतीय वायुसेना की संस्थानों में पदस्थापित प्रशिक्षकों को, काउंसलिंग के तरीकों में निपुण बनाने के लिए, इस कार्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है। इससे प्रशिक्षुओं को, प्रारंभिक सैन्य प्रशिक्षण से जुड़े तनाव को क़ाबू कर पाने और भविष्य में आनेवाली जीवन की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करने में मदद मिलेगी।

एयर मार्शल साजू बालाकृष्णन, वरिष्ठ वायु बलाधिकरण अधिकारी, मुख्यालय प्रशिक्षण कमान और डॉ. प्रतिमा मूर्ति, निदेशक, निम्हान्स, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए।

## अनुसंधान और प्रकाशन

ज्ञान एवं नवाचार के उपयोग से, स्वास्थ्य सेवा को उत्कृष्ट बनाने के संबंध में की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों में आवश्यक बदलाव करने के लिए, निम्हान्स एक प्रमुख संस्थान है। अनुसन्धान हेतु पथप्रदर्शक प्रयासों को करने और उपलब्ध ज्ञान द्वारा स्वास्थ्य सेवा में सुधार लाने के लिए, साक्ष्य – आधारित पद्धति प्रभावशाली परिणामों को सुनिश्चित करती है। स्वास्थ्य सेवा के प्रतिमानों को फिर से आकार देने और वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धन में सुधार की निरंतर कोशिश करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इस संस्थान ने, अनुसंधान का विस्तार करने और अभ्यास करने के नए रास्ते खोलने के लिए, वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रमुख संगठनों के साथ लंबे समय से सहयोग स्थापित किया है।

राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली कुछ महत्वपूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

**एडवांसिंग अप्रोचिज़ टू डिमेंशिया एसोसिएटेड रिसर्च (एएडीएआर):** दक्षिण बेंगलुरु में डिमेंशिया (मनोभ्रंश) के लिए उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने हेतु, केंद्र सरकार द्वारा एक वित्त पोषित परियोजना के तहत निम्हान्स को कार्यभार सौंपा गया है। डिमेंशिया एसोसिएटेड रिसर्च के लिए उन्नत प्रयास (ऐऐडीऐआर) नामक यह परियोजना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा हाल ही में शुरू की गई अपनी तरह की पहली शोध पहल है। इसके तहत डिमेंशिया की व्यापकता, आपतन और जोखिम की जांच की जाएगी तथा दक्षिण बेंगलुरु में डिमेंशिया के विषय पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के साथ निम्हान्स, "स्ट्रेंग्थेनिंग रेस्पॉन्सेस टू डिमेंशिया इन डेवलपिंग कन्ट्रीज (एसटीआरआईडीइ)" नामक एक परियोजना पर भी काम कर रहा है।

**मनोरोग चिकित्सा में न्यूरोमॉड्यूलेशन हेतु नैदानिक अनुसंधान केंद्र:** बायोटेक्नोलॉजी विभाग – वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस द्वारा प्रदान किये गए प्रतिष्ठित क्लिनिकल / पब्लिक हेल्थ रिसर्च सेंटर अनुदान के तहत, निम्हान्स में, "मनोरोग चिकित्सा में न्यूरोमॉड्यूलेशन हेतु नैदानिक अनुसंधान केंद्र" की स्थापना की गई है। केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (रांची) और कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज (मणिपाल) के सहयोग से निम्हान्स के नेतृत्व में इस बहु–संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम का उद्देश्य, भारत में, मनोरोग चिकित्सा में न्यूरोमॉड्यूलेटरी हस्तक्षेप से संबंधित कई महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करना है।

**द कंसर्टियम ऑफ़ वल्नेरेबिलिटी टू एक्सटर्नलाइजिंग डिसऑर्डर्स एंड एडिक्शन्स (सीवीईडीए):** सीवीईडीए कोहोर्ट अध्ययन ने अपनी पहली मूल्यांकन लहर में, सबसे बड़े भारतीय ब्रेन डेवलपमेंट डेटाबेस और 9000 से अधिक सहभागियों के जैव–भंडार को स्थापित करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। इस कोहोर्ट के तीन वर्षों के डेटा ने पहली बार, न्यूरोडेवलपमेंटल शोध से संबंधित विशेष विषयों (भारतीय मस्तिष्क टेम्पलेट, संरचना के मस्तिष्क विकास मानचित्र, फंक्शनल कनेक्टिविटी, मनोवैज्ञानिक क्षमता, डेवलपमेंटल जोखिम की पहचान) और एक साझा करने योग्य डेटाबेस एवं बायोबैंक की स्थापना के विकास को सक्षम किया है।

**राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण – चरण 2 (भारत के बड़े शहरों में इसकी रूपरेखा):** बड़े शहरों में रहने वाली, राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि शहरी आबादी में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के वास्तविक बोझ की जांच करने और विशेष रूप से सामाजिक–आर्थिक सहसंबंधों तथा शारीरिक बीमारियों का आकलन करने हेतु, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण – चरण 2 सर्वेक्षण को शुरू किया गया है। इसके अलावा, चल रही कोवीड़–19 वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए, कोवीड़–19 से संबंधित पहलुओं का एक संक्षिप्त आकलन भी किया जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में एपिलेप्सी को समाविष्ट करने के लिए, आकलन के व्यापक दीशानिर्देशों का पालन किया जाएगा। इस प्रकार इस सर्वेक्षण के द्वारा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, मादक द्रव्यों के सेवन, एपिलेप्सी, और स्नायविक विकारों से निपटने में मदद मील सकेगी।

**स्टेम सेल के उपयोग द्वारा मस्तिष्क विकारों से संबंधित अनवेषण के लिए त्वरक कार्यक्रम (एडीबीएस):** मानसिक बीमारी को समझने के लिए, परिष्कृत नैदानिक जांच, आधुनिक मानव आनुवंशिकी और स्टेम सेल टेक्नोलोजी की शक्ति का उपयोग करने हेतु, एडीबीएस एक नया वैज्ञानिक उद्यम है। निम्हान्स, नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीऐस), और इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल बायोलॉजी एंड रीजनरेटिव मेडिसिन (इन स्टेम) के संयुक्त नेतृत्व के तहत एडीबीएस को शुरू किया गया है।

**सुरक्षा परियोजना:** कर्नाटक सरकार और हिमालय वेलनेस कंपनीके सहयोग से निम्हान्स द्वारा रामानगर जिले के चन्नापटना तालुक में एक समुदाय–आधारित आत्महत्या रोकथाम सुरक्षा नामक मॉडल (ट्रैक करने के लिए

निगरानी प्रणाली – आत्महत्या और आत्म–नुकसान) 23 नवंबर 2022 को लॉन्च किया गया था ।

परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य आत्महत्या रोकथाम अनुसंधान और निगरानी के लिए एक स्वदेशी पायलट मॉडल ढांचा विकसित करना है। पायलट कार्यक्रम समुदाय–आधारित आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रमों की व्यवहार्यता और स्वीकार्यता और किसानों, मजदूरों, दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों, छात्र समुदायों, मीडिया पेशेवरों और महिला समूहों को शामिल करने वाले विभिन्न नोडल हितधारक समूहों में उन्की लागत प्रभावशीलता का आकलन करेगा । यह भविष्य के अनुदैर्ध्य अध्ययनों के लिए एक समूह भी स्थापित करेगा, जो एक अवधि में होने वाले किसी भी परिवर्तन का पता लगाने के लिए एक ही व्यक्ति की बार–बार जांच करना है। पायलट अनुसंधान और व्यवहार्यता अध्ययन के बाद, परियोजना को तीन साल की अवधि में राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाया जाएगा।

सुरक्षा परियोजना का उद्घाटन

**एनिग्मा इनिशिएटिव':** निम्हान्स और दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (एससीयू), यूएसए ने 9 फरवरी 2023 को 'ग्लोबल एजिंग एंड मेंटल हेल्थ के लिए इंडिया एनिग्मा इनिशिएटिव' अनुसंधान परियोजना शुरू की। पांच साल की परियोजना का उद्देश्य मस्तिष्क की उम्र को बढ़ने में तीव्रता लाने वाले विभिन्न कारकों के आसपास ज्ञान की खाई को पाटना है।

इस पहल का औपचारिक उद्घाटन 9 फरवरी 2023 को डॉ. पॉल एम. थॉम्पसन, निदेशक, इमेजिंग जेनेटिक्स सेंटर (आईजीसी), यूएससी और डॉ. प्रतिमा मूर्ति, निदेशक, एनआईएमएचएएनएस द्वारा किया गया।

इसका उद्देश्य भारतीय आबादी में मस्तिष्क की उम्र बढ़ने में योगदान देने वाले कारकों का अध्ययन करना है जो अल्जाइमर डिमेंशिया और अन्य संबंधित विकारों के लिए बढ़ते जोखिम का कारण बन सकते हैं। अध्ययन में 400 स्वैच्छिक प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा, जिसमें स्वस्थ वृद्ध वयस्क और स्मृति हानि वाले व्यक्ति शामिल होंगे।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन एजिंग (एनआईए), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईए), यूएसए द्वारा वित्त पोषित, इस परियोजना को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह अध्ययन वैश्विक एनिग्मा (मेटा–विश्लेषण के माध्यम से न्यूरोइमेजिंग जेनेटिक्स को बढ़ाना) कंसोर्टियम के काम का हिस्सा होगा, जो मस्तिष्क विकारों का अध्ययन कर रहा है।

एनिग्मा पहल का उद्घाटन

**आयुष अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र:** एकीकृत चिकित्सा विभाग में आयुष अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन 22 सितम्बर 2022 को भारत सरकार के माननीय आयुष और बंदरगाह, शिपिंग मंत्री डॉ. सर्बानंद सोनोवाल ने किया । आयुष मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम आयुर्स्वास्थ्य योजना के तहत स्थापित यह केन्द्र न्यूरो इमेजिंग, आंत माइक्रोबायोम, प्रतिरक्षा पैरामीटर और आनुवंशिकी के संदर्भ में आयुर्वेद दोष (वात, पित्त, कफ) विन्यास के जैविक आधार को समझने पर ध्यान केंद्रित करेगा ।

आयुष और बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री, भारत सरकार डॉ सर्बानंद सोनोवाल द्वारा आयुष अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

केंद्र एकीकृत आयुर्वेद और योग पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आयोजित करेगा जिससे स्किज़ोफ्रेनिया, अल्जाइमर रोग, अवसाद और मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसी स्थितियों को सही करने में सहायता मिल सके । यह

एक एकीकृत डिजिटल डेटाबेस भी बनाएगा और चिकित्सक–वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित और विकसित करेगा, जिनके पास पारंपरिक और आधुनिक दोनों वैज्ञानिक दृष्टिकोणों से मस्तिष्क–स्वास्थ्य की जांच करने में बेहतरीन कौशल है ।

2022 –23 की अवधि के दौरान, विभिन्न विषयों के शिक्षाविदों ने सम्मानित प्रकाशनों में अपने शोध कार्यों को प्रकाशित करना जारी रखा। सुर्ख़ियों में रहने वाले वैज्ञानिक आलेखों तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशनों में कुल 945 वैज्ञानिक लेख/पत्र प्रकाशित किए गए (562 लेख अंतर्राष्ट्रीय आलेखों में, 274 राष्ट्रीय आलेखों में, और 109 अन्य प्रकाशनों में, जैसे की मोनोग्राफ, नियमावली, पुस्तकों में अध्याय, समाचार पत्रों में लेख आदि)।

## वैश्विक स्तर पर सहकार्य

निम्हान्स ने प्रसिद्ध वैश्विक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं। लिवरपूल विश्वविद्यालय के साथ, एक डुअल पीएचडी प्रोग्राम और अल्पकालिक संकाय विनिमय अध्येतावृत्ति के लिए सहमति बनी है।

मास्ट्रिच विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी का उद्देश्य, संयुक्त अनुसंधान और अकादमिक कार्यक्रमों के लिए, एक पारस्परिक रूप से लाभकारी तंत्र बनाना है। हमारी संस्थान ने, नर्सिंग प्रशिक्षण पहलकदमी के लिए ओस्लो विश्वविद्यालय के साथ एक मुआहिदा भी किया है।

निम्हान्स के सहयोग से, आईसीयू सेटिंग्स में मानसिक स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, USAID RISE Jhpiego एक महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व कर रहा है। आईसीयू रोगियों, उनके परिवारों और तनावपूर्ण स्थिति में काम करने वाले स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, इस कार्यक्रम के माध्यम से एक व्यापक लर्निंग रिसोर्स पैकेज (एलआरपी) तैयार किया जा रहा है।

ये मुआहिदे, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए निम्हान्स की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, तथा मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका संबंधी विकारों की समझ और उपचार हेतु ज्ञान के आदान – प्रदान और प्रगति में सहायक होते हैं।

## आउटरीच एंड एक्सटेंशन एक्टिविटीज़

**सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (सीपीएच):** सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षमता को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, सीपीएच द्वारा मास्टर्स इन पब्लिक हेल्थ (एमपीएच) प्रोग्राम संचालित किया जाता है। अब तक, 15 छात्रों ने अपना पाठ्यक्रम पूरा किया है। सीपीएच ने सार्वजनिक स्वास्थ्य वेधशाला के रूप में कोलार जिले को अपनाया है, जो बेंगलुरु से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित है। मानसिक, व्यावहारिक और दुर्व्यसन (नशा संबंधी) विकारों के लिए सेवाओं को प्रदान करने में सुधार करने के लिए व्यवस्थित रुप से क्षमता को मजबूत बनाने वाले कार्यकलाप और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को एनसीडी देखभाल में एकीकृत करने का कार्य किया गया है। युवा स्पंदन कार्यक्रम द्वारा युवा स्वास्थ्य संवर्धन और सशक्तिकरण की सुविधा, सम्पूर्ण राज्य के सभी जिलों में शुरू की गयी है। सीपीएच, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन में, केंद्र और राज्य सरकारों को सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। कर्नाटक में, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) का निरीक्षण करने के लिए विकसित किये गए, रियल टाईम सॉफ्टवेयर को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध करवाने का विचार किया जा रहा है।

**सेंटर फॉर एडिक्शन मेडिसिन( सीएएम):** यह केंद्र, विनिवर्तन लक्षणों और पुनरावर्ती की दीर्घकालिक रोकथाम के लिए के लिए व्यक्तिगत रूप से अनुरुपित औषधीय उपचार, व्यक्तिगत, पारिवारिक और समूह के स्तर पर परामर्श, तथा चिकित्सा–पश्चात गहन देखभाल जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इस केंद्र में, 80 बिस्तरों वाली इन–पेशेंट सुविधा उपलब्ध है: अधिक गहन देखभाल और उपचार हेतु, पुरुषों के लिए 60, महिलाओं के लिए 10 और 10 हाई डिपेंडेंसी बिस्तर हैं। आउट पेशेंट सेवा हर सोमवार, गुरुवार और शनिवार (छुट्टियों के दिनों को छोड़कर) के दिनों में प्रदान की जाती है।

ऐसी आबादी, जहाँ मादक–पदार्थों के दुरुपयोग की संभावना प्रखर हो, उनकी पहचान करने, सामुदायिक स्तर पर उपचार एवं परामर्श प्रदान करने तथा नशे की लत की रोकथाम करने के लिए, इस केंद्र में एक समर्पित टीम है। इस प्रक्रिया में, आफ्टरकेयर वर्कर्स की सेवाएं, फॉलो–अप्स की संख्या को बनाये रखने में बहुत लाभ दायक सिद्ध हुई हैं।

डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम एवं ऑउट–पेशेंट रोगियों की जांच एवं दवा से संबंधित विवरण का अंकीकरण सफल रहा है। इस प्रक्रिया के कारण, रोगियों को अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है और बार–बार पंजीकरण नहीं करवाना पड़ता है। अस्पताल में भर्ती रोगियों के लिए और आपातकालीन सेवा हेतु, डिजिटल सेवाओं को जल्द ही विस्तारित किया जाएगा।

सीएएम ने, 2022 –23 के दौरान 4421 नए रोगियों और 17764 आउट पेशेंट फॉलो – अप को पंजीकृत किया। कुल 1339 मरीजों को, अंतरंग रोगी सेवा सुविधा में भर्ती कराया गया था।

पिछले वर्ष शुरू की गई टेली–एसयूडी सेवाओं के सफ़ल रहने के उपरांत, सीएएम के मौजूदा रोगियों के लिए एक टोल–फ्री कंसल्टेशन हेल्पलाइन (080–46810972) शुरू की गई है। 11372 टेलीफोनिक फॉलो – अप किए गए, और केंद्र के माध्यम से 33859 एसएमएस भेजे गए। यह सेवा, सभी कार्य दिवसों में प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक उपलब्ध होती है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय तंबाकू समाप्ति हेल्पलाइन परियोजना के हिस्से के रूप में, सीएएम में, "तम्बाकू छोड़ो" लाइन सेवाओं के लिए क्षेत्रीय उपग्रह केंद्र की स्थापना की गई है।

यह समर्पित टोल – फ्री हेल्पलाइन (1800 –112 –356) देश के सभी दक्षिणी राज्यों को कवर करते हुए कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में टेलीफोनिक परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। हर दिन, प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे के बीच (सोमवार को छोड़कर) कार्यरत इस केंद्र को, 40806 कॉल प्राप्त हुए और समीक्षा अवधि के दौरान 9491 व्यक्तियों को उचित रूप से परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। केंद्र के परामर्शदाताओं द्वारा लगभग 56205 फॉलो – अप कॉल किए गए।

नैदानिक सेवाओं के तहत न्यूरोलेप्टिक्स की थेरप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग प्रदान करने वाली ड्रग–टॉक्सिकोलॉजी लैब्रटॉरी, देश की पहली सरकारी सुविधा के रूप में उभरी है। समीक्षा अवधि के दौरान, मूत्र तथा रक्त में ड्रग्स और अल्कोहल के स्तर की जाँच के लिए कुल 18606 नमूनों का परीक्षण किया गया। अपनी सेवाओं की बढ़ती मांग को समायोजित करने के लिए, इस लैब ने हाल ही में नमूनों के परीक्षण के लिए एक अतिरिक्त ई – मशीन प्राप्त की है। बढ़ते कार्यभार को प्रभावी ढंग से संभालने और परीक्षण परिणामों को शीघ्र प्रदान करने हेतु यह सुविधा अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुई है। इस क्षेत्र में अपनी तरह की एकमात्र सुविधा होने के कारण, यह प्रयोगशाला स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और अन्य बाहरी एजेंसियों के बीच, ड्रग और अल्कोहल परीक्षण के लिए लोक–प्रिय बन गई है।

डॉक्टर एल स्वास्तिचरण,स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त उप महानिदेशक और निदेशक (आपातकालीन चिकित्सा राहत), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तंबाकू परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन

तंबाकू परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन 2 जुलाई 2022 को डॉ. एल स्वस्तिचरण, स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त उप महानिदेशक और निदेशक (आपतकालीन चिकित्सा राहत), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया । निम्हान्स को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मान्यता प्राप्त तंबाकू प्रयोगशाला नेटवर्क (टोबलैबनेट) के सदस्य के रूप में मान्यता दी गई है। टोबलैबनेट निकोटीन और तंबाकू उत्पादों का परीक्षण करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करता है और अलग अलग देशों में परीक्षण क्षमता को मजबूत करने के लिए अनुसंधान करता है।

## सीएएम द्वारा विकसित एप्स

### एडिक्शन आरएक्स एप

एडिक्शन आरएक्स एप (एंड्रॉयड और आईओएस) योग्य चिकित्सकों, चिकित्सा डॉक्टरों और विशेषज्ञों (एमबीबीएस या उच्चस्तर) के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका है ताकि व्यसन की समस्याओं से निपटने वाले रोगियों को प्रभावी देखभाल प्रदान की जा सके। «मादक द्रव्यों के उपयोग के विकारों और व्यवहार संबंधी व्यसनों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश» पुस्तक के आधार पर, यह एप एक व्यापक संसाधन है जो चिकित्सकों को सामान्य नशे की लत विकारों को समझने और प्रबंधित करने में मदद करता है।

> अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1000 डाउनलोड। रेटिंग 5 में से 4.936 निम्हान्स ई–लर्निंग

### निम्हान्स ई लर्न

निम्हान्स ई लर्न एप एक नया मंच है जिसे मानसिक स्वास्थ्य, न्यूरोलॉजिकल और मादक द्रव्यों के उपयोग संबंधी विकारों (एमएनएस) के क्षेत्र में ज्ञान और विशेषज्ञता को व्यापक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह रेजिडेंट चिकित्सकों, चिकित्सकों, प्रमाण पत्र और प्रशिक्षण कार्यक्रम कर रहे व्यक्तियों के लिए विशेषज्ञ के नेतृत्व वाले पाठ्यक्रमों और मूल्यवान संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। सीएएम द्वारा विकसित, यह शिक्षण प्रबंधन समाधान एमएनएस विकारों की समझ का विस्तार करने के लिए एक मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में कार्य करता है। 10 से अधिक ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, निम्हान्स ई लर्न एप उपयोगकर्ताओं को क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के साथ अपडेट रहने और मानसिक स्वास्थ्य सेवा के सुधार में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है। अधिक जानकारी के लिए elearn.vknnimhans.in पर लॉगइन करें

### तंबाकू से मुक्ति पर प्राइमर ई–लर्निंग मॉड्यूल

तंबाकू समाप्ति पर प्राइमर ई–लर्निंग मॉड्यूल एक लचीला और स्व–विकसित शैक्षिक संसाधन है जो तंबाकू के उपयोग को छोड़ने पर ज्ञान प्राप्त करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए डिज़ाइन किया गया है।

24/7 सुलभ, यह शिक्षार्थियों को अपनी सुविधानुसार नामांकन करने और अपनी पसंदीदा गति से प्रगति करने की अनुमति देता है। तीन व्यापक पाठ, दस सूचनात्मक विषयों और तीन इंटरैक्टिव क्विज़ के साथ, शिक्षार्थी तंबाकू समाप्ति की पूरी तरह से समझ हासिल कर सकते हैं। इस मूल्यवान संसाधन तक पहुंचने के लिए, निम्हान्स इको एप या वेबसाइट पर जा सकते हैं https://vknnimhans.in/courses/primer-on-tobacco-cessation/

**निम्हान्स सेंटर फॉर वैल बीइंग (एनसीडब्ल्यूबी):** शहरी सामुदायिक केंद्र मानसिक स्वास्थ्य के निवारक और प्रोत्साहक पहलुओं पर काम करता है। एनसीडब्ल्यूबी नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है और विभिन्न प्रशिक्षण और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करता है। केंद्र 17 क्लीनिक चलाता है जो मामूली मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप और मनोवैज्ञानिक सहायता सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है।

पेशेवरों और आम जनता के लिए केंद्र द्वारा विभिन्न इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। केंद्र द्वारा विकसित आईईसी सामग्री के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता। केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर 2000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें इन-हाउस और आउटरीच सेवाएं दोनों शामिल हैं।

स्वास्थ्य स्वयंसेवकों के सातवें बैच का प्रशिक्षण चार महीने की अवधि के लिए आयोजित किया गया। पैंतालीस स्वयंसेवकों को उनके समुदायों में लोगों के स्वास्थ्य और देख भाल में मदद करने के लिए प्रशिक्षित किया गया ।

**सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य :** मनोवैज्ञानिक पुनर्वास की आवश्यकता वाले इल्क्तियों को व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए 1 सितंबर 2022 को सकलवाड़ा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में पीआरएस के तहत रोगी सेवाएँ इसके पहले बैच में नौ रोगियों के प्रवेश के साथ शुरू हुईं, जिनमें चार पुरुष और पाँच महिलाएँ शामिल थीं। वर्तमान समूह में 11 मरीज़ शामिल हैं, जिनमें चार महिलाएँ और सात पुरुष हैं।

इस पहल की आधारशिला मनोवैज्ञानिक सलाहकारों, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं और सामुदायिक नर्सिंग स्टाफ, पीआरएस में विशेषज्ञता वाले पीएचडी विद्वानों और विभिन्न विषयों में विभिन्न प्रशिक्षुओं सहित एक बहु मटी कयषवि-का सहयोगी प्रयास है। टीम प्रशासनिक सहायक कर्मचारियों, अनुभाग प्रशिक्षकों और सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर काम करती है, जो केंद्र के सुचारू कामकाज में योगदान देती है।

नैदानिक देखभाल से परे, रोगियों ने अपनी अपनी रुचियों के अनुरूप गतिविधियों में भाग लिया । कंप्यूटर कौशल, सिलाई, ड्राइंग, शिल्प, बागवानी और सफाई सत्र रचनात्मकता और कौशल विकास के लिए आउटलेट प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, रोगी विशिष्ट दिनों में सकलवाड़ा ओपीडी सेवाओं में भाग लेते हैं, और शनिवार को एक साप्ताहिक फिल्म स्क्रीनिंग मनोरंजन प्रदान करती है। पीएसडब्ल्यू, नर्सिंग स्टाफ और समन्वयक द्वारा देखरेख की जाने वाली शाम की मनोरंजन गतिविधियां और खेल, सामाजिक संपर्क और आराम को बढ़ावा देते हैं।

प्रदान की जाने वाली सेवाएं रोगियों की व्यावहारिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को भी पूरा करती हैं। विशिष्ट आवश्यकताएं, जैसे कपड़े, प्रसाधन सामग्री, और सौंदर्य प्रसाधन, अस्पताल प्रणाली के माध्यम से पूरी की जाती हैं, और रोगियों को आवश्यकतानुसार अपने व्यक्तिगत धन का उपयोग करने का भी विकल्प रहता है।

निर्बाध संचार और मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए, टीम शुक्रवार को साप्ताहिक समीक्षा और सलाहकार दौर आयोजित करती है। यह एकीकृत दृष्टिकोण, नैदानिक, मनोसामाजिक और मनोरंजक तत्वों का संयोजन, सकलवाड़ा परिसर में एक समग्र उपचार वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करता है।

## मूलभूत व्यवस्थाएँ और अन्य सुविधाएं

- मनोचिकित्सा स्वागत क्षेत्र का उद्घाटन श्री पी सी मोहन,माननीय संसद सदस्य और माननीय न्यायमूर्ति एन. कुमार, कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश द्वारा दिनांक 11 अप्रैल 2022 को किया गया । यह सुविधा मनोरोग देखभाल की मांग करने वाले व्यक्तियों के लिए एक स्वागत योग्य वातावरण प्रदान करती है और बेहतर पहुंच सुनिश्चित करती है।

मनोचिकित्सा रिसेप्शन एरिया का उद्घाटन माननीय संसद सदस्य पीसी मोहन और कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन कुमार

- केंद्रीय बाँझ सेवा विभाग (सीएसएसडी) के स्थानांतरण की शुरुआत 25 मई 2022 को डॉ.आर. एम. वर्मा सबस्पेशलिटी ब्लॉक में एक अभूतपूर्व समारोह के साथ की गई । इस कदम का उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों के लिए कड़े नसबंदी मानकों को बनाए रखने के लिए सुविधाओं का आधुनिकीकरण करना है। उन्नत सीएसएसडी विभाग अस्पताल के भीतर स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जोकि रोगी सुरक्षा और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा दोनों के वितरण को प्राथमिकता देगा।

- निम्हान्स भारत की पहली महिला जेल मनोचिकित्सा रोगी वार्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। यह पहल महिला कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के समाधान के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो जेल प्रणाली के भीतर उनके सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को पहचानती है। पर्याप्त स्थान की पहचान कर ली गई है, और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अवसंरचनात्मक व्यवस्था और संशोधन चल रहे हैं। इस विशेष वार्ड की स्थापना जेल में बंद महिलाओं को लिंग–संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।

- बाल और किशोर मनोचिकित्सा विभाग ने समीक्षा अवधि के दौरान युवा रोगियों की भलाई के लिए विभिन्न उपचार शुरू किए। बाल मनोरोग केंद्र (सीपीसी) और किशोर मनोरोग केंद्र (एपीसी) दोनों वार्डों में पुस्तकालयों को निम्हान्स पुस्तकालय और सूचना केंद्र के कर्मचारियों की जानकारी द्वारा नवीनीकरण किया गया – जिसके परिणामस्वरूप बच्चों के लिए और अधिक अच्छा और सुविधापूर्ण स्थान बन पाया । विभिन्न विभागों के सलाहकारों और कर्मचारियों से पुस्तकों और नाटक सामग्री के मूल्यवान योगदान ने पुस्तकालय को और समृद्ध किया।

मनोचिकित्सा डीलक्स वार्ड का उद्घाटन

- मनोचिकित्सा डीलक्स वार्ड 14 फरवरी 2023 को खोला गया। वार्ड विशाल आवास, आधुनिक चिकित्सीय सुविधाएं और उपचार के लिए अनुकूल एक शांत वातावरण प्रदान करता है।

- निम्हान्स जिमखाना ने 4 फरवरी 2023 को अपने नए पुनर्निर्मित जिम का अनावरण किया। जिम अब नवीनतम व्यायाम उपकरण, विशाल कसरत क्षेत्रों और एक आधुनिक सौंदर्य से सुसज्जित है। यह अपग्रेडेशन सदस्यों के फिटनेस अनुभव को बढ़ावा देगा और निम्हान्स कम्युनिटी के भीतर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देगा।

निम्हान्स जिमखाना में पुनर्निर्मित जिम

## पुरस्कार एवं सम्मान

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) 2023 रैंकिंग में निम्हान्स देश के चौथे सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में उभर कर आया है, जिसने तीन साल लगातार अपना स्थान बरकरार रखा।

nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

न्यूज़वीक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा लगातार दूसरे वर्ष विश्व के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों (साल 2022 के लिए) में से एक के रूप में नामित किया गया। विश्व सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की रैंकिंग दुनिया भर के सबसे अच्छे अस्पतालों की पहचान करती है और उन्हें सम्मानित करती है।

WORLD'S BEST SPECIALIZED HOSPITALS 2022 Newsweek statista

एजुकेशन वर्ल्ड (ईडब्ल्यू) इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2022–23 में प्राकृतिक और जीवन विज्ञान (चिकित्सा सहित) श्रेणी में सूचीबद्ध सरकारी विश्वविद्यालयों में से दूसरे स्थान पर रखा गया है।

कर्नाटक हैल्थ विज़न डॉक्यूमेंट, जो राज्य के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में समग्र विकास के लिए एक दीर्घकालिक योजना की रूपरेखा तैयार करता है, यह 24 अगस्त 2022 को कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई द्वारा जारी किया गया था। निम्हान्स के पूर्व निदेशक डॉ. जी गुरुराज के नेतृत्व में 250 विशेषज्ञों की एक टीम 'कर्नाटक में लोगों के स्वास्थ्य को आगे बढ़ाना: प्रगति का दृष्टिकोण' की रिपोर्ट लेकर आई है, जिसे दुनिया भर से सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ, भारत का पहला व्यापक हैल्थकेयर विज़न डॉक्यूमेंट माना जा रहा है।

निम्हान्स के पूर्व निदेशक डॉ. जी गुरुराज की अध्यक्षता में कर्नाटक हेल्थ विजन समूह को अभिनंदन

महामारी विज्ञान विभाग को चोट निवारण और सुरक्षा संवर्धन (2023–2027) के लिए डबल्यूएचओ सहयोग केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। महामारी विज्ञान के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. गौतम एमएस को डब्ल्यूएचओ–सीसी की गतिविधियों के समन्वय के लिए नामित किया गया है।

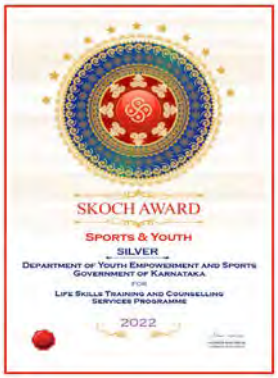


कर्नाटक सरकार के युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग के जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श सेवा कार्यक्रम (महामारी विज्ञान विभाग, निम्हान्स के सहयोग से शुरू किया गया) ने अपने उत्कृष्ट प्रभाव और राष्ट्रव्यापी पहुँच के लिए प्रतिष्ठित एसकेओसीएच पुरस्कार – खेल और युवा रजत अर्जित किया है। यह मान्यता आवश्यक जीवन कौशल को बढ़ाने और परामर्श सेवाएं प्रदान करने, देश भर के समुदायों को लाभ पहुंचाने में कार्यक्रम के अमूल्य योगदान को रेखांकित करती है। एसकेओसीएच पुरस्कार एक स्वतंत्र संगठन द्वारा प्रदान किया जाने वाला देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो उन लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों को मान्यता देता है जो भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं।

डॉ. प्रतिमा मूर्ति जी को पूर्व मंत्री और विधायक श्री यू टी खादर जी की ओर से वर्षादा कन्नडिगा 2023 पुरस्कार प्राप्त हुआ

मनोचिकित्सा की निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. प्रतिमा मूर्ति को (i) डीएलएन मूर्ति राव ओरेशन अवार्ड, भारतीय मनोरोग सोसायटी, 74वें एएनसीआईपीएस 2023, भुवनेश्वर, ओडिशा, 2–5 फरवरी 2023 (ii) न्यूज 18 कन्नड़ चैनल द्वारा 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी' श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित वर्षादा कन्नडिगा (वर्ष का कन्नडिगा) 2023 पुरस्कार, 22 फरवरी 2023 (iii) अंतर्राष्ट्रीय महिला अचीवर्स पुरस्कार 2022, कब्बन पार्क वॉकर्स एसोसिएशन, बेंगलुरु, से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रभा एस चंद्रा, डीन (व्यवहार विज्ञान) और मनोचिकित्सा के वरिष्ठ प्राध्यापक, (i) प्रसवपूर्व मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान में उनके प्रभावशाली योगदान की मान्यता में, सोसायटी की द्विवार्षिक कांग्रेस, इंटरनेशनल मार्से सोसायटी (एक पदक, प्रशस्ति पत्र और एक आमंत्रित व्याख्यान सहित), इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके, 19–21 सितंबर 2022 को मार्से मेडल पुरस्कार प्राप्त हुआ। (ii) 22 नवंबर 2022 को 9वीं विश्व महिला मानसिक स्वास्थ्य कांग्रेस, मास्ट्रिच, नीदरलैंड में महिला मानसिक स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय संघ के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

डॉ. प्रभा एस चंद्रा मार्से मेडल पुरस्कार प्राप्त करते हुए

डो. बिंद एम. कुट्टी (मौलिक विज्ञान) और न्यूरोफिजियोलॉजी की प्रोफेसर ने प्रतिष्ठित मेजर जनरल एस.एल. भाटिया ओरेशन, 68वां राष्ट्रीय

सम्मेलन, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट, इंडिया (एपीपीआई), पीजीआई, चंडीगढ़, 13–15 दिसंबर 2022 से सम्मानित किया गया।

डॉ. बिंदू एम कुट्टी प्रतिष्ठित मेजर जनरल एस.एल. भाटिया ओरेशन द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए

डॉ. बी एस शंकरनारायण राव, कुलसचिव और प्रमुख, न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग, 7 मई 2022 को इंडियन अकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के फेलो के रूप में चुने गए।

डॉ. अंड्राडे सी, क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी के सीनियर प्रोफेसर, (i) पबमेड में लिस्टिंग 500 को पार कर गई है, बेंगलुरु, 1 मार्च 2023 (ii) सिनर्जी टाइम्स ई–न्यूज़लेटर के अंक 3000 से अधिक हो गए हैं, बेंगलुरु, 1 फरवरी 2023 (iii) ईजर्नल क्लब इंडिया, ईजर्नल क्लब इंडिया पहल की गतिविधियाँ 800 से अधिक हो गई हैं, बेंगलुरु, 1 जनवरी 2023।

बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. के. थेन्नारासु को बायोमेट्रिक्स, जीनोटाइप एक्स पर्यावरण इंटरैक्शन में उनके वैज्ञानिक योगदान की मान्यता के लिए इंटरनेशनल बायोमेट्रिक्स सोसाइटी (भारतीय क्षेत्र) से वर्ष 2022 के लिए प्रोफेसर अशोक सहाय ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ और स्थिर किस्मों की पहचान के लिए सांख्यिकीय स्थिरता माप को "थेनारासु गैर–पैरामीट्रिक स्थिरता माप" कहा जाता है, जो विभिन्न सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों के हिस्से के रूप में उपलब्ध है।

डॉ. के. थेन्नारासु को वर्ष 2022 के लिए प्रोफेसर अशोक सहाय ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ

बायोस्टैटिस्टिक्स के प्रोफेसर डॉ. पी मारीमुथु को इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (एफएसएमएस) के फेलो के रूप में चुना गया, इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (आईएसएमएससीओएन 2022) का 40वां वार्षिक सम्मेलन, कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कराड, महाराष्ट्र, 24 नवंबर 2022 .

बायोस्टैटिस्टिक्स के प्रोफेसर डॉ. पी मारीमुथु को इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (एफएसएमएस) की फ़ेलोशिप से सम्मानित किया जा रहा है।

न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर के प्रोफेसर डॉ. वी. भद्रीनारायण को आईएसएनएसीसी का अध्यक्ष चुना गया

न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. एम राधाकृष्णन को आईएसएनएसीसी के 24वें वार्षिक सम्मेलन 2023, 20–23 जनवरी 2023 में ई–शिक्षा के लिए आईएसएनएसीसी राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. उमामहेश्वर राव और डॉ. जी परमेश्वर को आईएसएनएसीसी 2023 के 24वें वार्षिक सम्मेलन, 20–23 जनवरी 2023 में क्रमशः आईएसएनएसीसी विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार और विशिष्ट व्यावसायिक सेवा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. वीणा कुमारी एचबी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, माइक्रोबायोलॉजी विभाग (i) आईआईपीसीसी को सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया, "बायोफिजिकल विशेषताओं और सर्जिकल साइट संक्रमण पर विभिन्न प्रीऑपरेटिव इंटरवेंशनल हेयर–रिमूवल व्यवहार का प्रभाव – एक तुलनात्मक विश्लेषण", एनवाईएस लाइसेंस के लिए अंतर्राष्ट्रीय आईसी प्रमाणन पाठ्यक्रम 12 अप्रैल 2022।

डॉ. अनीता महादेवन, प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग, ने 23 जून 2022 को पैथोलॉजी में 40वें वार्षिक राष्ट्रीय सीएमई में डॉ. एसजे नागलोतिमथ एक्सीलेंस इन टीचिंग अवार्ड प्राप्त किया।

डॉ. अनिता महादेवन, प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग, डॉ. एसजे नागलोतिमथ एक्सलेन्स इन टिचिंग पुरस्कार प्राप्त करते हुए

न्यूरोफिज़ियोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. टी एन सत्यप्रभा को 12 जनवरी 2023 को योग में डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) , स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु से सम्मानित किया गया।

डॉ. टीएन सत्यप्रभा को स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय द्वारा योग में डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम जी, मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और क्लिनिकल न्यूरोसाइंस विभाग के प्रमुख, (i) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफ़एनए) के फेलो (ii) भारतीय विज्ञान अकादमी (एफ़एएससी) के फेलो के रूप में चुने गए।

मनोचिकित्सा के प्रोफेसर डॉ. पीटी शिवकुमार ने आईपीएसकेसी के 32वें वार्षिक सम्मेलन: केएनसीआईपीएस 2022, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी – कर्नाटक चैप्टर (आईपीएस केसी) में प्रोफेसर रघुराम को वर्ष 2021–22 के लिए प्रतिष्ठित युवा शिक्षक से सम्मानित किया।

मनोचिकित्सा के प्रोफेसर डॉ. नवीन कुमार सी को कर्नाटक सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में सर सी.वी. रमन युवा वैज्ञानिक राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ।

न्यूरोफिजियोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मी टी राव, 7 दिसंबर 2022 को इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस की फेलो चुनी गईं।

न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. रवि यादव को इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (एफआईएएन), इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, नई दिल्ली, 3 नवंबर 2022 की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. रवि यादव को फेलोशिप ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (FIAN) अवार्ड मिला

डॉ. पूर्णिमा भोला, क्लिनिकल साइकोलॉजी की प्रोफेसर, उपाध्यक्ष, सोसाइटी फॉर साइकोथेरेपी रिसर्च, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर साइकोथेरेपी रिसर्च – एशिया एफिलिएट ग्रुप, 15 फरवरी 2023।

न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर के प्रोफेसर डॉ. श्रीगणेश के को अकादमिक उत्कृष्टता 2022 के लिए आईएसए भोपाल पुरस्कार मिला, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, आईएसए का वार्षिक सम्मेलन, शिलांग, मेघालय, 26 नवंबर 2022।

डॉ. नेत्रवती एम, न्यूरोलॉजी की प्रोफेसर, (i) स्वर्गीय श्री घेवरचंद सुराना मेमोरियल ओरेशन, "एनएमओ स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर", एमईआरटी 2022, एपीआई कर्नाटक चैप्टर, बेंगलुरु, 10 अक्टूबर 2022 से सम्मानित किया गया। (ii) मल्टीपल स्केलेरोसिस पर काम के लिए एमएस सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसएसआई) बैंगलोर चैप्टर और रोटरी क्लब ऑफ बैंगलोर द्वारा सम्मानित किया गया, बेंगलुरु, 1 जून 2022।

एमएस सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसएसआई) बैंगलोर चैप्टर और रोटरी क्लब ऑफ बैंगलोर द्वारा डॉ. नेत्रवती एम को अभिनंदन

महामारी विज्ञान के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सेंथिल अमुधन जी को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज का डॉ. अभय इंद्रायण पुरस्कार प्राप्त हुआ, उनके पेपर का शीर्षक: "आत्महत्या और उसके सहसंबंधों का जनसंख्या-आधारित विश्लेषण: भारत के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण से निष्कर्ष, 2015-16'' जो लैंसेट साइकियाट्री, एसएमएस, जयपुर, 12 नवंबर 2022 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. सेंथिल अमुधन को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा डॉ. अभय इंद्रायन पुरस्कार प्राप्त हुआ

न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. रोहिणी एमएस को (i) सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला, "मृत्यु दर से जुड़े गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों के प्रबंधन के तीव्र चरण के दौरान आराम की स्थिति में किए गए कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग निष्कर्षों में परिवर्तन" एक वर्ष में परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन", 5वां यूरोएशिया सम्मेलन, एयरो सिटी, नई दिल्ली, 2 जुलाई 2022 (ii) हंसराज नैय्यर मेमोरियल अवार्ड (पेपर प्रेजेंटेशन), "तीव्र गंभीर आघात वाले बेहोश रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी और बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स रिएक्टिविटी", क्रिटिकेयर 2023, इंदौर, 25 फरवरी 2023।

डॉ. रोहिणी एमएस को पेपर प्रेजेंटेशन के लिए हंसराज नैय्यर मेमोरियल अवार्ड प्राप्त हुआ

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रचेथ आर को प्रतिष्ठित डॉ. सुशीला नायर मेमोरियल यंग लीडर्स ओरेशन अवार्ड प्राप्त हुआ, थर्ड इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव, एम्स, भुवनेश्वर, 11-12 नवंबर 2022।

डॉ. प्रचेथ आर, डॉ. सुशीला नायर मेमोरियल यंग लीडर्स ओरेशन अवार्ड प्राप्त करते हुए

न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर की सहायक प्रोफेसर डॉ. संगीता आरपी को 19 दिसंबर 2022 को नेशनल प्रेस काउंसिल और कर्नाटक के न्यूजपेपर एसोसिएशन से मेडिसिन श्रेणी में यंग अचीवर के तहत कन्नड़ राज्योत्सव पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. संगीता आरपी को नेशनल प्रेस काउंसिल और कर्नाटक की न्यूजपेपर एसोसिएशन द्वारा कन्नड़ राज्योत्सव पुरस्कार मिला

डॉ. नवीन बीपी. सहायक प्रोफेसर, न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन के को अनिस्या वसंत मेमोरियल अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रेजेंटेशन) से सम्मानित किया गया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन का 51वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, इम्फाल, मणिपुर, 9-11 फरवरी 2023

डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, एसएसओ/वैज्ञानिक-एफ, क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी विभाग, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, 7 दिसंबर 2022, लखनऊ के फेलो चुने गए।

# अन्य क्रियाकलाप और कार्यक्रम

## स्वच्छता पखवाड़ा

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुसार 1–15 अप्रैल 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा (पखवाड़ा) मनाया गया। एक पखवाड़े तक चलने वाले स्वच्छता अभियान का उद्देश्य स्वच्छता और जल स्वच्छता पर बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करके समुदायों को सशक्त बनाना है। अभियान में डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और स्वच्छता कार्यकर्ताओं और सुरक्षा कर्मियों सहित सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करके संस्थागत क्षमता को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

सभी वार्डों और अस्पताल परिसरों में बड़े पैमाने पर सफाई, सुरक्षित स्वच्छता के महत्व पर संकाय और कर्मचारियों (मरीजों और आगंतुकों के लिए) द्वारा संवेदीकरण अभियान, आसपास के क्षेत्रों की सफाई और सौंदर्यीकरण, स्वच्छता जागरूकता के लिए कार्यक्रम, पोस्टर, बैनर आदि का प्रदर्शन सहित विभिन्न गतिविधियाँ– निम्हान्स समुदाय की भागीदारी का लाभ उठाते हुए आयोजित किए गए।

स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

## डॉ. सारदा मेनन प्रदर्शनी

पद्म भूषण से सम्मानित और सिज़ोफ्रेनिया रिसर्च फाउंडेशन (एससीएआरएफ) के दूरदर्शी संस्थापक डॉ. एम सारदा मेनन को श्रद्धांजलि देने के लिए 5 अप्रैल 2022 को उनकी जयंती पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। पहली महिला मनोचिकित्सक के रूप में, डॉ. मेनन ने भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में क्रांति ला दी। डॉ. मेनन की विरासत मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी, जिससे यह प्रदर्शनी उनके स्थायी प्रभाव के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि बन जाएगी।

डॉ. सारदा मेनन प्रदर्शनी

## अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 29 मई 2022 को निम्हान्स में "हमारी नर्सें, हमारा भविष्य " विषय पर मनाया गया । समाज में नर्सों के अमूल्य योगदान का सम्मान करते हुए यह महत्वपूर्ण दिन, पारंपरिक रूप से 12 मई को फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती पर दुनिया भर में मनाया जाता है ।

कर्नल जेस्सी मैथ्यू, प्रिंसिपल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग कमांड हॉस्पिटल, भारतीय वायु सेना, बेंगलुरु समारोह के मुख्य अतिथि थे। निम्हान्स की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने रजिस्ट्रार डॉ. बीएस शंकरनारायण राव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से नर्सों के उत्कृष्ट कार्य को सम्मानित किया गया और उनके अनुकरणीय समर्पण और सेवा के महत्व को स्वीकार किया गया । इस समारोह ने न केवल फ्लोरेंस नाइटिंगेल की विरासत को श्रद्धांजलि दी, बल्कि स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस समारोह

## विश्व तंबाकू निषेध दिवस

निम्हान्स ने कंसोर्टियम फॉर टोबैको फ्री कर्नाटका (सीएफटीएफके) के सहयोग से 31 मई 2022 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया, जिसका विषय था, "तंबाकू – हमारे पर्यावरण के लिए खतरा" मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर तंबाकू के गहरे प्रभाव को पहचानते हुए, इस आयोजन का उद्देश्य तंबाकू नियंत्रण के लिए मजबूत और तत्काल निरंतर कार्रवाई को उत्प्रेरित करना था ।

माननीय विधायक श्रीमती सौम्या रेड्डी और कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त श्री पीजीआर सिंधिया सम्मानित अतिथि थे।

"सिगरेट और बीड़ी बट्स द्वारा जन स्वास्थ्य के लिए खतरे का उन्मूलन " विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसने विशेषज्ञों और हितधारकों को जन स्वास्थ्य पर तंबाकू अवशेषों के प्रभाव को कम करने की रणनीतियों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

तंबाकू मुक्त जीवन की दिशा में अपनी यात्रा पर व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए, विशेष सत्र आयोजित किए गए । निम्हान्स की नेशनल क्विट लाइन टीम ने "तंबाकू छोड़ना – अब मुश्किल नहीं" के बारे में गहन जानकारी दी । सीएफटीएफके के तंबाकू नियंत्रण चैंपियंस ने "तंबाकू मुक्त पीढ़ी के लिए युवा आवाजें" नामक एक आकर्षक सत्र का नेतृत्व किया, जो तंबाकू के खतरे से निपटने में युवाओं की वकालत के महत्व को बढ़ाता है।

डॉ के वी त्रिलोक चंद्रा, विशेष आयुक्त (स्वास्थ्य और सूचना प्रौद्योगिकी), बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी); श्री श्रीनिवासुलु, सदस्य सचिव, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड; श्री भास्कर राव, पूर्व पुलिस आयुक्त, डॉ. विवेक शेट्टी, हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजिस्ट, नारायणा हेल्थ; डॉ. रमेश बिलिमागा, अध्यक्ष – एफएसएच आई; डॉ. आई बी विजयलक्ष्मी, उपाध्यक्ष एफएसएचआई और श्री. शशि कुमार डी, गवर्निंग बोर्ड सदस्य –एफएसएचआई ने चर्चा में भाग लिया।

तीन सप्ताह तक चलने वाले अभियान के हिस्से के रूप में, कंसोर्टियम फॉर टोबैको फ्री कर्नाटका और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बेंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में बस स्टॉप, शैक्षणिक संस्थानों, पार्कों, सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, चाय की दुकानों और होटलों जैसे सार्वजनिक स्थानों से बीड़ी बट्स एकत्रित किए।

इस अवसर पर सीएफटीएफके और उसके गठबंधन सहयोगियों द्वारा तीन सप्ताह तक चलने वाले अभियान के हिस्से के रूप में शहर भर से एनएसएस स्वयंसेवकों, नागरिकों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा एकत्र किए गए हजारों सिगरेट और बीड़ी बट्स को सार्वजनिक स्थानों पर बड़े पैमाने पर हो रहे धूम्रपान को उजागर करने के लिए प्रदर्शित किया ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2022 मनाने के लिए एक वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रविशंकर प्रसाद ने की। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव श्री राजेश भूषण के साथ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अपर सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रोली सिंह, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ अतुल गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

"तंबाकू छोड़ो, हीरो बनो" अभियान के विजेताओं को सम्मानित किया गया। यह अभियान निम्हान्स द्वारा तंबाकू व्यसनियों को एक स्व–निर्मित वीडियो के माध्यम से छोड़ने या छोड़ने का प्रयास करने की अपनी कहानी साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

इस अवसर पर नशा मुक्ति कार्यक्रम के तहत मादक द्रव्यों के उपभोग संबंधी विकारों और व्यवहार संबंधी व्यसनों के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश और मादक द्रव्यों के उपभोग संबंधी विकारों में गुणवत्ता देखभाल प्रदान करने में चिकित्सकों की सहायता के लिए मोबाइल एपीपी (एंड्रॉइड और आईओएस) "एडिक्शन–आरएक्स" पर एक पॉकेट बुक भी जारी की गई।

## 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2022 को निम्हान्स में 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। एकीकृत चिकित्सा विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए "मानवता के लिए योग" विषय के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद योग प्रदर्शन शारीरिक रूप से आयोजित किए गए।

सामूहिक योग

निम्हान्स के सभी कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवारों के लिए एक सामूहिक योग सत्र का आयोजन किया गया। निम्हान्स जिमखाना में कुल 330 व्यक्ति एकत्र हुए और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए आयुष द्वारा विकसित सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। समारोह में रोगियों के लिए योग सत्र,योग प्रतियोगिता,भगवद गीता पाठ प्रतियोगिता और निम्हान्स कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रीड़ा योग प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जो समग्र कल्याण और एकता की भावना को बढ़ावा देती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के हिस्से के रूप में सात्विक भोजन के महत्व को उजागर करने के लिए निम्हान्स के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लिए दोपहर में विशेष भोजन का भी आयोजन किया गया।

## विश्व मस्तिष्क दिवस

22 जुलाई 2022 को विश्व मस्तिष्क दिवस को मनाने के लिए निम्हान्स में प्रसिद्ध क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के साथ एक विशेष कार्यक्रम, "इंटरएक्टिव क्रिकेट" का आयोजन किया गया ।

कर्नाटक सरकार के माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. के. सुधाकर ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और मस्तिष्क स्वास्थ्य के संदेश को फैलाने के लिए एक दोस्ताना क्रिकेट मैच में भाग लिया।

क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा, जो कर्नाटक-ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव के ब्रांड एंबेसडर भी हैं, ने एक युवा के रूप में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ अपने संघर्षों को साझा किया और इस कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता फैलाने की शपथ ली ।

कर्नाटक ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव (केए-बीएचआई) के तहत जयनगर जनरल अस्पताल में ब्रेन हेल्थ क्लिनिक (बीएचसी) का भी उद्घाटन किया गया। कोलार और चिकबल्लापुर के जिला अस्पतालों में जल्द ही बीएचसी खोले जाएंगे।

कर्नाटक सरकार के सहयोग से निम्हान्स द्वारा शुरू किया गया केए-बीएचआई लोगों में मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 25 जनवरी 2022 को कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल शुरू की गई। पहल का प्राथमिक उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के जमीनी स्तर से माध्यमिक स्तर के जिला अस्पतालों और फिर तृतीयक स्तर पर निम्हान्स तक विभिन्न न्यूरोलॉजिकल रोगों के लिए प्रारंभिक निदान और समय पर उपचार की सुविधा प्रदान करना है।

बीएचसी सामान्य न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले रोगियों के निदान, उपचार, संदर्भ और अनुवर्ती के लिए नोडल केंद्रों के रूप में काम करेंगे। उन्हें न्यूरोलॉजिकल रोगों वाले रोगियों की देखभाल में प्रशिक्षित सामान्य अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा समन्वित किया जाएगा। ये क्लीनिक यह सुनिश्चित करेंगे कि न्यूरोलॉजिकल बीमारियों वाले रोगियों को परामर्श, फिजियोथेरेपी, पुनर्वास और विकलांगता लाभ सहित बहु-विषयक देखभाल प्राप्त हो।

विश्व मस्तिष्क दिवस समारोह

## स्वतंत्रता दिवस

निम्हान्स में 76वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। पूरा वातावरण राष्ट्रीय गौरव की भावना से भर गया था, जब विभिन्न सार्थक कार्यक्रमों द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की भावना में समारोह को मनाया गया ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

समारोह की शुरुआत निम्हान्स की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने एक प्रभावशाली मार्च पास्ट किया। राष्ट्र के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले सभी नायकों को श्रद्धांजलि के रूप में पौधे लगाए गए।

कर्मचारियों और छात्रों द्वारा भारत की विविधता को दर्शाने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भारत की अटूट भावना का जश्न मनाने के लिए सभी महत्वपूर्ण इमारतों को तिरंगे की रोशनी से रोशन किया गया । तिरंगे के रंगों ने निम्हान्स परिसर की भव्यता में चार चांद लगा दिए, जिससे परिसर अत्यंत शोभनीय व देशभक्ति की भावना से सराबोर हो गया ।

## डॉ. वी. कुमारैया ऑरैशन

डॉ. एसपीके जेना, प्रोफेसर, एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. एसपीके जेना, प्रोफेसर, एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस ने 19 अगस्त 2022 को "मानवता की सेवा में एप्लाइड बिहेवियर एनालिसिस: ए जर्नी फ्रॉम लेबोरेटरी टू द कम्युनिटी सेटिंग" के विषय में डॉ. वी. कुमारैया ऑरैशन प्रस्तुत किया।

## विश्व फिजियोथेरेपी दिवस

8 सितंबर 2022 को फिजियोथेरेपी सेंटर, निम्हान्स द्वारा "ऑस्टियोआर्थराइटिस – रोकथाम और प्रबंधन में फिजियोथेरेपी की भूमिका" विषय पर विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2022 मनाया गया।

डॉ. अश्वथ नारायण सीएन, माननीय मंत्री,उच्च शिक्षा, आईटी और बीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. अश्वथ नारायण ने फिजियोथेरेपी को एक क्षेत्र के रूप में मजबूत करने और क्षेत्र में सर्वोत्तम अभ्यास को अपनाने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस समारोह

लोगों को सक्रिय और स्वस्थ रखने में फिजियोथेरेपिस्ट के काम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए दुनिया भर में[8] सितंबर को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया जाता है। यह विशेष दिन लोगों के जीवन और चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए फिजियोथेरेपिस्ट को धन्यवाद देने का अवसर देता है।

## विश्व रोगी सुरक्षा दिवस

निम्हान्स ने विश्व रोगी सुरक्षा दिवस 2022 में सप्ताह भर कार्यक्रम आयोजित करके रोगी सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के महत्व और रोगी सुरक्षा के साथ इसके अंतर्संबंधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 17 से 22सितंबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस का समग्र उद्देश्य रोगी सुरक्षा की वैश्विक समझ को

बढ़ाना, स्वास्थ्य देखभाल की सुरक्षा में सार्वजनिक जुड़ाव बढ़ाना और रोगी सुरक्षा को बढ़ाने और रोगी के नुकसान को कम करने के लिए वैश्विक कार्यों को बढ़ावा देना है। इस दिवस की मूल उत्पति चिकित्सा जगत के मूलभूत नियम चिकित्सक का पहला कर्तव्य "कोई नुक्सान न करने " के सिद्धांत पर आधरित है ।

रोगियों की सुरक्षा से संबंधित आईईसी सामग्री का विमोचन

## शिक्षक दिवस

व्यक्तियों और समाज के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए 27 सितंबर 2022 को अत्यंत सम्मानपूर्वक शिक्षक दिवस मनाया गया।

रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई), बेंगलुरु के पूर्व डीन ऑफ रिसर्च प्रोफेसर एन वी मधुसूदन और माल्या अदिति इंटरनेशनल स्कूल, बेंगलुरु की सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती कौशल्या मधुसूदन सम्मानित अतिथि थे।

शिक्षक दिवस मनाया गया।

शिक्षक दिवस की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, निम्हान्स के वरिष्ठ संकाय सदस्यों को संस्थान के विकास में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ संजीव जैन, डीन (व्यवहार विज्ञान) और मनोचिकित्सा के वरिष्ठ प्रोफेसर; डॉ मस्तरे वीरेंद्र कुमार बासवनप्पा, न्यूरोलॉजी के वरिष्ठ प्रोफेसर; डॉ बीके चंद्रशेखर सागर, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग; रीता क्रिस्टोफर, पूर्व डीन (बेसिक साइंसेज) और न्यूरोकैमिस्ट्री के वरिष्ठ प्रोफेसर; शेखर पी. शेषाद्रि, बाल और किशोर मनोचिकित्सा के पूर्व निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर; इस अवसर पर नैदानिक मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉ. महेंद्र प्रकाश शर्मा को सम्मानित किया गया, जो सेवानिवृत्त हुए।

## 26वां दीक्षांत समारोह

निम्हान्स का 26वां दीक्षांत समारोह 10 अक्टूबर 2022 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

347 छात्रों ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के सफल समापन पर विभिन्न डिग्री और प्रमाण पत्र (274 व्यक्तिगत रूप से और 73 अनुपस्थिति में) प्राप्त किए। दीक्षांत समारोह में 22 मेधावी छात्रों को उत्कृष्टता पुरस्कार और पदक भी प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत ने दीक्षांत समारोह को वर्चुअली संबोधित किया। कर्नाटक सरकार के माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री और निम्हान्स के उपाध्यक्ष डॉ. के. सुधाकर ने समारोह की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (राज्यों में टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और नेटवर्किंग: टेली मानस, 'जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम' की डिजिटल शाखा) मुख्य अतिथि द्वारा शुरू किया गया – देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार के प्रयासों को पुनर्जीवित करना।

इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से न्यायसंगत, सुलभ, सस्ती और गुणवत्ता वाले मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना है।

## विश्व स्ट्रोक दिवस

स्ट्रोक के संकेतों और आपातकालीन चिकित्सा देखभाल तक समय पर पहुंच के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 29 अक्टूबर 2022 को "# Precioustime(कीमती समय): मिनट्स सेव लाइव्स" विषय के तहत विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया गया।

इस महत्वपूर्ण दिन को मनाने के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम में डॉ. डी. नागराजा, पूर्व निदेशक और कुलपति, निम्हान्स, बेंगलुरु मुख्य अतिथि थे; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी सबसेक्शन के चेयरमैन और इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डॉ. विक्रम हुडेड सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विश्व स्ट्रोक दिवस 2022 को मनाने के हिस्से के रूप में, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, ई-पोस्टर प्रतियोगिता और अन्य जागरूकता गतिविधियों सहित कई कार्यक्रम पूरे महीने आयोजित किए गए।

विश्व स्ट्रोक दिवस 2022

विश्व स्ट्रोक दिवस हर साल 29 अक्टूबर को होता है – जागरूकता बढ़ाने और स्ट्रोक पर उपचार करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह दिन वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय निर्माताओं द्वारा कार्रवाई की वकालत करने के अवसर के रूप में कार्य करता है जो स्ट्रोक की रोकथाम, तीव्र उपचार तक पहुंच और बचे हुए लोगों और देखभाल करने वालों के लिए समर्थन में सुधार के लिए आवश्यक हैं।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह

31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक "विकसित राष्ट्र हेतु भ्रष्टाचार मुक्त भारत" के प्रसंग में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उत्सव मनाया गया। विजलन्स अवेर्नस वीक के हिस्से के रूप में, निम्हान्स ने अपने कैंपस के प्रमुख स्थानों पर ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रमों और बैनरों एवं पोस्टरों के प्रदर्शन सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया था।

सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए, नागरिकों के सहयोग से जागरूकता सप्ताह अभियान ने इस संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाया है। सतर्कता जागरूकता दिवस का आयोजन 31 अक्टूबर 2022 को किया गया था। डॉ. पी एस हर्षा, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक और आयुक्त, सूचना और जनसंपर्क विभाग, कर्नाटक सरकार मुख्य अतिथि थे।

सतर्कता जागरूकता दिवस

डॉ चित्तरंजन अंद्राडे, क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी एंड न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी के वरिष्ठ प्रोफेसर और मुख्य सतर्कता प्रभारी, निम्हान्स ने, केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य स्टाफ सदस्यों को शपथ दिलाई।

## मानसिक स्वास्थ्य संथे

मानसिक स्वास्थ्य संथे, अपनी तरह का पहला मेगा मेला दिनांक 3 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया । इस अनूठे आयोजन को देखने के लिए निम्हान्स कन्वेंशन सेंटर में जीवन के सभी क्षेत्रों के छात्रों और निम्हान्स सदस्यों सहित 2000 से अधिक लोग पहुंचे।

मानसिक स्वास्थ्य संथे मेगा मेला उद्घाटन कार्यक्रम

मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की रोकथाम के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न हितधारक सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और सार्वजनिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए इस मेले में एकत्र हुए। निम्हान्स के प्रमुख संगठनों, सामुदायिक भागीदारों और विभिन्न विभागों द्वारा लगभग 50 स्टाल लगाए गए थे – जहां आगंतुकों को मानसिक स्वास्थ्य

जानकारी और प्रासंगिक संसाधनों की प्रचुरता प्रदान की गई । लघु फिल्मों, माइम्स और नुक्कड़ नाटकों की स्क्रीनिंग इस कार्यक्रम के अन्य प्रमुख आकर्षण थे। आगंतुकों को दिलचस्प खेलों और अन्य इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिला, जिससे उनकी शिक्षा आकर्षक और मजेदार हो गई।

मेले का उद्घाटन रिचमंड फैलोशिप सोसाइटी, बेंगलुरु शाखा के वरिष्ठ सलाहकार मनोचिकित्सक और मानद सलाहकार डॉ. एस. कल्याणसुंदरम ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान नर्सों और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य स्व-देखभाल पर दो पुस्तकें, हमसा ध्वनि कन्नड़ पत्रिका, समत्वम न्यूज़लेटर और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका संबंधी विकारों पर मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग द्वारा लाई गई आईईसी सामग्री की एक श्रृंखला का विमोचन किया गया।

## ओसीडी पर रजत जयंती संगोष्ठी

निम्हान्स में ओसीडी क्लिनिक के 25 साल पूरे होने के अवसर पर 11-13 नवंबर 2022 को ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर (ओसीडी) और संबंधित विकारों पर रजत जयंती संगोष्ठी आयोजित की गई।

यह क्लिनिक, भारत में अपनी तरह का सबसे बड़ा और ओसीडी से पीड़ित व्यक्तियों के मूल्यांकन और उपचार के लिए समर्पित है।

क्लिनिक सिर्फ ओसीडी उपचार ही नहीं करता बल्कि; यह शरीर के डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर, ट्राइकोटिलोमेनिया, रेप्टिटव स्किन पिकिंग और होर्डिंग डिसऑर्डर में भी सहायता प्रदान करता है। अनुसंधान के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, क्लिनिक ने इस संबंध में लगातार सफलता हासिल की है, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से प्रतिष्ठित अनुदान हासिल किया है।

रजत जयंती संगोष्ठी में ओसीडी और संबंधित विकारों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर के प्रमुख विशेषज्ञ इकट्ठा हुए । इस अकादमिक सभा में न केवल वार्ता बल्कि इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, पोस्टर प्रस्तुतियां और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी शामिल थीं।

निम्हान्स हेरिटेज म्यूजियम में "एक्सप्रेशंस ऑफ ओसीडी" नामक एक प्रदर्शनी आयोजित की गई । इस प्रदर्शनी ने एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता से चयनित प्रविष्टियों का प्रदर्शन किया, जिसमें पेंटिंग, कविता, फोटोग्राफी और लघु फिल्में शामिल थीं, जिनमें ओसीडी से ग्रसित लोगों के विचारों, भावनाओं और अनुभवों को कलात्मक रूप से व्यक्त किया गया।

## कर्नाटक राज्योत्सव

"कर्नाटक राज्योत्सव" 21 नवंबर 2022 को धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के हिस्से के रूप में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला गया।

कर्नाटक राज्योत्सव मनाया गया।

प्रसिद्ध शास्त्रीय नर्तक और सिने अभिनेता डॉ. श्रीधर ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जिससे उत्सव में ग्लैमर का तड़का लगा। निम्हान्स कन्नड़ बालागा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में निम्हान्स के कर्मचारी और छात्र अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक साथ आए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शास्त्रीय और लोक नृत्य, संगीत, स्किट्स और बहुत कुछ सहित विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन शामिल थे।

## राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशालाएं और प्रदर्शनी

निम्हान्स,सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग और कर्नाटक चित्रकला परिषद के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से आयोजित विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशालाएं और प्रदर्शनी, सशक्तिकरण और कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक उल्लेखनीय मंच साबित हुई।

निम्हान्स की निदेशक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ कलाकार और उनके गुरु

जुलाई और अक्टूबर 2022 के दौरान, दो 5-दिवसीय कला कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जहां देश भर के 47 विभिन्न विकलांग व्यक्तियों को कर्नाटक चित्रकला परिषद के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में 105 कैनवास पेंटिंग बनाने का अवसर मिला। इन कार्यशालाओं ने प्रतिभागियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कार्य किया, उनकी कलात्मक प्रतिभाओं का पोषण किया और उन्हें कलाकार बनने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किया।

इस प्रयास की परिणति राष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी थी, जो विकलांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के सम्मान में 21 नवंबर से 3 दिसंबर 2022 तक आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी दो स्थानों, कर्नाटक चित्रकला परिषद (21-27 नवंबर तक) और निम्हान्स (28 नवंबर से 3 दिसंबर) में आयोजित की गई और जनता के लिए एंट्री फ्री थी। मानसिक बीमारी, बौद्धिक विकलांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, न्यूरोलॉजिकल विकार और कई विकलांगता वाले व्यक्तियों द्वारा बनाई गई प्रदर्शित कलाकृतियां खरीद के लिए उपलब्ध थीं, जिससे प्राप्त आय कलाकारों को वापस जा रही थी।

## मूवमेंट डिसऑर्डर जागरूकता सप्ताह

निम्हान्स द्वारा पार्किंसंस डिसीज सोसाइटी ऑफ कर्नाटक और मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 23 से 26 नवंबर 2022 तक मूवमेंट डिसऑर्डर जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के मूवमेंट डिसऑर्डर उनके अंतर्निहित कारणों और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में जागरूकता फैलाने के प्रति समर्पित था।

यह कार्यक्रम अस्पताल के ओपीडी परिसर में तीन दिवसीय रोगी और देखभाल करने वाले शिक्षा कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ। शैक्षिक सत्रों में ज्ञानवर्धक वीडियो और इंटरैक्टिव चर्चाएं शामिल थीं, जिनका उद्देश्य रोगियों और देखभाल करने वालों को ज्ञान के साथ सशक्त बनाना था। मूल्यवान जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के मूवमेंट डिसऑर्डर पर मुद्रित सामग्री भी वितरित की गई ।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 26 नवंबर को था जब आम जनता को विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। टीम में न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मनोचिकित्सा, मनोरोग सामाजिक कार्य, नैदानिक मनोविज्ञान, फिजियोथेरेपी, योग, स्पीच पैथोलॉजी, ऑडियोलॉजी और डायटेटिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल थे। शिक्षा और बातचीत के लिए यह समग्र दृष्टिकोण लोगों के भीतर मूवमेंट डिसऑर्डर के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम था।

## दीप प्रज्वलन समारोह

दिनांक-29 नवंबर 2022 को आयोजित दीप प्रज्वलन समारोह, बीएससी नर्सिंग छात्रों के 17वें बैच के लिए एक मार्मिक और प्रतीकात्मक कार्यक्रम था।

डॉ. भारती एम, प्रिंसिपल सह प्रोफेसर, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बेंगलुरु मुख्य अतिथि थीं।

दीप प्रज्वलन समारोह

दीप प्रज्वलन समारोह में, छात्रों और प्रशिक्षुओं ने पेशे के प्रति अपने समर्पण के प्रतीक के रूप में दीपक जलाया, और करुणा और समवेदना के साथ मानवता की सेवा करने की शपथ ली। यह विधिपूर्ण प्रतिबद्धता नर्सिंग पेशे का आधार है, जो उन्हें स्वास्थ्यचर्या प्रणाली में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाती है। साथ ही इस समारोह में, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना हेतु योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

## 9वां स्नातक दिवस

निम्हान्स का 9वां स्नातक दिवस 29 नवंबर 2022 को कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया।

9वां स्नातक दिवस

कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्री टी. के. अनिल कुमार इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और स्नातक समारोह को संबोधित किया।

कुल 188 छात्रों (अनुपस्थित सहित) को उनके शैक्षणिक कार्यक्रमों (नर्सिंग में बी.एससी.–78, एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी में बी.एससी.–06, बी.एससी. रेडियोग्राफी–10, मनोरोग/मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग में पोस्ट–बेसिक डिप्लोमा–44, न्यूरो साइंसेज नर्सिंग में पोस्ट–बेसिक डिप्लोमा–09, नर्सिंग में पोस्ट–बेसिक बीएससी–40, और न्यूरोपैथोलॉजी टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स–01) के सफल समापन पर विभिन्न स्नातक डिग्री और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। तीन छात्रों को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए विशेष पुरस्कार और इनाम प्राप्त हुए।

## हिंदी सप्ताह समारोह

निम्हान्स में दिनांक–21 से 26 नवंबर 2022 तक हिंदी सप्ताह मनाया गया। सेवानिवृत्त डॉ. जी आर श्रीनाथ, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, यूआरएससी, इसरो द्वारा राजभाषा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया और हिंदी सप्ताह के दौरान सुलेख/हस्तलेखन, कविता, निबंध लेखन, टिप्पण और प्रारूपण, वाचन, गायन, टंकण तथा अंताक्षरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी सप्ताह 2022 समारोह का समापन समारोह

हिंदी सप्ताह समारोह 2022 का समापन दिनांक–14 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया। डॉ. एस के चतुर्वेदी, पूर्व डीन, मनोचिकित्सा के वरिष्ठ प्रोफेसर और हिंदी अधिकारी, निम्हान्स, बेंगलुरु एवं सलाहकार मनोचिकित्सक, लीसेस्टरशायर पार्टनरशिप एनएचएस ट्रस्ट, यूके मुख्य अतिथि थे। निम्हान्स की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने निम्हान्स के रजिस्ट्रार डॉ. बी एस शंकरनारायण राव की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर हिंदी सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और हिंदी कार्यशाला 2022 के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (उपस्थिति के) वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्थान में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन और संबद्ध गतिविधियों पर एक रिपोर्ट और राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पत्रिका "दर्पण" का चौथा अंक जारी किया गया।

## प्रथम डॉ. के. एस. मणि ऑरेशन

डॉ. पी. सतीशचंद्र, सलाहकार और न्यूरोलॉजी में वरिष्ठ विशेषज्ञ, अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज और पूर्व निदेशक/कुलपति और न्यूरोलॉजी के वरिष्ठ प्रोफेसर, निम्हान्स ने 10 जनवरी 2023 को "हॉट वॉटर एपिलेप्सी: चार दशकों से अधिक की यात्रा" के विषय में पहला डॉ. के. एस. मणि ऑरेशन प्रस्तुत किया।

प्रथम डॉ. के. एस. मणि ऑरेशन एपिलेप्सी

## डॉ. रामचंद्र एन मूर्ति ऑरेशन

प्रोफेसर नॉर्मन सार्टोरियस, प्रेसिडेंट, एसोसिएशन फॉर द इम्प्रूवमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ प्रोग्राम (AMH) और वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन (WPA) के पूर्व अध्यक्ष ने, 4 फरवरी 2023 को "एकेडेमिया: कॉन्सेप्ट्स एंड एट्रिब्यूट्स" के विषय में, डॉ. रामचंद्र एन मूर्ति ऑरेशन प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर नॉर्मन सार्टोरियस, प्रेसिडेंट, एसोसिएशन फॉर द इम्प्रूवमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ प्रोग्राम (AMH) और वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन (WPA) के पूर्व अध्यक्ष

## संस्थापन दिवस

निम्हान्स में दिनांक-14 फरवरी 2023 को 48वां संस्थापन दिवस मनाया गया। इस आयोजन ने निम्हान्स को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आत्मनिरीक्षण करते हुए संस्थान के अग्रणी प्रयासों के बारे में चिंतन करने का अवसर प्रदान किया। यह पुरानी यादों और आकांक्षाओं से भरा एक दिन था, जिसने संस्थान की यात्रा और मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए इसकी अटूट प्रतिबद्धता को व्यक्त किया।

संस्थापन दिवस समारोह

डॉ. सुधीर कृष्णास्वामी, कुलपति, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु मुख्य अतिथि थे। निम्हान्स की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

संस्थान के मेधावी कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए। अस्पताल/कार्यालय सहायक हनुमंताराजू जे, नंजुंडैय्या, राघवेंद्र और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (तकनीकी) मुनियाम्मा ने पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर निम्हान्स जिमखाना द्वारा आयोजित विभिन्न खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

"वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान" विषय के तहत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के घटक के रूप में 28 फरवरी और 01 मार्च 2023 को निम्हान्स में आयोजित मेगा एक्सपो एक शानदार सफलता थी।

कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद आयोजित प्रदर्शनी को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दो दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 6500 आगंतुक आए - जिनमें ज्यादातर स्कूल और कॉलेज के छात्र थे - जो पिछले आयोजनों के रिकॉर्ड को पार कर गए।

प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी सर सी वी रमन द्वारा "रमन प्रभाव" की खोज की याद में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है, जिसने भारत को विज्ञान के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया।

विज्ञान महोत्सव में निम्हान्स के विभिन्न विभागों और अनुभागों द्वारा 75 स्टॉल स्थापित किए गए थे, जो संस्थान में आयोजित कुछ अत्याधुनिक वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रदर्शित करते थे। आगंतुकों को तंत्रिका विज्ञान में हो रही प्रगति और सेहत पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव के बारे में अधिक जानने में मदद करने के लिए स्टॉल नवीन उपकरणों से सुसज्जित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एक्सपो

इंटरएक्टिव प्रदर्शन, लाइव प्रदर्शन, मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ, लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग, क्विज़ प्रतियोगिता और माइंड गेम एक्सपो के कुछ प्रमुख आकर्षण थे। छात्रों के लिए माइंड गेम्स ने बहुत ध्यान आकर्षित किया और उन्हें खेलों के पीछे के विज्ञान के बारे में और अधिक जानने के लिए स्टालों पर समय बिताने के लिए प्रोत्साहित किया। एक वास्तविक मस्तिष्क को छूने और महसूस करने के अवसर ने कार्यक्रम में उत्साह और जुड़ाव को एक अतिरिक्त स्तर पर पहुंचा दिया। इसने आगंतुकों को सबसे जटिल अंग के करीब और व्यक्तिगत होने का अवसर दिया और इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों के लिए यह एक यादगार और प्रभावशाली अनुभव बन गया।

## विश्व हेड इंजूरी जागरूकता दिवस

विश्व हेड इंजूरी दिवस दिनांक-20 मार्च, 2023 को "सुरक्षित आप और सुरक्षित राष्ट्र, सड़क पर आपका कल्याण" थीम के तहत मनाया गया। यह दिन लोगों की सुरक्षा और राष्ट्र के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सिर की चोटों और उनके रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व की याद दिलाता है।

इस महत्वपूर्ण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. एम ए सलीम, आईपीएस, विशेष पुलिस आयुक्त, यातायात, बेंगलुरु ने मुख्य अतिथि के

रूप में भाग लिया। प्रदर्शनियों, ई-पोस्टर डिस्प्ले, स्लोगन और वीडियो प्रतियोगिताएं और युवाओं को शामिल करने पर विशेष जोर देने हेतु एक पैनल चर्चा, जैसी कई प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

विश्व हेड इंजूरी जागरूकता दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में डॉ. एम ए सलीम, विशेष पुलिस आयुक्त, यातायात, बेंगलुरु

प्रतिवर्ष 20 मार्च को आयोजित विश्व सिर चोट (हेड इंजूरी) जागरूकता दिवस, हल्की चोट से लेकर गंभीर मस्तिष्क आघात तक, सिर की चोटों के व्यापक स्पेक्ट्रम पर प्रकाश डालता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार के माध्यम से दुर्घटनाओं को कम करने और सिर की चोटों को रोकने में हममें से प्रत्येक की भूमिका पर जोर देना है। इसमें हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों के उचित उपयोग को बढ़ावा देना शामिल है, जो दुर्घटनाओं के दौरान सिर की चोटों को काफी कम कर सकता है।

## डॉ. आर पार्थसारथी ऑरेशन

डॉ. एम. रंगनाथन, मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), निम्हान्स और फैमिली फेलोशिप सोसाइटी फॉर साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन सर्विसेज के संस्थापक अध्यक्ष ने, 27 मार्च 2023 को, डॉ. आर. पार्थसारथी ऑरेशन प्रस्तुत किया।

डॉ. एम. रंगनाथन, मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), निम्हान्स और फैमिली फेलोशिप सोसाइटी फॉर साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन सर्विसेज के संस्थापक अध्यक्ष

## विश्व बाइपोलर दिवस

विश्व बाइपोलर दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक-30 मार्च, 2023 को "#बाइपोलर टुगेदर" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अतिथि वक्ता सुश्री अपर्णा पीरामल राजे, प्रशंसित लेखिका और स्तंभकार, ने बाइपोलर डिसऑर्डर पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और बताया कि कैसे समाज इस स्थिति के साथ रहने वाले व्यक्तियों के साथ बेहतर सहयोग कर सकता है। उनके संभाषण के बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिससे उपस्थित लोगों को प्रश्न पूछने और बाइपोलर डिसऑर्डर की बेहतर समझ हासिल करने का मौका मिला।

लोगों को बाइपोलर डिसऑर्डर के बारे में शिक्षित करने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए, विश्व बाइपोलर दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी, नाटक और सार्वजनिक अभिभाषण सहित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मूड डिसऑर्डर पर एक सीएमई दिनांक-11 और 12 मार्च, 2023 को आयोजित की गई थी - जिसमें देश भर के 250 से अधिक मनोचिकित्सा में स्नातकोत्तरों ने भाग लिया।

अतिथि वक्ता सुश्री अपर्णा पीरामल राजे, प्रशंसित लेखिका और फीचर लेखक

दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले मानसिक स्वास्थ्य विकार के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 30 मार्च को विश्व बाइपोलर दिवस मनाया जाता है।

# दान

निम्हान्स को विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों से विविध प्रकार का सहयोग प्राप्त होता है। दानकर्ता उदारतापूर्वक वित्तीय योगदान करते हैं जिससे रोगीयों की देखभाल, अनुसंधान, शिक्षा और शैक्षणिक कार्यक्रमों में मदद मिलती है। वर्ष 2022 -23 के दौरान, रोहिणी नीलेकनी परोपकार फाउंडेशन से दान प्राप्त हुए: रु. 8,70,00,000 /- (सार्वत्रिक दान), अशोक सूटा: रु. 7,02,18,000 /-, गोल्डमैन सैक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड: रु. 1,18,69,000 /-, गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड:

रु. 1,00,46,423 /-, IANCON 2020: रु. 40,00,000 /- (न्यूरोलॉजी गोल्डन जुबली फंड और पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर रिसर्च फंड), एचएससी फाउंडेशन: रु. 36,85,389 /-, हिमालय वेलनेस कंपनी: रु. 22,68,380 /-, न्यूरोपैथोलॉजी रिसर्च सोसाइटी: रु. 17,00,000 /- (न्यूरोपैथोलॉजी रिसर्च फंड), बजाज इलेक्ट्रिकल्स फाउंडेशन: रु. 13,20,000 /-, प्रतिक्षा: रु. 10,69,816 /- (अनुसंधान दान), भुवना अशोकन: रु. 10,00,000 /- (श्री राधाकृष्ण - रुक्मणी मेमोरियल प्रो. पार्थसारथी स्वर्ण पदक निधि), विद्या रमानी: रु. 5,00,000 /- (पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर रिसर्च फंड), जीबीआर मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड: रु. 5,00,000 /- (पेरिनेटल साइकियाट्री सर्विसेज फंड), कृष्णन नागराजन: रु. 5,00,000 /- (पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर रिसर्च फंड), सरोज जैन: रु. 5,00,000 /-, श्री नागराज मणि: रु. 3,00,000 /- (बायोलॉजिकल रिसर्च फंड के लिए), रामेश्वर दास हार्पियरी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट: रु. 2,00,001 /- (गरीबों के लिए निधि), टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड: रु. 1,78,181 /- (न्यूरोसर्जरी ऑरेशन फंड), इंटास फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड: रु. 1,17,600 /- (न्यूरोसर्जरी ऑरेशन फंड), डॉ. शारदा सुब्रमण्यन: रु. 1,00,000 /- (गरीबों के लिए निधि), डॉ. अरुण कुमार बी. टैली: रु. 1,00,000 /- (सार्वत्रिक दान), बागरिया चैरिटेबल ट्रस्ट: रु. 1,00,000 /- (न्यूरो साइकोट्रिक जेनेटिक्स फंड), यूनियन रोडवेज कॉर्पोरेशन: रु. 1,00,000 (गरीबों के लिए निधि), डॉ. नवीन कुमार सी: रु. 1,00,000 /- (माने मानसा फंड) और अन्य।

## नीति का कार्यान्वयन

### सूचना का अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन

निम्हान्स ने केंद्रीय सूचना आयोग, भारत सरकार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 लागू किया है। संस्थान के रजिस्ट्रार - जो अपीलीय प्राधिकारी हैं - की अध्यक्षता में केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों की एक टीम आरटीआई अधिनियम के तहत जानकारी मांगने वाले व्यक्ति को जानकारी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। जनसंपर्क अधिकारी, संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करता है और संबंधित अधिकारियों के साथ पत्राचार संभालता है। आरटीआई से संबंधित त्रैमासिक रिटर्न निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार केंद्रीय सूचना आयोग को ऑनलाइन दाखिल और जमा किए जाते हैं। 2022-23 के दौरान, संस्थान को लगभग 100 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के भीतर भेजे गए।

### भारत सरकार की आरक्षण नीति

निम्हान्स भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत कार्य करता है और संकाय की भर्ती और छात्रों के प्रवेश के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का पालन करता है।

### दिव्यांग व्यक्ति अधिनियम

संस्थान के विभिन्न पदों और सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अनुरूप निम्हान्स द्वारा दिव्यांग जनों को आरक्षण प्रदान किया जाता है। निम्हान्स दिव्यांग व्यक्तियों की पहुंच को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की सामाजिक बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करके उनके बहिष्कार को समाप्त करने के लिए शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों में भी शामिल है।

### राजभाषा नीति

राजभाषा कार्यान्वयन नीतियों और संवैधानिक प्रावधानों (राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976) को राजभाषा विभाग, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में निम्हान्स में सख्ती से कार्यान्वयन किया जा रहा है। विज्ञापन, अधिसूचनाएं, नाम पट्ट और साइन बोर्ड हिंदी और अंग्रेजी में हैं। हिंदी पाठ्यक्रम/कक्षाएं, हिंदी टाइपिंग और आशुलिपि प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

### आंतरिक शिकायत समिति

निम्हान्स में आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का गठन सन् 2015 में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया गया था। समिति का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करना तथा यौन उत्पीड़न की शिकायतों और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों की रोकथाम और निवारण करना है।

आईसीसी का पुनर्गठन अक्टूबर, 2021 में क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर, डॉ. एल एन सुमन की अध्यक्षता में किया गया। 2022-23 के दौरान आईसीसी को दो शिकायतें मिलीं। शिकायतों के लिए जांच बैठकें जून और जुलाई, 2022 के बीच आयोजित की गईं, और अंतिम रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत की गईं। 25 जून 2022, 03 सितंबर 2022, 17 दिसंबर 2022 और 04 मार्च 2023 को प्रशासनिक बैठकें बुलाई गईं।

समीक्षा अवधि के दौरान निम्हान्स कर्मचारियों, छात्रों और सुरक्षा कर्मियों के लिए 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम' पर कुल सात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (POSH) अधिनियम पर जागरूकता पोस्टर (अंग्रेजी, हिंदी और कन्नड़ में) निम्हान्स के सभी विभागों, अनुभागों और केंद्रीय सुविधाओं में वितरित किए गए।

# ऐतिहासिक कार्यक्रम एवं घटनाएं

**टेली मानस:** राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (सभी राज्यों में टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और नेटवर्किंग: टेली मानस, 'जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम' की डिजिटल शाखा) ने – देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया – गति पकड़ ली है। टोल–फ्री हेल्पलाइन को पिछले कुछ हफ्तों में देश के विभिन्न हिस्सों से 3.5 लाख से अधिक कॉल प्राप्त हुईं, जिसका ग्राफ लगातार ऊर्ध्वगामी संकेत दे रहा है।

टेली मानस को दिनांक–10 अक्टूबर, 2022 को निम्हान्स के 26वें दीक्षांत समारोह के दौरान लॉन्च किया गया था। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य सुनिश्चित लिंकेज के साथ सभी भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में टेली–मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से न्यायसंगत, सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना है।

इस पहल में टेली मानस सेल, मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र (परामर्श देने वाले संस्थान) और क्षेत्रीय समन्वय केंद्र (निम्हान्स, बेंगलुरु; आईएचबीएएस, दिल्ली; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; सीआईपी रांची और एलजीबीआरआईएमएच, तेजपुर को मिलाकर) का एक नेटवर्क शामिल है। निम्हान्स शीर्ष नोडल समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु (IIIT–B) तकनीकी सहायता प्रदान करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), दिल्ली स्वास्थ्य प्रणालियों पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का मार्गदर्शन करने वाला एक अन्य शीर्ष केंद्र है। ये सभी एजेंसियां विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थापित 51 टेली मानस सेल के सहयोग से काम करती हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में कार्यरत टेली मानस सेल हैं और सेवा 20 भाषाओं में उपलब्ध है। अंततः, टेली मानस सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करेगा और 24x7 कार्य करेगा।

**कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल:** मस्तिष्क संबंधी विकारों को रोकने और समुदाय में उपचार में सुधार की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल (Ka–BHI) दिनांक–25 जनवरी, 2022 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा, कर्नाटक सरकार के माननीय मंत्री डॉ. के सुधाकर द्वारा शुरू की गई थी। कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल (Ka–BHI), भारत में अपनी तरह की पहली शुरूआत है, जो निम्हान्स और कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग का एक संयुक्त प्रयास है।

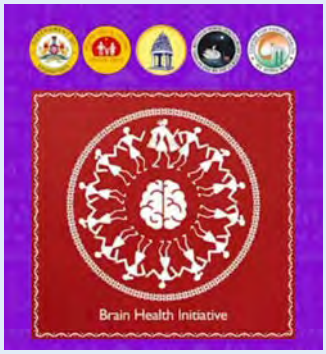

निम्हान्स के 26वें दीक्षांत समारोह के दौरान दिनांक–10 अक्टूबर, 2022 को मुख्य अतिथि कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत द्वारा टेली मानस का शुभारंभ।

कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल (Ka–BHI), मिर्गी, सिरदर्द, स्ट्रोक, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) और मस्तिष्क संक्रमण जैसी सामान्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के शीघ्र निदान और समय पर उपचार की सुविधा, जमीनी स्तर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, माध्यमिक स्तर के जिला अस्पतालों और तृतीयक स्तर पर निम्हान्स के माध्यम से प्रदान करेगा। सामुदायिक स्तर पर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों की शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, प्रसिद्ध क्रिकेटर श्री. रॉबिन उथप्पा को कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल (Ka–BHI) का राजदूत नियुक्त किया गया है। मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पायलट जिलों में शारीरिक व्यायाम, योग, खेल, पारंपरिक कला और शिल्प, तनाव कम करने और पोषण संबंधी सहायता जैसी विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की जाएंगी।

# न्यूरो सेंटर के 50 वर्ष: उत्कृष्टता की विरासत

न्यूरो सेंटर ने न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी उत्कृष्टता के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। सन् 1973 में स्थापित, यह समर्पित सुविधा सन् 1964 में एक दूरदर्शी पहल से उभरी, जो पार्किंसनिज़्म के इलाज के लिए डॉ. आर एम वर्मा द्वारा विकसित क्रांतिकारी कीमोथैलामोटॉमी तकनीक से प्रेरित थी। इस नवोन्वेषी दृष्टिकोण का माननीय मुख्यमंत्री एस निजलिंगप्पा पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिसके फलस्वरूप उन्होंने एक स्टैंडअलोन न्यूरो सेंटर भवन के लिए संसाधनों का आवंटन किया।

दिनांक–30 दिसम्बर, 1973 को माननीय राष्ट्रपति श्री वी वी गिरि ने न्यूरो सेंटर का उद्घाटन किया, जिससे उन्नत न्यूरोलॉजिकल देखभाल के एक नए युग की शुरुआत हुई। 80 इनपेशेंट बेड और दो अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटरों के साथ, यह सुविधा चिकित्सा पेशेवरों के लिए अत्याधुनिक उपचार देने, जटिल प्रक्रियाओं का संचालन करने और महत्वपूर्ण तंत्रिका वैज्ञानिक अनुसंधान में संलग्न होने की आधारशिला बन गई।

इस प्रतिष्ठान ने न्यूरोलॉजिकल देखभाल में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया, जिससे रोगियों को आशा की किरण मिली। व्यापक सेटअप ने चिकित्सा पेशेवरों को अनगिनत व्यक्तियों की बीमारियों को कम करने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक उपकरणों और वातावरण के साथ सशक्त बनाया। पिछले पांच दशकों में, निम्हान्स के न्यूरो सेंटर ने न केवल विशेष देखभाल प्रदान की है, बल्कि न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में नवाचारों और सफलताओं को आगे बढ़ाने में भी सबसे आगे रहा है।

जैसा कि न्यूरो सेंटर अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, यह न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य देखभाल पर उत्कृष्टता, प्रतिबद्धता और परिवर्तनकारी प्रभाव की विरासत के प्रमाण के रूप में खड़ा है। स्वर्ण जयंती वर्ष की शुरुआत करने के लिए निम्हान्स में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, और इसमें उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति थी जिन्होंने संस्थान के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। निम्हान्स के पूर्व निदेशक, जैसे कि डॉ. जी नारायण रेड्डी, डॉ. डी नागराजा, डॉ. पी. सतीश चंद्रा और डॉ. जी गुरुराज उपस्थित थे। उन्होंने संस्थान की स्थापना से लेकर आज तक की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अपनी अमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए।

इस ऐतिहासिक अवसर के आयोजन में पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. वी रवि और डॉ. के शेखर, वर्तमान वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ उत्सव में शामिल हुए। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण एक विशेष लोगो का अनावरण था, जिसे स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में डिज़ाइन किया गया था।

50
Years of
NEURO
CENTRE
A LEGACY OF EXCELLENCE
LIFT

NEURO SCIENCE FACULTY CENTRE

# आगे की राह.....

मानसिक चिकित्सालय के रूप में अपने उद्भव से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में एक श्रेष्ठ संस्थान का दर्जा प्राप्त करने की कालावधि में, निम्हान्स की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों के असाधारण संयोजन के कारण, निम्हान्स प्रगति की ओर अग्रसर है।

आज, निम्हान्स की निजी बहु–विषयक स्वास्थ्य प्रणाली में अत्याधुनिक अस्पताल, संपन्न शैक्षणिक और अनुसंधान केंद्र, उन्नत पुनर्वास सेवाएं और विशेष क्लीनिक शामिल हैं – सभी, प्रतिवर्ष देश के विभिन्न हिस्सों और पड़ोसी राष्ट्रों से आने वाले लाखों लोगों का इलाज करने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं।

सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने हेतु हमारी प्रतिष्ठा, चिकित्सीय प्रगति एवं नैदानिक अनवेषण में तारकीय योगदान, और युवा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता यह दर्शाते हैं कि हम, संस्थान के त्रिपक्षीय मिशन हेतु कार्यरत हैं – चिकित्सा, अभ्यास और अनवेषण।

निम्हान्स की 50वीं वर्षगांठ और एआईआईएमएच की 70वीं वर्षगांठ के उत्सव का समय नज़दीक है। अतेव, इस उपलक्ष्य पर, मैं, अत्यंत गर्व एवं कृतज्ञता के साथ, इस लम्हें को जीने के लिए हमारे असाधारण सफ़र का चिन्तन कर रही हूँ।

आगामी वर्ष के दौरान, हमारी धरोहर के सम्मान में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और पहलक़दमी की योजना बनाई गई है। ये कार्यक्रम, न केवल हमें हमारी उपलब्धियों की याद दिलाएंगे, बल्कि, हमें एक ऐसे भविष्य की कल्पना करने के लिए प्रेरित करेंगे, जहां, मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में हमारा योगदान असीम होगा। यह समय, एक होकर विचारों को साझा करने, नए सहकार्यों को बढ़ावा देने और सर्व साधारण रूप से अपने भविष्य को आकार देने का सुनहरा अवसर है।

उत्सव और चिंतन के इस क्षण में, हमें याद रखना चाहिए कि हमारा अतीत उस नए अध्याय की प्रस्तावना है जिसे हमें रचना बाकी है। हमारी उपलब्धियां, हमारे पूर्वाधिकारियों के समर्पण का प्रमाण हैं और हमारी महत्वाकांक्षाएं, शाश्वत धरोहर के निर्माण खंड हैं।

मैं, अपने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों, सहयोगियों, भूतपूर्व छात्रों और शुभचिंतकों को, एक साथ संगठित होकर उत्सव में शामिल होने के लिए हार्दिक निमंत्रण देती हूं। आइए, हम न केवल उत्सव का आनंद लें, बल्कि, नवीनीकरण को जारी रखते हुए आने वाले दशकों तक अर्थपूर्ण, उत्साहपूर्ण और योजनाबद्ध तरीके से राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लें।

अपने मूल सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए, आइए हम उत्साह से भविष्य में प्रवेश करें, और इसे अपनी आकांक्षाओं की प्रतिभा के साथ प्रज्वलित करें।

**डॉ. प्रतिमा मूर्ती**
निदेशक

# निम्हान्स
## में सेवा प्रदान किए कर्मचारी
## (सेवानिवृत्त/अधिवर्षता)

**श्री. परशुरामप्पा**
मल्टी टास्किंग स्टाफ (तकनीकी)
सेवा ग्रहण: 20-02-1989
सेवा निवृत्त: 30-04-2022

**श्री. वेंकटप्पा**
अस्पताल/कार्यालय सहायक
सेवा ग्रहण: 03-06-1997
सेवा निवृत्त: 30-04-2022

**श्री. अशोक कुमार**
एएओ
सेवा ग्रहण: 26-05-1997
सेवा निवृत्त: 31-05-2022

**श्री. तम्मय्या**
जूनियर इंजीनियर (सिविल)
सेवा ग्रहण: 15-03-1988
सेवा निवृत्त: 30-06-2022

**श्री. केंचप्पा**
अस्पताल/कार्यालय सहायक
सेवा ग्रहण: 20-02-1989
सेवा निवृत्त: 30-06-2022

**श्रीमती. ललिता टीआर**
अस्पताल/कार्यालय सहायक
सेवा ग्रहण: 01-04-1989
सेवा निवृत्त: 30-06-2022

**श्री. येलप्पा बीके**
अस्पताल/कार्यालय सहायक
सेवा ग्रहण: 07-08-1996
सेवा निवृत्त: 30-06-2022

**डॉ. बीके चंद्र शेखर सागर**
प्रोफेसर न्यूरोपैथोलॉजी
सेवा ग्रहण: 11-10-2000
सेवा निवृत्त: 31-07-2022

**श्रीमती लिडिया शांता कुमारी**
एएनएस प्रभारी
सेवा ग्रहण: 10-05-1990
सेवा निवृत्त: 31-07-2022

**श्रीमती सुसम्मा मैथ्यू,**
एएनएस प्रभारी
सेवा ग्रहण: 19-03-1992
सेवा निवृत्त: 31-07-2022

**श्रीमती आर मोनालता**
वरिष्ठ तकनीशियन
सेवा ग्रहण: 01-12-1986
सेवा निवृत्त: 31-07-2022

**डॉ. संजीव जैन**
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोरोग विज्ञान
सेवा ग्रहण: 20-02-1986
सेवा निवृत्त: 31-08-2022

**श्रीमती. मैरी कासी**
मुख्य तकनीशियन
सेवा ग्रहण: 15-03-1984
सेवा निवृत्त: 30-08-2022

**डॉ. इंदिरा देवी**
प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी
सेवा ग्रहण: 13-10-1993
सेवा निवृत्त: 31-10-2022

**श्री केएन पांडियन**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी
सेवा ग्रहण: 12-08-1993
सेवा निवृत्त: 30-11-2022

**डॉ. वाणी संतोष**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी
सेवा ग्रहण: 03-04-1993
सेवा निवृत्त: 31-12-2022

**श्री एम. रामचन्द्र**
एसएसए (बीएमई ग्रेड-II)
सेवा ग्रहण: 01-06-1985
सेवा निवृत्त: 31-12-2022

**श्री राजू डी**
अस्पताल/कार्यालय सहायक
सेवा ग्रहण: 07-12-1985
सेवा निवृत्त: 31-12-2022

**श्री. टीएन रामकृष्ण**
इलेक्ट्रीशियन
सेवा ग्रहण: 20-02-1989
सेवा निवृत्त: 31-01-2023

**डॉ. अनिता एस.देसाई**
प्रोफेसर, न्यूरोवायरोलॉजी
सेवा ग्रहण: 27-08-1991
सेवा निवृत्त: 28-02-2023

**श्री. एजी रवींद्रन**
एओ प्रभारी
सेवा ग्रहण: 01-09-1994
सेवा निवृत्त: 31-03-2023

**श्रीमती. एच डोरोथी पारिपूर्णम**
एएनएस प्रभारी
सेवा ग्रहण: 02-06-1986
सेवा निवृत्त: 31-03-2023

**श्रीमती. ट्रेसम्मा फिलिप**
एएनएस प्रभारी
सेवा ग्रहण: 09-09-1993
सेवा निवृत्त: 31-03-2023

# श्रृद्धांजलि

**श्री. वनवोलु वेंकटेश,** वरिष्ठ रेडियोग्राफर **14-08-2022**

# अनुसंधान सहयोग

## राष्ट्रीय

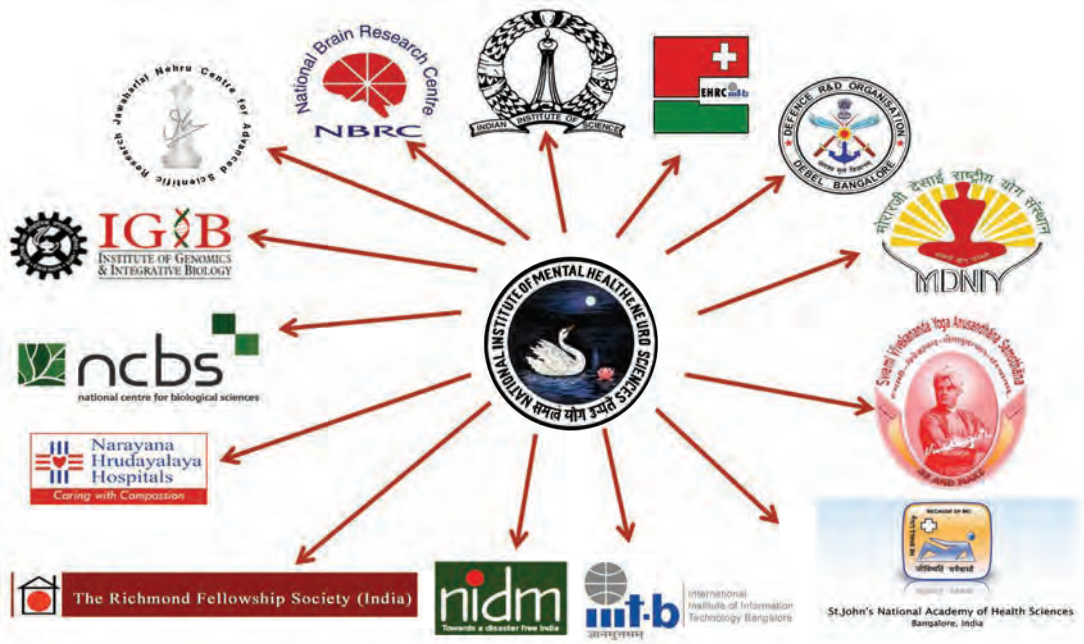


## अंतर्राष्ट्रीय

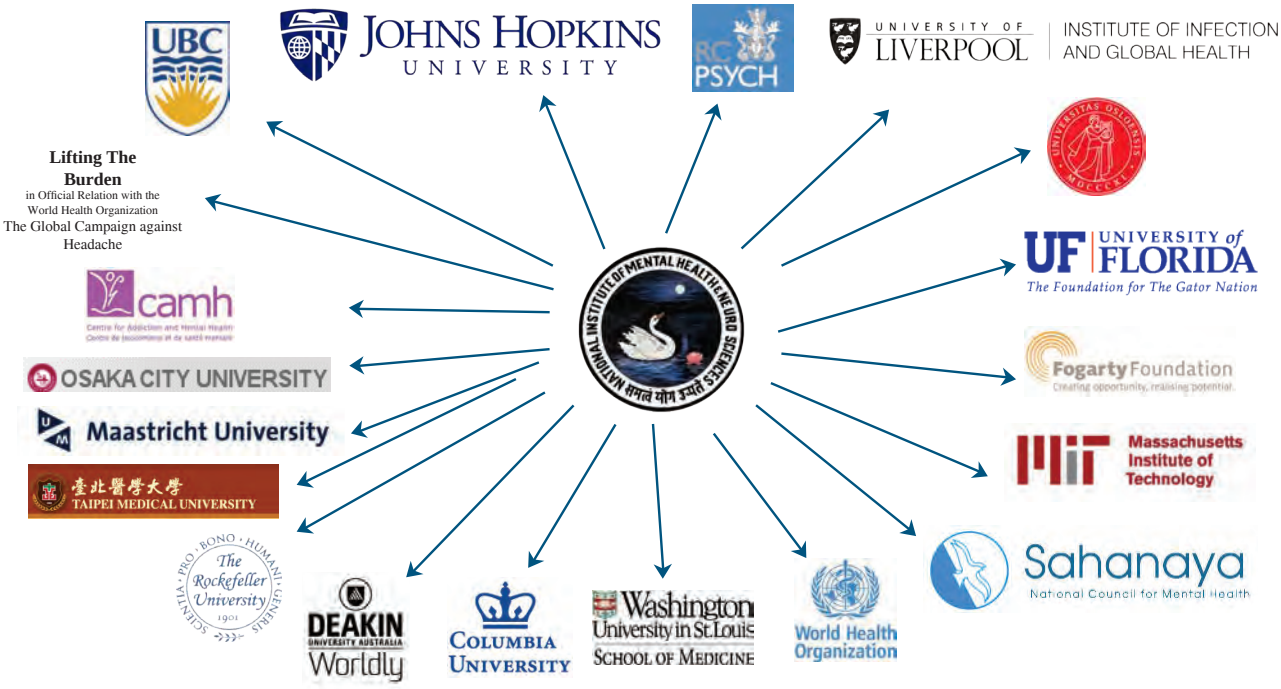

# स्वतंत्रता दिवस

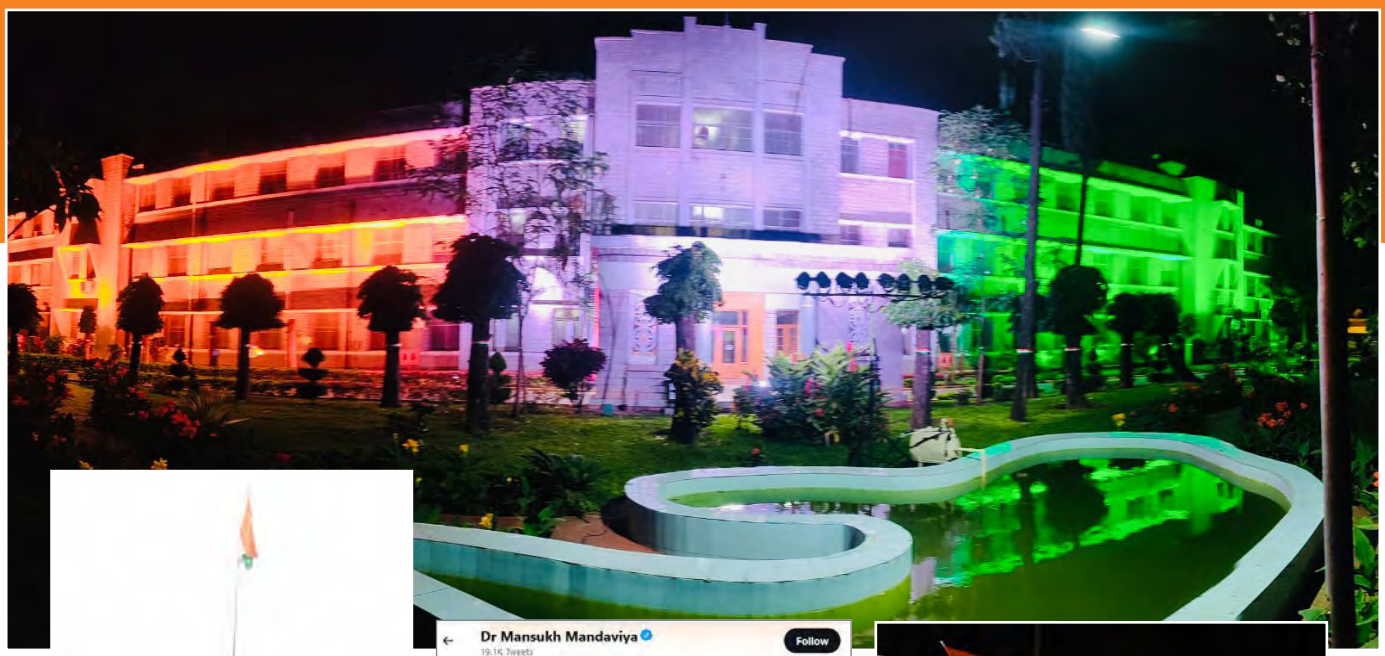

Dr Mansukh Mandaviya
19.1K Tweets
Follow
Dr Mansukh Mandaviya @mansukhmandviya · Aug 14
The majestic beauty of the Tiranga
NIMHANS Bengaluru proudly lit with Tricolour glory as part of the #AzadiKaAmritMahotsav celebrations.
#HarGharTiranga
#IndiaAt75
0:08 9,025 views
10
261
734

INDEPENDENCE DAY
SPORTS COMPETITION

INDEPENDENCE DAY
SPORTS COMPETITION

# पुरस्कार, सम्मान और प्रमुख कार्य

## जैवभौतिकशास्त्र

श्री सोहम जगताप, पीएचडी छात्र, को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (मौखिक प्रस्तुति) प्राप्त हुआ, "आईपीएससी की एसएचएच प्रतिक्रिया में हानि उत्पन्न हुई LRRK2 I1371V उत्परिवर्तन ले जाने वाले तंत्रिका पूर्वज योगदान करते हैं | कम डोपामिनर्जिक-न्यूरॉन उपज की ओटोजेनिक उत्पत्ति के लिए", 11वां इंडियन अकेडमी ऑफ बायोमेडिकल का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान (आईएबीएससीओएन-2023), निम्हान्स, 5-7 मार्च 2023.

श्री सोहम जगताप को IABSCON-2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला ।

सुश्री. ऐश्वर्या राज, पीएचडी छात्रा को यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ | पार्किंसंस रोग और आंदोलन की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस विकार - 2022, "α-सिन्यूक्लिन की झिल्ली एसोसिएशन समुच्चय एस्ट्रोसाइटिक एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम में तनाव पैदा करते हैं?", मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी, मैड्रिड, स्पेन, 15-18 सितंबर 2022.

श्री रून बनर्जी, पीएचडी छात्र, को यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ | पार्किंसंस रोग और आंदोलन की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस विकार - 2022, "एस्ट्रोसाइट्स में LRRK2 I1371V के उत्परिवर्तनीय प्रभाव रोगी विशिष्ट IPSCs से प्राप्त", मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी, मैड्रिड, स्पेन, 15-18 सितंबर 2022.

सुश्री. सैयदा ज़हरा हैदर, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार मिला (मौखिक प्रस्तुति), 11वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON-2023), निम्हान्स, 5-7 मार्च 2023.

सुश्री सैयदा ज़हरा हैदर को IABSCON-2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

सुश्री. मधुरा मिलिंद निमोणकर, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्राप्त हुआ । पुरस्कार, भारतीय अकादमी का 11वाँ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिकल साइंसेज, निम्हान्स, 3-5 मार्च 2023.

सुश्री मधुरा मिलिंद निमोणकर को IABSCON-2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला ।

## जैव सांख्यिकी

डॉ. के. तेन्नरसु, प्रोफेसर एवं प्रमुख, ने (i) प्रोफेसर अशोक का स्वागत किया इंटरनेशनल बायोमेट्रिक्स द्वारा वर्ष 2022 के लिए सहाय ओरेशन अवार्ड सोसायटी (भारतीय क्षेत्र) उनके वैज्ञानिक योगदान की मान्यता में बायोमेट्रिक्स, जीनोटाइप x पर्यावरण इंटरैक्शन और सांख्यिकीय के लिए स्थिरता माप को "थेनारासु गैर-पैरामीट्रिक स्थिरता" कहा जाता है स्थिर किस्मों की पहचान के लिए माप" जो भाग के रूप में उपलब्ध है । विभिन्न सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजों की।

डॉ. के. तेन्नरसु को वर्ष 2022 के लिए प्रोफेसर अशोक सहाय ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

(ii) डेटा सुरक्षा और निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) के अध्यक्ष, इंडिया अलायंस वेलकम डीबीटी अध्ययन (iii) सदस्य (ए) वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर–एनआईआरटी, चेन्नई (बी) आईसीएमआर संचालन मिशन–मोड परियोजनाओं के लिए समिति (सी) कार्यकारी समिति, वर्ष 2022 के लिए इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (डी) एडवाइजरी समिति, ISMSCON 2022, KIMS, कराड, महाराष्ट्र, 24–26 नवंबर 2022 (ई) डेटा सुरक्षा और निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी)। LiTEMED और DBT/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट क्लिनिकल और सार्वजनिक स्वास्थ्य फ़ेलोशिप अनुदान (एफ) तकनीकी सलाह और ग्लोबल एडल्ट के तीसरे दौर के लिए निगरानी समिति (टीएएमसी)। तम्बाकू सर्वेक्षण (GATS–3), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (iv) संपादक, आईएसएमएस बुलेटिन, इंडियन सोसाइटी फॉर चिकित्सा सांख्यिकी, 2022 (v) पूर्ण सत्र की अध्यक्षता, 40वां वार्षिक इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (ISMSCON) का सम्मेलन 2022), केआईएमएस, कराड, महाराष्ट्र, 24 नवंबर 2022.

डॉ. पी मारीमुथु, प्रोफेसर को (i) "भारतीय समाज के फेलो" के रूप में चुना गया चिकित्सा सांख्यिकी के लिए" (एफएसएमएस), भारतीय का 40वां वार्षिक सम्मेलन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (ISMSCON 2022), कृष्णा इंस्टीट्यूट चिकित्सा विज्ञान विभाग, कराड, महाराष्ट्र, 24 नवंबर 2022

डॉ. पी मारीमुथु को फेलो ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (एफएसएमएस) से सम्मानित किया जा रहा है ।

(ii) महासचिव, इंटरनेशनल बायोमेट्रिक सोसायटी भारतीय क्षेत्र (iii) सदस्य (ए) कार्यकारी परिषद, इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (बी) "सामाजिक व्यवहार और स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान (एसबीएचएसआर) प्रभाग" में परियोजना/अध्येतावृत्ति प्रस्तावों के लिए समीक्षा समिति आईसीएमआर" (सी) बोर्ड ऑफ स्टडीज (यूजी), मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु (iv) 16वें भाषण की अध्यक्षता की अंतर्राष्ट्रीय बायोमेट्रिक सोसायटी का द्विवार्षिक सम्मेलन – भारतीय क्षेत्र, सांख्यिकी एवं डेटा विज्ञान विभाग, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु, 30–31 मार्च 2023.

डॉ. मरियम्मा फिलिप, अवर प्रोफेसर, सदस्य (ए) संपादकीय बोर्ड, बीएमसी सार्वजनिक स्वास्थ्य (बी) डॉक्टरेट समिति (पीएचडी छात्र), केरल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केयूएचएस) (सी) डीएसएमबी, आईसीएमआर वित्त पोषित परियोजना "प्रोजेक्ट एसयूएमएस (मानसिक स्वास्थ्य का विस्तार) स्कूल): डिजाइनिंग और मूल्यांकन"।

डॉ. पी मारीमुथु, प्रोफेसर, डॉ. बी बिनुकुमार, अवर प्रोफेसर, डॉ. बीनू वी.एस., सह प्रोफेसर (आई) ने 16वें मौखिक सत्र की अध्यक्षता की अंतर्राष्ट्रीय बायोमेट्रिक सोसायटी का द्विवार्षिक सम्मेलन – भारतीय क्षेत्र, सांख्यिकी एवं डेटा विज्ञान विभाग, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु 30–31 मार्च 2023 (ii) सदस्य, डॉक्टरेट समिति (पीएचडी छात्र), सेंट जॉन्स एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज, बेंगलूरु।

डॉ. बी बिनुकुमार, अवर प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) अंतर्राष्ट्रीय बायोमेट्रिक सोसायटी की संचार समिति – भारतीय क्षेत्र (बी) अंतर्राष्ट्रीय बायोमेट्रिक कार्यकारी परिषद समाज – भारतीय क्षेत्र (सी) संपादकीय बोर्ड, बायोस्टैटिस्टिक्स और बायोमेट्रिक्स ओपन एक्सेस जर्नल (डी) बोर्ड ऑफ स्टडीज (एमएससी)। बायोस्टैटिस्टिक्स), येनेपोया (मानित विश्वविद्यालय), मैंगलोर (ई) आईआरबी, इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान, बेंगलुरु (एफ) एमएससी के लिए योजना और पाठ्यक्रम की जांच करने के लिए विशेषज्ञ समिति जैवसांख्यिकी, सांख्यिकी विज्ञान विभाग, कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल (ii) महासचिव, इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (iii) सांख्यिकीय सलाहकार, इंडियन जर्नल साइकोलॉजिकल मेडिसिन (iv) समीक्षक, प्लोसोन जर्नल।

डॉ. बीनू वी.एस., सह प्रोफेसर, (i) कोषाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय बायोमेट्रिक सोसायटी – भारतीय क्षेत्र (ii) बुलेटिन संपादक, इंडियन सोसायटी फॉर चिकित्सा सांख्यिकी (iii) डॉक्टरेट समिति के सदस्य (ए) जिपमर, पुडुचेरी (बी) मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, मणिपाल।

कैप्शन: सुश्री रोशनी टी को इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स के 40वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

सुश्री रोशनी टी, एमएससी की छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ, "अंतराल के लिए कुछ गैर–पैरामीट्रिक तरीकों की तुलना सेंसर्ड डेटा", इंडियन

सोसाइटी का 40वां वार्षिक सम्मेलन चिकित्सा सांख्यिकी, कराड, महाराष्ट्र, 24-26 नवंबर 2022.

## नैदानिक मनोविज्ञान

डॉ. अनीशा शाह, प्रोफेसर, (i) समीक्षक (ए) प्रभाग के लिए प्रस्ताव 52-अंतर्राष्ट्रीय मनोविज्ञान कार्यक्रम, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन, एपीए कन्वेंशन 2022, 12-14 अगस्त 2022 (बी) अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) 2023 कन्वेंशन प्रस्ताव (ii) सदस्य (ए) अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन सोसायटी फॉर युगल और परिवार मनोविज्ञान प्रभाग-43 (बी) अमेरिकी मनोवैज्ञानिक एसोसिएशन सैद्धांतिक और दार्शनिक, मनोविज्ञान सोसायटी डिव24 (सी) सोसायटी फॉर ह्यूमनिस्टिक साइकोलॉजी डिव-32 (डी) इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर इमोशन्स फोकस्ड थेरेपी (आईएसईएफटी (ई) सोसाइटी फॉर मनोचिकित्सा एकीकरण की खोज (एसईपीआई) (एफ) क्लिनिकल साइकोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया (iii) आजीवन सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय परिवार थेरेपी एसोसिएशन (आईएफटीए)।

डॉ. एलएन सुमन, प्रोफेसर, (i) विशेषज्ञ सदस्य, स्थायी समिति पुलिस अनुसंधान (ii) ने 'विकास' पर मुख्य भाषण दिया । 'विशेषता के रूप में व्यसन मनोविज्ञान', प्रथम राष्ट्रीय वार्षिक व्यसन मनोविज्ञान सोसायटी के सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में सोसायटी के, एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद (iii) मानद अध्यक्ष, व्यसन मनोविज्ञान का समाज।

डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) अध्ययन बोर्ड, रमैया यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (बी) एथिक्स कमेटी, श्री शंकर कैंसर अनुसंधान संस्थान और अस्पताल, बेंगलुरु (ii) मुख्य अतिथि और रिसोर्स पर्सन, राष्ट्रीय सम्मेलन मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु।

डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) टास्क फोर्स और संचालन समिति, डीएसटी सत्यम (बी) स्कूल प्रबंध समिति, दिल्ली पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु, 29 जून 2022 (सी) संस्थागत आईसीएआर की एक स्वास्थ्य आचार समिति - राष्ट्रीय संस्थान पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान और रोग सूचना विज्ञान (आईसीएआर-निवेदी) (डी) टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई), राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (NIHFW), नई दिल्ली (ii) बाहरी विशेषज्ञ, एचपीवी कार्य समूह, एनटीएजीआई, नई दिल्ली (iii) स्कीमा मोड इन्वेंटरी विकास के कार्यकारी समूह (4) के अध्यक्ष (iv) गैर-सरकारी सदस्य, कर्नाटक राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (v) पत्रिकाओं के समीक्षक (ए) इंडियन जर्नल ऑफ मनोवैज्ञानिक चिकित्सा (बी) मनोवैज्ञानिक अध्ययन (सी) इंडियन जर्नल नैदानिक मनोविज्ञान के (डी) मनोवैज्ञानिक आघात: सिद्धांत (ई) अनुसंधान, अभ्यास, और नीति ।

डॉ. देवव्रत कुमार, प्रोफेसर, सदस्य, (i) तकनीकी सलाहकार समिति, परिवार नियोजन सेवा परियोजना में राज्य नवाचार एजेंसी (एसआईएफपीएसए), उत्तर प्रदेश। (ii) प्रशिक्षण सुविधाकर्ता, कर्नाटक राज्य पुलिस।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, (i) उपाध्यक्ष, सोसाइटी फॉर मनोचिकित्सा अनुसंधान, मनोचिकित्सा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी अनुसंधान - एशिया संबद्ध समूह, 15 फरवरी 2023 (ii) सदस्य (ए) डॉक्टरेट सलाहकार समिति, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (बी) अंतर्राष्ट्रीय संचालन समिति, मनोचिकित्सा के लिए सोसायटी रिसर्च इंटरनेशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च नेटवर्क (सीआरएन), यूएसए (सी) आचार समिति, करुणाश्रय ट्रस्ट, बेंगलुरु (डी) सलाहकार, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अनुपालन के लिए समिति (संरक्षण अधिकार) अधिनियम, भारत सरकार (iii) संपादकीय बोर्ड (ए) मनोरोग डेनुबीना (बी) जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन एंड मेंटल हेल्थ (स्प्रिंगर) (iv) पीएचडी के लिए बाहरी सलाहकार, लीड्स विश्वविद्यालय।

डॉ. किशोर एमटी, प्रोफेसर, (i) सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड,द जर्नल ऑफ़ द आर्काइव्स ऑफ़ बायोलॉजिकल साइकेट्री के (ii) समीक्षक जर्नल (ए) बीएमजे (बी) महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य के अभिलेखागार (सी) भारतीय जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन (डी) इंडियन पीडियाट्रिक्स (ई) जर्नल बौद्धिक अक्षमताओं का (एफ) जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन और मानसिक स्वास्थ्य (जी) बाल: देखभाल, स्वास्थ्य और विकास (iii) सदस्य, अकादमिक परिषद, राष्ट्रीय अधिकारिता संस्थान एकाधिक विकलांगता वाले व्यक्तियों की, चेन्नई (iv) संसाधन व्यक्ति, जिला प्रारंभिक के प्रशिक्षकों और बहुविषयक टीम का प्रशिक्षण आंध्र प्रदेश के हस्तक्षेप केंद्र, स्वास्थ्य मंत्रालय और परिवार कल्याण, भारत सरकार, तिरूपति, 6-7 फरवरी 2023.

डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी, अवर प्रोफेसर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, द जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एजुकेशन ।

डॉ. हिमानी कश्यप, सह प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) ऑस्ट्रेलियाई साइकोलॉजिकल सोसायटी, ऑस्ट्रेलिया (बी) अनुसंधान सलाहकार पैनल, अखिल भारतीय वाक् एवं श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच) (ii) पंजीकृत मनोवैज्ञानिक क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य में समर्थन के साथ प्रैक्टिशनर नियामक प्राधिकरण, ऑस्ट्रेलिया (iii) परीक्षक, डॉक्टरेट थीसिस, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया (iv) पत्रिकाओं के समीक्षक (ए) जुनूनी बाध्यकारी और संबंधित विकार (बी) इंडियन जर्नल ऑफ मनोवैज्ञानिक चिकित्सा (सी) मनोवैज्ञानिक अध्ययन (डी) फ्रंटियर्स इन मनोरोग (ई) मनोरोग अनुसंधान (एफ) प्रायोगिक मस्तिष्क समीक्षा (v) प्रशिक्षण सुविधाकर्ता, कर्नाटक राज्य पुलिस।

डॉ. रविकांत पिंजरकर, सहायक प्रोफेसर, को (i) सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (मौखिक पेपर प्रस्तुति), प्राप्त हुआ । 49वाँ भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, 12 फरवरी 2023 (ii) सदस्य, न्यूजीलैंड मनोवैज्ञानिक, न्यूजीलैंड मनोवैज्ञानिक बोर्ड, न्यूज़ीलैंड, 3 अप्रैल 2023.

सुश्री तवलीन कौर, पीएचडी छात्रा, एक अंतरराष्ट्रीय के हिस्से के रूप में काम कर रही हैं । स्कीमा मोड इन्वेंटरी III (SMI-III) विकसित करने के लिए कार्यसमूह और वाईएसक्यू और एसएमआई का अनुवाद।

सुश्री. महक सिकंद और सुश्री. लखानी शीतल अमित, पीएचडी छात्र, (i) एसपीआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), रोम, इटली,

सितंबर 2022 (ii) को छात्र यात्रा पुरस्कार, 9वां ईयू-एसपीआर प्राप्त हुआ । अध्याय बैठक, मनोचिकित्सा अनुसंधान सोसायटी (यूरोपीय अध्याय), रोम, इटली, सितंबर 2022.

सुश्री. महाश्वेता भट्टाचार्य, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (मौखिक प्रस्तुति), प्राप्त हुआ । 48वाँ भारतीय राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एसोसिएशन, मदुरै, तमिलनाडु, मई 2022.

सुश्री. प्रथिमा एआर और सुश्री. टोपोटी बरुआ, पीएचडी छात्र, ने प्राप्त किया । युवा अन्वेषक पुरस्कार, 11वां वार्षिक सम्मेलन (हाइब्रिड कार्यक्रम), इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरिहैबिलिटेशन (आईएफएनआर), 14-16 अप्रैल 2023.

सुश्री बिस्ता पी, एमफिल छात्रा को सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार, "साइबरबुलिंग" प्राप्त हुआ ।अपराध, साइबरबुलिंग उत्पीड़न, और समस्याग्रस्त सामाजिक युवा वयस्कों में मीडिया का उपयोग", प्रथम वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन व्यसन मनोविज्ञान सोसायटी (एएनसीएसएपी-2023), राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी), एम्स, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 10-11 मार्च 2023.

सुश्री सक्सेना ओ, पीएचडी छात्रा, को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, "केस रिपोर्ट" प्राप्त हुआ । गैर-आत्मघाती आत्म-चोट वाले किशोरों के लिए मनोचिकित्सा पर", महामारी के बाद किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसएमएच), क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, 23-24 मार्च 2023.

सुश्री रिया गनर, पीएचडी छात्रा, को 49वां सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ । इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन मनोवैज्ञानिक, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, 10-12 फरवरी 2023.

सुश्री रिया गनर को इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के 49वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

## क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी

डॉ. अंद्राडे सी, सीनियर प्रोफेसर, (i) पबमेड में लिस्टिंग 500 को पार कर गई है, बेंगलुरु, 1 मार्च 2023 (ii) सिनर्जी टाइम्स ई-न्यूज़लेटर जारी की, 3000 को पार कर गया, बेंगलुरु, 1 फरवरी 2023 (iii) ईजर्नल क्लब इंडिया, ईजर्नल क्लब इंडिया पहल की गतिविधियाँ 800 से अधिक हो गई हैं, बेंगलुरु, 1 जनवरी 2023.

डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) सदस्य, मानव आचार समिति (ए) रंगाडोर मेमोरियल अस्पताल, बेंगलुरु (बी) करुणाश्रय धर्मशाला ट्रस्ट, बेंगलुरु (ii) सदस्य (ए) बोर्ड जैव रसायन में अध्ययन (बी) आणविक जीव विज्ञान में अध्ययन बोर्ड (सी) परीक्षक बोर्ड (बाहरी), मैसूर विश्वविद्यालय।

डॉ. प्रियंवदा शर्मा, सह प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) तंबाकू परीक्षण प्रयोगशालाओं का प्रतिष्ठित नेटवर्क TobLabNet, डब्ल्यूएचओ (बी) को अंतिम रूप देने के लिए नागरिक उड्डयन विभाग समिति मूत्र पर स्क्रीनिंग और पुष्टिकरण परीक्षण के संदर्भ मूल्य मनो-सक्रिय पदार्थों का सेवन ।

डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, एसएसओ/वैज्ञानिक-एफ, (i) ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फेलोशिप, भारत सरकार, नई दिल्ली के तहत तीन विज्ञान अकादमियों आईएनएसए-आईएएससीएनएएसआई द्वारा प्रायोजित (ii) सदस्य, कार्यकारी समिति, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी, लखनऊ, 1 अप्रैल 2022 (iii) टाटा इनोवेशन फेलोशिप, डीबीटी प्राप्त हुआ। भारत सरकार, नई दिल्ली, 29 मार्च 2023 (iv) निर्वाचित फेलो, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, लखनऊ, 7 दिसंबर 2022.

बिदिशा भादुड़ी, पीएचडी छात्रा, "एमडीएसआई उत्कृष्ट थीसिस और मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी द्वारा निबंध पुरस्कार 2022" भारत, कोलकाता, 16 मार्च 2023.

अदिति नस्कर, पीएचडी छात्रा, 'ज्योत्सनामयी रघुनाथ भट्टाचार्य बुनियादी तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित पेपर के लिए पुरस्कार इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी द्वारा, शिलांग, मेघालय, 7 दिसंबर 2022.

## महामारी विज्ञान

युवा अधिकारिता और खेल विभाग, कर्नाटक सरकार का जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श सेवा कार्यक्रम (विभाग के सहयोग से शुरू किया गया) । महामारी विज्ञान, निम्हान्स) ने अपने उत्कृष्ट प्रभाव और राष्ट्रव्यापी पहुंच के लिए प्रतिष्ठित SKOCH अवार्ड - स्पोर्ट्स एंड यूथ सिल्वर अर्जित किया है। यह मान्यता कार्यक्रम की अमूल्यता को रेखांकित करती है । आवश्यक जीवन कौशल को बढ़ाने और परामर्श प्रदान करने में योगदान सेवाएँ, देश भर के समुदायों को लाभान्वित कर रही हैं। SKOCH अवार्ड है। किसी स्वतंत्र व्यक्ति द्वारा प्रदान किया जाने वाला देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान संगठन, जो लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों को मान्यता देता है । भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

डॉ. प्रदीप बीएस, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) सदस्य (ए) तकनीकी सलाहकार कोविड-19 के लिए समिति, कर्नाटक सरकार (बी) राज्य सलाहकार बोर्ड, राष्ट्रीय सेवा योजना, कर्नाटक सरकार (ii) नोडल व्यक्ति/सदस्य सचिव, Y20 परामर्श समिति युवा स्वास्थ्य और कल्याण पर G20 अध्यक्षता के तहत आयोजित किया गया, भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधीन भारत के (iii) सहायक संपादक, नेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस)।

डॉ. सेंथिल अमुधन, अवर प्रोफेसर, ने (i) डॉ. अभया की अगवानी की पेपर के लिए इंद्रायण पुरस्कार, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज शीर्षक: "आत्महत्या और उसके सहसंबंधों का जनसंख्या-आधारित विश्लेषण: भारतीय राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2015 के निष्कर्ष- 16" लैंसेट साइकेट्री, एसएमएस, जयपुर में 12 नवंबर 2022 को प्रकाशित (ii) सदस्य, राष्ट्रीय आयोजन समिति, तृतीय आईएपीएसएम यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव, एम्स, भुवनेश्वर, 3 अक्टूबर 2022 (iii) वैज्ञानिक कार्यवाही के लिए आमंत्रित अध्यक्ष (ए) तीसरा IAPSM यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव, एम्स, भुवनेश्वर, 11 नवंबर 2022 (बी) IAPSMCON 2023, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पोषण, हैदराबाद, 3 फरवरी 2023 (iv) प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया, चोट की रोकथाम और सुरक्षा के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र (सीसी) निम्हान्स में प्रमोशन, 8 जनवरी 2023 - दिसंबर 2027.

डॉ. गौतम मेलूर सुकुमार, अवर प्रोफेसर, (i) नामांकित सुरक्षा की राष्ट्रीय आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में 2024, चोट की रोकथाम और सुरक्षा पर 15वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रमोशन, नई दिल्ली, सितंबर 2024 (ii) पूर्णतः प्रायोजित पुरस्कार ग्लोबल रोड सेफ्टी लीडरशिप कोर्स-2023 के लिए नामांकन, जॉन्स हॉपकिन्स इंटरनेशनल इंजरी रिसर्च यूनिट, बाल्टीमोर (iii) संयोजक, कर्नाटक स्वास्थ्य विजन ग्रुप रिपोर्ट, सरकार कर्नाटक (iv) सदस्य, Y20- परामर्श आयोजन समिति (v) समीक्षक (ए) इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायर्नमेंटल मेडिसिन (बी) डब्ल्यूएचओ साउथ-ईस्ट एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ (vi) वर्ष 2021 के लिए डॉ. एच.जे. मेहता अनुसंधान पुरस्कार में न्यायाधीश के रूप में कार्य किया गया- सर्वश्रेष्ठ छात्र शोध पत्र के लिए 22, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, 8 मार्च 2023.

डॉ. प्रचेथ आर, सह प्रोफेसर, (i) ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया । डॉ. सुशीला नायर मेमोरियल यंग लीडर्स ओरेशन अवार्ड, तृतीय इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (IAPSM) यंग लीडर्स', नेशनल कॉन्क्लेव, एम्स, भुवनेश्वर, 11-12 नवंबर 2022 (ii) अनुसंधान पोस्टर प्रस्तुति,के लिए न्यायाधीश/अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। ऑनलाइन छात्र अनुसंधान सम्मेलन, स्क्वाड मेडिसिन और रिसर्च और ऐसमेड, 5 नवंबर 2022 (iii) अकादमिक संपादक प्रख्यात पत्रिका प्लोस वन के लिए (iv) समीक्षक (ए) प्लोस वन (बी) सेज ओपन मेडिसिन (सी) बीएमसी पीडियाट्रिक्स (डी) बीएमसी गर्भावस्था और प्रसव (ई) इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन (एफ) उच्च रक्तचाप के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (जी) हेलियॉन (एच) वैज्ञानिक रिपोर्ट (अई) F1000 अनुसंधान (जे) क्यूरियस।

डॉ. ओजस्विनी त्रिवेदी, एमपीएच छात्रा को (i) (ए) सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (मौखिक प्रस्तुति), प्राप्त हुआ "एक्सपोज़र, स्पष्टीकरण की खोज और स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच प्रौद्योगिकी के उपयोग के अनुभव: एक गुणात्मक अध्ययन", तीसरा आईएपीएसएम यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव, एम्स भुवनेश्वर, 10-12 नवंबर 2022 (बी) सर्वश्रेष्ठ शोध पेपर और मेरिट सर्टिफिकेट, "सूचना के बीच कार्य-तनाव का स्तर कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवर एक भारतीय महानगर में महामारी", व्यावसायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में और सुरक्षा, एसोसिएशन ऑफ ऑक्यूपेशनल का 71वां वार्षिक सम्मेलन स्वास्थ्य कर्नाटक (एओएचके), बेंगलुरु, 6-7 अगस्त 2022.

## मानव आनुवंशिकी

डॉ. चेतन जीके, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) सदस्य, अध्ययन बोर्ड और परीक्षाएँ (ए) जेनेटिक्स विभाग, बैंगलोर विश्वविद्यालय (बी) जेनेटिक्स और जीनोमिक्स विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय (सी) जैव रसायन विभाग, एनआईटीटीई विश्वविद्यालय (ii), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, कर्नाटक सरकार का सलाह सदस्य, पीसी और पीएनडीटी समिति ।

डॉ. मोनोजीत देबनाथ, प्रोफेसर, (i) कार्यकारी परिषद के रूप में चुने गए सदस्य, इंडियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स (ii) बाहरी विषय विशेषज्ञ, डॉक्टरेट समिति (ए) कोशिका जीवविज्ञान विभाग और आणविक आनुवंशिकी, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, श्री देवराज अरसु अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, कोलार (बी) स्कूल पुनर्योजी चिकित्सा विभाग, मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी, बेंगलुरु (सी) बाल रोग विभाग, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी (iii) समीक्षक (ए) इम्यूनोलॉजिकल जांच (बी) वैज्ञानिक रिपोर्ट (सी) जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यूनोलॉजी (डी) न्यूरोलॉजी इंडिया (ई) बीएमसी मनोचिकित्सा (एफ) एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री (iv) एसोसिएट 'आणविक मनश्चिकित्सा' अनुभाग के लिए संपादक, फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री (v) समीक्षक (ए) प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार पर परियोजना प्रस्ताव, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, पोलैंड को प्रस्तुत (बी) दो शोध प्रस्ताव (सीआरजी) एसईआरबी, सरकार को प्रस्तुत किए गए। भारत के (vi) सदस्य, स्कूल ऑफ आईसी-एससीआर के आण्विक जीवविज्ञान/जेनेटिक्स विशेषज्ञ पुनर्योजी चिकित्सा, मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (vii) यंग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान का चयन करने के लिए न्यायाधीश के रूप में कार्य किया । 46वें आईएसएचजी सम्मेलन का वैज्ञानिक सत्र, मणिपाल विश्वविद्यालय, 8-9 अप्रैल 2022 (viii) विशेषज्ञ सदस्य के रूप में विचार-मंथन में भाग लिया। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार पर बैठक, डीबीटी, विज्ञान मंत्रालय और प्रौद्योगिकी, सरकार। भारत के (ix) अध्यक्ष, जेनेटिक सत्र,भारतीय अकादमी का 11वाँ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON-2023) (x) पत्रिकाओं के लिए अतिथि संपादक (ए) सिज़ोफ्रेनिया में प्रतिरक्षा-लक्षित चिकित्सा शीर्षक वाला विशेष अंक, ब्रेन साइंसेज (बी) विशेष अंक जिसका शीर्षक जेनेटिक में मनोरोग चिकित्सा है और क्रोमोसोमल रोग, मनोरोग में अग्रणी।

डॉ. मथिवनन जोथी, सह प्रोफेसर, (i) समीक्षक (ए) स्वास्थ्य सेक्टर (आर एंड डी प्रस्ताव), भारतियार विश्वविद्यालय (बी) पांडुलिपि जर्नल ऑफ अल्जाइमर रिसर्च (सी) को दो अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए एसईआरबी, सरकार को वित्त पोषण के लिए प्रस्तुत किया गया। भारत के (ii) अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, भारतीय का 11वाँ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बायोमेडिकल साइंसेज अकादमी

(IABSCON-2023), निम्हान्स, 4 मार्च 2023 (iii) सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड, भारतियार विश्वविद्यालय ।

डॉ. गौतम अरुणाचल यू, सह प्रोफेसर, सदस्य (ए) बोर्ड परीक्षक (बी) सदस्य, संस्थागत जैव-सुरक्षा समिति, केंद्र
मानव आनुवंशिकी के लिए, बेंगलुरु।

सुश्री. श्रुति श्रीधरन, पीएचडी छात्रा, को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ, "LAMC3 - रुचि का एक जीन जिसे अलग माना जाना चाहिए । मैक्रोसेफली के मामले में PI3K-AKT-mTOR पाथवे सदस्य पॉलीमाइक्रोगाइरिया", इंडियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन का 47वां वार्षिक सम्मेलन जेनेटिक्स, विशाखापट्टणम, 25 जनवरी 2023.

श्री सैकत डे, पीएचडी छात्र, (i) प्राप्त (ए) यात्रा अनुदान में भाग लेने के लिए प्राप्त हुआ ,पार्किंसंस रोग और आंदोलन की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस विकार, मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी (एमडीएस), मैड्रिड, स्पेन, 15-18 सितंबर 2022 (बी) दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (मौखिक प्रस्तुति), MDSICON 2022, मुंबई, 13-15 मई 2022.

श्री त्रिनाथ एम, पीएचडी छात्र, को 10वां सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ । सिज़ोफ्रेनिया, सिज़ोफ्रेनिया अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन फाउंडेशन (एससीएआरएफ), चेन्नई, 25 अगस्त 2022.

## समग्र चिकित्सा

डॉ. बीएन गंगाधर, एमेरिटस प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) इंटरयूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसी-वाईएस) समिति (बी) अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), कैवल्यधाम।

डॉ. किशोर कुमार आर, प्रोफेसर एवं प्रमुख, समन्वयक, कर्नाटक पूरक और स्वास्थ्य दृष्टि समूह उपसमिति वैकल्पिक चिकित्सा, आयुष, कर्नाटक सरकार ।

डॉ. हेमन्त भार्गव, सहायक प्रोफेसर, (i) प्राप्त (ए) यंग प्रामिसिंग संकाय छात्रवृत्ति का पांच दिवसीय धर्म, स्वास्थ्य, में भाग लेने के लिए और आध्यात्मिकता कार्यशाला, ड्यूक विश्वविद्यालय, डरहम, उत्तर कैरोलिना, यूएसए, 14-19 अगस्त 2022 (बी) अर्ली करियर फ़ेलोशिप वेलकम डीबीटी इंडिया यूके अलायंस, सितंबर 2022 (ii) सदस्य (ए) अकादमिक परिषद, SVYASA योग विश्वविद्यालय (बी) आयुष दिशानिर्देश कोविड-19 महामारी के दौरान बच्चों के लिए और समग्र स्वास्थ्य लंबे समय तक कोविड का प्रबंधन, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. भरत होल्ला, सहायक प्रोफेसर को छात्रवृत्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ। यंग फिजिशियन में भाग लेने के लिए इंटरएकेडमी पार्टनरशिप (आईएपी) से लीडर्स (वाईपीएल) प्रोग्राम, ईएसएमटी बर्लिन, जर्मनी, 13-18 अक्टूबर
2022.

सुश्री अमीषा वर्नेकर, एमएससी की छात्रा ने अनुसंधान में आध्यात्मिकता - युवा अन्वेषक पुरस्कार (SIR-YIA), द्वारा तीसरा स्थान हासिल किया। चेतना केंद्र, न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग, निम्हान्स और आध्यात्मिक अनुप्रयोग अनुसंधान केंद्र (SpARC), अगस्त 2022.

## मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा

डॉ. केएस मीना, अवर प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) आईबीआरओएपीआरसी ब्रेन अवेयरनेस वीक ग्रांट अवार्ड, इंटरनेशनल ब्रेन प्राप्त हुआ । अनुसंधान संगठन (ii) सदस्य, उत्पादन समिति टेली-मानस कार्यक्रम, एसएनयू प्रभाग, मंत्रालय के लिए दो लघु वीडियो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार।

## न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल देखभाल

डॉ. राधाकृष्णन एम, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) अध्यक्ष (ए) तकनीकी MeitY प्रायोजित परियोजना के लिए सलाहकार समिति, PRSG समूह 'एनेस्थीसिया की वास्तविक समय ईईजी-आधारित गहराई का विकास' पर मॉनिटर', NIELIT, इम्फाल, मणिपुर (बी) शिक्षा समिति, इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर।

डॉ. रमेश वीजे, प्रोफेसर, (i) इंस्पेक्टर, न्यूरोक्रिटिकल केयर सुविधाएं आईएसएनएसीसी पीडीएफ न्यूरोक्रिटिकल केयर, पेंटाई जेरुडोंग की शुरुआत के लिए विशेषज्ञ केंद्र, सल्तनत, ब्रुनेई, 20-22 जून 2022 (ii) सदस्य, प्रोग्राम मैनेजमेंट बोर्ड, सोसाइटी फॉर बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी (एसबीएमटी)।

डॉ. श्रीगणेश के, प्रोफेसर, (i) आईएसए भोपाल पुरस्कार प्राप्त हुआ । अकादमिक उत्कृष्टता 2022, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, आईएसए का वार्षिक सम्मेलन, शिलांग, मेघालय, 26 नवंबर 2022 (ii) सदस्य, (ए) गवर्निंग काउंसिल, आईएसएनएसीसी 2022-23 (बी) अंतर्राष्ट्रीय डेल्फ़ी विशेषज्ञ आम सहमति समूह का निर्धारण करने के लिए एएसएएच में हीमोग्लोबिन की भूमिका के संबंध में वैश्विक परिप्रेक्ष्य, और हैप्टोग्लोबिन-आधारित के अनुवादात्मक विकास के लिए अनुसंधान प्राथमिकताएँ एएसएएच के लिए चिकित्सीय, दिसंबर 2022-जनवरी 2023.

डॉ. रोहिणी एमएस, अवर प्रोफेसर, (i) सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला, "विश्राम-अवस्था कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग में परिवर्तन गंभीर आघात के प्रबंधन के तीव्र चरण के दौरान किए गए निष्कर्ष मस्तिष्क की चोट वाले मरीज़ एक बार में मृत्यु के परिणाम से जुड़े होते हैं । वर्ष: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन", 5वां यूरोएशिया सम्मेलन, एयरो सिटी, नई दिल्ली, 2 जुलाई 2022 (ii) हंसराज नैय्यर का स्वागत किया गया मेमोरियल अवार्ड (पेपर प्रेजेंटेशन), "इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी और बेहोश रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स प्रतिक्रियाशीलता तीव्र गंभीर आघात के साथ", क्रिटिकेयर 2023, इंदौर, 25 फरवरी 2023 (iii) कार्यकारी सदस्य, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई), अक्टूबर 2022.

डॉ. भरत एस, सह प्रोफेसर, (i) तीसरा पुरस्कार जीता, आईएसए "ओएम" (एक मिनट) सत्र, इंडियन सोसायटी ऑफ का 69वां वार्षिक सम्मेलन एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, शिलांग, मेघालय, 25-27 नवंबर 2022 (ii) सदस्य, कार्यकारी समिति, आईएसए, बैंगलोर सिटी शाखा।

डॉ. संगीता आरपी, सहायक प्रोफेसर ने 'कन्नड़' प्राप्त किया । राष्ट्रीय प्रेस परिषद और समाचार पत्र की ओर से राज्योत्सव पुरस्कार 'यंग अचीवर' की श्रेणी के तहत कर्नाटक एसोसिएशन मेडिसिन', 19 दिसंबर 2022.

डॉ. प्राची शर्मा, डीएम छात्रा ने मौलिक शोध में प्रथम पुरस्कार जीत। पेपर श्रेणी, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसायटी का तीसरा वार्षिक सम्मेलन भारत सरकार, एम्स, नई दिल्ली, 6-9 अक्टूबर 2022.

डॉ. प्राची शर्मा को न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में मूल शोध पत्र श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

डॉ. गायत्री सरकार, डीएम छात्रा ने एक पेजर के लिए दूसरा पुरस्कार जीता । न्यूरोएनेस्थेसिया में प्रस्तुति, ISNACC 2023 नेशनल सम्मेलन, हैदराबाद, 20-22 जनवरी 2023.

डॉ. गायत्री सरकार को ISNACC 2023 राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यूरोएनेस्थेसिया में एक पेजर प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

डॉ. विद्या श्रीराम, वी के ग्रोवर, डीएम की छात्रा को द्वितीय पुरस्कार मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, ISNACC 2023 राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, 20-22 जनवरी 2023.

डॉ. तेजस्वी जीएम, डीएम छात्र, को एक पेजर के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ । प्रस्तुति, "मोया मोया रोग का संवेदनाहारी प्रबंधन", ISNACC 2023 राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, 20-22 जनवरी 2023.

डॉ. अमृता निराले, डीएम की छात्रा को एक पेजर के लिए तीसरा पुरस्कार मिला । प्रस्तुति, "केटोजेनिक आहार", ISNACC 2023 राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, 20-22 जनवरी 2023.

## स्नायुरसायनशास्त्र

डॉ. नंदकुमार डीएन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) सदस्य, कार्यकारी समिति, एसएनसीआई (ii) विभिन्न प्रस्तुत पांडुलिपियों के समीक्षक तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक पत्रिकाएँ।

डॉ. शारदा सुब्रमण्यन, प्रोफेसर, (i) बाहरी सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, सेंट जोसेफ यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु (ii) एसोसिएट एडिटर, अल्जाइमर रोग जर्नल (iii) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भारतीय प्रायोगिक जीवविज्ञान जर्नल ।

डॉ. के गोकुलकृष्णन, एसोसिएट प्रोफेसर, (i) एसोसिएटेड एडिटर, जर्नल कार्डियोवस्कुलर डायबेटोलॉजी (ii) इंटरमीडिएट फेलो, डीबीटी/ वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस (iii) सदस्य, विज्ञान टास्क फोर्स और योग एवं ध्यान की प्रौद्योगिकी (डीएसटी सत्यम)।

## न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलोजी

डॉ. अरविंदा एचआर, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) एनबीई निरीक्षण जयनगर जनरल अस्पताल, बेंगलुरु में मान्यता, 1 मार्च 2023 (ii) परीक्षक (ए) डीएम एनआईआईआर भाग II परीक्षा, एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेन्द्रम, 4 जून और 7-8 दिसंबर 2022 (बी) पीडीएफ न्यूरोरेडियोलॉजी परीक्षा, एम्स, जोधपुर, 29 अगस्त 2022 (सी) डीएम न्यूरोरेडियोलॉजी परीक्षा, श्री रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर अध्ययन और अनुसंधान, पोरूर, चेन्नई, 17 सितंबर 2022 (डी) डीएम एनआईआईआर भाग II परीक्षा, एम्स, नई दिल्ली, 11-12 दिसंबर 2022 (iii) बाहरी विशेषज्ञ, 'चित्र की खरीद' का बोली मूल्यांकन रेडियोलॉजी सूचना के साथ संग्रह और संचार प्रणाली ई अस्पताल सेवा, एजीएमसी और के कार्यान्वयन के लिए सिस्टम (आरआईएस) जीबीपी अस्पताल अगरतला, त्रिपुरा, 1-4 जनवरी 2023.

डॉ. रोज़ डॉन भरत, प्रोफेसर, (i) अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार, आईसीआरआई, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 3 फरवरी 2023 (ii) चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग के लिए निरीक्षण, मूल्यांकन एनबीई, रोहिखंड मेडिकल कॉलेज के लिए बोर्ड (एमएआरबी निरीक्षण), रायबरेली, 9-10 मई, 15 जून, 18 जून, 4-6 जुलाई और 23 अगस्त 2022.

डॉ. जितेंद्र सैनी, प्रोफेसर, ने अंतिम रूप देने के लिए मार्गदर्शन किया, एलजीबी, क्षेत्रीय संस्थान में 128 स्लाइस सीटी स्कैनर के लिए विशिष्टता मानसिक स्वास्थ्य, तेजपुर, असम।

डॉ. संध्या एम, अवर प्रोफेसर, एमआरपीईटी के लिए बाहरी विशेषज्ञ, INMAS दिल्ली में खरीदारी।

डॉ. कार्तिक के. सह प्रोफेसर को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई । पुरस्कार, शैक्षिक

प्रदर्शनियाँ "मात्रात्मक संवेदनशीलता मानचित्रण (क्यूएसएम) कपाल का पता लगाने और स्थानीयकरण के लिए एक नवीन तकनीक के रूप में ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला (सीडीएवीएफ)", एएसएनआर22/एसएनआर 22वां, नया यॉर्क, 14-18 मई 2022.

डॉ. श्वेता प्रसाद, डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस अर्ली करियर फेलो, 2023 जूनियर अवार्ड, इंटरनेशनल पार्किंसन और प्राप्त किया। मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी एशियन एंड ओसियनियन सेक्शन, कोलकाता, 19
मार्च 2023.

सुश्री अभिलाषा इंदौरिया, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ । (मौखिक प्रस्तुति), ISMRM 2022 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल), 10-12 मई 2022.

## तंत्रिका पुनर्वास

डॉ. नवीन बीपी, सहायक प्रोफेसर ने अनिस्या वसंत मेमोरियल से सम्मानित किया । पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति), 51वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, इंफाल, मणिपुर, 9-11 फरवरी 2023.

## तंत्रिका विज्ञान

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) एसोसिएट एडिटर, अल्जाइमर और डिमेंशिया संपादकीय बोर्ड (ii) सदस्य (ए) टास्क फोर्स, "ब्रेन।"बैंक नेटवर्क इंडिया पहल: सैटेलाइट ब्रेन बैंकों की स्थापना भारत में तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान के लिए" परियोजना (बी) संपादकीय बोर्ड, जर्नल सांस्कृतिक संज्ञानात्मक विज्ञान (सी) अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड (आईएबी), लैटिन अमेरिकी मस्तिष्क स्वास्थ्य संस्थान (डी) संपादकीय बोर्ड, डिमेंशिया और वृद्धावस्था संज्ञानात्मक विकार जर्नल (iii) मेंटर साइंटिस्ट, द आईसीएमआर क्षमता निर्माण कार्यक्रम 2022 (iv) समन्वयक - भारत और कार्यकारी समिति के सदस्य, फ्रंटोटेम्पोरल प्रिवेंशन पहल (एफपीआई)।

डॉ. प्रमोद कुमार पाल, प्रोफेसर, (i) अध्यक्ष, पार्किंसन रोग सोसायटी ऑफ कर्नाटक (ii) प्रधान संपादक, एनल्स ऑफ मूवमेंट विकार (iii) अध्यक्ष, संक्रमण संबंधी संचलन विकार एमडीएस का अध्ययन समूह (iv) सह-अध्यक्ष, शिक्षा समिति, एमडीएस (v) सदस्य (ए) दुर्लभ आंदोलन विकार अध्ययन समूह, इंटरनेशनल पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी (आईपीएमडीएस) (बी) शिक्षा समिति, आईपीएमडीएस और अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन पार्किंसंस रोग और संबंधित विकार (आईएपीआरडी) (सी) रेटिंग स्केल्स शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम समिति, आईपीएमडीएस (डी) न्यूरोफिज़ियोलॉजी टास्क फोर्स, आईपीएमडीएस (ई) मूवमेंट डिसऑर्डर
एशिया अध्ययन समूह में (एफ) पोस्ट-स्ट्रोक मूवमेंट डिसऑर्डर (जी) द जैव सूचना विज्ञान संस्थान का अनुसंधान सलाहकार बोर्ड।

डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, प्रोफेसर, (i) सदस्य (ए) कर्नाटक स्वास्थ्य दृष्टि समूह-स्ट्रोक और तंत्रिका संबंधी विकार (बी) नैतिकता समिति, मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, आईआईएससी बेंगलुरु (सी) विशेषज्ञ समिति, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग प्रभाग (डी) प्रत्यायन समिति, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन।

डॉ. रवि यादव, प्रोफेसर, भारतीय अकादमी की फ़ेलोशिप से सम्मानित ऑफ़ न्यूरोलॉजी (FIAN), इंडियन आकेडमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी, नई दिल्ली, 3 नवंबर 2022.

डॉ. रवि यादव, प्रोफेसर, इंडियन अकेडमी ऑफ फेलोशिप प्राप्त करते हुए न्यूरोलॉजी पुरस्कार (FIAN) ।

डॉ. नेत्रवती एम, प्रोफेसर, (i) स्वर्गीय श्री घेवरचंद सुराणा को सम्मानित किया । मेमोरियल ओरेशन, "एनएमओ स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर", एमईआरटी 2022, एपीआई कर्नाटक चैप्टर, बेंगलुरु, 10 अक्टूबर 2022 (ii) द्वारा सम्मानित किया गया । मल्टीपल स्केलेरोसिस पर काम के लिए रोटरी क्लब ऑफ़ बैंगलोर, बेंगलुरु, 1 जून 2022.

डॉ. सिरजीतेश पीआर, अवर प्रोफेसर, (i) पॉल डुडले का स्वागत किया । व्हाइट इंटरनेशनल स्कॉलर अवार्ड 2023, द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन, डलास, 5 दिसंबर 2022 (ii) सलाहकार, स्ट्रोक प्रबंधन प्रोटोकॉल, एनपीसीओसीएस/एनपीएचसीई/एनपीपीसी, विभाग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवाएँ, आरोग्य सौधा, बेंगलुरु।

डॉ. दीपक मेनन, सह प्रोफेसर, (i) फेलो, यूरोपियन बोर्ड ऑफ न्यूरोलॉजी, बेंगलुरु, 18 जुलाई 2022 (ii) सदस्य, स्ट्रोक प्रबंधन प्रोटोकॉल समिति, एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम, कर्नाटक सरकार।

डॉ. अजय असरन्ना, सह प्रोफेसर, (i) सदस्य, वैज्ञानिक आयोजन समिति, 14वीं एशियाई और ओशियनियन मिर्गी कांग्रेस। (ii) समीक्षा संपादक, मिर्गी अनुभाग।

सुश्री मैथिराई, पीएचडी छात्रा, को आईएएन ट्रैवल बर्सेरी पुरस्कार प्राप्त हुआ, AOCN-IANCON 2022, इंडियन एसोसिएशन ऑफ न्यूरोलॉजी, नई दिल्ली, 5 अक्टूबर 2022.

डॉ. देबज्योति धर, डीएम छात्र, को 2023 जूनियर पुरस्कार, 8वां एशियाई और ओसियनियन पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर कांग्रेस (एओपीएमसी), इंटरनेशनल पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी, कोलकाता, 19 मार्च 2023 प्राप्त हुआ।

डॉ. महम्मद समीम मंडल, डीएम छात्र, (i) ने अंतर्राष्ट्रीय क्विज AOCN-IANCON 2022 जीता, नई दिल्ली, 6 नवंबर 2022 (ii) फर्स्ट रनर-अप, IAN BAR-B-Q नेशनल न्यूरोलॉजी क्विज, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, नई दिल्ली, 5 नवंबर 2022 (iii) विकिपीडिया में एक नया रोग नाम, यानी, SISCoV गढ़ा गया: https://en.wikipedia.org/wiki/Multisystem_flammulator_syndrome_in_children, इंटरनेट, 26 नवंबर 2021.

श्री सुजस भारद्वाज, पीएचडी छात्र, को ट्रैवल ग्रांट प्राप्त हुआ, पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस 2022, एमडीएस कांग्रेस 2022, मैड्रिड, स्पेन, 15 सितंबर 2022.

डॉ. रवि प्रकाश सिंह, डीएम छात्र ने क्विज में द्वितीय रनर अप का पुरस्कार जीता। 7वां मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस (एमडीएसआईसीओएन) 2023, कोलकाता, 16 मार्च 2023.

## न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी

डॉ. वीणा कुमारी एचबी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) को आईआईपीसीसी से सम्मानित किया गया । सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार, "विभिन्न प्रीऑपरेटिव का प्रभाव।" बायोफिजिकल विशेषताओं पर पारंपरिक बाल हटाने के व्यवहार और सर्जिकल साइट संक्रमण - एक तुलनात्मक विश्लेषण", अंतर्राष्ट्रीय एनवाईएस लाइसेंस के लिए आईसी प्रमाणन पाठ्यक्रम संस्करण 12 अप्रैल 2022 (ii) सदस्य (ए) अमेरिका की संक्रामक रोग सोसायटी (आईडीएसए) (बी) अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी (iii) बाहरी परीक्षक, पीएचडी छात्र, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान (iv) अध्यक्ष, IAMM KC का 27वां वार्षिक सम्मेलन, 10 मार्च 2023 (v) आजीवन सदस्य, हॉस्पिटल इन्फेक्शन सोसाइटी ऑफ इंडिया (HISI)।

डॉ. वीणा कुमारी एचबी को आईआईपीसीसी सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

डॉ. एस नागरत्ना, प्रोफेसर, (i) बाहरी सदस्य, संस्थागत एक स्वास्थ्य आचार समिति (आईओएचईसी), आईसीएआर-निवेदी (ii) अध्यक्ष, IAMM KC का 27वाँ वार्षिक सम्मेलन, 10 मार्च 2023 (iii) डीबीटी नामांकित - बाहरी सदस्य, आईबीएससी, पेंटावैलेंट, बेंगलुरु (vi) बाहरी परीक्षक, पीएचडी छात्र, श्री देवराज अरसु मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान।

डॉ. वीणा कुमारी एचबी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (आईसीओ) एवं श्रीमती. आशा विजयन, (एसएनओ), अस्पताल संक्रमण निगरानी प्रणाली (एचआईएसएस), विजेता, संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण ओलंपियाड 2022, शुल्के और इन्फ्लेक्सन अकादमी, अक्टूबर 2022.

डॉ. वीणा कुमारी एचबी संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण ओलंपियाड 2022 विजेता प्रमाण पत्र प्राप्त करती हुई ।

डॉ. वीणा कुमारी एचबी, प्रोफेसर एवं प्रमुख (आईसीओ), डॉ. अक्षता (पीडीएफ), श्रीमती. आशा विजयन, श्रीमती सुभा आर, श्रीमती. सबिता डेनियल, श्रीमती. कार्तिका वेणुगोपाल, श्रीमती. एन देवप्रिया, संक्रमण नियंत्रण नर्सिंग अधिकारी, श्रीमती. लताकुमारी, सुश्री. मंजुला, सुश्री. कोमला, श्रीमती. सौम्या, डीईओ/क्लर्क, अस्पताल संक्रमण निगरानी प्रणाली (एचआईएसएस), अस्पताल संक्रमण नियंत्रण स्टाफ को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ । "कोविड-19 तैयारी" के प्रति समर्पण और सेवा के लिए, संपर्क अनुरेखण, शमन और प्रबंधन" ।

अस्पताल संक्रमण नियंत्रण कर्मचारी "कोविड-19 तैयारी, संपर्क अनुरेखण, शमन और प्रबंधन" के प्रति समर्पित सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे हैं।

सुश्री. सुभा आर, एसएनओ-आईसीएन, एचआईएसएस, विजेता, ई-पोस्टर प्रतियोगिता, विश्व रोगी सुरक्षा सप्ताह, एनएबीएच टीम, 17 सितंबर 2022.

श्रीमती. सुभा आर, एसएनओ/आईसीएन और श्रीमती. एन देवप्रिया, एन/ओ-आईसीएन, एचआईएसएस ने "बायोमेडिकल वेस्ट" पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता । प्रबंधन", स्वच्छता पखवाड़ा-2022, महामारी विज्ञान विभाग, निम्हान्स, 13 अप्रैल 2022.

श्रीमती. सुभा आर, एसएनओ/आईसीएन और श्रीमती एन देवप्रिया, एन/ओ-आईसीएन, एचआईएसएस को "बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन" पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

श्रीमती. सबिता डेनियल और श्रीमती. कार्तिका वेणुगोपाल, एन/ओ-आईसीएन, एचआईएसएस ने "बायोमेडिकल वेस्ट" पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता । प्रबंधन", स्वच्छता पखवाड़ा-2022, महामारी विज्ञान विभाग, निम्हान्स, 13 अप्रैल 2022.

श्रीमती सबिता डैनियल और श्रीमती कार्तिका वेणुगोपाल, एन/ओ-आईसीएन, एचआईएसएस को "बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन" पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. सरवना प्रिया जेके, रेजिडेंट, ने क्विज़ में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया । अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन CHET TB CON में प्रतियोगिता, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, चेट्टीनाड अस्पताल और अनुसंधान संस्थान, मार्च 2023.

डॉ. सरवना प्रिया को अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन CHET TBCON -2023 में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

## तंत्रिकाविकृति विज्ञान

डॉ. अनिता महादेवन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, विभाग न्यूरोपैथोलॉजी, शिक्षण में डॉ. एस जे नागालोटिमैथ उत्कृष्टता प्राप्त की पुरस्कार, पैथोलॉजी में 40वीं वार्षिक राष्ट्रीय सीएमई, 23 जून 2022.

डॉ. अनिता महादेवन को शिक्षण में डॉ. एस जे नागलोतिमथ उत्कृष्टता प्राप्त हुई पुरस्कार

डॉ. अभिषेक चौधरी, डीएम छात्र को द्वितीय पुरस्कार मिला । (न्यूरोपैथोलॉजी क्विज़), और द्वितीय पुरस्कार (नियोप्लास्टिक ओरल पेपर प्रेजेंटेशन), से सम्मानित किया गया । "उपटाइपिंग में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री की उपयोगिता पोस्टीरियर फोसा ग्रुप ए एपेंडिमोमा", सीएमसी, एनपीएसआईसीओएन 2023, वेल्लोर, 23-25 फरवरी 2023.

डॉ. हेमा एवी, पीडीएफ को दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (पेपर प्रेजेंटेशन) प्राप्त हुआ। "क्या मैक्रोफेज उपप्रकार प्रतिरक्षाविज्ञानी उपप्रकारों को संचालित करता है। कुष्ठ न्यूरोपैथी?" गैर-नियोप्लास्टिक श्रेणी में, सीएमसी, एनपीएसआईसीओएन 2023, वेल्लोर, 23-25 फरवरी 2023.

डॉ. हर्षा एस सुगुर, पीएचडी छात्र, (i) को यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, "ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग MYBL2 को एक नए आक्रामक के रूप में पहचानती है । एस्ट्रोसाइटोमा में बायोमार्कर, आईडीएच उत्परिवर्ती, सीएनएस डब्ल्यूएचओ ग्रेड 3 ट्यूमर", इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरो ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस (आईएसएनओ), गुरुग्राम, अगस्त 2022 (ii) नियोप्लास्टिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, "आंशिक होना चाहिए।" (हेमीज़ाइगस) CDKN2A/2B जीन के विलोपन का भी मूल्यांकन किया जाएगा । आईडीएच- उत्परिवर्ती एस्ट्रोसाइटोमास?", न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआई) सम्मेलन, वेल्लोर, फरवरी 2023.

## न्यूरोफिज़ियोलॉजी

डॉ. बिंदू एम कुट्टी, प्रोफेसर, प्रतिष्ठित मेजर जनरल से सम्मानित एस.एल. भाटिया ओरेशन, 68वां राष्ट्रीय सम्मेलन, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट, भारत (एपीपीआई), पीजीआई, चंडीगढ़,
13-15 दिसंबर 2022.

डॉ. टीएन सत्यप्रभा, प्रोफेसर, (i) डॉक्टर ऑफ साइंस से सम्मानित - योग में डीएससी, स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, 12 जनवरी 2023.

डॉ. टीएन सत्यप्रभा को स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय द्वारा योग में डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की उपाधि से सम्मानित किया जा रहा है।

(ii) सदस्य, वैज्ञानिक और नैतिक समिति (ए) राष्ट्रीय संस्थान यूनानी चिकित्सा, बेंगलुरु (बी) सरकार। यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, बेंगलुरु (सी) इंस्टीट्यूट ऑफ नेचर क्योर एंड योगिक साइंसेज, जिंदल नगर, बेंगलुरु (iii) विजिटिंग प्रोफेसर (ए) श्री राम चंद्र मेडिकल कॉलेज, पोरूर, चेन्नई (बी) एस–व्यासा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु (iv) डॉक्टरेट समिति के सदस्य, पीएचडी छात्र, JIPMER (v) पत्रिकाओं के समीक्षक (ए) एजिंग मेडिसिन (बी) एक्टा फिजियोलॉजी (सी) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा (डी) आईजेपीपी।

डॉ. लक्ष्मी टी राव, प्रोफेसर, (i) चयन समिति के सदस्य इंटरनेशनल जेएनएस ट्रैवल अवार्ड्स, सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस (एसएफएन), यूएसए (ii) तदर्थ समीक्षक (ए) प्रायोगिक मस्तिष्क अनुसंधान (बी) तंत्रिका विज्ञान पत्र (सी) तंत्रिका विज्ञान के इतिहास (डी) पीएलओएस जर्नल (ई) पीएनएएस (एफ) न्यूरोसाइंस (iii) सदस्य (ए) प्रशिक्षु व्यावसायिक विकास पुरस्कार चयन समिति (टीपीडीए), सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस (बी) संपादकीय बोर्ड, इंडियन जे फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी (आईजेपीपी) (सी) कोर समिति और समन्वयक संस्थागत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के लिए (डी) सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस (एसएफएन), यूएसए (ई) संस्थागत शिकायत समिति (iv) नामांकित जूरी सदस्य, रेमे–डीआईवाई अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, दिल्ली (नीति आयोग, अटल इनोवेशन मिशन और राष्ट्रीय द्वारा समर्थित स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार) (v) निर्वाचित फेलो, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी (vi) समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स इन ह्यूमन तंत्रिका विज्ञान, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान (vii) एसोसिएट संपादक, इतिहास तंत्रिका विज्ञान विभाग, SAGE प्रकाशन (viii) सचिव, भारतीय अकादमी न्यूरोसाइंस–बैंगलोर अध्याय (ix) संपादकीय बोर्ड, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान (मानव तंत्रिका विज्ञान में फ्रंटियर्स) (x) आजीवन सदस्य
(ए) इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च (बी) इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस (आईएएन), भारत (सी) द इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च (आईएसएसआर) और एशियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च।

डॉ. कविराजा उडुपा, प्रोफेसर, (i) सहकर्मी–समीक्षक (ए) जर्नल ऑफ तंत्रिका विज्ञान (बी) मस्तिष्क (सी) तंत्रिका विज्ञान (डी) आंदोलन विकार (ई) पीएलओएस वन (एफ) जर्नल ऑफ न्यूरोफिज़ियोलॉजी (जी) क्लिनिकल न्यूरोफिज़ियोलॉजी (एच) मस्तिष्क उत्तेजना (अई) उम्र बढ़ने की न्यूरोबायोलॉजी (जे) जर्नल ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी (के) बायोलॉजिकल साइकियाट्री (एल) मनोचिकित्सा अनुसंधान (एम) प्रायोगिक मस्तिष्क अनुसंधान (एन) मस्तिष्क रिसर्च (ओ) न्यूरोसाइकोलॉजी (पी) कैनेडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंसेज (क्यू) जर्नल ऑफ मोटर बिहेवियर (आर) फिजियोलॉजी इंटरनेशनल (एस) क्लिनिकल न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी (टी) जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल रिसर्च (यू) जर्नल ऑफ कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन (वी) भविष्य की पीढ़ी के कंप्यूटर सिस्टम (डब्ल्यू) जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल न्यूरोसाइंस (एक्स) जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन (वाई) साइकोफिजियोलॉजी (जेड) एनपीजे पार्किंसंस रोग (ए1) हेल्थकेयर (ए2) इंटीग्रेटिव जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (ii) एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सा, ASSOPI (iii) अतिथि सहयोगी संपादक, उपन्यास मस्तिष्क में गैर–आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना में मल्टीमॉडल दृष्टिकोण इमेजिंग और उत्तेजना, मानव तंत्रिका विज्ञान में फ्रंटियर्स (iv) एसोसिएट संपादक/सदस्य, संपादकीय समिति, सीसीआरवाईएन इंडियन योग और प्राकृतिक चिकित्सा जर्नल (v) पीएचडी थीसिस के लिए बाहरी समीक्षक (ए) एम्स, नई दिल्ली (बी) जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी (सी) मणिपाल अकादमी उच्च शिक्षा विभाग (एमएएचई), मणिपाल (डी) श्री बालाजी विद्यापीठ (एसबीवी), पांडिचेरी (ई) निट्टे डीम्ड यूनिवर्सिटी (एफ) महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम (vi) बाहरी विषय विशेषज्ञ (ए) अनुसंधान पीएचडी उम्मीदवारों के लिए सलाहकार समिति, जिपमर, पांडिचेरी (बी) योग थेरेपी केंद्र (सी) शिक्षा और अनुसंधान एसबीवी (डी) श्री रामचन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, पोरुर (vii) कार्यकारी को प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों के लिए आमंत्रित समीक्षक सरकारी एजेंसी (ए) राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र (नारोडोवे सेंट्रम)। नौकी), पोलैंड और न्यूरोलॉजिकल फाउंडेशन, न्यूजीलैंड (बी) वेलकम ट्रस्ट डीबीटी इंडिया एलायंस फ़ेलोशिप, मंत्रालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सरकार। भारत की (viii) समिति के रूप में आमंत्रित सदस्य, न्यू फ्रंटियर्स इन रिसर्च फंड (एनएफआरएफ) बहुविषयक परिवर्तन धारा के लिए समीक्षा पैनल, ट्राई–एजेंसी इंस्टीट्यूशनल कार्यक्रम सचिवालय, कनाडा (ix) चयन के लिए न्यायाधीश को आमंत्रित किया गया, बेस्ट पेपर्स, ASSOPI (x) सदस्य (ए) एथिक्स कमेटी, श्री श्री उन्नत अनुसंधान संस्थान (एसएसआईएआर), बेंगलुरु (बी) विशेषज्ञ समिति, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी) अद्वितीय दुनिया भर के वैज्ञानिकों के तारकीय संघ ने ध्यान केंद्रित किया अध्यात्म विज्ञान और प्राचीन ज्ञान की जांच सिस्टम, सुरभि (प्राचीन पर अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिक मानवता को लाभ पहुंचाने वाली ज्ञान प्रणालियाँ), SSIAR की एक पहल, आर्ट ऑफ लिविंग की अनुसंधान शाखा।

डॉ. बीएन श्रीकुमार, अवर प्रोफेसर, (i) सदस्य, डेटा सुरक्षा और मल्टीसेंट्रिक आयुर्वेद क्लिनिकल के लिए मॉनिटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी)। परीक्षण, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु (ii) नामांकित प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति की पशु (सीसीएसईए), मत्स्य पालन, पशुपालन मंत्रालय और डेयरी, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार (iii) डीबीटी, भारत सरकार को प्रस्तुत परियोजनाओं के लिए समीक्षक सहकर्मी (iv) पत्रिकाओं के लिए तदर्थ समीक्षक (ए) तंत्रिका विज्ञान पत्र (बी) जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यून फार्माकोलॉजी।

डॉ. विजयलक्ष्मी के, सह प्रोफेसर, (i) डीबीटी नामांकित सदस्य, आईबीएससी समिति, जैव सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु (ii) गेस्ट एसोसिएट एडिटर, फ्रंटियर्स मल्टीपल स्केलेरोसिस और न्यूरोइम्यूनोलॉजी ।

डॉ. गुलशन कुमार, पीएचडी छात्र को अंतरराष्ट्रीय यात्रा की उपाधि मिली । एसईआरबी, डीबीटी, सरकार से अनुदान। भारत की 10वीं कांग्रेस में भाग लेने

के लिए एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी और एशियन फोरम ऑफ क्रोनोबायोलॉजी, इस्तांबुल, तुर्की, 31 मार्च–1 अप्रैल 2023.

श्री राहुल वेणुगोपाल, पीएचडी छात्र, ने यात्रा अनुदान प्राप्त किया । सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, भारत ईएमबीओ व्याख्यान पाठ्यक्रम "नॉनइनवेसिव"। मस्तिष्क उत्तेजना: अनुसंधान और नैदानिक अभ्यास में प्रगति",आईआईटी
गांधीनगर, भारत, 12–17 दिसंबर, 2022.

डॉ. इनबराज जी, पीएचडी छात्र, को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, जैव प्रौद्योगिकी विभाग सीटीईपी), भाग लेने और प्रस्तुत करने के लिए FENS फोरम 2022, पेरिस, फ्रांस, 9–13 जुलाई 2022.

सुश्री. अबंती चौधरी, पीएचडी छात्रा, ने यात्रा अनुदान प्राप्त किया । जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) को किशोरावस्था में प्रारंभिक जीवन तनाव और जोखिम लेने वाला व्यवहार", सोसायटी फॉर पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए, न्यूरोसाइंस (एसएफएन), सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए, 12–16 नवंबर 2022.

सुश्री. जिस्मी वी.एस., पीएचडी छात्रा, को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (सीटीईपी), विज्ञान मंत्रालय से और प्रौद्योगिकी, सरकार। भारत के न्यूरो विज्ञान सम्मेलन में भाग लेने के लिए FENS 2022 फोरम, पेरिस, फ्रांस, 9–13 जुलाई 2022.

सुश्री. केएस संघमित्रा, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ, "ट्रांसक्यूटेनियस ऑरिकुलर वेगस तंत्रिका उत्तेजना (टीएवीएनएस) का प्रभाव" नवजात क्लोमीप्रैमीन (एनसीएल) मॉडल में अवसाद जैसे व्यवहार पर अवसाद का" अकादमी का 11वाँ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON), बेंगलुरु, 3–5 मार्च 2023.

सुश्री. नयना जोस, पीएचडी छात्रा, ने प्रोफेसर के.के. का स्वागत किया। श्रीवास्तव एवं प्रो. एल.एम. श्रीवास्तव यंग इनोवेटर अवार्ड–2022, प्रथम पुरस्कार "बार–बार फाइनस्टराइड प्रशासन को बढ़ावा देता है" पर पोस्टर प्रस्तुति
सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी और एंटीडिप्रेसेंट–और चिंताजनक–जैसी पैदा करता है, मादा चूहों में प्रभाव", 11वाँ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON–2023), निमहंस, बेंगलुरु, 3–5 मार्च 2023.

सुश्री नयना जोस ने प्रो. के.के. का स्वागत किया। श्रीवास्तव और प्रो. एल.एम. श्रीवास्तव यंग इनोवेटर अवार्ड–2022 (पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार) IABSCON 2023

सुश्री. राम्या वी, पीएचडी छात्रा, ने प्रो. के.के. श्रीवास्तव और प्रो. का स्वागत किया। एल. एम. श्रीवास्तव यंग इनोवेटर अवार्ड – 2022, तीसरा पुरस्कार "छिटपुट से मस्तिष्कमेरु द्रव का प्रभाव" विषय पर पोस्टर प्रस्तुति MO3.13 ओलिगोडेंड्रोग्लिअल पर एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के मरीज सेल लाइन", द इंडियन एकेडमी का 11वां अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON 2023), निम्हान्स, बेंगलुरु, 3–5 मार्च 2023.

सुश्री राम्या वी ने प्रो. के.के. का स्वागत किया। श्रीवास्तव और प्रो. एल.एम. श्रीवास्तव यंग इनोवेटर अवार्ड – 2022 (पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार) IABSCON 2023

## न्यूरोवायरोलॉजी

डॉ. रीटा एस मणि, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) आमंत्रित सदस्य, तकनीकी समिति की बैठक, आईसीएमआर टास्क फोर्स परियोजना जिसका शीर्षक "रेबीज और" है भारत में कुत्ते का काटना: सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे और नीति निहितार्थ, 27 जून 2022 (वर्चुअल मोड) (ii) विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित (ए) वर्चुअल 'सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में एन्सेफलाइटिस' पर हितधारकों की बैठक मस्तिष्क स्वास्थ्य इकाई, मानसिक स्वास्थ्य और पदार्थ उपयोग विभाग, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 28–29 जून 2022 (बी) राष्ट्रीय वैज्ञानिक रेबीज और दीक्षांत समारोह पर संगोष्ठी, मॉड्यूल आधारित सीएमई रेबीज़ रोकथाम पर मान्यता प्राप्त कार्यक्रम (भारत सीरम्स और वैक्सीन्स लिमिटेड, मुंबई और एसोसिएशन फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल भारत में रेबीज की), (वर्चुअल मोड), 9 जुलाई 2022 (iii) सदस्य, विशेषज्ञ केरल में रेबीज से होने वाली मौतों का अध्ययन करने के लिए समिति, सरकार। केरल के (iv) क्षेत्रीय समन्वयक, 'राज्य कार्य योजनाओं पर क्षेत्रीय कार्यशाला छह दक्षिणी के लिए कुत्ते की मध्यस्थता वाले रेबीज उन्मूलन (एसएपीआरई) के लिए राज्य, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी, दिल्ली)। डब्ल्यूएचओ, भारत, ग्रैंड बैंगलोर के साथ सहयोग, 14–15 अक्टूबर 2022 (v) WHO सहयोग केंद्रों की बैठक में भाग लिया और रेबीज़ के विशेषज्ञ, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओआईई), पेरिस, फ्रांस, 12–14 दिसंबर 2022 (vi) समीक्षा बैठक में भाग लिया, इन्फ्लुएंजा प्रयोगशालाओं, सेंट्रल की गतिविधियाँ और भविष्य का रोड मैप निगरानी इकाई (सीएसयू), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), तिरुवनंतपुरम, केरल, 19 जनवरी 2023 (vii) पैनलिस्ट, वन हेल्थ बेंगलुरु सिटी कंसोर्टियम, बेंगलुरु का शुभारंभ विज्ञान और प्रौद्योगिकी (बीईएसटी) क्लस्टर, बेंगलुरु, 3 मार्च 2023 (viii) कार्यक्रम प्रबंधकों और क्षेत्रीय की बैठक में भाग लिया । कुत्ते की मध्यस्थता वाले मानव रेबीज पर

तकनीकी सलाहकार समूह (आरटीएजी)। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में, WHO/ SEARO, बैंकॉक, 27-28 मार्च 2023 (ix) आमंत्रित विशेषज्ञ, मस्तिष्क संक्रमण दिशानिर्देश पीआईसीओ बैठक, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी), वेल्लोर, 31 मार्च-1अप्रैल 2023.

डॉ. अनिता एस.देसाई, प्रोफेसर, सदस्य, टास्क फोर्स, कोविड-19 संबंधित मायने रखता है, कर्नाटक सरकार ।

डॉ. अश्विन बेलुडी, सहायक प्रोफेसर ने छात्रवृत्ति प्राप्त की, एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया, एड्स सोसायटी का 13वां राष्ट्रीय सम्मेलन भारत, हैदराबाद, 5 अप्रैल 2022.

सुश्री रुथु एन, पीएचडी छात्रा, आईसीएमआर सीनियर रिसर्च फेलो (एसआरएफ), दिल्ली, 18 मई 2022.

## नर्सिंग

डॉ. साईलक्ष्मी गांधी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) मुख्य अतिथि, लैंप प्रकाश समारोह, दयानंद सागर विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, बेंगलुरु, 1 जुलाई 2022 (ii) रिसोर्स पर्सन (ए) "उत्साहजनक मदद मांगने वाला व्यवहार और जागरूकता पैदा करना", विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस-2022, डीजीएचएस, नर्सिंग प्रभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय एवं परिवार कल्याण, सरकार। ECHO इंडिया के सहयोग से भारत का (वर्चुअल), 10 सितंबर 2022 (बी) "नर्सों के लिए तनाव प्रबंधन", सीएनई, एम्स, नागपुर, 6 फरवरी 2023 (iii) सदस्य, डॉक्टरेट समिति, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, 14 अक्टूबर 2022.

डॉ. प्रशांति नट्टाला, प्रोफेसर, चेयरपर्सन, इंस्टीट्यूशनल एथिक्स समिति की बैठक, श्री देवराज उर्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोलार।

डॉ. राधाकृष्णन जी, अवर प्रोफेसर, मुख्य अतिथि, लैंप प्रकाश समारोह, माउंट शेफर्ड ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस, बेंगलुरु, 4 जून 2022.

श्री मोहनकृष्ण पीवी, नर्सिंग ट्यूटर, सम्मानित अतिथि, लैंप प्रकाश समारोह, एसडीएस क्षय रोग अनुसंधान केंद्र और राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट डिजीज, बेंगलुरु, 22 जून 2022.

श्री इम्मानुएल, मनोरोग नर्सिंग में एमएससी, को पुरस्कार मिला, ई-पोस्टर, थीम: "बिना नुकसान के दवा", निम्हान्स, 17 सितंबर 2022.

सुश्री. सुगवनासेल्वी, पीएचडी छात्रा, को नारा लेखन के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ, थीम: "बिना नुकसान के दवा", निम्हान्स, 17 सितंबर 2022.

सुश्री. पद्मावती जे, एमएससी छात्रा, ने स्लोगन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। ग्लोबल हैंड-वॉशिंग डे, बेंगलुरु, 15 अक्टूबर 2022.

सुश्री कृष्णम्माल टी, न्यूरोसाइंस नर्सिंग में एमएससी को तीसरा पुरस्कार मिला, पोंटीन कैवर्नोमा पर मौखिक प्रस्तुति में: नर्सिंग परिप्रेक्ष्य, न्यूरोलॉजिकल सर्जन सोसायटी ऑफ इंडिया का 11वां वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 3 मार्च 2023.

## क्लिनिकल नर्सिंग

निम्हान्स सर्वश्रेष्ठ वार्ड पुरस्कार (ए) पुरुष न्यूरो सर्जरी को प्रदान किए गए, (न्यूरो सेंटर) - श्रीमती. ललितम्मा पीएल और टीम (बी) ओपीडी (अन्य सेवाएँ) - श्रीमती। हिल्डा पीडी (सी) पुरुष सीएएम (मनोरोग) - श्रीमती. कैरोलीन डेविड और टीम (डी) मनोरोग 'सी' ब्लॉक (मनोरोग) - सुश्री. निर्मला एम हट्टी, 2022-23.

श्रीमती. मोहिनी एमएम, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर (पवेलियन -II), श्रीमती. बीनामोल के.एस., वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (एसएसबी छठी मंजिल), श्रीमती. एम अमलोरपावा मैरी,वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (हताहत) और श्रीमती. धनलक्ष्मी आर, सीनियर नर्सिंग अधिकारी (ओपीडी) को वर्ष 2022-23के लिए एनआईएमएचएएनएस सर्वश्रेष्ठ नर्स पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

सुश्री रजिता पी, नर्सिंग अधिकारी को मौखिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। व्यसन मनोरोग सोसायटी का दूसरा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन भारत, ADDICON 2022, निम्हान्स, बैंगलोर, 4 दिसंबर 2022.

## नर्सिंग कॉलेज

डॉ. बीवी कथ्यायनी, प्रोफेसर और प्रिंसिपल, सदस्य, अध्ययन बोर्ड (ए) श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमन एक्सीलेंस (बी) कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जिपमर।

डॉ. एस वल्लियाम्मल, व्याख्याता, (i) संयुक्त सचिव, सीएनआरएस, दक्षिण क्षेत्र, भारत के क्लिनिकल नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी (CNRS) के अध्यक्ष (ii) सदस्य (ए) सलाहकार समिति, श्री देवराज अरसु अकादमी उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान, कोलार (बी) शैक्षणिक समिति, पीएचडी नर्सिंग, अधिपराशक्ति कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मेलमारुवथुर, तमिलनाडु (iii) आजीवन सदस्य, क्लिनिकल नर्सिंग रिसर्च सोसाइटी (CNRS) (iv) संपादक/ सहकर्मी समीक्षक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुक्रमित नर्सिंग जर्नल्स (ए) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग डिडक्टिक्स (बी) समकालीन अनुसंधान और समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (सी) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड मिडवाइफरी।

डॉ. जोथिमनी, क्लिनिकल प्रशिक्षक को अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त हुई, मनोरोग नर्सिंग में पुरस्कार, आईएमआरएफ जर्नल्स।

डॉ. राजलक्ष्मी आर, क्लिनिकल इंस्ट्रक्टर को सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार मिला, पुरस्कार-2022 (वैश्विक उपलब्धि पुरस्कार श्रेणी), 9वाँ अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन, डीके इंटरनेशनल रिसर्च फाउंडेशन, तमिलनाडु, 17 दिसंबर 2022.

श्रीमती. विजयालक्ष्मी एस. क्लिनिकल प्रशिक्षक, ने मौखिक के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, पेपर प्रस्तुति, "महिलाओं के बीच यौन स्वास्थ्य का अधिकार।" मानसिक

बीमारी: एक अज्ञात क्षेत्र", नैतिकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन नर्सिंग में, गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, नर्सिंग कॉलेज, निम्हान्स, 11 नवंबर 2022.

सुश्री. आन मारिया संतोष, बीएससी नर्सिंग, को सीएनआरएस-ऑल इंडिया प्राप्त हुआ, शीर्षक वाली परियोजना के लिए उत्कृष्ट नर्सिंग अनुसंधान पुरस्कार "कोविड-19 टीकाकरण स्वीकृति के सूत्रधार और बाधाएँ स्वास्थ्य देखभाल छात्रों के बीच", 18 मार्च 2023.

## मनोरोग पुनर्वास सेवा

डॉ. जगदीशा तीर्थहल्ली, प्रोफेसर एवं प्रमुख (प्रभारी), सदस्य, विकलांगता प्रमाणपत्र/आरक्षण के लिए मनोचिकित्सा पर उपसमिति एमबीबीएस प्रवेश के लिए, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी)।

डॉ. टी. शिवकुमार, अवर प्रोफेसर, (i) गैर-वैधानिक सहयोजित सदस्य, स्थानीय स्तर की समिति, बैंगलोर के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट अधिनियम शहरी जिला (ii) मानद सदस्य, तकनीकी सलाहकार बोर्ड कर्नाटक पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ सिटिजन्स विद इंटेलेक्चुअली और विकास संबंधी विकलांगताएं (KPACIDD) (iii) होने के लिए आमंत्रित किया गया है । अनुसंधान सलाहकार बोर्ड, एमएस चेल्लामुथु ट्रस्ट और का हिस्सा रिसर्च फाउंडेशन, मदुरै, तमिलनाडु (एनजीओ) (iv) सदस्य (ए) यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) आंतरिक समिति, रिचमंड फ़ेलोशिप, बेंगलुरु (बी) थेरेपी और कार्यक्रम स्थायी समिति, मेडिको-पास्टोरल एसोसिएशन, बेंगलुरु, 2022-23 (v) एसोसिएट एडिटर (ए) जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन और स्प्रिंगर से मानसिक स्वास्थ्य (बी) इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री (सी) जर्नल ऑफ साइकियाट्री स्पेक्ट्रम।

डॉ. आरती जगन्नाथन, अवर प्रोफेसर, (i) सदस्य, गवर्निंग काउंसिल ऑफ रिचमंड फ़ेलोशिप सोसाइटी (इंडिया), बेंगलुरु, सितंबर 2022 (ii) विशेषज्ञ सदस्य (ए) टिप्पणियाँ प्रस्तुत कर रहे हैं राष्ट्रीय विकलांगता नीति, सशक्तिकरण विभाग को विकलांग व्यक्ति (डीईपीडी), सामाजिक न्याय मंत्रालय और सशक्तिकरण, सरकार. भारत के (iii) प्रस्तुत करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य विभाग को यूडीआईडी और नेशनल ट्रस्ट पर टिप्पणियाँ विकलांग व्यक्तियों का सशक्तिकरण (डीईपीडी), मंत्रालय सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सरकार। भारत का (iv) मानद तकनीकी विशेषज्ञ, रिचमंड फ़ेलोशिप सोसाइटी (भारत) परियोजना पर मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए समर्थित और आश्रययुक्त आवास स्वास्थ्य विकार ।

## मनोरोग सामाजिक कार्य

डॉ. आर धनशेखर पांडियन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, (i) निर्वाचित महासचिव, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क (आईएसपीएसडब्ल्यू), तुमकुर विश्वविद्यालय, 24 फरवरी 2023 (ii) सदस्य (ए) संपादकीय बोर्ड, टीआईएसएस जर्नल ऑफ डिसेबिलिटी स्टडीज एंड रिसर्च, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, 18 अगस्त 2022 (बी) तकनीकी मनोरोग में एमफिल के लिए नया नामकरण समिति तय करेगी सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 10 जनवरी 2023 (iii) सदस्य, अध्ययन बोर्ड (ए) मदुरै संस्थान सामाजिक विज्ञान विभाग, मदुरै, तमिलनाडु (बी) श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालय, तिरुपति (सी) श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज, उजिरे (डी) कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी (ई) भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (एफ) क्रिस्टु जयंती कॉलेज, बेंगलुरु (iv) कोषाध्यक्ष, इंडिया नेटवर्क ऑफ प्रोफेशनल सामाजिक कार्यकर्ता संघ, बेंगलुरु, 20 अप्रैल 2022 (v) सदस्य, पीएचडी परीक्षा बोर्ड (ए) भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (बी) भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिची (सी) प्रसन्ना स्कूल ऑफ पब्लिक स्वास्थ्य, एमएएचई (मानित विश्वविद्यालय), मणिपाल।

डॉ. ए तिरुमूर्ति, प्रोफेसर, सदस्य, अध्ययन बोर्ड (ए) सेंट्रल पांडिचेरी विश्वविद्यालय (बी) भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (सी) अमृता विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (डी) केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. बीपी निर्मला, प्रोफेसर, (i) को पोस्टर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, प्रस्तुति, विश्व सामाजिक कार्य दिवस, निमहंस, 21 मार्च 2023 (ii) बाहरी सदस्य, अध्ययन बोर्ड, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, इग्नू, नई दिल्ली, 9 सितंबर 2022 (iii) संपादकीय बोर्ड सदस्य (ए) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड साइकियाट्रिक नर्सिंग (बी) एक्टा साइंटिफिक न्यूरोलॉजी।

डॉ. एन जनार्दन, प्रोफेसर, (i) सदस्य, संपादकीय बोर्ड (ए) इंस्टीट्यूशनलाइज़्ड चिल्ड्रेन जर्नल (बी) जर्नल ऑफ़ साइकेट्री और मनोविज्ञान (सी) अनुसंधान: कल्याण सशक्तिकरण और प्रभावशाली प्रोफाइल (ii) मानद सचिव, केयरर्स वर्ल्डवाइड इंडिया (iii) विशेषज्ञ सदस्य, बच्चों में बुनियादी प्रशिक्षण पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित कर रहे हैं कर्नाटक सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए सुरक्षा। (iv) सदस्य (ए) आचार समिति, डॉ. बीआर अंबेडकर मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु (बी) एसओपी की समीक्षा के लिए समीक्षा समिति कर्नाटक राज्य के लिए POCSO अधिनियम और इसके संशोधनों के अनुसार नियम (सी) प्रारंभिक बचपन देखभाल और विकास पर उपसमिति, तमिलनाडु शिक्षा नीति उच्च-स्तरीय समिति (v) सलाहकार पश्चवर्ती देखभाल दिशानिर्देश, जेजे नियम, पालन-पोषण देखभाल और गोद लेने के लिए, बाल संरक्षण निदेशालय, सरकार। कर्नाटक के (vi) मानद सलाहकार, उमा एजुकेशनल एंड टेक्निकल सोसाइटी, काकीनाडा।

डॉ. वृंदा एमएन, अवर प्रोफेसर, मनोनीत सदस्य (ए) वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर, एनएआरआई, राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, मंत्रालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पुणे, महाराष्ट्र (बी) राष्ट्रीय बोर्ड श्रमिक शिक्षा एवं विकास के लिए (पूर्व में केंद्रीय बोर्ड श्रमिक शिक्षा), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. आरती जगन्नाथन, अवर प्रोफेसर, (i) सहायक संकाय, स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान (SVYASA), बेंगलुरु (ii) कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ एप्लाइड कॉन्शसनेस अध्ययन (iii) कार्यकारी सदस्य, थेरेपी और कार्यक्रम समिति, मेडिको पास्टोरल एसोसिएशन (एमपीए) बेंगलूरू।

डॉ. सोजन एंटनी, सह प्रोफेसर, (i) सदस्य, अध्ययन बोर्ड, सामाजिक कार्य विभाग, सीएमआर विश्वविद्यालय, बेंगलूरु (ii) कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क।

डॉ. अनीश वी चेरियन, एसोसिएट प्रोफेसर, (i) अकादमिक संपादक, पीएलओएस ग्लोबल हेल्थ जर्नल, 26 अप्रैल 2023। (ii) सदस्य, वेलनेस समिति, वेलनेस सेंटर, आईआईएससी (iii) सह-समन्वयक, क्षेत्रीय दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए आत्महत्या रोकथाम, अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम एसोसिएशन (आईएएसपी) विशेष रुचि समूह (एसआईजी)।

सुश्री. लाविनिया एएम लिंग्दोह, पीएचडी छात्रा को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। WAPR भारतीय चैप्टर सम्मेलन, WAPR और LGBR संस्थान मानसिक स्वास्थ्य, तेज़पुर, असम, 17-18 मार्च 2023.

सुश्री. सिसिल वानसाथरा, पीएचडी विद्वान, को ट्रैवल फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अल्जाइमर एसोसिएशन, सैन डिएगो, जुलाई 2022.

श्री जेम्स आरपी, पीएचडी छात्र, को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, "भविष्यवक्ता" प्राप्त हुआ, किशोरों के बीच साइबर बदमाशी पर", 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वास्थ्य भर में चिकित्सा और मनोरोग सामाजिक कार्य अभ्यास पर केयर स्पेक्ट्रम, सामाजिक कार्य विभाग, सेंट अल्बर्ट्स कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल, 7 मार्च 2023.

श्री. भरत आर, पीएचडी छात्र, ने ऑस्ट्रेलिया इंडिया रिसर्च प्राप्त किया, छात्र फ़ेलोशिप -2023, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया।

सुश्री. कृपा एल, पीएचडी छात्रा, ने डॉ. एम. चन्द्रशेखर राव की अगवानी कीएमफिल/पीएचडी विद्वानों के लिए मेमोरियल बेस्ट पेपर अवार्ड, "विवाह दक्षिण भारत में ग्रामीण युवाओं की उम्मीदें; के लिए निहितार्थ विवाह तैयारी कार्यक्रम", वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन शिक्षा में सामाजिक कार्य पर, इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल कार्यकर्ता (आईएसपीएसडब्ल्यू) और सामाजिक कार्य अध्ययन विभाग, तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुर, 23-25 फरवरी 2023.

## मनश्चिकित्सा

डॉ. प्रतिमा मूर्ति, निदेशक एवं वरिष्ठ प्रोफेसर को डीएलएन मूर्ति राव ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, 74वां ANCIPS 2023, भुवनेश्वर, ओडिशा, 2-5 फरवरी 2023.

डॉ. पीटी शिवकुमार, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा ने प्रोफेसर रघुराम को सम्मानित किया । वर्ष 2021-22 के लिए प्रतिष्ठित युवा शिक्षक, 32वाँ वार्षिक IPSKC का सम्मेलन: KANCIPS 2022, भारतीय मनोरोग सोसायटी - कर्नाटक चैप्टर (आईपीएस केसी)।

डॉ. प्रभा एस. चंद्रा, वरिष्ठ प्रोफेसर, (i) सम्मानित अतिथि, सेमिनार महिला दक्षता समिति द्वारा बेंगलुरु के सहयोग से आयोजित किया गया। 'बेहतर कल के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना' पर सिटी पुलिस, बेंगलुरु, 22 अप्रैल 2022। (ii) मार्से मेडल पुरस्कार, द्विवार्षिक प्राप्त हुआ, सोसायटी की कांग्रेस, इंटरनेशनल मार्से सोसायटी (एक सहित)। पदक, प्रशस्ति पत्र और एक आमंत्रित व्याख्यान), इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूके, 19-21 सितंबर 2022.

डॉ. प्रभा एस चंद्रा मार्से मेडल पुरस्कार प्राप्त करते हुए

डॉ. नवीन कुमार सी, प्रोफेसर, ने सर सी.वी. प्राप्त किया। रमन यंग वर्ष के लिए चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक राज्य पुरस्कार 2020, कर्नाटक सरकार की बैठक के संयोजक

डॉ. सुरेश बाड़ा मठ, प्रोफेसर, नियुक्ति के लिए एसओपी तैयार करने वाली समिति के विशेषज्ञ ईएमआरबी द्वारा विशेषज्ञ, 22 सितंबर 2022.

डॉ. अर्पिता शर्मा, और डॉ. समर्थ शेट्टी, एमडी छात्र ने प्राप्त किया, अखिल भारतीय द्विध्रुवी प्रश्नोत्तरी में द्वितीय पुरस्कार, द्विध्रुवी सीएमई, निमहंस, 11-12 मई 2023.

डॉ. अर्पिता शर्मा और डॉ. समर्थ शेट्टी को बाइपोलर सीएमई में अखिल भारतीय बाइपोलर क्विज़ में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

## स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियोलॉजी

डॉ. बीके यामिनी, अवर प्रोफेसर, सदस्य, (ए) गवर्निंग काउंसिल, डॉ. एसआर चन्द्रशेखर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग, बेंगलुरु, 6 फरवरी 2023 (बी) आचार समिति, अखिल भारतीय वाक् संस्थान और सुनवाई, मैसूरु, 8 फरवरी 2023.

डॉ. प्रदीप युवराज, सहायक प्रोफेसर, महासचिव, भारतीय स्पीच एंड हियरिंग एसोसिएशन– बेंगलुरु चैप्टर (आईएसएचए–बीसी)।

डॉ. एसएस मीरा, सहायक प्रोफेसर, (i) सहयोगी–साइट लीड, द इंडो–कनाडा ऑटिज्म नेटवर्क (आई–कैन) (ii) फुलब्राइट इंडिया कैंपस प्रतिनिधि (iii) सह–अध्यक्ष, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर ऑटिज्म अनुसंधान (आईएनएसएआर) सांस्कृतिक विविधता समिति (iv) ग्लोबल अर्ली कैरियर प्रतिनिधि, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर ऑटिज्म रिसर्च (इंसार)।

सुश्री. दिव्या स्वामीनाथन, पीएचडी छात्रा, ने फुलब्राइट नेहरू प्राप्त किया, डॉक्टरेट फ़ेलोशिप, यूएसआईईएफ, यूएसए, 1 नवंबर 2022.

सुश्री. मालवी श्रीकर, पीएचडी छात्रा, आईएनएसएआर वर्चुअल रिसर्च इंटर्नशिप ऑटिज्म और सांस्कृतिक विविधता में, ऑटिज्म के लिए इंटरनेशनल सोसायटी रिसर्च, यूएसए, 1 जनवरी 2023.

सुश्री. प्रियंका थुवासेरी, पीएचडी छात्रा, के तहत धनराशि प्राप्तकर्ता डिस्पैगिया रिसर्च सोसाइटी रिसर्च कैरियर डेवलपमेंट प्रोग्राम 2023, डॉ. सुसान लैंगमोर द्वारा एक–पर–एक मार्गदर्शन के साथ, ए फ़ाइब्रेऑप्टिक एंडोस्कोपिक मूल्यांकन के विकास में अग्रणी निगलना ।

## आधान चिकित्सा एवं रुधिर

डॉ. विजय कुमावत, सह प्रोफेसर, (i) कार्यकारी सदस्य, केएसबीटीसी, कर्नाटक सरकार (ii) तकनीकी विशेषज्ञ (ए) तकनीकी कमिश्नर एकेसी की अध्यक्षता में समिति की बैठक एनएफडीएस (बी) प्राचार्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लिया, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार। कर्नाटक क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर चर्चा करेगा, रक्त केन्द्रों का उन्नयन एवं रक्त केन्द्रों का उन्नयन (सी) भाग लिया, निदेशक की अध्यक्षता में तकनीकी विशेषज्ञ समिति, केएसबीटीसी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कर्नाटक सरकार (डी) भाग लिया एनएफडीएस की आवश्यकता और तकनीकी समिति की बैठक पीडी, आरसीएच के यू/सी, कर्नाटक सरकार (ई) तकनीकी विशिष्टता समिति में भाग लिया, एनएचएम के तहत प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद के लिए बैठक ।

## फिजियोथेरेपी केंद्र

श्री. जरापला श्रीनिवास नायक, फिजियोथेरेपिस्ट, (i) प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, ई–पोस्टर प्रतियोगिता में, विश्व स्ट्रोक दिवस समारोह 2022, निम्हान्स, 29 अक्टूबर 2022 (ii) तीसरा पुरस्कार मिला – कार्टून "ओसीडी पर अभिव्यक्ति", ओसीडी क्लिनिक सिल्वर जुबली पर श्रेणी संगोष्ठी, निम्हान्स, 13 नवंबर 2022.

श्री जरापला श्रीनिवास नायक को ओसीडी क्लिनिक सिल्वर जुबली संगोष्ठी में "ओसीडी पर अभिव्यक्ति" पर कार्टून श्रेणी में तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

# स्वछता क्रियाकलाप

*स्वछता पखवाड़ा का उद्घाटन (1 से 15 अप्रैल 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया)*

*पुरूष और महिला चिकित्सा वार्ड*

*मनोरोग विशेष वार्ड पॅवलयन – I*

*बाल मनोवैध्यकीय केन्द्र*

*पिडियाट्रिक न्यूरॉलोजी वार्ड*

*किशोर मनोवैध्यकीय वार्ड*

*निम्हान्स जिमखाना*

# रोगी देखभाल गतिविधियाँ

## रोगी देखभाल सेवाएँ

| | |
|---|---|
| ओपीडी फुटफाल | 622480 |
| दाखिले | 21569 |
| अपातकालीन देखभाल | 42195 |
| शल्य प्रक्रियाएँ | 8339 |
| विशेष क्लिनिक और सेवाएं | 257009 |
| डायग्नोस्टिक्स | 177221 |
| प्रयोगशाला परीक्षण | 2020252 |
| पुर्नवास सेवा | 87809 |

## I. मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ

### मनश्चिकित्सा

#### नैदानिक सेवाएँ

| | रोगी / मामलों की सं | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| जांच | 16878 | 41180 |
| पंजीकरण | 11412 | 15209 |
| फालोअप | 101727 | 129010 |
| दाखिला | 2786 | 4170 |
| छुट्टी | 2782 | 4273 |
| निधन | 3 | 4 |
| आपातकालीन स्थिति | 7736 | 10273 |

*अंतर्रोगी और बहिर्रोगी सेवाओं सहित।

#### बी. विशेष क्लिनिक

| विशेष क्लिनिक | नए रोगी | | फालोअप रोगी | |
|---|---|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 | 2021-22 | 2022-23 |
| व्यसन चिकित्सा केंद्र | 1613 | 2311 | 15576 | 19233 |
| वृद्धावस्था क्लिनिक एवं सेवाएँ | 1037 | 1209 | 3645 | 5842 |
| सिज़ोफ्रेनिया क्लिनिक | – | – | 597 | 1133 |
| जुनूनी बाध्यकारी और संबंधित विकार | 293 | 461 | 1277 | 2064 |
| टेलीमेडिसिन सेवाएँ | – | – | 1768 | 1475 |
| प्रसवकालीन मनश्चिकित्सा सेवाएँ | – | – | 883 | 1432 |

#### सी. विशेष सेवाएं

| प्रक्रियाएं/सेवाएं | मरीजों की संख्या | सत्रों की संख्या |
|---|---|---|
| ईसीटी | 1181 | 7390 |
| आरटीएमएस | 106 | 3288 |
| केटामाइन इन्फ्यूज़न थेरेपी | 24 | 108 |
| WISER न्यूरोमॉड्यूलेशन प्रोग्राम | | |
| टीडीसीएस | 90 | 1501 |
| एचडी-टीडीसीएस | 10 | 145 |
| त्रिधारा तंत्रिका उत्तेजना | 2 | 20 |
| गैर-आक्रामक वेगस तंत्रिका उत्तेजना | 9 | 9 |
| टीएसीएस | 4 | 56 |

#### व्यसन चिकित्सा केंद्र (सीएएम)

सेंटर फॉर एडिक्शन मेडिसिन (सीएएम) व्यापक नैदानिक सेवाएं और व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए उपचार प्रदान करता है, जिसमें वापसी और पुनरावृत्ति की दीर्घकालिक रोकथाम, व्यक्तिगत और समूह परामर्श, पारिवारिक परामर्श और गहन देखभाल के लिए औषधीय हस्तक्षेप शामिल हैं। केंद्र में 80 बिस्तरों वाली रोगी सुविधा है: पुरुषों के लिए 60, महिलाओं के लिए 10 और अधिक गहन अवलोकन और उपचार के लिए 10 उच्च निर्भरता बिस्तर हैं। बाह्यरोगी यह सुविधा प्रत्येक सोमवार, गुरुवार और शनिवार को (बंद छुट्टियों को छोड़कर) चलाई जाती है।

केंद्र के पास सामुदायिक हस्तक्षेप और उच्च जोखिम वाली आबादी की पहचान करने, दुर्व्यवहार की रोकथाम में मदद करने के लिए एक समर्पित टीम है।

इस प्रक्रिया में पश्चातवर्ती देखभाल कर्मियों की सेवाओं ने अनुवर्ती प्रतिधारण की दरों में काफी वृद्धि की है। बाह्य रोगी मूल्यांकन के लिए डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली और ई-प्रिस्क्रिप्शन पहल को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इस प्रक्रिया से रोगियों को उनके प्रतीक्षा समय को कम करने और दोहराए जाने वाले पंजीकरण से बचने में लाभ हुआ है। जल्द ही डिजिटल सेवाओं का विस्तार आंतरिक रोगी और आपातकालीन देखभाल तक भी किया जाएगा।

सीएएम ने 2022-23 के दौरान 4421 नए मरीज और 17764 आउट पेशेंट फॉलो-अप पंजीकृत किए। कुल 1339 मरीजों को इन-पेशेंट सुविधा में भर्ती कराया गया था।

**परामर्श हेल्पलाइन:** पिछले वर्ष शुरू की गई टेली-एसयूडी सेवाओं के लिए प्राप्त प्रतिक्रिया के बाद सीएएम के मौजूदा रोगियों के लिए एक टोल-फ्री परामर्श हेल्पलाइन (080-46810972) शुरू की गई है। केंद्र के माध्यम से 11372 टेलीफोनिक फॉलो-अप किए गए और 33859 एसएमएस भेजे गए। यह सेवा सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक उपलब्ध है।

**तंबाकू छोड़ो लाइन:** भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय तंबाकू समाप्ति हेल्पलाइन परियोजना के हिस्से के रूप में, सीएएम में तंबाकू छोड़ो लाइन सेवाओं के लिए क्षेत्रीय उपग्रह केंद्र स्थापित किया गया है।

समर्पित टोल-फ्री हेल्पलाइन (1800-112-356) देश के सभी दक्षिणी राज्यों को कवर करते हुए कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में टेलीफोनिक परामर्श सेवाएं प्रदान करती है। केंद्र, प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे के बीच चालू रहता है (सोमवार छोड़कर ) को समीक्षा अवधि के दौरान 40806 कॉल प्राप्त हुईं और मदद मांगने वाले 9491 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। केंद्र के परामर्शदाताओं द्वारा 56205 अनुवर्ती कॉलें की गईं।

**ड्रग-टॉक्सिकोलॉजी प्रयोगशाला**: प्रयोगशाला नैदानिक देखभाल में न्यूरोलेप्टिक्स के लिए चिकित्सीय दवा निगरानी की पेशकश करने वाली देश की पहली सरकारी सुविधा के रूप में उभरी है। समीक्षा अवधि के दौरान, मूत्र और रक्त में दवाओं और अल्कोहल के कुल 18606 नमूनों का परीक्षण किया गया। अपनी सेवाओं की बढ़ती मांग को समायोजित करने के लिए, प्रयोगशाला ने हाल ही में नमूनों के परीक्षण के लिए एक अतिरिक्त ई-मशीन का अधिग्रहण किया है। यह विस्तार सुनिश्चित करता है कि सुविधा हो सके बढ़ते कार्यभार को प्रभावी ढंग से संभालें और परीक्षण परिणामों के लिए कुशल बदलाव समय बनाए रखें। क्षेत्र में अपनी तरह की एकमात्र सुविधा के रूप में, प्रयोगशाला स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों और दवा और अल्कोहल परीक्षण की आवश्यकता वाली अन्य बाहरी एजेंसियों के लिए एक मांग वाला संसाधन बन गई है।

**मनोरोग सामाजिक कार्य सेवाएँ:** सीएएम एक अंतःविषय टीम के माध्यम से व्यापक देखभाल प्रदान करता है। मनोरोग सामाजिक कार्य टीम मादक द्रव्यों की लत से जूझ रहे व्यक्तियों का समर्थन करती है, उपचार और पुनर्प्राप्ति के दौरान, उनका और उनके परिवारों का मार्गदर्शन करती है। व्यक्तिगत, पारिवारिक और समूह हस्तक्षेप (ऑनलाइन/ऑफ़लाइन) और घरेलू दौरों जैसे विविध दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए, टीम व्यक्तिगत समर्थन सुनिश्चित करती है। लत प्रबंधन के दायरे और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए टीम सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों सहित विभिन्न बाहरी संसाधनों के साथ भी सहयोग करती है।

**क्लिनिकल साइकोलॉजी सेवाएँ:** क्लिनिकल साइकोलॉजी टीम व्यक्तिगत उपचार योजनाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। टीम गहन मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करती है, जिसमें संज्ञानात्मक, व्यक्तित्व और पारस्परिक परीक्षण के साथ-साथ न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन भी शामिल होता है, जो मूल्यवान मनो-नैदानिक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। अनोखी ज़रूरतें और चुनौतियाँ उपलब्ध मनोसामाजिक सहायता की एक विविध श्रृंखला के साथ, जैसे प्रेरणा वृद्धि चिकित्सा, पुनरावृत्ति रोकथाम, द्वंद्वात्मक व्यवहार चिकित्सा, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, संक्षिप्त गतिशील चिकित्सा और पारिवारिक चिकित्सा, रोगियों और उनके परिवारों को उनके समाधान के लिए व्यापक समर्थन प्राप्त होता है।

## सामुदायिक मनोरोग एवं & टेलीमेडिसिन सेवाएँ :

**सकलवाड़ा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र:** निम्हान्स द्वारा चार दशकों से अधिक समय से सामुदायिक मनोरोग गतिविधियाँ सक्रिय रूप से की जा रही हैं। अनेकल तालुक में सकलावरा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र (एससीएमएचसी), जो सभी सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य गतिविधियों का केंद्र है, ने संसाधन निर्माण, प्रशिक्षण और टेलीमेडिसिन सेवाओं की पेशकश करने के लिए अपने क्षितिज का विस्तार किया है। सामुदायिक मनोचिकित्सा सेवाएँ मनोचिकित्सकों, मनोरोग नर्सिंग, मनोरोग सामाजिक कार्य, नैदानिक मनोविज्ञान और व्यावसायिक प्रशिक्षकों से बनी एक बहु-विषयक टीम द्वारा प्रदान की जाती हैं।

**ओपीडी सेवाएं:** टीम यहां सप्ताह में तीन बार (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को) बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान करती है। केंद्र में जांच किए गए रोगियों के नैदानिक प्रोफाइल के आधार पर, वरिष्ठ निवासियों और सलाहकारों की देखरेख में निवासियों और प्रशिक्षुओं द्वारा एक विस्तृत कार्य किया जाता है।

नर्सिंग स्टाफ और प्रशिक्षु नियमित रूप से रोगियों और परिवार के लिए स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम संचालित करते हैं और अनुपालन और आहार की जानकारी के साथ दवाएँ वितरित करते हैं। क्लिनिकल साइकोलॉजी टीम संक्षिप्त चिकित्सीय हस्तक्षेप, आईक्यू और एसएलडी के लिए आकलन, अवसाद और ओसीडी के लिए सीबीटी करती है। मनोरोग सामाजिक कार्य टीम सहायक चिकित्सा, विकलांगता कल्याण लाभ और व्यावसायिक पुनर्वास परामर्श सेवाएँ प्रदान करती है।

2022-23 के दौरान, ओपीडी में कुल 3098 मरीज (573 नए पंजीकरण और 2,525 फॉलो-अप सहित) देखे गए।

**टेली-पुनर्वास सेवाएँ:** सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य टीम ने 15 जून 2021 को एक टेलीसाइकिएट्री-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया, और हाल की जनगणना के अनुसार, 725 सत्र हो चुके हैं । सलाहकार की देखरेख में नर्सिंग और सहायक कर्मचारियों द्वारा संचालित कार्यक्रम में कला और शिल्प, कंप्यूटर कक्षाएं और स्वास्थ्य जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। सप्ताह के प्रत्येक दिन 40 मिनट की शिक्षा आयोजित किया गया ।

**सहयोगात्मक देखभाल क्लिनिक:** तुरुवेकेरे और तीर्थहल्ली तालुकों में सहयोगात्मक देखभाल क्लिनिक सिज़ोफ्रेनिया रोगियों और अन्य मानसिक विकारों के लिए मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप को बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। सामुदायिक मनश्चिकित्सा और टेली मनश्चिकित्सा टीमें समुदाय-आधारित कार्यक्रम प्रदान करने, परामर्श, नुस्खे और अनुवर्ती सेवाएं प्रदान करने के लिए मिलकर काम करती हैं। मरीजों को मासिक रूप से नजदीकी पीएचसी या तालुक अस्पतालों में जाकर मनोवैज्ञानिक दवाएं और विशेषज्ञ देखभाल प्राप्त होती है। समीक्षा अवधि के दौरान दोनों तालुकों में 1715 मरीजों का इलाज करके इन क्लीनिकों ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

जूनियर रेजिडेंट्स जून 2022 से डीएमएचपी पोस्टिंग में भाग लिए, जिसमें पर्यवेक्षण के लिए एक सीनियर रेजिडेंट सप्ताह में 3 दिन (मंगलवार, गुरुवार, शनिवार) बेंगलुरु ग्रामीण और शहरी डीएमएचपी का दौरा करेगा और तालुक अस्पतालों, आईईसी गतिविधियों, प्रशिक्षण, गृह में ओपीडी में भाग लेगा। दौरे, विकलांगता प्रमाणन, क्षमता निर्माण और जागरूकता कार्यक्रम।

## टेलीमेडिसिन केंद्र

टेलीमेडिसिन सेंटर स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और गुणवत्ता को बदलने में प्रौद्योगिकी की शक्ति के प्रमाण के रूप में खड़ा है। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से, केंद्र न केवल दूरदराज की आबादी को विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है, बल्कि

अभूतपूर्व अनुसंधान को भी बढ़ावा देता है, भविष्य के विशेषज्ञों को शिक्षित करता है और परिवर्तनकारी राष्ट्रीय परियोजनाओं का नेतृत्व करता है।

टेली–परामर्श, टेली–प्रशिक्षण और सहयोगी बैठकों के नवीन मॉडल को टेलीमेडिसिन केंद्र के ढांचे के भीतर निर्बाध रूप से शामिल किया गया है। परामर्श मॉडल में टेली–साइकिएट्रिक एक्सटेंडेड असेसमेंट (टीईए), टेली–साइकिएट्रिक आफ्टर केयर टीएसी) और देश के विभिन्न हिस्सों से प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों के लिए ऑनलाइन निरंतर नैदानिक सहायता शामिल है। ये मॉडल स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने और भौगोलिक बाधाओं को दूर करने में सहायक रहे हैं। 2022–23 के दौरान, टीईए और टीएसी क्लीनिकों में क्रमशः कुल 77 सत्र (89 रेफरल) और 1471 सत्र (232 रेफरल) सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

## इलेक्ट्रोकनवलसिव थेरेपी (ईसीटी) सेवाएं

निम्हान्स इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी (ईसीटी) के अनुसंधान और नैदानिक अनुप्रयोगों में लगातार अग्रणी रहा है। संस्थान में एक अत्याधुनिक ईसीटी सुइट है, जहां एक बहु–विषयक टीम है जिसमें मनोचिकित्सा, न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोएनेस्थेसिया के सदस्य शामिल हैं। क्रिटिकल केयर और क्लिनिकल नर्सिंग विभाग असाधारण सेवाएं प्रदान करने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करते हैं।

निम्हान्स में समर्पित ईसीटी सुइट, जो मनोचिकित्सा ओपन जनरल वार्ड में स्थित है, एक प्रक्रिया कक्ष, एक पूर्व–ईसीटी तैयारी क्षेत्र, एक पोस्ट–ईसीटी रिकवरी अनुभाग और रोगियों और उनके परिचारकों के लिए एक अलग प्रतीक्षा कक्ष से सुसज्जित है। टीम यह सुनिश्चित करती है कि सभी ईसीटी सत्र प्रत्येक मरीज की जरूरतों के अनुरूप हों, साथ ही आवश्यकतानुसार ईईजी–निगरानी भी उपलब्ध हो। ईसीटी सेवाएँ अस्पतालों एवं अस्पतालों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की सक्त आवश्यकताओं का पालन करती हैं। ईसीटी के संचालन और प्रक्रिया के बाद की रिकवरी के लिए हेल्थकेयर प्रदाता (एनएबीएच)। इनमें उपकरण मानकों, आपातकालीन सेवाओं, मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी), प्रोटोकॉल का अनुपालन और योग्य विशेषज्ञों और मानव संसाधनों की उपस्थिति शामिल है।

जटिल चिकित्सा स्थितियों वाले रोगियों को ईसीटी सेवाएं प्रदान करने में न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरो क्रिटिकल केयर टीम का समर्थन महत्वपूर्ण रहा है। एक उन्नत एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, कई उन्नत कार्डियोवस्कुलर – श्वसन मॉनिटर और डिफाइब्रिलेटर के हालिया अधिग्रहण के साथ, ईसीटी को चिकित्सा सहवर्ती बीमारियों वाले व्यक्तियों को सुरक्षित रूप से प्रशासित किया जा सकता है।

जैसे–जैसे COVID–19 महामारी का प्रभाव धीरे–धीरे कम हुआ, ECT सत्रों और ECT प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी गई – जो महामारी–पूर्व अवधि के समान स्तर पर लौट आई। 2022–23 के दौरान, कुल 1,181 रोगियों को 7,390 ईसीटी सत्र प्राप्त हुए।

मरीजों के लिए उपवास की अवधि को कम करने और आउट पेशेंट ईसीटी सत्र की सुविधा के लिए सुबह 7.30 बजे से शुरू होने वाली ईसीटी सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

निम्हान्स में डिजिटलीकृत सूचना प्रणाली को अपनाने से ईसीटी सेवाएं प्रदान करने और ऑडिट करने का तरीका बदल गया है। डेटा प्रबंधन में आसानी, वास्तविक समय की निगरानी, और अनुसंधान के अवसरों ने ईसीटी के लिए अधिक कुशल और रोगी–केंद्रित दृष्टिकोण में योगदान दिया है।

ईसीटी इकाई ने केटामाइन प्रशासन और पेंटोथल–सहायता प्राप्त साक्षात्कारों को शामिल करने के लिए अपने दायरे का विस्तार किया है। वर्ष 2022–23 में यूनिट ने 24 को केटामाइन उपचार दिया तथा मरीज़ों के लिए कुल 108 सत्र आयोजित किये गए। जटिल मनोरोग स्थितियों का पता लगाने और उनका समाधान करने के लिए सात पेंटोथल–सहायता प्राप्त साक्षात्कार किए गए।

## मनोरोग परामर्श संपर्क सेवाएं

परामर्श संपर्क मनश्चिकित्सा (सीएलपी) इकाई अन्य चिकित्सा/शल्य चिकित्सा विशिष्टताओं से संदर्भित रोगियों को मनोरोग देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित है। यह इकाई चिकित्सा/सर्जिकल विकारों वाले रोगियों को मनोरोग संबंधी मुद्दों के बेहतर प्रबंधन में मदद करने के लिए समर्पित है। यह इलाज करने वाली टीम के साथ संपर्क करके रोगियों और उनके परिवार को मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य बनाए रखने में भी मदद करता है और एसडीएस ट्यूबरकुलोसिस रिसर्च सेंटर और राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट डिजीज (एसडीएस टीआरसी और आरजीआईसीडी), संजय गांधी जैसे अन्य चिकित्सा केंद्रों पर सीएलपी सेवाएं भी प्रदान करता है। इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉमा एंड ऑर्थोपेडिक्स सेंटर (एसजीआईटीओसी) और श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसएबीवीएमसीआरआई)।

सीएलपी टीम ने 2001 रोगियों को सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें से 685 रेफरल न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभागों से थे। एसडीएस टीआरसी और आरजीआईसीडी अस्पताल में, 177 ओपीडी और 418 इनपेशेंट रेफरल देखे गए। एसजीआईटीओसी में 168 मरीजों को सीएलपी सेवाएं प्रदान की गईं। SABVMCRI में कुल 553 मरीज देखे गए। देखे गए रेफरल के अलावा, सीएलपी टीम ने मनोचिकित्सा विभाग में चिकित्सकीय रूप से चुनौतीपूर्ण मामलों के लिए परामर्श भी प्रदान किया।

## फोरेंसिक मनोरोग सेवाएँ

मानसिक स्वास्थ्य और कानूनी प्रणाली के जटिल अंतरसंबंध को संबोधित करने के लिए मनोचिकित्सा विभाग ने 2015 में फोरेंसिक मनोरोग सेवाएं शुरू कीं। फोरेंसिक टीम – जिसमें चार अनुभवी सलाहकार, एक पोस्ट–डॉक्टरल फेलो और एक वरिष्ठ रेजिडेंट शामिल हैं – व्यापक फोरेंसिक मनोरोग सेवाएं प्रदान करती है, जो आंतरिक और बाह्य रोगी दोनों की जरूरतों को पूरा करती है। इसके अतिरिक्त, टीम सक्रिय रूप से अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में संलग्न है, और विशेष क्लीनिकों के विकास में योगदान देती है। जूनियर निवासियों को उनकी एक महीने की पोस्टिंग के दौरान फोरेंसिक मनोरोग का व्यापक अनुभव प्राप्त होता है, जिसमें व्याख्यान और पूर्व–परीक्षण एक अच्छी तरह से समझ सुनिश्चित करते हैं।

मनोरक्षा सेल की स्थापना मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 को लागू करने में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की सहायता के लिए की गई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के मानसिक स्वास्थ्य प्रभाग के साथ समय–समय पर संचार और सहयोग के माध्यम से, सेल समीक्षा करता है और विभिन्न राज्य मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नियमों के मसौदे पर सिफारिशें प्रदान करता है। ये प्रयास यह सुनिश्चित करने के लिए

आवश्यक हैं कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रथाएँ सुसंगत, प्रभावी और राष्ट्रीय ढांचे के अनुरूप हों।

| सेवाएँ | कुल |
|---|---|
| दाखिलें सं. | 54 |
| रोगी रेफरल | 27 |
| बाह्य–रोगी रेफरल देखे गए | 124 |
| आंतरिक प्रशिक्षुओं की संख्या | 38 |
| बाह्य प्रशिक्षुओं की संख्या | 36 |
| आंतरिक समीक्षा बोर्ड द्वारा समीक्षा किए गए मामले (दिसंबर 2022 तक) | 200 |
| कानूनी सहायता क्लिनिक द्वारा प्रदान किए गए परामर्श | 79 |

जेल के एक मरीज के फोरेंसिक मूल्यांकन के हिस्से के रूप में, फोरेंसिक मनोरोग टीम ने 11 जनवरी 2023 को कुनिगल गांव और कुनिगल पुलिस स्टेशन का फील्ड दौरा किया। इस विजिट के दौरान, टीम ने पुलिस से मरीज और मामले के बारे में स्टेशन, रिश्तेदार और पड़ोसी से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की।

जनवरी 2023 से, फोरेंसिक मनोरोग में जूनियर और सीनियर रेजिडेंट्स प्रत्येक महीने के तीसरे शनिवार को बैंगलोर सेंट्रल जेल और सुधार सेवाओं के निर्धारित दौरों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। ये जेल दौरे विशेष रूप से कैदियों को प्रदान की जाने वाली मनोरोग और पुनर्वास सेवाओं के साथ–साथ जेल प्रणाली की समग्र कार्यप्रणाली के बारे में निवासियों की समझ को गहरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह पहल निवासियों को फोरेंसिक मनोचिकित्सा के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव और ज्ञान प्राप्त करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करती है।

एक ऐतिहासिक विकास क्षितिज पर है क्योंकि निम्हान्स, भारत की पहली महिला जेल मनोरोग रोगी वार्ड स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। यह पहल महिला कैदियों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकता को संबोधित करने, जेल प्रणाली के भीतर उनके सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को पहचानने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पर्याप्त जगह की पहचान कर ली गई है और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे की व्यवस्था और संशोधन चल रहे हैं। इस विशेष वार्ड की स्थापना जेल में बंद महिलाओं को लिंग–संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में विभिन्न संस्थानों के प्रयासों को एकीकृत करते हुए, राज्य भर में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं की निगरानी को सुव्यवस्थित करने के लिए (दिसंबर 2022 में) कर्नाटक सरकार द्वारा मानसिक स्वास्थ्य समीक्षा बोर्ड की स्थापना की गई है। सहमति, उपचार और डिस्चार्ज प्रक्रिया के लिए एसओपी तैयार करने के लिए निम्हान्स में 2018 में गठित विभागीय आंतरिक समीक्षा समिति द्वारा पहले किए गए कार्यों को संभाला।

### कानूनी सहायता क्लिनिक

मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए 2011 में कर्नाटक राज्य कानूनी सेवाओं के सहयोग से नि:शुल्क कानूनी सहायता सेवा क्लिनिक की स्थापना की गई थी।

विकलांग व्यक्ति विकलांगता प्रमाणन, रोजगार और पेंशन जैसे मामलों में ऐसे क्लीनिकों का उपयोग करके अपने अधिकारों का दावा कर सकते हैं। वे मानसिक अस्पतालों में प्रवेश, मानवाधिकार उल्लंघन, उपचार, संपत्ति और वैवाहिक मुद्दों के संबंध में अपने अधिकारों की रक्षा भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार की सेवाएँ रोगियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने और उन्हें राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों का लाभ उठाने के लिए तैयार करने में मदद कर सकती हैं। महिलाएं यौन हिंसा, घरेलू हिंसा, संपत्ति से संबंधित मुद्दों आदि जैसे मुद्दों पर भी मदद ले सकती हैं। कर्नाटक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त दो वकील, मनोचिकित्सा और मनोरोग सामाजिक कार्य विभागों की टीमों के साथ मिलकर मरीजों की मदद कर रहे हैं। मुफ़्त कानूनी सलाह, समर्थन और न्यायनिर्णयन प्राप्त करना है।

## आपातकालीन मनोचिकित्सा और तीव्र देखभाल (ईपीएसी) सेवाएं

आपातकालीन मनोचिकित्सा और तीव्र देखभाल (ईपीएसी) सेवा इकाई मनोरोग आपात स्थिति वाले रोगियों के लिए चौबीसों घंटे परामर्श और प्रबंधन प्रदान करती है। ईपीएसी मनोरोग संबंधी आपात स्थितियों के प्रबंधन में एमडी रेजिडेंट्स को व्यावहारिक नैदानिक प्रशिक्षण का अवसर भी प्रदान करता है। पोस्ट–डॉक्टरल फ़ेलोशिप (पीडीएफ) प्रशिक्षु सभी ईपीएसी नामित वार्डों में सेवाओं का समन्वय करता है।

आपातकालीन वार्ड में आपातकालीन मनोचिकित्सा के लिए ट्राइएज (टीईएमपी) क्षेत्र शामिल है, जिसे आपातकालीन मनोरोग देखभाल के लिए प्रभावी और कुशल ट्राइएज सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित सुविधा के रूप में बनाया गया है। ईपीएसी टीम ने मनोरोग संबंधी आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न मानक संचालन प्रोटोकॉल तैयार किए हैं।

वर्ष 2022–23 में, कुल 10273 रोगियों ने ईपीएसी सेवाओं का उपयोग किया और उनमें से 1849 को विभिन्न मनोरोग वार्डों में भर्ती कराया गया है।

ईपीएसी सेवाओं के तहत प्राथमिकता वार्ड में दो समर्पित वार्ड हैं: SAFER (सुरक्षा और शीघ्र पुनर्प्राप्ति की सुविधा) और ASIST (एप्लाइड सुसाइड इंटरवेंशन और सपोर्टिव ट्रीटमेंट)। SAFER वार्ड आसन्न हिंसा के खतरे में समझे जाने वाले व्यक्तियों को देखभाल और सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है, खुद को या दूसरों को नुकसान से बचाने के लिए हस्तक्षेप की पेशकश करता है। एएसआईएसटी वार्ड आसन्न आत्म–नुकसान के जोखिम का सामना करने वाले व्यक्तियों को देखभाल प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य हस्तक्षेप करना और सहायक उपचार प्रदान करना है। वर्ष 2022–23 में, कुल 353 दाखिला दर्ज किए गए, जो कमजोर व्यक्तियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य संकटों को संबोधित करने और प्रबंधित करने में प्राथमिकता वार्ड की भूमिका पर प्रकाश डालते हैं।

## व्यक्तिगत सिज़ोफ्रेनिया उपचार और पुन:समग्रकरण (इनस्टार)

सिज़ोफ्रेनिया क्लिनिक और मेटाबोलिक क्लिनिक की विशेष नैदानिक सेवाओं को एक व्यापक कार्यक्रम तैयार करने के लिए एकीकृत किया गया है – व्यक्तिगत सिज़ोफ्रेनिया उपचार और पुनर्एकीकरण (इनस्टार)। InSTAR कार्यक्रम का मिशन सिज़ोफ्रेनिया और संबंधित मनोविकृति वाले व्यक्तियों को समझने और उनके इलाज के लिए एक व्यक्तिगत नैदानिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करना है।

InSTAR कार्यक्रम में कई घटक शामिल हैं जिनमें मनोचिकित्सा, मनोरोग सामाजिक कार्य, नैदानिक मनोविज्ञान और योग चिकित्सा के विशेषज्ञों की एक समग्र बहु-विषयक टीम शामिल है। रोगियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर, इन विशेष क्लीनिकों के माध्यम से, अतिरिक्त विशिष्ट हस्तक्षेप जैसे योग थेरेपी, ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (tDCS) / अन्य कमजोर तीव्रता न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीक, संज्ञानात्मक उपचार, पारिवारिक हस्तक्षेप और अन्य समान विशेष हस्तक्षेप की पेशकश की जाती है।

अनुवाद संबंधी अनुसंधान InSTAR कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण अधिदेश है। InSTAR टीम सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों के साथ-साथ उनके अप्रभावित प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों की जांच करते हुए अत्याधुनिक नैदानिक और न्यूरोबायोलॉजिकल अनुसंधान अध्ययन करती है; इन शोध प्रयासों को ट्रांसलेशनल मनोचिकित्सा प्रयोगशाला के माध्यम से सुविधा प्रदान की जाती है। इन अध्ययनों का मुख्य फोकस ट्रांसलेशनल रिसर्च प्रतिमान के भीतर सिज़ोफ्रेनिया में सिस्टम बायोलॉजी इंटरैक्शन का मूल्यांकन करना है।

## ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन

निम्हान्स 2004 में ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन डिवाइस हासिल करने वाला भारत का पहला केंद्र था। इसके बाद, सुविधा का विस्तार हुआ और वर्तमान में चार ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन डिवाइस (एक डीप टीएमएस सहित), एक स्टीरियोटैक्टिक एमआरआई-निर्देशित न्यूरोनेविगेशनल सिस्टम, एक अत्याधुनिक उपकरण की मेजबानी करता है। - टीएमएस के चिकित्सीय और जांच दोनों अनुप्रयोगों को प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक समवर्ती टीएमएस-ईईजी प्रणाली और कई अन्य सहायक उपकरण (उदाहरण के लिए, ईएमजी डिवाइस, प्री-एम्प्लीफायर, टीएमएस कॉइल्स की विस्तृत श्रृंखला इत्यादि)। इस सुविधा को आंतरिक रूप से और साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और डीबीटी / वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस जैसे फंडिंग निकायों द्वारा समर्थित बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

टीएमएस के सामान्य चिकित्सीय उपयोग प्रमुख अवसाद, लगातार श्रवण मतिभ्रम, नकारात्मक लक्षण या सिज़ोफ्रेनिया, ओसीडी और दर्द सिंड्रोम से जुड़े संज्ञानात्मक हानि हैं। दोनों पारंपरिक (निम्न और उच्च आवृत्ति आरटीएमएस) के साथ-साथ पैटर्न वाले टीएमएस (थीटा-बर्स्ट / क्वाड्रिपल्स) प्रोटोकॉल वितरित किए जाते हैं। अधिक उन्नत तंत्रिका विज्ञान-सूचित, एमआरआई-निर्देशित आरटीएमएस प्रोटोकॉल भी विशेष नैदानिक परिदृश्यों में लागू किए जा रहे हैं।

व्यापक गैर-इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना (एनआईबीएस) सेवाओं के एक भाग के रूप में, टीएमएस प्रशिक्षण निवासी प्रशिक्षुओं, मनोचिकित्सकों और तंत्रिका विज्ञान के छात्रों को नैदानिक/अनुसंधान पर्यवेक्षकों, व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं, उपदेशात्मक व्याख्यान और चिकित्सक/रोगी शिक्षा वीडियो के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

| विशेष प्रक्रियाएँ | मरीजों की संख्या | सत्रों की संख्या | जांच |
|---|---|---|---|
| आरटीएमएस | 106 (अवसाद: 67, सिज़ोफ्रेनिया: 11, ओसीडी: 12) जहां पारंपरिक आरटीएमएस 06, थीटा बर्स्ट 59, एमआरआई-न्यूरो-नेविगेशन गाइडेड 20 | 3288 (पारंपरिक: 102, थीटा बर्स्ट: 2100, एमआरआई-न्यूरो-नेविगेशन निर्देशित: 480) | 160 प्रयोग और टीएमएस-ईएमजी (130) और टीएमएस-ईईजी (95) प्रोटोकॉल को शामिल करने वाली परियोजना थीसिस थी । |

## वाइजर न्यूरोमॉड्यूलेशन कार्यक्रम

हाल के वर्षों में, न्यूरोमॉड्यूलेशन के क्षेत्र में मानसिक विकारों के इलाज के लिए मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों की क्षमता को समझने और उपयोग करने में महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है। इन तकनीकों के बीच, ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (tDCS) एक आशाजनक न्यूरोमॉड्यूलेटरी विधि के रूप में उभरा है जो कॉर्टिकल क्षेत्रों में न्यूरोनल गतिविधि को प्रभावित करने के लिए कम तीव्रता, प्रत्यक्ष करंट का उपयोग करता है। अपने अनुकूली न्यूरोप्लास्टिक प्रभावों और प्रदर्शित सुरक्षा के साथ, WISER न्यूरोमॉड्यूलेशन प्रोग्राम के हिस्से के रूप में, मनोचिकित्सा विभाग में tDCS का व्यापक रूप से पता लगाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, 5000 से अधिक tDCS सत्र बिना किसी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव के पूरे किए गए हैं, जिससे एक मूल्यवान उपकरण के रूप में इसकी क्षमता स्थापित हुई है।

WISER प्रतिमान, जिसका अर्थ है "संवर्द्धन और पुन: एकीकरण के लिए कमजोर तीव्रता उत्तेजना," कमजोर तीव्रता मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों के लाभों को समझने और उपयोग करने के लिए एक वैचारिक ढांचा है। कमजोर तीव्रता उत्तेजना के विभिन्न तौर-तरीकों को लागू करके, कार्यक्रम अपर्याप्त मस्तिष्क कार्यों को बढ़ाने और अड़ियल लक्षणों को कम करने का प्रयास करता है, अंततः रोगियों में पुन: एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

त्वरित tDCS और समवर्ती पारंपरिक और HD-tDCS प्रोटोकॉल सहित उत्तेजना प्रोटोकॉल के नए रूप विकसित किए गए हैं, जो बेहतर उपचार विकल्प प्रदान करते हैं। इसके अलावा, कार्यक्रम ने गैर-आक्रामक न्यूरो-उत्तेजक तकनीकों जैसे ट्रांसक्यूटेनियस ट्राइजेमिनल तंत्रिका उत्तेजना और गैर-आक्रामक वेगस तंत्रिका उत्तेजना की क्षमता का पता लगाया। इन प्रगतियों में न्यूरोमॉड्यूलेशन थेरेपी में क्रांति लाने की क्षमता है।

होम-आधारित tDCS प्रोटोकॉल भी विकसित किए गए हैं, जिससे रोगियों को उपचार तक अधिक सुविधा और पहुंच मिल सके। अनुसंधान के प्रति WISER कार्यक्रम का समर्पण न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल मापदंडों जैसे हृदय गति परिवर्तनशीलता, प्यूपिलोमेट्री, इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी, मस्तिष्क इमेजिंग और रक्त-प्रतिरक्षा मापदंडों के साथ न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीकों के संयोजन की खोज में स्पष्ट है।

| वाइजर कार्यक्रम टीईएस प्रकार | 2022-2023 | |
|---|---|---|
| | मरीजों की संख्या | सत्रों की संख्या |
| टीडीसीएस | 90 | 1501 |
| एचडी-टीडीसीएस | 10 | 145 |
| एटीसीएस | 4 | 56 |
| ट्राइजेमिनल तंत्रिका उत्तेजना | 2 | 20 |
| गैर-आक्रामक वेगस तंत्रिका उत्तेजना | 9 | 9 |
| **कुल** | **115** | **1731** |

## वृद्धावस्था क्लिनिक एवं सेवाएँ

जराचिकित्सा क्लिनिक और सेवाएँ न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों वाले वृद्ध वयस्कों के लिए विशेष बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी देखभाल प्रदान करती हैं। मनोचिकित्सा, मनोरोग सामाजिक कार्य और नैदानिक मनोविज्ञान विभागों के मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की एक बहु-आयामी टीम विभिन्न नैदानिक, टेली-मनोचिकित्सा और आउटरीच सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

बाह्य रोगी सेवाएँ दैनिक प्रथम संपर्क सेवा, साप्ताहिक विस्तृत वर्कअप ओपीडी और अनुवर्ती ओपीडी के माध्यम से बुजुर्ग रोगियों की जरूरतों को पूरा करती हैं। अल्जाइमर डिमेंशिया और संबंधित विकारों के लिए एक विशेष क्लिनिक शनिवार (दूसरे शनिवार को छोड़कर) को संचालित होता है। रोगी की देखभाल के लिए, क्लिनिक में दस बिस्तरों वाला एक समर्पित जराचिकित्सा वार्ड है, जिसमें किसी भी समय लगभग 20 से 25 रोगी रह सकते हैं। आवश्यकतानुसार आपातकालीन सेवाएँ और परामर्श संपर्क सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

जराचिकित्सा क्लिनिक अपनी सेवाओं को अस्पताल की सेटिंग से परे भी विस्तारित करता है। नाइटिंगेल्स मेडिकल ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित निराश्रित वृद्धाश्रम में 100 से अधिक निवासियों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए आउटरीच पहल की जाती है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से समुदाय और वृद्धाश्रमों में स्मृति और वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं।

जराचिकित्सा क्लिनिक और सेवा इकाई न केवल व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि बुजुर्गों को प्रभावित करने वाले विभिन्न न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों में नैदानिक, न्यूरोइमेजिंग, आनुवंशिकी और मस्तिष्क उत्तेजना से संबंधित अत्याधुनिक अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से लगी हुई है। यूनिट के समर्पित संकाय सदस्य महत्वपूर्ण अनुसंधान पहलों में शामिल हैं, जैसे वैश्विक उम्र बढ़ने और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भारत एनिग्मा पहल, भारत में अनुदैर्ध्य उम्र बढ़ने का अध्ययन-मनोभ्रंश का निदान मूल्यांकन, स्टेम कोशिकाओं (एडीबीएस) का उपयोग करके मस्तिष्क विकारों में खोज के लिए त्वरक वगैरह कार्यक्रम है ।

| सेवाएं | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| बाह्य रोगी: नया | 2307 | 3439 |
| बाह्य रोगी: फालोअप | 4817 (1194 टेली फॉलोअप शामिल हैं) | 6533 (178 टेली फॉलोअप शामिल हैं) |
| अंतरर्रोगी | 317 | 319 |

## अब्सेसिव कंपलसिव डिसअर्डर (ओसीडी)

अब्सेसिव कंपलसिव डिसअर्डर ओसीडी क्लिनिक स्पेक्ट्रम विकारों और सहवर्ती स्थितियों वाले व्यक्तियों के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करता है। मरीजों को उनकी स्थिति की गंभीरता का आकलन करने के लिए व्यापक मूल्यांकन प्राप्त होता है, और पूरे उपचार के दौरान प्रगति की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। क्लिनिक प्रत्येक रोगी की विशिष्ट आवश्यकता को पूरा करने के लिए दवा, इनपेशेंट और आउटपेशेंट थेरेपी और न्यूरोमॉड्यूलेशन सेवाओं सहित उपचार के अनुरूप विकल्प प्रदान करता है।

साक्ष्य-आधारित उपचार जैसे संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी (सीबीटी) और जोखिम और प्रतिक्रिया रोकथाम अनुभवी कर्मचारियों द्वारा कार्यान्वित किए जाते हैं। क्लिनिक एक समग्र दृष्टिकोण अपनाता है, न केवल ओसीडी लक्षणों को संबोधित करता है, बल्कि चिंता, अवसाद और अन्य सहवर्ती बीमारियों जैसी चुनौतियों का भी समाधान करता है। एक सहायक वातावरण बनाते हुए, क्लिनिक मरीजों को उनकी स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने का अधिकार देता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है और नियंत्रण की भावना पैदा होती है।

क्लिनिक प्रत्येक मंगलवार को विशेष ओपीडी ब्लॉक में बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान करता है। ओसीडी वाले गंभीर रूप से बीमार और/या उपचार प्रतिरोधी रोगियों को नियमित रूप से गहन औषधीय और मनोसामाजिक सहायता के लिए वार्डों में भर्ती कराया जाता है। वर्ष 2022-23 में कुल 461 नये मरीजों का मूल्यांकन किया गया तथा 2064 मरीजों का फॉलोअप किया गया।

## प्रसवकालीन मनोरोग

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं की मदद के लिए स्थापित प्रसवकालीन मनोरोग सेवा ने अब सफलतापूर्वक 16 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इकाई का दायरा गर्भवती महिलाओं से परे है, जिसमें मां-शिशु के जोड़े, गर्भावस्था की योजना बना रही महिलाएं, मार्गदर्शन की आवश्यकता वाले उनके साथी और प्रसवपूर्व मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर सहायता चाहने वाले परिवार शामिल हैं।

इकाई आंतरिक रोगी और बाह्य रोगी दोनों सेवाओं के माध्यम से व्यापक बहु-विषयक देखभाल प्रदान करती है। बाह्य रोगी देखभाल में संपूर्ण मूल्यांकन, दवा प्रबंधन, मनोचिकित्सा, परामर्श और शैक्षिक सहायता सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसके अतिरिक्त, इकाई पारिवारिक परामर्श, वैवाहिक परामर्श, शिशुओं के लिए विकासात्मक मूल्यांकन और मातृ-शिशु संबंधों की समस्याओं और शिशु मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप प्रदान करती है, जिसमें उपचार प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए वीडियो-सक्षम हस्तक्षेप भी शामिल है।

पांच बिस्तरों वाला मातृ-शिशु वार्ड गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित माताओं को उनके बच्चों के साथ भर्ती करने के लिए है ताकि बच्चों को अलग न होना पड़े। सामान्य उपचार के अलावा, विशेष ध्यान माँ-शिशु के संबंधों को सुविधाजनक बनाने और प्रसवोत्तर मनोरोग विकारों (माताओं, पति-पत्नी और परिवार के सदस्यों के लिए) पर शिक्षा पर है। स्तनपान, दूध छुड़ाना, पोषण और गर्भनिरोधक पर सलाह प्रदान की जाती है। बाल मार्गदर्शन क्लिनिक के संकाय द्वारा शिशु मानसिक स्वास्थ्य की जांच और अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है। योग केंद्र के सहयोग से माँ-शिशु योग सत्र आयोजित किए जाते हैं।

प्रसवकालीन मनोरोग सेवाएँ उन गर्भवती महिलाओं की भी सेवा करती हैं जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आंतरिक रोगी देखभाल की आवश्यकता होती है।

2022–23 के दौरान मातृ–शिशु वार्ड में कुल 47 मातृ–शिशु बच्चों को भर्ती किया गया। गर्भवती महिलाओं सहित लगभग 25 मरीजों को अन्य वार्डों में भी भर्ती किया गया और उनका इलाज किया गया।

| बाह्य रोगी प्रसवकालीन मनश्चिकित्सा सेवाएँ | |
|---|---|
| नए मामलें | फालोअप |
| 242 | 1183 |

| विकासात्मक मनोविज्ञान द्वारा सेवाएँ (बाल मनोचिकित्सा के अंतर्गत नैदानिक मनोविज्ञान टीम) | नए मरीज | फालोअप मरीज | रेफरल |
|---|---|---|---|
| विकासात्मक मूल्यांकन | 120 | 240 | 120 |
| शिशु विकास सहायता | 120 | 240 | 120 |
| मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप (विकासात्मक इनपुट) | 80 | 75 | 50 |

| मनोरोग सामाजिक कार्य टीम द्वारा सेवाएँ | अंतर्रोगी | बहिर्रोगी |
|---|---|---|
| माँ–शिशु संबंध मूल्यांकन और वीडियो प्रतिक्रिया | 4 | 9 |
| जीवनसाथी और परिवार के सदस्यों के साथ काम करना | 38 | 102 |
| मनोशिक्षा – रोगी एवं देखभालकर्ता | 42 | 138 |
| कल्याण के लाभ | 31 | 18 |
| समूह कार्य हस्तक्षेप | 2 | 9 |
| परवरिश का हुनर | 4 | 7 |

| क्लिनिकल साइकोलॉजी टीम द्वारा मध्यस्थता किया गया | मामलों की संख्या | सत्रों की संख्या |
|---|---|---|
| व्यक्तिगत थेरेपी | 82 | 270 |
| वैवाहिक/पारिवारिक चिकित्सा | 22 | 125 |

# बाल एवं किशोर मनोरोग

## नैदानिक सेवाएँ

| नैदानिक सेवाएँ* | रोगी / मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021–22 | 2022–23 |
| **जांच** | 3875 | 8710 |
| **पंजीकरण** | 1977 | 3206 |
| **फालोअप** | 11637 | 17637 |
| **दाखिले** | 395 | 581 |
| **छुट्टी** | 393 | 523 |
| **आपात स्थिति** | 30 | 22 |

बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग ने समीक्षा अवधि के दौरान युवा रोगियों की भलाई को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय शुरू किए। विशेष रूप से, बाल मनोरोग केंद्र (सीपीसी) और किशोर मनोरोग केंद्र (एपीसी) दोनों वार्डों में पुस्तकालयों का नवीनीकरण निम्हान्स पुस्तकालय और सूचना केंद्र के कर्मचारियों की अंतर्दृष्टि द्वारा निर्देशित किया गया – जिसके परिणामस्वरूप बच्चों के लिए अधिक आकर्षक और संसाधनपूर्ण स्थान बन गया। विभिन्न विभागों के सलाहकारों और कर्मचारियों की पुस्तकों और खेल सामग्री के मूल्यवान योगदान ने पुस्तकालय की पेशकश को और समृद्ध किया है।

एपीसी और सीपीसी वार्डों में स्वयंसेवक–आधारित गतिविधियाँ फिर से शुरू कर दी गई हैं। एनसीडब्ल्यूबी में वेलबीइंग वालंटियर कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित स्वयंसेवक, युवा रोगियों को विभिन्न गतिविधियों में संलग्न करने के लिए उदारतापूर्वक अपना समय और कौशल प्रदान करते हैं। इनमें इनडोर गेम, कला और शिल्प, नृत्य और संगीत सत्र और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं। यह कार्यक्रम पूरी तरह से स्वैच्छिक है और संस्थान पर कोई वित्तीय आवश्यकता नहीं थोपता है। कक्षाएं एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बच्चों को उन गतिविधियों से लाभ मिले जो उनके भावनात्मक, संज्ञानात्मक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देती हैं।

# नैदानिक मनोविज्ञान

## नैदानिक सेवाएँ

| नैदानिक सेवाएँ* | रोगियों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021–22 | 2021–23 |
| पंजीकरण (स्क्रीनिंग पर नए मामले, डी/डब्ल्यू–अप) | 6687 | 9497 |
| फालोअप | 33360 | 39224 |

*बहिर्रोगी और अंतर्रोगी सेवाओं सहित।

## विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लीनिक | नए रोगी | | फालोअप रोगी | | रेफरल्स | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2021–22 | 2022–23 | 2021–22 | 2022–23 | 2021–22 | 2022–23 |
| सीएचएमआर के लिए अधारा शिविर सेवा | 35 | 60 | 15 | 240 | | |
| विकासात्मक सेवाएँ–प्रसवकालीन मनोरोग* | 30 | | 85 | | 30 | |
| **विकासात्मक क्लिनिक (सीएएमएच)** | | | | | | |
| एसएलडी मूल्यांकन | 92 | | 66 | | 115 | |
| बुद्धि आकलन | 167 | | 132 | | 182 | |
| विकासात्मक क्लिनिक | 85 | | 102 | | 102 | |
| डायग्नोस्टिक साइकोमेट्री | | | | | | |
| **ओसीडी क्लिनिक** | | | | | | |
| मूल्यांकन | 3 | 4 | 8 | 4 | | |
| थेरपी | 11 | 82 | 40 | 328 | | |
| **वृद्धावस्था क्लिनिक** | | | | | | |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन | 67 | | 67 | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण/ न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास | 9 | | 231 | | | |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन ( व्यक्तित्व, निदान आदि ) | 2 | 5 | 2 | 16 | | |
| मनोवैज्ञानिक उपचार | 17 | 65 | 172 | 112 | | |
| **इंटीग्रेटिव मेडिसिन में स्वास्थ्य क्लिनिक** | 6 | 13 | 55 | 63 | | |
| **एनसीडब्लयू – विशेष क्लिनिक** | | | | | | |
| वैवाहिक संवर्धन सेवाएँ | | | | | | |
| तनाव प्रबंधन और जीवनशैली क्लिनिक | 32 | 33 | 134 | 117 | | 5 |
| मनोवैज्ञानिक देखभाल क्लिनिक | 64 | 105 | 272 | 314 | | 43 |
| वेलबिइंग विंडों | 12 | 54 | 131 | 113 | – | 6 |
| फ्लोरिश – सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक | 16 | | 49 | | | |
| ट्रॉमा रिकवरी क्लिनिक | 65 | 16 | 77 | 152 | | |
| प्रौद्योगिकी के स्वस्थ उपयोग के लिए सेवाएँ (SHUT) क्लिनिक | 84 | 83 | 182 | 333 | 7 | 3 |
| कॉग्नाइट क्लिनिक | 13 | 21 | 81 | 29 | 5 | 1 |
| सत्व क्लिनिक | 7 | 11 | 56 | 26 | | |

## विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लीनिक | नए रोगी | | फालोअप रोगी | | रेफरल्स | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 | 2021-22 | 2022-23 | 2021-22 | 2022-23 |
| **वयस्क मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों के लिए नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| मनोवैज्ञानिक आकलन | 753 | 1466 | 1393 | 9601 | | |
| मनोवैज्ञानिक उपचार | 1374 | 2026 | 12976 | 5851 | | |
| **व्यवहार चिकित्सा इकाई** | | | | | | |
| नए पंजीकरण (इनटेक) | 745 | 1255 | 7155 | 11595 | | |
| **न्यूरोसाइकोलॉजी यूनिट** | | | | | | |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल आकलन | 1578 | 2567 | – | – | 1810 | 2597 |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास – संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण | 180 | 209 | 2700 | 4176 | 180 | 226 |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास – ईईजी न्यूरोफीडबैक | 24 | 140 | 493 | 2855 | 24 | 145 |
| मनोवैज्ञानिक सेवाएँ | 5 | 12 | 3 | 2 | 4 | 15 |
| मेडिको-लीगल मामले | 10 | 17 | – | – | – | – |
| टीबीआई – संज्ञानात्मक विकलांगता (अदालतों में दिए गए साक्ष्य) | 4 | 5 | – | – | – | – |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **बाल एवं किशोर मनोरोग के लिए नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| पंजीकरण (स्क्रीनिंग पर नए मामले, डी/डब्ल्यू ऊपर) | 360 | 571 | 613 | 787 | | |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (बुद्धिमत्ता, विशिष्ट सीखने की अक्षमता और पारस्परिक डोमेन) | 260 | 660 | 629 | 1641 | | |
| बाल और किशोर हस्तक्षेप/उपचार (नए मामले) | 244 | 352 | 2995 | 2051 | | |
| टेलीथेरेपी सेवाएँ (सत्र) | | | 672 | | | |
| विशेष शैक्षिक सेवाएँ | 0 | | 0 | | | |
| सामुदायिक सेवा (मानसिक मंदता के लिए बच्चों का घर और समुदाय-कोलार में आयोजित शिविर) | 0 | | 0 | | | |
| आसरे (अभिभावक सहायता समूह) | 20 | 40 | 40 | 80 | | |
| **पारिवारिक मनोरोग इकाई की नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| वैवाहिक और पारिवारिक उपचार | 269 | | 1457 | | | |
| **व्यसन चिकित्सा केंद्र की नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| मूल्यांकन और फालोअप | | 429 | | 450 | | 1000 |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकनन | | 434 | | | | |
| मनोवैज्ञानिक उपचार | | 520 | | 450 | | |
| **पीआरएस – नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| मनोवैज्ञानिक सेवन सत्र | 80 | 356 | | | | |
| मनोवैज्ञानिक आकलन | 30 | 45 | | | | |
| मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप/ उपचार | 64 | 117 | 251 | | | |
| कंप्यूटर आधारित-संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण (रेहा-कॉम) | 2 | | 26 | | | |
| **न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास विभाग की नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन | 78 | | 79 | | | |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास (संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण सत्र) | 823 | | 823 | | | |
| **सकलावरा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ** | | | | | | |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (आमने-सामने) – रोगियों की संख्या | 31 | 69 | | | | |
| मनोवैज्ञानिक सहायता – व्यक्तिगत और समूह (व्यक्तिगत और टेली सत्र दोनों) | 351 | 761 | | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कर्नाटक सरकार द्वारा चिक्काबल्लापुर में आरोग्य मेला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 14.05.2022 और 15.05.2022 | | 9 | | | | |
| कर्नाटक राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा 07.03.2023 को कर्नाटक उच्च न्यायालय में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया | | 16 | | | | |
| आउट –रिच: वेलबिइंग टेली–कनेक्ट: कोविड–19 संगरोध/घर–अलगाव में निम्हान्स के व्यक्तियों के लिए टेली–सहायता–टेली–सत्रों की संख्या (व्यक्तिगत और समूह) द्वारा विकासात्मक सेवाएँ | 430 | | | | | |
| सीपी टीम – प्रसवकालीन मनोरोग* | 30 | 120 | 85 | 240 | 30 | 120 |

## मनोरोग सामाजिक कार्य

### विशेष क्लीनिक/सेवाएँ

| क्रम .सं. | सेवाएँ | लाभार्थी |
|---|---|---|
| 1. | मनोसामाजिक मूल्यांकन और अनुवर्ती (आईपी) | 12916 |
| 2. | आकलन और हस्तक्षेप (ओपी) | 20257 |
| 3. | पश्चातवर्ती देखभाल, पुनर्वास, व्हीलचेयर, व्यावसायिक पुनर्वास, अन्य सेवा रेफरल | 1140 |
| 4. | बीपीएल और सामाजिक–आर्थिक पुनर्मूल्यांकन/कल्याण परामर्श | 4238 |
| 5. | समूह चिकित्सा (देखभालकर्ता सहायता/रोगी/सहकर्मी सहायता) | 260 |
| 6. | एजेंसी का दौरा | 85 |
| 7. | गृह भ्रमण | 83 |
| 8. | विकलांगता यूडीआईडी (सूचना/मूल्यांकन) | 1889 |
| 9. | जागरूकता कार्यक्रम (एनसीडब्ल्यूबी, देखभालकर्ता, जनता, एसएमएच) | 70 |
| 10. | संसाधन जुटाना और निःशुल्क दवा | 643 |
| 11. | टेली काउंसलिंग/फॉलोअप | 728 |

### विशेष सेवाएं

| विशिष्ट सेवाएँ | नए मरीज | फालोअप | रेफरल |
|---|---|---|---|
| वयस्क मनोचिक्त्सा इकाइ में पीएसडब्लुयू सेवा | 3562 | 23456 | |
| पीएसडब्लुयू –सीएपी युनिट 1 और 2 में | 1145 | 3151 | |
| निम्हान्स सूचना केन्द्र | 1012 | – | – |
| न्यूरोलोजी और विशेष क्लिनिक में मनोरोग सामाजिक कार्य कार्य सेवा । | 6264 | 3192 | 5844 |
| अवेक–अंतरंग साथी हिंसा वाली महिला विशेष क्लिनिक । | 36 | 44 | 36 |
| फोस्टर क्लिनिक | 27 | 28 | |
| आरैके क्लिनिक | 80 | 78 | |
| पेरेंट चाइल्ड वेलबेइंग क्लिनिक | 192 | | |
| बाल संप्रषेण गृह | 80 | 230 | 28 |
| स्कूल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम | 45 | | |
| न्यूरोसर्जरी और कार्यकरण में मनोरोग सामाजिक कार्य सेवाएं | 1660 | 1764 | |
| मानसिक बीमारी , न्युरोलॉजिकल न्यूरोसर्जिकल बीमारी वाले मरीजों के साथ समूह कार्य | 770 समूह | | |
| वृदावस्था में मनोरोग सांमाजिक कार्य सेवा | 293 | 516 | |
| पारिवारिक मनोरोग सेवा | 362 | 2759 | |

मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग मानसिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों में लगा हुआ है। इसने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को सहायता और परामर्श प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का नेतृत्व किया। विभाग ने 750 सक्रिय समूहों के साथ मानसिक बीमारी, न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसर्जिकल स्थितियों से निपटने वाले व्यक्तियों के लिए समूह कार्य की सुविधा प्रदान की। इन समूहों ने चुनौतियों पर चर्चा करने, मुकाबला करने के कौशल का निर्माण करने और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक सहायक वातावरण की पेशकश की। विभाग मनोवैज्ञानिक और तंत्रिका संबंधी स्थितियों से जूझ रहे लोगों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष हस्तक्षेप, मनोशिक्षा और वकालत प्रदान करके मानसिक स्वास्थ्य परिणामों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## नर्सिंग विभाग

**समग्र स्वास्थ्य क्लिनिक (वयस्क मनोरोग इकाई V):** देश में अपनी तरह का पहला समग्र स्वास्थ्य क्लिनिक (HHC), 2017 में मेटाबॉलिक सिंड्रोम यानी वजन बढ़ने, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और जिन्हें जीवनशैली में संशोधन की आवश्यकता है और धूम्रपान आदि के जोखिम वाले रोगियों के लिए शुरू किया गया था।

क्लिनिक विभिन्न आवश्यकता–आधारित घटकों जैसे आहार, शारीरिक गतिविधि, दवा का पालन, व्यक्त भावना, नींद की स्वच्छता और प्रौद्योगिकी के स्वस्थ उपयोग के लिए ओपीडी में परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। यह वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है: ऊंचाई, वजन और बीएमआई को एक्सेल शीट में दर्ज किया जाता है और अनुवर्ती यात्राओं के दौरान, रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों को परिवर्तन दिखाए जाते हैं और उन्हें परिवर्तन करने/इसे बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाता है।

**सेफ क्लिनिक:** मादक द्रव्य दुरुपयोग–मुक्त अस्तित्व (SAFE) क्लिनिक की शुरुआत 2019 में निम्हान्स सेंटर फॉर वेल बीइंग (NCWB) में नर्सिंग विभाग और सेंटर फॉर एडिक्शन मेडिसिन द्वारा की गई थी। प्रत्येक गुरुवार को आयोजित सेफ क्लिनिक का दृष्टिकोण साइकोएक्टिव सब्सटेंस यूज़ (पीएसयू) को एक प्रमुख जोखिम कारक के रूप में संबोधित करके बीमारी की प्राथमिक रोकथाम पर आधारित है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सशक्त बनाना है क्योंकि पीएसयू जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। पेश की जाने वाली कुछ सेवाओं में मादक द्रव्यों के उपयोग के लिए स्क्रीनिंग, चिकित्सा सेवाएँ, मनोशिक्षा, जीवन शैली में संशोधन, कौशल निर्माण कार्यशालाएँ, उन व्यक्तियों के लिए सहायता शामिल हैं जिनके परिवार में कोई नशीला पदार्थ उपयोगकर्ता है।

**नर्चर क्लिनिक:** नर्सिंग विभाग और बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग (सीएपी) की एक पहल, नर्चर क्लिनिक, माता–पिता और बच्चों/किशोरों के साथ आवश्यकता–आधारित बातचीत और नर्सिंग हस्तक्षेप करने के लिए शुरू की गई है। क्लिनिक मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच ओपीडी में संचालित किया जाता है। माता–पिता सीधे या सीएपी इकाई और अन्य विभागों से रेफरल के माध्यम से क्लिनिक से संपर्क/पहुँच कर सकते हैं।

| विशेष क्लीनिक | नए मरीज़ | | फालोअप मरीज़ | | रेफरल | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2021–22 | 2022–23 | 2021–22 | 2022–23 | 2021–22 | 2022–23 |
| समग्र स्वास्थ्य क्लिनिक (यूनिट V में) | 89 | 72 | 120 | 06 | 12 | 35+05 ऑनलाइन) |
| सेफ क्लिनिक | 4 | 4 | 56 | 50 | – | – |
| नर्चर क्लिनिक(सीएपी में ) | 169 | 190 | 12 | 7 | 14 | 7 |

**रोसेस (रिकवरी ओरिएंटेड सर्विसेज) कैफे:** इस कैफे की शुरुआत नर्सिंग विभाग के संकाय द्वारा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूएमआई) के पुनर्वास के लिए पीआरएस टीम के सहयोग से की गई थी। जनवरी 2018 में शुरू हुआ यह कैफे एक सेवा परियोजना मोड पर काम करता है जिसमें परिवार की देखभाल करने वाला प्रशिक्षक के रूप में काम करता है। पीडब्लूएमआई को दैनिक जीवन की वाद्य गतिविधियों (आईएडीएल) कौशल में प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि किराने की वस्तुओं का ऑनलाइन ऑर्डर करना, वस्तुओं को अलग करना, सफाई करना, सब्जियां और फल काटना, स्वस्थ पौष्टिक भोजन पकाना, फोन पर ऑर्डर लेना, ग्राहकों को साइट पर और अंदर सेवा देना। संस्थान में सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला स्थल, नकद लेनदेन, धन प्रबंधन, खाते बनाए रखना, Google सर्वेक्षण के माध्यम से ग्राहकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करना और प्रतिक्रिया के आधार पर सुधार करना। समीक्षा अवधि के दौरान कैफे में प्रशिक्षित तीन मरीजों को बाहर रखा गया था।

## आपदा प्रबंधन मनोवैज्ञानिक सहायता

**सामाश्रय** स्पेशलिटी क्लिनिक आपदा प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों के लिए मनोसामाजिक देखभाल प्रदान करता है। यह समग्र हस्तक्षेप के साथ बहु–विषयक दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। आपदाओं से संक्रमित या प्रभावित बचे लोग, विशेष रूप से, उच्च जोखिम वाले समूह के बच्चे और किशोर, महिलाएं, बुजुर्ग, विकलांग, विस्थापित आबादी, पहले से मौजूद मानसिक विकारों वाले मरीज़ और गरीब परिवार और सामाजिक समर्थन वाले लोग क्लिनिक से लाभान्वित होते हैं। वर्ष 2021–22 के दौरान, क्लिनिक में कुल 147 नए मरीज देखे गए और 46 का फॉलोअप किया गया।

**संथवाना** कोविड–19 के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों और निम्हान्स समुदाय के अन्य सदस्यों को व्यावहारिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा संथवाना हेल्पलाइन शुरू की गई थी। महामारी कम होने के बाद भी, हेल्पलाइन ने अपना संचालन जारी रखा और विभिन्न अन्य मामलों में मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार किया। 2022–23 में हेल्पलाइन टीम द्वारा कुल 897 कॉल प्राप्त हुईं और 1320 अनुवर्ती कॉल की गईं।

मनोसामाजिक सहायता के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन को सहायता और मार्गदर्शन चाहने वाले व्यक्तियों से कुल 39,797 कॉल प्राप्त हुईं। समीक्षा अवधि के दौरान समर्पित टीम इनमें से 7,073 कॉलों का जवाब देने में कामयाब रही और जरूरतमंद लोगों को मनोसामाजिक सहायता और परामर्श प्रदान की।

## निम्हान्स वेल बीइंग सेंटर (एनसीडब्ल्यूबी)

| नैदानिक सेवाएँ* | रोगियों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021–22 | 2022–23 |
| जाँच | 2732 | 3768 |
| पंजीकरण | 578 | 666 |
| फालोअप | 1351 | 1538 |

### विशेष क्लिनिकल सेवाएँ

| विशेष क्लिनिक | नए मरीज़ | | फालोअप मरीज़ | |
|---|---|---|---|---|
| | 2021–22 | 2022–23 | 2021–22 | 2022–23 |
| सीएमडी क्लिनिक | 217 | 99 | 310 | 196 |
| वैवाहिक संवर्धन सेवाएँ (एमईएस) | 13 | 20 | 16 | 45 |
| आराइके क्लिनिक | 32 | 27 | 73 | 57 |
| तनाव प्रबंधन और जीवनशैली क्लिनिक | 32 | 33 | 134 | 117 |
| सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक (फ्लोरिश) | 16 | 12 | 49 | 12 |
| मनोविज्ञान देखभाल क्लिनिक (पीसीसी) | 64 | 105 | 272 | 314 |
| प्रौद्योगिकी के स्वस्थ उपयोग के लिए सेवाएँ (शट क्लिनिक) | 82 | 78 | 174 | 310 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ट्रॉमा रिकवरी क्लिनिक (टीआरसी) | 65 | 16 | 77 | 152 |
| अवेक क्लिनिक (अंतरंग साथी हिंसा) | 18 | 36 | 01 | 44 |
| युवाओं के कल्याण हेतु खिड़की (डब्ल्यूटीडब्ल्यूबी) | 12 | 54 | 131 | 113 |
| बाल अभिभावक कल्याण (सीपीडब्ल्यूबी) | 38 | 67 | 13 | 53 |
| पालक/परिवार | 27 | 02 | 18 | 07 |
| कॉम्प्राइट क्लिनिक | 13 | 08 | 24 | 29 |
| सुरक्षित (मादक द्रव्यों का सेवन और मुक्त अस्तित्व) | 04 | 10 | 56 | 49 |
| सत्व क्लिनिक | 01 | 03 | 03 | – |
| महिला मानसिक स्वास्थ्य | – | 33 | – | 36 |

# II. तंत्रिका विज्ञान सेवाएँ

## तंत्रिका-विज्ञान

### नैदानिक सेवाएँ

| नैदानिक सेवाएँ* | रोगियों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| जाँच | 58461 | 52310 |
| पंजीकरण | 19243 | 26893 |
| एफ1 ओपीडी | 58169 | 84038 |
| फालोअप | 40266 | 57915 |
| दाखिले हुए | 4779 | 7913 |
| डेकेयर वार्ड | – | 922 |
| छुट्टी | 4578 | 6752 |
| निधन | 371 | 157 |
| आपातकाल | 18157 | 19200 |

*अंतर्रोगी और बहिर्रोगी सेवा सहित

### आपातकालीन सेवाएं

| आपातकालीन सेवाएँ | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| पंजीकरण ईसीआर | 18157 | 16233 |
| दाखिले हुए | 2572 | 1770 |
| निधन | 371 | 157 |

### डायग्नस्टिक सेवाएँ

| प्रक्रियाएँ | रोगियों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-2022 | 2022-2023 |
| डिजिटल इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी (ईईजी) | 4276 | 6588 |
| विजुअल इवोक्ड पोटेंशियल (वीईपी) | 1164 | 1321 |
| ब्रेन स्टेम ऑडिटरी इवोक्ड रिस्पॉन्स (बीएईआर) | 1037 | 1229 |
| सोमाटो सेंसरी इवोक्ड पोटेंशियल (एसएसईपी) | 1100 | 1235 |
| वीडियो ईईजी (वीईईजी) | 735 | 1463 |
| पॉलीसोम्नोग्राफी (पीएसजी) | 79 | 99 |
| इलेक्ट्रोन्यूरोमायोग्राफी (ईएनएमजी) | 2676 | 3117 |
| इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) | 3144 | 3496 |
| इलेक्ट्रोकॉर्टिकोग्राफ़ी/आईओएम | 2 | 3 |
| मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी (एमईजी) | 201 | 248 |

### विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लीनिक | 2021-2022 | 2022-2023 |
|---|---|---|
| मिर्गी | 168 | 186 |
| मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक | 510 | 679 |
| न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर क्लिनिक | 302 | 440 |
| संज्ञानात्मक विकार क्लिनिक | 15 | 36 |
| स्ट्रोक क्लिनिक | 55 | 54 |
| सिरदर्द क्लिनिक | 45 | 27 |
| मल्टीपल स्केलेरोसिस और न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका क्लिनिक | 138 | 185 |
| न्यूरोपैथी क्लिनिक | 86 | 131 |
| बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी | 108 | 85 |
| स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक | 18 | 10 |

**रिफ्रैक्टरी मिर्गी क्लिनिक:** हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले मिर्गी क्लिनिक में रिफ्रैक्टरी मिर्गी के लगभग 30-50 मरीज देखे गए। रोगी-केंद्रित उपचार योजनाएँ विकसित की गईं और कॉर्पोरेट घरानों की मदद से (उनकी सीएसआर पहल के एक भाग के रूप में) जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त दवाएँ/दवाएँ वितरित की गईं। क्लिनिक द्वारा मुफ्त कानूनी सहायता और विवाह और रोजगार के संबंध में शिक्षा जैसी अन्य सेवाएं भी प्रदान की गईं।

**मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक:** क्लिनिक हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को आयोजित किया जाता है और प्रत्येक ओपीडी सत्र में लगभग 30-40 मरीज देखे जाते थे। समीक्षाधीन अवधि के दौरान सैकड़ों लोगों का बोटुलिनम टॉक्सिन से इलाज किया गया और डीबीएस की पेशकश की गई। जटिल गति संबंधी विकारों वाले मरीजों का विस्तार से मूल्यांकन किया गया।

**न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर क्लिनिक:** यह एक बहु-विषयक विशेष क्लिनिक है जो हर महीने के चौथे शनिवार को आयोजित किया जाता है। इन वंशानुगत विकारों के आनुवंशिक निदान के क्षेत्र में नए महत्वपूर्ण विकास हुए हैं। मायोटोनिक विकार, जन्मजात मायस्थेनिक सिंड्रोम और डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) के अधिक मामलों का निदान किया गया है। पहली बार, डीएमडी के लिए अगली पीढ़ी का अनुक्रमण शुरू किया गया है और दिलचस्प परिणाम मिले हैं।

**संज्ञानात्मक विकार क्लिनिक:** क्लिनिक, गुरुवार (दोपहर 2.30-4.30 बजे के बीच) को आयोजित किया जाता है, जो निमहंस और बाहरी अस्पतालों के अन्य विभागों

(मनोचिकित्सा, नैदानिक मनोविज्ञान, आदि) से संदर्भित रोगियों से संबंधित है। स्मृति गड़बड़ी और व्यवहार संबंधी असामान्यताओं वाले मरीजों को भी वॉक-इन आधार पर देखा जाता है।

**स्ट्रोक क्लिनिक:** यह क्लिनिक हर दूसरे और चौथे मंगलवार (दोपहर 2-4 बजे के बीच) आयोजित किया जाता है, जो बार-बार होने वाले स्ट्रोक, क्रिप्टोजेनिक स्ट्रोक और नियुक्ति के आधार पर हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करता है।

**सिरदर्द क्लिनिक:** क्लिनिक अपॉइंटमेंट के आधार पर असाध्य सिरदर्द, दीर्घकालिक दैनिक सिरदर्द और असामान्य सिरदर्द के लिए परामर्श प्रदान करता है। यह हर पहले और तीसरे मंगलवार (दोपहर 2-4 बजे के बीच) आयोजित किया जाता है।

**मल्टीपल स्केलेरोसिस और न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका क्लिनिक:** क्लिनिक मल्टीपल स्केलेरोसिस और न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका जैसी अन्य प्रतिरक्षा संबंधी स्थितियों के लिए लक्षित निदान और केंद्रित उपचार प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह हर महीने के चौथे शनिवार को ओपीडी में चलाया जाता है।

**न्यूरोपैथी क्लिनिक:** हाल ही में शुरू किया गया, न्यूरोपैथी क्लिनिक परिधीय तंत्रिकाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न प्रकार के विकारों जैसे मधुमेह मेलिटस, कुष्ठ रोग, जीबी सिंड्रोम, सीआईडीपी जैसे संक्रमण और संयोजी ऊतक रोग, वंशानुगत न्यूरोपैथी और ट्यूमर जैसे असामान्य विकारों के लिए दोहराव वाले तनाव की चोट वाले रोगियों को प्रदान करता है। मरीजों को केंद्रित न्यूरो-पुनर्वास कार्यक्रम प्राप्त होता है। रोगियों और देखभाल करने वालों को बीमारी की प्रकृति के साथ-साथ क्या करें और क्या न करें के बारे में शिक्षित किया जाता है। मधुमेह जैसी चयापचय स्थितियों में न्यूरोपैथी की रोकथाम और स्थिति से उत्पन्न होने वाली जटिलताओं की रोकथाम के बारे में जानकारी। कुष्ठ रोग, प्रदान किये जाते हैं। संदिग्ध या स्थापित वंशानुगत न्यूरोपैथी वाले रोगियों के लिए आनुवंशिक मूल्यांकन और परामर्श प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, मरीजों को न्यूरोपैथी से संबंधित अनुसंधान के लिए भी नामांकित किया जाता है। यह हर महीने दूसरे और चौथे शुक्रवार (दोपहर 2-4 बजे) को कार्य करता है।

**बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी क्लिनिक:** क्लिनिक न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों, न्यूरोमेटाबोलिक और माइटोकॉन्ड्रियल विकारों, बाल चिकित्सा मिर्गी, जन्मजात या अधिग्रहित न्यूरोमस्कुलर विकारों, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों, न्यूरोइन्फेक्शन और प्रतिरक्षा मध्यस्थता स्थितियों सहित विभिन्न न्यूरोलॉजिकल समस्याओं वाले बच्चों के लिए समर्पित सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है। क्लिनिक हर महीने के पहले और तीसरे बुधवार को ओपीडी में आयोजित किया जाता है।

### विशेष सेवाएँ/प्रक्रियाएँ

| विशेष सेवाएं | 2021-2022 | 2022-2023 |
|---|---|---|
| बोटुलिनम न्यूरोटॉक्सिन इंजेक्शन | 259 | 417 |
| दवा प्रतिरोधी मिर्गी का शल्य-पूर्व मूल्यांकन | 201 | 248 |

श्रीमती रोली सिंह, अतिरिक्त सचिव और मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 3 जून 2022 को न्यूरोलॉजी/न्यूरोसर्जरी के लिए 20 बिस्तरों वाले डे केयर सेंटर का उद्घाटन किया । यह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित, केंद्र न्यूरोलॉजिकल स्थितियों वाले रोगियों के लिए व्यक्तिगत देखभाल और उन्नत उपचार प्रदान करता है।

## न्यूरोसर्जरी

| नैदानिक सेवाएँ* | रोगियों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| जाँच | 18043 | 27632 |
| पंजीकरण | 16581 | 16839 |
| फ़ॉलो-अप | 40911 | 58043 |
| दाखिल हुए | 7724 | 8085 |
| छुट्टी | 7383 | 7915 |
| निधन | 462 | 301 |
| आपातकालीन स्थिति | 13075 | 12700 |
| सर्जिकल प्रक्रिया | 6691 | 8393 |

## न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर

### ओटी सेवाएँ

### न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी विभागों के लिए एनेस्थीसिया सेवाएँ

| सुविधाएँ | मरीज़/ मामले संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| **ऑपरेशन शालाएँ** | | |
| ए). न्यूरों सेंटर ओटी कांपलेक्स<br>मुख्य ओटी :<br>आईओएमआरआई ओटी : | 2530<br>1450<br>1080 | 2846<br>1645<br>1201 |
| बी). आपातकालीन ओटी कांपलेक्स | 3277 | 4115 |
| सी). सबस्पेशालिटी ओटी | | |
| कोविड मामलें | 27 | - |
| डी). गामानाइफ रेडियोसर्जरी | | 17 |
| सभी ओटी कांपलेक्स की कुल सर्जरी | 5834 | 6961 |
| **गहन निगरानी युनिट्स** | | |
| **सुविधाएँ** | **2021-22** | **2022-23** |
| न्यूरों सेंटर आईसीयु कांपलेक्स | 615 | 541 |
| आपातकालीन कांपलेक्स आईसीयु | 658 | 668 |
| सबस्पेशालिटी आईसीयु (कोविड आईसीयु) | 27 | - |
| दोनों स्थानों की कुल आईसीयु | 1300 | 1209 |

### न्यूरो इमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग की एनेस्थीसिया सेवा

| सुविधा प्रदान | मरीज/ मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| एमआरआई के लिए बेहोश करने की दवा | 1681 | 3049 |
| पीईटी एमआरआई के लिए बेहोश करने की दवा | | 36 |

| | | |
|---|---|---|
| कैथ लैब प्रक्रियाएं:<br>नैदानिक मूल्यांकन<br>चिकित्सीय हस्तक्षेप | <br>300<br>359 | <br>659<br>412 |
| एनेस्थीसिया सेवाओं की आवश्यकता वाले कुल मामले | 1830 | 4156 |

## मनोरोग विभाग के लिए एनेस्थीसिया सेवाएँ

| सुविधा प्रदान | मरीज/ मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| संशोधित इलेक्ट्रो-कन्वल्सिव थेरेपी के लिए एनेस्थीसिया । | 4790 | 7579 |

## विशेष क्लिनिक सेवाएँ

| विशेष क्लिनिक | नए मरीज़ | | फालो-अप मरीज़ | | रेफरल | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 | 2021-22 | 2022-23 | 2021-22 | 2022-23 |
| प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप क्लिनिक | 1603 | 2690 | 132 | 605 | 1381 | 1985 |
| दर्द क्लिनिक सेवाएँ | 90 | 102 | 30 | 47 | 70 | 100 |

## विशेष प्रक्रियाँ

| विशेष प्रक्रियाँ | नए मरीज़ | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन | 28 | 32 |
| यूएसजी निर्देशित परिधीय तंत्रिका ब्लॉक | 30 | 45 |
| एपीड्यूरल रक्त पैच स्थापना | 4 | 10 |
| अन्य (एपिड्यूरल स्टेरॉयड इंजेक्शन, IV एनेस्थेटिक इन्फ्यूजन।) | | 10 |

वर्ष 2022-23 के दौरान, बेहतर रोगी देखभाल के लिए उन्नत उपकरण और उपकरणों की प्रमुख खरीद शामिल हैं:

वीडियो लैरिंजोस्कोप: कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में वोकल कॉर्ड और इंटुबैषेण का दृश्य चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस पर काबू पाने के लिए, वयस्कों के लिए उपयुक्त विभिन्न आकार के ब्लेड वाले उन्नत वीडियो लैरींगोस्कोप (कार्ल स्टोर्ज़ सी-मैक 8404 जेडएक्स) का अधिग्रहण किया गया, जिससे इंटुबैषेण प्रक्रियाएं अधिक कुशल हो गईं और संभावित जटिलताओं को कम किया गया। फ़ाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप का समावेश चुनौतीपूर्ण वायुमार्ग मामलों में बेहतर दृश्यता और पैंतरेबाज़ी की अनुमति देता है।

वेंटीलेटर: आपातकालीन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों के लिए, पूरी प्रक्रिया के दौरान आक्रामक यांत्रिक वेंटिलेशन अक्सर आवश्यक होता है। सुचारू सर्जरी सुनिश्चित करने और गंभीर रूप से बीमार रोगियों की सहायता के लिए, दो उन्नत वेंटिलेटर (ड्रेजर फैबियस जीएस प्लस) खरीदे गए और आपातकालीन ओटी परिसर में स्थापित किए गए। ये वेंटिलेटर श्वसन मापदंडों पर सटीक नियंत्रण प्रदान करते हैं, महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के दौरान रोगी के परिणामों को अनुकूलित करते हैं।

रोगी वार्मिंग सिस्टम: स्थिर हेमोडायनामिक्स को बढ़ावा देने और रोगी की बेहतर रिकवरी में सहायता के लिए कैथ लैब और ऑपरेटिंग रूम में शरीर के सामान्य तापमान को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में परिवेश के तापमान में कमी के कारण, सात रोगी वार्मिंग प्रणालियाँ (आईओबी मेडिकल इंक से) हासिल की गईं। ये सिस्टम सर्जरी के दौरान हाइपोथर्मिया और इससे जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए उन्नत वार्मिंग तकनीक का उपयोग करते हैं।

प्रोत्साहन स्पाइरोमेट्री: रोगियों के श्वसन प्रयासों का आकलन आवश्यक है, विशेष रूप से पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल में। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, प्रोत्साहन स्पिरोमेट्री उपकरण (ईज़ीऑन पीसी-स्पिरोमीटर, ब्रिगेड मेडिकल सिस्टम्स) खरीदे गए। ये हाथ उपकरण विभिन्न फेफड़ों की मात्रा को मापते हैं और रोगियों को उनके फेफड़ों का व्यायाम करने में मदद करते हैं, ऑपरेशन के बाद श्वसन संबंधी जटिलताओं को रोकते हैं और तेजी से ठीक होने को बढ़ावा देते हैं।

एचआईएमएस संवर्द्धन: निर्बाध स्वास्थ्य देखभाल वितरण के लिए रोगी रिकॉर्ड का कुशल प्रबंधन महत्वपूर्ण है। दक्षता में सुधार के प्रयास में, ऑपरेटिंग रूम रिकॉर्ड की वर्तमान चार्टिंग प्रणाली को मॉड्यूल-आधारित प्रारूप में शामिल करने के लिए अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) को उन्नत किया गया था। यह वृद्धि रोगी डेटा तक आसान पहुंच, अद्यतन और साझा करने की अनुमति देती है, जिससे चिकित्सा कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय होता है और रोगी देखभाल में सुधार होता है।

CERNER इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विभाग ने एनेस्थीसिया डेटाबेस को संग्रहीत करने और देखने के लिए एक डैशबोर्ड लागू किया है। डैशबोर्ड (केंद्रितता और ई-चार्टिंग), एनेस्थीसिया रिकॉर्ड के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में कार्य करता है, जो एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और अन्य तकनीकी कर्मचारियों को वास्तविक समय डेटा तक पहुंचने, रोगी की स्थिति की निगरानी करने और सर्जरी और अन्य प्रक्रियाओं के दौरान सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

# न्यूरो इमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

## निदान सेवाएँ

| लैब सेवाएँ - नियमित परीक्षण | विश्लेषण किए गए नमूनों की कुल संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| नियमित एक्स-रे परीक्षा | 23487 | 31836 |
| अल्ट्रासाउंड परीक्षा (यूएसजी) | 3755 | 5372 |
| कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन | 64743 | 68893 |
| चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) | 28098 | 37655 |
| डिजिटल घटाव एंजियोग्राफी (डीएसए)<br>सहायता / माध्यस्थता | 1859<br>340 | 2661<br>426 |

ईपीएसआई प्रोटोकॉल: मिनेसोटा विश्वविद्यालय के सहयोग से इको-प्लानर स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग (ईपीएसआई) प्रोटोकॉल के विकास ने न्यूरोइमेजिंग में उन्नत चयापचय सहसंबंधों का मार्ग प्रशस्त किया है। मैग्नेटिक रेज़ोनेंस पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (एमआरपीईटी) में स्थापित पोस्ट-प्रोसेसिंग तकनीकों के साथ

संयुक्त यह प्रोटोकॉल, मस्तिष्क के चयापचय और विभिन्न न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसाइकियाट्रिक विकारों में इसकी भूमिका की गहरी समझ को सक्षम बनाता है।

मल्टी-पोस्ट लेबल डिले एएसएल: विभाग ने विभिन्न न्यूरोवास्कुलर विकारों में मल्टी-पोस्ट लेबल डिले आर्टेरियल स्पिन लेबलिंग (एएसएल) के अनुप्रयोग का पता लगाया। यह नवीन दृष्टिकोण सेरेब्रोवास्कुलर विकारों की गतिशीलता के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है और अंतर्निहित पैथोफिजियोलॉजिकल प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालता है।

FET-PET के साथ किफायती 18F-Fet संश्लेषण: 18F-Fet को संश्लेषित करने के लिए एक लागत प्रभावी विधि विकसित की गई है, जो PET (पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी) इमेजिंग के लिए महत्वपूर्ण वादा रखती है। रेडियोट्रैसर संश्लेषण में यह प्रगति पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ाती है, जिससे अंततः विभिन्न न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के लिए नैदानिक मूल्यांकन से गुजरने वाले रोगियों को लाभ होता है। इस पद्धति की प्रभावकारिता को प्रमाणित करते हुए इसे प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया।

नवीन टीएसपीओ संश्लेषण का तंत्रिका संबंधी विकारों में परीक्षण किया गया: विभाग ने एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस), पार्किंसंस रोग (पीडी), और प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी (पीएसपी) के रोगियों में पीबीआर -11सी-पीबीआर28 ट्रांसलोकेटर प्रोटीन (टीएसपीओ) रेडियोट्रेसर का संश्लेषण और परीक्षण किया। इस विकास में इन न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के शीघ्र निदान और निगरानी के लिए संभावित निहितार्थ हैं, जिससे अधिक लक्षित उपचार रणनीतियों के विकास में सहायता मिलती है।

18F-AVT-011 का प्रीक्लिनिकल परीक्षण: न्यूरोलॉजिकल विकारों में संभावित अनुप्रयोगों के साथ 18F-AVT-011 रेडियोट्रेसर का प्रीक्लिनिकल परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस रेडियोट्रैसर में नैदानिक सटीकता को बढ़ाने और कुछ न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों के अंतर्निहित न्यूरोबायोलॉजिकल तंत्र को समझने की परिणामी क्षमता है। इन निष्कर्षों के प्रकाशन से इस क्षेत्र में और अधिक रुचि और शोध बढ़ने की उम्मीद है।

एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अनुकूलन: विभाग ने जीएबीए और ग्लूटामेट (ग्लू) जैसे न्यूरोमेटाबोलाइट्स के विवो माप के लिए चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी (एमआरएस) तरीकों को अनुकूलित किया है। यह प्रगति न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसाइकिएट्रिक स्थितियों के गैर-आक्रामक मूल्यांकन के लिए नए रास्ते खोलती है, जिससे रोगियों के लिए अधिक सटीक निदान और उपचार निगरानी में योगदान मिलता है।

न्यूरोवास्कुलर हस्तक्षेप में उन्नत दृष्टिकोण: विभाग ने जटिल न्यूरोवास्कुलर विकारों के उपचार में महत्वपूर्ण प्रगति की है। चौड़ी गर्दन वाले द्विभाजन धमनीविस्फार वाले तीन रोगियों को इंट्रासेक्यूलर फ्लो व्यवधान (कंटूर न्यूरोवास्कुलर सिस्टम, सेरस एंडोवास्कुलर का उपयोग करके) से गुजरना पड़ा। परिणामों ने आशाजनक नतीजे दिखाए, जो पारंपरिक उपचार विधियों के लिए एक संभावित विकल्प प्रदान करते हैं।

बार-बार होने वाले सबड्यूरल हेमरेज के मामलों में एमएमए (मिडिल मेनिंगियल आर्टरी) एम्बोलिज़ेशन का उपयोग करके एक नया दृष्टिकोण किया गया है। यह न्यूनतम आक्रामक तकनीक इस चुनौतीपूर्ण स्थिति को प्रबंधित करने और अधिक आक्रामक सर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता को कम करने की क्षमता दिखाती है।

## स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियोलॉजी

### नैदानिक सेवाएँ

| नैदानिक सेवाएँ* | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| पंजीकरण | 5882 | 10117 |
| फालो-अप | 935 | 1102 |

| प्रदान की गई सुविधाएं (हस्तक्षेप) | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| थेरेपी सत्र | 517 | 1299 |
| थेरेपी मरीज़ | 210 | 618 |
| फालो-अप मरीज | 935 | 1102 |

### निदान सेवाएँ

| प्रदान की गई सुविधाएं | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| वाक् विकृति विज्ञान | 3786 | 5952 |
| ऑडियोलॉजी | 2096 | 4165 |

### विशेष सेवाएं

| वरिष्ठ नागरिकों के लिए वाक् एवं श्रवण क्लिनिक | नए रोगियों | | फालो-अप मरीज | |
|---|---|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-2023 | 2021-22 | 2022-23 |
| | 384 | 228 | - | 96 |

# III. पुनर्वास सेवाएँ

## मनोरोग पुनर्वास सेवाएँ

मनोरोग पुनर्वास सेवाएं (पीआरएस) मनोचिकित्सा विभाग के तहत स्वतंत्र रूप से संचालित होने वाली एक महत्वपूर्ण बहु-विषयक इकाई है। मनोचिकित्सा, नैदानिक मनोविज्ञान, मनोरोग सामाजिक कार्य और नर्सिंग सहित विभिन्न विभागों के संकाय को शामिल करते हुए, पीआरएस विभिन्न सेटिंग्स जैसे डे-केयर, आउट पेशेंट और मनोचिकित्सा इनपेशेंट इकाइयों से रेफरल में रोगियों की पुनर्वास आवश्यकताओं को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

बेकिंग, प्रिंटिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण, मोमबत्ती बनाना, शिल्प, बढ़ईगीरी, बागवानी, सिलाई, चमड़े का काम, पुस्तकालय सेवाएं और घरेलू कौशल जैसी गतिविधियों को शामिल करने वाले व्यावसायिक वर्गों की एक शृंखला के माध्यम से, मरीज़ सार्थक और उत्पादक प्रयासों में लगे हुए हैं। पीआरएस उपयुक्त नौकरी प्लेसमेंट के माध्यम

से समाज में उनके पुन: एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, विशेष रूप से सिलाई, बेकिंग और प्रिंटिंग जैसे वर्गों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने पर जोर देता है।

कोविड-19 महामारी के जवाब में, पीआरएस ने देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन सेवाओं को अपनाया। हालाँकि, 2022-23 में, यूनिट वापस व्यक्तिगत सेवाओं में परिवर्तित हो गई। मरीजों को डे बोर्डर के रूप में नामांकित किया गया था, और अन्य सभी सेवाएं पूर्व-सीओवीआईडी स्थिति के समान तरीके से फिर से शुरू की गईं, जिससे व्यक्तिगत ध्यान और पुनर्वास के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया गया।

## नैदानिक सेवाएँ

| प्रदानित सुविधाएँ | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| न्यू डे बोर्डर्स नामांकित | 22 | 65 |
| डे बोर्डर्स को छुट्टी दे दी गई | 3 | 13 |
| पीआरएस के लिए रोगी रेफरल | 648 | 1598 |
| आउट पेशेंट सेवा परामर्श | 700 | 1067 |
| पुनर्वास उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से रोगी दाखिल हुए। | 30 | 69 |

## मनोवैज्ञानिक आकलन

| प्रदान की गई सुविधाएं | मरीजों/मामलों की संख्या | | | |
|---|---|---|---|---|
| | 2021-22 | | 2022-23 | |
| | मामले | सत्र | मामले | सत्र |
| मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन (न्यूरोसाइकोलॉजिकल / आईक्यू/ सामाजिक कौशल / अन्य) | 24 | 24 | 47 | 57 |
| मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप – सेवन | 62 | 62 | 448 | 480 |
| मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप – फालो-अप | 62 | 256 | 209 | 1322 |

## मनोसामाजिक सहायता

| क्लिनिकल गतिविधि | क्लैंट्स की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| आयोजित मनोसामाजिक मूल्यांकन | 672 | 800 |
| विकलांगता आकलन और यूडीआईडी सुविधा | 65 | 144 |
| पुनर्वास परामर्श/कल्याण लाभ की सुविधा | 670 | 750 |
| होम/एजेंसी का दौरा | 10 | 40 |
| मनोरंजक गतिविधियाँ | 33 | 33 |
| व्यावसायिक मूल्यांकन – परामर्श | 240 | 360 |
| व्यावसायिक प्लेसमेंट | 40 | 50 |
| समर्थित शिक्षा | 10 | 35 |
| पारिवारिक सहायता | 72 | 96 |
| टेली सत्र | 75 | 89 |
| रोड 2 रिकवरी (आर2आर) प्रोग्राम | 1267 | 1093 |

## एंगेजमेंट और मनोरंजक गतिविधियाँ

| गतिविधियां | सत्रों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| मरीजों और देखभाल करने वालों के लिए मनोरंजक गतिविधियाँ | 33 | 41 |
| कला चिकित्सा सत्र | 240 | 190 |
| इंडोर गेम्स | 15 | - |
| अन्य समूह गतिविधियाँ (लाफ्टर थेरेपी, स्वास्थ्य शिक्षा, अस्पताल सहायकों और हाउस-कीपिंग कर्मियों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, संवेदी उत्तेजना, आत्म-सम्मान निर्माण, स्वतंत्र जीवन कौशल, कौशल विकास, आध्यात्मिकता, कहानी सुनाना, व्यायाम, ध्यान, घरेलू कौशल गतिविधियाँ, योग) | 60 | 135 |
| त्योहारों और राष्ट्रीय छुट्टियों का उत्सव (समावेशी गतिविधि) | 1 | 3 |

## विभिन्न अनुभागों में उपस्थित मरीज

| अनुभाग | रोगियों की संख्या |
|---|---|
| कम्प्यूटर | 261 |
| शिल्प | 96 |
| रोज़ेस कैफे | 116 |
| मोमबत्ती | 68 |
| फोटोकॉपी | 20 |
| हरित कौशल | 225 |
| पुस्तकालय | 25 |
| बेकरी | 62 |
| मुद्रण | 87 |
| सिलाई | 56 |
| मनोरोग कार्यालय | 14 |
| एमआरडी | 9 |
| सूचना केन्द्र | 23 |
| बढ़ईगीरी | 9 |
| चमड़ा | 15 |
| योग | 18 |
| परियोजना अनुभाग | 1 |
| कंप्यूटर (एएमओजी) | 27 |
| आहार अनुभाग | 8 |
| जिम | 7 |
| वृद्धावस्था ओपीडी | 23 |
| न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग | 4 |
| **कुल** | **1174** |

## विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लीनिक | 2021-22 | | 2022-23 | |
|---|---|---|---|---|
| | नए मरीज रेफर | फालो-अप मरीज | नए मरीज रेफर | फालो-अप मरीज |
| बाह्य रोगी सेवा परामर्श | 139 | 561 | 227 | 840 |

**मानस केंद्र:** मनोरोग संबंधी विकारों वाले व्यक्तियों के लिए संज्ञानात्मक उपचार को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक सुविधा, मनोरोग पुनर्वास सेवा इकाई में स्थापित की गई है। संक्षिप्त नाम **"मानस"** का अर्थ न्यूरो-कॉग्निशन ऑग्मेंटेशन सर्विसेज सेंटर के लिए मल्टीमॉडल दृष्टिकोण है। इसमें कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक उपचार, न्यूरोफीडबैक थेरेपी और ईईजी-आधारित घटना-संबंधित संभावित रिकॉर्डिंग के लिए अत्याधुनिक तकनीक शामिल है। मनोरोग पुनर्वास सेवा केंद्र में स्थित, केंद्र समग्र पुनर्प्राप्ति के लिए मनोरोग देखभाल के साथ नवाचार के विलय में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

| सेवाएँ | 2022-2023 | |
|---|---|---|
| | मामले सं. | सत्र सं. |
| इनटेक | 11 | 11 |
| आकलन | 7 | 17 |
| संज्ञानात्मक उपचार सत्र | 12 | 74 |

### सकलावरा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में आईपी सेवाएँ

मनोरोग पुनर्वास की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए 1 सितंबर 2022 को सकलवारा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में पीआरएस के तहत इनपेशेंट (आईपी) सेवाएं शुरू की गईं। सेवाएँ इसके पहले बैच में नौ रोगियों के प्रवेश के साथ शुरू हुईं, जिनमें चार पुरुष और पाँच महिलाएँ शामिल थीं। वर्तमान समूह में 11 मरीज़ शामिल हैं, जिनमें चार महिलाएँ और सात पुरुष हैं।

इस पहल की आधारशिला मनोरोग सलाहकार, नैदानिक मनोवैज्ञानिक, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता और सामुदायिक नर्सिंग स्टाफ, पीआरएस में विशेषज्ञता वाले पीएचडी स्कॉलरों और विभिन्न विषयों के विभिन्न प्रशिक्षु सहित एक बहु-विषयक टीम का सहयोगात्मक प्रयास है। टीम प्रशासनिक सहायता कर्मचारियों, अनुभाग प्रशिक्षकों और सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर काम करती है, जो केंद्र के सुचारू कामकाज में योगदान देती है।

नैदानिक देखभाल से परे, मरीज़ अपनी रुचि के अनुरूप कई गतिविधियों में लगे हुए हैं। कंप्यूटर कौशल, सिलाई, ड्राइंग, शिल्प, बागवानी और सफाई सत्र रचनात्मकता और कौशल विकास के लिए आउटलेट प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, मरीज विशिष्ट दिनों में सकलवारा ओपीडी सेवाओं में भाग लेते हैं, और शनिवार को साप्ताहिक फिल्म स्क्रीनिंग मनोरंजन प्रदान करती है। पीएसडब्ल्यू, नर्सिंग स्टाफ और समन्वयक की देखरेख में शाम की मनोरंजन गतिविधियाँ और खेल, सामाजिक संपर्क और अवकाश को और बढ़ावा देते हैं।

पीआरएस के तहत आईपी सेवाएं व्यावहारिक जरूरतों को भी पूरा करती हैं। मरीजों की व्यक्तिगत ज़रूरतें, जैसे कपड़े, प्रसाधन सामग्री और सौंदर्य प्रसाधन, अस्पताल प्रणाली के माध्यम से पूरी की जाती हैं, जिसमें व्यक्तियों को आवश्यकतानुसार अपने व्यक्तिगत धन का उपयोग करने का प्रावधान होता है। व्यापक लक्ष्य एक सहायक वातावरण बनाना है जहां मरीज़ अपनी पुनर्प्राप्ति यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

निर्बाध संचार और मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए, टीम शुक्रवार को साप्ताहिक समीक्षा और सलाहकार दौर आयोजित करती है। यह एकीकृत दृष्टिकोण, नैदानिक, मनोसामाजिक और मनोरंजक तत्वों का संयोजन, सकलवारा परिसर में एक समग्र उपचार वातावरण को बढ़ावा देने में मदद करता है।

## स्नायविक रोग चिकित्सा संबंधी पुनर्वास

### नैदानिक सेवाएँ

| परामर्श एवं वार्ड दाखिल हुए मरीज़ | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| नए मरीज | 11953 | 15730 |
| फालो-अप | 574 | 603 |
| दाखिला | 159 | 206 |
| छुट्टी | 158 | 203 |
| न्यूरो-मस्कुलर क्लिनिक | 124 | 172 |
| **कुल** | **13022** | **16914** |

### पैरा-मेडिकल सेवाएँ

| व्यावसायिक चिकित्सा अनुभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ विवरण | संख्या | संख्या |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| नए मरीज | 3519 | 7784 |
| पुराने मरीज़ | 535 | 1591 |
| फालो-अप सत्र | 4984 | 5103 |
| उपचार प्रदान किया गया | 15516 | 14577 |
| मनोरोग उपचार | - | 5444 |
| एडीएल सत्र | 3653 | 8243 |
| मल्टीसेंसरी थेरेपी | 2420 | 3456 |
| सत्रों की संख्या | 4787 | 6748 |
| न्यूरो-मस्कुलर क्लिनिक | 195 | 180 |
| लर्निंग डिसेबिलिटी क्लिनिक | 153 | 186 |
| **कुल** | **35,762** | **38,068** |

### ऑर्थोटिक अनुभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

| विवरण | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| लाभार्थियों की संख्या | 166 | 254 |
| निर्मित उपकरणों की संख्या | 284 | 455 |
| मरम्मत की संख्या | 9 | 10 |
| फॉलो-अप की संख्या | 7 | 2 |
| एनआर वार्ड से मरीजों की संख्या | 106 | 146 |
| ओपीडी से मरीजों की संख्या | 43 | 53 |
| आईसीयू और अन्य वार्डों से मरीजों की संख्या | 17 | 52 |
| सीएमएमआरएफ और आरएएन योजनाओं के तहत लाभान्वित मरीजों की संख्या | 0 | 1 |
| **कुल** | **632** | **973** |

### मनोरोग सामाजिक कार्य टीम द्वारा सेवाएँ

| विवरण | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| विस्तृत आकलन | 158 | 202 |
| फालो-अप सत्र | 790 | 1212 |
| मूल्यांकन एवं सहायता (ओपी) | 47 | 43 |
| व्हीलचेयर रेफरल | 26 | 32 |
| बीपीएल और आय पुनर्मूल्यांकन | 30 | 85 |
| देखभालकर्ता सहायता समूह | 01 | 12 |
| पारिवारिक मनोरंजन गतिविधि | 07 | 07 |
| डीएनआर शैक्षणिक कार्यक्रम | 11 | 10 |
| डीएनआर पीएसडब्ल्यू इकाई स्तरीय शैक्षणिक/विषय चर्चा | 83 | 92 |
| नैदानिक समीक्षा बैठकें | 41 | 36 |
| व्हील चेयर जुम्बा | 03 | 06 |
| स्ट्रोक के मरीजों के लिए पीयर ग्रुप | 02 | 04 |
| रीढ़ की हड्डी की चोट और जीबीएस रोगियों के लिए पीयर ग्रुप | 04 | 05 |
| एजेंसी विजिट | 02 | 05 |
| व्यावसायिक पुनर्वास | 16 | 23 |
| पीआरएस (व्यावसायिक), एमएचई (विकलांगता प्रमाण पत्र के लिए फोटोग्राफ) के लिए रेफरल | 03 | 0 |
| एनजीओ और अन्य तृतीयक सेवा केंद्रों के साथ नेटवर्किंग (विकलांगता प्रमाणपत्र, संरक्षकता) | 27 | 47 |
| विद्यालय-स्तरीय हस्तक्षेप | 06 | 06 |
| गृह भ्रमण | 0 | 03 |
| यूडीआईडी | 32 | 56 |
| मूवी स्क्रीनिंग | 0 | 0 |
| कुल | 1289 | 1886 |

### क्लिनिकल साइकोलॉजी टीम द्वारा सेवाएँ

| विवरण | 2021-22 | | 2022-23 | |
|---|---|---|---|---|
| | बहिर्रोगी | अंतर्रोगी | बहिर्रोगी | अंतर्रोगी |
| मरीजों को देखा गया | 5 | 74 | 5 | 131 |
| न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन | 4 | 74 | 5 | 92 |
| संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण (सत्र) | 30 | 793 | 20 | 1198 |
| कुल | 39 | 941 | 30 | 1421 |

### डायग्नोस्टिक और क्लिनिकल इंटरवेंशन सर्विसेज (यूरोडायनामिक स्टडी लैब)

| प्रदान की गई सुविधाएं | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| यूरोडायनामिक अध्ययन | 52 | 116 |
| मरीजों को दी गई शैक्षिक सामग्री (सीआईसी ब्रोशर) | 67 | 70 |
| स्वच्छ आंतरायिक कैथीटेराइजेशन (सीआईसी) सत्र | 67 | 125 |
| मूत्राशय डायरी सत्र | 75 | 140 |
| विकेंद्रीकरण | 13 | 47 |
| कैथीटेराइजेशन | 10 | 7 |
| क्लिनिकल पीवीआर | 5 | 10 |
| कुल | 289 | 615 |

### इंटरवेंशनल सेवाएँ

| प्रदान की गई सुविधाएं | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रक्रियाओं (इंट्रा-आर्टिकुलर, पेरी-आर्टिकुलर और अन्य मस्कुलोस्केलेटल स्थितियों) सहित इंजेक्शन के साथ हस्तक्षेप दर्द क्लिनिक | 80 | 79 |
| यूएस-निर्देशित बोटोक्स इंजेक्शन प्राप्त करने वाले मरीजों की संख्या | 20 | 21 |
| कुल | 100 | 100 |

## फिजियोथेरेपी केंद्र

### नैदानिक सेवाएँ

| नैदानिक सेवाएँ | मरीजों/मामलों की कुल संख्या | |
|---|---|---|
| (बाह्य रोगी विभाग + आंतरिक रोगी वार्ड ) | 2021-22 | 2022-23 |
| नये रेफरल | 10646 | 14989 |
| सभी आईसीयू सहित बाह्य रोगी विभाग और आंतरिक रोगी वार्डों से अनुवर्ती/उपचार सत्र (आईसीयू में प्रति दिन दो बार उपचार सत्र) | 42900 | 52459 |

### ओपीडी आँकड़े

| बाह्य रोगी | 2021-22 | | 2022-23 | |
|---|---|---|---|---|
| | नया रेफरल | उपचार सत्र | नए रेफरल | उपचार सत्र |
| ओपीडी (वयस्क) | 5957 | 7624 | 8505 | 11266 |
| बाल चिकित्सा फिजियोथेरेपी ओपीडी | 978 | 1163 | 1594 | 1983 |
| बैलेंस एंड गेट लैब | 109 | 176 | 311 | 435 |
| कुल | 7044 | 8963 | 10410 | 13684 |

### अंतर्रोगी आँकड़े

| रोगी | 2022-23 | |
|---|---|---|
| | नए रेफरल | उपचार सत्र |
| न्यूरो पुनर्वास वार्ड | 217 | 3494 |
| गहन चिकित्सा इकाई (एमआईसीयू, एसआईसीयू, ईआईसीयू1 और ईआईसीयू2) | 700 | 6133 |
| स्ट्रोक (स्ट्रोक आईसीयू और स्ट्रोक डीलक्स वार्ड) | 213 | 2692 |

| | | |
|---|---|---|
| न्यूरोलॉजी (एमएमडब्ल्यू, एफएमडब्ल्यू, पीएमडब्ल्यू, स्पेशल वार्ड-एन) | 899 | 3100 |
| न्यूरोसर्जरी (एमएसडब्ल्यू, एफएसडब्ल्यू, पीएसडब्ल्यू, विशेष वार्ड-एनएस ) | 266 | 1088 |
| मनोरोग | 133 | 884 |
| अन्य वार्ड (रिकवरी वार्ड, एसएसडब्ल्यू, कैजुअल्टी, एचआईडब्ल्यू, स्टेपडाउन, न्यूरो इन्फेक्शन वार्ड) | 1210 | 10013 |
| सब स्पेशलिटी ब्लॉक | 705 | 1135 |
| **कुल** | **4343** | **38539** |

### विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लीनिक | कुल रेफरल |
|---|---|
| न्यूरो मस्कुलर डिसऑर्डर क्लिनिक | 236 |

# IV. प्रयोगशाला सेवाएँ

## न्यूरोकैमिस्ट्री

### डायग्नॉस्टिक सेवाएँ

| क्र.सं. | लैब सेवा | विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 2021-22 | विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 2022-23 |
|---|---|---|---|
| 1. | चयापचय की जन्मजात त्रुटियों की जांच के लिए टेंडेम मास स्पेक-ट्रोमेट्री द्वारा अमीनो एसिड और एसाइल कार्निटाइन का अनुमान (49 एना-लाइट्स) | 218834 | 292726 |
| 2. | एल्बुमिन, सीरम | 48788 | 61358 |
| 3. | क्षारीय फॉस्फेट (एएलपी), सीरम | 50742 | 63404 |
| 4. | अमोनिया, प्लाज्मा | 5511 | 8630 |
| 5. | एंजियोटेंसिन कनवर्टिंग एंजाइम (एसीई), सीरम | 1591 | 2392 |
| 6. | एंटीकार्डियोलिपिन एंटीबॉडी - आईजीए, स्क्रीनिंग, सीरम | 351 | 443 |
| 7. | एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडीज - आईजीजी, स्क्रीनिंग, सीरम | 1943 | 2377 |
| 8. | एरिल सल्फ़ेटेज़ ए, सीरम | 973 | 1742 |
| 9. | बेन्स जोन्स प्रोटीन स्क्रीनिंग, मूत्र | 484 | 708 |
| 10. | नेडिक्ट्स टेस्ट, मूत्र | 2007 | 3354 |
| 11. | बिलीरुबिन कुल, सीरम | 51269 | 64019 |
| 12. | कैल्शियम, सीरम | 6566 | 11916 |
| 13. | कार्बामाज़ेपाइन (सीबीजेड), सीरम | 512 | 682 |
| 14. | सेरुलोप्लास्मिन, सीरम | 799 | 1369 |
| 15. | कोलेस्ट्रॉल, सीरम | 15304 | 20668 |
| 16. | कॉपर, सीरम | 950 | 1598 |
| 17. | तांबा 24 घंटे, मूत्र | 358 | 455 |
| 18. | सी-रिएक्टिव प्रोटीन, सीरम | 2801 | 2989 |
| 19. | क्रिएटिन किनेस (सीके), सीरम | 4316 | 8245 |
| 20. | क्रिएटिनिन, सीरम | 67652 | 82676 |
| 21. | सीएसएफ ग्लूकोज | 6816 | 7865 |
| 22. | सीएसएफ लैक्टेट | 5362 | 6328 |
| 23. | सीएसएफ प्रोटीन | 6816 | 7865 |
| 24. | सीएसएफ 14-3-3 | - | 79 |
| 25. | डी-डिमर, प्लाज्मा | 1868 | 345 |
| 26. | डीएनपीएच परीक्षण, मूत्र | 2007 | 3344 |
| 27. | इलेक्ट्रोलाइट्स-सीरम,मूत्र(Na/K/Cl),CSF (Cl) | 89727 | 107912 |
| 28. | फेरिक क्लोराइड परीक्षण, मूत्र | 2007 | 3344 |
| 29. | फेरिटिन, सीरम | 2290 | 1302 |
| 30. | फोलेट, सीरम | 12032 | 14328 |
| 31. | गामा ग्लूटामाइल ट्रांसफरेज (जीजीटी), सीरम | 2929 | 4185 |
| 32. | ग्लूकोज, सीरम | 60063 | 72062 |
| 33. | एचबीए1सी (ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन) | 12752 | 19995 |
| 34. | हेक्सोसामिनिडेज़ कुल ए और बी, सीरम | 128 | 134 |
| 35. | उच्च घनत्व लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कोलेस्ट्रॉल, सीरम | 15207 | 20644 |
| 36. | होमोसिस्टीन, सीरम | 13616 | 21092 |
| 37. | होमोसिस्टिनुरिया स्क्रीनिंग, मूत्र | 2008 | 3354 |
| 38. | लैक्टेट डिहाइड्रोजनेज (एलडीएच), सीरम | 2302 | 3882 |
| 39. | लैक्टेट, प्लाज्मा | 5436 | 8343 |
| 40. | लिथियम, सीरम | 3383 | 4432 |
| 41. | माइक्रोएल्ब्यूमिन, मूत्र | 24 | 56 |
| 42. | एमपीएस स्पॉट टेस्ट, मूत्र | 2008 | 3354 |
| 43. | मायोग्लोबिन्यूरिया गुणात्मक, मूत्र | 110 | 180 |
| 44. | ऑस्मोलैलिटी, मूत्र | 2989 | 2947 |
| 45. | ऑस्मोलैलिटी, सीरम | 3565 | 3555 |
| 46. | फेनोबार्बिटोन (पीबी), सीरम | 208 | 262 |
| 47. | फ़िनाइटोइन, सीरम | 1259 | 942 |
| 48. | फॉस्फोरस, सीरम | 3152 | 4933 |
| 49. | पोर्फोबिलिनोजेन गुणात्मक, मूत्र | 233 | 317 |
| 50. | प्रोटीन 24 घंटे, मूत्र | 28 | 34 |
| 51. | एसजीओटी (एएसटी), सीरम | 50810 | 63408 |
| 52. | एसजीपीटी (एएलटी), सीरम | 50740 | 63412 |
| 53. | टी3 (ट्राईआयोडोथायरोनिन), सीरम | 16956 | 25171 |
| 54. | टी4 (थायरोक्सिन), सीरम | 16734 | 24951 |
| 55. | कुल प्रोटीन, सीरम | 48669 | 61148 |
| 56. | ट्राइग्लिसराइड्स, सीरम | 15345 | 20502 |
| 57. | टीएसएच (थायराइड उत्तेजक हार्मोन), सीरम | 17466 | 27558 |
| 58. | यूरिया, सीरम | 66919 | 81077 |
| 59. | यूरिक एसिड, सीरम | 2269 | 4490 |
| 60. | यूरोबिलिनोजेन गुणात्मक, मूत्र | 18 | 35 |
| 61. | वैल्प्रोएट, सीरम | 1961 | 2471 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 62. | विटामिन बी12, सीरम | 18591 | 27720 |
| | कुल | 10,48,569 | 13,60,644 |

# न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी

## डायग्नॉस्टिक सेवाएँ

| लैब सेवाएँ – नियमित परीक्षण | विश्लेषण किए गए नमूनों की कुल संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| **सीरोलॉजिकल और इम्यूनोलॉजिकल परीक्षण:** | | |
| विडाल टेस्ट | 469 | 659 |
| रूमेटोइड फैक्टर टेस्ट (लेटेक्स एग्लूटिनेशन विधि) | 2748 | 4184 |
| प्रतिदीप्ति विधि द्वारा एंटी न्यूक्लियर एंटीबॉडी परीक्षण | 1191 | 2436 |
| एंटी स्ट्रेप्टोलिसिन ओ टेस्ट (लेटेक्स एग्लूटिनेशन मेथड) | 145 | 218 |
| सी रिएक्टिव प्रोटीन टेस्ट (लेटेक्स एग्लूटिनेशन मेथड) | 2751 | 3513 |
| रक्त वीडीआरएल/आरपीआर परीक्षण | 5364 | 7833 |
| सीएसएफ वीडीआरएल टेस्ट | 1066 | 1495 |
| ट्रेपोनेमा पैलिडम हेम एग्लूटिनेशन टेस्ट | 542 | 1113 |
| एंटी ब्रुसेला एंटीबॉडी टेस्ट (मानक ट्यूब एग्लूटिनेशन विधि) | 494 | 605 |
| एंटी ब्रुसेला आईजीजी एंटीबॉडी टेस्ट (एलिसा) | 415 | 420 |
| एंटी टोक्सोप्लाज्मा गोंडी एंटीबॉडीज (लेटेक्स एग्लूटिनेशन विधि) | 107 | 117 |
| ओलिगोक्लोनल बैंड टेस्ट | 722 | 924 |
| एंटीमाइकोबैक्टीरियल एंटीबॉडी टेस्ट (एलिसा) के लिए सीएसएफ | 7 | 20 |
| एंटीसिस्टिसरकल एंटीबॉडी (एलिसा) के लिए सीरम | 58 | 190 |
| एंटी एसिटाइलकोलाइन रिसेप्टर एंटीबॉडीज | 78 | 113 |
| वेइल-फेलिक्स | 548 | 1006 |
| स्क्रब टाइफस | 321 | 875 |
| एंटी एचबीएस एंटीबॉडी टेस्ट | 211 | 618 |
| लेप्टोस्पाइरा वर्क अप | 382 | 603 |
| **माइक्रोबायोलॉजी संस्कृतियाँ और संबंधित परीक्षण:** | | |
| स्मीयरों | | |
| (ए) ग्राम दाग | 5580 | 6530 |
| (बी) ज़ीहल-नील्सन दाग | 1017 | 859 |
| (सी) लीशमैन दाग | 946 | |
| (डी) अन्य | 0 | 0 |
| नियमित संस्कृतियाँ | 7383 | 14030 |
| बाँझपन के लिए रक्त बैग – निम्हान्स | 13 | 15 |
| बाँझपन के लिए रक्त बैग – रेड क्रॉस | 21 | 25 |
| जीवाणु पहचान परीक्षण (पारंपरिक विधि) | 374 | |
| जीवाणु पहचान परीक्षण (स्वचालित विधि) | 2796 | 11678 |
| एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण (पारंपरिक विधि) | 2048 | 5203 |
| कवक संस्कृतियाँ | 2155 | |
| **माइकोबैक्टीरियल परीक्षण:** | | |
| एएफबी संस्कृतियाँ (पारंपरिक पद्धति) | 2038 | 1912 |
| एएफबी संस्कृतियाँ (स्वचालित-एमजीआईटी विधि) | 851 | 1327 |
| एमटीबी औषधि संवेदनशीलता परीक्षण | 31 | 85 |
| माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए सीबी NAAT | 802 | 1564 |
| **आणविक जीव विज्ञान:** | | |
| फंगल पीसीआर | 97 | |
| **हिस:** | | |
| एमआरएसए स्क्रीनिंग | 1047 | 2152 |
| जल विश्लेषण | 176 | 189 |
| ओटी बाँझपन जाँच परीक्षण | 89 | 96 |
| सीएसएसडी बाँझपन जाँच परीक्षण | 35 | 52 |
| **क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी:** | | |
| सीएसएफ सेल गणना | 6042 | 7425 |
| स्मीयर्स (ग्राम स्टेन, जेडएन, अन्य) | 4536 | 7830 |
| क्रिप्टोकॉसी के लिए भारत इंक तैयारी | 2539 | 1419 |
| लेटेक्स एग्लूटिनेशन टेस्ट द्वारा क्रिप्टोकोकल एंटीजन डिटेक्शन | 488 | 239 |
| लेटरल फ्लो परख द्वारा क्रिप्टोकोकल एंटीजन का पता लगाना | 444 | 756 |
| सीएसएफ संस्कृतियाँ | 5876 | 6883 |
| ब्रेन एब्सेस मवाद (एरोबिक) कल्चर | 216 | 164 |
| ब्रेन एब्सेस मवाद (अवायवीय) संस्कृति | 215 | 144 |
| रक्त संस्कृति /कल्चर | 1452 | 2099 |
| सीरम प्रोकैल्सीटोनिन परख | 2208 | 2354 |
| मंटौक्स परीक्षण | 101 | 117 |
| सीएसएफ साइटोस्पिन अध्ययन | 946 | 1820 |
| कुल | 67756 | 103909 |

# न्यूरोपैथोलॉजी

**हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग:** यह अनुभाग न्यूरो-ऑन्कोलॉजी, न्यूरोमस्कुलर विकारों, न्यूरोइन्फेक्शन, न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों, न्यूरोलॉजिकल रोगों के लिए अल्ट्रास्ट्रक्चरल निदान आदि में व्यापक नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है। यह न्यूरोमस्कुलर विकारों के निदान के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं वाले देश के बहुत कम केंद्रों में से एक है। अपनी विशेषज्ञता के सम्मान में, यह देश भर के कई राज्यों और विदेशों के अस्पतालों से रेफरल नमूने प्राप्त करता है, जो इन-हाउस बायोप्सी से दोगुने से भी अधिक होते हैं। इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं और जब भी उचित हो उन्हें नियोजित किया जाता है। विभाग अपने उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक मानकों के कारण देश और विदेश में नोडल रेफरल डायग्नोस्टिक सेंटर है। यह अनुभाग ISO15189:2012 के अनुसार चिकित्सा प्रयोगशाला के लिए प्रतिष्ठित NABL (परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) मान्यता से मान्यता प्राप्त है।

**न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला:** न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला ने अपने अधिदेश को ध्यान में रखते हुए न्यूरोमस्कुलर विकारों में उन्नत निदान प्रदान करना और अनुसंधान को बढ़ावा देना जारी रखा है। मांसपेशियों के विकारों के लिए उन्नत निदान प्रदान करने वाली 'सेल्फ सस्टेनिंग डायग्नोस्टिक सुविधा' सफलतापूर्वक चल रही है। न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला की स्थापना के बाद से, न्यूरोमस्कुलर विकारों के निदान के लिए कई नैदानिक परीक्षण शुरू किए गए हैं – मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए वेस्टर्न ब्लॉट तकनीक, माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के निदान के लिए श्वसन श्रृंखला एंजाइम परख का आकलन और एक आत्मनिर्भर परियोजना मोड पर प्रतिरक्षा मध्यस्थता विकारों के लिए इम्यूनोडायग्नोसिस। संस्थान से बीज अनुदान के साथ, जिसका प्राथमिक उद्देश्य निम्हान्स के साथ-साथ बेंगलुरु और उसके आसपास के अन्य अस्पतालों में भर्ती मरीजों को सस्ती कीमत पर महंगे और परिष्कृत परीक्षण उपलब्ध कराना है।

परमाणु जीन उत्परिवर्तन और परमाणु-माइटोकॉन्ड्रियल इंटरकम्यूनिकेशन विकारों की पहचान करने के लिए पूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल जीन अनुक्रमण और नैदानिक एक्सोम अनुक्रमण की योजना बनाई गई है और जल्द ही नैदानिक सेवा मोड पर शुरू किया जाएगा।

मांसपेशियों की बीमारी के लिए नैदानिक इम्यूनोमार्करों का विस्तार किया गया है, और सूजन मार्करों और टिटिन को शामिल किया गया है। प्रयोगशाला एक मांसपेशी बैंक भी चलाती है, जो देश में अपनी तरह का पहला है, जहां कुछ मामलों में त्वचा की बायोप्सी के साथ-साथ न्यूरोमस्कुलर विकारों वाले रोगियों के कंकाल की मांसपेशियों की बायोप्सी और रक्त (सीरम और डीएनए) को विभिन्न शोध अध्ययनों के लिए बैंक में रखा जाता है।

**न्यूरो-ऑन्कोलॉजी प्रयोगशाला:** यह नवोन्मेषी अनुसंधान प्रयोगशाला ब्रेन ट्यूमर अनुसंधान और आणविक निदान में सबसे आगे बनी हुई है। अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधा फ्लोरोसेंट इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन (फिश), पारंपरिक और मात्रात्मक पीसीआर, डीएनए और आरएनए अनुक्रमण, वेस्टर्न ब्लॉटिंग, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और उन्नत इमेजिंग कार्य सहित विभिन्न परीक्षण करने के लिए सुसज्जित है। हाल ही में लैब को सुसज्जित किया गया है और ब्रेन ट्यूमर के लिए सेल कल्चर का काम शुरू किया है। यह देश की उन कुछ प्रयोगशालाओं में से एक है जहां बायोमार्कर के उच्च थ्रूपुट सत्यापन के लिए ऊतक माइक्रोएरे तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

रोगी की देखभाल में सहायता के लिए, 'आत्मनिर्भर नैदानिक सेवाओं' के हिस्से के रूप में कई आणविक परीक्षण पेश किए जाते हैं। वर्ष 2022-2023 के दौरान, अधिकांश ब्रेन ट्यूमर के लिए आणविक परीक्षण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न नए परीक्षण शुरू किए गए। प्रयोगशाला द्वारा प्रस्तावित आणविक निदान परीक्षणों में शामिल हैं: 1p19q के लिए मछली, CDKN2A/B, CMYC, NMYC, EGFR, MN1, BRAF, EWSR1; आईडीएच और एच3.3/3.1 के लिए डीएनए अनुक्रमण, टीईआरटी प्रमोटर उत्परिवर्तन, बीसीओआर आईटीडी; बीआरएफ फ्यूजन के लिए पीसीआर, एमजीएमटी प्रमोटर मिथाइलेशन; और मेडुलोब्लास्टोमा आणविक पैनल। अगली पीढ़ी के अनुक्रमण प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ब्रेन ट्यूमर पैनल के लिए आणविक परीक्षण भी जल्द ही शुरू किया जाएगा।

**ऑटोइम्यून प्रयोगशाला:** पिछले एक दशक में, ऑटोइम्यून न्यूरोलॉजिकल विकारों की व्यापकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे अत्याधुनिक नैदानिक समाधानों के विकास की आवश्यकता हुई है। इस गंभीर आवश्यकता को संबोधित करते हुए, ऑटोइम्यून लैब नवाचार और सटीकता के प्रतीक के रूप में उभरी है। 2014 में लॉन्च की गई लैब उल्लेखनीय संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ मान्य परीक्षणों की एक श्रृंखला प्रदान करती है।

लैब की उल्लेखनीय यात्रा की विशेषता इसका "आत्मनिर्भर मॉडल" है, जिसकी शानदार सफलता का श्रेय इसके तकनीकी कर्मचारियों के अटूट जुनून और समर्पण को जाता है। इस समर्पित टीम ने न केवल प्रभावशाली परिशुद्धता के साथ उच्च-गुणवत्ता वाली रिपोर्ट प्रदान की है, बल्कि उल्लेखनीय रूप से कम समय में यह उपलब्धि हासिल की है, जिसे चिकित्सकों ने बहुत सराहा है। डायग्नोस्टिक लैब अब पूरे देश के लिए एक "रेफ़रल सेंटर" है, जिसमें एम्स और अन्य प्रमुख संस्थानों सहित देश भर के 70 से अधिक अस्पताल इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। प्रयोगशाला ने प्रस्तावित सभी परीक्षणों के लिए ईक्यूएएस कार्यक्रमों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रगति की अपनी निरंतर खोज के हिस्से के रूप में, प्रयोगशाला ने उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए इस वर्ष अपने नैदानिक परीक्षणों के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार का प्रस्ताव दिया है।

**शवगृह:** यह एक 24x7 सुविधा है, जो क्लिनिकल और मेडिकोलीगल शव परीक्षण करने के लिए सुसज्जित है। कोविड-19 महामारी के दौरान, मुर्दाघर के कर्मचारियों ने निर्धारित मानदंडों के अनुसार सुरक्षित निपटान की सुविधा के लिए बीबीएमपी अधिकारियों और मृतकों के परिवारों के साथ मिलकर गहन सेवा प्रदान की। कार्मिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, प्रशासन ने आवश्यक इंजीनियरिंग नियंत्रण और कार्मिक सुरक्षा उपाय तुरंत उपलब्ध कराने में सहायता की।

महामारी के जवाब में, प्रशासन ने आवश्यक सुरक्षा उपायों को तेजी से लागू किया, कर्मियों के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग नियंत्रण और सुरक्षात्मक उपकरण प्रदान किए। एक महत्वपूर्ण विकास एक विशेष नकारात्मक दबाव कक्ष का निर्माण था, जिसे विशेष रूप से सीओवीआईडी -19 मामलों के लिए उच्च जोखिम वाले शव परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इस नवाचार को आईसीएमआर द्वारा मान्यता दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप देश में अनुसंधान का समर्थन करने के लिए सीओवीआईडी -19 जैव नमूनों के लिए एक राष्ट्रीय बायोरिपोजिटरी को मंजूरी दी गई थी।

| विवरण | 2021-22 | | | 2022-23 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | निम्हान्स | रेफरल | कुल | निम्हान्स | रेफरल | कुल |
| न्यूरोसर्जरी | 2435 | 3582 | 6017 | 2663 | 4983 | 7646 |
| न्यूरोलॉजी | 334 | 1968 | 2302 | 389 | 1893 | 2282 |
| **कुल** | **2769** | **5550** | **8319** | **3052** | **6876** | **9928** |

1. **न्यूरोसर्जरी नमूनों में** मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर, स्टीरियोटैक्टिक बायोप्सी, संवहनी घाव, संक्रमण और अन्य शामिल हैं ।

2. **न्यूरोलॉजी नमूनों में** मांसपेशी बायोप्सी, तंत्रिका बायोप्सी, मस्तिष्क बायोप्सी, त्वचा बायोप्सी, यकृत बायोप्सी और अन्य शामिल हैं ।

| विवरण | 2021-22 | | | 2022-23 | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | निम्हान्स | रेफरल | कुल | निम्हान्स | रेफरल | कुल |
| इंट्राऑपरेटिव स्क्रैश | 267 | – | 267 | 793 | 3 | 796 |
| स्थिर ऊतक | | | | | | |
| ब्लॉक तैयार | 8230 | 8746 | 16976 | 12083 | 17531 | 29614 |
| अनुभाग कट | 10878 | 16703 | 27581 | 13186 | 21881 | 35067 |
| एचई, डुप्लीकेट एवं विशेष दाग | 11005 | 18227 | 29232 | 15236 | 29062 | 44298 |
| आईएचसी – ट्यूमर | 7682 | 15705 | 23387 | 9869 | 20753 | 30622 |
| ताजा ऊतक | | | | | | |
| अनुभाग कट | 16903 | 19817 | 36720 | 7850 | 8384 | 16234 |
| एचई और ईएचसी | 779 | 1050 | 1829 | 1656 | 1701 | 3357 |
| आईएचसी– मांसपेशी | 383 | 262 | 645 | 681 | 350 | 1031 |
| कुल | 56,127 | 80,157 | 1,36,637 | 61,354 | 99,665 | 1,61,019 |

## इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी

| प्रदान की गई सुविधाएं | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| डायग्नोस्टिक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी | 219 | 287 |
| अनुसंधान | 173 | 155 |

## शवगृह

| विवरण | 2021-22 | 2022-223 |
|---|---|---|
| एमएलसी शव-परीक्षा | 216 | 116 |
| पुलिस के हवाले कर दिया | 80 | 45 |
| रिश्तेदारों को सौंप दिया | 89 | 70 |
| अज्ञात | 85 | 62 |
| क्लिनिकल शव परीक्षण | 43 | 20 |
| मस्तिष्क दान | 4 | 8 |
| स्टाफ/रिश्तेदारों के लिए फ्रीजर सेवा | 5 | 6 |
| कोविड-19 पॉजिटिव | 62 | 6 |
| कुल | 584 | 333 |

## न्यूरोऑन्कोलॉजी प्रयोगशाला

| क्र. सं. | परीक्षण | मामलों की संख्या | परीक्षणों की संख्या | मामलों की संख्या | परीक्षणों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 2021-22 | 2021-22 | 2022-23 | 2022-23 |
| 1. | मछली - 1p19q, CDKN2A/B, BRAF फ्यूज़न, C-MYC और N-MYC | 174 | 1044 | 219 | 1314 |
| 2. | एमजीएमटी- प्रमोटर मिथाइलेशन | 115 | 690 | 196 | 1176 |
| 3. | मेडुलोब्लास्टोमा पैनल | 25 | 150 | 13 | 78 |
| 4. | डीएनए अनुक्रमण IDH1 और 2 और TERTp उत्परिवर्तन | 28 | 168 | 39 | 234 |
| | मामलों और परीक्षणों की कुल संख्या | 342 | 2052 | 467 | 2802 |

## ऑटोइम्यून प्रयोगशाला

| ऑटोइम्यून टेस्ट | 2021-2022 | | 2022-23 | |
|---|---|---|---|---|
| | निम्हान्स मामलें | रेफरल मामले | निम्हान्स मामलें | रेफर लमामल |
| एएनए | 4460 | 711 | 5700 | 1336 |
| एएनसीए | 4087 | 446 | 5323 | 783 |
| एमओजी-एक्वापोरिन-4 (एनएमओ) | 1593 | 2108 | 1865 | 2749 |
| ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस पैनल | 2285 | 3021 | 3042 | 3953 |
| पैरानियोप्लास्टिक एंटीन्यूरोनल एंटीबॉडीज | 1788 | 1723 | 2671 | 2318 |
| मायोसिटिस प्रोफाइल | 222 | 299 | 262 | 423 |
| गैंग्लियोसाइड एंटीबॉडीज* इम्यूनोब्लॉट द्वारा | 709 | 473 | 896 | 660 |
| एंटी-डीपीपीएक्स | 28 | 7 | 30 | 29 |
| कुल | 15172 | 8788 | 19789 | 12251 |

## न्यूरोमस्कुलर लैब

| ए. डॉयग्नास्टिक सुविधाएं | विश्लेषण किए गए नमूनों की कुल संख्या | |
|---|---|---|
| लैब सेवाएँ - विशेष परीक्षण | 2022-23 | 2021-22 |
| माइटोकॉन्ड्रियल श्वसन श्रृंखला परख (माइटोकॉन्ड्रियल विकार) | 289 | 320 |
| वेस्टर्न ब्लॉट्स (मस्कुलर डिस्ट्रॉफी) | 2 | 5 |
| कुल | 291 | 325 |
| **बी. अनुक्रमण सुविधा** | | |
| माइटोकॉन्ड्रियल विकार | 150 | 2 |
| फ़ाइब्रोब्लास्ट कल्चर के लिए एकत्रित त्वचा बायोप्सी | 7 | – |

## मानव कंकाल मांसपेशी रोग बायो-बैंक

| विवरण | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| एकत्र की गई बायोप्सी की संख्या | 145 | 110 |
| रक्त डीएनए (रोगी) | 103 | 79 |
| रक्त डीएनए (रोगी के रिश्तेदार) | 81 | 40 |
| सीरम (रोगी) | 103 | 76 |
| सीरम (रोगी के रिश्तेदार) | 81 | 39 |
| आरएनए नमूना | 93 | 53 |

| क्रमांक | विवरण | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|---|
| 1. | मस्तिष्क दान सहित ताजा मस्तिष्क एकत्रित | 23 | 18 |
| 2. | शव परीक्षण मामलों से सीएसएफ और सीरम | 40 | 34 |
| 3. | मिर्गी के मामलों से ताजा ऊतक (मिर्गी ऊतक बैंक) | 60 | 29 |
| 4. | वाल्व होमोग्राफ्ट के लिए कैडवेरिक हृदय | - | 11 |
| 5. | प्लाज्मा नमूने (शव परीक्षण) | 35 | 10 |
| 6. | सीजेडी नमूने | 2 | शून्य |
| 7. | अनुसंधान के लिए एचबीटीआर में ऊतक संसाधित (तकनीशियन, एचबीटीआर द्वारा किया गया कार्य)। | 158 | 69 |
| | शवपरीक्षा ऊतक संसाधित | 2535 | 1825 |
| | पैराफिन ब्लॉकों में कटौती खंड कटे, दागदार | 10300 | 9323 |

### न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला

| माइटोकॉन्ड्रियल श्वसन एंजाइम जाँच / एसेस | रेफरल | आंतरिक | कुल |
|---|---|---|---|
| परीक्षणों/मामलों की संख्या | 62 | 227 | 289 |

### मांसपेशी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

| मांसपेशी इम्यूनो-हिस्टोकेमिस्ट्री | नियमित | | रेफरल | | कुल | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | परीक्षणों की संख्या | परीक्षणों की संख्या | मामलों की संख्या | परीक्षणों की संख्या | मामलों की संख्या | परीक्षणों की संख्या |
| | 86 | 681 | 60 | 350 | 146 | 1031 |

### सेंगर अनुक्रमण

| | |
|---|---|
| विश्लेषण किये गये नमूनों की संख्या | 150 |
| प्रतिक्रियाओं की संख्या | 4500 (30प्रति नमूना प्रतिक्रियाएं) |
| फ़ाइब्रोब्लास्ट कल्चर की त्वचा बायोप्सी एकत्र की गई | 7 मामले |

## न्यूरोफिजियोलॉजी

### डायग्नस्टिक सेवा

| प्रयोगशाला सेवा | विश्लेषण किए गए नमूनो की कुल संख्या । | |
|---|---|---|
| नियमित टेस्ट | 2021-22 | 2022-23 |
| ऑटोनोमिक फ़ैक्टरी टेस्ट | 1611 | 2913 |
| पल्मोनरी फ़ैक्टरी टेस्ट (एफ़पीटी) | 178 | 241 |
| आईको | 1820 | 2882 |
| ईसीजी | 760 | 1593 |
| विशेष परीक्षण | 2021-22 | 2022-23 |
| बी.पी.वी./बी.आर.आई. | 28 | 11 |
| मात्रात्मक सुडोमोटर एक्सॉन रिफ्लेक्स टेस्ट (क्यूएसए रिफ्लेक्स) | 10 | 15 |

## न्यूरोवायरोलॉजी

न्यूरोवायरोलॉजी विभाग निम्हान्स में 2011 में एचआईवी परीक्षण और 2013 में अन्य सभी नैदानिक सेवाओं के लिए एनएबीएल मान्यता प्राप्त करने वाला पहला विभाग था। हर साल विभाग द्वारा 10,000 से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जाता है। इन वर्षों में, इसने कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी), राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम और इन्फ्लुएंजा निगरानी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग को रेबीज पर संदर्भ और अनुसंधान के लिए WHO सहयोगी केंद्र, जापानी एन्सेफलाइटिस के लिए WHO-SEARO क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला, एचआईवी (NACO) के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला (NRL), और जेई, डेंगू और चिकनगुनिया की निगरानी के लिए एक शीर्ष प्रयोगशाला के रूप में (एनवीबीडीसीपी) मान्यता प्राप्त है।

2022-23 के दौरान, विभाग ने कोविड-19 के लिए प्रयोगशाला निदान प्रदान करने में एक उत्कृष्ट भूमिका निभाना जारी रखा, और आईसीएमआर और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार के तहत 'संरक्षक' संस्थान के रूप में कार्य किया। कर्नाटक में SARS-CoV-2 प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए भारत सरकार ने दो नई कोविड-19 आरटी पीसीआर परीक्षण प्रयोगशाला को राज्य में स्थापित 237 के मौजूदा नेटवर्क में सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया।

**एंटी-एचसीवी एंटीबॉडी परीक्षण:** विभाग ने एंटी-हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए सीरोलॉजिकल जाँच शुरू की है। एंटी-एचसीवी एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए एक विश्वसनीय और कुशल तरीका पेश करके, यह परीक्षण हेपेटाइटिस सी संक्रमण की शीघ्र पहचान करने में सक्षम बनाता है। समय पर चिकित्सा सहायता और बीमारी के प्रभावी प्रबंधन के लिए इस तरह की प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण है।

**सीडी19 सीडी20 बी सेल फेनोटाइपिंग टेस्ट:** जून 2022 में फ्लो साइटोमेट्री-आधारित सीडी19 सीडी 20 बी सेल फेनोटाइपिंग जाँच की शुरूआत न्यूरोलॉजी रोगियों में बी कोशिकाओं की निगरानी में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह परीक्षण न केवल न्यूरोलॉजिकल स्थितियों का निदान और प्रबंधन करने में सहायता करता है बल्कि व्यापक प्रभाव भी रखता है। व्यापक पहुंच और प्रभाव सुनिश्चित करते हुए यह सेवा अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों तक भी विस्तारित की गई है।

### डॉयग्नस्टिक सेवाएँ

| लैब सेवाएँ | विश्लेषण किए गए नमूनों की कुल संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| जापानी एन्सेफलाइटिस | 429 | 504 |
| डेंगू | 832 | 1310 |
| चिकनगुनिया | 771 | 1180 |
| खसरा | 541 | 678 |
| हरपीज एन्सेफलाइटिस | 388 | 456 |
| हेपेटाइटिस बी | 4868 | 7055 |

| | | |
|---|---|---|
| हेपेटाइटिस सी | 721 | 6913 |
| रेबीज़ | 287 | 341 |
| एंटरोवायरस | 276 | 2236 |
| हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा | 5 | – |
| निसेरिया मेनिंगिटिडिस | 5 | – |
| स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया | 28 | 39 |
| एच1एन1 | 31 | 27 |
| एचआईवी | 4941 | 6527 |
| सीडी4 | 3644 | 4154 |
| प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) | 1463 | 464 |
| एचआईवी वायरल लोड | 8790 | 19164 |
| SARS CoV-2 (कोविड-19) | 1,97,109 | 1615 |
| SARS CoV-2 जीनोम अनुक्रमण | 4721 | 528 |
| एंटी-रेबीज टीकाकरण के बाद आरएफएफआईटी | 986 | 1070 |

| | | |
|---|---|---|
| पूर्ण न्यूट्रोफिल गणना | 607 | 791 |
| रेटिकुलोसाइट गणना | 123 | 264 |
| सिकलिंग परीक्षण | 134 | 293 |
| अस्थि मज्जा अध्ययन | 01 | 05 |
| खारा तनुकरण परीक्षण | 231 | 383 |
| मल परीक्षण | 127 | 226 |
| प्रोथ्रोम्बिन समय | 37,601 | 37041 |
| सक्रिय आंशिक थ्रोम्बोप्लास्टिन समय | 29,543 | 28669 |
| प्रोटीन एस | 368 | 406 |
| प्रोटीन सी | 350 | 378 |
| एंटी-थ्रोम्बिन III | 315 | 336 |
| फैक्टर VIII | 388 | 536 |
| फाइब्रिनोजेन | 738 | 739 |
| एचबी-इलेक्ट्रोफोरेसिस | 124 | 259 |
| **कुल** | **1,66,933** | **209594** |

## ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसन और हेमॉटलेजी

### डायग्नस्टिक सेवाएँ

| सुविधाएं प्रदान की गईं | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| एबीओ ग्रुपिंग और आरएच टाइपिंग | 32215 | 37655 |
| रक्तदाताओं के लिए किया गया हीमोग्लोबिन अनुमान | 5484 | 6862 |
| रक्तदान (दाता) | 4915 | 6116 |
| रक्त और रक्त घटक तैयार | 12624 | 14339 |
| रक्तदान शिविरों में भाग लिया | 26 | 47 |
| रक्त और रक्त घटक जारी | 11072 | 14446 |
| अन्य अस्पतालों को जारी रक्त एवं रक्त घटक | 1761 | 2810 |

### प्लास्मफेरेसिस और फ़्लेबोटॉमी

| सुविधाएं प्रदान की गईं | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज (बड़ी मात्रा में प्लास्मफेरेसिस) | 3305 | 3633 |
| छोटी मात्रा प्लास्मफेरेसिस | 477 | 898 |
| मरीजों के लिए किया गया फ़्लेबोटोमी | 116 | 117 |

### क्लिनिकल पैथोलॉजी और हेमेटोलॉजी प्रयोगशाला

| प्रदान की गई सुविधाएं | नमूनों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| संपूर्ण रक्त गणना | 70,940 | 90121 |
| मूत्र परीक्षण | 7,740 | 12178 |
| परिधीय धब्बा | 9,355 | 17308 |
| परिधीय स्मीयर एमपी | 474 | 712 |
| ईएसआर | 7,568 | 18658 |
| एब्सोल्यूट इओसिनोफिल काउंट | 206 | 290 |

# V. सहायक सेवाएँ

## क्लिनिकल नर्सिंग सेवाएँ

### नैदानिक सेवाएँ

| सेवाएँ | | मरीजों/मामलों की संख्या (आपातकालीन सेवाओं सहित) | |
|---|---|---|---|
| | | 2021-22 | 2022-23 |
| जाँच | | 134941 | 132885 |
| पंजीकरण | | 54598 | 62334 |
| फलो-अप | | 303117 | 363497 |
| दाखिल हुए | | 19490 | 21569 |
| छुट्टी | | 19412 | 19708 |
| निधन | | 612 | 462 |
| आपातकालीन स्थिति | | 48061 | 42195 |
| कुल सर्जरी | | 6477 | |
| सकलावरा सेवाएँ | | 3243 | 3111 |
| सीएसएसडी | किए गए गैस स्टरलाइज़ेशन की संख्या | 332000 पैक (ईटीओ साइकिलों की संख्या-930) | 429100 पैक (ईटीओ साइकिलों की संख्या-1020) |
| | सेटों की संख्या स्टरलाइज्ड | 340100 सेट (आटोक्लेव साइकिलों की संख्या - 2030) | 397160 सेट (आटोक्लेव साइकिलों की संख्या-2030) |

### टीकाकरण कार्यक्रम

| टीकाकरण | लोगों का संख्या |
|---|---|
| कोविड-19 | 2,896 |
| हेपेटाइटिस - बी (निम्हान्स स्टाफ के लिए) | 628 |

### वार्षिक स्वास्थ्य जांच

संस्थान के कर्मचारियों के लिए निम्हान्स स्वास्थ्य केंद्र में 2 नवंबर 2022 से 10 फरवरी 2023 और 15 मार्च 2023 से 31 मार्च 2023 तक दो बैचों में वार्षिक स्वास्थ्य जांच आयोजित की गई थी।

## मानव आनुवंशिकी

### डायग्नस्टिक सेवाएँ

मानव आनुवंशिकी विभाग द्वारा आनुवंशिक नैदानिक परीक्षण जैसे क्लिनिकल एक्सोम सीक्वेंसिंग, माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम परीक्षण के साथ संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग, क्रोमोसोमल माइक्रोएरे और डीएनए बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं। डायग्नस्टिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक अत्याधुनिक जीनोमिक्स सुविधा, ह्यूमन जीनोम लैब भी विभाग द्वारा संचालित की जाती है। अगली पीढ़ी के सीक्वेंसर नेक्स्टसेक 550 और अत्याधुनिक वर्कस्टेशन के साथ, प्रयोगशाला में स्व-स्थायी मोड पर विभिन्न वंशानुगत, न्यूरोलॉजिकल और न्यूरो-मनोवैज्ञानिक विकारों के उन्नत आनुवंशिक डायग्नस्टिक किए जाते हैं।

| लैब सेवाएँ | विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| क्लिनिकल एक्सोम सीक्वेंसिंग | 244 | 253 |
| संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग | 157 | 292 |
| क्रोमोसोमल माइक्रोएरे | 43 | 34 |

### विशेष क्लीनिक

मानव आनुवंशिकी विभाग 2017 से जेनेटिक स्पेशलिटी क्लिनिक का संचालन कर रहा है। अब तक आनुवंशिक विकारों की विभिन्न श्रेणियों के 2800 से अधिक मामलों को संभाला गया है। दी जाने वाली सेवाओं में विस्तृत नैदानिक निदान मूल्यांकन, पूर्व-परीक्षण परामर्श, नैदानिक परीक्षणों का प्रदर्शन, डेटा विश्लेषण, रिपोर्टिंग, परीक्षण के बाद आनुवंशिक परामर्श के साथ-साथ चिकित्सीय सहित प्रबंधन शामिल है। न्यूरोमस्कुलर क्लिनिक में महीने में एक बार आनुवंशिक परामर्श सेवाएँ भी प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, विभाग में विभिन्न चिकित्सकों से अनसुलझे मामलों का कच्चा डेटा विश्लेषण भी किया जा रहा है। समीक्षा अवधि के दौरान, क्लिनिक ने 286 नए रोगियों को पंजीकृत किया और 52 मौजूदा मामलों का पालन किया।

# VI. आयुष सेवाएँ

## समग्र चिकित्सा विभाग

समग्र मेडिसिन विभाग, भारत में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में अपनी तरह का पहला विभाग है, जो आयुर्वेद, योग और आधुनिक चिकित्सा को समग्र करके नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है और मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देता है।

समग्र मेडिसिन विभाग के तहत निम्हान्स समग्र सेंटर फॉर योगा (एनआईसीवाई), निम्हान्स के आंतरिक रोगियों और बाह्य रोगियों दोनों के लिए योग चिकित्सा प्रदान करता है। सिज़ोफ्रेनिया और अन्य मानसिक विकार, द्विध्रुवी विकार, पदार्थ उपयोग विकार, समायोजन विकार, चिंता विकार, अवसाद, सोमैटोफ़ॉर्म दर्द विकार, विघटनकारी विकार, ध्यान घाटे सक्रियता विकार (एडीएचडी) जैसे विभिन्न निदानों के साथ, निम्हान्स के सभी नैदानिक विभागों से रेफरल आते हैं। ,मानसिक मंदता, दौरे विकार, माइग्रेन, हल्की संज्ञानात्मक हानि, अल्जाइमर मनोभ्रंश, पार्किंसंस विकार, हिरयामा रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, साथ ही देखभाल करने वाले का तनाव।

निम्हान्स में विभिन्न अन्य सुविधाओं जैसे पॅवलियन - 3, मनोरोग पुनर्वास सेवा विभाग, बाल और किशोर मनोरोग केंद्र आदि में योग चिकित्सा सत्र आयोजित किए गए। 22,371 रोगियों ने योग सेवाओं का लाभ उठाया। केंद्र ने 2022-23 के दौरान 1852 नए मरीज और 272 फॉलो-अप पंजीकृत किए।

### क्लिनिकल सेवाएँ

| क्लिनिकल सेवाएँ* | मरीजों/मामलों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| पंजीकरण | 1733 | 2948 |
| फालो-अप | 555 | 872 |
| दाखिल | 134 | 266 |
| छुट्टी | 134 | 266 |
| आपात्काल | 1 | - |
| रेफरल (आंतरिक) | 496 | 511 |

### विशेष क्लीनिक

| विशेष क्लिनिक | मरीजों की संख्या | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| निम्हान्स एकीकृत योग केंद्र | 1341<br>फालो-अप:163 | 1852<br>फालो-अप: 272 |
| मनोरोग पुनर्वास सेवा विभाग में योग थेरेपी | 566 | 2218 |
| बाल मनोरोग केंद्र में योग थेरेपी | - | 1620 |
| किशोर मनोरोग केंद्र पर योग थेरेपी | 266 | 994 |
| न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर क्लिनिक (मासिक) | | 57<br>फालोअप-80 |

### विशेष सेवाएं

| विशेष सेवाएँ | नए मरीज़ | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| कोविड-19 रोगियों के लिए टेली-योग | | 446 |
| कल्याण के लिए टेली-योग: आम जनता | 9911 | 10785 |
| त्राटक क्रिया: आंतरिक रोगियों के लिए योग सत्र | 260 | 2356 |

| नए मरीज़ों के लिए विशेष प्रक्रियाएँ | नए मरीज़ | |
|---|---|---|
| | 2021-22 | 2022-23 |
| अभ्यंग+ स्वेदा (चिकित्सीय मालिश और औषधीय भाप) | 694 | 1753 |
| नस्य (नाक से टपकाना) | 395 | 959 |
| बस्ती (औषधीय एनीमा) | 1280 | 2918 |
| पिंड स्वेद (पोल्टिस – फुल बॉडी + स्थानीय) | 1090 | 1980 |
| धूपन / क्षीरधूम (औषधीय धुएं का साँस लेना) | 159 | 361 |
| धारा (शरीर पर औषधीय तेल/तरल पदार्थ डालना) | 481 | 838 |
| शिरो धारा (सिर पर औषधीय तेल/तरल पदार्थ डालना) | 233 | 539 |
| वामन (चिकित्सकीय रूप से प्रेरित वमन) | 04 | 15 |
| बाहरी बस्ती (तेल प्रतिधारण चिकित्सा) | 399 | 1168 |
| उदवर्तन (पाउडर मसाज) | 328 | 824 |
| विरेचन (चिकित्सकीय रूप से प्रेरित विरेचन) | 59 | 165 |
| शिरोपिचु/तालम/लेपा/ प्रतिसारना (चिकित्सा का बाह्य अनुप्रयोग) | 233 | 935 |

# VII: अन्य सेवाएं

## एपॅडमॉलोजी

एपॅडमॉलोजी विभाग निम्हान्स में वृद्धावस्था क्लिनिक संचालन में इनपुट प्रदान करता है। यह सिरदर्द विकारों के लिए एक विशेष क्लिनिक संचालित करने में न्यूरोलॉजी विभाग के साथ भी सक्रिय रूप से सहयोग करता है।

## मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा

**मरीजों और देखभाल करने वालों के लिए संसाधन केंद्र:** निम्हान्स आरोग्य जागृति केंद्र, ओपीडी में आने वाले मरीजों और देखभाल करने वालों के लिए एक संसाधन केंद्र, 2021 में स्थापित किया गया था। जागरूकता स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। केंद्र मरीजों, देखभाल करने वालों, स्वयंसेवकों और आम जनता को उचित जानकारी और उपकरणों के साथ सशक्त बनाना चाहता है ताकि वे उपचार, देखभाल और सहायता पर सूचित निर्णय ले सकें। ओपीडी ब्लॉक के भूतल (जी 5) पर स्थित यह केंद्र सप्ताह के दिनों में (बंद छुट्टियों को छोड़कर) खुला रहता है। केंद्र ने मनोचिकित्सा, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभागों के सहयोग से मानसिक शिक्षा विभाग द्वारा विकसित मानसिक, न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोसर्जिकल विकारों पर जागरूकता पैदा करने के लिए पोस्टर, ब्रोशर, मैनुअल जैसी स्वास्थ्य शैक्षिक सामग्रियों की एक विस्तृत सीरीज़ प्रदर्शित की।

2022-23 के दौरान, कुल 4306 रोगियों और देखभाल करने वालों ने केंद्र का दौरा किया और उपलब्ध सूचना स्रोतों का उपयोग किया।

**डिजिटल डिस्प्ले:** ओपीडी और कैजुअल्टी में एक अनुकूलन योग्य डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम स्थापित किया गया है। इस प्रणाली को LAN (लोकल एरिया नेटवर्क) से जुड़े कंप्यूटर के माध्यम से ग्राहकों की विशिष्ट सामग्री आवश्यकता के लिए प्रोग्राम किया गया है और अस्पताल के आँकड़े, रोगी की संख्या, बिस्तरों की उपलब्धता, प्रयोगशाला शुल्क आदि जैसे वास्तविक समय डेटा प्रदर्शित किए जाते हैं। विभिन्न बाह्य रोगी प्रतीक्षा कक्षों में प्रदर्शन सामग्री को रोगियों और देखभाल करने वालों की आवश्यकता के अनुसार अनुकूल किया गया है।

**फ़ोटोग्राफ़िक और वीडियो सेवाएँ:** समीक्षा अवधि के दौरान फ़ोटोग्राफ़िक और वीडियो अनुरोध लगातार बेहतर की ओर बने रहे। न्यूरोसर्जरी, मनोचिकित्सा और न्यूरोलॉजी विभागों से डिजिटल स्टिल फोटोग्राफी के लिए 479 अनुरोधों में से कुल 56137 डिजिटल इमेजस ली गईं। संस्थान के कार्यों और विभिन्न अन्य गतिविधियों की कुल 48453 डिजिटल इमेजस ली गईं। 19 विस्तृत नैदानिक मामलों, 53 प्रशिक्षण कार्यक्रमों और 50 व्यापक दस्तावेज़ीकरण सत्रों के वीडियो रिकॉर्ड किए गए।

**पोस्टर, ब्रोशर, ग्राफिक्स और चित्र:** कलाकृतियों/ग्राफिक डिजाइन में कार्यों और सेवाओं की विविधता और मात्रा में काफी वृद्धि हुई है। कलाकारों ने अपने कौशल को निखारा है और तेजी से जटिल उत्पादों का उत्पादन शुरू किया है। जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य, प्रबंधन और चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, मल्टीपल स्केलेरोसिस में थकान प्रबंधन, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक घटनाओं और आपात स्थितियों के लिए तत्काल देखभाल, युवाओं में सिर की चोट की रोकथाम और संकट प्रबंधन पर पोस्टर, बैनर ब्रोशर और अन्य आईईसी सामग्री। आदि को समीक्षा अवधि के दौरान सामने लाया गया।

| विवरण | संख्याएँ |
|---|---|
| पोस्टर/फ़्लायर्स | 30 |
| ब्रोशर, मैनुअल और पुस्तक कवर पृष्ठ | 25 |
| तस्वीरें/क्लिपार्ट संपादन | 339 |
| कलाकृतियाँ/चित्रण | 266 |
| बैनर | 24 |
| प्रमाणपत्र | 385 |

विभाग 10 अक्टूबर 2022 को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई टेली-मानस सेवाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। उद्देश्यों को बताने को संक्षिप्त और आकर्षक तरीके से 40 सेकंड की अवधि के दो लघु वीडियो कार्यक्रम सफलतापूर्वक तैयार किए गए थे।

वीडियो और अन्य आईईसी सामग्री तैयार करने में विभाग के प्रयास महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के बड़े लक्ष्य के अनुरूप हैं। इन सामग्रियों को सोशल मीडिया, सरकारी वेबसाइटों और स्वास्थ्य-संबंधित प्लेटफार्मों सहित कई चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया जाता है।

# मानसिक स्वास्थ्य मेला

# मानव संसाधन विकास

## स्नातकों की सूची

### I. डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी): 48

**बायोफिज़िक्स: 2**

| | |
|---|---|
| सुश्री. श्रुति उन्नी | नई दिल्ली |
| सुश्री. प्रादन्या गुलशन शाहनी | कर्नाटक |

**जैवसांख्यिकी: 1**

| | |
|---|---|
| श्री. सुमित कुमार दास | पश्चिम बंगाल |

**क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज: 4**

| | |
|---|---|
| डॉ. श्वेता प्रसाद | कर्नाटक |
| डॉ. जीके भार्गव | जमशुदपुर |
| डॉ. थातिकोंडा नव्या स्फूर्ति | आंध्र प्रदेश |
| डॉ. सैयद फारूक अली | आंध्र प्रदेश |

**नैदानिक मनोविज्ञान: 12**

| | |
|---|---|
| सुश्री. अमृता बिस्वास | कोलकाता |
| श्री. मोहम्मद अफसर | उत्तर प्रदेश |
| सुश्री. मीताली देवगन | केरल |
| सुश्री. तान्या आनंद | राजस्थान |
| सुश्री. प्रतिष्ठा पेटवाल | उत्तराखंड |
| सुश्री. जैस्मीन पसरीचा | पंजाब |
| सुश्री. पूर्णिमा बनाम | तमिलनाडु |
| श्री. मोहित गोठवाल | राजस्थान |
| सुश्री. अपूर्व श्रीवास्तव | मध्य प्रदेश |
| सुश्री. महक सिकंद | उत्तर प्रदेश |
| सुश्री. वैशाली एस | तमिलनाडु |
| सुश्री. कनिका मेहरोत्रा | दिल्ली |

**क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री. बिदिशा भादुड़ी | पश्चिम बंगाल |

**मानव आनुवंशिकी: 2**

| | |
|---|---|
| श्री. देबप्रसाद दत्ता | पश्चिम बंगाल |
| श्री. नरेनकुमार एम | तमिलनाडु |

**मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री. अमृता रॉय | पश्चिम बंगाल |

**न्यूरोकैमिस्ट्री: 1**

| | |
|---|---|
| श्री. सुंदरवडिवेल पी | पुदुचेरी |

**न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री प्रियंका वाकोडे | महाराष्ट्र |

**न्यूरोपैथोलॉजी: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री यारलागड्डा अनुषा | आंध्र प्रदेश |

**न्यूरोफिज़ियोलॉजी: 3**

| | |
|---|---|
| डॉ. यूडी कुमारेसन | तमिलनाडु |
| सुश्री कला पी नायर | तमिलनाडु |
| श्री बी ससी भूषणा रेड्डी | आंध्र प्रदेश |

**न्यूरोवायरोलॉजी: 1**

| | |
|---|---|
| श्रीमती रिशा रशीद | तमिलनाडु |

**नर्सिंग: 3**

| | |
|---|---|
| श्रीमती. आर राजलक्ष्मी | कर्नाटक |
| श्रीमती. सुगवनासेल्वी के | कर्नाटक |
| सुश्री. कृतिदीपा मोहंती | ओडिशा |

**मनोरोग सामाजिक कार्य: 10**

| | |
|---|---|
| श्री. मंजूनाथ एस | कर्नाटक |
| श्री. लिथिन जकारियास | कर्नाटक |
| श्रीमती. भुवनेश्वरी बी | नई दिल्ली |
| सुश्री .आकांक्षा रानी | नई दिल्ली |
| श्रीमती. चैत्रा | कर्नाटक |
| सुश्री .प्रियंका पवित्रन नांबियार | केरल |
| सुश्री. दाहुनलिने शायला | मेघालय |
| श्री. प्रदीपकुमार पीसी | कर्नाटक |
| श्री. राजमणिकंदन एस | तमिलनाडु |
| सुश्री. शांगमी मोयन | असम |

**मनोरोग: 5**

| | |
|---|---|
| डॉ. विनोद कुमार | कर्नाटक |
| श्रीमती. सौम्या डीवी | कर्नाटक |
| डॉ. ईशा शर्मा | कर्नाटक |
| डॉ. जयसूर्या टीएस | केरल |
| डॉ. सौम्या एस | कर्नाटक |

## II पोस्ट-डॉक्टोरल फ़ेलोशिप: 30

डॉ. अनुष रंगराजन एस, स्ट्रोक
डॉ. वामसी चलसानी, न्यूरोपैथी
डॉ. सिंधु डीएम, मिर्गी
डॉ. उषा हम्बी, मिर्गी
डॉ. वर्निथा एमएस, न्यूरोएनेस्थीसिया
डॉ. संध्या रानी एसवी, न्यूरोएनेस्थीसिया
डॉ. निशांत बीएस, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन
डॉ. कामाक्षी धमीजा, सीएनएस डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर
डॉ. एबेल थॉमस ओम्मन, न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर
डॉ. दीप्ति भास्कर, न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर
डॉ. कोडुरु श्रीदेवी, न्यूरोपैथोलॉजी
डॉ. हेमा एवी, न्यूरोपैथोलॉजी
डॉ. आकाश पी, सिज़ोफ्रेनिया में क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज और थेरेप्यूटिक्स
डॉ. प्रकृति एसएन, व्यसन चिकित्सा
डॉ. अमित कुमार, न्यूरोसाइकिएट्री
डॉ. गौरव संन्यासी, न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन
डॉ. अनुराग रंगा, न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन
डॉ. प्रथम दुआ, बाल एवं किशोर मनोरोग
डॉ. प्रवीण शर्मा पी, मूवमेंट डिसऑर्डर
डॉ. संदीप गुर्रम, मूवमेंट डिसऑर्डर
डॉ. राहुल पटवाल, परामर्श संपर्क मनोरोग
डॉ. पंकज महल, फोरेंसिक मनोरोग
डॉ. ऐश्वर्या सचदेवा, जुनूनी बाध्यकारी विकार और संबंधित विकार
डॉ. सिखा आदिल, तीव्र देखभाल एवं आपातकालीन मनोरोग
डॉ. हर्षिता एचए, सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य
डॉ. वर्शिता टी, वृद्धावस्था मनोरोग
डॉ. आना शौनक शाह, महिला मानसिक स्वास्थ्य
डॉ. वर्षा कारंत बिंदूर, एकीकृत मनोरोग
डॉ. संतोष सी, एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान
डॉ. अक्षता उप्पर, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण

## III. डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम): 37

### न्यूरोलॉजी: 20

| | |
|---|---|
| डॉ. मनीषा गुप्ता | उत्तर प्रदेश |
| डॉ श्रेयशी झा | पश्चिम बंगाल |
| डॉ. येलामांची रामचन्द्र प्रसाद | तेलंगाना |
| डॉ. निबू वर्गीस | केरल |
| डॉ. रविन्दु | बिहार |
| डॉ. भास्कर संजयसिंह लालजीवन | उत्तर प्रदेश |
| डॉ. अलापति संध्या | महाराष्ट्र |
| डॉ. श्रीराम रामलक्ष्मी निहारिका | आंध्र प्रदेश |
| डॉ. पटेल विशाल गणेशभाई | गुजरात |
| डॉ. किरण जॉर्ज कोशी | केरल |
| डॉ. अंसारी मोहम्मद फरहान मोहम्मद अली हुसैन | महाराष्ट्र |
| डॉ. शरथ अडिगा एम | कर्नाटक |
| डॉ. निखिलेश प्रधान | ओडिशा |
| डॉ. अरुण गोकुल पोन | तमिलनाडु |
| डॉ. मनु एसजी | केरल |
| डॉ. देबयान दत्ता | पश्चिम बंगाल |
| डॉ. बोरसे पारस रोहिदास | महाराष्ट्र |
| डॉ दीपक कुमार | बिहार |
| डॉ. जयन्त एसएस | कर्नाटक |
| डॉ अविनाश कुमार | बिहार |

### न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर: 5

| | |
|---|---|
| डॉ. श्यामला एन | कर्नाटक |
| डॉ. कुणाल कुमार | हिमाचल प्रदेश |
| डॉ. मौलेश्वरन एस | तमिलनाडु |
| डॉ. बालाजी वी | तमिलनाडु |
| डॉ. के प्रमोद | कर्नाटक |

### न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी: 4

| | |
|---|---|
| डॉ. अभिषेक कोटवाल | मध्य प्रदेश |
| डॉ. शर्मा दिनेश | अरुण महाराष्ट्र |
| डॉ. वी श्रीहरिष | आंध्र प्रदेश |
| डॉ. प्रियंका प्रियदर्शिनी बैश्या | असम |

### न्यूरोपैथोलॉजी: 1

| | |
|---|---|
| डॉ. नुफिना टीए | तमिलनाडु |

### वृद्धावस्था मनोरोग: 1

| | |
|---|---|
| डॉ. थॉमस ग्रेगोर इसाक | केरल |

### व्यसन मनोरोग: 2

| | |
|---|---|
| डॉ. घाडीगांवकर दीपक शांताराम | महाराष्ट्र |
| डॉ. सुधीन्द्र हुद्दार | कर्नाटक |

### बाल एवं किशोर मनोरोग: 4

| | |
|---|---|
| डॉ. हर्षिनी एम | तमिलनाडु |
| डॉ. अमृतवर्षिनी आर | कर्नाटक |
| डॉ.पुनीत खन्ना | महाराष्ट्र |
| डॉ. अमित झा | नेपाल |

## IV. न्यूरोसर्जरी में एमसीएच: 10

| | |
|---|---|
| डॉ. मधुसूदन एन | कर्नाटक |
| डॉ. पटेल कौटिल्य राजेंद्रकुमार | गुजरात |
| डॉ. सचिन जोस पुलिकल | केरल |
| डॉ. मोहम्मद नदीम | कर्नाटक |
| डॉ. पुलकित पुरोहित बी | गुजरात |
| डॉ अभय सिकारिया | असम |
| डॉ. फड़तरे चिन्मय विलास | महाराष्ट्र |
| डॉ. परमार निसर्ग महेशकुमार | गुजरात |
| डॉ. सत्तार खान, एम | कर्नाटक |
| डॉ. दिग विजय सिंह ठाकुर | हिमाचल प्रदेश |

## V. एमडी (मनोरोग): 32

| | |
|---|---|
| डॉ. लक्ष्मी जे | केरल |
| डॉ. नीरज एच | केरल |
| डॉ. चंदना अतीव सुधीर | गुजरात |
| डॉ. मोहम्मद अरशद ईसी | केरल |
| डॉ. संदीप सूर्यनारायणन | केरल |
| डॉ. शेरिंग ल्हामू | सिक्किम |
| डॉ. प्रतिभा विनोद | कर्नाटक |
| डॉ. श्रीधर उटागी | कर्नाटक |
| डॉ.वसुंधरा तेवतिया | कर्नाटक |
| डॉ. एस विशालाक्षी | दिल्ली |
| डॉ. हरकिशन गुरुमुख ममतानी | महाराष्ट्र |
| डॉ. फुरैलात्पम शिवराज शर्मा | मणिपुर |
| डॉ. सिमरन अरोड़ा | पंजाब |
| डॉ. मालविका नागपाल | दिल्ली |
| डॉ. बिन्दु सागर एमएन | कर्नाटक |
| डॉ. जोआना फिलिप | केरल |
| डॉ. क्रिस्टोफर पीटर | उत्तर प्रदेश |
| डॉ. आकांक्षा अग्रवाल | उत्तर प्रदेश |
| डॉ. माधवी पुरी | हरियाणा |
| डॉ. भवानी शंकर कुमावत | राजस्थान |
| डॉ. यादव स्वप्निल ओमप्रकाश | उत्तर प्रदेश |
| डॉ. ऐश्वर्या झा | कर्नाटक |
| डॉ. गोकिला रानी | तमिलनाडु |
| डॉ. वर्षा एस | कर्नाटक |
| डॉ. महालक्ष्मी | कर्नाटक |
| डॉ. शिवानी एस | कर्नाटक |
| डॉ. सिद्धार्थ बंगारी | उत्तराखंड |
| डॉ. अंकित शर्मा | छत्तीसगढ़ |
| डॉ. अभिषेक कुमार शर्मा | दिल्ली |
| डॉ. निहारिका सिंह | बिहार |
| डॉ. रेखा कल्याणी झस्ती | आंध्र प्रदेश |
| डॉ. रंजीता आर | कर्नाटक |

## VI. मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच): 8

| | |
|---|---|
| डॉ. शुभी नेमा | मध्य प्रदेश |
| डॉ. वैशाली | दिल्ली |
| डॉ. अजय कृष्ण अडुसुमिल्ली | आंध्र प्रदेश |
| डॉ. प्रियांशु सोनकर | दिल्ली |
| डॉ. सोनिया टी | केरल |
| डॉ. नव्या एस | कर्नाटक |
| डॉ. सोनाली शर्मा | दिल्ली |
| डॉ. उपासना मेधी | असम |

### VI. फ़ेलोशिप: 11

**मनोरोग पुनर्वास: 2**

| | |
|---|---|
| डॉ. मदन आर | कर्नाटक' |
| डॉ. दीपा पीएस | केरल |

**वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य देखभाल: 1**

| | |
|---|---|
| श्री.जैनब जुबेर पानवाला | गुजरात |

**बुजुर्गों के लिए मनोसामाजिक देखभाल: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री. आकांक्षा सिंह राघव | राजस्थान |

**क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी: 1**

| | |
|---|---|
| सुश्री. ए अथिली | मणिपुर |

**आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक सहायता: 4**

| | |
|---|---|
| श्री. हनोक | कर्नाटक |
| श्री .सोनू पी राजू | केरल |
| श्री. इरियन जॉनसन | केरल |
| सुश्री. क्रिस्टेला सौम्या बनाम | तमिलनाडु |

**मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा: 2**

| | |
|---|---|
| श्री. हर्ष बैद | असम |
| श्री. राजीव जयराम पलेरी | केरल |

## VIII. मास्टर ऑफ फिलॉसफी (एमफिल): 62

**बायोफिज़िक्स: 2**

| | |
|---|---|
| श्री. प्रशांत वशिष्ठ एन | कर्नाटक |
| श्री. चंद्रहासन के | तमिलनाडु |

**न्यूरोफिज़ियोलॉजी: 2**

| | |
|---|---|
| श्री. तमिल सेल्वन एम | तमिलनाडु |
| सुश्री. संदीपना चक्रवर्ती | त्रिपुरा |

**नैदानिक मनोविज्ञान: 27**

| | |
|---|---|
| सुश्री. मेघा गुप्ता | उत्तर प्रदेश |
| सुश्री. समृद्धि पहलवान | दिल्ली |
| सुश्री. हरिकृपा श्रीधर | कर्नाटक |
| सुश्री. हेबालकर अदिति रवीन्द्र | महाराष्ट्र |
| सुश्री. मेघना आचार | कर्नाटक |
| सुश्री. गोपिका सुरेश | केरल |
| सुश्री. अरुशी वाही | उत्तर प्रदेश |
| सुश्री. चिन्मयी जे | कर्नाटक |
| सुश्री. अर्चना गुप्ता | राजस्थान |
| श्री. प्रतीक शर्मा | मध्य प्रदेश |
| सुश्री. दीक्षा दुगर | दिल्ली |
| श्री. जॉर्ज फेलिक्स | उत्तर प्रदेश |
| सुश्री. मुस्कान जैन | मध्य प्रदेश |
| सुश्री. रिसाना कलाथिंगल | केरल |
| श्री .सायंतन सरकार | पश्चिम बंगाल |
| सुश्री. सिंधुरा लक्ष्मीकांत | कर्नाटक |
| सुश्री. थस्लीमा नाज़रीन | केरल |
| सुश्री. अंजू एस नायर | केरल |
| सुश्री. सैयद यासीन अहमद | तेलंगाना |
| सुश्री. चारुमथी एल | तमिलनाडु |
| सुश्री. मिरियम वीनू कोशी | कर्नाटक |

| | |
|---|---|
| श्री. अरुण एस | तमिलनाडु |
| सुश्री. अथुल्या एस नायर | केरल |
| सुश्री. स्टैनज़िन डोल्मा | जम्मू एवं कश्मीर |
| सुश्री. प्रियंका मरावी | मध्य प्रदेश |
| सुश्री. चिप्पी जॉय | केरल |
| सुश्री. पूजा बिस्ता | दिल्ली |

**मनोरोग सामाजिक कार्य: 31**

| | |
|---|---|
| श्री. सतीश कुमार आर | कर्नाटक |
| श्री. सिनू जेसिन टी | केरल |
| सुश्री. सरन्या जे | तमिलनाडु |
| सुश्री. जोथिशा सी | केरल |
| श्री .अरुण के जोसेफ | केरल |
| सुश्री .गंगुत्री गोगोई | असम |
| सुश्री. एनमेरी टॉम | केरल |
| सुश्री. रितिका त्रिपाठी | मध्य प्रदेश |
| सुश्री. जोना जॉय | केरल |
| सुश्री. जेसलेट टी मथाई | केरल |
| सुश्री. रोज़लीन प्रमिला एस | कर्नाटक |
| सुश्री .मैरिटा के पॉल | केरल |
| सुश्री. सुनु मेरला सीजे | तमिलनाडु |
| सुश्री. प्रिंसी के | केरल |
| सुश्री. रिया जोसेफ | केरल |
| सुश्री. अथिरा केवी | केरल |
| सुश्री. प्रेरणा बाघवार | असम |
| सुश्री. काव्या कुमार के | केरल |
| सुश्री. कैलाश गंगा | ओडिशा |
| सुश्री. पल्लवी मेच | असम |
| सुश्री. मंजूषा पीए | केरल |
| सुश्री .अपूर्वा एमएसके | तमिलनाडु |
| श्री. सूर्या एस | केरल |
| सुश्री. कीर्तिका आर | तमिलनाडु |
| सुश्री. पलाकोडेती हेमा | तेलंगाना |
| सुश्री. बिजॉय कुरियाकोस | केरल |
| सुश्री.फातिमा शिबिन सी | केरल |
| श्री. जेवियर बी | कर्नाटक |
| श्री. वरुणेश वी | केरल |
| श्री. हिबिन अब्राहम के | केरल |
| श्री. अंसूर फारूक खान | जम्मू एवं कश्मीर |

## IX. मनोरोग नर्सिंग में एमएससी : 7

| | |
|---|---|
| सुश्री. कृति छेत्री | असम |
| सुश्री. ज्योति गोगोई | असम |
| सुश्री. गीतू केआर | केरल |
| सुश्री. पद्मावती जे | तमिलनाडु |
| सुश्री. दीपा जोस | कर्नाटक |
| सुश्री. सुकन्या एस | कर्नाटक |
| श्री. सिजेश जॉर्ज | केरल |

# पूर्व स्नातक की डिग्रीयाँ

## I. नर्सिंग में बीएससी: 76

| | |
|---|---|
| सुश्री. एंफ़ी सेबेस्टियन | केरल |
| सुश्री. अलवीना सिबी | केरल |
| श्री. मेरिन थॉमस | केरल |
| सुश्री. रेसमिन थ्रेसिया जोस | केरल |
| सुश्री. सुज़ाना सारा अनिल | केरल |
| सुश्री. जिफी मैनुअल | केरल |
| सुश्री. सिल्वा पी साजी | केरल |
| श्री. अर्जुन के | केरल |
| सुश्री. रोज़ मारिया जॉनसन | कर्नाटक |
| सुश्री. जलीना सिबी | केरल |
| सुश्री. जोसमी जोसेफ | कर्नाटक |
| सुश्री. ट्रीसा ऑगस्टीन | कर्नाटक |
| सुश्री. जोसमे जेम्स | केरल |
| सुश्री. सिल्जा बीजू | केरल |
| सुश्री. रिया जिजियाचन | केरल |
| सुश्री. इयदा सुनील | केरल |
| सुश्री. स्तुथ्या एस्परांजा मनोनिधि | कर्नाटक |
| सुश्री. मेल्विन मेनन | कर्नाटक |
| श्री. शालत साबू | केरल |
| सुश्री .थेजस्विनी बीएस | कर्नाटक |
| सुश्री. एन मैरी सिबी | केरल |
| सुश्री. स्नेहा सेबेस्टियन | केरल |
| सुश्री. अलीना जॉनी | केरल |
| सुश्री. दीया मधु | केरल |
| सुश्री. अनु जैकब | केरल |
| सुश्री. वी.एस. पार्वती | केरल |
| सुश्री. संधरा शाजू | केरल |
| सुश्री. अमृता सेबेस्टियन | केरल |
| श्री. मेल्बी मैथ्यू | केरल |
| सुश्री. एंजेलिना फिलिप | केरल |
| सुश्री .अंसा एंटनी | केरल |
| सुश्री. टीशा मारिया टॉम्स | केरल |
| सुश्री. स्नेहा बेबी | कर्नाटक |
| सुश्री .जेसमी जैसन | केरल |
| श्री क्रिस्टी के शाजी | केरल |
| सुश्री एलन एबी | केरल |
| सुश्री अनास्वरा सोमन | केरल |
| सुश्री सोना साजी | केरल |
| सुश्री अनु जॉय | कर्नाटक |
| श्री. अखिल सीटी | कर्नाटक |
| सुश्री. डेल्ना जॉर्ज | केरल |
| सुश्री. जेम्सरिचर्ड ई | तमिलनाडु |
| सुश्री. जिल्स मैरी जोस | केरल |
| सुश्री. रिया अन्ना रॉय | केरल |
| सुश्री. भवधारानी एस | तमिलनाडु |

| | |
|---|---|
| सुश्री. जे ग्लैडीज़ जेनिफर मैरी | कर्नाटक |
| श्री. आशिक जोसेफ कवनट्टु | केरल |
| सुश्री. ट्रेसा जूड | केरल |
| सुश्री. कीर्तना बी | केरल |
| सुश्री. अन्ना एमिल्डा साइमन | केरल |
| सुश्री. अल्फोंस जॉर्ज | केरल |
| सुश्री. कीर्तना एम लाल | केरल |
| सुश्री. अनिता एम शाजू | कर्नाटक |
| सुश्री. सैंड्रा मोहनदास | केरल |
| सुश्री. पृथी आर | कर्नाटक |
| सुश्री. निजस एस | केरल |
| सुश्री. अनुपमा जॉर्ज | केरल |
| सुश्री. पार्वती जयराज | केरल |
| सुश्री. कृपा फ्रांसिस | केरल |
| सुश्री. रिया रॉय | केरल |
| सुश्री. थेनमोझी पी | कर्नाटक |
| सुश्री. अपर्णा शाजी | केरल |
| सुश्री. एग्नास | केरल |
| सुश्री. एन मैरी अब्राहम | केरल |
| श्री. सैयद सुहैल एस | कर्नाटक |
| सुश्री. अलाना बीजू | कर्नाटक |
| श्री. डैनी जोसेफ | केरल |
| सुश्री. आर्द्रा एंटो | केरल |
| सुश्री. अन्ना थॉमस | केरल |
| सुश्री .चिन्नू रेजी चामकलायिल | केरल |
| श्री. आकाश एचके | कर्नाटक |
| सुश्री .लक्ष्मी बोरन्नावर | कर्नाटक |
| सुश्री.अक्षया जॉन | केरल |
| सुश्री. रोज़ मैरी मैथ्यू | केरल |
| श्री. सिंधु मूर्ति | तमिलनाडु |
| श्री .कीर्ति राज | केरल |

## II. रेडियोग्राफी में बीएससी: 10

| | |
|---|---|
| श्री. अक्षय पी | केरल |
| सुश्री. दीपू डी | केरल |
| श्री. हर्ष के हर्षन | केरल |
| श्री. नितिन कुमार एमजी | कर्नाटक |
| श्री. हरिप्रसाद एमएच | कर्नाटक |
| श्री. एल्विन जॉर्ज | केरल |
| श्री. सुरजीत घोष | पश्चिम बंगाल |
| श्री. अनिक विश्वास | पश्चिम बंगाल |
| श्री. अभिरूप साहा | पश्चिम बंगाल |
| श्री. समुज्ज्वल नाग | पश्चिम बंगाल |

## III. अनेसथेसिया टेक्नोलॉजी में बीएससी: 8

| | |
|---|---|
| श्री. अर्जुन कृष्ण बनाम | केरल |
| सुश्री. अलका आर | केरल |
| सुश्री. हिना | केरल |
| सुश्री. स्नेहा साबू | कर्नाटक |
| सुश्री. अमिया जो मैथ्यू | केरल |
| सुश्री. अनिता थेरेसा जॉर्ज | केरल |
| सुश्री. आदित्य ससी | केरल |
| सुश्री. रंजनी एस | कर्नाटक |

## IV. पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग (पीबीबीएन): 40

| | |
|---|---|
| सुश्री. सीए मलार वेज़ी | कर्नाटक |
| सुश्री. शशिकला बी | कर्नाटक |
| सुश्री. सोभा केके | कर्नाटक |
| सुश्री. राजेश्वरी पी | कर्नाटक |
| सुश्री. लक्ष्मीदेवी जी | कर्नाटक |
| सुश्री. अनुसूया बाई आर | कर्नाटक |
| सुश्री. मैरी मैगिलिन पीयू | कर्नाटक |
| सुश्री. सुजाता एस | कर्नाटक |
| सुश्री. ग्रेसी लोबो | कर्नाटक |
| सुश्री. जेसिमा जलारमथी सीआर | कर्नाटक |
| सुश्री. जयश्री के शेट्टी | कर्नाटक |
| सुश्री. नागालंबिका एसएल | कर्नाटक |
| सुश्री. पूर्णिमा वीबी | कर्नाटक |
| सुश्री. शंकरम्मा के | कर्नाटक |
| सुश्री. आशा सुलेखा | कर्नाटक |
| सुश्री. एंसी ओमन पी | कर्नाटक |
| सुश्री. पी मारिया अरुल सेल्वी | कर्नाटक |
| सुश्री. के मुरुगेश्वरी | कर्नाटक |
| सुश्री. लता एन | कर्नाटक |
| सुश्री. सी.वी. विजयलक्ष्मी | कर्नाटक |
| सुश्री. लक्ष्मी देवी एम | कर्नाटक |
| सुश्री. एन भाग्य | कर्नाटक |
| सुश्री. विशालाक्षमी पी | कर्नाटक |
| सुश्री. नागरत्नम्मा एस | कर्नाटक |
| सुश्री. शैलजा के | कर्नाटक |
| सुश्री. भानुरेखा के | कर्नाटक |
| सुश्री. पूर्णिमा गोपाल शेट्टी | कर्नाटक |
| सुश्री. वीरमणि एस | कर्नाटक |
| सुश्री. ललिता एच | कर्नाटक |
| सुश्री. बी वसंता | कर्नाटक |
| सुश्री. जे विजया | कर्नाटक |
| सुश्री. शांति रामजेयम | कर्नाटक |
| सुश्री. मल्लिका टीके | कर्नाटक |
| सुश्री. बीनामोल केएस | कर्नाटक |
| सुश्री. बर्नादम्मा आर | कर्नाटक |
| सुश्री. जूलियट एसआर | कर्नाटक |
| सुश्री. अनिता शांतराज | कर्नाटक |
| सुश्री. मोहिनी एम नाइक | कर्नाटक |
| सुश्री. गौरी नारायणन | कर्नाटक |
| सुश्री. थिलागावती एम | कर्नाटक |

### V. मनोरोग/मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग में पोस्ट-बेसिक डिप्लोमा (डीपीएन): 44

| | |
|---|---|
| सुश्री. सुमी पीएस | केरल |
| सुश्री. सरस्वती आर | कर्नाटक |
| सुश्री. तमिज़िनी आर | कर्नाटक |
| सुश्री. थेरेसा पुट्टमरियप्पा | कर्नाटक |
| सुश्री. एम्पिली एस | कर्नाटक |
| सुश्री. रूबी क्रिस्टीना जे | कर्नाटक |
| सुश्री. निर्मला प्रभु | कर्नाटक |
| सुश्री. मंजुला मंजप्पन | कर्नाटक |
| सुश्री. एम सेल्वी | कर्नाटक |
| सुश्री. जयंती एम शेट्टीगर | कर्नाटक |
| सुश्री. नागज्योति एस | कर्नाटक |
| सुश्री. हरिनाक्षी | कर्नाटक |
| श्री. मल्लिकार्जुन बीके | कर्नाटक |
| सुश्री. जीजामोल एमटी | कर्नाटक |
| श्री. दिलशाद एच | कर्नाटक |
| सुश्री. शांताकुमारी सी | कर्नाटक |
| श्री. कुमार मूर्ति बीके | कर्नाटक |
| श्री. शिट्टी के फिलिप | कर्नाटक |
| सुश्री. इंदिरा रमण बाबू | कर्नाटक |
| सुश्री. बेबी रोज़ | कर्नाटक |
| सुश्री. सी मुरुगेश्वरी | कर्नाटक |
| सुश्री. ए. भुवनेश्वरी | कर्नाटक |
| सुश्री. हेमवती एमएन | कर्नाटक |
| सुश्री. पी धनलक्ष्मी | कर्नाटक |
| सुश्री. आर भाग्य | कर्नाटक |
| सुश्री. श्रीकला केएस | कर्नाटक |
| सुश्री. वीणा एचएस | कर्नाटक |
| सुश्री. जॉली एम जॉन | कर्नाटक |
| सुश्री. रेजी थॉमस टी | कर्नाटक |
| सुश्री. धनलक्ष्मी आर | कर्नाटक |
| सुश्री. वरमहालक्ष्मी वाईएस | कर्नाटक |
| सुश्री. वसंती एन | कर्नाटक |
| सुश्री. अनुसूया के | कर्नाटक |
| सुश्री. सुगंती टी | कर्नाटक |
| सुश्री. टी परिमला देवी | कर्नाटक |
| सुश्री. वी जयलक्ष्मी | कर्नाटक |
| सुश्री. स्मिता गोपाल | कर्नाटक |
| सुश्री. कनिमोझी के | कर्नाटक |
| सुश्री. महालक्ष्मी डी | कर्नाटक |
| श्री. रॉयलेन तिग्गा | कर्नाटक |
| सुश्री. मंगलागौरी एचटी | कर्नाटक |
| सुश्री. विजयलक्ष्मी | कर्नाटक |
| सुश्री. नागरत्ना एसई | कर्नाटक |
| सुश्री. ममता पीवी | कर्नाटक |

### VI. पोस्ट-बेसिक डिप्लोमा इन न्यूरो नर्सिंग (डीएनएन): 9

| | |
|---|---|
| सुश्री. गायत्री बी | कर्नाटक |
| सुश्री. टैनी थम्पी | केरल |
| सुश्री. जया एम | कर्नाटक |
| सुश्री. कलाईवानी एन | कर्नाटक |
| सुश्री. जॉबी केजे | कर्नाटक |
| श्री. सथी के | कर्नाटक |
| सुश्री. भारती डी | कर्नाटक |
| श्री. श्रीधर बीआर | कर्नाटक |
| सुश्री. सुधा पी | कर्नाटक |

### VII. न्यूरोपैथोलॉजी टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स: 1

| | |
|---|---|
| सुश्री. हेमाश्री वी | कर्नाटक |

## शैक्षणिक कार्यक्रम

### विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश (01.04.2022 से 31.03.2023)

**चिकित्सा पाठ्यक्रम:**

| | |
|---|---|
| व्यसन मनोरोग में डीएम | 2 |
| बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा में डीएम | 2 |
| वृद्धावस्था मनोचिकित्सा में डीएम | 2 |
| न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर में डीएम | 7 |
| न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में डीएम | 4 |
| न्यूरोलॉजी में डीएम | 21 |
| न्यूरोपैथोलॉजी में डीएम | 1 |
| एम.सीएच न्यूरोसर्जरी में | 10 |
| आयुर्वेद मनोविज्ञान एवं मनसा रोग में एमडी (एमडी आयु) | 4 |
| फिजिकल मेडिसिन और रिहैबिलिटेशन में एमडी | 2 |
| मनोचिकित्सा में एमडी | 38 |
| तीव्र देखभाल और आपातकालीन मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टोरल फ़ेलोशिप | 1 |
| व्यसन चिकित्सा में पोस्टडॉक्टोरल फ़ेलोशिप | 4 |
| बाल और किशोर मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| सिज़ोफ्रेनिया में क्लिनिकल न्यूरो साइंसेज और थेरेप्यूटिक्स में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| सीएनएस डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| डायग्नोस्टिक न्यूरोइमेजिंग में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| अपस्मार में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| फोरेंसिक मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |

| | |
|---|---|
| वृद्धावस्था मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| अस्पताल संक्रमण नियंत्रण में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| एकीकृत मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| मूवमेंट डिसऑर्डर में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| न्यूरोएनेस्थीसिया में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 6 |
| न्यूरोक्रिटिकल केयर में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| न्यूरोइन्फेक्शन में पोस्टडॉक्टोरल फ़ेलोशिप | 1 |
| न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 2 |
| न्यूरोसाइकियाट्री में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| मनोरोग विकारों के गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| जुनूनी बाध्यकारी विकार और संबंधित विकारों में पोस्टडॉक्टरल फैलोशिप | 1 |
| बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| स्ट्रोक में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| टेली-मनोचिकित्सा में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप | 1 |
| सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर | 10 |
| **कुल** | **146** |

**गैर-चिकित्सा पाठ्यक्रम:**

| | |
|---|---|
| एम.फिल. क्लिनिकल साइकोलॉजी में | 32 |
| एम.फिल. मनोरोग सामाजिक कार्य में | 29 |
| एमएससी बायोस्टैटिस्टिक्स में | 4 |
| एमएससी न्यूरोसाइंस नर्सिंग में | 6 |
| एमएससी मनोरोग नर्सिंग में | 10 |
| एमएससी योग थेरेपी में (मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान) | 4 |
| क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी में फैलोशिप | 2 |
| वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग में फैलोशिप | 2 |
| मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा में फैलोशिप | 4 |
| बुजुर्गों के लिए मनोसामाजिक देखभाल में फ़ेलोशिप | 2 |
| आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक सहायता में फैलोशिप | 2 |
| बायोफिज़िक्स में पीएच.डी. | 4 |
| जैवसांख्यिकी में पीएच.डी. | 1 |
| क्लिनिकल साइकोलॉजी में पीएच.डी | 13 |
| क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी में पीएच.डी. | 1 |
| मानव आनुवंशिकी में पीएच.डी. | 3 |
| इंटीग्रेटिव मेडिसिन में पीएच.डी. | 2 |
| मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास में पीएच.डी | 2 |
| न्यूरोकैमिस्ट्री में पीएच.डी. | 2 |
| न्यूरोलॉजी में पीएच.डी | 2 |
| न्यूरोफिजियोलॉजी में पीएच.डी. | 5 |
| मनोरोग सामाजिक कार्य में पीएच.डी. | 6 |
| मनोचिकित्सा में पीएच.डी. | 4 |
| आपदा प्रबंधन मनोसामाजिक सहायता में पीएच.डी. | 3 |
| स्पीच पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी में पीएच.डी | 1 |
| न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में पीएच.डी. | 1 |
| **कुल** | **148** |

**डिग्री कोर्स:**

| | |
|---|---|
| नर्सिंग में बीएससी | 84 |
| रेडियोग्राफी में बीएससी | 8 |
| एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी में बीएससी | 9 |
| क्लिनिकल न्यूरोफिज़ियोलॉजी टेक्नोलॉजी में बीएससी | 6 |
| पोस्ट बेसिक नर्सिंग में बी.एससी. | 40 |
| **कुल** | **147** |

**डिप्लोमा पाठ्यक्रम:**

| | |
|---|---|
| मनोरोग/मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा | 45 |
| पोस्ट बेसिक डिप्लोमा में न्यूरोसाइंस नर्सिंग | 9 |
| **कुल** | **54** |

**सर्टिफिकेट कोर्स:**

| | |
|---|---|
| न्यूरोपैथोलॉजी टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स | 1 |
| **कुल योग** | **496** |

## प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण

### निम्हान्स डिजिटल अकादमी (एनडीए)

पूरे देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए चिकित्सा अधिकारियों, मनोवैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नर्सों जैसे विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निम्हान्स डिजिटल अकादमी (NDA) की स्थापना की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों को तेजी से बढ़ाना है।

एनडीए पूरे वर्ष मानसिक स्वास्थ्य में उच्च गुणवत्ता वाला डिजिटल प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है, जिसमें पाठ्यक्रम की पेशकश का विस्तार करने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अकादमी ने अपने पाठ्यक्रम की पेशकश का विस्तार किया है, अब 27 विभिन्न पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला प्रदान की जा रही है। इन पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन और हाइब्रिड दोनों प्रारूपों में डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रम शामिल हैं।

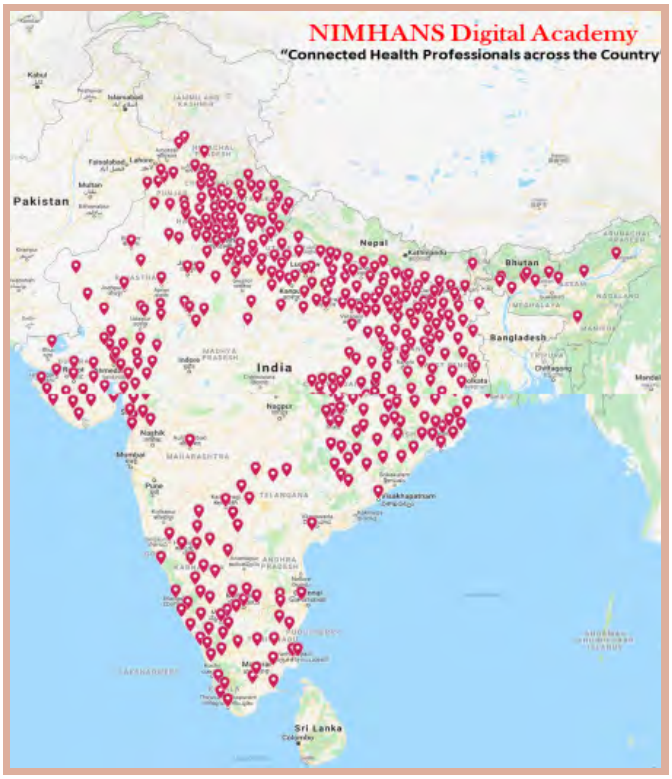


अकादमी ने अब तक 693 डॉक्टरों, 50 मनोवैज्ञानिकों, 62 सामाजिक कार्यकर्ताओं, 1686 नर्सों के साथ-साथ अन्य पेशेवरों और आम लोगों सहित कुल 6407 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है।

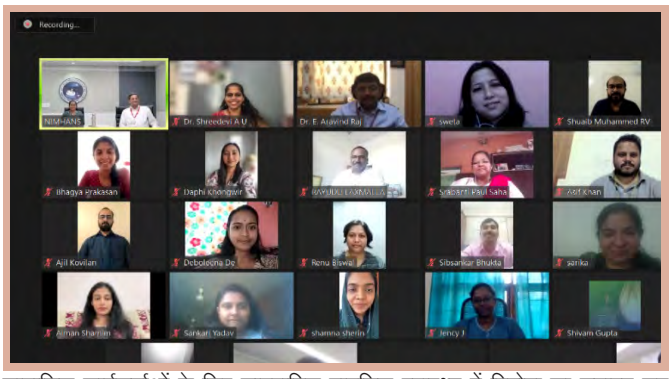

सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा का समापन सत्र (बैच 13)

समीक्षा अवधि के दौरान विभिन्न हितधारकों की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें प्रत्येक का एक बैच शामिल था: डॉक्टरों के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा, मनोवैज्ञानिकों के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा, सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा, प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स, लत चिकित्सा की मूल बातें में सर्टिफिकेट कोर्स और सर्टिफिकेट कोर्स ले काउंसलिंग में. स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की क्षमताओं को बढ़ाने और डिमेंशिया निदान और देखभाल में सुधार के प्रयास में सामान्य चिकित्सकों के लिए ईसीएचओ डिमेंशिया प्रशिक्षण के तीन बैच भी आयोजित किए गए थे।

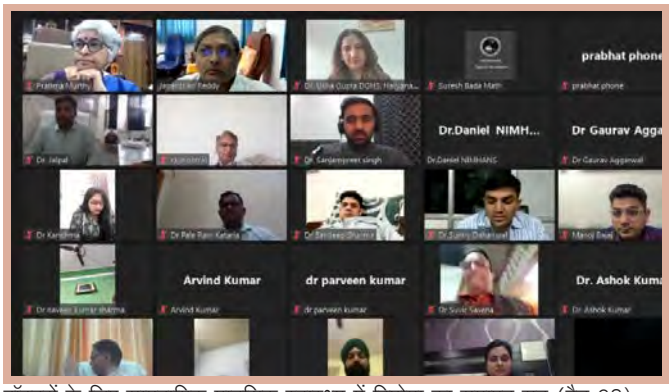

डॉक्टरों के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा का समापन सत्र (बैच 38)

इसके अलावा, एनडीए के माध्यम से कई गैर-मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिससे हमारी शैक्षिक पेशकशों में और विविधता आई है।

गोल्डमैन सैक्स ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनआईएमएचएएनएस के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है, जिसका लक्ष्य डॉक्टरों, नर्सों/सीएचओ सहित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सभी संवर्गों के राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना है। और क्षेत्र-स्तर के कार्यकर्ता। पिछले वर्ष में, निम्हान्स ने 3,487 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, और पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में 135 रोगियों को सीधे लाभ हुआ है। इसके अतिरिक्त, इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम को तेलंगाना, उत्तराखंड और झारखंड राज्यों तक विस्तारित करने की योजना है।

गोल्डमैन सैक्स टीम के साथ समीक्षा बैठक

देश भर में मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को बढ़ाने के एक ठोस प्रयास में, अकादमी ने देश भर में पाठ्यक्रम संचालित करने और मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को बढ़ाने के लिए ओडिशा डिजिटल अकादमी, एलजीबीआरआईएमएच डिजिटल अकादमी और एम्स-देवगढ़ डिजिटल अकादमी जैसे संस्थानों के साथ सहयोग किया है। एनडीए ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से अपने मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों को बढ़ाने के लिए हरियाणा और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

## टेलीमेडिसिन केंद्र

निम्हान्स टेलीमेडिसिन सेंटर एक गतिशील केंद्र है जो विभिन्न राज्यों में सहयोग करते हुए कई टेलीहेल्थ पहलों में लगा हुआ है। केंद्र विशेष क्लीनिकों में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, अनुसंधान करता है, प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है, और शैक्षणिक सत्र और वेबिनार आयोजित करता है। यह कई राष्ट्रीय परियोजनाओं का नेतृत्व करता है, टेलीमेडिसिन और स्वास्थ्य देखभाल पहुंच की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

| प्रशिक्षण गतिविधियाँ | सत्रों की संख्या | अवधि (घंटे) | प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या | लाभान्वित रोगियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम | 383 | 678:25 | 3,682 | 93076 |
| क्लिनिकल सत्र | 1548 | 660:00 | -- | 1548 |
| शैक्षणिक सत्र | 79 | 90:55 | 2007 | -- |
| अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम | 2,808 | 1361:14 | 21114 | 1730 |
| वेबिनार/सम्मेलन | 27 | 51:10 | 1692 | -- |
| **कुल** | **4845** | **2841:34** | **28,495** | **96354** |

## वर्चुअल नॉलेज नेटवर्क (वीकेएन)

एनआईएमएचएएनएस डिजिटल वर्चुअल नॉलेज नेटवर्क (वीकेएन) ईसीएचओ मॉडल का उपयोग करने वाली एक अभिनव ज्ञान-साझाकरण पहल है। निम्हान्स की विशेषज्ञ टीमों के नेतृत्व में, यह सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ आभासी सत्र की सुविधा के लिए एक हब-एंड-स्पोक नेटवर्क संरचना और मल्टीपॉइंट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग करता है। ये साप्ताहिक सत्र मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की जटिलताओं का पता लगाने के लिए केस-आधारित शिक्षा पर केंद्रित हैं। कार्यक्रम ज्ञान को प्रभावी ढंग से प्रसारित करने के लिए नैदानिक विशेषज्ञता द्वारा पूरक एल्गोरिदम और दिशानिर्देशों जैसी सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने पर जोर देता है। वीकेएन सीमित संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य सहायता अधिक सुलभ हो जाती है। यह परिणामों को ट्रैक करने और उनका आकलन करने के लिए वेब-आधारित निगरानी का भी उपयोग करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य देखभाल वितरण में निरंतर सुधार सुनिश्चित होता है।

लाइव वर्चुअल सत्र विभिन्न उपकरणों के माध्यम से सुलभ हैं, जिनमें 3जी या 4जी कनेक्टिविटी वाले स्मार्टफोन और टैबलेट शामिल हैं। टोल-फ्री नंबर पूरे देश और नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और यहां तक कि अफ्रीका जैसे पड़ोसी देशों से भागीदारी को सक्षम बनाते हैं। सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए, ये सत्र एक मोबाइल ई-लर्निंग प्रमाणन कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं, जिससे शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार, कभी भी और कहीं भी प्रासंगिक शिक्षण सामग्री और प्रश्नों तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। इस मिश्रित ऑनलाइन शिक्षण दृष्टिकोण के सफल समापन पर, निम्हान्स दूरस्थ प्राथमिक देखभाल डॉक्टरों, नर्सों, परामर्शदाताओं और अन्य चिकित्सकों सहित शिक्षार्थियों को मान्यता प्रदान करता है। यह मान्यता उन्हें अपने समुदायों के भीतर उत्कृष्ट व्यसन देखभाल प्रदान करने के लिए ज्ञान और कौशल से सुसज्जित करती है। वीकेएन ने सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने में शिक्षाविदों और स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सकों के बीच बड़ा तालमेल बनाया है।

| टेली-इको परामर्श के साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | प्रशिक्षित स्वास्थ्य प्रदाताओं द्वारा प्रभावित जीवन की संख्या |
|---|---|---|
| व्यसन प्रबंधन की मूल बातें (CCBoAM) अखिल भारतीय 2022 (जुलाई) | 115 | 8560 |
| छत्तीसगढ़ के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी | 52 | 6230 |
| व्यापक तंबाकू समाप्ति प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम - ईको | 80 | 6190 |
| स्वास्थ्य प्रदाताओं और प्रशासकों के लिए मानसिक-स्वास्थ्य में राष्ट्रीय सहायता - ईको 1.0 | 30 | - |
| **कुल** | **277** | **20980** |

# सी ए एम द्वारा विकसित ऐप्स

## एडिक्शन आरएक्स मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस)

एडिक्शन आरएक्स ऐप नशे की समस्या से जूझ रहे मरीजों को प्रभावी देखभाल प्रदान करने के लिए योग्य चिकित्सकों, मेडिकल डॉक्टरों और विशेषज्ञों (एमबीबीएस या उससे ऊपर) के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका है। "मादक द्रव्य उपयोग विकारों और व्यवहार व्यसनों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश" पुस्तक पर आधारित, यह ऐप एक व्यापक संसाधन है जो चिकित्सकों को सामान्य नशे की लत संबंधी विकारों को समझने और प्रबंधित करने में मदद करता है।

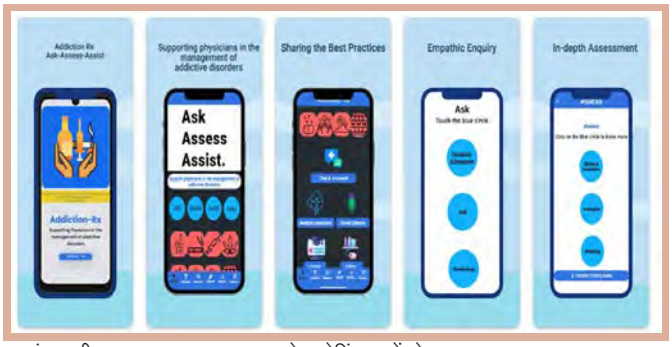


> अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1000 डाउनलोड। रेटिंग 5 में से 4.936

## निम्हान्स ईलर्न

निम्हान्स ईलर्न ऐप एक अत्याधुनिक प्लेटफ़ॉर्म है जिसे मानसिक स्वास्थ्य, न्यूरोलॉजिकल और पदार्थ उपयोग विकारों (MNS) के क्षेत्र में ज्ञान और विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह निवासियों, डॉक्टरों और प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण कार्यक्रम करने वाले व्यक्तियों के लिए विशेषज्ञ के नेतृत्व वाले पाठ्यक्रमों और मूल्यवान संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। सीएएम द्वारा विकसित, यह शिक्षण प्रबंधन समाधान एमएनएस विकारों के बारे में समझ बढ़ाने के लिए एक मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में कार्य करता है। 10 से अधिक ऑनलाइन

पाठ्यक्रम उपलब्ध होने के साथ, निम्हांस ईलर्न ऐप उपयोगकर्ताओं को क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के साथ अपडेट रहने और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सुधार में योगदान करने का अधिकार देता है। अधिक जानकारी elearn.vknnimhans.in पर

## "तंबाकू समाप्ति पर प्राइमर" ई-लर्निंग मॉड्यूल

"तंबाकू समाप्ति पर प्राइमर" ई-लर्निंग मॉड्यूल एक लचीला और स्व-गति वाला शैक्षिक संसाधन है जो तंबाकू के उपयोग को छोड़ने के बारे में ज्ञान चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए डिज़ाइन किया गया है। 24/7 सुलभ, यह शिक्षार्थियों को उनकी सुविधानुसार नामांकन करने और उनकी पसंदीदा गति से प्रगति करने की अनुमति देता है। तीन व्यापक पाठों, दस सूचनात्मक विषयों और तीन इंटरैक्टिव क्विज़ के साथ, शिक्षार्थी तंबाकू समाप्ति की संपूर्ण समझ प्राप्त कर सकते हैं। इस मूल्यवान संसाधन तक पहुंचने के लिए, व्यक्ति निम्हांस ईको ऐप या वेबसाइट https://vknnimhans.in/courses/primer-on-tobacco-cessation/ पर जा सकते हैं।

## ले काउंसलर मॉड्यूल

एनआईएमएचएएनएस की सामुदायिक मनोचिकित्सा इकाई ने आपता सलाह केंद्र के साथ साझेदारी में पिछले पांच वर्षों में 800 से अधिक सामान्य परामर्शदाताओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। इस कार्यक्रम में 13 मॉड्यूल शामिल हैं, जो एक मिश्रित दृष्टिकोण अपनाते हैं जो ऑनलाइन और ऑनसाइट प्रशिक्षण को जोड़ता है। प्रशिक्षुओं को विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का दौरा करने का अवसर मिला है, जिनमें निमहंस सेंटर फॉर वेल बीइंग, समाधान परामर्श केंद्र और स्पंदना परामर्श केंद्र शामिल हैं। बैच 11 ने हाल ही में मूल्यांकन के साथ-साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सत्र पूरे किए। अब तक प्रशिक्षित अधिकांश स्वयंसेवकों ने खुद को स्थानीय निजी स्कूलों और कॉलेजों में शामिल किया है, और स्वतंत्र परामर्शदाता के रूप में भी समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है।

## जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच)

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के भीतर उत्कृष्टता केंद्र के रूप में निम्हान्स ने एनपीसीसीएचएच कार्यान्वयन की देखरेख करने वाली नोडल एजेंसी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। संस्थान ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्य योजना, प्रशिक्षण मॉड्यूल, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), सर्वोत्तम प्रथाओं के दस्तावेज़ीकरण, निगरानी और मूल्यांकन ढांचे, और जलवायु पर ध्यान केंद्रित करने वाली सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री जैसे महत्वपूर्ण घटकों के विकास में योगदान दिया। परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव। इन आउटपुट को तकनीकी विशेषज्ञ समूह से मंजूरी मिल गई है और वर्तमान में मंत्रालय द्वारा विचाराधीन है।

## आईसीयू सेटिंग्स में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए सलाह और क्षमता निर्माण

यूएसएड राइज झपीगो, निम्हान्स के साथ साझेदारी में, आईसीयू सेटिंग्स के भीतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व कर रहा है। आईसीयू रोगियों, उनके परिवारों और इन उच्च तनाव वाले वातावरण में काम करने वाले समर्पित स्वास्थ्य पेशेवरों की जटिल मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए एक व्यापक लर्निंग रिसोर्स पैकेज (एलआरपी) तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मास्टर प्रशिक्षकों का एक नेटवर्क बनाकर, परियोजना यह सुनिश्चित करेगी कि प्रभावी मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल पूरे देश में व्यापक रूप से उपलब्ध हो।

## राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (टेली मानस)

निम्हांस को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) की एक महत्वाकांक्षी परियोजना, राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (टेली मानस) के लिए शीर्ष समन्वय केंद्र के रूप में नामित किया गया है। टेली मानस एक अभूतपूर्व पहल है जिसका उद्देश्य एक मजबूत टेली मानसिक स्वास्थ्य नेटवर्क प्रणाली के माध्यम से भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और क्षमता में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

निम्हान्स ने नवीन डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल डिजाइन करने और क्षेत्रीय समन्वय केंद्रों (आरसीसी) और सलाहकार संस्थानों (एमआई) के साथ सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है – पर्यवेक्षण सुनिश्चित करना और कड़े गुणवत्ता नियंत्रण मानकों को बनाए रखना। पिछले वर्ष में, निम्हान्स ने 1534 परामर्शदाताओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और टेली मानस परामर्शदाताओं के लिए दो ऑन-साइट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। अपनी स्थापना के बाद से, टेली मानस ने लगभग 1,00,000 कॉलों को संभालकर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जो पूरे भारत में बड़ी संख्या में व्यक्तियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन करता है।

## छत्तीसगढ़ के ग्रामीण स्वास्थ्य आयोजकों के लिए टेली-मेंटरिंग (टोरेंट)

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही सामान्य आबादी और विशेष आबादी (बच्चों/किशोरों/वृद्ध आबादी/प्रसवकालीन महिलाओं) की पहचान और रेफरल में उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ के ग्रामीण स्वास्थ्य आयोजकों के लिए एक टेली-मेंटरिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की स्क्रीनिंग, संक्षिप्त परामर्श हस्तक्षेपों को लागू करना, संपर्क, रेफरल, टेली-मेंटरिंग सेवाओं के माध्यम से निरंतर प्रबंधन और प्रशिक्षण के अलावा कलंक को कम करना शामिल है। ऑनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में बुनियादी और उन्नत दोनों अवधारणाएँ (प्रत्येक 12 सत्र) शामिल हैं।

## छत्तीसगढ़ सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल टेली-मेंटरिंग कार्यक्रम (सीएचएएमपी)

छत्तीसगढ़ सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल टेली-मेंटरिंग कार्यक्रम (सीएचएएमपी) छत्तीसगढ़ सरकार और निम्हान्स के बीच एक सहयोगी पहल है। इसका प्राथमिक उद्देश्य विशिष्ट रोगी समूहों में सामान्य मानसिक विकारों और मनोरोग स्थितियों के प्रबंधन में प्राथमिक देखभाल डॉक्टरों (चिकित्सा अधिकारियों और सहायक चिकित्सा अधिकारियों) को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्राथमिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में इस तीन महीने के प्रमाणन पाठ्यक्रम ने पिछले वर्ष में एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जिसमें 1708 डॉक्टरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है, 77 डॉक्टरों को प्रमाणित किया गया है, और 93,096 मरीज़ हैं – जिससे क्षेत्र में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान मिला है।

## वृद्धावस्था मनोरोग सेवाएँ

निम्हान्स ने स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए वृद्धावस्था सेवाओं और सहायता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की पेशकश करते हुए, वायो मनसा संजीवनी पहल शुरू की है। कार्यक्रम बुजुर्ग व्यक्तियों और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित लोगों की भलाई को बढ़ाने के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है।

कार्यक्रम स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है और मनोसामाजिक सहायता सत्र आयोजित करता है। यह छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से उबर चुके व्यक्तियों के लिए मूल्यवान स्वयंसेवी अवसर प्रदान करता है।

डिमेंशिया की बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए, कोठारी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उदारतापूर्वक समर्थित डिमेंशिया ईसीएचओ कार्यक्रम लागू किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य चिकित्सकों के बीच मनोभ्रंश का प्रभावी ढंग से निदान और प्रबंधन करने की क्षमता का निर्माण करना है।

स्वैच्छिक सहायता के माध्यम से सक्षम अल्जाइमर सहायता (अल्जाइमर सेवा) पहल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड द्वारा प्रायोजित एक सीएसआर कार्यक्रम, नाइटिंगेल्स मेडिकल ट्रस्ट और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से निम्हान्स द्वारा क्रियान्वित किया गया है। कम से कम 574 स्वयंसेवकों को अल्जाइमर मनोभ्रंश और संबंधित स्थितियों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है – जिसमें रोकथाम, शीघ्र निदान और निदान के बाद की सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 6000 से अधिक बुजुर्ग व्यक्तियों की स्मृति समस्याओं और अल्जाइमर रोग के जोखिम कारकों की जांच की गई है, जिसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस दुर्बल स्थिति के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करना है।

एनएसई फाउंडेशन के सीएसआर अनुदान के सहयोग से, निम्हान्सने तीन महीने के ऑनलाइन/हाइब्रिड प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य और मनोभ्रंश देखभाल में 188 वृद्धावस्था देखभालकर्ताओं को प्रमाणित किया है। वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य और देखभालकर्ता प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डिजिटल सामग्री भी विकसित की गई है।

बुजुर्गों की मानसिक भलाई के लिए एक समुदाय आधारित पहल 'सार्थक' को लागू करने के लिए हेल्पएज इंडिया के साथ सहयोग ।

## प्रसवकालीन मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण

निम्हान्स, यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से, नियमित प्रसूति देखभाल के भीतर प्रसवपूर्व मानसिक स्वास्थ्य और लिंग परिवर्तनकारी हस्तक्षेप को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। प्रसवपूर्व मनोचिकित्सा सेवाओं के माध्यम से, निम्हांस मानक प्रसूति देखभाल प्रथाओं में मानसिक स्वास्थ्य और लिंग–परिवर्तनकारी रणनीतियों के एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक तकनीकी भागीदार के रूप में कार्य करता है। इस पहल में वीडियो–आधारित टूल जैसे व्यापक प्रशिक्षण संसाधनों का विकास शामिल है, जिसका उद्देश्य प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, पोषण सखी, चिकित्सा अधिकारियों और डीएमएचपी मनोचिकित्सकों सहित स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमताओं को बढ़ाना है।

वर्तमान में, प्रसवकालीन टीम आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, दाइयों, चिकित्सा अधिकारियों और कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षण देने में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, तेलंगाना सरकार के साथ सक्रिय रूप से लगी हुई है। यह प्रशिक्षण प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य और लिंग परिवर्तनकारी हस्तक्षेपों पर केंद्रित है, जिसे यूनिसेफ के सहयोग से सुविधा प्रदान की गई है। इस पहल के हिस्से के रूप में, मानसिक स्वास्थ्य जांच प्रश्नों को मदर बेबी प्रोटेक्शन (एमसीपी) कार्ड में सहजता से एकीकृत किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नियमित मातृ देखभाल के भीतर प्रसवपूर्व मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है, जिससे माताओं और शिशुओं के समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलता है।

## मनोचिकित्सा में सिज़ोफ्रेनिया क्लिनिक और मेटाबोलिक क्लिनिक

प्रशिक्षण गतिविधियाँ: InSTAR कार्यक्रम शैक्षणिक मॉड्यूल चलाता है – इनस्टार एकेडमिक्स। इस क्षेत्र में विशेष कौशल के साथ जनशक्ति विकसित करने के लिए गहन और विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सिज़ोफ्रेनिया में एक पोस्ट–डॉक्टरल फ़ेलोशिप कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान, सिज़ोफ्रेनिया और संबंधित मनोविकारों में हाल की प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने वाली सीएमई/कार्यशालाएं प्रदान करने के लिए इनस्टार अपडेट्स नामक एक नई पहल शुरू की गई है।

## ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना प्रशिक्षण गतिविधियाँ:

टीएमएस प्रशिक्षण: व्यापक गैर–इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना (एनआईबीएस) सेवाओं के एक भाग के रूप में, टीएमएस प्रशिक्षण निवासी प्रशिक्षुओं, इच्छुक मनोचिकित्सकों, साथ ही, नैदानिक/अनुसंधान पर्यवेक्षकों, व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं, उपदेशात्मक व्याख्यानों के माध्यम से तंत्रिका विज्ञान के छात्रों को प्रदान किया जाता है। और चिकित्सक/रोगी शिक्षा वीडियो। हमारे पास एमडी रेजिडेंट्स, योग्य मनोचिकित्सक, बायोमेडिकल इंजीनियर और बुनियादी विज्ञान के छात्र भी हैं जो 15–30 दिनों के लिए क्लिनिकल पोस्टिंग या अनुसंधान पर्यवेक्षकों के लिए प्रयोगशाला में आते हैं। पिछले वर्ष में, हमारे टीएमएस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों से 10 ऐसे प्रशिक्षु शामिल हुए हैं।

## कमजोर परिस्थितियों और संकट में बच्चों के लिए सहायता, वकालत और मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप (संवाद)

"बाल संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक देखभाल के लिए राष्ट्रीय पहल और एकीकृत संसाधन", जिसे अब संवाद (कमजोर परिस्थितियों और संकट में बच्चों के लिए सहायता, वकालत और मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप) के रूप में जाना जाता है, महिला एवं बाल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण परियोजना है। विकास (एमओडब्ल्यूसीडी), भारत सरकार। निमहंस के बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग पर आधारित संवाद का प्राथमिक उद्देश्य बच्चों और किशोरों, विशेषकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने वाले किशोरों के मनोसामाजिक कल्याण को बढ़ाना है।

यह परियोजना मानसिक स्वास्थ्य और बाल संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। अपने दूसरे चरण में, SAMVAD ने पेशेवरों और हितधारकों के विभिन्न समूहों को लक्षित करते हुए, भारत के 29 राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम बाल संरक्षण पदाधिकारियों, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षा पेशेवरों और न्यायिक कर्मियों के लिए डिज़ाइन किए गए थे, जिसका उद्देश्य उन्हें बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और

सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। मार्च 2023 तक, SAMVAD ने कुल 511,419 कर्मियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, जो भारत में कमजोर बच्चों की समग्र भलाई और सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

### मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर सर्टिफिकेट कोर्स

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग, निम्हान्स ने देश में अपनी तरह का पहला मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य मीडिया पेशेवरों और छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को अधिक सटीकता के साथ जिम्मेदारी से कवर करने में मदद करना है, और तनावपूर्ण उद्योग में उनके मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी है। दूसरे बैच का पाठ्यक्रम 6 अगस्त 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

### न्यूरोपैथोलॉजी शिक्षण पाठ्यक्रम

न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, पैथोलॉजी और न्यूरोरेडियोलॉजी के विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए 15 दिवसीय गहन न्यूरोपैथोलॉजी शिक्षण पाठ्यक्रम वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है। वर्तमान में प्रत्येक बैच के लिए 70–75 छात्र पंजीकरण कराते हैं। कोविड 19 महामारी के दौरान, पाठ्यक्रम को वर्चुअल प्लेटफ़ॉर्म पर बदल दिया गया था। पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए वर्चुअल मोड को जारी रखने की आवश्यकता हो सकती है।

### आणविक क्लोनिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स

'आणविक क्लोनिंग' पर तीन महीने का सर्टिफिकेट कोर्स आनुवंशिकी के क्षेत्र में उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र आणविक क्लोनिंग के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और जीनोम संपादन और इसके विभिन्न अनुप्रयोगों में हाल ही में उन्नत ज्ञान भी प्राप्त करेंगे। छात्र इस विशेषज्ञता का उपयोग अनुसंधान संस्थानों, फार्मास्युटिकल और जैव प्रौद्योगिकी उद्योगों, अस्पतालों और विश्वविद्यालयों में कर सकते हैं। 3 लोगों ने पूरा किया.

### जेनेटिक डायग्नोसिस और काउंसलिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स

'जेनेटिक डायग्नोसिस एंड काउंसलिंग' पर छह महीने के सर्टिफिकेट कोर्स का उद्देश्य उन स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को प्रशिक्षण देना है जो जेनेटिक डायग्नोसिस और काउंसलिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं। यह सर्टिफिकेट कोर्स आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने और आनुवंशिकी में गहन ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आदर्श मंच होगा और इसे प्रसव पूर्व और प्रजनन प्रौद्योगिकी केंद्रों, बाल चिकित्सा क्लीनिक, कैंसर अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल क्लीनिक, विशेष क्लीनिक और विभिन्न सेटिंग्स में लोगों द्वारा लागू किया जा सकता है। अनुसंधान केंद्र. 3 लोगों ने पूरा किया ।

## निम्हान्स में अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए प्रशिक्षण

| क्र.सं. | स्ट्रीम का नाम | अभ्यर्थियों की कुल संख्या | कुल |
|---|---|---|---|
| 1 | **बायोफिजिक्स** | | 8 |
| | अल्पावधि प्रशिक्षण (प्रशिक्षु) | 4 | |
| | ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण | 1 | |
| | इंटर्नशिप | 1 | |
| | एमएससी निबंध | 2 | |
| 2 | **जैवसांख्यिकी** | | 5 |
| | एमएससी बायोस्टैटिस्टिक्स (इंटर्नशिप) | 5 | |
| 3 | **बाल एवं किशोर मनोरोग** | | 206 |
| | एमडी (मनोरोग) | 165 | |
| | एमडी (बाल रोग) | 9 | |
| | एमडी होम्योपैथी | 5 | |
| | डीएनबी (मनोरोग) | 4 | |
| | डीएनबी (बाल रोग) | 6 | |
| | एमएससी क्लिनिकल साइकोलॉजी | 3 | |
| | एमएससी क्रिमिनोलॉजी और फोरेंसिक साइंस | 1 | |
| | एमएससी संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान | 2 | |
| | डीसीएच (बाल स्वास्थ्य में डिप्लोमा) | 2 | |
| | एमडी आयुर्वेद मनोचिकित्सा | 2 | |
| | अन्य | 4 | |
| | एमएससी लाइफ साइंस | 3 | |
| 4 | **नैदानिक मनोविज्ञान** | | 110 |
| | व्यवहार चिकित्सा इकाई में प्रशिक्षण | 79 | |
| | न्यूरोसाइकोलॉजी यूनिट में प्रशिक्षण | 31 | |
| 5 | **क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी** | | 10 |
| | एसईआरबी –टीएआरई फेलो | 1 | |
| | अल्पकालिक प्रशिक्षण | 9 | |
| 6 | **महामारी विज्ञान** | | 4 |
| | युवा स्पंदना और जीवन कौशल (इंटर्नशिप) | 4 | |
| 7 | **मानव आनुवंशिकी** | | 7 |
| | एमएससी (प्रोजेक्ट ट्रेनी) | 5 | |
| | अल्पावधि प्रशिक्षु | 1 | |
| | बीटेक/इंटर्नशिप | 1 | |
| 8 | **इंटीग्रेटिव मेडिसिन** | | 18 |
| | एमडी योग | 3 | |
| | एमडी योग | 5 | |
| | एमडी प्राकृतिक चिकित्सा | 1 | |
| | एमडी मनोरोग | 1 | |
| | एमडी क्लिनिकल नेचुरोपैथी | 5 | |
| | एमएससी क्लिनिकल एवं काउंसलिंग मनोविज्ञान | 1 | |
| | बीएनवाईएस | 1 | |
| | योग चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 1 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9 | **मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा** | | **10** |
| | इंटर्नशिप | 1 | |
| | इंटर्नशिप प्रशिक्षण | 9 | |
| 10 | **न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर** | | **121** |
| | एमडी एनेस्थिसियोलॉजी | 115 | |
| | न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी में डीएम | 1 | |
| | डीएम एनेस्थिसियोलॉजी | 5 | |
| 11 | **न्यूरोकैमिस्ट्री** | | **24** |
| | एमबीबीएस | 8 | |
| | बीई | 9 | |
| | बीई एवं बीटेक | 4 | |
| | बीटेक | 1 | |
| | एमएससी | 2 | |
| 12 | **न्यूरो इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी** | | **165** |
| | एमडी रेडियोडायग्नोसिस (ऑब्जर्वरशिप) | 160 | |
| | अन्य | 5 | |
| 13 | **न्यूरोलॉजी** | | **440** |
| | एमडी | 423 | |
| | डीएनबी | 14 | |
| | डीएम | 3 | |
| 14 | **न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी** | | **63** |
| | एमएससी | 25 | |
| | बीई (जैव प्रौद्योगिकी) | 23 | |
| | बीएससी | 5 | |
| | पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग | 10 | |
| 15 | **न्यूरोपैथोलॉजी** | | **50** |
| | सहायक प्रोफेसर | 3 | |
| | रिसर्च स्कॉलर | 1 | |
| | जूनियर रिसर्च फेलो | 3 | |
| | एमडी (माइक्रोबायोलॉजी) | 1 | |
| | डीएम (पैथोलॉजी) | 2 | |
| | एमडी (पैथोलॉजी) | 1 | |
| | डीएम (वायरोलॉजी) | 2 | |
| | बीएससी (एमएलटी) | 9 | |
| | बीई (बीएमई) | 7 | |
| 16 | **न्यूरोफिज़ियोलॉजी** | | **102** |
| | डीएम न्यूरोपैथोलॉजी | 2 | |
| | एमडी फिजियोलॉजी | 1 | |
| | एमबीबीएस, एमडी | 1 | |
| | एमडी (आयुर्वेद) | 2 | |
| | बीएस-एमएस जैविक विज्ञान | 3 | |
| | इंटीग्रेटेड बीएस-एमएस बायोमेडिकल साइंसेज | 1 | |
| | संकाय | 5 | |
| | एमबीबीएस | 7 | |
| | पीएचडी विद्वान, इंटीग्रेटिव मेडिसिन विभाग | 3 | |
| | पीएचडी विद्वान, फिजियोलॉजी विभाग | 2 | |
| | पीएचडी विद्वान | 9 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | एमएससी न्यूरोसाइंसेज | 12 | |
| | एमएससी व्यवहार विज्ञान | 1 | |
| | एमएससी फिजियोलॉजी | 7 | |
| | एमएससी न्यूरोसाइकोलॉजी | 1 | |
| | इंटीग्रेटेड बीएससी-एमएससी बायोलॉजिकल साइंसेज | 6 | |
| | एमएससी ह्यूमन फिजियोलॉजी | 1 | |
| | एमएससी छात्र | 10 | |
| | एमएससी संज्ञानात्मक विज्ञान | 1 | |
| | एमएससी संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान | 4 | |
| | एमएससी तंत्रिका और संज्ञानात्मक विज्ञान | 1 | |
| | बीसीएनटी | 8 | |
| | बीटेक (बायो मेडिकल इंजीनियरिंग) | 4 | |
| | बीएससी नर्सिंग | 10 | |
| 18 | **न्यूरोवायरोलॉजी** | | **29** |
| | डीएम | 4 | |
| | एमडी | 21 | |
| | संकाय | 1 | |
| | एमएससी | 2 | |
| | बीएससी | 1 | |
| 19 | **नर्सिंग** | | **482** |
| | एमएससी नर्सिंग | 162 | |
| | एमएससी मनोरोग नर्सिंग | 7 | |
| | एमएससी न्यूरो नर्सिंग | 8 | |
| | एमएससी कम्युनिटी नर्सिंग | 2 | |
| | बीएससी मनोरोग नर्सिंग | 4 | |
| | बीएससी नर्सिंग | 164 | |
| | जीएनएम | 92 | |
| | जीएनएम (न्यूरो) | 37 | |
| | डीपीएन | 6 | |
| 20 | **मनोरोग सामाजिक कार्य** | | **607** |
| | एमफिल (एमएसडब्ल्यू) और एमएसडब्ल्यू छात्र | 226 | |
| | एमफिल (एमएसडब्ल्यू) प्रशिक्षु | 381 | |
| 21 | **आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक सहायता** | | **29** |
| | ब्लॉक प्लेसमेंट/इंटर्नशिप | 29 | |
| 22 | **स्पीच पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी** | | **168** |
| | बीएएसएलपी | 145 | |
| | ईएनटी | 23 | |
| 23 | **ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन और हेमेटोलॉजी** | | **32** |
| | चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय पर प्रशिक्षण | 2 | |
| | ब्लड बैंक प्रशिक्षण | 29 | |
| | इंटर्नशिप | 1 | |
| 24 | **फिजियोथेरेपी सेंटर** | | **364** |
| | बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी इंटर्नशिप (बीपीटी) | 324 | |
| | मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (एमपीटी) | 32 | |
| | स्वयंसेवक | 6 | |
| | **कुल** | | **3033** |

## 26वें दीक्षांत समारोह के पुरस्कार विजेता

वर्ष 2021 के लिए डीएम न्यूरोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार।

*डॉ. अनुष रंगराजन एस*

वर्ष 2021 के लिए न्यूरोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ पोस्ट–ग्रेजुएट रेजिडेंट के लिए डॉ. अनीस्या वसंत मेमोरियल अवार्ड।

*डॉ. सिंधु डी एम*

वर्ष 2021 के लिए डीएम न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए गोल्डन जुबली पुरस्कार।

*डॉ. समीर पीर*

वर्ष 2021 के लिए डीएम न्यूरोएनेस्थीसिया में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए डॉ. उषा पुंजा पुरस्कार।

*डॉ. मातंगी कृष्णकुमार*

वर्ष 2021 के लिए डीएम बाल और किशोर मनोचिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए डॉ. एम.वी. गोविंदस्वामी मेमोरियल पुरस्कार

*डॉ. टेस मारिया राजन*

वर्ष 2021 के लिए न्यूरोसर्जरी में एम.सी. एच. का सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार।

*डॉ सौविक सिंघा*

वर्ष 2021 के लिए न्यूरोसर्जरी एम.सी. एच. में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार।

*डॉ. विभोर पटैरिया*

वर्ष 2021 के लिए मनोचिकित्सा में एमडी का सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार।

*डॉ. ऐश्वर्या सचदेवा*

वर्ष 2021 के लिए एमडी मनोचिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए डॉ. डी. एल. एन. मूर्ति राव मेमोरियल पुरस्कार।

*डॉ. प्रकृति एस.एन*

वर्ष 2021 के लिए डॉ. एम.वी. गोविंदस्वामी – बायोफिज़िक्स इन एम.फिल का सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए मेमोरियल पुरस्कार।

*श्री देवराज टी पी*

वर्ष 2021 के लिए डॉ. एम.वी. गोविंदस्वामी – नैदानिक मनोविज्ञान इन एम.फिल का सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए मेमोरियल पुरस्कार।

*सुश्री कनक कटारिया*

वर्ष 2021 के लिए डॉ. एम.वी. गोविंदस्वामी मनोरोग सामाजिक कार्य में एम.फिल का सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए मेमोरियल पुरस्कार।

*सुश्री कैथी रोशिनी वी*

वर्ष 2021 के लिए न्यूरोफिज़ियोलॉजी इन एम.फिल में न्यूरोफिज़ियोलॉजी का सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. आर.एन. मूर्ति पुरस्कार।

*सुश्री अमृतरेखा पी*

वर्ष 2021 के लिए मनोरोग नर्सिंग एम.एससी. में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. आर.एन. मूर्ति पुरस्कार।

*सुश्री भास्वत्ती दास*

वर्ष 2021 के लिए श्रीमती सविथ्रम्मा और श्री. वेंकटेशैया का तंत्रिका विज्ञान एम.फिल में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए मेमोरियल पुरस्कार।

*सुश्री निशा सरकार*

वर्ष 2022 के लिए डीएम न्यूरोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार

*डॉ. मनीषा गुप्ता*

वर्ष 2022 के लिए न्यूरोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर छात्र के लिए डॉ. अनीस्या वसंत मेमोरियल पुरस्कार

*डॉ. श्रीराम रामलक्ष्मी निहारिका*

वर्ष 2022 के लिए डीएम न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ आउटगोइंग छात्र के लिए गोल्डन जुबली पुरस्कार

*डॉ. शर्मा दिनेश अरुण*

वर्ष 2022 के लिए डीएम न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए डॉ. उषा पुंजा पुरस्कार

*डॉ. के प्रमोद*

वर्ष 2022 के लिए न्यूरोसर्जरी एम.सी. एच. में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए सिलवर जुबली पुरस्कार।

*डॉ. मोहम्मद नदीम*

वर्ष 2022 के लिए एमडी मनोचिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए डॉ. डी. एल. एन. मूर्ति राव मेमोरियल पुरस्कार

*डॉ.वसुंधरा तेवतिया*

वर्ष 2022 के लिए एमडी मनोचिकित्सा में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए रजत जयंती पुरस्कार

*डॉ. मोहम्मद अरशद ई. सी*

## 9वें स्नातक दिवस के पुरस्कार विजेता

बीएससी के नर्सिंग कोर्स (2020) में माइक्रोबायोलॉजी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. वी. शिवराजन पुरस्कार।

*सुश्री मेल्वी मैथ्यू*

नर्सिंग पाठ्यक्रम में (2018-2022) बीएससी में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्तमान छात्र पुरस्कार।

*सुश्री मेल्वी मैथ्यू*

डॉ. एम.वी. गोविंदस्वामी और डॉ. डी.एल. एन. मनोरोग/मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग परीक्षा (2022) में पोस्ट-बेसिक डिप्लोमा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए उत्कृष्टता के लिए मूर्ति राव मेमोरियल पुरस्कार और इंफोसिस फाउंडेशन पुरस्कार

*मेजर सुमी पी एस*

उत्कृष्टता के लिए इंफोसिस फाउंडेशन पुरस्कार और न्यूरोसाइंस नर्सिंग परीक्षा (2022) में पोस्ट-बेसिक डिप्लोमा में विशिष्टता हासिल करने के लिए मुकुंद मेमोरियल पुरस्कार

*मेजर गायत्री बी*

# सम्मेलन/संगोष्ठी/ कार्यशाला

## वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित : अंतर्राष्ट्रीय

### जीवभौतिकी

डॉ. इंद्राणी दत्ता, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. पंकज सेठ, प्रोफेसर, एनबीआरसी, मानेसर। मॉडलिंग ब्रेन डिसऑर्डर पर संगोष्ठी और एक पैनल चर्चा, दूसरा इंटरनेशनल स्कूल फॉर न्यूरोसाइंस (आईएसएन)-एशियन पैसिफिक सोसाइटी फॉर न्यूरोकैमिस्ट्री (एपीएसएन), ऑनलाइन, 22 दिसंबर 2022. 200 सदस्यों ने भाग लिया।

### नैदानिक मनोविज्ञान

डॉ. अनीशा शाह, प्रोफेसर, डॉ. वीणा सत्यनारायण, अतिरिक्त प्रोफेसर। इंडिया सोसाइटी फॉर एक्सप्लोरेशन ऑफ साइकोथेरेपी इंटीग्रेशन (SEPI) क्षेत्रीय नेटवर्क की चौथी बैठक पर कार्यशाला, ऑनलाइन, 13 अक्टूबर 2022. 22 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, डॉ. एन जनार्दन, प्रोफेसर, डॉ. सियोनहान हाई-जोन्स, एसोसिएट प्रोफेसर। स्कूलों में किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर सेमिनार, ऑनलाइन, 22 अप्रैल 2022. 45 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, डॉ. चेतना दुग्गल, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री रत्ना इसाक। द जेंडरड अनकांशस: एन इनविटेशन टू रिफ्लेक्ट पर सेमिनार, ऑनलाइन, 27 अगस्त 2022. 95 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. हिमानी कश्यप, एसोसिएट प्रोफेसर, ओसीडी सिल्वर जुबली संगोष्ठी, ऑनलाइन, 11-13 नवंबर 2022. 200 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय मनोविज्ञान पर वार्षिक संगोष्ठी: इंटीग्रल योग ऑनलाइन, 5-6 अगस्त 2022. 600 सदस्यों ने भाग लिया।

### क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी

डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, एसएसओ, न्यूरोडीजेनेरेशन में ट्रांसलेशनल और सेल्युलर दृष्टिकोण पर संगोष्ठी, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज (आईएएन) 2022 की 40वीं वार्षिक बैठक, शिलांग, 8 दिसंबर 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

### समग्र चिकित्सा

डॉ. किशोर कुमार रामकृष्ण, प्रोफेसर। इंटीग्रेटिव मेडिसिन में साक्ष्य आधार पर संगोष्ठी, बेंगलुरु, 3 दिसंबर 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. हेमन्त भार्गव, सहायक प्रोफेसर, डॉ. लक्ष्मी निशिता जे, वैज्ञानिक-बी (योग)। मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों में मानसिक स्वास्थ्य की बुनियादी बातों पर सर्टिफिकेट कोर्स, बेंगलुरु, 1-28 फरवरी 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. हेमन्त भार्गव, सहायक प्रोफेसर, डॉ. किशोर कुमार आर, प्रोफेसर, डॉ. शिवराम वरम्बली, प्रोफेसर, इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर सर्टिफिकेट कोर्स, 1 जून-दिसंबर 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

### स्नायुविक पुनर्वास

डॉ. अनुपम गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव। स्ट्रोक के बाद स्पास्टिसिटी प्रबंधन में बोटोक्स पर कार्यशाला, विश्व तंत्रिका विज्ञान सम्मेलन, नई दिल्ली, 26-28 अगस्त 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनुपम गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. निर्मल सूर्या, डॉ. अरुण गर्ग। पुनर्वास में रोबोटिक्स पर कार्यशाला, विश्व तंत्रिका विज्ञान सम्मेलन, नई दिल्ली, 26–28 अगस्त 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनुपम गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. निर्मल सूर्या, डॉ. अचल श्रीवास्तव। स्ट्रोक के बाद स्पास्टिसिटी प्रबंधन में बोटोक्स पर कार्यशाला, एओसीएन और आईएएनकॉन, अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, नई दिल्ली, 2–6 नवंबर 2022.

डॉ. अनुपम गुप्ता, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. वोल्कर होमबर्ग । न्यूरोलॉजिकल विकारों में रोबोटिक्स पुनर्वास पर संगोष्ठी, न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास की 12वीं विश्व कांग्रेस, वियना, ऑस्ट्रिया, 13–17 दिसंबर 2022. 1350 सदस्यों ने भाग लिया।

## तंत्रिका विज्ञान

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर, क्षेत्रीय सलाहकार बैठक, ग्लोबल ब्रेन हेल्थ इंस्टीट्यूट (जीबीएचआई), यूसीएसएफ, यूएस, 19 मई 2022. 70 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अजय असरन्ना, सह प्रोफेसर, डॉ. दिव्यानी गर्ग और डॉ. लक्ष्मी, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी यस राष्ट्रीय संयोजक, सेमिनार, डॉ. ऑनर कोलमैन, ऑस्ट्रेलिया के लिए ILAE–YES संपर्क, डॉ. सीएस खू, मलेशिया के लिए YES–AO संपर्क सदस्य , ILAE–YES एशिया ओशिनिया जर्नल क्लब, 28 अप्रैल 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 25 अगस्त 2022. 55 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 22 दिसंबर 2022. 45 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अजय असरन्ना, सह प्रोफेसर, डॉ. मैगी याउ, ILAE YES AO हांगकांग के लिए संपर्क, प्रोफेसर जॉन डन, ऑस्ट्रेलिया, मिस्टर हंग, एंकर, हांगकांग। विचार–मंथन सत्र, 14वीं एशियन ओसियनियन एपिलेप्सी कांग्रेस–2022, 17–19 नवंबर 2022. 650 सदस्यों ने भाग लिया।

## न्यूरोफिज़ियोलॉजी

डॉ. बीएस शंकरनारायण राव, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. बीएन श्रीकुमार, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. के. विजयलक्ष्मी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. डी योगनरसिम्हा, अतिरिक्त प्रोफेसर। इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (IABSCON–2023), बेंगलुरु का 11वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 3–5 मार्च 2023. 250 सदस्यों ने भाग लिया।

इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज का 11वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ. बिंदू एम कुट्टी, प्रोफेसर, डॉ. पीएन रवींद्र, एसोसिएट प्रोफेसर, सीसीएस, इंडिया फाउंडेशन के सदस्य। चेतना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: गैर–द्वैत से गैर स्थानीयता तक – एक मैन मशीन बहस, निम्हांस, बेंगलुरु, 22–24 सितंबर 2022। 1000 सदस्यों ने भाग लिया।

चेतना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: अद्वैत से गैर–स्थानीयता तक

## नर्सिंग

डॉ. राधाकृष्णन जी, अवर प्रोफेसर, नर्सिंग विभाग एनआईएमएचएएनएस और ओस्लोमेट यूनिवर्सिटी, नॉर्वे द्वारा ओस्लोमेट यूनिवर्सिटी कॉलेज के नर्सिंग स्नातक छात्रों के लिए सेमिनार (ऑनलाइन व्याख्यान) का आयोजन, 28 फरवरी 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया ।

# वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित: राष्ट्रीय

## जैव सांख्यिकी

डॉ. मरियम्मा फिलिप, अवर प्रोफेसर, डॉ. पीवी प्रत्युषा, अनुसंधान सहायक। क्लिनिकल रिसर्च में बायोस्टैटिस्टिक्स का अनुप्रयोग, 18-21 जनवरी 2023. 45 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. बी. बिनुकुमार, अवर प्रोफेसर, डॉ. बीनू वी.एस., एसोसिएट प्रोफेसर। चिकित्सा अनुसंधान में प्रतिगमन विश्लेषण, 23-25 फरवरी 2023. 42 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. बीनू वीएस, सह प्रोफेसर, डॉ. पीवी प्रत्युषा, अनुसंधान सहायक। चिकित्सा अनुसंधान में नमूना आकार और शक्ति विश्लेषण, 22-24 सितंबर 2022. 46 सदस्यों ने भाग लिया।

## बाल एवं किशोर मनोरोग

बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग (i) बाल संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक देखभाल के लिए राष्ट्रीय पहल और एकीकृत संसाधन परियोजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका नाम बदलकर संवाद (कमजोर परिस्थितियों और संकट में बच्चों के लिए समर्थन, वकालत और मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप), बाल संरक्षण, मानसिक के लिए संसाधन रखा गया। बाल संरक्षण पदाधिकारियों के लिए 29 राज्यों में स्वास्थ्य और मनोसामाजिक देखभाल, 1 अप्रैल 2022-31 मार्च 2023. 511419 सदस्यों ने भाग लिया (ii) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार पर सेमिनार: एक जीवन काल परिप्रेक्ष्य, 11 अप्रैल 2022. 332 सदस्यों ने भाग लिया (iii) संवाद परियोजना आयोजित (ए) बाल यौन शोषण के साथ काम करने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप और कौशल पर फोरेंसिक प्रशिक्षण: मानसिक स्वास्थ्य और फोरेंसिक के कानूनी आयामों का परिचय, 37 सदस्यों ने भाग लिया (बी) स्कूल मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए हस्तक्षेप-सर्व शिक्षा अभियान और एससीईआरटी अधिकारी. 50 सदस्यों ने भाग लिया (सी) राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के सहयोग से यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम, 2012 पर समीक्षा परामर्श (डी) विकलांग बच्चों के लिए हस्तक्षेप में बाल संरक्षण और मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करना, विशेष शिक्षकों का प्रशिक्षण-पश्चिम बांग्ला समग्र शिक्षा मिशन, 14-17 फरवरी 2023. 92 सदस्यों ने भाग लिया (ई) आवश्यक बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक देखभाल, 1-10 मार्च 2023. 45 सदस्यों ने भाग लिया।

## नैदानिक मनोविज्ञान

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, एनआईएमएचएएनएस और कर्नाटक राज्य पुलिस। अधिकारियों की भलाई के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कार्यशाला, 22 फरवरी 2023.16 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनीशा शाह, सीनियर प्रोफेसर, वयस्कों के साथ भावना-केंद्रित थेरेपी का उपयोग करके मनोचिकित्सा पर कार्यशाला (ए) 10 जनवरी 2023. 22 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 12 जनवरी 2023. 21 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 24 जनवरी 2023. 40 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 27 जनवरी 2023. 22 सदस्यों ने भाग लिया (ई) 16 फरवरी 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनीशा शाह, वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. वीणा सत्यनारायण, अतिरिक्त प्रोफेसर, भावना केंद्रित थेरेपी का उपयोग करके रिश्ते के संकट के साथ काम करने पर कार्यशाला, 22 सितंबर 2022.19 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, डॉ. गुरु एस गौड़ा, मनोचिकित्सा के सहायक प्रोफेसर। आत्महत्या रोकथाम पर कार्यशाला. भारतीय वायु सेना के लिए मार्गदर्शन और मानसिक कल्याण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (ए) 23 जुलाई 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 26 नवंबर 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 10 अक्टूबर 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 18 मार्च 2023. 35 सदस्यों ने भाग लिया भाग लिया

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर। (i) सेमिनार, एसएएमए सुरक्षा नीति, 16 जनवरी 2023. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, डॉ. चेतना दुग्गल, एसोसिएट प्रोफेसर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस। थेरेपिस्ट के व्यक्ति पर कार्यशाला, 19 अक्टूबर 2022. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, डॉ. रत्ना इसाक, कार्यशाला चालू पर्यवेक्षण में चिंतनशील अभ्यास, 13 सितंबर 2022. 15 सदस्य भाग लिया ।

डॉ. देवव्रत कुमार, प्रोफेसर, डॉ. वीणा सत्यनारायण, अवर प्रोफ़ेसर, अधिकारियों की भलाई के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्नाटक पुलिस, 31 जनवरी-25 फरवरी 2023. 17 सदस्य भाग लिया ।

डॉ. एम. थॉमस किशोर, प्रोफेसर, डॉ. हरीश अंगोथु, अवर प्रोफेसर, मनोचिकित्सा. एएसडी में शीघ्र हस्तक्षेप पर संगोष्ठी: एक बायोप्सीकोसोसियल और विकासात्मक दृष्टिकोण। 8 अप्रैल 2022. 104 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, सुश्री प्रीसिला सेल्वाकुमारी। नर्सिंग छात्रों की व्यक्तिगत प्रभावशीलता बढ़ाने पर सेमिनार, 20 अगस्त 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. एम मंजुला, प्रोफेसर, श्री विजया भास्कर। संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी पर कार्यशाला, 28 दिसंबर 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. एम मंजुला, प्रोफेसर, श्री जोबिन, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन स्टूडेंट रिसर्च फोरम (एमएएचई-एसआरएफ)। माइंडफुलनेस आधारित तनाव प्रबंधन पर सेमिनार, 28 अप्रैल 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, प्रो. स्वाति पात्रा, इग्नू। सेमिनार, पीजीडीएमएच के लिए अवसाद पर ऑनलाइन परामर्श सत्र, 10 मई 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, डॉ. सुजाता सत्पथी, एम्स, नई दिल्ली। कल्याण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर सेमिनार, 3 जून 2022. 36 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, डॉ. गिरीश एन, महामारी विज्ञान के प्रोफेसर। किसानों के मानसिक स्वास्थ्य की सुविधा पर कार्यशाला, 8 अगस्त 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, प्रोफेसर, डॉ. मंजुला एम, प्रोफेसर, डॉ. अजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर बिहेवियरल मेडिसिन यूनिट। (i) कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य: तनाव का सावधानीपूर्वक प्रबंधन (ए) 4 अप्रैल 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 6 अप्रैल 2022। 30 सदस्यों ने भाग लिया (ii) व्यवहार चिकित्सा पर आभासी संगोष्ठी: स्वास्थ्य और बीमारी के बीच संबंधों को समझना, 20-21 जनवरी 2023. 130 सदस्यों ने भाग लिया.

डॉ. नितिन आनंद, अवर प्रोफेसर, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. रविकांत पिंजरकर, सहायक प्रोफेसर, डॉ. विद्यासागर, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, एनपीए, समन्वयक। प्रमोशनल इंटरवेंशन प्रोग्राम पर कार्यशाला, 12-17 सितंबर 2022. 120 सदस्यों ने भाग लिया .

डॉ. अजय कुमार, सह एसोसिएट प्रोफेसर। आकाशवाणी योद्धाओं के लिए कार्य तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला, कमांड अस्पताल वायु सेना बेस, बेंगलुरु (ए) 30 जून 2022-30 मार्च 2023 (5 सत्र)। 8 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अजय कुमार, सह प्रोफेसर, डॉ. तनु, ओसीडी के लिए सीबीटी पर कार्यशाला, 24-25 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

## क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी

डॉ. एंड्रेड सी, वरिष्ठ प्रोफेसर, अवसाद के इलाज के लिए केटामाइन के उपयोग पर कार्यशाला, 12-13 नवंबर 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी। (i) सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी की रिसर्च टीम के साथ टाउन हॉल बैठक, 8 सितंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (ii) इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज की 49वीं वार्षिक बैठक के दौरान संगोष्ठी, 7-10 दिसंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

## महामारी विज्ञान

डॉ. प्रदीप बीएस, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. गौतम एमएस, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. अरविंद बीए, अतिरिक्त प्रोफेसर। इंटरकॉलेजिएट एकेडमिक पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम (आईएपीपी), येनेपोया मेडिकल कॉलेज, येनेपोया डीम्ड यूनिवर्सिटी, मंगलुरु के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन कर्नाटक चैप्टर (आईएपीएसएम) का दूसरा राज्य सम्मेलन, 21-22 अक्टूबर 2022. 317 सदस्यों ने भाग लिया।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन कर्नाटक चैप्टर का दूसरा राज्य सम्मेलन

डॉ. प्रदीप बीएस, प्रोफेसर और प्रमुख (i) निम्हान्स-एनएच-स्कैन प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर्स मीट, निम्हान्स, 30 जनवरी 2023.12 सदस्यों ने भाग लिया (ii) निम्हान्स -एनएच-स्कैन प्रोजेक्ट सैंपल साइज एस्टीमेशन, निम्हान्स, 3 फरवरी 2023. 13 सदस्यों ने भाग लिया (iii) निम्हान्स -एनएच-स्कैन परियोजना, विशेषज्ञ सलाहकार बैठक, निम्हान्स, 28 फरवरी 2023. 19 सदस्यों ने भाग लिया (iv) निम्हान्स-एनएच-स्कैन परियोजना, स्वतंत्र निगरानी कार्यशाला, निम्हान्स, बेंगलुरु, 27-29 मार्च 2023. 28 सदस्य भाग लिया ।

निम्हांस-एनएच-स्कैन परियोजना, स्वतंत्र निगरानी कार्यशाला

डॉ. सेंथिल अमुधन, अवर प्रोफेसर, ब्लॉक शिक्षा कार्यालय, श्रीनिवासपुर, कोलार के सहयोग से, स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य का स्तर बढ़ाना (एसयूएमएस) हस्तक्षेप प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22–24 जून 2022. 54 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सेंथिल अमुधन, अवर प्रोफेसर, श्री संगप्पा वाग्गर, प्रोजेक्ट स्टाफ, प्रीयूनिवर्सिटी बोर्ड, कर्नाटक सरकार के सहयोग से। प्रौद्योगिकी के स्वस्थ उपयोग में माइंडफुलनेस की भूमिका पर संवेदीकरण सत्र, 5 सितंबर 2022–10 फरवरी 2023. 300 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सेंथिल अमुधन, अवर प्रोफेसर, श्री अजीत देव बर्मा, डॉ. गिरीश एन राव. निम्हान्स के सहयोग से तीसरा आईएपीएसएम, यंग लीडर्स नेशनल कॉन्क्लेव–2022. प्राथमिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल. आशा कार्यकर्ताओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य मैनुअल जारी, ओडिशा, भुवनेश्वर, 12 नवंबर 2022–12 फरवरी 2023. 300 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. गौतम एमएस, अवर प्रोफेसर (i) बेंगलूरु शहर में हितधारक परामर्श–सड़क सुरक्षा जोखिम कारकों पर कार्यशाला, निम्हान्स, 15 जुलाई 2022. 80 सदस्यों ने भाग लिया (ii) हेलमेट, सीट–बेल्ट उपयोग और गति की प्रस्तुति पर कार्यक्रम (प्रारंभिक निष्कर्ष) ) बेंगलूरु में, 16 जुलाई 2022. 10 सदस्यों ने भाग लिया (iii) रामानगर जिले में तेज गति से वाहन चलाना, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रामानगर जिला, 16 जनवरी 2023. 10 सदस्यों ने भाग लिया (iv) बेंगलूरु ग्रामीण जिले, कार्यालय में समीक्षा और प्रस्तुति–तेज गति पुलिस अधीक्षक, बेंगलुरु ग्रामीण जिला, 17 जनवरी 2023. 8 सदस्यों ने भाग लिया (v) बेंगलूरु महानगर क्षेत्र में हेलमेट, सीट–बेल्ट और स्पीडिंग पर कार्यक्रम, संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय, बेंगलूरु, 23 जनवरी 2023. 20 सदस्यों ने भाग लिया (vi) बीएमटीसी प्रबंधकों के लिए जीवन कौशल कार्यक्रम में भाग लिया। निम्हान्स, 6–11 मार्च 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (vii) पहली विशेषज्ञ सलाहकार समूह की बैठक–निम्हान्स–एनएच–स्कैन, कोहोर्ट प्रोजेक्ट, 8 मार्च 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया (viii) विश्व प्रमुख चोट जागरूकता दिवस, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, निम्हान्स, 20 मार्च 2022.150 सदस्यों ने भाग लिया (ix) स्वतंत्र निगरानी टीम पर कार्यशाला। SKAN प्रोजेक्ट, 27–29 मार्च 2023. 28 सदस्यों ने भाग लिया।

बेंगलूरु शहर में हितधारक परामर्श–सड़क सुरक्षा जोखिम कारकों पर कार्यशाला

डॉ. गौतम एमएस, अवर प्रोफेसर, डॉ. निशित पटेल ने पीएस, परिवहन और सहायक आयुक्त, प्रवर्तन, परिवहन विभाग, कर्नाटक सरकार, अवलोकन अध्ययन निष्कर्ष प्रस्तुत किए, 16 अगस्त 2022.

डॉ. प्रचेथ आर, सह प्रोफेसर (i) दक्षिण कन्नड़ जिला निगरानी इकाई के सहयोग से। चिकित्सा अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल कार्यक्रम पर कार्यशाला, मैंगलोर, 4 नवंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया (ii) बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम पर कार्यशाला, मैंगलोर, 19 नवंबर 2022.100 सदस्यों ने भाग लिया (iii) कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम पर कार्यशाला, मैंगलोर (ए) 27 फरवरी 2023. 100 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 6 मार्च 2023. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

## मानव आनुवंशिकी

डॉ. मथिवानन जोथी, सह प्रोफेसर, आणविक जीव विज्ञान में उन्नत तकनीकों पर प्री–कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया, निमहंस का 29वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, 18–20 जुलाई 2022. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

आणविक जीव विज्ञान में उन्नत तकनीक पर कार्यशाला

## समग्र चिकित्सा

डॉ. किशोर कुमार आर, प्रोफेसर, डॉ. उमेश सी, वैज्ञानिक–सी (i) निम्हान्स में इंटीग्रेटिव मेडिसिन के क्लिनिकल मॉडल पर एक दिवसीय कार्यशाला (ए) 5 अप्रैल 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 30 मई–15 जून 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. शिवकुमार वी, वैज्ञानिक–डी, आईआईटी, गुवाहाटी के सहयोग से। मानसिक स्वास्थ्य और जैवसांख्यिकी। 35 सदस्यों ने भाग लिया।

## मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग, मनोरोग विभाग, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, नर्सिंग विभाग, एकीकृत चिकित्सा विभाग। सलाह और मानसिक कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य संकट प्रबंधन, स्वास्थ्य के लिए योग, किशोर विकास, मानव व्यवहार के प्रति अभिविन्यास, दिमागीपन, तनाव प्रबंधन, आत्महत्या रोकथाम पर कार्यशाला। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में अधिकारियों और प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण, 18 जुलाई 2022–18 मार्च 2023 (6 बैच). 175 सदस्यों ने भाग लिया।

परामर्श और मानसिक कल्याण पर कार्यशाला

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग, मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, मनोरोग पुनर्वास सेवा विभाग, विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ। विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशाला/कला प्रदर्शनी (कैनवास पेंटिंग) (ए) 11-15 जुलाई (बी) 10-14 अक्टूबर (सी) 21 नवंबर-3 दिसंबर 2022.

विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशाला/सह कला प्रदर्शनी

मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग, भारतीय पत्रकारिता एवं न्यू मीडिया संस्थान। मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर संगोष्ठी और पैनल चर्चा: मानसिक स्वास्थ्य पर मीडिया छात्रों और पेशेवरों का संवेदीकरण, 27 मार्च 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर संगोष्ठी और पैनल चर्चा

डॉ. केएस मीना, अवर प्रोफेसर, डॉ. लता के, सहायक प्रोफेसर, डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी, अवर प्रोफेसर, मनोवैज्ञानिक घटनाओं और आपात स्थितियों के लिए तत्काल देखभाल पर कार्यशाला, 25 मार्च 2023. 32 सदस्यों ने भाग लिया।

मनोवैज्ञानिक घटनाओं और आपात स्थितियों के लिए तत्काल देखभाल पर कार्यशाला

डॉ. मीना के.एस. अवर प्रोफेसर एवं प्रमुख, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से दिव्य कला मेला, विकलांग व्यक्तियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग और अन्य उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री से जुड़ा एक कार्यक्रम, 2-7 दिसंबर 2022.

डॉ. लता के. सहायक प्रोफेसर. फिजियोथेरेपी सेंटर , दर्द तंत्रिका विज्ञान शिक्षा पर कार्यशाला, 13-14 जुलाई 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

## न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर

डॉ. रमेश वीजे, प्रोफेसर, डॉ. निधि पांडा, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक भाग के रूप में न्यूरोमॉनिटरिंग कार्यशाला। 23 नवंबर 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया.

डॉ. एम. राधाकृष्णन, प्रोफेसर (i) एनेस्थीसिया में उन्नत निगरानी, आईएसए डिंडुगुल सिटी शाखा, तमिलनाडु, 10 अप्रैल 2022. 60 सदस्यों ने भाग लिया (ii) ट्रांसक्रानियल डॉपलर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग, एनआईएमएस हैदराबाद, 19-20 अगस्त 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. श्रीगणेश के, प्रोफेसर, डॉ. समीर देसाई, एसडीएम विश्वविद्यालय, धारवाड़। न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर पर सीएमई के दौरान ट्रांसक्रानियल डॉपलर पर कार्यशाला, 10-11 दिसंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, अवर प्रोफेसर, डॉ. श्रीगणेश के, प्रोफेसर, डॉ. भद्रनारायण वी, प्रोफेसर, डॉ. मधुसूदन रेड्डी, प्रोफेसर, डॉ. वीजे रमेश, प्रोफेसर, डॉ. राधाकृष्णन एम, प्रोफेसर, डॉ. सुधीर वी, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. गोपाल कृष्ण केएन, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. सोनिया बी, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. धृतिमान सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. श्वेता नाइक, सहायक प्रोफेसर, डॉ. श्वेताश्री केआर, एसोसिएट प्रोफेसर , डॉ. राजीव कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. भरत एस, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. संगीता आरपी, सहायक प्रोफेसर और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (डीएचआर-आईसीएमआर) द्वारा समर्थित। चिकित्सकों के लिए न्यूरो-सघन देखभाल इकाई में मल्टीमॉडल न्यूरोमोनिटरिंग पर कार्यशाला, 10-12 मार्च 2023. 70 सदस्यों ने भाग लिया।

सीपीआर टीम, डॉ. सोनिया बंसल, अवर प्रोफेसर, सीपीआर प्रशिक्षण (ए) 1–3 अप्रैल 2022 (बी) 12–24 सितंबर 2022 (सी) 16–31 मार्च 2023. 1080 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. धृतिमान सी, एसोसिएट प्रोफेसर (i) ओटी और आईसीयू में न्यूरो मॉनिटरिंग पर कार्यशाला, 11 नवंबर 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया। (ii) इंट्राऑपरेटिव न्यूरो मॉनिटरिंग कार्यशाला, 19 जनवरी 2023. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

## न्यूरोकैमिस्ट्री

डॉ. नंदकुमार डीएन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, न्यूरोकैमिस्ट्री में आणविक जीवविज्ञान तकनीकों पर राष्ट्रीय प्री–कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया का 29वां वार्षिक सम्मेलन, 18–20 जुलाई 2022.

डॉ. के. गोकुलकृष्णन, एसोसिएट प्रोफेसर, इच्छुक शोधकर्ताओं के लिए बुनियादी आणविक तकनीकों पर व्यावहारिक कार्यशाला, 6–8 अप्रैल 2022.25 सदस्यों ने भाग लिया।

## न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

डॉ. संध्या एम, अवर प्रोफेसर, एनआईआईआर रोएंटजेन दिवस, 10 नवंबर 2022.

## तंत्रिका विज्ञान

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. प्रिया थॉमस, मनोरोग सामाजिक कार्य के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. फहीम अरशद, सहायक प्रोफेसर। डिमेंशिया डिजाइन स्टूडियो (डीडीएस) पर हितधारक सलाहकार कार्यशाला पर सेमिनार, 20 फरवरी 2023–20 मार्च 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख। (i) काबीएचआई प्रोटोकॉल पर बीबीएमपी के पीएचसी चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर कार्यशाला, निमहंस, 13 अप्रैल 2022. 95 सदस्यों ने भाग लिया (ii) KaBHI पर कार्यशाला मुख्य सचिव को प्रस्तुति, 24 नवंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (iii) पहली बैठक पर कार्यशाला कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल (KaBHI) के हिस्से के रूप में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, 18 जनवरी 2023. 20 सदस्यों ने भाग लिया (iv) गौरीबिदानुर सर्वेक्षण के उद्घाटन पर कार्यशाला, 7 मार्च 2023. 100 सदस्यों ने भाग लिया (v) टेलीन्यूरोलॉजी के उद्घाटन पर कार्यशाला, 7 मार्च 2023. 200 सदस्यों ने भाग लिया.

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. रजनी पी, उप निदेशक, मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग। KaBHI–NHM एकीकरण बैठक पर कार्यशाला, 3 जनवरी 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. अवंती पी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. एसआर चन्द्रशेखर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग, डॉ. फहीम ए, सहायक प्रोफेसर। विशेषज्ञ सलाहकार पर कार्यशाला, डिमेंशिया डिज़ाइन स्टूडियो (हाइब्रिड), 20 फरवरी 2023. 20 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. गिरीश एन राव, प्रोफेसर, डॉ. फहीम अरशद, सहायक प्रोफेसर, डॉ. प्रिया थॉमस, पीएसडब्ल्यू के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. सुबाश्री आर, अतिरिक्त प्रोफेसर। विश्व मस्तिष्क दिवस पर कार्यशाला, 22 जुलाई 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. प्रमोद कुमार पाल, प्रोफेसर, डॉ. रवि यादव, प्रोफेसर। (i) पार्किंसंस रोग दिवस पर संगोष्ठी, 11 अप्रैल 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया। (ii) विश्व आंदोलन विकार दिवस पर संगोष्ठी, 29 नवंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. संजीब सिन्हा, प्रोफेसर, डॉ. रवींद्रनाथ, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. राघवेंद्र, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. अजय, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. विश्वनाथन एलजी, सहायक प्रोफेसर। अंतर्राष्ट्रीय मिर्गी दिवस पर संगोष्ठी, 13 जनवरी–13 फरवरी 2023. 60 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. गिरीश बी कुलकर्णी, प्रोफेसर, डॉ. कोमल प्रसाद, प्रोफेसर, नारायण अस्पताल, डॉ. थिमप्पा हेगड़े, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, सीनियर प्रोफेसर, डॉ. गुरुराज जी, पूर्व प्रोफेसर, डॉ. श्रीकुमारन नायर, श्री सुंदर रामास्वामी, सुश्री मधुश्री एन, सुश्री अश्विनी ए, डॉ. अरुणेशा बीएस, श्री योगीश केए, डॉ. अरविंद बीए, डॉ. सृजितेश पीआर, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. लावण्या गराडी, डॉ. बीनू वीएस, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. प्रदीप बीएस , प्रोफेसर, डॉ. संतोष एल, प्रोफेसर, डॉ. गौतम एमएस, अतिरिक्त प्रोफेसर। पहली विशेषज्ञ सलाहकार समूह की बैठक पर कार्यशाला: निमहंस–एनएच–स्कैन परियोजना, 28 फरवरी 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, प्रोफेसर। विश्व स्ट्रोक दिवस पर कार्यशाला, 29 अक्टूबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

स्ट्रोक जागरूकता कार्यशाला

डॉ. गिरीश बी कुलकर्णी, प्रोफेसर, डॉ. सुबाश्री, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. प्रिया थॉमस, पीएसडब्ल्यू की अतिरिक्त प्रोफेसर। विश्व स्ट्रोक दिवस पर संगोष्ठी, 29 अक्टूबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. नेत्रवती एम, प्रोफेसर, विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस पर संगोष्ठी, 30 मई 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

## स्नायुसूक्ष्म्जैव विज्ञान

आईपीसी टीम, एचआईएसएस, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग। (i) हवाई धूमन/फॉगिंग और सतह कीटाणुशोधन, 5 अप्रैल 2022. 56 सदस्यों ने भाग लिया (ii) अस्पतालों में संवहनी पहुंच को बदलने में आईसीएन की भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला। 12 अप्रैल 2022. 101 सदस्यों ने भाग लिया (iii) आईपीसी प्रथाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (40 सत्र), निमहंस में परिचय, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण, मानक सावधानियां और हाथ की स्वच्छता, ट्रांसमिशन आधारित सावधानियां और पीपीई, सफाई और कीटाणुशोधन, बीएमडब्ल्यू प्रबंधन और परिवहन, एनएसआई, स्पिल प्रबंधन, लिनन और लॉन्ड्री प्रबंधन, स्टरलाइजेशन, एनएसआई और बीबीएफ एक्सपोजर, कॉटी-बंडल, स्पिल किट, सार्वजनिक जागरूकता-स्वच्छता दीक्षा, एएमएसपी पर परिचय, एचएआई और केयर बंडल, नमूना संग्रह और परिवहन, सुरक्षित इंजेक्शन अभ्यास, 1 अप्रैल 2022-31 मार्च 2023. 2000 सदस्यों ने भाग लिया (iv) विश्व हाथ स्वच्छता दिवस कार्यक्रम में 9-10 मई 2022 को क्विज़ प्रतियोगिता, ऑनलाइन स्लोगन और ई-पोस्टर प्रतियोगिता, सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए निबंध-लेखन प्रतियोगिता सहित कई गतिविधियाँ शामिल थीं। 51 सदस्यों ने भाग लिया (v) स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता और सुरक्षा जलवायु या संस्कृति और पुरस्कार वितरण पर कार्यक्रम, 8 जून 2022. 51 सदस्यों ने भाग लिया (vi) बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन, 16 जून 2022. 4 सदस्यों ने भाग लिया (vii) वैश्विक हाथ धुलाई दिवस-2022 और अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह-2022, वॉकथॉन, ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता, पिक एंड टॉक प्रतियोगिता, मरीजों और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए ऑनसाइट जागरूकता कार्यक्रम, 3 सरकारी अस्पतालों में आउटरीच कार्यक्रम जैसी गतिविधियाँ। स्कूल और समापन समारोह, 15-22 अक्टूबर 2022. 665 सदस्यों ने भाग लिया (viii) एचएआई रोकथाम बंडल रणनीतियाँ। 5-9 दिसंबर 2022। 30 सदस्यों ने भाग लिया (ix) टीकाकरण अभियान पर ऑनसाइट प्रशिक्षण, 25 फरवरी 2023. 5 सदस्यों ने भाग लिया (x) सीआईसी और फोले कैथेटर केयर पर ऑनसाइट प्रशिक्षण, 8 मार्च 2023. 16 सदस्यों ने भाग लिया (xi) सुरक्षा पर प्रशिक्षण ओटी स्टाफ और एनएसआई/बीबीएफ एक्सपोजर प्रबंधन के बीच एनएसआई को रोकने के लिए डिवाइस का उपयोग, 18 मार्च 2023. 8 सदस्यों ने भाग लिया (xii) सर्जिकल साइट संक्रमण बंडल पर प्रशिक्षण, 18 मार्च 2023. 8 सदस्यों ने भाग लिया।

अस्पताल संक्रमण निगरानी टीम. अस्पताल संक्रमण पर सेमिनार नियंत्रण एवं रोकथाम रणनीतियाँ, 3 दिसंबर 2022। 40 सदस्य भाग लिया।

अस्पताल संक्रमण निगरानी प्रणाली (एचआईएसएस), इन्फ्लेक्सॉन अकादमी, बैंगलोर के साथ न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग। पेरीऑपरेटिव फोरम ऑफ इंडिया-बैंगलोर चैप्टर, ओटी नर्सिंग अधिकारियों और तकनीशियनों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27 जुलाई 2022. 70 सदस्यों ने भाग लिया।

आईपीसी प्रथाओं पर कार्यशालाएँ (कोलाज में)

## तंत्रिकाविकृति विज्ञान

न्यूरोपैथोलॉजी विभाग. (i) डॉ. चन्द्रशेखर सागर इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी-द जर्नी सो फार एंड बियॉन्ड को सम्मानित करने के लिए वेबिनार, 21 जुलाई 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया (ii) डायग्नोसिस से परे न्यूरोपैथोलॉजी पर डॉ. वाणी संतोष को सम्मानित करने के लिए वेबिनार: रोगी देखभाल को बढ़ाने की एक खोज, 21 दिसंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया.

न्यूरोपैथोलॉजी विभाग और भारतीय चिकित्सा प्रयोगशाला विज्ञान परिसंघ (आईसीएमएलएस)। न्यूरोपैथोलॉजी में विशेष दागों की कला और विज्ञान पर संगोष्ठी और वेबिनार, 24 अगस्त 2022. 934 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनीता महादेवन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. रश्मी एस, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक। मांसपेशियों और तंत्रिका बायोप्सी पर इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी कार्यशाला, 30 नवंबर 2022. 4 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. शिल्पा राव, एसोसिएट प्रोफेसर। आणविक न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर व्यावहारिक कार्यशाला, 22-23 नवंबर 2022. 10 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. रश्मी संतोषकुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर कार्यशाला, प्रीकॉन्फ्रेंस कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, APCON-2022, 30 नवंबर 2022. 5 सदस्यों ने भाग लिया।

## न्यूरोफिज़ियोलॉजी

डॉ. बिंदू एम कुट्टी, सीनियर प्रोफेसर, मेडिकल और बायोमेडिकल एथिक्स पर कार्यशाला, 25 जनवरी 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सत्यप्रभा टीएन, प्रोफेसर, डॉ. कविराजा उडुपा, प्रोफेसर। क्लिनिकल न्यूरोफिज़ियोलॉजी संगोष्ठी और कार्यशाला–2023, 5–6 जनवरी 2023. 153 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. बिंदू एम कुट्टी, सीनियर प्रोफेसर, डॉ. रवींद्र पीएन, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. अरुण, वैज्ञानिक–सी, डॉ. रामजयम, वैज्ञानिक–सी, डॉ. गुलशन। पॉलीसोम्नोग्राफी और नींद के बुनियादी सिद्धांतों पर राष्ट्रीय कार्यशाला। दिसंबर 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया ।

## न्यूरोवायरोलॉजी

डॉ. अनिता एस.देसाई, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वरुण सीएन, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी। व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला: अगली पीढ़ी का अनुक्रमण, 13–17 फरवरी 2023. 10 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अनीता एस देसाई, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. रीता एस मणि, प्रोफेसर, डॉ. अश्विन वाईबी, सहायक प्रोफेसर, डॉ. अश्विनी एमए, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) और अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी। श्वसन विषाणुओं के आणविक निदान के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला (ए) 20–22 जुलाई 2022. 15 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 5–7 सितंबर 2022. 15 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 12–14 सितंबर 2022. 14 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मंजूनाथ एमवी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. वरुण सीएन, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी। फ्लो साइटोमेट्री अनुप्रयोगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 21–23 सितंबर 2022. 12 सदस्यों ने भाग लिया।

## नर्सिंग

नर्सिंग विभाग, वृद्धावस्था मनोरोग इकाई, मनोचिकित्सा विभाग. नर्स शिक्षकों के लिए वृद्धावस्था मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला, 15 दिसंबर 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, प्रोफेसर और प्रमुख, श्रीमती कृतिदीपा मोहंती, पीएच.डी. स्कॉलर. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के आकलन में असमानता पर कार्यशाला: अंतर को पाटना, 22 अप्रैल 2022. 63 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, प्रोफेसर, सुश्री केतकी मैती, पीएच.डी. स्कॉलर। ईसीटी और न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीक पर कार्यशाला, 13 मार्च 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, श्रीमती अन्नी जॉन, पीएचडी स्कॉलर। (i) स्वतंत्र जीवन कौशल के लिए मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों (पीडब्लूएमआई) को सशक्त बनाने पर देखभाल करने वालों के प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 21 मई 2022. 77 सदस्यों ने भाग लिया (ii) मानसिक बीमारी (पीडब्ल्यूएमआई)/ सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों के लिए आईएडीएल प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 23 जनवरी 2023. 54 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. प्रशांति नट्टला, प्रोफेसर, श्री कन्नन, पीएच.डी. विद्वान। कॉलेज के छात्रों में कैनबिस के उपयोग के प्रतिकूल प्रभाव और उपयोग कैसे छोड़ें पर कार्यशाला, 25 मार्च 2023। 45 सदस्यों ने भाग लिया।

कॉलेज के छात्रों में कैनाबिस के उपयोग के प्रतिकूल प्रभाव पर कार्यशाला

डॉ. प्रशांति नट्टाला, प्रोफेसर। युवाओं में मनो–सक्रिय पदार्थों के उपयोग की रोकथाम पर कार्यशाला, 27 अगस्त 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. राधाकृष्णन, अवर प्रोफेसर। (i) इंडियन सोसाइटी ऑफ साइकियाट्रिक नर्सेज (आईएसपीएन) का 21वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 8–10 जुलाई 2022. 300 सदस्यों ने भाग लिया। (ii) विकास संबंधी देरी और माता–पिता के कौशल संवर्धन में नर्स की भूमिका पर कार्यशाला, 26 अगस्त 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया। (iii) इंडियन सोसाइटी ऑफ साइकियाट्रिक नर्सेज (आईएसपीएन) का 22वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 24 फरवरी–26 मार्च 2023. 250 सदस्यों ने भाग लिया।

21वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन सोसायटी ऑफ साइकियाट्रिक नर्सेज (आईएसपीएन)

डॉ. राधाकृष्णन, अवर प्रोफेसर, डॉ. ईशा, सीएपी की सहायक प्रोफेसर। विभिन्न मानसिक विकारों वाले बच्चों और किशोरों के अस्पताल में रहने के दौरान साक्ष्य–आधारित नर्सिंग प्रथाओं पर सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यक्रम, 3 दिसंबर 2022–28 जनवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया ।

कैप्शन : सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यक्रम

श्रीमती. ईस्थर लिली, श्रीमती शशिकला, श्रीमती दाक्षायनी, नर्सिंग ट्यूटर्स। निम्हान्स कर्मचारियों और छात्रों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण पर कार्यशाला (ए) 11-13 अप्रैल 2022। 222 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 16-31 मार्च 2023. 619 सदस्यों ने भाग लिया।

सीपीआर प्रशिक्षण पर कार्यशाला

श्रीमती दाक्षायनी बी, नर्सिंग ट्यूटर। विभिन्न मानसिक विकारों वाले बच्चों और किशोरों के अस्पताल में रहने के दौरान साक्ष्य-आधारित नर्सिंग प्रथाओं पर सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यक्रम पर कार्यशाला, 3 दिसंबर 2022-24 जनवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

## नर्सिंग कॉलेज

एनएसएस इकाई. (i) पोषण अभियान पर प्रदर्शनी, थावरेकेरे पीएचसी, 5 मई 2022.100 सदस्यों ने भाग लिया (ii) भारतीय संविधान पर संगोष्ठी, आजादी का अमृत महोत्सव, 6 अगस्त 2022. 250 सदस्यों ने भाग लिया (iii) आत्महत्या की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम, निम्हान्स, 12 सितंबर 2022 (iv) प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए जीवन कौशल कार्यक्रम, 5-12 दिसंबर 2022 (v) युवाओं को सशक्त बनाने पर कार्यशाला: एक मजबूत भारत का निर्माण, जीवन कौशल शिक्षक द्वारा व्यक्तित्व विकास, स्वराकाश महिला ट्रस्ट (vi) द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण पर सत्र मैंगलोर, 21 जनवरी 2023 (vii) क्षय रोग दिवस और टीबी की रोकथाम और प्रबंधन पर प्रदर्शनी, विक्टोरिया अस्पताल, 24 मार्च 2023.

## मनोरोग पुनर्वास सेवाएँ

डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, प्रोफेसर और नर्सिंग प्रमुख, डॉ. निशांत के, सहायक प्रोफेसर, डॉ. शिवकुमार टी, मनोचिकित्सा के अतिरिक्त प्रोफेसर, सुश्री कांतादोर्शी, पीएचडी स्कॉलर। रिकवरी ओरिएंटेड सर्विसेज कैफे की यात्रा पर संगोष्ठी। वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन-इंडियन चैप्टर (डब्ल्यूएपीआर-आईसी) का 7वां राष्ट्रीय सम्मेलन, तेजपुर, असम, 18 मार्च 2023. 300 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. टी शिवकुमार, मनोचिकित्सा के अतिरिक्त प्रोफेसर, भारतीय मनोरोग सोसायटी, पुनर्वास मनोचिकित्सा विशेषता अनुभाग। सामान्य अस्पताल मनोरोग इकाई में मनोरोग पुनर्वास पर संगोष्ठी, 29 जून 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. शिवकुमार टी, मनोचिकित्सा के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. अंगोथु एच, मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. प्रसाद एमके, मनोचिकित्सा के अतिरिक्त प्रोफेसर। मानसिक बीमारी से पीड़ित बेघर व्यक्तियों के समुदाय-आधारित पुनर्वास और पुनर्वास पर संगोष्ठी: जमीनी हकीकत और स्थानीय समाधान, 5 फरवरी 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. टी शिवकुमार, मनोचिकित्सा के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. अमृता रॉय, सहायक प्रोफेसर, जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, हरियाणा। भारत में मनोरोग पुनर्वास कार्य कार्यक्रम चलाने की व्यावहारिकता पर संगोष्ठी, 17-18 मार्च 2023. 60 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. आरती जगननाथन, अतिरिक्त प्रोफेसर और टाटा ट्रस्ट उड़ान परियोजना टीम। व्यवसाय मूल्यांकन और प्रक्रिया पर कार्यशाला - उद्योग स्केल. 8 जुलाई 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया ।

## मनोरोग सामाजिक कार्य

डॉ. आर धनशेखर पांडियन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. बीपी निर्मला, प्रोफेसर। विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर संगोष्ठी, 21 मार्च 2023. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. एन जनार्दन, प्रोफेसर (i) कर्नाटक राज्य स्तरीय देखभालकर्ता मंच की बैठक, 16 अगस्त 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया (ii) कठिन परिस्थितियों में बच्चों के लिए मनोसामाजिक देखभाल पर विशेष किशोर पुलिस इकाई के लिए कार्यशाला, 13 अक्टूबर 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया (iii) ) POCSO पीड़ितों को मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक परामर्श सहायता पर कार्यशाला - दायरा, वर्तमान अभ्यास और आगे का रास्ता, 27 नवंबर 2022. 200 सदस्यों ने भाग लिया (iv) सामुदायिक संगठनों से देखभाल करने वालों की अंतर्दृष्टि पर कार्यशाला, 19 दिसंबर 2022. 200 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. एन जनार्दन, प्रोफेसर, एसएएमए टीम। (i) माता-पिता की मानसिक बीमारी के लिए बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर कार्यशाला (ए) 28 जनवरी 2023. 46 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 21 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 9-10 मार्च 2023. 63 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 18 मार्च 2023. 28 सदस्यों ने भाग लिया (ii) स्कूली शिक्षकों के लिए बच्चों और किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर कार्यशाला (ए) 19-24 सितंबर 2022. 12 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 22 सितंबर-21 दिसंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 3-4 जनवरी 2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 5-6 जनवरी

2023. 15 सदस्यों ने भाग लिया (ई) 28 जनवरी 2023. 10 सदस्यों ने भाग लिया (एफ) 18 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (जी) 25 फरवरी 2023। 35 सदस्यों ने भाग लिया भाग लिया (एच) 27 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (iii) बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर शिक्षक प्रशिक्षण पर कार्यशाला, समर्थनम, 11 अप्रैल–11 मई 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (iv) हितधारक कार्यशाला, 29 अगस्त 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया (v) जीवन कौशल और अध्ययन आदतों का उपयोग करके छात्र संवर्धन कार्यक्रम पर संगोष्ठी, 12 अप्रैल–12 मई 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. एन जनार्दन, प्रोफेसर, डॉ. मुथुराजू, पीएचडी स्कॉलर। (i) मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श पर कार्यशाला, 10 सितंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (ii) सामान्य मानसिक बीमारी पर कार्यशाला, 13 सितंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (iii) बच्चों में विकास संबंधी विकारों पर कार्यशाला, 17 और 26 सितंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (iv) पुलिस कर्मियों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 15 फरवरी–15 मार्च 2023. 70 सदस्यों ने भाग लिया (v) केवी स्कूल के बच्चों के लिए बच्चों और किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर कार्यशाला, 24 मार्च 2023. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. आरती जगननाथन, अतिरिक्त प्रोफेसर। (i) शैक्षणिक सेटिंग्स में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों वाले छात्रों के लिए समर्थित शिक्षा कार्यक्रम, 15 अक्टूबर 2022. 144 सदस्यों ने भाग लिया (ii) सहानुभूति और परामर्श कौशल पर योग्यता फ्रेमवर्क कार्यशाला, 1–8 मार्च 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. वृंदा एमएन, अतिरिक्त प्रोफेसर। (i) अंतरंग साथी हिंसा से बचे लोगों के घावों को भरने में मदद करने पर कार्यशाला, 3 सितंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (ii) जीवन कौशल दृष्टिकोण का उपयोग करके किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देने पर कार्यशाला, 13 सितंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया भाग लिया।

डॉ. अनीश वी चेरियन, एसोसिएट प्रोफेसर। (i) मनोसामाजिक हस्तक्षेप पर सतत प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 28–30 नवंबर 2023. 40 सदस्यों ने भाग लिया। (ii) स्वयंसेवकों के लिए आत्महत्या रोकथाम प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 22 मार्च 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. किम्नेइहाट वैफेई, सहायक प्रोफेसर। मानसिक बीमारी पर आवश्यक प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 18 जुलाई–19 अगस्त 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. स्पूर्ति प्रभु, पीएचडी स्कॉलर, डॉ. जनार्दन, प्रोफेसर। उन्नत परामर्श कौशल और प्रक्रिया पर कार्यशाला, 27 अगस्त 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया।

## मनश्चिकित्सा

निम्हांस विरासत संग्रहालय। पद्म भूषण डॉ. सारदा मेनन के जीवन और कार्यों पर प्रदर्शनी, 5–30 अप्रैल 2022.

जीवन और कार्यों पर प्रदर्शनी पद्म भूषण डॉ. सारदा मेनन ।

डॉ. प्रतिमा मूर्ति, सीनियर प्रोफेसर, डॉ. सी. नवीन कुमार, प्रोफेसर, डॉ. मंजूनाथ एन, अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. राजेंद्र कुमार, डॉ. लक्ष्मी निरिशा पी, डॉ. स्वाति आर, डॉ. प्रेरणा के सहयोग से बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन (बीआईसीए)। संचालित मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में ऑनसाइट प्रशिक्षण कार्यक्रम जेल डॉक्टरों के लिए कैदियों और जेल स्टाफ का संवेदीकरण बिहार, 11–12 फरवरी 2023। 50 सदस्यों ने भाग लिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जेल चिकित्सा अधिकारियों के लिए ।

डॉ. प्रतिमा मूर्ति, वरिष्ठ प्रोफेसर, विभिन्न विभागों के अन्य संकाय सदस्यों के साथ। एनआईएचआर वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान समूह–निम्हान्स बैठक, 2 फरवरी 2023. 23 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. प्रभा चंद्रा, सीनियर प्रोफेसर और टीम। 9वां नेतृत्व एवं प्रारंभिक कैरियर मनोचिकित्सकों के लिए व्यावसायिक कौशल पाठ्यक्रम, निम्हान्स, 1 फरवरी 2023. 16 सदस्यों ने भाग लिया।

प्रारंभिक कैरियर मनोचिकित्सकों के लिए 9वां नेतृत्व और व्यावसायिक कौशल पाठ्यक्रम

डॉ. वाई.सी. जनार्दन रेड्डी, प्रोफेसर एवं प्रमुख और ओसीडी क्लिनिक के अन्य सदस्य। ओसीडी सिल्वर जुबली संगोष्ठी, 11-13 नवंबर 2022 (ii) मनोचिकित्सा में अनुसंधान के महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर कार्यशाला, आईपीएस, 25-26 नवंबर 2022.

ओसीडी क्लिनिक-रजत जयंती संगोष्ठी

डॉ. नरेन पी राव, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा स्नातकोत्तरों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन-कौशल प्रशिक्षण अभ्यास में सूत्रीकरण और प्रबंधन पर कार्यशाला । 1 सितंबर 2022.

डॉ. प्रभात कुमार चंद, प्रोफेसर और सीएएम सर्विसेज के अन्य सदस्य। भारत के व्यसन मनोचिकित्सा (एपीएसआई) का वार्षिक सम्मेलन, 2-4 दिसंबर 2022.

भारत के व्यसन मनोचिकित्सा का वार्षिक सम्मेलन (एपीएसआई)-2022

डॉ. संजीव जैन, प्रोफेसर, डॉ. गीता देसाई, प्रोफेसर, डॉ. चेतन बी, एसोसिएट प्रोफेसर। चिकित्सा मानवविज्ञान और मनोचिकित्सा पर व्याख्यान श्रृंखला, 19-21 मई 2022.

डॉ. सुरेश बड़ा मठ, प्रोफेसर। (i) फोरेंसिक मनोचिकित्सा मूल्यांकन पर ऑनलाइन कक्षा आयोजित की गई, 17 जनवरी 2023 (ii) व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला और मनोचिकित्सा में टीएमएस में हालिया प्रगति पर एक व्याख्यान, 29 जनवरी 2023 (iii) अवसाद और यौन रोग पर कार्यशाला, आईएएसएमपीएमएम, केरल। 19-21 मार्च 2023.

डॉ. मुरलीधरन, प्रोफेसर और अन्य समिति सदस्य। विश्व द्विध्रुवी दिवस-2023 पर सीएमई कार्यक्रम, 11-12 मार्च 2023. 200 सदस्यों ने भाग लिया।

विश्व द्विध्रुवी दिवस-2023 पर सीएमई कार्यक्रम

डॉ. पीटी शिवकुमार, प्रोफेसर, डॉ. गुरु एस गौड़ा, सहायक प्रोफेसर, डॉ. विजय हर्बिसेट्टर, सहायक प्रोफेसर। आईपीएस-केसी पीजी सीएमई 2023, 24-25 फरवरी 2023. 200 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पीटी शिवकुमार, प्रोफेसर, वृद्धावस्था मानसिक विकारों के प्रबंधन में नैदानिक चुनौतियों पर ऑनलाइन शैक्षणिक कार्यक्रम, 5 मई 2022.

डॉ. हरीश अंगोथु, अतिरिक्त प्रोफेसर, केएसएचईएमए परियोजना के हिस्से के रूप में गौरीबिदनूर में कल्याण केंद्रों पर काम करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम, 30 जनवरी 2023.

डॉ. अजीत दहाले, अतिरिक्त प्रोफेसर। डॉ. एरिक जे. एंगस्ट्रॉम, संकाय, इतिहास विभाग, हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन द्वारा एमिल क्रेपेलिन के पुनर्मूल्यांकन पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन: एनआईएमएचएएनएस हेरिटेज संग्रहालय गतिविधियों के हिस्से के रूप में एक मनोरोग कैरियर का विकास और प्राथमिकताएं, 3 नवंबर 2022.

डॉ. चेतन बी, एसोसिएट प्रोफेसर। सलाह: कौशल और तकनीकें। भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षक, वायु योद्धाओं के लिए सलाह, परामर्श और मानसिक कल्याण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु, 21-22 जुलाई, 29 सितंबर, 24 नवंबर 2022.

डॉ. श्रीराज वी.एस., एसोसिएट प्रोफेसर। व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला और मनोचिकित्सा में टीएमएस में हालिया प्रगति पर एक व्याख्यान, 10-11 नवंबर 2022 (ii) टीएमएस पर दो दिवसीय सीएमई और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला, 10-11 जनवरी 2023.

डॉ. रश्मी ए, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. प्रीति वी रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, मूड डिसऑर्डर पर सीएमई, 11-12 मार्च 2023। 180 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. रश्मी ए, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. हरीश टी, प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी

विभागों के सहयोग से सीएलपी सर्विसेज, मनोचिकित्सा विभाग द्वारा दूसरा वार्षिक न्यूरोसाइकियाट्री वेबिनार आयोजित किया गया। 1 अक्टूबर 2022. 348 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. लेखांश शुक्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएएम. मनोचिकित्सा पीजी के लिए प्रशिक्षण पहल पर वार्षिक कार्यशाला। 2 सितंबर 2022.

डॉ. जयन्त महादेवन, सहायक प्रोफेसर। तंबाकू सेवन विकार – विश्व तंबाकू निषेध दिवस समारोह के अवसर पर मूल्यांकन और प्रबंधन, बैंगलोर इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, 3 जून 2022.

डॉ. सुहास सतीश, सहायक प्रोफेसर, प्रथम अखिल भारतीय मूड डिसऑर्डर क्विज, मूड डिसऑर्डर सीएमई–2023, 11 मार्च 2023.

## आपदा प्रबंधन में मनोवैज्ञानिक सहायता

डॉ. विवेक बेनेगल, प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. दिनाकरन, सहायक प्रोफेसर, डॉ. बाला शांति, परियोजना समन्वयक, सुश्री जेन मारिया वीटी, अनुसंधान सहयोगी, सुश्री केरन सीई, अनुसंधान सहयोगी, सुश्री विनिशा एम, प्रोजेक्ट एसोसिएट। LGBTQIA+ समुदाय के लिए समग्र कल्याण मॉड्यूल विकसित करने की परियोजना पर एनएमएचपी पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन परामर्शदात्री बैठक, 21 मार्च 2022. 10 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. के सेकर, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, श्री लिथिन, अनिल एचडी, श्री सोनू पी, श्री सतीशकुमार ए, श्री एलन, श्री मोहित शुक्ला (i) मनोसामाजिक देखभाल पर कार्यशाला आपदा प्रबंधन में: स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और प्रतिक्रिया। केंद्रीय क्षेत्र योजना–ईएमआर–डीएम सेल, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार ने स्वास्थ्य सेवा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, केरल सरकार के साथ सहयोग किया (ए) 9–13 मई 2022. 26 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 16–20 मई 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (सी) पुडुचेरी, यू.टी. सरकार के स्वास्थ्य सेवा विभाग के साथ, 23–27 मई 2022. 28 सदस्यों ने भाग लिया (डी) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार के साथ, 27 जून–1 जुलाई , 4–8 और 11–15 जुलाई 2022. 86 सदस्यों ने सरकार के साथ (ई) भाग लिया। आंध्र प्रदेश के, 5–9, 12–16, 19–23 सितंबर 2022. 96 सदस्यों ने भाग लिया (एफ) 25 नवंबर 2022. 152 सदस्यों ने भाग लिया (जी) सरकार के साथ। मिजोरम के, 6–10, 13–17 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. के. शेखर, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर। स्कूली बच्चों के मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के आकलन के लिए डीएमएचपी टीम, छत्तीसगढ़ सरकार के साथ सहयोग, 24–25 अगस्त 2022. 70 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. शेखर कासी, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर। मानसिक स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर WHO विशेषज्ञ परामर्श, 16 मार्च 2022. 46 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. शेखर कासी, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर। कोविड–19 के दौरान मनोसामाजिक देखभाल परियोजना की शुरुआत पर कार्यशाला, एनएसएस स्वयंसेवकों के माध्यम से कोविड–19 के दौरान मनोसामाजिक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, एमकेयू, निम्हान्स, एमएससीटीआरएफ, राजस्व प्रशासन विभाग, तमिलनाडु सरकार की सहयोगी परियोजना, 24–25 मार्च 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. के. शेखर, वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर। माता–पिता और शिक्षकों के लिए पारिवारिक संवर्धन पर कार्यशाला, एआईडी संगठन, दावणगेरे के सहयोग से, 10–12 मई 2022. 70 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, सह प्रोफेसर (i) स्वास्थ्य विभाग, एनएमएचपी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से परिवार संवर्धन पर कार्यशाला, 10–11 मार्च 2022. 35 सदस्यों ने भाग लिया (ii) हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य: स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र पर वर्चुअल पैनल चर्चा यूएनडीपी के सहयोग से हेल्दी माइंड विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाएगा, 7 मई 2022. 9 सदस्यों ने भाग लिया (iii) पुलिस कल्याण कार्यक्रम पर मूल्यांकन और कार्यान्वयन पर कार्यशाला–तमिलनाडु पुलिस आयोग, 24 मई 2022. 10 सदस्यों ने भाग लिया (iv) मनोसामाजिक पर कार्यशाला एनडीएमए, गृह मंत्रालय, भारत मंत्रालय, भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सहयोग से सीबीआरएन में प्रभाव और देखभाल, 16 जून 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया (v) एनडीएमए के सहयोग से सीबीआरएन आपातकाल के साथ मनोसामाजिक मुद्दों पर कार्यशाला , गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 30 जून 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (vi) (ए) एनडीएमए, असम, एसडीएमए, एडीएनआई एयरपोर्ट लिमिटेड, गुवाहाटी, एलजीबीआईए, 24–26 नवंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (बी) एनडीएमए के सहयोग से सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर बुनियादी प्रशिक्षण. एमओएचए और अदानी एयरपोर्ट लिमिटेड के सहयोग से एयरपोर्ट इमरजेंसी हैंडलर्स के लिए 30 सदस्यों ने भाग लिया, 6 फरवरी 2023. 30 सदस्यों ने भाग लिया (vii) शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर कार्यशाला, 16 दिसंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया ( viii) ZRAVAS–आपदा लचीलापन पर कार्यशाला: एक सामाजिक कार्य अनिवार्यता के रूप में समुदायों को पुनर्जीवित करना, राष्ट्रीय सम्मेलन और छात्रों की बैठक, क्राइस्ट स्कूल ऑफ सोशल वर्क, केरल और यूनिसेफ के सहयोग से, 3 फरवरी 2023. 250 सदस्यों ने भाग लिया (ix) मनोसामाजिक पर परामर्शदात्री बैठक समुदाय आधारित देखभाल के माध्यम से समर्थन और तैयारी, केरल राज्य के लिए परियोजना की शुरुआत, केएसडीएमए, केरल सरकार के सहयोग से निम्हान्स और यूनिसेफ की एक पहल, 24 फरवरी 2023. 17 सदस्यों ने भाग लिया (x) राष्ट्रीय स्तर की प्री–इवेंट कार्यशाला आपदा अनुसंधान और ज्ञान प्रबंधन, बदलती जलवायु में स्थानीय लचीलेपन के निर्माण के विषय पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच की तीसरी बैठक के लिए, सामाजिक कार्य विभाग, भूगोल विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर के साथ आपदा प्रबंधन केंद्र , टीएनएसडीएमए, एमओएचआरडी, डीएसटी और एमओईएस के सहयोग से, 25 फरवरी 2023. 100 सदस्यों ने भाग लिया।

(i) आपदा अनुसंधान और ज्ञान पर राष्ट्रीय स्तर की प्री-इवेंट कार्यशाला प्रबंधन (ii) मनो-सामाजिक समर्थन पर परामर्शदात्री बैठक और तत्परता

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. आरती जगन्नाथन, मनोरोग सामाजिक कार्य के अतिरिक्त प्रोफेसर, डॉ. बाला शांति, डॉ. ऐश्वर्या, सुश्री संध्या, सुश्री जेन, श्री कन्नन, श्री डैनियल, श्री रघुनाथ। आपदा में विकलांग व्यक्तियों के लिए मनोसामाजिक देखभाल पर कार्यशाला, 5 दिसंबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. के सेकर, वरिष्ठ सलाहकार। कोविड-19 के दौरान मनोसामाजिक देखभाल पर एमकेयू से संबद्ध कॉलेजों के सिद्धांतों के प्रति संवेदीकरण कार्यक्रम, 7 फरवरी 2023. 78 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. बाला शांति एस, परियोजना समन्वयक। ह्यूमन एड इंटरनेशनल (एचएआई) के सहयोग से सुंदरबन में ग्राम आपदा प्रतिक्रिया बल-वीडीआरएफ सदस्यों और जिला प्रशासन-निर्माण जलवायु लचीले समुदायों के लिए मनोसामाजिक सहायता प्रशिक्षण पर कार्यशाला, 28 मार्च-4 अप्रैल 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, श्री रघुनाथ एम, नर्सिंग अधिकारी। डीपीएन और डीएनएन छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन में मनो-सामाजिक सहायता के लिए अभिविन्यास, भारतीय सेना, 17 मार्च 2022. 5 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. बालाशांति, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, सुश्री जेन मारिया वीटी, रिसर्च एसोसिएट, सुश्री केरन सीई, रिसर्च एसोसिएट, सुश्री विनिशा एम, प्रोजेक्ट एसोसिएट। मनोसामाजिक लचीलापन बढ़ाने पर प्रशिक्षण-कोविड-19 के बाद, DPSSDM के सहयोग से SUDAR, चेन्नई द्वारा आयोजित, 14 मई 2022. 50 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. अजय गोयल, सहायक प्रोफेसर, डॉ. बाला शांति निकेता, परियोजना समन्वयक, डॉ. मनोज कुमार शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर, डॉ. अर्पिता बी.के., सीनियर रेजिडेंट, सुश्री निधि गुप्ता, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, श्री रघुनाथ एम, नर्सिंग ऑफिसर, सुश्री स्नेहा मैथ्यू, क्लिनिकल डाइटीशियन, श्री मुजतबा हुसैन, यूनिसेफ, बिहार, प्रोजेक्ट टीम, डॉ. विशमिता, श्री जसलीन सचदेव कौर, सुश्री चैथरा, श्री कन्नन। कोविड-19 महामारी-बिहार क्षेत्र के दौरान शिक्षकों की समग्र भलाई पर कार्यशाला (ए) 19-21 मई 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 25-27 मई 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 1-3 जून 2022. 26 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 7-9 जून 2022. 21 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. दिनाकरन डी, सुश्री जेन मारिया, सुश्री विनिशा एम. डीपीएसएसडीएम के सहयोग से सुडार, थोझी और सहोदरन, चेन्नई द्वारा ट्रांसमेन समुदाय के लिए कोविड-19 के बाद मनोसामाजिक लचीलेपन को बढ़ाने पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 7 सितंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया.

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. राजमणिकंदन, श्री डेनियल सेल्वा, डॉ. मोहन राज। यूनिसेफ के सहयोग से समुदाय-आधारित देखभाल के माध्यम से मनोसामाजिक सहायता और तैयारी पर कार्यशाला, 30 जनवरी 2023. 19 सदस्यों ने भाग लिया।

मनोसामाजिक सहायता एवं तैयारी पर कार्यशाला

डॉ जयकुमार. सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. बालाशांति निक्केथा, सुश्री जेन मारिया वीटी, श्री जसलीन कौर सचदेव, डॉ. दिनाकरन, सहायक प्रोफेसर, श्री राजमणिकंदन, सुश्री तानसा, श्री अनिल डोड्डामानी। (i) LGBTQIA+ समुदाय के समग्र मनोसामाजिक कल्याण मॉड्यूल पर कार्यशाला (ए) DPSSDM, UNDP द्वारा आयोजित, HUMSAFAR ट्रस्ट, TISS, MSACS और MDACS द्वारा समर्थित, 14-16 नवंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया (बी) DPSSDM, UNDP द्वारा आयोजित, 21 -23 नवंबर 2022. 30 सदस्यों ने हिस्सा लिया ।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. बालाशांति निक्केथा, श्री राजमणिकंदन, श्री डेनियल सेल्वा, श्री कन्नन. पुलिस कौशल शिक्षा (पीओएसई) पर कार्यशाला का आयोजन एम.एस. द्वारा किया गया। चेल्लामुथु ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउंडेशन (एमएससीटीआरएफ), मदुरै, डीपीएसएसडीएम, बेंगलुरु के तकनीकी सहयोग से, 18 नवंबर 2022. 20 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. राजमणिकंदन एस, सुश्री संध्या पीडी, श्री कन्नन एम. कर्नाटक राज्य में दक्षिणी राज्य-यूनिसेफ के लिए समुदाय आधारित देखभाल के माध्यम से मनोसामाजिक समर्थन और तैयारी परियोजना की शुरुआत, 7 फरवरी 2023. 10 सदस्यों ने भाग लिया।

परियोजना मनोसामाजिक समर्थन की शुरूआत और समुदाय आधारित देखभाल के माध्यम से तैयारी

डॉ. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर, सुश्री एलन क्रिस्टोफर। आपदा तैयारी के मनोसामाजिक पहलुओं पर कार्यशाला, कर्नाटक पुलिस कल्याण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, 23 फरवरी 2023. 17 सदस्यों ने भाग लिया।

कर्नाटक पुलिस कल्याण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, श्रीमती तानसा केए, सुश्री उर्मिला, श्री अनिल, सुश्री विनिशा, श्री मोहित और प्रशिक्षु (i) एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज, बेंगलुरु के सहयोग से बच्चों के लिए छात्र संवर्धन और जीवन कौशल कार्यक्रम पर कार्यशाला (ए) 23-24 जुलाई 2022. 37 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 30-31 जुलाई 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 20-21 अगस्त 2022. 23 सदस्यों ने भाग लिया । (ii) पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, के सहयोग से एसओएस विलेज बेंगलुरु (ए) 6-7 अगस्त 2022। 52 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 20-21 अगस्त 2022। 57 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 17-18 सितंबर 2022. 33 सदस्यों ने भाग लिया (डी) 27 सितंबर 2022. 26 सदस्यों ने भाग लिया (ई) 15-16 सितंबर 2022. 33 सदस्यों ने भाग लिया (एफ) 27 नवंबर 2022. 78 सदस्यों ने भाग लिया (iii) बच्चों के लिए लचीलापन निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहयोग किया गया एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज, बेंगलुरु के साथ 10-12 अगस्त 2022. 18 सदस्यों ने भाग लिया

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, सुश्री उर्मीला बामनी, सुश्री विनिशा मणि, सुश्री फातिमा हसनथ, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज ऑर्गेनाइजेशन के साथ छात्र संवर्धन कार्यक्रम सहयोग, 3-4 सितंबर 2022. 26 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, श्रीमती तानसा के.ए. (i) सीसीआई में बच्चों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर कार्यशाला-प्रबंधन में मुद्दे और चुनौतियाँ, के सहयोग से एनआईपीसीसीडी और निम्हान्स, 29 जून 2022. 100 सदस्यों ने भाग लिया (ii) स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए मनोसामाजिक देखभाल पर प्रशिक्षण केयर वर्क्स फाउंडेशन के साथ सहयोग, 24 अगस्त 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (iii) भावनात्मक उपचार प्रक्रिया और प्रभावी NIPCCD के साथ संचार एवं परामर्श कौशल सहयोग, 30 अगस्त 2022. 60 सदस्यों ने भाग लिया (iv) पालन-पोषण कौशल एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेज के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम, बेंगलुरु, 5 नवंबर 2022. (v) कार्यशाला में 35 सदस्यों ने भाग लिया अग्रिम पंक्ति के राहत कर्मियों और अधिकारियों के लिए मनोसामाजिक देखभाल पर आईआरआईडीएम, एनआईडीएम के साथ सहयोग, 25 नवंबर 2022. 30 सदस्य भाग लिया।

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर। (i) एमएएसएस संगठन के सहयोग से छात्र संवर्धन कार्यक्रम पर कार्यशाला, 28-30 जुलाई 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया (ii) वनश्री संगठन के सहयोग से जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षण, 27-29 अगस्त 2022. 65 सदस्यों ने भाग लिया (iii) जीवन पर प्रशिक्षण एमएएसएस, घाट प्रभा, कर्नाटक के सहयोग से आपदा मनोसामाजिक तैयारी के हिस्से के रूप में शिक्षकों और युवाओं के लिए कौशल शिक्षा, 14-16 अक्टूबर 2022. 55 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, श्रीमती तानसा केए, सुश्री उर्मिला बामनी. एआईडी संगठन, दावणगेरे के सहयोग से आपदा मनोसामाजिक तैयारी के हिस्से के रूप में शिक्षकों और अभिभावकों के लिए जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षण, 16-18 अक्टूबर 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, डॉ. अजय गोयल, श्रीमती देवकी अजय, श्रीमती तानसा के.ए. (i) (ए) बीईएस स्कूल, बेंगलुरु के सहयोग से कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षकों, बच्चों के मुद्दों और चिंताओं के साथ फोकस समूह चर्चा पर कार्यशाला, 6 दिसंबर 2022. 18 सदस्यों ने भाग लिया (बी) बच्चों के साथ, 22 दिसंबर 2022. 26 सदस्यों ने भाग लिया (सी) माता-पिता के साथ, 27 दिसंबर 2022. 23 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर, श्री अनिल हेमन्ना डोड्डामानी। (i) युवाओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए आपदा मनोसामाजिक तैयारी के एक भाग के रूप में जीवन कौशल पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण पर कार्यशाला (ए) 4-6 जनवरी 2023. 44 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 13-14 जनवरी 2023. 50 सदस्यों ने भाग लिया (ii) आपदा मनोसामाजिक तैयारी के हिस्से के रूप में पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण, 13-15 मार्च 2023. 25 सदस्यों ने भाग लिया (iii) आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल पर कार्यशाला: केंद्रीय क्षेत्र योजना-ईएमआर-डीएम सेल, MoHFW के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और प्रतिक्रिया और भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार के सहयोग से। सिक्किम के. 27-31 मार्च 2023. 43 सदस्यों ने भाग लिया ।

(i) आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल पर कार्यशाला: स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और प्रतिक्रिया (ii) आपदा मनोसामाजिक तैयारी के हिस्से के रूप में पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण

डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, सहायक प्रोफेसर। विकिरण आपात स्थितियों के दौरान मनोसामाजिक सहायता पर कार्यशाला, (ए) 18–22 फरवरी 2023. 35 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 18 मार्च 2023. 40 सदस्यों ने भाग लिया (सी) 25 मार्च 2023. 38 सदस्यों ने भाग लिया।

कैप्शन : विकिरण आपात स्थिति के दौरान मनोसामाजिक सहायता पर कार्यशाला

## स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियोलॉजी

स्पीच पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी विभाग और इंडियन स्पीच एंड हियरिंग एसोसिएशन–बेंगलुरु चैप्टर (आईएसएचए–बीसी). 7वां वार्षिक ISHA–BC सम्मेलन, 5–6 नवंबर 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

## ट्रांसफ़्यूज़न चिकित्सा और रुधिर विज्ञान

डॉ. वाणी संतोष, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. विजय कुमावत, एसोसिएट प्रोफेसर, चिकित्सीय एफेरेसिस पर कार्यशाला: वर्तमान प्रथाएं और उन्नति, 15 जुलाई 2022. 265 सदस्यों ने भाग लिया।

## निम्हान्स सेंटर फॉर वेल बीइंग (एनसीडब्ल्यूबी)

डॉ. प्रतिमा मूर्ति, मनोचिकित्सा, वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. प्रशांति नट्टाला, प्रोफेसर और नर्सिंग प्रमुख, डॉ. पद्मावती डी, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी और टीम। युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम, 27 अगस्त 2022। 35 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. सेंथिल रेड्डी, मनोचिकित्सा के प्रोफेसर, डॉ. कृष्णा प्रसाद, मनोचिकित्सा के, डॉ. पद्मावती डी, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी और टीम (i) गेट कीपर प्रशिक्षण कार्यक्रम (ए) 20 अगस्त 2022. 32 सदस्यों ने भाग लिया (बी) 20 अक्टूबर 2022. 28 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पॉलोमी एम. सुदीर, प्रोफेसर क्लिनिकल साइकोलॉजी, डॉ. अजय कुमार, अवर प्रोफेसर ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी, श्रीमती मरीना, पीएचडी स्कॉलर ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी, श्रीमती मनीषा मोहन दास, पीएचडी स्कॉलर ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी, श्रीमती पूनम पीएचडी स्कॉलर ऑफ क्लिनिकल मनोविज्ञान। वायु योद्धाओं के लिए कार्य तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला, 1 मार्च 2022. 10 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मनोज कुमार शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर, सुश्री अश्विनी, पीएच. डी. विद्वान (i) प्रौद्योगिकी और डिजिटल उपकरणों की लत पर कार्यशाला – परामर्शदाताओं का एक संसाधन पूल बनाना, 21 अक्टूबर 2022. 32 सदस्यों ने भाग लिया (ii) योगिक दृष्टिकोण के माध्यम से प्रौद्योगिकी के उपयोग के तंत्र पर कार्यशाला, 4 नवंबर 2022. 12 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. मनोज शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर, सुश्री प्रथंजलि चक्रवर्ती, पीएच.डी. क्लिनिकल साइकोलॉजी की विद्वान श्रीमती सुकन्या। एस, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर। प्रौद्योगिकी का स्वस्थ उपयोग, 13 मार्च 2022. 38 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. वृंदा एमएन, मनोरोग सामाजिक कार्य के अतिरिक्त प्रोफेसर। आईपीवी से बचे लोगों के घावों को भरने में मदद पर कार्यशाला। 5 सितंबर 2022. 16 सदस्यों ने भाग लिया

डॉ. वृंदा एमएन, मनोरोग सामाजिक कार्य की अतिरिक्त प्रोफेसर, सुश्री अदाशा अजयन, पीएच.डी. विद्वान. किशोरों में जीवन कौशल दृष्टिकोण के लिए अभिविन्यास पर कार्यशाला, 13 सितंबर 2022. 38 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. वृंदा एमएन, मनोरोग सामाजिक कार्य के अवर प्रोफेसर, डॉ. थॉमस किशोर, नैदानिक मनोविज्ञान के अतिरिक्त प्रोफेसर, श्री जेम्स प्रभु रंजीत, पीएच.डी. विद्वान. साइबर वेलनेस प्रोग्राम, 29 अक्टूबर 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. अरविंद राज, मनोरोग सामाजिक कार्य के अतिरिक्त प्रोफेसर, श्री अशोक पीएच. डी. मनोरोग सामाजिक कार्य के विद्वान। कल्याण स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रत्येक शनिवार को 16वें सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम। 45 सदस्यों ने भाग लिया।

श्रीमती सुकन्या एस, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, एनसीडब्ल्यूबी सेवाओं के लिए अभिविन्यास, फरवरी और मार्च 2022. 116 सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. पद्मावती, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी। (i) नशीले पदार्थों के उपयोग और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 1 अप्रैल 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया (ii) साइको एक्टिव मादक द्रव्यों के सेवन विकारों के लिए संक्षिप्त हस्तक्षेप, 10–30 नवंबर 2022. 200 सदस्यों ने भाग लिया (iii) मातृ मानसिक का महत्व स्वास्थ्य, 19 मई 2022. 40 सदस्यों ने भाग लिया।

## फिजियोथेरेपी केंद्र

डॉ. वी सेल्वा गणपति, सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट। गंभीर पीठ दर्द से पीड़ित व्यक्तियों के लिए दर्द तंत्रिका विज्ञान शिक्षा पर कार्यशाला। 13 जुलाई 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया ।

दर्द तंत्रिका विज्ञान शिक्षा पर कार्यशाला

न्यूरोलॉजी विभाग के साथ फिजियोथेरेपी केंद्र (i) पोस्टर प्रदर्शनी (ii) शैक्षिक सत्र, 25 अक्टूबर 2022 (iii) पीटी और ओटी छात्रों के लिए व्याख्यान के साथ शैक्षिक कार्यक्रम, 26 अक्टूबर 2022. 15 सदस्यों ने भाग लिया।

फिजियोथेरेपी सेंटर. (i) विश्व स्ट्रोक दिवस, 29 अक्टूबर 2022. 30 सदस्यों ने भाग लिया। (ii) विश्व फिजियोथेरेपी दिवस-2022, 8 सितंबर 2022. 150 सदस्यों ने भाग लिया।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस

श्री सुजो थॉमस, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्सिंग अधिकारियों और स्वच्छता परिचारकों को तीव्र स्ट्रोक देखभाल-शैक्षिक सत्र के दौरान जटिलताओं को रोकने के लिए प्रभावी प्रबंधन। 25 अक्टूबर 2022. 25 सदस्यों ने भाग लिया.

# संकाय/कर्मचारियों द्वारा दिया गया विशिष्ट प्रशिक्षण

## जैव सांख्यिकी

डॉ. के. तेन्नरसु, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. बीनू वी.एस., एसोसिएट प्रोफेसर। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद द्वारा आयोजित आर (एसएमडब्ल्यूआर) के साथ सांख्यिकीय मॉडलिंग पर ऑनलाइन कार्यशाला।9-15 जनवरी 2023.

डॉ. मरियम्मा फिलिप, अवर प्रोफेसर, सांख्यिकी मॉडलिंग: सिद्धांत और अनुप्रयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला, सांख्यिकी, कंप्यूटर और अनुप्रयोग सोसायटी द्वारा आयोजित, 31 अक्टूबर 2022.

## नैदानिक मनोविज्ञान

डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, प्रोफेसर, कोसाक जान, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और स्कीमा थेरेपिस्ट द्वारा चार दिवसीय ऑनलाइन स्कीमा थेरेपी प्रशिक्षण, 29 सितंबर-2 नवंबर 2022.

डॉ. पूर्णिमा भोला, प्रोफेसर, प्रोफेसर एंथनी बेटमैन, PARC, बैंगलोर और अन्ना फ्रायड सेंटर, यूके द्वारा मानसिक-आधारित थेरेपी में दो दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण, 22-23 फरवरी 2023.

डॉ. एम मंजुला, प्रोफेसर (i) स्कीमा थेरेपी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ स्कीमा थेरेपी (आईएसएसटी), 20 सितंबर-2 नवंबर 2022 (ii) एचपीवी प्रिवेंशन लैंडस्केप और वे फॉरवर्ड पर दक्षिण एशिया बैठक, एनटीएजीआई, दिल्ली, 13- 15 दिसंबर 2022 (iii) स्कीमा थेरेपी पर्यवेक्षण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण, 18 जनवरी-29 फरवरी 2023 (iv) ऑनलाइन स्कीमा थेरेपी, पीयर पर्यवेक्षण, 31 अक्टूबर-6 अप्रैल 2023.

डॉ. एम. थॉमस किशोर, प्रोफेसर, मस्तिष्क आधारित बुद्धि परीक्षण पर कार्यशाला, मस्तिष्क आधारित बुद्धि परीक्षण टीम (अलबर्टा विश्वविद्यालय, आईआईटी-हैदराबाद), 18 जून 2022.

डॉ. हिमानी कश्यप, एसोसिएट प्रोफेसर (i) मनोविश्लेषण में क्लिनिकल सेमिनार (साप्ताहिक), तारा क्लिनिक, 6 मई 2022-24 मार्च 2023 (ii) आईसीएमआर-पीआरआईआईए ग्रांटथॉन 2022, आईसीएमआर-भारत में हस्तक्षेप और कार्यान्वयन के लिए मनोरोग अनुसंधान अवसंरचना, नई दिल्ली, 8-11 अगस्त 2022 (iii) मानसिककरण आधारित उपचार-उन्नत प्रैक्टिशनर कोर्स, अन्ना फ्रायड सेंटर, यूके और साइकोथेरेपी एडवांस्ड रिसर्च सेंटर, बैंगलोर, 22-23 फरवरी 2023.

डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, अद्वैत से गैर-स्थानीयता तक चेतना की खोज: एक मानव-मशीन बहस, निम्हान्स चेतना अध्ययन केंद्र, इंडिया फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से, निमहंस, बैंगलोर, 23-24 सितंबर 2022.

## महामारी विज्ञान

डॉ. गौतम मेलुर सुकुमार, अवर प्रोफेसर, WHO सीसी की क्षेत्रीय कार्यशाला- यौन दुर्व्यवहार और उत्पीड़न को रोकना और प्रतिक्रिया देना, WHO-SEARO, नई दिल्ली, 8-9 दिसंबर 2022.

डॉ. सेंथिल अमुधन, अतिरिक्त प्रोफेसर (i) क्लिनिकल महामारी विज्ञान में उन्नत पाठ्यक्रम। क्लिनिकल रिसर्च और महामारी विज्ञान विभाग, आईएलबीएस, नई दिल्ली, 4-6 अप्रैल 2022 (ii) (ए) हेल्थकेयर में आर्थिक मूल्यांकन (बी) मिश्रित अनुसंधान पद्धति। आईपीएचए पश्चिम बंगाल शाखा, कोलकाता, 28 नवंबर-2 दिसंबर 2022, 19 मार्च 2023.

डॉ. प्रचेथ आर, सह प्रोफेसर (i) जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, महामारी विज्ञान विभाग, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र, निम्हान्स, 15-21 जनवरी 2023 (ii) चिकित्सा अनुसंधान में प्रतिगमन विश्लेषण पर कार्यशाला (रीमर), बायोस्टैटिस्टिक्स विभाग, निमहंस , 23-25 फरवरी 2023.

## मानव आनुवंशिकी

डॉ. मथिवणन जोथी, एसोसिएट प्रोफेसर। जीन क्लोनिंग में प्रयोगशाला कौशल को बढ़ाने पर वृत्तिका रिसर्च इंटर्नशिप (प्रशिक्षण और कौशल इंटर्नशिप), एसईआरबी, निमहंस द्वारा प्रायोजित, 1 जुलाई-30 जुलाई 2022. 32 सदस्यों ने भाग लिया।

## समग्र चिकित्सा

डॉ. हेमन्त भार्गव, सहायक प्रोफेसर। धर्म, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता पर कार्यशाला। ड्यूक यूनिवर्सिटी, डरहम, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए, 14-19 अगस्त 2022 (ii) हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मैसाचुसेट्स मेंटल हेल्थ सेंटर (एमएमएचसी) और सद्गुरु सेंटर फॉर कॉन्शियस प्लैनेट, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए के साथ अनुसंधान प्रशिक्षण सहयोग, 22 अगस्त 2022.

डॉ. भरत होल्ला, सहायक प्रोफेसर। यंग फिजिशियन लीडर्स (वाईपीएल) प्रोग्राम, यूरोपियन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, बर्लिन, जर्मनी, 13-18 अक्टूबर 2022.

## न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर

डॉ. भद्री नारायण वी, प्रोफेसर, स्वास्थ्य अनुसंधान की नैतिकता समीक्षा (ऑनलाइन), फरवरी 2023.

डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, अवर प्रोफेसर। (i) उन्नत यांत्रिक वेंटिलेशन, प्रीकांफ्रेंस कार्यशाला, यूरोएशिया-2022 सम्मेलन, नई दिल्ली, 30 जून-1 जुलाई 2022 (ii) अगली पीढ़ी अनुक्रमण विश्लेषण और चिकित्सा पेशेवरों के लिए इसके अनुप्रयोग। केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, केआईएमएस, बेंगलुरु, 26-30 अक्टूबर 2022 (iii) एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम में निरंतर गुणवत्ता सुधार, ई-कोर्स, 12 दिसंबर 2022.

डॉ. सुपर्णा भारद्वाज, अतिरिक्त प्रोफेसर (i) इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग में 15-दिवसीय ऑब्जर्वरशिप, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई, अगस्त 2022 (ii) न्यूरोक्रिटिकल केयर में फेलोशिप, एडनब्रुक हॉस्पिटल, कैम्ब्रिज, यूके, अक्टूबर 2022-फरवरी 2023.

डॉ. राजीब कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रतिगमन विश्लेषण कार्यशाला, निम्हान्स, 23-25 मार्च 2023.

डॉ. श्वेता एस नाइक, सहायक प्रोफेसर। (i) (ए) चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों में संशोधित बुनियादी पाठ्यक्रम कार्यशाला (बी) यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों पर एक सप्ताह का पाठ्यक्रम (सी) स्वास्थ्य संसाधन पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर 14वां वार्षिक एक सप्ताह का पाठ्यक्रम, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, 12-14 सितंबर, 17-21 अक्टूबर 2022, 13-17 मार्च 2023.

डॉ. संगीता आरपी, सहायक प्रोफेसर, स्वास्थ्य संसाधन पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर 14वां वार्षिक एक सप्ताह का पाठ्यक्रम, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, 13-17 मार्च 2023.

## न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

डॉ. कार्तिक, सह प्रोफेसर, स्टैंडअलोन पीजी संस्थानों के लिए मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में संशोधित बेसिक कोर्स कार्यशाला, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर एनएमसी नोडल सेंटर, 27-29 मार्च 2023.

डॉ. मनोज कुमार, सहायक प्रोफेसर। प्रयोगशाला पशुओं की नैतिकता, सुरक्षा, प्रयोग, देखभाल और प्रबंधन, केंद्रीय पशु अनुसंधान सुविधा (सीएआरएफ), निम्हान्स, बेंगलुरु, 18-30 जुलाई 2022.

## तंत्रिका विज्ञान

डॉ. सुवर्णा अल्लादी, प्रोफेसर और प्रमुख, वसुंधरा दास, सामुदायिक ड्रमजन फाउंडेशन, हेसरघट्टा द्वारा ड्रमजम फैसिलिटेटर प्रशिक्षण का आयोजन, 14-16 अक्टूबर 2022.

डॉ. रवि यादव, प्रोफेसर। स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (जीएमएचई), भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर (आईआईएमबी), 22 अगस्त 2022-14 मार्च 2023.

डॉ. रोहन आर महाले, अतिरिक्त प्रोफेसर, रोगाणुरोधी प्रबंधन पर उन्नत राष्ट्रीय कार्यशाला, जिपमर, पांडिचेरी, 8 फरवरी-9 मार्च 2023.

डॉ. रवीन्द्रनाथ चौधरी एम, अतिरिक्त प्रोफेसर। (i) क्लीवलैंड क्लिनिक एसईईजी कोर्स- इंटरैक्टिव मामले: रील ट्रीप और इसकी मिर्गी, क्लीवलीन क्लिनिक और यूएसए, ऑनलाइन, 26 अक्टूबर 2022-29 मार्च 2023 (ii) स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा (एचआरएम ईबीएम), सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु, 13-17 मार्च 2023.

डॉ. सृजितेश पीआर, अतिरिक्त प्रोफेसर, स्ट्रोक एंड न्यूरोवास्कुलर इंटरवेंशन फाउंडेशन (एसएनआईएफ), एसएनआईएफ के तहत एक साल की फैलोशिप, 2-3 अगस्त 2023.

डॉ. सरस्वती नाशी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्वास्थ्य अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर एक सप्ताह का पाठ्यक्रम, 14वां वार्षिक इंटरनेशनल, सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु, 13–17 मार्च 2023.

डॉ. विक्रम वी होल्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, बेसिक्स बायोइनफॉरमैटिक्स और नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग डेटा एनालिसिस, नेक्स्टजेनहेल्पर, नई दिल्ली (ऑनलाइन), 10–28 फरवरी 2023.

डॉ. राघवेंद्र के, सह प्रोफेसर, न्यूरोमॉनिटरिंग वर्कशॉप, निमहंस, 10–12 मार्च 2023.

डॉ. अजय असरन्ना, सह प्रोफेसर, ईआरएम: रिसर्च मेथड्स में सर्टिफिकेट कोर्स, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, 1 अक्टूबर 2022–31 जनवरी 2023.

## न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी

डॉ. एचबी वीणाकुमारी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, रोगाणुरोधी प्रबंधन पर उन्नत राष्ट्रीय कार्यशाला, JIPMER, पुडुचेरी, 6–10 फरवरी 2023.

डॉ. एचबी वीणाकुमारी, प्रोफेसर एवं प्रमुख, श्रीमती जेसना सीए, आईसीएन, डॉ. सरवनप्रिया, पीडीएफ। एम्स इको गुणवत्ता सुधार पहल कार्यक्रम सत्र, एम्स, 27 फरवरी 2023.

## तंत्रिकाविकृति विज्ञान

डॉ. शिल्पा राव, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. रश्मी एस, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में चार दिवसीय प्रशिक्षण, जेईओएल लिमिटेड, टोक्यो, जापान, 7–10 मार्च 2023.

## न्यूरोवायरोलॉजी

डॉ. अनिता देसाई, प्रोफेसर एवं प्रमुख, डॉ. अश्विन वाईबी, सहायक प्रोफेसर। प्रयोगशाला मूल्यांकनकर्ताओं के लिए आईएसओ '15189–2012' के अनुसार चिकित्सा प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा, 15–18 नवंबर 2022.

डॉ. अश्विन बेलुडी, सहायक प्रोफेसर, वायरल हेपेटाइटिस पर कार्यशाला, क्लिनिकल वायरोलॉजी विभाग, लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस), नई दिल्ली, 21–22 फरवरी 2023.

डॉ. अश्विनी एमए, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, नैनोपोर टेक्नोलॉजी का उपयोग करके 16एस और संपूर्ण जीनोम मेटाजेनोम में अंतर्दृष्टि, जीनोटाइपिक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, 16–17 दिसंबर 2022.

सुश्री गायत्री देवी, चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविद्, सिस्मेक्स साइफ्लो सीडी4 काउंटर गुणवत्ता नियंत्रण और समस्या निवारण पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिला अस्पताल, उडुपी, 24–25 नवंबर 2022.

## नर्सिंग

डॉ. राधाकृष्णन, अतिरिक्त प्रोफेसर, मानसिक बीमारी से पीड़ित बच्चों की माता–पिता की देखभाल पर कार्यशाला, निम्हान्स बाल मनोचिकित्सा केंद्र, 29 मार्च 2023.

## नर्सिंग कॉलेज

डॉ. कणिता डी, व्याख्याता, (i) आवश्यक प्रसव देखभाल पाठ्यक्रम: नए डब्ल्यूएचओ इंटर–प्रोफेशनल मिडवाइफरी एजुकेशन टूलकिट का एक कोर्स, वर्चुअल, 27 अप्रैल 2022 (ii) मिडवाइफरी प्रैक्टिस के लिए आईसीएम आवश्यक मिडवाइफरी योग्यता–भारतीय परिप्रेक्ष्य, वर्चुअल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, जोधपुर, 26–27 अप्रैल 2022 (iii) नर्सों के लिए ओएससीई समर्थन और तैयारी और पोस्टुरल समर्थन भाग– II, वर्चुअल, 31 मई 2022.

डॉ. कणिता डी, व्याख्याता, डॉ.सी. राजेश्वरी, व्याख्याता। ऑनसाइट कौशल मानकीकरण और सिमुलेशन प्रशिक्षण, राष्ट्रीय संदर्भ सिमुलेशन केंद्र (एनआरएससी), एसजीटी विश्वविद्यालय, 20–24 जून 2022.

डॉ. प्रिया बेबी, व्याख्याता। न्यूरोलॉजी में पूर्वानुमान और संचार कौशल। करुणाश्रय इंस्टीट्यूट फॉर पैलिएटिव केयर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (KIPCER), बैंगलोर हॉस्पिस ट्रस्ट।

डॉ. एस. वल्लियाम्मल, व्याख्याता। हैंड्स ओनली सीपीआर (एचओसीपीआर)। इंटरनेशनल क्रिटिकल–केयर एयर ट्रांसफर टीम (ICATT), बेंगलुरु, 20 जनवरी 2023.

## मनोरोग पुनर्वास सेवाएँ

डॉ. निशांत केएन, सहायक प्रोफेसर। (i) सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम, सरकारी उपमंडलीय अस्पताल, गंगावती तालुक, कोप्पल जिला, 16 जनवरी 2023 (ii) सीएचओ प्रशिक्षण कार्यक्रम, सिंदगी तालुक, विजयपुरा, 30 जनवरी 2023.

## मनोरोग सामाजिक कार्य

डॉ. आर धनशेखर पांडियन, प्रोफेसर और प्रमुख। (i) ओसीडी क्लिनिक सिल्वर जुबली संगोष्ठी के लिए ओसीडी के लिए मनोसामाजिक हस्तक्षेप पर प्री–संगोष्ठी कार्यशाला, ओसीडी क्लिनिक, मनोचिकित्सा विभाग, निम्हान्स, 11 नवंबर 2022–11 मई

2023 (ii) इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री–2022 का 29वां राष्ट्रीय सम्मेलन , इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकिएट्री, 18–20 नवंबर 2022 (iii) दूसरा राष्ट्रीय व्यसन मनोरोग सम्मेलन (एडीआईसीओएन–2022), सेंटर फॉर एडिक्शन मेडिसिन, निम्हान्स, 2–4 दिसंबर 2022 (iv) रिफ्लेक्शन्स टू एक्शन पर कार्यक्रम, द्वारा आयोजित कर्नाटक मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल, 9 दिसंबर 2022.

डॉ. वृंदा एमएन, अतिरिक्त प्रोफेसर। बच्चों और नैदानिक अनुसंधान पर ई–कोर्स, वैश्विक स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र– यूके, 29–30 सितंबर 2022.

डॉ. अनीश वी चेरियन, एसोसिएट प्रोफेसर, आईसीएच गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस ई6 (आर2), द ग्लोबल हेल्थ नेटवर्क, 10 जनवरी–2 फरवरी 2023.

## स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियोलॉजी

डॉ. एस.एस. मीरा, सहायक प्रोफेसर, देखभालकर्ता शिशु सहभागिता के लिए मैनचेस्टर मूल्यांकन (एमएसीआई), मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, 14–31 मार्च 2023.

## ट्रांसफ़्यूज़न चिकित्सा और रुधिर विज्ञान

डॉ. विजय कुमावत, सह प्रोफेसर, 10–11 दिसंबर 2022 तक 'आर' प्रोग्रामिंग, कॉमकैड के साथ डेटा विश्लेषण।

डॉ. परमात्मा प्रसाद त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, रोगी रक्त प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स (तीसरा संस्करण), द सिमुलेशन सोसाइटी/वेरफेन अकादमी, 25 सितंबर–6 नवंबर 2022.

## फिजियोथेरेपी केंद्र

श्री जरापला श्रीनिवास नायक, फिजियोथेरेपिस्ट, (i) स्ट्रोक में मोटर नियंत्रण और सीखने की अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण, पोस्ट कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, बैंगलोर फिजियोथेरेपिस्ट नेटवर्क – फिजियो 365, बैंगलोर, 20 अगस्त 2022 (ii) न्यूरोरिहैबिलिटेशन, सुकिनो हेल्थ में हालिया रुझानों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण केयर, व्हाइटफ़ील्ड, बैंगलोर, 6 नवंबर 2022.

सुश्री कीर्ति एस

भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से निम्हान्स द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में दिव्यांगजनों द्वारा बनाई गई कलाकृति। विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय निधि योजना के तहत ।

# राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

# केंद्रीय सुविधाएं

## न्यूरोबायोलॉजी अनुसंधान केंद्र (एनआरसी)

### समन्वयक: डॉ. चेतन जीके, प्रोफेसर एवं प्रमुख, मानव आनुवंशिकी विभाग

न्यूरोबायोलॉजी रिसर्च सेंटर (एनआरसी) एक अत्याधुनिक सामान्य अनुसंधान सुविधा है जो निम्हान्स में अंतःविषय और अंतर-संस्थागत सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करती है। केंद्र तंत्रिका विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में अनुवाद संबंधी अनुसंधान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के विकास का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। एनआरसी में 18 अनुसंधान प्रयोगशालाएं और दो केंद्रीय सुविधाएं हैं। अधिकांश प्रयोगशालाओं को उनके शोध कार्यों के लिए इंडिया एलायंस डीबीटी वेलकम, डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, सीएसआईआर सहित अन्य से अतिरिक्त अनुदान प्राप्त होता रहता है। एनआरसी का आदेश यह है कि सभी केंद्रीय सुविधाएं और अनुसंधान प्रयोगशालाएं सामान्य सुविधाएं हैं, जिन्हें निम्हान्स में संकाय, वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों द्वारा साझा और उपयोग किया जाना है।

## सामान्य सुविधाएं

### मानव मस्तिष्क ऊतक भंडार (मानव मस्तिष्क बैंक; संकाय प्रभारी: डॉ. अनीता महादेवन, प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग)

ह्यूमन ब्रेन टिश्यू रिपॉजिटरी – जिसे अक्सर ब्रेन बैंक के रूप में जाना जाता है – ने न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों, सेरेब्रोवास्कुलर रोग, ब्रेन ट्यूमर, संक्रामक स्थितियों से प्रभावित व्यक्तियों के साथ-साथ पीड़ितों से दान किए गए मस्तिष्क के संग्रह के संबंध में सक्रिय रूप से अपना काम जारी रखा है। सड़क यातायात दुर्घटनाएँ जो अपेक्षाकृत सामान्य नियंत्रण के रूप में कार्य करती हैं। सभी दान करीबी रिश्तेदारों की लिखित सूचित सहमति के बाद किए जाते हैं, जिससे संसाधनों का नैतिक और जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित होता है।

पिछले कुछ वर्षों में, संग्रहीत मस्तिष्क ऊतक, मस्तिष्कमेरु द्रव (सीएसएफ), और सीरम देश भर के शोधकर्ताओं को उपलब्ध कराया गया है। इन संसाधनों ने कई प्रकाशनों को जन्म दिया है और विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन किया है, जिनमें अनुसंधान परियोजनाओं, शोध प्रबंधों और अन्य शैक्षणिक प्रयासों के लिए निम्हांस के भीतर संकाय और छात्रों द्वारा संचालित परियोजनाएं भी शामिल हैं।

ब्रेन बैंक न केवल अनुसंधान का केंद्र रहा है, बल्कि मृत अंग दान और मस्तिष्क दान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इस आउटरीच प्रयास के परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु के बाद अनुसंधान के लिए अपने मस्तिष्क को गिरवी रखने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो तंत्रिका विज्ञान की प्रगति में योगदान दे रही है।

ब्रेन बैंक ने सफलतापूर्वक अपने अस्तित्व के 28 वर्ष पूरे कर लिए हैं। तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने ब्रेन बैंक नेटवर्क इंडिया पहल को वित्त पोषित किया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य पूरे देश में सैटेलाइट ब्रेन बैंकों का एक नेटवर्क स्थापित करना है, जिसमें निम्हान्स ब्रेन बैंक को नोडल केंद्र बनाया जाएगा। हाल के दिनों में, संकाय प्रभारी ने दो नए ब्रेन बैंक स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, एक एम्स भुवनेश्वर में और दूसरा पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में, जिससे नेटवर्क की पहुंच और प्रभाव का विस्तार हुआ।

कोविड-19 महामारी की चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान, ब्रेन बैंक ने उन मरीजों की शव-परीक्षा करने का महत्वपूर्ण कार्य किया, जिनकी मृत्यु कोविड-19 से हुई थी। इस प्रयास का उद्देश्य अनुसंधान का समर्थन करने के लिए मस्तिष्क के ऊतकों और तरल पदार्थों का बायोरिपोजिटरी बनाना था। महामारी के दौरान इन असाधारण सेवाओं की मान्यता में, आईसीएमआर ने तंत्रिका तंत्र के उभरते और फिर से उभरते संक्रमणों के लिए एक उच्च जोखिम वाले ऑटोप्सी सूट और एक राष्ट्रीय बायोरिपोजिटरी स्थापित करने की एक परियोजना को मंजूरी दी है। निम्हान्स ब्रेन बैंक इस परियोजना में एक केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जो न्यूरोइन्फेक्शन अनुसंधान के क्षेत्र में इसके महत्व पर जोर देगा।

शिक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए, ब्रेन बैंक ने उदारतापूर्वक शिक्षण सहायता के रूप में स्थापित मस्तिष्क नमूने प्रदान किए हैं और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (सीएनएस) संक्रमणों के स्लाइड सेट वितरित किए हैं। यह शैक्षिक समर्थन सुनिश्चित करता है कि निम्हान्स में विकसित ज्ञान और विशेषज्ञता व्यापक रूप से प्रसारित हो, जिससे व्यापक चिकित्सा और वैज्ञानिक समुदाय को लाभ हो।

### न्यूरोपैथोलॉजी ब्रेन संग्रहालय (संकाय प्रभारी: डॉ. अनीता महादेवन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग)

न्यूरोपैथोलॉजी ब्रेन म्यूजियम (ह्यूमन ब्रेन म्यूजियम), देश में अपनी तरह का एकमात्र संग्रहालय है, जो छात्रों और पर्यटकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र है।

इसका प्राथमिक आकर्षण नमूनों और नमूनों की मनोरम शृंखला है, जिसमें मानव मस्तिष्क और अन्य महत्वपूर्ण अंग शामिल हैं।

विशेष रूप से, संग्रहालय ने अंतरराष्ट्रीय मान्यता और ध्यान भी आकर्षित किया है। वैज्ञानिक सहयोग के लिए निम्हान्स का दौरा करने वाले विदेशी वैज्ञानिकों और गणमान्य व्यक्तियों ने संग्रहालय का पता लगाने के लिए इसे एक बिंदु बनाया है। उन्होंने संग्रहालय के अनूठे संग्रह और इसके प्रदर्शन के लिए उपयोग की जाने वाली नवीन विधियों की गहरी सराहना की है।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में सुविधा के बारे में जानकारी के व्यापक प्रसार के कारण हर साल आगंतुकों की संख्या बढ़ रही है। यह "भारत के संग्रहालय" सूची में शामिल है और एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण बन गया है।

संग्रहालय के कर्मचारी नियमित रूप से आगंतुकों के लिए निर्देशित दौरे आयोजित करते हैं, मानव मस्तिष्क की जटिलताओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करके अनुभव को समृद्ध करते हैं और संचारी और गैर-संचारी विकारों को रोकने पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। संग्रहालय समुदाय के भीतर न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों को नष्ट करने के लिए एक आवश्यक मंच के रूप में भी कार्य करता है। इन विकारों के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाकर, संग्रहालय बाधाओं को तोड़ने और उनसे जुड़े सामाजिक कलंक को कम करने में योगदान देता है।

संग्रहालय का उद्देश्य छोटे बच्चों में तंत्रिका विज्ञान के प्रति जुनून जगाना है। वैज्ञानिक अवधारणाओं को सुलभ और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करके, यह अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के बीच इस क्षेत्र में प्रारंभिक रुचि पैदा करने का प्रयास करता है।

### न्यूरोपैथोलॉजी मस्तिष्क संग्रहालय के आगंतुक

| आगंतुकों का प्रकार | 2021-22 | 2022-23 |
|---|---|---|
| कॉलेज/स्कूल के छात्र/चिकित्सा पेशेवर/निवासी (निम्हांस) | 377 | 3479 |
| आम जनता | 567 | 3495 |
| कुल | 944 | 6974 |

## अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

### ऑटोइम्यून प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. अनीता महादेवन, प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग)

ऑटोइम्यून प्रयोगशाला, न्यूरोलॉजिकल ऑटोइम्यून विकारों के निदान और प्रबंधन के लिए एक उन्नत नैदानिक सुविधा, 2014 में स्थापित की गई थी। यह पहल नई स्थापना में शामिल प्रारंभिक व्यय को पूरा करने के लिए निम्हान्स से बीज अनुदान द्वारा समर्थित "आत्मनिर्भर मोड" पर शुरू की गई थी। कर्मियों का परीक्षण, भर्ती और प्रशिक्षण। प्राथमिक उद्देश्य निम्हांस रोगियों को किफायती लागत पर उन्नत नैदानिक समाधान प्रदान करना था, साथ ही देश भर के अस्पतालों के लिए एक रेफरल निदान केंद्र के रूप में भी काम करना था।

प्रयोगशाला देश भर में 70 से अधिक अस्पतालों के साथ एक प्रमुख "रेफरल डायग्नोस्टिक सुविधा" के रूप में विकसित हुई है, जिसमें एम्स, पीजीआईएमईआर और जिपमर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। जैसा कि बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) कार्यक्रमों से पता चलता है, इसने उच्च गुणवत्ता वाली नैदानिक रिपोर्ट देने के लिए उल्लेखनीय प्रतिष्ठा हासिल की है। कम टर्नअराउंड समय को बनाए रखते हुए, प्रयोगशाला यह सुनिश्चित करती है कि मरीजों को समय पर और सटीक निदान मिले, जो ऑटोइम्यून विकारों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

यह सुविधा सक्रिय रूप से डीएम और पीएचडी शोध प्रबंधों का समर्थन करती है और न्यूरोलॉजी, मनोचिकित्सा और बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा सहित संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय और कर्मचारियों द्वारा किए गए कई शोध परियोजनाओं में योगदान देती है। लैब के पास देश में ऑटोइम्यून विकारों के पुष्ट मामलों का सबसे बड़ा बायोरिपोजिटरी है, जो ऑटोइम्यून रोग अनुसंधान और उपचार को आगे बढ़ाने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है।

समीक्षाधीन अवधि में कुल 32,040 नमूनों की जांच की गयी. क्षेत्र में प्रगति के मामले में सबसे आगे रहने की प्रयोगशाला की प्रतिबद्धता परीक्षण के दायरे का विस्तार करने के लिए चल रहे प्रयासों से स्पष्ट है। जैसे-जैसे ऑटोइम्यून विकारों का परिदृश्य विकसित हो रहा है, प्रयोगशाला अपने प्रदर्शनों की सूची में नए और अधिक परिष्कृत नैदानिक परीक्षणों को शामिल करने में सक्रिय है।

### अनुवादात्मक मनोचिकित्सा प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी : डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यन, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग)

मनोचिकित्सा में अनुवाद संबंधी अनुप्रयोगों पर ध्यान देने के साथ एक एकीकृत नैदानिक अनुसंधान सुविधा शुरू करने के लिए ट्रांसलेशनल मनश्चिकित्सा प्रयोगशाला (ट्रांससाइक लैब) सुविधाएं बनाई गई हैं। ट्रांससाइक लैब का लक्ष्य सिज़ोफ्रेनिया और ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर, बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर और अल्जाइमर रोग जैसे अन्य विकारों में न्यूरोइम्यूनोबायोलॉजिकल असामान्यताओं से जुड़े समग्र बायोमार्कर का मूल्यांकन और स्थापित करना है। चल रही अनुसंधान गतिविधियाँ सिज़ोफ्रेनिया में मस्तिष्क असामान्यताओं के न्यूरोइम्यूनोजेनेटिक और न्यूरोप्लास्टिक सहसंबंधों, सिज़ोफ्रेनिया में टीडीसीएस के न्यूरोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, सिज़ोफ्रेनिया और ओसीडी में आंखों की गति असामान्यताएं, सिज़ोफ्रेनिया और ओसीडी में ईईजी/ईआरपी असामान्यताएं, कार्यात्मक निकट इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके सिज़ोफ्रेनिया में न्यूरोहेमोडायनामिक असामान्यताओं की जांच करने पर केंद्रित हैं। और ओसीडी में इमेजिंग-जेनेटिक्स अध्ययन। ट्रांससाइक लैब सिज़ोफ्रेनिया रोगियों, ओसीडी और कई अन्य मानसिक विकारों के लिए ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट उत्तेजना के प्रावधान की सुविधा प्रदान करती है। प्रयोगशाला में अनुसंधान कर्मचारी सिज़ोफ्रेनिया क्लिनिक के साथ-साथ मेटाबॉलिक क्लिनिक, मनोचिकित्सा विभाग, निम्हान्स की नैदानिक सेवाओं में योगदान देते हैं। प्रयोगशाला के माध्यम से कई शोध

प्रबंधों को सुविधा और समर्थन दिया जा रहा है।

## मल्टी-मोडल मस्तिष्क छवि विश्लेषण प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. जॉन पी जॉन, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग)

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विभिन्न न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों में मस्तिष्क संरचना, कार्य और सिग्नलिंग की व्यापक समझ के लिए मस्तिष्क इमेजिंग के कई तौर-तरीकों के अधिग्रहण और विश्लेषण को एकीकृत करना है। प्रयोगशाला संस्थान के भीतर और बाहर विभिन्न विभागों के बीच सक्रिय सहयोग के माध्यम से स्वास्थ्य और बीमारी में मस्तिष्क संरचना और कार्य की जांच करने के लिए एक एकीकृत बहु-विषयक दृष्टिकोण का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करती है। प्रयोगशाला में अनुसंधान के कुछ प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं: सिज़ोफ्रेनिया के न्यूरोबायोलॉजी, हल्के संज्ञानात्मक हानि, मनोभ्रंश के साथ-साथ सचेत जागरूकता की विभिन्न स्थितियों की जांच के लिए मल्टी-मोडल इमेजिंग विधियों का उपयोग करना; जैव सूचना विज्ञान दृष्टिकोण का उपयोग करके प्रोटीन इंटरैक्शन के ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन का गणितीय मॉडलिंग; और मल्टीमॉडल न्यूरोइमेजिंग सुविधाओं का उपयोग करके मशीन लर्निंग दृष्टिकोण। प्रयोगशाला में वृद्धावस्था मनोचिकित्सा इकाई, चेतना अध्ययन केंद्र के साथ-साथ मनोचिकित्सा, न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, न्यूरोफिज़ियोलॉजी, क्लिनिकल साइकोलॉजी आदि विभागों के जांचकर्ताओं के साथ सक्रिय सहयोग है। प्रयोगशाला पीएचडी और एमडी शोध प्रबंधों का समर्थन करती है। प्रयोगशाला में अनुसंधान कार्यों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), यूएसए द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

## फ्लो साइटोमेट्री प्रयोगशाला: (संकाय प्रभारी: डॉ. मंजूनाथ एमवी, एसोसिएट प्रोफेसर ,न्यूरोवायरोलॉजी विभाग)

फ्लो साइटोमेट्री प्रयोगशाला में FACSR एरिया III सेल सॉर्टर और FACS वर्स मशीनें हैं। इसके अलावा, प्रयोगशाला में जुलाई 2021 में एक सहयोगी परियोजना के तहत जेएनसीएएसआर, बेंगलुरु से प्राप्त एक आईवीडी अनुमोदित FACSCalibur उपकरण भी है। इसके अलावा, रोटरी के साथ साझेदारी में, इन्फ्लो टेक्नोलॉजीज, बेंगलुरु द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से एक नया क्लिनिकल बेकमैन कूल्टर डीएक्सफ्लेक्स फ्लो साइटोमीटर दान किया गया था। बैंगलोर पामविले, और 21 फरवरी 2023 को स्थापित किया गया था। FACSCalibur abd DXFlex मशीनों का उपयोग विशेष रूप से न्यूरोलॉजिकल प्रतिरक्षा विकारों वाले रोगियों की देखभाल में सहायता के लिए नैदानिक प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग के लिए किया जाता है। प्रयोगशाला का उपयोग निम्हान्स के विभिन्न विभागों जैसे मानव जेनेटिक्स, आणविक जेनेटिक्स, बायोफिज़िक्स, न्यूरोवायरोलॉजी, न्यूरोफिज़ियोलॉजी, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी और पड़ोस में सहयोगी संस्थानों के शोधकर्ताओं द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। यहां किए गए प्रयोगों में मनोरोग और तंत्रिका संबंधी विकारों में प्रतिरक्षा विकृति को समझने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं के हिस्से के रूप में मानव परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की मल्टीपैरामीट्रिक इम्यूनोफेनोटाइपिंग शामिल है। इस सुविधा का उपयोग संक्रामक और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के पैथोफिजियोलॉजी को समझने के लिए बुनियादी अनुसंधान प्रयोग करने के लिए किया जाता है। परीक्षण में माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन का मूल्यांकन, एपोप्टोसिस, स्टेम सेल विभेदन मार्करों का पता लगाना आदि शामिल हैं। कई परियोजनाओं के लिए इंट्रासेल्युलर साइटोकिन स्टेनिंग परख द्वारा टी सेल फ़ंक्शन का मूल्यांकन किया जाता है। साइटोमेट्रिक बीड ऐरे परख का उपयोग करके सीरम या सेल कल्चर सतह पर तैरनेवाला में साइटोकिन्स और केमोकाइन का अनुमान आमतौर पर विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जाता है।

क्लिनिकल फ्लो साइटोमेट्री: प्रयोगशाला ने 1 जून 2022 से न्यूरो-इन्फ्लेमेटरी विकारों और इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी वाले रोगियों के लिए सीडी19 सीडी20 बी सेल फेनोटाइपिंग परीक्षण सेवा की पेशकश शुरू की। न्यूरोलॉजी विभाग की विभिन्न इकाइयों से 1 जून 2022 से 31 मार्च 2023 तक कुल 801 नमूने प्राप्त हुए।

## मेटाबोलिक प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. नंदकुमार, प्रोफेसर, न्यूरोकैमिस्ट्री विभाग)

मेटाबॉलिक प्रयोगशाला मेटाबॉलिज्म की जन्मजात त्रुटियों की पहचान के लिए उच्च-थ्रूपुट, मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एमएस)-आधारित परीक्षण आयोजित करती है। यह सुविधा, जो देश में सरकारी व्यवस्था में अपनी तरह की पहली है, पूरे भारत के साथ-साथ अन्य पड़ोसी देशों से नमूनों का विश्लेषण करती है। मध्यवर्ती चयापचय के विकारों की जांच के लिए, ट्रिपल क्वाड्रुपोल तरल क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग करके फिल्टर पेपर पर एकत्र किए गए 3.2 मिमी रक्त धब्बों में 13 अमीनो एसिड, मुक्त कार्निटाइन और 45 एसाइलकार्निटाइन को मापा जाता है, और विशेषता प्रोफाइल के आधार पर, अमीनो एसिड की जन्मजात त्रुटियां होती हैं। चयापचय, फैटी एसिड ऑक्सीकरण दोष और कार्बनिक अम्लीयता की पहचान की जाती है। डीबीटी, भारत के फंड से, एकत्र किए गए सूखे रक्त धब्बों में बहुत लंबी शृंखला वाले लिसोफोस्फेटिडिलकोलाइन (सी20:0, सी22:0, सी24:0 और सी26:0 एलपीसी) के एक पैनल को मापने के लिए दो मजबूत और संवेदनशील, मास स्पेक्ट्रोमेट्री-आधारित विधियां फिल्टर पेपर पर, एक्स-लिंक्ड एड्रेनोलुकोडिस्ट्रॉफी (एक्स-एएलडी) और अन्य पेरोक्सिसोमल विकारों की पहचान के लिए विकसित किया गया है। पहला एक उच्च-थ्रूपुट, कम लागत और तेज़, प्रवाह इंजेक्शन विश्लेषण-टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एफआईए-एमएस/एमएस) विधि है जिसका उपयोग नवजात शिशु या एक्स-एएलडी के लिए बड़े पैमाने पर आबादी की जांच के लिए किया जा सकता है। दूसरी विधि एक तरल क्रोमैटोग्राफी-टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी-एमएस/एमएस) विधि है जो 100% संवेदनशील और विशिष्ट है और इसका उपयोग सकारात्मक मामलों की पुष्टि के लिए किया जा सकता है।

यह प्रयोगशाला सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी), अटलांटा, यूएसए द्वारा संचालित नवजात स्क्रीनिंग गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम में भाग लेती है और 2008 से 100% संतोषजनक परिणाम प्राप्त कर रही है। प्रयोगशाला की अनुसंधान गतिविधियों में डायग्नोस्टिक और रोगसूचक आणविक बायोमार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता निर्धारित करने के लिए एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड रक्तस्राव, सेरेब्रल छोटे पोत रोग, पार्किंसंस और संबंधित न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में विभेदित रूप से व्यक्त परिसंचारी और माइक्रोआरएनए की पहचान करना और उनकी भूमिका को स्पष्ट करने के लिए परिवर्तित ऊतक miRNAs की पहचान करना शामिल है। इन रोगों का एटियोपैथोजेनेसिस। सेरेब्रल एन्यूरिज्म टूटने के पैथो-मैकेनिज्म में एस्ट्राडियोल

और एस्ट्रोजन रिसेप्टर्स की संभावित भूमिका और इस्केमिक स्ट्रोक में कम खुराक वाली एस्पिरिन थेरेपी के दौरान प्लेटलेट प्रतिक्रिया के आनुवंशिक निर्धारकों की जांच की जा रही है।

## न्यूरो-ऑन्कोलॉजी प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. वाणी संतोष, वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और डॉ. शिल्पा राव, सहायक प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग)

यह समर्पित सुविधा एक अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला है, जो फ्लोरोसेंट इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन (फिश), पीसीआर (पारंपरिक/वास्तविक समय), डीएनए अनुक्रमण, वेस्टर्न ब्लॉटिंग, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और उन्नत इमेजिंग कार्य करने के लिए सुसज्जित है। यह देश की उन कुछ प्रयोगशालाओं में से एक है जहां बायोमार्कर के उच्च थ्रूपुट सत्यापन के लिए ऊतक माइक्रोएरे तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इससे पीएचडी, डीएम, एमसीएच और पीडीएफ छात्रों को ब्रेन ट्यूमर की विकृति विज्ञान को समझने के लिए उन्नत आणविक जीवविज्ञान कार्य करने की सुविधा मिली है। न्यूरो-ऑन्कोलॉजी लैब का प्राथमिक उद्देश्य न्यूरो-ऑन्कोलॉजी में अनुवादात्मक अनुसंधान करना है। प्रयोगशाला अन्य जैविक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग के साथ-साथ ऊतक-आधारित अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करती है। इससे ग्लियोमास, सीएनएस भ्रूण ट्यूमर और मेनिंगियोमास पर जोर देने के साथ कई वयस्क और बाल चिकित्सा मस्तिष्क ट्यूमर के रोगजनन को समझने में मदद मिली है। न्यूरोपैथोलॉजी विभाग और अन्य सहयोगी विभागों/संस्थानों के संकाय और छात्रों द्वारा कई प्रकाशन और प्रस्तुतियाँ प्रयोगशाला में किए गए कार्यों से उत्पन्न हुई हैं। प्रयोगशाला में नैदानिक सेवा सुविधा के रूप में विभिन्न आणविक परीक्षणों की पेशकश की जाती है और यह 'आत्मनिर्भर नैदानिक सेवाओं' के हिस्से के रूप में पेश की जाती है। अधिकांश ब्रेन ट्यूमर के लिए आणविक परीक्षण की मांग बढ़ रही है। इसलिए, किए जा रहे परीक्षणों के अलावा, नए परीक्षण शुरू किए गए हैं। प्रयोगशाला से पेश किए जाने वाले आणविक निदान परीक्षणों में शामिल हैं: 1p19q के लिए मछली, CDKN2A/B, CMYC, NMYC, EGFR, MN1, BRAF, EWSR1; आईडीएच और एच3.3/31 के लिए डीएनए अनुक्रमण, टीईआरटी प्रमोटर उत्परिवर्तन, बीसीओआर आईटीडी; बीआरएफ फ्यूजन के लिए पीसीआर, एमजीएमटी प्रमोटर मिथाइलेशन; और मेडुलोब्लास्टोमा आणविक पैनल।

## आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ: संचारी और गैर-संचारी: (संकाय प्रभारी: डॉ. अनिता देसाई, प्रोफेसर, न्यूरोवायरोलॉजी और डॉ. रीता मणि, प्रोफेसर एवं प्रमुख, न्यूरोवायरोलॉजी विभाग)

आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला का उपयोग वर्तमान में रेबीज वायरस, हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस, इन्फ्लुएंजा वायरस (एच1एन1), एंटरोवायरस, चिकनगुनिया, जेसी वायरस, स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया, निसेरिया मेनिंगिटिडिस और हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा सहित कई रोगजनकों की आरटी पीसीआर आधारित पहचान के लिए नैदानिक नमूनों के प्रसंस्करण के लिए किया जाता है। . प्रयोगशाला स्थान चार आरटी पीसीआर मशीनों और चार जैव सुरक्षा अलमारियाँ से सुसज्जित है।

आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला: प्रयोगशाला SARS-CoV-2 के लक्षित संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण और मेटागेनोमिक अनुक्रमण दोनों के लिए अनुक्रमण सुविधा की मेजबानी करती है। अप्रैल 2022 से, लैब का उपयोग MiSeq प्लेटफ़ॉर्म पर SARS-CoV-2 के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए किया गया है, जिसे WHO द्वारा उपहार में दिया गया था। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक, प्रयोगशाला को SARS CoV2 संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए 400 से अधिक नमूने प्राप्त हुए हैं और परिणाम INSACOG को सूचित किए गए हैं। ऑक्सफोर्ड नैनोपोर टेक्नोलॉजीज (ओएनटी) नैनोपोर मिनियन सीक्वेंसिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग वर्तमान में रेबीज वायरस और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस सहित कई आइसोलेट्स की सीक्वेंसिंग के लिए किया जाता है; और सीएसएफ और श्वसन नमूनों का मेटागेनोमिक विश्लेषण। इस क्षेत्र का उपयोग अनुक्रमण, पूर्व और बाद के प्रवर्धन प्रसंस्करण के लिए नमूने तैयार करने के लिए किया जाता है - जिसमें अभिकर्मक भंडारण के लिए स्वच्छ हुड और फ्रीजर, लेमिनर वायु प्रवाह हुड शामिल हैं । नमूना भंडारण के लिए प्रवर्धित डीएनए और फ्रीजर का प्रसंस्करण। इन प्रयोगशालाओं में जैव सूचना विज्ञान और अनुक्रम विश्लेषण भी किया जाता है।

कोविड-19 आरटी पीसीआर प्रयोगशाला: संस्थान द्वारा विशेष रूप से SARS-CoV-2 के लिए नमूना प्राप्त करने और आरटी पीसीआर परीक्षण के लिए प्रदान की गई इस प्रयोगशाला का उद्घाटन 15 अगस्त 2020 को किया गया था। नए स्थान में दो जैव सुरक्षा कैबिनेट के साथ बीएसएल-2 प्रयोगशालाएं हैं। स्वचालित एक्सट्रैक्टर्स और एक वास्तविक समय पीसीआर मशीन। यह उपकरण विभिन्न कॉरपोरेट्स की सीएसआर पहल के तहत दान के माध्यम से खरीदा गया था। प्रयोगशाला SARS-CoV-2 के वेरिएंट की पहचान करने के लिए SARS-COV-2 के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए प्राप्त नमूनों की प्रारंभिक आरटी पीसीआर स्क्रीनिंग भी करती है।

## आणविक आनुवंशिकी प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. संजीव जैन, वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोचिकित्सा और डॉ. बीजू विश्वनाथ, अतिरिक्त प्रोफेसर, मनोचिकित्सा)

आणविक आनुवंशिकी प्रयोगशाला सिज़ोफ्रेनिया, द्विध्रुवी भावात्मक विकार, जुनूनी बाध्यकारी विकार, मनोभ्रंश, हंटिंगटन रोग, स्पिनो-सेरेबेलर गतिभंग, डचेन/बेकर की मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और स्पिनो-मस्कुलर एट्रोफी जैसी न्यूरोसाइकियाट्रिक स्थितियों में अनुसंधान परियोजनाएं और नैदानिक कार्य करती है। शराब पर निर्भरता और शराब से प्रेरित सिरोसिस वाले रोगियों के नमूनों में उम्मीदवार जीन और एपिजेनेटिक अध्ययन किए जा रहे हैं। रोगी देखभाल सेवाओं में क्रमशः एमएलपीए और पीसीआर-आरएफएलपी विधि के माध्यम से डीएमडी/बीएमडी (44 नमूने) और एसएमए (29 नमूने) के लिए आनुवंशिक परीक्षण शामिल है। वयस्क-शुरुआत आंदोलन विकारों के लिए कुल 300 नमूनों का परीक्षण किया गया। इनमें से एफआरडीए: 59 में से 22 मामले, हंटिंगटन रोग: 77 में से 33 मामले, एससीए1: 186 में से 21 मामले, एससीए2: 189 में से 23 मामले, एससीए3: 187 में से 8 मामले और एससीए12: 187 में से 8 मामले सामने आए।

## जैव सूचना विज्ञान और प्रोटिओमिक्स प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. बी पद्मनाभन, प्रोफेसर और एचओडी, बायोफिज़िक्स विभाग)

जैव सूचना विज्ञान और प्रोटिओमिक्स प्रयोगशाला सेलुलर जीव विज्ञान को समझने के लिए विभिन्न मानव ऊतकों, शरीर के तरल पदार्थों और कोशिका रेखाओं के जीनोमिक, प्रोटिओमिक, फॉस्फोप्रोटेमिक और ग्लाइकोप्रोटेमिक विश्लेषण में सक्रिय

रूप से शामिल है। इस प्रयोगशाला के प्रमुख क्षेत्रों में मानव मस्तिष्क के प्रोटिओमिक मानचित्र का अध्ययन शामिल है; क्रोनिक मेनिनजाइटिस जिसमें ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस, क्रिप्टोकोकल मेनिनजाइटिस और टोक्सोप्लाज्मा एन्सेफलाइटिस शामिल हैं; रेबीज एन्सेफलाइटिस, रोगजनक कवक और सेरेब्रल मलेरिया और स्ट्रोक, एएलएस, सिज़ोफ्रेनिया, मांसपेशी डिस्ट्रोफी, दर्दनाक मस्तिष्क की चोट और एक्स-लिंक्ड बौद्धिक विकलांगता जैसे तंत्रिका संबंधी विकार सहित संक्रमण। इसके अलावा, तर्कसंगत दवा खोज अनुसंधान के लिए हाल ही में हाइब्रिड फोटॉन काउंटिंग (एचपीसी) एक्स-रे डिटेक्टर सुविधा के साथ एकीकृत एक नया अत्याधुनिक एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर स्थापित किया गया है। एक्स-रे सुविधा का उपयोग एकल क्रिस्टल विवर्तन विधि द्वारा प्रोटीन और प्रोटीन कॉम्प्लेक्स (प्रोटीन-प्रोटीन और प्रोटीन-अवरोधक कॉम्प्लेक्स) की त्रि-आयामी संरचनाओं को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

## सेल कल्चर और स्टेम सेल बायोलॉजी (संकाय प्रभारी: डॉ. टीएन सत्यप्रभा, प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी)

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य इन-विट्रो सेलुलर मॉडल सिस्टम का उपयोग करके एएलएस जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के पैथोमैकेनिज्म की जांच करना है। वर्तमान में, मोटर न्यूरॉन्स, एस्ट्रोसाइट्स, माइक्रोग्लिया, घ्राण बल्ब की प्राथमिक संस्कृतियाँ; इस प्रयोगशाला में माउस मोटर न्यूरॉन्स (NSC-34), मानव ऑलिगोडेंड्रोग्लिया (MO3.13), मानव माइक्रोग्लिया (HMC3) के साथ-साथ मानव भ्रूण स्टेम सेल (BJNhem20) की सेल लाइनें विकसित की जाती हैं। "मानवकृत डिश मॉडल" में एएलएस पैथोमैकेनिज्म के मॉडलिंग के लिए एएलएस रोगियों और स्वस्थ व्यक्तियों के फ़ाइब्रोब्लास्ट से प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाएं प्राप्त की गई हैं। वर्तमान अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं: मोटर न्यूरॉन्स में मानव आईपीएससी का निर्देशित विभेदन, उनका लक्षण वर्णन और छिटपुट एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के मानवीकृत डिश मॉडल के रूप में उपयोग; छिटपुट एएलएस के इन-विट्रो और इन-विवो मॉडल में एएलएस के पैथोमैकेनिज्म में ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स की भूमिका की जांच करना; चिटोट्रायोसेड-1 की क्रिया के तंत्र का अध्ययन करते हुए, एएलएस के बायोमार्कर को एएलएस रोगियों के सीएसएफ में काफी हद तक विनियमित पाया गया; न्यूरोइंफ्लेमेटरी प्रतिक्रियाओं आदि में योगदान देने वाले एएलएस-सीएसएफ में एमआईआरएनए की पहचान करना।

इसके अलावा, संस्थान के कई शोध विद्वानों ने लाइव सेल इमेजिंग सहित लैब में उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग किया है।

## इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. बीएस शंकरनारायण राव, प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोफिजियोलॉजी विभाग)

इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला न्यूरोलॉजिकल और मानसिक विकारों के विभिन्न पशु मॉडलों में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी तंत्र का मूल्यांकन करने में लगी हुई है। हिप्पोकैम्पस और मेडियल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के जीवित मस्तिष्क स्लाइस में गतिविधि-निर्भर सिनैप्टिक मॉड्यूलेशन और सूचना प्रसंस्करण का अध्ययन किया जा रहा है। शोधकर्ता तनाव, अवसाद और मिर्गी के पशु मॉडल में हिप्पोकैम्पस, कॉर्टेक्स और एमिग्डाला में प्लास्टिसिटी तंत्र का भी अध्ययन कर रहे हैं। इसके अलावा, सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी पर न्यूरोस्टेरॉयड की भूमिका का मूल्यांकन किया जा रहा है। औषधीय और गैर-औषधीय दृष्टिकोण सहित तंत्रिका सर्किट की रीवायरिंग और रीमॉडलिंग द्वारा उपर्युक्त रोग स्थितियों में संज्ञानात्मक घाटे और असामान्य सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी को बहाल करने के लिए कई रणनीतियां विकसित की गई हैं। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने न्यूरॉन्स की इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल गतिविधि की इन विट्रो रिकॉर्डिंग के लिए माइक्रोइलेक्ट्रोड ऐरे तकनीक का उपयोग किया है। पैच-क्लैंप सुविधा का उपयोग अवसाद, उम्र बढ़ने और मिर्गी सहित न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों के पशु मॉडल में चैनलोपैथी और चैनल कैनेटीक्स का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। चल रही अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं: अवसाद-प्रेरित संज्ञानात्मक घाटे: ग्लूटामेटेरिक ट्रांसमिशन और मस्तिष्क उत्तेजना पुरस्कार के मॉड्यूलेशन का प्रभाव; टेम्पोरल लोब मिर्गी-प्रेरित संज्ञानात्मक घाटे का सेलुलर और आणविक आधार: समृद्ध पर्यावरण और लेवेतिरसेटम उपचार की भूमिका; एपिलेप्टोजेनेसिस के तंत्र: गैबैर्जिक और न्यूरोट्रॉफिक समर्थन का मॉड्यूलेशन और सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी, नींद और संज्ञानात्मक व्यवहार पर इसके प्रभाव; सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी और संज्ञानात्मक कार्यों में न्यूरोस्टेरॉयड की भूमिका; मनोदशा और अनुभूति पर फिनास्टराइड के प्रभाव को संशोधित करने में ग्लूकोकार्टिकोइड प्रणाली की भूमिका; मनोदशा और अनुभूति पर फिनास्टराइड के लिंग-निर्भर प्रभावों में कोलीनर्जिक प्रणाली की भूमिका; हिप्पोकैम्पस शेफ़र कोलैटरल - CA1 सिनैप्स में सिनैप्टिक ट्रांसमिशन पर एलोप्रेग्नानोलोन का प्रभाव।

## ऑप्टिकल इमेजिंग प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. इंद्राणी दत्ता, अतिरिक्त प्रोफेसर, बायोफिज़िक्स)

ऑप्टिकल इमेजिंग प्रयोगशाला कोशिकाओं और ऊतकों में सिग्नलिंग घटनाओं की वास्तविक समय रिकॉर्डिंग करने के लिए एक उन्नत सुविधा है। प्रयोगशाला एक कन्फोकल माइक्रोस्कोप, इमेजिंग के लिए एपिफ्लोरेसेंस सिस्टम और कोशिकाओं से विद्युत रिकॉर्डिंग के लिए पैच क्लैंप सेटअप से सुसज्जित है। मल्टी-इलेक्ट्रोड सरणी का उपयोग कोशिकाओं और मस्तिष्क स्लाइस से इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल रिकॉर्डिंग को मापने के लिए भी किया जाता है। इंट्रासेल्युलर Ca2+ प्रतिक्रिया, ER Ca2+ रिफिलिंग, ER तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल झिल्ली क्षमता और ROS पीढ़ी को मापने के लिए लाइव-सेल प्रतिदीप्ति इमेजिंग बड़े पैमाने पर की जाती है। चल रही अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं: तंत्रिका संबंधी विकारों में न्यूरॉन-ग्लिया इंटरैक्शन को समझना; टेम्पोरल लोब मिर्गी के पशु मॉडल में हिप्पोकैम्पस एस्ट्रोसाइट्स में रूपात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन; एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के रोगजनन में ग्लूटामेट प्रेरित एक्साइटोटॉक्सिसिटी; उत्तेजक हिप्पोकैम्पस न्यूरॉन्स के पूर्व और पोस्ट सिनैप्टिक कार्यों में साइटोसोलिक एचडीएसी की भूमिका; डोपामिनर्जिक न्यूरॉन डिसफंक्शन पर अल्फा-सिन्यूक्लिन फॉस्फोराइलेशन की भूमिका; मानव भ्रूण स्टेम कोशिकाओं से तंत्रिका पूर्वजों का उपयोग करके इन विट्रो हाइपोक्सिक इस्कीमिक चोट मॉडल का विकास; एस्ट्रोसाइट फ़ंक्शन पर बाह्यकोशिकीय अल्फा-सिन्यूक्लिन प्रभाव; मधुमेह न्यूरोपैथी में कटिस्नायुशूल तंत्रिका के तंत्रिका चालन वेग और विवो में सीएनएस को दवा वितरण वाहनों के रूप में एक्सोसोम के संदर्भ में अस्थि मज्जा मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के गतिशील परिवर्तन। स्वस्थ नियंत्रण और पीडी रोगी-विशिष्ट आईपीएससी से विभेदित डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स और एस्ट्रोसाइट्स पर व्यापक कार्यात्मक अध्ययन भी आयोजित किए जाते हैं। संक्षेप में कहें तो, इस

प्रयोगशाला में उपर्युक्त न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के इन विट्रो और इन विवो प्लेटफार्मों के कार्यात्मक मापदंडों को संबोधित किया जाता है। कई बाह्य परियोजनाएं चल रही हैं और इस सुविधा का उपयोग करके किए गए अध्ययनों को सहकर्मी-समीक्षित अंतरराष्ट्रीय जर्नल प्रकाशनों में रिपोर्ट किया गया है।

## न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. नंदीश, एसोसिएट प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी विभाग)

न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला ने, अपने अधिदेश को ध्यान में रखते हुए, न्यूरोमस्कुलर विकारों में उन्नत निदान प्रदान करना और अनुसंधान को बढ़ावा देना जारी रखा है। स्व-स्थायी निदान सुविधा सफलतापूर्वक चल रही है, जो मांसपेशियों के विकारों के लिए उन्नत निदान प्रदान करती है। न्यूरोमस्कुलर विकारों में आईसीएमआर से अनुदान द्वारा वित्त पोषित कई परियोजनाएं चल रही हैं। शोध के परिणाम संकाय और छात्रों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किए गए हैं।

अनुसंधान, पिछले साल, माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के नैदानिक निदान और फेनोटाइप और जीनोटाइप के साथ इसके सहसंबंध वाले रोगियों के मांसपेशियों के ऊतकों में श्वसन श्रृंखला परिसरों के विश्लेषण पर केंद्रित था। पूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल जीन अनुक्रमण, परमाणु जीन उत्परिवर्तन और परमाणु-माइटोकॉन्ड्रियल इंटरकम्यूनिकेशन विकारों की पहचान करने के लिए नैदानिक एक्सोम अनुक्रमण चल रहा है। परिधीय न्यूरोपैथी में अनुसंधान का उद्देश्य वंशानुगत न्यूरोपैथी में उत्परिवर्तन की पहचान करना है।

न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला की स्थापना के बाद से, न्यूरोमस्कुलर विकारों के निदान के लिए कई नैदानिक परीक्षण शुरू किए गए हैं – मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए वेस्टर्न ब्लॉट तकनीक, माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के निदान के लिए श्वसन श्रृंखला एंजाइम परख का आकलन और एक आत्मनिर्भर परियोजना पर प्रतिरक्षा मध्यस्थता विकारों के लिए इम्यूनोडायग्नोसिस। संस्थान से बीज अनुदान के साथ मोड, जिसका प्राथमिक उद्देश्य निम्हांस के साथ-साथ बेंगलुरु और उसके आसपास के अन्य अस्पतालों में भर्ती मरीजों को सस्ती कीमत पर महंगे और परिष्कृत परीक्षण उपलब्ध कराना है।

माइटोकॉन्ड्रियल विकारों और ऑटोसोमल रिसेसिव लिम्ब गर्डल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के लिए आणविक आनुवंशिक परीक्षण जैव प्रौद्योगिकी विभाग और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सेलुलर और आणविक जीवविज्ञान केंद्र, हैदराबाद के सहयोग से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना के हिस्से के रूप में शुरू किए गए थे। निम्हांस में निदान सुविधा के रूप में उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी को उचित समय पर न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला, निमहंस में स्थानांतरित कर दिया गया। शुरू किए गए कार्य को जारी रखने के लिए, जेनेटिक एनालाइज़र और सहायक उपकरण खरीदे गए हैं।

जेनेटिक एनालाइज़र का उपयोग अब नियमित रूप से संपूर्ण माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम अनुक्रमण, कई परमाणु जीन, डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के निदान, जन्मजात मायोपैथी और प्रोटीन समुच्चय विकारों सहित अन्य कंकाल मांसपेशी विकारों, सीएनएस ट्यूमर के आणविक लक्षण वर्णन और विरासत में मिली परिधीय न्यूरोपैथी की जांच के लिए किया जाता है। यह सुविधा न्यूरोवायरोलॉजी, ह्यूमन जेनेटिक्स और सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन सहित अन्य विभागों तक भी विस्तारित है।

त्वचा पंच बायोप्सी (रोगियों की) से फ़ाइब्रोब्लास्ट के संवर्धन और विभिन्न माइटोकॉन्ड्रियल विकारों के पैथोमैकेनिज्म का अध्ययन करने के लिए साइब्रिड तकनीक के विकास के साथ अनुसंधान मोड पर ऊतक संवर्धन सुविधा शुरू की गई है।

## न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, प्रोफेसर और प्रमुख, क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी विभाग)

न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी प्रयोगशाला का प्राथमिक उद्देश्य न्यूरोटॉक्सिक घटनाओं का आकलन करना है जो कोशिका और पशु मॉडल और मानव मस्तिष्क के नमूनों का उपयोग करके विभिन्न न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग रोगों पर लागू होते हैं। प्रयोगशाला सीएनएस रोगों के विष विज्ञान संबंधी आधार को समझने के लिए जैव रासायनिक, रूपात्मक, समय-व्यतीत, प्रोटिओमिक और एपिजेनेटिक तरीकों का उपयोग करती है। प्रयोगशाला को संस्थान और बाहरी फंडिंग एजेंसियों से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है और अनुसंधान करने के लिए पीएचडी छात्रों और अनुसंधान कर्मचारियों को शामिल किया जाता है। चल रही अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं: प्रोटिओमिक और फॉस्फोर-प्रोटिओमिक तरीकों का उपयोग करके पार्किंसंस रोग (पीडी) के न्यूरोटॉक्सिक सेल मॉडल का आणविक विश्लेषण; प्रोटिओमिक दृष्टिकोण के माध्यम से पीडी के न्यूरोटॉक्सिक मॉडल में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स I (सीआई) जैसे माइटोकॉन्ड्रियल प्रोटीन पर ऑक्सीडेटिव पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधनों (पीटीएम) की भूमिका का आकलन; निग्रो-स्ट्रिएटम और संबंधित संरचनाओं के मूल्यांकन सहित मानव मस्तिष्क के नमूनों पर उम्र बढ़ने का अध्ययन; संज्ञानात्मक हानि वाले पीडी रोगियों में बायोमार्कर का विश्लेषण; ऑर्गेनेल और सूजन तंत्र सहित पीडी के पशु मॉडल की विशेषता; लाइव सेल इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके पार्किंसंस रोग (पीडी) के न्यूरोटॉक्सिक सेलुलर मॉडल का आणविक विश्लेषण।

## संगीत अनुभूति प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. शांतला हेगड़े, अवर प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग)

संगीत एक सार्वभौमिक घटना है. संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में, संगीत को मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को समझने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण माना जाता है। तंत्रिका प्लास्टिसिटी मानव मस्तिष्क के कार्य और संगीत की एक मूलभूत विशेषता है – निष्क्रिय और सक्रिय जुड़ाव दोनों तंत्रिका प्लास्टिसिटी को सुविधाजनक बनाने के लिए जाने जाते हैं। इस प्रयोगशाला का मुख्य फोकस संगीत धारणा, अनुभूति और उत्पादन के तंत्रिका आधारों को समझने के लिए अनुसंधान करना है। गैर-संगीत क्षेत्रों में संगीत अनुभूति और तंत्रिका-संज्ञानात्मक कार्यों के बीच संबंधों का अध्ययन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसका उद्देश्य बुनियादी विज्ञान दृष्टिकोण और नैदानिक सेटअप में निष्कर्षों के अनुप्रयोग दोनों से संगीत धारणा, उत्पादन और अनुभूति में शामिल तंत्रिका सहसंबंधों और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की जांच करना है। प्रयोगशाला का लक्ष्य न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग स्थितियों में साक्ष्य

आधारित चिकित्सा के रूप में संगीत और संगीत–आधारित हस्तक्षेपों के उपयोग की जांच करने के लिए अनुसंधान करना है।

चल रही अनुसंधान परियोजनाओं में "संगीत और लय धारणा के तंत्रिका सहसंबंधों को समझना और पार्किंसंस रोग में भारतीय संगीत और लय आधारित संज्ञानात्मक उपचार के प्रभाव" और "प्रार्थना और संगीत सुनने की चिकित्सीय भूमिका – मरीजों को समझने के लिए एक खोजपूर्ण सर्वेक्षण" शामिल हैं। वर्तमान में पांच पीएचडी विद्वान और दो एमफिल क्लिनिकल साइकोलॉजी प्रशिक्षु न्यूरोम्यूजिकोलॉजी और संगीत अनुभूति से संबंधित क्षेत्र में शोध कार्य कर रहे हैं। लैब के सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

## एडीबीएस प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. बीजू विश्वनाथ, अवर प्रोफेसर, मनोचिकित्सा)

स्टेम सेल (एडीबीएस) का उपयोग करके मस्तिष्क विकारों में खोज के लिए एक्सेलेरेटर कार्यक्रम का उद्देश्य परिष्कृत नैदानिक जांच, आधुनिक मानव आनुवंशिकी और स्टेम सेल प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करके मानसिक बीमारी को समझना है। एडीबीएस को 2016 में बेंगलुरु के तीन संस्थानों – नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस), इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल बायोलॉजी एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन (इनस्टेम) और निम्हान्स के संयुक्त नेतृत्व में लॉन्च किया गया था। अप्रैल 2023 में समाप्त होने वाली पहली पांच साल की अवधि को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और प्रतीक्षा ट्रस्ट द्वारा समर्थित किया गया था। एडीबीएस एक एकीकृत दृष्टिकोण है जो बुनियादी अनुसंधान को मानसिक बीमारी के नैदानिक अध्ययन से जोड़ता है। एनसीबीएस और इनस्टेम के वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल तकनीक के साथ मानव आनुवंशिकी और जीनोमिक्स का उपयोग करके यह पता लगाने के लिए निम्हान्स के चिकित्सकों और बुनियादी वैज्ञानिकों के साथ काम किया कि मानसिक बीमारियाँ कैसे विकसित होती हैं। इस कार्यक्रम ने आणविक और नैदानिक दोनों स्तरों पर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने के उद्देश्य से एक व्यापक और दीर्घकालिक संसाधन बनाने के लिए आणविक आनुवंशिकी, न्यूरोबायोलॉजी और स्टेम सेल प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को एक साथ लाया है।

एडीबीएस कार्यक्रम ने मानसिक बीमारी की उच्च घटनाओं वाले परिवारों के युवा वयस्कों का एक समूह बनाया है और मानसिक बीमारी के अस्थायी मूल्यांकन (किसमें मानसिक बीमारी विकसित होती है, और यह कैसे बढ़ती है) के लिए इन परिवारों और व्यक्तियों का लंबे समय तक अनुसरण करता है। आधुनिक चिकित्सा प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले चिकित्सकों द्वारा इन परिवारों की विस्तार से जांच की जाती है। इन परिवारों के व्यक्तियों का आनुवंशिक विश्लेषण मानसिक बीमारी के आनुवंशिक आधार के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।

डीबीएस लैब में रक्त नमूना संग्रह और कोशिकाओं के अलगाव और आईपीएससी के निर्माण की दिशा में बाद के कदमों के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित प्रोटोकॉल है। कुल मिलाकर, एडीबीएस रिपॉजिटरी में वर्तमान में 2607 लिम्फोसाइट्स, 2546 डीएनए, 2607 प्लाज्मा नमूने और 368 लिम्फोब्लास्टोइड सेल लाइनें, 11 आईपीएससी और 14 न्यूरल स्टेम सेल संग्रहीत हैं)। एकत्र किए गए सभी नमूनों को बायोमटेरियल अलगाव से पहले कोडित किया जाता है। इन नमूनों की जानकारी स्थानीय क्लिनिक डेटाबेस में रखी जाती है जो पासवर्ड से सुरक्षित है और केवल वैध उपयोगकर्ताओं के लिए ही पहुंच योग्य है।

यह कार्यक्रम मस्तिष्क कोशिकाओं के "डिजीज इन ए डिश" मॉडल को समझने के लिए स्टेम सेल प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करेगा। ऐसी मानसिक बीमारी से पीड़ित रोगियों की कोशिकाओं की तुलना आणविक, सेलुलर और विकासात्मक स्तरों पर मानसिक विकारों के रोग जीव विज्ञान को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान कर सकती है। मनोरोग रोगियों से अलग किए गए सेलुलर नमूनों का उपयोग करते हुए हालिया विश्लेषण, सेलुलर असामान्यताओं की पुष्टि करता है – ओसीडी रोगियों और द्विध्रुवी विकार में कोशिका चक्र में परिवर्तन दिखाया गया है। पारिवारिक द्विध्रुवी विकार से स्टेम कोशिकाओं ने भी प्रवासन असामान्यताएं दिखाईं। यह, बदले में, मस्तिष्क के विकास के पाठ्यक्रम को काफी हद तक बदल सकता है और मनोरोग विकारों के रोगजनन में एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है।

## न्यूरोइन्फेक्शन प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. एस. नागरत्ना, प्रोफेसर, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग)

न्यूरोइन्फेक्शन प्रयोगशाला केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के विभिन्न जीवाणु और फंगल संक्रमणों के उद्देश्य से अनुसंधान और आणविक निदान परीक्षण करने के लिए सुसज्जित है। प्रयोगशाला एटियोलॉजी स्थापित करने के लिए सीएनएस के फंगल और जीवाणु संक्रमण से जुड़े रोग के स्पेक्ट्रम को स्पष्ट करने में जीव–विशिष्ट न्यूक्लिक एसिड अनुक्रमों की पीसीआर–आधारित पहचान पर ध्यान केंद्रित करती है। प्रयोगशाला के पास बायोफायर फिल्मएरे स्वचालित प्रणाली है जो सीएनएस संक्रमण से जुड़े 14 सबसे आम बैक्टीरिया, वायरल और फंगल रोगजनकों के व्यापक सेट के एक पैनल का पता लगाने में सक्षम बनाती है, जो एक घंटे के तेजी से बदलाव के समय के साथ सटीक पहचान प्रदान करती है, जिससे चिकित्सकों को जल्दी से उचित देखभाल सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। सीरम में आईएल–6 की बढ़ी हुई अभिव्यक्ति का एलिसा आधारित पता लगाया जा रहा है, जिससे सीओवीआईडी–19 की गंभीरता का अनुमान लगाने की उम्मीद है।

लेप्टोस्पायरोसिस डायग्नोस्टिक्स – सीएसएफ और सीरम नमूनों में लेप्टोस्पाइरा संक्रमण का निदान करने के लिए मात्रात्मक पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूपीसीआर) के बाद न्यूक्लिक एसिड निष्कर्षण सहित आणविक प्रयोग किए जाते हैं।

निदान और अनुसंधान में इम्यूनोलॉजिकल प्रयोग – एम. ट्यूबरकुलोसिस और ब्रुसेला एसपीपी का साइटोकाइन अनुमान। एलिसा द्वारा लेप्टोस्पाइरा निदान के लिए सीएसएफ और सीरम में 'इन विट्रो' नमूनों और एंटीबॉडी का पता लगाने पर।

'इन विट्रो' संक्रमण परीक्षण – जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण (लेप्टोस्पाइरा की रोगजनकता के संबंध में जीन, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के जवाब में ऑटोफैगी संबंधित जीन, क्रिप्टोकोकल मेनिनजाइटिस के रोगजनन के दौरान विभिन्न आणविक, प्रतिरक्षाविज्ञानी और संरचनात्मक मार्गों की विभेदक अभिव्यक्ति) और प्राप्त नमूनों पर मानव कोशिका रेखाओं [माइक्रोग्लिअल कोशिका रेखा (CHME3), मानव भ्रूणीय किडनी (HEK 293), मानव मस्तिष्क माइक्रोवास्कुलर एंडोथेलियल

कोशिका रेखा (HBMEC)] को रोगजनक सूक्ष्मजीवों (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, लेप्टोस्पाइरा एसपीपी और क्रिप्टोकोकस प्रजाति कॉम्प्लेक्स) से संक्रमित करने के बाद।

इसके अलावा, यह सुविधा क्लिनिकल और प्रयोगशाला मानक संस्थान (सीएलएसआई) के अनुसार माइक्रोब्रोथ कमजोर पड़ने की विधि द्वारा एंटी-फंगल संवेदनशीलता परीक्षण भी करती है ताकि विश्वसनीय रूप से एमआईसी मूल्यों का उत्पादन किया जा सके जिसका उपयोग रोगी चिकित्सा का मार्गदर्शन करने और मामलों के बीच एंटीफंगल दवा प्रतिरोध की दरों को ट्रैक करने के लिए किया जाता है। राइनो-ऑर्बिटो- सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस (आरओसीएम) और अन्य आक्रामक फंगल संक्रमण।

वर्तमान में, वर्तमान में उपलब्ध नैदानिक तौर-तरीकों की संवेदनशीलता और दायरे की कमी के कारण क्रोनिक मैनिंजाइटिस के कई मामलों का निदान नहीं किया जा सका है, सुविधा एक उपन्यास अध्ययन शुरू कर रही है जहां पारंपरिक तकनीकों के साथ-साथ मेटागेनोमिक नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एमएनजीएस) की उपयोगिता का मूल्यांकन किया जाएगा। निष्पक्ष तरीके से मानव रोगजनकों की एक विस्तृत श्रृंखला की जांच करने के प्रयास के साथ क्रोनिक मैनिंजाइटिस के प्रेरक एजेंटों का पता लगाने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण।

### मानव जीनोम प्रयोगशाला (संकाय प्रभारी: डॉ. जीके चेतन, प्रोफेसर एवं प्रमुख, मानव आनुवंशिकी विभाग और डॉ. गौतम, एसोसिएट प्रोफेसर, मानव आनुवंशिकी)

प्रयोगशाला में अत्याधुनिक अगली पीढ़ी का अनुक्रमण मंच और माइक्रोएरे सुविधा मौजूद है। हाल ही में स्थापित इस प्रयोगशाला की प्रमुख नैदानिक और नैदानिक अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं: (i) मानव जीनोम की अगली पीढ़ी का अनुक्रमण, मनुष्यों में सभी मेंडेलियन रोगों के लिए एक्सोम्स, ट्रांसक्रिपटोम्स का अनुक्रमण, और एपिजेनेटिक अध्ययन, (ii) क्रोमोसोमल माइक्रोएरे और एपिक एरे का उपयोग किया गया मनुष्यों और कोशिका संस्कृतियों में क्रोमोसोमल विकारों और संपूर्ण जीनोम मिथाइलेशन की जांच करने के लिए (iii) रोगजनक वायरल जीनोम, जिसमें सीओवीआईडी -19 वेरिएंट और बैक्टीरियल जीनोम, साथ ही आंत माइक्रोबायोम संविधान (iv) सिज़ोफ्रेनिया, एफटीडी जैसे विभिन्न प्रकार के जीनोमिक अध्ययनों पर शोध शामिल है। आईडी और ऑटिज्म और (v) एक ही नमूने में सूजन के मार्कर जैसे विभिन्न (100 तक) जैव अणुओं की पहचान करना। प्रयोगशाला विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और अनुसंधान फाउंडेशनों के साथ अनुसंधान सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल है।

3 अक्टूबर, 2020 से इसकी शुरुआत के बाद से विभिन्न आनुवंशिक परीक्षणों और डीएनए बैंकिंग सेवाओं के लिए 1400 से अधिक नमूने प्राप्त हुए हैं। नैदानिक सेवाओं के हिस्से के रूप में, समीक्षा अवधि के दौरान कुल 564 नमूनों को अनुक्रमित किया गया है, जबकि 100 के लिए क्रोमोसोमल सरणी का प्रदर्शन किया गया है। आज तक के नमूने। इन नमूनों के लिए व्यापक और गुणवत्ता सुनिश्चित रिपोर्ट जारी की गई हैं। बौद्धिक विकलांगता, सीएनएस विकृतियों, न्यूरोमस्कुलर विकारों विशेष रूप से एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया आदि पर विभिन्न शोध परियोजनाओं के हिस्से के रूप में संपूर्ण एक्सोम कैप्चर का उपयोग करके 1500 से अधिक नमूनों को संसाधित किया गया है।

INSACOG के हिस्से के रूप में कोविड -19 अनुक्रमण के लिए 2800 से अधिक नमूनों का काम पूरा कर लिया गया है। प्रयोगशाला असामान्य कैनावन रोग वाले स्वदेशी दक्षिण भारतीय समुदाय में संस्थापक उत्परिवर्तन विश्लेषण पर एक सहयोगात्मक अध्ययन में भी सक्रिय रूप से शामिल है। प्रयोगशाला में एक व्यापक जीनोमिक डेटाबेस है जिसे नियमित अद्यतन और क्यूरेशन के साथ बनाए रखा जा रहा है। हाल ही में समूह को डीबीटी द्वारा वित्त पोषित 'बाल चिकित्सा आनुवंशिक विकारों में मिशन कार्यक्रम' नामक बहुकेंद्रित परियोजना के लिए एक सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों में विरासत में मिले आनुवंशिक विकारों और सिंड्रोम की व्यापक रूप से पहचान करना और सूचीबद्ध करना है।

## बनियादी तंत्रिका विज्ञान वर्चुअल विभाग

### प्रमुख: डॉ. बीएस शंकरनारायण राव, प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी

बनियादी तंत्रिका विज्ञान में अत्याधुनिक अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा के लिए बनियादी तंत्रिका विज्ञान के वर्चुअल विभाग की स्थापना की गई है। हाल ही में स्थापित विभाग का प्राथमिक उद्देश्य बनियादी तंत्रिका विज्ञान और संबद्ध विषयों में करियर बनाने के इच्छुक स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और सीखने का अनुभव प्रदान करना है।

विभाग एमफिल पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसमें विभिन्न अनुसंधान प्रशिक्षण मॉड्यूल और विभिन्न प्रकार के सामान्य कौशल प्रशिक्षण लेने का अवसर शामिल है। स्नातकोत्तर डिग्री वाले उम्मीदवारों को हर साल एक प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चुना जाता है, और संस्थान फेलोशिप के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तंत्रिका विज्ञान के बुनियादी और अनुवादात्मक दोनों पहलुओं में अंतरविभागीय अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने वाला पीएचडी कार्यक्रम जल्द ही शुरू किया जाएगा।

## तंत्रिका विज्ञान का वर्चुअल विभाग

### प्रमुख: डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम, प्रोफेसर ,मनोचिकित्सा

शानदार अकादमिक रिकॉर्ड वाले मेडिकल स्नातकों के बीच अनुसंधान स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज का वर्चुअल विभाग बनाया गया है। क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज के अनुशासन के निर्माण का दीर्घकालिक उद्देश्य ट्रांसलेशनल मेडिसिन के उभरते क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर क्षमता को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से यह तंत्रिका विज्ञान पर लागू होता है। संस्थान की परिकल्पना है कि विभाग क्लिनिशियन-न्यूरोसाइंटिस्टों को सामने लाने में सफल होगा, जो वर्तमान में मौजूद द्वंद्व के विपरीत, नैदानिक और अनुसंधान दोनों पहलुओं में समान रूप से कुशल हैं। इसलिए, यह उद्यम "बेंच और बेड-साइड" के बीच मौजूद व्यापक अंतर को पाटने की उम्मीद करता है, जिससे अनुवाद संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा जिसमें अधिक प्रत्यक्ष नैदानिक अनुप्रयोग होंगे।

वर्चुअल डिपार्टमेंट ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज में पीएचडी विद्वानों का चयन किया जाता है और उन्हें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) प्रतिभा खोज योजना (टीएसएस) के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। शानदार शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ एमबीबीएस पूरा करने वाले पांच उम्मीदवारों का चयन हर साल राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है, जो निमहंस के सभी पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक प्रवेश परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाती है।

## केंद्रीय पशु अनुसंधान सुविधा

### प्रभारी अधिकारी: डॉ. बीएस शंकरनारायण राव, प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी

निम्हान्स में केंद्रीय पशु अनुसंधान सुविधा (सीएआरएफ) को पशु मॉडल के उपयोग के माध्यम से तंत्रिका विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए वर्ष 1979 में शुरू किया गया था। सीएआरएफ सीपीसीएसईए (जानवरों पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के उद्देश्य के लिए समिति) और इन-हाउस पशु देखभाल सिद्धांतों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का सख्ती से अनुपालन करके अनुसंधान गतिविधियों के लिए जानवरों के मानवीय और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

CARF अनुमोदित अनुसंधान प्रोटोकॉल की आवश्यकताओं के अनुसार शोधकर्ताओं को जानवरों की आपूर्ति करता है। सीएआरएफ पालन प्रथाओं में अच्छे मानकों को बनाए रखता है, अनुसंधान के लिए प्रयोगशाला जानवरों का जिम्मेदारी से उपयोग करता है और 3 आर के सिद्धांत के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है: अनुसंधान के लिए जानवरों के उपयोग का प्रतिस्थापन, कमी और शोधन। प्रयोगशाला पशुओं से संबंधित सभी अनुसंधान परियोजनाएं संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) द्वारा अनुमोदित हैं। वर्ष के दौरान, दो IAEC बैठकें बुलाई गईं और कुल 15 नई पशु अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

CARF में वर्तमान में पारंपरिक पिंजरे प्रणाली में चूहे (स्विस एल्बिनो, C57BL/6J और CD1) और चूहे (विस्टार और स्प्रैग डावले) हैं। समीक्षा अवधि के दौरान कुल 13,969 प्रयोगशाला जानवरों को रखा और उनका रखरखाव किया गया; जिनमें से 7,638 चूहे और 6,331 चूहे थे।

अपने अनुसंधान में जानवरों के मानवीय, नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए संस्थान के सभी अधिकृत पशु सुविधा उपयोगकर्ताओं के लिए "प्रयोगशाला जानवरों की नैतिकता, सुरक्षा, प्रयोग, देखभाल और प्रबंधन" पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा आयोजित माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसेस और ब्रेन डिसेक्शन कार्यशाला के लिए प्रयोगशाला जानवरों की आपूर्ति की गई थी। सीएआरएफ के स्टाफ सदस्यों ने पशु प्रक्रियाओं के प्रदर्शन में कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्य किया।

2022-23 के दौरान, CARF की मौजूदा प्रायोगिक पशु कॉलोनी को 735 वर्ग मीटर के क्षेत्र के साथ नवनिर्मित दूसरी मंजिल के साथ विस्तारित किया गया था। सीएआरएफ की पहली मंजिल का नवीनीकरण पूरा हो गया। CCSEA (जानवरों पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति) के साथ CARF का पंजीकरण अनुसंधान और शिक्षा उद्देश्य और घरेलू उपयोग के लिए प्रजनन के लिए अगले पांच वर्षों (सितंबर 2022 से सितंबर 2027) के लिए नवीनीकृत किया गया था।

## निम्हान्स वेल बिइंग सेंटर

### प्रमुख: डॉ. गीता देसाई, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा

निम्हांस सेंटर फॉर वेल बीइंग (एनसीडब्ल्यूबी), एक शहरी सामुदायिक केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य के निवारक और प्रोत्साहन पहलुओं पर काम करता है। एनसीडब्ल्यूबी नैदानिक सेवाओं का विस्तार करता है और विभिन्न प्रशिक्षण और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है। केंद्र 17 क्लीनिक चलाता है जो छोटे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप और मनोवैज्ञानिक सहायता सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है।

केंद्र द्वारा पेशेवरों और आम जनता के लिए विभिन्न इंटरैक्टिव कार्यशालाएं, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। केंद्र द्वारा विकसित आईईसी सामग्रियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता। केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर 2000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें इन-हाउस और आउटरीच सेवाएं दोनों शामिल हैं।

कल्याण स्वयंसेवकों के सातवें बैच के लिए प्रशिक्षण चार महीने की अवधि के लिए आयोजित किया गया था। पैंतालीस स्वयंसेवकों को उनके समुदायों में लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बदलने में मदद करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

## फिजियोथेरेपी केंद्र

### चिकित्सा अधीक्षक: डॉ. मुरलीधरन के, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा

फिजियोथेरेपी सेंटर न्यूरोलॉजिकल विकारों वाले रोगियों के लिए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो स्थापित पेशेवर मानकों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल से पूरित होती है। बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) इकाई दर्द से राहत और गति बहाली के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत इलेक्ट्रोथेरेपी तकनीकों और तौर-तरीकों का उपयोग करती है। केंद्र द्वारा व्यक्तिगत, रोगी-विशिष्ट, घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम भी विस्तारित किए जाते हैं। अभ्यास के मानकों में सुधार के लिए उपचार की प्रभावकारिता की निगरानी और दस्तावेजीकरण किया जाता है।

आंतरिक रोगी सेवाएँ आपातकालीन विभाग से शुरू होती हैं जहाँ विशेष रूप से कुशल गहन देखभाल फिजियोथेरेपिस्ट गंभीर रूप से बीमार रोगियों के जीवन को बचाने और आईसीयू में दिनों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से श्वसन देखभाल प्रदान करते हैं। सेवा का अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र संयुक्त अखंडता को बनाए रखना और आईसीयू रोगियों की मस्कुलोस्केलेटल और विनाशकारी संचार संबंधी जटिलताओं को रोकना है। सेवाओं की शृंखला पुनर्वास तक जारी रहती है जिसमें तीव्र और सूक्ष्म देखभाल शामिल है, जो आंदोलनों की कार्यात्मक बहाली पर ध्यान केंद्रित करती है।

फिजियोथेरेपी सेवाओं का विस्तार अन्य क्षेत्रों जैसे वृद्धावस्था भौतिक चिकित्सा और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों तक भी किया गया है। केंद्र बाहरी संस्थानों के छात्रों को उनके इंटर्नशिप कार्यक्रमों में मार्गदर्शन करता है और नवीन परियोजनाओं को पूरा करने में मदद करता है।

## बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

### बायोमेडिकल इंजीनियर: श्रीमती. एमजी सिंधु

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (बीएमई) अनुभाग प्रौद्योगिकी प्रबंधन और उपकरण सहायता सेवाएं प्रदान करता है। यह संस्थान में चिकित्सा (नैदानिक और चिकित्सीय) उपकरणों और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के परीक्षण, मरम्मत और रखरखाव के लिए भी जिम्मेदार है। यह प्रौद्योगिकी की परिचालन उपलब्धता को अधिकतम करने, रोगियों, आगंतुकों और देखभाल प्रदाताओं के लिए जोखिम को कम करने के माध्यम से रोगी देखभाल में सुधार पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

बीएमई अनुभाग को भारतीय फार्माकोपिया आयोग, भारत सरकार के मटेरियो विजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एमवीपीआई) के लिए दक्षिणी भारत के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। भारत के राष्ट्रीय नियामक सेवा क्षेत्रीय केंद्र (एनआरएसआरसी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) जैसे नियामक निकायों के सहयोग से। बायोमेडिकल इंजीनियर को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट और फिजिशियन एसोसिएट्स श्रेणी के तहत राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायों (एनसीएएचपी) आयोग के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

### उपकरण रखरखाव

निवारक रखरखाव, अंशांकन और कई उपकरणों की स्थापना के अलावा, अनुभाग नियामक एजेंसियों के अनुपालन में, अस्पताल के स्वामित्व और उपयोग किए जाने वाले नैदानिक उपकरणों के लिए सेवाएं प्रदान करता है। नई तकनीक और उपकरणों का पूर्व-खरीद मूल्यांकन और सेवा अनुबंध विश्लेषण, बातचीत और प्रबंधन में नैदानिक विभागों को सहायता भी प्रदान की जाती है। नैदानिक उपकरण स्थापनाओं का समन्वय करना और उपकरण घटना की जांच करना अनुभाग द्वारा विस्तारित अन्य सेवाएं हैं। यह छात्रों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करके शिक्षा और क्षमता निर्माण में भी अभिन्न भूमिका निभाता है।

केंद्रीय बाँझ आपूर्ति विभाग (सीएसएसडी) में महत्वपूर्ण देखभाल चिकित्सा और शल्य चिकित्सा उपकरण जैसे हेवी ड्यूटी स्टीम स्टरलाइज़र, ईटीओ गैस स्टरलाइज़र, दस्ताने धोने की मशीन, एयर ब्लोअर और अल्ट्रासोनिक सफाई मशीनें नियमित रूप से सुचारू कामकाज सुनिश्चित करने के लिए बीएमई अनुभाग द्वारा बनाए रखी जाती हैं।

बल्क ओवन, वेट ग्राइंडर, कुकिंग गैस लाइन, खाद्य वितरण ट्रॉली, एग्जॉस्ट हुड सिस्टम आदि सहित भाप और बिजली दोनों के माध्यम से संचालित खाना पकाने के उपकरणों की एक श्रृंखला (आहार अनुभाग में) का रखरखाव किया जा रहा है और विभाग द्वारा निवारक रखरखाव किया जा रहा है।

यंत्रीकृत लांड्री अनुभाग में हेवी ड्यूटी वाशिंग मशीन, हाइड्रो एक्सट्रैक्टर, स्टीम बॉयलर और कैलेंडरिंग, इस्त्री, ड्राई-क्लीनिंग मशीनें शामिल हैं। बैक्टीरिया को मारने के लिए प्रतिदिन लगभग 1000 किलोग्राम गीले लिनन को उच्च दबाव वाली भाप प्रवाहित करके धोया जा रहा है। उपरोक्त उपकरणों का रख-रखाव, मरम्मत एवं रख-रखाव बीएमई अनुभाग द्वारा किया जा रहा है।

न्यूरो और मनोचिकित्सा वार्डों में रोगी देखभाल के लिए चिकित्सा गैसों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, दो अलग-अलग ब्लॉकों में केंद्रीकृत चिकित्सा गैस प्रणाली उपकरण स्थापित किए गए हैं। इस प्रणाली में हेवी ड्यूटी एयर कंप्रेसर, वैक्यूम पंप, तरल ऑक्सीजन संयंत्र और नाइट्रस ऑक्साइड मैनिफोल्ड शामिल हैं। संयंत्र चौबीसों घंटे संचालित किया जा रहा है और रखरखाव कार्यों के लिए बीएमई जिम्मेदार है। सभी वार्डों में मरीज के बिस्तर तक पाइपलाइन उपलब्ध कराई गई है और सिस्टम के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए लीक की निरंतर निगरानी की जाती है।

उपकरण खराब होने के घंटों को कम करने के लिए शिकायत प्रबंधन सॉफ्टवेयर पेश किया गया है। उपयोगकर्ता शिकायतों को तुरंत बंद कर सकते हैं या आगे की जांच के लिए आगे बढ़ा सकते हैं। अनुभाग द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को सफलतापूर्वक कार्यान्वित एवं अनुरक्षित किया गया है।

### आईटी सेवाएं

संचार उपकरण और प्रिंटर, स्कैनर आदि जैसे परिधीय उपकरणों का प्रशासन और रखरखाव बीएमई अनुभाग द्वारा किया जाता है। समस्या निवारण, मरम्मत और प्रतिस्थापन सहित दिन-प्रतिदिन के हार्डवेयर मुद्दों को देखने के लिए केंद्रीय शिकायत प्रबंधन प्रणाली को केंद्रीकृत सहायता डेस्क के रूप में अनुभाग द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

एनएबीएच गतिविधि के हिस्से के रूप में, सीपीआर प्रतिक्रिया टीम के लिए कोड ब्लू आपातकालीन चेतावनी प्रणाली स्थापित की गई है। प्रभावी रोगी देखभाल के लिए सभी रोगी मॉनिटर प्रणालियों को एकीकृत करके आईसीयू के लिए केंद्रीय निगरानी समाधान का परीक्षण किया गया है।

### सेंट्रल टेलीफोन एक्सचेंज

निम्हांस टेलीफोन एक्सचेंज 1200-लाइन क्षमता के साथ डिजिटल EPABX सिस्टम पर चल रहा है। संपूर्ण संस्थान और निवासी क्वार्टरों का टेलीफोन वितरण और रखरखाव बीएमई अनुभाग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। टेलीफोन लाइनों के अलावा, बीएसएनएल योजना के माध्यम से प्रदान की जाने वाली क्लोज्ड यूजर ग्रुप (सीयूजी) मोबाइल सेवाओं को संस्थान के 1000 कस्टम उपयोगकर्ताओं के बीच मोबाइल संचार के लिए ईपीएबीएक्स में एकीकृत किया गया है।

निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए WAN से निम्हान्स सेंटर फॉर वेलबीइंग तक विस्तारित 175 एक्सटेंशन के साथ अत्याधुनिक आईपी एक्सचेंज स्थापित किया गया है।

नव निर्मित क्षेत्रों में, फाइबर ऑप्टिक पर कनेक्टिविटी स्थापित की गई है और

अनावश्यक केबलिंग से बचने के लिए फोन को आईपी तकनीक का उपयोग करके जोड़ा गया है, जिससे रखरखाव लागत कम हो गई है।

### ऑडियो वीडियो एकीकरण एवं प्रस्तुति प्रणाली

संस्थान प्रमुख सम्मेलन कक्षों और आभासी कक्षाओं में वायरलेस प्रस्तुति सुविधा के साथ नवीनतम ऑडियो और वीडियो एकीकरण प्रणालियों से सुसज्जित है। हार्डवेयर और संबंधित सॉफ्टवेयर दोनों के संदर्भ में तकनीकी सहायता बीएमई द्वारा प्रदान की जाती है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर एक समय में 500 उपयोगकर्ताओं को समायोजित करने की क्षमता के साथ टेली-मेडिसिन, वर्चुअल सेमिनार, कक्षाओं और सम्मेलनों के लिए प्रदान किया जाता है। डिजिटल साइनेज एक केंद्रीकृत सामग्री वितरण प्रणाली के रूप में ओपीडी, न्यूरो सेंटर, उप-विशेषता ब्लॉक और आपातकालीन सेवाओं में उपलब्ध कराए जाते हैं।

निम्हान्स वेबसाइट, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों को प्रसारित करने के लिए लाइव स्ट्रीमिंग सॉफ्टवेयर पेश किया गया है।

निम्हान्स में कॉन्फ्रेंस उद्देश्यों के लिए मल्टीपॉइंट समर्पित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) हार्डवेयर लागू किया गया है। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) या इंटरनेट के माध्यम से जुड़े निम्हान्स और बाहरी दोनों स्थानों के उपयोगकर्ता अपने वीसी उपकरणों का उपयोग करके पॉइंट-टू-पॉइंट या मल्टीपॉइंट सम्मेलनों में सहजता से शामिल हो सकते हैं। एनकेएन पर एक आभासी कक्षा स्थापित की गई है, जो संस्थान को साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने में सक्षम बनाती है। तृतीय-पक्ष सॉफ़्टवेयर के माध्यम से संचालित ये प्रोग्राम उपयोगकर्ताओं को लैपटॉप, स्मार्टफ़ोन और टैबलेट जैसे विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके सत्र में भाग लेने की सुविधा प्रदान करते हैं।

### परियोजनाएँ और प्रशिक्षण

यह अनुभाग स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है और उन्हें बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्र तीन से 10 महीने की (न्यूनतम) अवधि के लिए अंतःविषय परियोजनाएं ले सकते हैं। अनुभाग के मार्गदर्शन में कुल 40 बीई/बीटेक छात्रों ने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और अंतःविषय डोमेन में अपनी परियोजनाएं पूरी कीं।

एमवीपीआई कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, चिकित्सा उपकरणों की प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग पर विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान, बीएमई ने निम्हान्स के नर्सिंग स्टाफ के लिए भारत सरकार के मैटेरियोविजिलेंस कार्यक्रम पर जागरूकता पैदा करने के लिए वेबिनार आयोजित किए। वेबिनार भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को चिकित्सा उपकरणों/उपकरणों के संबंध में प्रतिकूल घटनाओं या विनिर्माण दोषों की रिपोर्ट करने पर प्रकाश डालते हैं। किसी भी मुद्दे को सुधारने और चिकित्सा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए निर्माताओं के खिलाफ नियामक कार्रवाई करने के लिए भारत सरकार। यह सक्रिय दृष्टिकोण रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है और स्वास्थ्य देखभाल वितरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में मदद करता है।

## आईटी सेल एवं डाटा सेंटर

### अध्यक्ष: डॉ. गिरीश एन राव, प्रोफेसर , महामारी विज्ञान

निम्हान्स में आईटी के विकास को बढ़ावा देने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेल की स्थापना की गई है। सेल का प्राथमिक उद्देश्य प्रशासनिक और शैक्षणिक पहलों का समर्थन करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के नए तरीकों को प्रभावी ढंग से लागू करने और एकीकृत करने के लिए रूपरेखा तैयार करना है।

निम्हान्स डेटा सेंटर (NDC) को सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित सभी सेवाओं और गतिविधियों को संभालने का अधिकार है। अब, केंद्र से परियोजना, वेतन और संबद्ध घटकों जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 10 से अधिक एप्लिकेशन सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं। नई पीढ़ी के उच्च-स्तरीय नेटवर्क उपकरण जैसे फ़ायरवॉल, लेयर-3 स्विच भी शामिल किए गए हैं। डेटा के बैकअप और अभिलेखीय प्रणाली की पूरी निगरानी केंद्र द्वारा की जाती है।

एनडीसी को हाल ही में जटिल एकीकृत प्रणालियों को प्रभावी ढंग से समन्वयित करने और साझा संसाधनों को विश्वसनीय रूप से तैनात करने के लिए पुनर्निर्मित किया गया था। अत्याधुनिक इनबिल्ट कूलिंग सिस्टम और उन्नत अग्नि सुरक्षा मानकों के साथ, यह सुविधा लगभग एक दशक तक संस्थान की परिचालन आवश्यकताओं का समर्थन करती है। केंद्र साइबर और भौतिक खतरों के खिलाफ बढ़ी हुई सुरक्षा, आउटेज के समय भी परिचालन निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा, लचीलापन और दक्षता में कुछ उच्चतम मानकों का दावा करता है।

परिसर में सभी प्रणालियों पर एंटी-वायरस सुरक्षा एप्लिकेशन स्थापित किया गया है और आवश्यकतानुसार उनका नियमित अपग्रेड, पैचिंग और पुनः लाइसेंसिंग भी किया जाता है।

निम्हान्स में अधिकांश अस्पताल और प्रशासनिक सेवाएँ अब वेब सक्षम हैं। सैंपल ट्रैकर, एचआर अपडेट, जेरियाट्रिक वेब एप्लिकेशन, ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम, एचआईएस आदि कुछ नए शुरू किए गए वेब एप्लिकेशन और सेवाएं हैं।

नई वेबसाइट को कुछ अतिरिक्त ऑनलाइन के साथ एनडीसी में होस्ट किया गया है, नई-रोगी पंजीकरण प्रणाली जैसी सुविधाएँ जहाँ मरीज़ कर सकते हैं । स्वयं को पंजीकृत करें और अपनी सुविधानुसार पूर्व अपॉइंटमेंट लें। ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस), भारत सरकार पोर्टल, ऑनलाइन नियुक्तियाँ बुक करने में सक्षम किया गया है। SBI ePay सुविधा है । ऑनलाइन लेनदेन और अग्रिम करने के लिए भी उपलब्ध कराया गया है । विभिन्न अस्पताल सेवाओं के लिए भुगतान ।

सुरक्षा को केंद्रीय रूप से विस्तारित करने के लिए VDI समाधान लागू किया गया है । अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए VMs बनाकर। इससे इंस्टॉलेशन से बचने में भी मदद मिलती है । डेस्कटॉप के लिए व्यक्तिगत एंटी-वायरस समाधान।

## इंजीनियरिंग

### सहायक कार्यकारी अभियंता: श्री. जी श्रीनिवास

इंजीनियरिंग विभाग अस्पताल के बुनियादी ढांचे, प्रशासनिक भवन, कर्मचारी क्वार्टर, सड़कों, मशीनरी और एयर कंडीशनर, लिफ्ट, जेनरेटर इत्यादि जैसे उपकरणों के निर्माण और रखरखाव को पूरा करता है। गतिविधियां योजना और गैर-योजना प्रमुख के अंतर्गत आती हैं।

वर्ष 2022-23 में पूरे किए गए प्रमुख सिविल और विद्युत कार्यों में शामिल हैं: (ए) निर्माण (मौजूदा 0.25 एमएलडी एसटीपी का उन्नयन) और 1.20 एमएलडी सीवेज उपचार संयंत्र के लिए इलेक्ट्रो मैकेनिकल उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (बी) अतिरिक्त का निर्माण मौजूदा केंद्रीय पशु अनुसंधान सुविधा भवन पर फर्श (सी) प्रशासनिक ब्लॉक में मौजूदा पुस्तकालय और सूचना केंद्र पर अतिरिक्त मंजिल का निर्माण (डी) मौजूदा थुंगा छात्रावास का विस्तार (ई) निम्हान्स के उत्तरी परिसर में ओपीडी, कार्यालय परिसर और परिसर की दीवार का निर्माण , क्यालासनहल्ली, बेंगलुरु ((एफ) नवनिर्मित सेमिनार हॉल में ध्वनिक दीवार पैनलिंग, बुने हुए विनाइल फर्श कालीन, ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था, एसी, मंच के लिए पर्दा, बिजली आपूर्ति, फर्नीचर, अग्निशमन प्रणाली, प्रोजेक्टर और कैमरा कार्यों का प्रावधान। मनोरोग ओपन जनरल वार्ड (जी) सकलवारा परिसर में पंपों की स्थापना के साथ 10.00 लाख लीटर क्षमता के भूमिगत नाबदान टैंक, जल लाइनों और संबद्ध विद्युतीकरण कार्यों का निर्माण (एच) विश्राम सदन भवन के पूर्वी और दक्षिणी तरफ आरसीसी तूफान जल निकासी का निर्माण।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्य जो प्रगति पर हैं उनमें शामिल हैं: (ए) मनोचिकित्सा विभाग स्पेशलिटी ब्लॉक का निर्माण (बी) सामान्य प्रयोगशाला परिसर भवन का निर्माण (सी) पुस्तकालय और सूचना केंद्र में नव निर्मित अतिरिक्त मंजिलों के अंदरूनी हिस्सों का प्रावधान प्रशासनिक ब्लॉक (डी) निम्हान्स परिसर में मौजूदा थुंगा छात्रावास के ऊपर तीन मंजिलों का निर्माण - चरण 2 (ई) निम्हान्स के उत्तरी परिसर, क्यालासनहल्ली में ओपीडी और कार्यालय परिसर के मौजूदा भूतल पर तीन मंजिलों का निर्माण - चरण 2 (एफ) स्थापना क्रय अनुभाग, पीआरओ अनुभाग, प्रस्तावित नए प्रशासनिक ब्लॉक (जी) में दो शौचालयों और अन्य संबद्ध कार्यों का निर्माण, मौजूदा थुंगा छात्रावास के ऊपर 5वीं और 6वीं मंजिल का निर्माण - चरण 3 (एच) कन्वेंशन सेंटर में स्थापित एएचयू का प्रतिस्थापन और उन्नयन (आई) सीएसएसडी का आपातकालीन ब्लॉक से डॉ. आर.एम. वर्मा उप-विशेषता ब्लॉक बेसमेंट में स्थानांतरण।

## पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र

### प्रभारी अधिकारी: डॉ. चित्तरंजन अंद्राडे, वरिष्ठ प्रोफेसर, सीपीएनटी

पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र संस्थान की एक प्रमुख शैक्षणिक इकाई है। यह उपयोगकर्ताओं को आवश्यक शैक्षणिक जानकारी और सहायता प्रदान करके अनुसंधान और प्रशिक्षण की वृद्धि और विकास का समर्थन करता है। लाइब्रेरी में मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में और चिकित्सा और सामाजिक स्वास्थ्य के संबद्ध विषयों में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधन सामग्री का एक बड़ा संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष में लाइब्रेरी ने 9125 पत्रिकाओं और 5586 पुस्तकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में या तो सीधे या डेटाबेस के माध्यम से, और नैदानिक सामग्री और विशेष विषयों के रूप में सब्सक्राइब किया।

लाइब्रेरी उपयोगकर्ता व्यक्तिगत रूप से बड़ी लाइब्रेरी में जाकर या ऑन-कैंपस या ऑफ-कैंपस में ऑनलाइन ई-संसाधनों से जुड़कर सदस्यता प्राप्त संसाधनों तक पहुंच प्राप्त करते हैं। ऑन-कैंपस पहुंच पूरे कैंपस नेटवर्क के माध्यम से प्रदान की जाती है और ऑफ-कैंपस पहुंच रिमोटलॉग उपयोगकर्ता नाम/पासवर्ड-नियंत्रित पहुंच के माध्यम से प्रदान की जाती है।

लाइब्रेरी भवन पूरी तरह से वाई-फाई-सक्षम क्षेत्र है। लाइब्रेरी में साइबर हॉल में डेस्कटॉप कंप्यूटर की एक बैटरी है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता लाइब्रेरी के साथ-साथ अन्य इंटरनेट संसाधनों तक पहुंच सकते हैं। लाइब्रेरी में एक नया पुनर्निर्मित रीडिंग हॉल भी है जिसमें छात्र अपने लैपटॉप और अन्य व्यक्तिगत संसाधन सामग्री का उपयोग करके अध्ययन और काम कर सकते हैं। पुस्तकालय छात्र, संकाय, विभागीय, संस्थागत और व्यक्तिगत उपयोग के लिए आधिकारिक और निजी फोटोकॉपी सुविधाएं प्रदान करता है।

पुस्तकालय कुछ विशेष सुविधाएँ प्रदान करता है। टर्निटिन साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पांडुलिपियों, शोध प्रबंधों और थीसिस की साहित्यिक चोरी समानता की जाँच उपलब्ध है। ग्रामरली प्रीमियम सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके भाषा की जाँच उपलब्ध है। एक हालिया विशेषता डेटा के सांख्यिकीय प्रसंस्करण के लिए एसपीएसएस सॉफ्टवेयर के 10 स्थायी लाइसेंस का अधिग्रहण है; यह संस्थान VDI प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से पूरे परिसर में उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। लाइब्रेरी SCOPUS डेटाबेस, EBSCO-APA साइकोथेरेपी वीडियो डेटाबेस, ProQuest: ASBMHO-ASNMHV वीडियो संग्रह और अप-टू-डेट क्लिनिकल कुंजी की भी सदस्यता लेती है।

पुस्तकालयाध्यक्ष सूचना संसाधनों और सेवाओं की खोज, मूल्यांकन और उपयोग के लिए समय-समय पर इंटरैक्टिव अभिविन्यास कार्यक्रमों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करते हैं। इस वार्षिक रिपोर्ट का शेष भाग समीक्षाधीन वर्ष के लिए उपयोग के आंकड़ों, संसाधनों की सदस्यता, वर्तमान रुझान और भविष्य की योजनाओं पर विवरण प्रदान करता है।

### पुस्तकालय संसाधनों के उपयोग के आँकड़े

| क्र.सं. | विवरण | संख्याएं |
|---|---|---|
| 1 | पुस्तकें और पत्रिकाएँ (मुद्रित) प्रसारित | 5573 |
| 2 | पूर्ण-पाठ आलेख डाउनलोड | 126,958 |
| 3 | साहित्य खोज | 7 |
| 4 | फोटोकॉपी के पृष्ठों की संख्या | 4267 |
| 5 | साइबर हॉल उपभोक्ताओं की संख्या | 1094 |
| 6 | पुस्तकालय के बाह्य उपयोक्ताओं की संख्या | 2095 |
| 7 | पुस्तकालय के आंतरिक उपयोक्ताओं की संख्या | 13,434 |
| 8 | साहित्यिक चोरी जांच प्रमाण पत्र जारी | 102 |

## संसाधनों की सदस्यता 2022-2023

### ई-जर्नल्स/एग्रीगेटर्स/ई-डेटाबेस

| क्र.सं. | ई-जर्नल/एग्रीगेटर्स/ई-डेटाबेस | ई-जर्नल्स की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | ईबीएससीओ | 475 |
| 2 | एल्सेवियर | 164 |
| 3 | जामा | 6 |
| 4 | कार्गेर ई-जर्नल्स | 18 |
| 5 | नेचर ई-जर्नल्स | 8 |
| 6 | ओयूपी ई-जर्नल्स | 5 |
| 7 | ओवीआईडी ई-जर्नल्स | 26 |
| 8 | प्रोक्वेस्ट ई-डेटाबेस | 8182 |
| 9 | मनोरोग ऑनलाइन डेटाबेस | 5 |
| 10 | आरएसएनए रेडियोलॉजी और रेडियोग्राफिक्स | 2 |
| 11 | सेज मानसिक स्वास्थ्य | 53 |
| 12 | विज्ञान ऑनलाइन साप्ताहिक | 1 |
| 13 | सोसायटी ई-जर्नल्स | 10 |
| 14 | स्प्रिंगर ई जर्नल्स | 11 |
| 15 | टेलर और फ्रांसिस ई-जर्नल्स | 144 |
| 16 | थीम मेडोन | 3 |
| 17 | विली ई जर्नल्स | 12 |
| | कुल | 9125 |

### ई बुक्स

| क्र.सं. | प्रकाशक/एग्रीगेटर | ई-पुस्तकों की संख्या |
|---|---|---|
| 1 | एक्सेस न्यूरोलॉजी संग्रह | 248 |
| 2 | कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस ई-बुक्स | 22 |
| 3 | अन्य ई-पुस्तकें | 47 |
| 4 | ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस | 300 |
| 5 | प्रोक्वेस्ट- साइकबुक्स | 4400 |
| 6 | मनोरोग ऑनलाइन - एपीए | 22 |
| 7 | स्प्रिंगर-व्यवहार विज्ञान संग्रह | 378 |
| 8 | टेलर और फ्रांसिस ई-पुस्तकें | 13 |
| 9 | थीम - ईन्यूरोसर्जरी | 144 |
| 10 | ओविड ई-पुस्तकें | 12 |
| | कुल | 5586 |

### शैक्षिक और वीडियो डेटाबेस पैकेज

| क्र.सं. | विवरण |
|---|---|
| 1. | मेडिसिन और न्यूरोलॉजी संग्रह तक पहुंचें |
| 2. | ईबीएससीओहोस्ट-एपीए साइकथेरेपी |
| 3. | जर्नल ऑफ़ विज़ुअलाइज़्ड एक्सपेरिमेंट्स -JoVE |
| 4. | प्रोक्वेस्ट<br>• व्यवहारिक और मानसिक स्वास्थ्य ऑनलाइन पूरा पैकेज<br>• वीडियो में नर्सिंग मानसिक स्वास्थ्य: एक लक्षण मीडिया संपूर्ण पैकेज<br>• वीडियो लाइब्रेरी में परामर्श और थेरेपी<br>• वीडियो में परामर्श और थेरेपी: खंड V, लक्षण मीडिया संग्रह<br>• सामाजिक कार्य ऑनलाइन |
| 5. | थीम-मेडोन ईन्यूरोसर्जरी |

### विशेष विषय-वस्तु/अन्य संसाधन

| क्र.सं. | प्रकाशक/एग्रीगेटर |
|---|---|
| 1 | अद्यतन क्लिनिकल संसाधन सॉफ्टवेयर/सेवा |
| 2 | वेब ऑफ साइंस कोर कलेक्शन-उद्धरण डेटाबेस<br>• विज्ञान उद्धरण सूचकांक का विस्तार किया गया<br>• सम्मेलन कार्यवाही उद्धरण सूचकांक - विज्ञान संस्करण<br>• वर्तमान रासायनिक प्रतिक्रियाएँ<br>• उभरते स्रोत उद्धरण सूचकांक (ईएससीआई)<br>• मेडलाइन - सीमित लाइसेंस<br>• बेसिक एंडनोट (ऑनलाइन संदर्भ प्रबंधक) |
| 3 | जामा-बैक फ़ाइल |
| 4 | जामा साक्ष्य डेटाबेस |
| 5 | कोहा एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर |
| 6 | स्कोपस ई-डेटाबेस |
| 7 | टर्निटिन साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर |
| 8 | रिमोट लॉग |
| 9 | व्याकरण |
| 10 | एसपीएसएस सॉफ्टवेयर (शाश्वत मॉडल) पर वीडीआई |

### प्रिंट जर्नल

| | | |
|---|---|---|
| 1 | वर्तमान विज्ञान-भारतीय विज्ञान अकादमी | 1 |

**प्रशासनिक उपाय:** पुस्तकालय सलाहकार समिति की समीक्षाधीन वर्ष में तीन बार बैठक हुई और उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए कुछ सुविधाएं विकसित करने की सिफारिश की गई।

# प्रकाशन विभाग

### सहायक संपादक: डॉ. प्रभु देव एम

प्रकाशन विभाग ने समीक्षा अवधि के दौरान विभिन्न विशिष्ट सेवाओं और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के बारे में ज्ञान के प्रसार के लिए एक कुशल प्रणाली प्रदान करना जारी रखा। इसने शैक्षणिक और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए पुस्तकों, शिक्षण मैनुअल, तकनीकी रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के प्रकाशन की सुविधा प्रदान की। विभाग द्वारा पुस्तक बिक्री और इन्वेंट्री प्रबंधन भी सक्षम किया गया है। वर्तमान में, लगभग 30 शीर्षक बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

**मैनुअल/हैंडबुक/वैज्ञानिक प्रकाशन:** निम्हान्स मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में छात्रवृत्ति के यथासंभव व्यापक प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। अब तक लगभग 250 मैनुअल और हैंडबुक प्रकाशित हो चुके हैं, जो ज्ञान और शिक्षा के प्रति इसके जुनून को दर्शाते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान विभाग ने 12 प्रकाशनों (राजा राम मोहन राय राष्ट्रीय एजेंसी से आईएसबीएन प्राप्त करने सहित) की प्रतिलिपि संपादन, प्रूफ़रीडिंग और मुद्रण का समन्वय किया।

**संस्थान की रिपोर्ट:** वार्षिक रिपोर्ट 2021–22 (अंग्रेजी और हिंदी दोनों में) निदेशक द्वारा गठित समन्वय समिति के तत्वावधान में विभाग द्वारा जारी की गई थी। संस्थान गतिविधि रिपोर्ट – जो संस्थान की गतिविधियों, विकास और उपलब्धियों की व्यापक जानकारी प्रदान करती है – समीक्षाधीन अवधि के दौरान आयोजित विभिन्न वैधानिक निकाय बैठकों के लिए भी तैयार की गई थी।

**वार्षिक रिपोर्ट प्रबंधन प्रणाली (ARMS):** प्रभावी रिपोर्ट प्रबंधन और गतिविधियों के मूल्यांकन के लिए एक वेब–आधारित एप्लिकेशन, वार्षिक रिपोर्ट प्रबंधन प्रणाली (ARMS) विकसित की गई है। सॉफ्टवेयर सुविधाजनक सुविधाओं और एर्गोनोमिक यूजर–इंटरफ़ेस के साथ बनाया गया है। इसे उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए अद्यतन किया गया है, और संकाय सदस्य अब व्यक्तिगत खाते बना सकते हैं और अपनी प्रोफ़ाइल और गतिविधियों के रिकॉर्ड बनाए रख सकते हैं। एप्लिकेशन को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

**न्यूज़लेटर्स:** कन्नड़ त्रैमासिक पत्रिका "हंस ध्वनि" अप्रैल 2022 में लॉन्च की गई थी। समीक्षा अवधि के दौरान पत्रिका के चार अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित किए गए थे। पत्रिका को सामग्री की गुणवत्ता, डिज़ाइन और समग्र प्रस्तुति के संदर्भ में पाठकों और पेशेवरों से समान रूप से सराहना और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों पर केंद्रित "निम्हान्स बुलेटिन" स्वतंत्रता दिवस विशेष संस्करण निकाला गया। इंटीग्रेटिव मेडिसिन विभाग के त्रैमासिक समाचार पत्र "समत्वम" के चार अंकों की कॉपी–संपादन, डिजाइनिंग और प्रिंटिंग का कार्य कुशलतापूर्वक किया गया।

**सूचना सामग्री:** पत्रक, फ़्लायर्स, प्रॉस्पेक्टस और अन्य महत्वपूर्ण सूचना सामग्री की कॉपी–संपादन/प्रूफ़रीडिंग की गई। फ़ोबिक चिंता विकार, विघटनकारी विकार, बीपीडी, संशोधित ईसीटी, आंदोलन विकार, न्यूरोमस्कुलर रोग, गतिभंग, टिक्स और टॉरेट सिंड्रोम, विल्सन रोग, आवश्यक ट्रेमर्स, डिस्टोनिया, प्रतिरक्षा रक्षा प्रणाली, पीठ और पर विभिन्न आईईसी सामग्रियों के अनुवाद, मुद्रण और प्रकाशन का समन्वय। गर्दन का दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस, हाथ धोने की तकनीक, पीपीई डोनिंग और डॉफिंग, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन आदि को विभाग द्वारा समय सीमा का पालन करते हुए संभाला गया।

**भाषा कक्षाएं:** विभाग ने गैर–कन्नड़ भाषी संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लाभ के लिए कर्नाटक सरकार के कन्नड़ और संस्कृति विभाग के सहयोग से कन्नड़ कक्षाएं आयोजित कीं। बीएससी नर्सिंग (प्रथम वर्ष) के छात्रों के लिए अंग्रेजी कक्षाएं भी विभाग द्वारा समन्वित की गईं।

**अन्य गतिविधियाँ:** विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के सहमति प्रपत्रों (आचार समिति को प्रस्तुत किए जाने वाले) के लिए प्रमाण पत्र मूल संस्करण के साथ अनुवादित प्रपत्रों की सत्यता और शुद्धता की तुलना/जांच करने के बाद जारी किए गए थे। सूचनाओं और महत्वपूर्ण प्रशासनिक संचारों का क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद, बाहरी एजेंसियों के साथ अनुवाद कार्यों का समन्वय, नाम बोर्ड/साइनबोर्ड, रबर स्टैम्प आदि की जाँच करना नियमित आधार पर की जाने वाली अन्य गतिविधियाँ थीं।

विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य संथे और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार में अभिन्न भूमिका निभाई, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

## हिंदी कक्ष (हिंदी अधिकारी प्रभारी: डॉ. देवव्रत कुमार, प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान )

प्रकाशन विभाग के अंतर्गत कार्यरत हिंदी सेल ने राजभाषा कार्यान्वयन नीतियों और संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियाँ कीं। सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देना।

**अनुवाद गतिविधियाँ:** अनुसंधान/शैक्षणिक गतिविधियों, निविदा अधिसूचनाओं और अन्य महत्वपूर्ण पत्राचारों के लिए सहमति प्रपत्रों का नियमित आधार पर हिंदी में अनुवाद किया गया।

**हिंदी में पत्राचार:** मंत्रालय द्वारा वर्गीकृत 'ए', 'बी' और 'सी' क्षेत्रों में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों को पत्र यथासंभव हद तक हिंदी में जारी किए जाते थे। मंत्रालय से संबंधित आधिकारिक दस्तावेजों पर निदेशक और रजिस्ट्रार द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर किए जा रहे थे।

संस्थान के सभी नाम बोर्ड और साइन बोर्ड त्रिभाषी प्रारूप (अंग्रेजी, हिंदी और कन्नड़) में प्रदर्शित किए गए हैं। कर्मचारियों/अस्पताल के कर्मचारियों के लाभ और हिंदी सीखने की सुविधा के लिए अश्विनी ब्लॉक और न्यूरो सेंटर के डिस्प्ले बोर्ड पर हर दिन दिन के बारे में विचार हिंदी और अंग्रेजी में लिखे जाते थे।

**हिंदी प्रशिक्षण:** हिंदी शिक्षण योजना के तहत हिंदी पाठ्यक्रम/कक्षाएं (प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ), संस्थान के उन कर्मचारियों को हिंदी का प्रशिक्षण देने के लिए नियमित रूप से आयोजित की गईं, जिनके पास हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान नहीं है। योजना के अंतर्गत हिन्दी टाइपिंग एवं हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

**हिंदी सप्ताह समारोह:** निम्हान्स, में 21 से 26 नवंबर 2022 तक हिंदी सप्ताह मनाया गया। डॉ. जीआर श्रीनाथ, सेवानिवृत्त द्वारा राजभाषा पर एक कार्यशाला। वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, यूआरएससी, इसरो का आयोजन किया गया और समारोह के हिस्से के रूप में सुलेख/हस्तलेखन, कविता, निबंध लेखन, नोटिंग और प्रारूपण, पढ़ना, गायन, टाइपिंग और अंताक्षरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी सप्ताह 2022 समारोह का समापन समारोह 14 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया था। डॉ. एसके चतुर्वेदी, पूर्व डीन, मनोचिकित्सा के वरिष्ठ प्रोफेसर और हिंदी अधिकारी, निम्हान्स, बेंगलुरु और सलाहकार मनोचिकित्सक, लीसेस्टरशायर पार्टनरशिप एनएचएस ट्रस्ट, यूके मुख्य अतिथि थे। निम्हान्स की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने निम्हान्स के रजिस्ट्रार डॉ. बीएस शंकरनारायण राव की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर हिंदी सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और हिंदी कार्यशाला 2022 के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र (उपस्थिति के) वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्थान में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन और संबद्ध गतिविधियों पर एक रिपोर्ट और राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पत्रिका दर्पण का चौथा अंक जारी किया गया।

## मेडिकल रिकॉर्ड

### मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी: श्री. रुद्रराध्य और श्री. राजन्ना

निम्हान्स में मेडिकल रिकॉर्ड विभाग (एमआरडी) नैदानिक रिकॉर्ड और जानकारी के व्यापक पंजीकरण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। विभाग विभिन्न नैदानिक, प्रशासनिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए समय पर रिकॉर्ड पुनर्प्राप्ति सेवा प्रदान करता है। यह निर्धारित नियमों और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार मेडिको-लीगल पत्राचार के प्रसंस्करण की सुविधा भी देता है।

एमआरडी, हालांकि सरकारी मानसिक अस्पताल की स्थापना के साथ अस्तित्व में आया, 1956 में एक पूर्ण विभाग के रूप में उभरा । इसने देश में सबसे पुरानी और सबसे बड़ी मेडिकल रिकॉर्ड सुविधाओं में से एक होने का गौरव अर्जित किया है। विभाग, जो केंद्रीकृत फाइलिंग प्रणाली और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस है, 14 लाख से अधिक फाइलों/अभिलेखों का रखरखाव करता है। 60 से अधिक स्टाफ सदस्य विभिन्न क्षमताओं में विभाग की सेवा करते हैं, जो दैनिक आधार पर निमहंस आने वाले हजारों रोगियों की सेवा करते हैं (इनपेशेंट बिस्तर की संख्या 932 और प्रति दिन औसतन 60 प्रवेश के साथ)।

एमआरडी ने कोविड-19 महामारी के कारण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के बदलते पहलुओं के अनुरूप अपने परिचालन में संशोधन किया है। इसने समीक्षा अवधि के दौरान टेलीकंसल्टेशन और फॉलो-अप पर विशेष ध्यान देने के साथ विभिन्न नैदानिक उद्देश्यों के लिए समय पर रिकॉर्ड पुनर्प्राप्ति सेवा का विस्तार किया।

निम्हांस में मेडिकल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड सेवाओं के लिए एक समर्पित बुनियादी ढांचा पिछले साल खोला गया था।

## निम्हान्स जिमखाना

### अध्यक्ष: डॉ. टी. हरीश, प्रोफेसर, मनोचिकित्सा

निम्हान्स जिमखाना, 2000 में स्थापित, एक मनोरंजक और खेल सुविधा है जो विशेष रूप से कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवारों को प्रदान की जाती है। निम्हांस के बैरसंद्र परिसर में स्थित, जिमखाना 2,535 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया गया है। 10,320 वर्गमीटर के कुर्सी क्षेत्रफल के साथ। जिमखाना में खेल, शारीरिक गतिविधियों और मनोरंजन के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और उपकरण हैं। इसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज और बास्केटबॉल जैसे विभिन्न इनडोर खेलों के लिए कई सुविधाएं हैं। इसमें क्रेच, पुस्तकालय, पुरुष और महिला व्यायामशाला विंग, लॉकर रूम, उपयोगिता/योग कक्ष, एम्फीथिएटर और एक सामुदायिक हॉल भी है। पांच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए कला और नृत्य कक्षाएं (भरतनाट्यम), और संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों के वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए कराटे, ज़ुम्बा और मिश्रित मार्शल आर्ट (एमएमए) में प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाता है।

समीक्षा अवधि के दौरान, निम्हान्स जिमखाना ने एक आयोजन किया । सांस्कृतिक के साथ-साथ इनडोर और आउटडोर खेलों की गतिशील रेंज जनवरी से फरवरी 2023 तक कर्मचारियों और छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं।

उल्लेखनीय घटनाओं में गायन जैसी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं शामिल थीं। नृत्य, निबंध लेखन, रंगोली और कोलाज बनाना। जैसे कि हिस्से के रूप में स्वच्छता पखवाड़ा, साइकिल रैली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एक जीवंत, समावेशी सामुदायिक भावना से निम्हान्स के कर्मचारी, छात्र और बच्चे प्रचारित कर रहे हैं ।

# संस्थापन दिवस

INSTITUTE DAY

ಸಂಸ್ಥಾಪನಾ ದಿನ । संस्थापन दिव

NATIONAL INSTITUTE OF MENTAL HEALTH AND NEURO SCIENCES
ಸಂಸ್ಥಾಪನಾ ದಿನ । संस्थापन दिवस
INSTITUTE DAY

NATIONAL INSTITUTE OF MENTAL HEALTH AND NEURO SCIENCES
ಸಂಸ್ಥಾಪನಾ ದಿನ । संस्थापन दिवस

NATIONAL INSTITUTE OF MENTAL HEALTH AND NEURO SCIENCES
ಸಂಸ್ಥಾಪನಾ ದಿನ । संस्थापन दिवस
INSTITUTE DAY

NATIONAL INSTITUTE OF MENTAL HEALTH AND NEURO SCIENCES
ಸಂಸ್ಥಾಪನಾ ದಿನ । संस्थापन दिवस

# अनुसंधान गतिविधियाँ

## मौलिक विज्ञान

### जैवभौतिकशास्त्र विभाग

1. मानव ट्यूबलाइक प्रोटीन की क्रिस्टल संरचना से झिल्ली प्रोटीन तस्करी के कार्य में अंतर्दृष्टि, TULP3: न्यूरोनल विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी। अन्वेषक: डॉ. बी. पद्मनाभन, डॉ. पी. शिवरामन (डीबीटी द्वारा निधि)।

2. तर्कसंगत दृष्टिकोण द्वारा मानव सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज (एसओडी1) मॉड्यूलेटर की खोज और विकास: एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के लिए एक संभावित चिकित्सीय लक्ष्य। अन्वेषक: डॉ. बी. पद्मनाभन, डॉ. इंद्राणी दत्ता (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

3. स्टेफिलोकोकस ऑरियस से फेजजीआरसीएस एंडोलिसिन और पुटेटिव एमिडेज की संरचना-कार्य विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. बी. पद्मनाभन, डॉ. वीणाकुमारी (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)

4. संरचना-आधारित दृष्टिकोण द्वारा ग्लियोब्लास्टोमा को लक्षित करने वाले बीटा परिवार प्रोटीन BRD2 और BRD4 के उपन्यास छोटे अणु अवरोधकों की स्क्रीनिंग और पहचान। अन्वेषक: डॉ. बी. पद्मनाभन।

5. पार्किंसंस रोग के पैथोफिज़ियोलॉजी में मिडब्रेन एस्ट्रोसाइट्स-इम्प्लीकेशंस पर एक्स्ट्रासेलुलर अल्फा सिन्यूक्लिन का आकलन। अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. भूपेश मेहता (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)। मौलिक विज्ञान

6. डोपामिनर्जिक न्यूरॉन डिसफंक्शन में अल्फा-सिन्यूक्लिन फास्फारिलीकरण की भूमिका। अन्वेषक: डॉ इंद्राणी दत्ता (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

7. इन-विवो पीडी मॉडल लक्ष्यीकरण प्रभावकारिता और जैव-वितरण में इंट्रानैसल मार्ग के माध्यम से दवा वितरण उपकरण के रूप में मानव दंत लुगदी स्टेम कोशिकाओं के एक्सोसोम का उपयोग करके पार्किंसंस रोग के लिए सेल-मुक्त चिकित्सीय दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. चंद्रशेखर सागर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

8. भारतीय जातीयता के रोगी-विशिष्ट प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल का उपयोग करके पार्किंसंस रोग के सेलुलर रोगजनन पर LRRK22 I1371V उत्परिवर्तन का मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. रवि यादव (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

9. पार्किंसंस रोग के उपचार में एक न्यूरोप्रोटेक्टिव रणनीति के रूप में तंत्रिका पूर्वज कोशिका (एनपीसी) प्रत्यारोपण। अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता (आइस्टेम से उद्योग द्वारा वित्त पोषण)।

10. सीजीएमपी ग्रेड एचएलए शून्य मानव आईपीएससी का मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं से अंतर। अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता (आईस्टेम से उद्योग वित्तपोषण)।

11. डायबिटिक रेटिनोपैथी में सिनैप्टिक फ़ंक्शन में गिरावट के शुरुआती संकेत। अन्वेषक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. प्रीति जी. जोशी, पूर्व प्रोफेसर (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

12. मिर्गी के हिप्पोकैम्पस न्यूरॉन्स के सिनैप्टिक फिजियोलॉजी में प्रोटीन एसिटिलेशन नेटवर्क को डिकोड करना। अन्वेषक: डॉ. भूपेश मेहता (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

13. सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी और रखरखाव पर लेड (Pb) विषाक्तता का प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. लक्ष्मी टी राव, डॉ. योगानंद एसएम (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)

14. मानव स्टेम सेल व्युत्पन्न न्यूरॉन्स का उपयोग करके मिर्गी से जुड़े सोडियम चैनलों में पैथोफिजियोलॉजिकल तंत्र और उपन्यास डी-नोवो म्यूटेशन के औषधीय मॉड्यूलेशन की पहचान करना। अन्वेषक: डॉ. योगानंद एसएम, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

15. मोनोमेरिक α-सिन्यूक्लिन के साथ सेलेस्ट्रोल का उच्च-आत्मीयता बंधन इन विट्रो एकत्रीकरण को कम करता है। अन्वेषक: डॉ. मैथ्रि आरबी, डॉ. पदवत्तन शिवरामन।

16. नाभिक के भीतर α-सिन्यूक्लिन की शारीरिक भूमिका को स्पष्ट करना: न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों से जुड़ा एक प्रमुख प्रोटीन। अन्वेषक: डॉ. पदवत्तन शिवरामन।

17. PXXP रूपांकनों से युक्त ताऊ पेप्टाइड के साथ Fyn-SH3 डोमेन इंटरैक्शन पर संरचनात्मक और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल अध्ययन और एन-मिथाइल डी-एस्पार्टेट रिसेप्टर फ़ंक्शन पर इसका निहितार्थ। अन्वेषक: डॉ. पदावत्तन शिवरामन, डॉ. भूपेश मेहता।

18. मानव SIRT6 मॉड्यूलेटर का तर्कसंगत दवा–डिज़ाइन और प्रयोगात्मक सत्यापन: न्यूरोडीजेनेरेशन के खिलाफ एक चिकित्सीय लक्ष्य। अन्वेषक: डॉ. पदवत्तन शिवरामन, डॉ. बी पद्मनाभन (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

19. लेवी शरीर निर्माण की प्रारंभिक घटनाओं में α–सिन्यूक्लिन की भूमिका की जांच करना। अन्वेषक: डॉ. पदवत्तन शिवरामन।

20. जंगली प्रकार α–सिन्यूक्लिन की तुलना में पार्किंसंस रोग से जुड़े रोगजनक उत्परिवर्तन का बायोफिजिकल लक्षण वर्णन। अन्वेषक: डॉ. पदवत्तन शिवरामन (सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

21. प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं और मिडब्रेन की उत्पत्ति भारतीय जातीयता पार्किंसंस रोग से फ्लोर प्लेट कोशिकाएं मरीज़. अन्वेषक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव। (बीआईआरएसी की पेस योजना द्वारा वित्त पोषण)।

22. ऑक्सीडेटिव तनाव के खिलाफ नवीन न्यूरोप्रोटेक्टिव मॉड्यूलेटर की कम्प्यूटेशनल और संरचनात्मक जीव विज्ञान आधारित दवा की खोज: न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए निहितार्थ। सुश्री श्रुति उन्नी। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन, डॉ. एम एम श्रीनिवास भरत। (सीएसआईआर–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

23. स्टेफिलोकोकस ऑरियस से फेजजीआरसीएस एंडोलिसिन और पुटेटिव एमिडेज़ का संरचना–कार्य विश्लेषण। श्री गोपीनाथ के. मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)

24. संरचना–आधारित दृष्टिकोण द्वारा ग्लियोब्लास्टोमा को लक्षित करने वाले बीईटी परिवार के प्रोटीन बीआरडी2 और बीआरडी4 के नए छोटे अणु अवरोधकों की स्क्रीनिंग और पहचान। सुश्री ऐश्वर्या हेमन्त अरोले। मार्गदर्शक: डॉ. पद्मनाभन बी, डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. द्वारकानाथ श्रीनिवास (डीएसटी–इंस्पायर द्वारा वित्त पोषण)।

25. तर्कसंगत दृष्टिकोण द्वारा एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए मानव एसओडी1 को लक्षित करने वाले छोटे अणु मॉड्यूलेटर की खोज और विकास। सुश्री पद्मिनी कोम्मू। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन, डॉ. एम एम श्रीनिवास भरत (सीएसआईआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

26. ऑक्सीडेटिव तनाव कारक के अवरोधकों की दवा की खोज और विकास, मानव Keap1: न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए एक संभावित चिकित्सीय लक्ष्य। सुश्री स्नेहल औटी। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन, डॉ. पी शिवरामन (लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट (एलटीएमटी) फ़ेलोशिप)।

27. तर्कसंगत दृष्टिकोण द्वारा एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए मानव एसओडी1 को लक्षित करने वाले छोटे अणु मॉड्यूलेटर की खोज और विकास। श्री विक्रमन श्रीराम। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

28. मानव टब्बी–जैसे प्रोटीन 3, TULP3 की क्रिस्टल संरचना से झिल्ली प्रोटीन तस्करी के कार्य में अंतर्दृष्टि; न्यूरोनल विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी। सुश्री सी हर्षिता। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)

29. स्टेफिलोकोकस ऑरियस से प्लाइग्रैक्स एंडोलिसिन और पुटेटिव एमिडेज़ के आणविक तंत्र को समझने में संरचनात्मक अंतर्दृष्टि: स्टेफिलोकोकल संक्रमण के खिलाफ संभावित बायोथेरेप्यूटिक्स एजेंट। सुश्री मिताली मंडल। मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

30. तर्कसंगत दृष्टिकोण द्वारा एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) के उपचार के लिए मानव एसओडी1 को लक्षित करने वाले छोटे अणु मॉड्यूलेटर की खोज और विकास। श्री प्रभाकरन ए. मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

31. शक्तिशाली बीईटी परिवार, बीआरडी2 और बीआरडी4 अवरोधकों की संरचना–आधारित दवा की खोज: ग्लियोब्लास्टोमा के लिए चिकित्सीय दवा लक्ष्य। श्री अशोक श्रीधर. मार्गदर्शक: डॉ. पद्मनाभन बी, डॉ. भूपेश मेहता; डॉ. एस त्यागराजन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

32. स्टेफिलोकोकस ऑरियस से प्लाईजीआरसीएस पुटेटिव एमिडेज़ एंडोलिसिन के आणविक तंत्र को समझने में संरचनात्मक अंतर्दृष्टि: एस.ऑरियस संक्रमण के खिलाफ संभावित बायोथेराप्यूटिक एजेंट। श्री प्रशांत वशिष्ठ एन. मार्गदर्शक: डॉ. बी पद्मनाभन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

33. पार्किंसंस रोग के पैथोफिजियोलॉजी के संदर्भ में मिडब्रेन एस्ट्रोसाइट्स पर अल्फा–सिन्यूक्लिन के प्रभाव का आकलन करना। सुश्री ऐश्वर्या राज. मार्गदर्शक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी (डीएसटी–इंस्पायर पीएचडी फेलोशिप द्वारा वित्त पोषण)।

34. डोपामिनर्जिक न्यूरोनल फ़ंक्शन के मॉड्यूलेशन में α–सिन्यूक्लिन फॉस्फोराइलेशन की भूमिका की खोज: पार्किंसंस रोग के रोगजनन के लिए निहितार्थ। सुश्री चंद्रकांत पोतदार। मार्गदर्शक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. योगानंद एसएम (आईसीएमआर–डीएचआर – वाईएसएस द्वारा वित्त पोषण)।

35. डोपामिनर्जिक न्यूरॉन डिसफंक्शन पर ल्यूसीन रिच रिपीट काइनेज 2 (LRRK2) वेरिएंट, G2019S और 1371V के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। सुश्री खुशबू. मार्गदर्शक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. के गोकुलकृष्णन (यूजीसी–सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

36. पार्किंसंस रोग के न्यूरोडीजेनेरेशन में उनकी भूमिका पर भारतीय जातीयता LRRK2 I1371V उत्परिवर्तन रोगी–विशिष्ट IPSC से प्राप्त एस्ट्रोसाइट्स का आकलन। श्री रून बनर्जी। मार्गदर्शक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. प्रमोद कुमार पाल (यूजीसी–सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

37. प्रभावकारिता और जैव–वितरण को लक्षित करने वाले विवो पीडी मॉडल में इंट्रानैसल मार्ग के माध्यम से सेल–मुक्त चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव दंत लुगदी स्टेम कोशिकाओं से ओलेयूरोपिन लोडेड एक्सोसोम। सुश्री कल्लोलिका मंडल। मार्गदर्शक: डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. नंदीश बीएन (आईसीएमआर–डीएचआर वाईएसएस द्वारा वित्त पोषण)।

38. प्रारंभिक मधुमेह में रेटिनल न्यूरॉन्स से सिनैप्टिक न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज का आकलन। सुश्री सैयदा ज़हरा हैदर। मार्गदर्शक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. योगानंद एसएम (डीएसटी–इंस्पायर द्वारा वित्त पोषण)।

39. चूहे के हिप्पोकैम्पस में एस्ट्रोसाइट्स गैप जंक्शन कनेक्टिविटी का मानचित्रण। श्री अमित कुमार साहा. मार्गदर्शक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. योगानंद एसएम (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

40. टाइप I डायबिटिक चूहों में हिप्पोकैम्पल एस्ट्रोसाइट फिजियोलॉजी। सुश्री रोशनी पॉलोज़। मार्गदर्शक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. योगानंद एसएम (डीएसटी–इंस्पायर द्वारा वित्त पोषण)।

41. स्कोटोपिक दृष्टि में सिनैप्टिक डिसफंक्शन पर टाइप–1 डायबिटीज मेलिटस के प्रभाव की खोज। श्री राहुल पाटिल. मार्गदर्शक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. पूजा मेलनकोडी (यूजीसी फ़ेलोशिप द्वारा वित्त पोषण)।

42. प्रारंभिक जीवन सीसा (पीबी) जोखिम और वयस्क जीवन में स्मृति हानि पर इसका परिणाम: हिप्पोकैम्पस सिनैप्स में सूमो से जुड़े प्रोटीन से जुड़े आणविक तंत्र को समझना। श्री ओंकार शिर्के. मार्गदर्शक: डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. लक्ष्मी टी. राव, डॉ. योगानंद एसएम (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

43. टेम्पोरल लोब मिर्गी के चूहे मॉडल में केवोलिन की भूमिका और कार्य को समझना। श्रीमती स्वप्ना के.के. मार्गदर्शक: डॉ. योगानंद एसएम, डॉ. भूपेश मेहता (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

44. मानव स्टेम सेल व्युत्पन्न न्यूरॉन्स का उपयोग करके मिर्गी से जुड़े सोडियम चैनलों में नए डी–नोवो उत्परिवर्तन के पैथोफिजियोलॉजिकल तंत्र और औषधीय मॉड्यूलेशन की पहचान करना। सुश्री मधुरा मिलिंद निमोणकर। मार्गदर्शक: डॉ. योगानंद एस मार्कंडेय, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी (वित्त पोषण – संस्थान फ़ेलोशिप)।

45. B–सिन्यूक्लिन और हिस्टोन (H3–H4)2 टेट्रामर कॉम्प्लेक्स की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण। श्री चंद्रहासन के. मार्गदर्शक: डॉ. पदावत्तन शिवरामन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

## जैव सांख्यिकी

1. अल्कोहल उपयोग विकार उपचार डेटा में इलाज और कमजोरी उत्तरजीविता मॉडल का अनुप्रयोग। श्री दुरई मुरुकन जी. मार्गदर्शक: डॉ. बीनू वी.एस., डॉ. बिनुकुमार, डॉ. अरुण के.

2. उच्च आयामी मिथाइलेशन डेटा में डेटा कटौती और वर्गीकरण के लिए सांख्यिकीय तरीके। श्री कुलदीप कुमार शर्मा. मार्गदर्शक: डॉ. बी बिनुकुमार, डॉ. बीनू वी.एस., डॉ. के गोकुलकृष्णन।

3. क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षणों के विश्लेषण के लिए जीईई ढांचे के तहत सांख्यिकीय तरीकों का मूल्यांकन। सुश्री हरिताश्री जे.एस. मार्गदर्शक: डॉ. बी. बिनुकुमार, डॉ. के. थेन्नारासु, डॉ. जीमोन पी.

4. व्यवहार अनुसंधान में बहुआयामी आइटम प्रतिक्रिया सिद्धांत के अनुप्रयोग। श्री सुमित कुमार दास. मार्गदर्शक: डॉ. मरियम्मा फिलिप, डॉ. बीनू वीएस, डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर (आईसीएमआर–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

## क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी

1. पार्किंसंस रोग के प्रति विभेदक भेद्यता का आकलन करने के लिए ऑर्गेनेल प्रोटीन और न्यूरोनल संरचना का अध्ययन: इन–विवो और इन–विट्रो प्रणालियों में 1–मिथाइल–4–फिनाइल–1, 2, 3, 6– टेट्राहाइड्रोपाइरीडीन (एमपीटीपी) का उपयोग करके एक जांच। अन्वेषक: डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, डॉ. रवि यादव (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

2. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के साथ मानव मस्तिष्क में सिनैप्टिक और माइटोकॉन्ड्रियल परिवर्तनों का विश्लेषण: न्यूरोट्रॉमा रोगियों में न्यूरोलॉजिकल घाटे और चिकित्सा के लिए निहितार्थ। अन्वेषक: डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. नूपुर प्रूथी, डॉ. धवल शुक्ला (एसईआरबी, डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

3. सिज़ोफ्रेनिया के प्रोटीओम पर ट्रेस तत्वों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम, डॉ. मंजूनाथ दम्मल्ली, सिद्धगंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तुमकुरु (एसईआरबी, डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

4. ई–तरल पदार्थों में निकोटीन, ग्लिसरॉल और प्रोपलीन ग्लाइकोल का निर्धारण। अन्वेषक: डॉ. प्रियंवदा शर्मा, डॉ. प्रतिमा मूर्ति (डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषण)।

5. एचटीपी में निकोटीन, ग्लिसरॉल और प्रोपलीन ग्लाइकोल का निर्धारण। अन्वेषक: डॉ. प्रियंवदा शर्मा, डॉ. प्रतिमा मूर्ति (डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषण)।

6. निकोटीन, ग्लिसरॉल और प्रोपलीन ग्लाइकोल का निर्धारण एचटीपी. अन्वेषक: डॉ. प्रियंवदा शर्मा, डॉ. प्रतिमा मूर्ति (डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषण)।

7. पार्किंसंस रोग के प्रति विभेदक भेद्यता का आकलन करने के लिए ऑर्गेनेल प्रोटीन और न्यूरोनल संरचना का अध्ययन: प्रायोगिक प्रणालियों में एमपीटीपी और मानव गैर–एमपीटीपी पार्किंसोनियन त्वचा बायोप्सी के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके एक जांच। सुश्री बिदिशा भादुड़ी। मार्गदर्शक: डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, डॉ. रवि यादव, डॉ. इंद्राणी दत्ता, डॉ. द्वारकानाथ श्रीनिवास।

8. मानव स्ट्रिएटम के साइटो–आर्किटेक्चर में उम्र से संबंधित परिवर्तनों पर एक अध्ययन। सुश्री ज्योति एच.जे. मार्गदर्शक: डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, डॉ. यशा टीसी।

9. मानव लोकस कोएर्यूलस के शव परीक्षण ऊतकों में न्यूरोनल संरचना, एकत्रीकरण–प्रवण प्रोटीन और ऑटोफैगी मार्करों पर आयु–प्रभाव निर्धारित करने के लिए एक मात्रात्मक अध्ययन। सुश्री अहाना भट्टाचार्य। मार्गदर्शक: डॉ. फाल्गुनी अल्लादी। डॉ. यशा टीसी, डॉ. रवि मंजीठया (जेएनसीएएसआर)।

10. पार्किंसंस रोग की संवेदनशीलता में एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम की भूमिका निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन। सुश्री शताब्दी चौधरी। मार्गदर्शक: डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी, डॉ. रवि यादव, डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत।

11. मस्तिष्क और मांसपेशियों में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स I की संरचना–कार्य संबंध: पोस्ट ट्रांसलेशनल संशोधनों की भूमिका। सुश्री निया गौतमी। मार्गदर्शक: डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, डॉ. बी पद्मनाभन।

## मानव आनुवंशिकी

1. मांसपेशी विभेदन में साइटोस्केलेटल प्रोटीन की भूमिका की खोज। अन्वेषक: डॉ. मथिवनन जोथी, डॉ. बीएन नंदीश।

2. जीन क्लोनिंग में प्रयोगशाला कौशल में वृद्धि। अन्वेषक: डॉ. मथिवनन जोथी (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

3. बाल चिकित्सा दुर्लभ आनुवंशिक विकारों पर मिशन कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. चेतन जीके, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

4. न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों वाले बच्चों में रक्त–आधारित बायोमार्कर की पहचान। अन्वेषक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. के. जॉन विजय सागर (विजन ग्रुप ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (वीजीएसटी), आईटी, बीटी और एसटी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

5. सूजन संबंधी नोडोपैथियों की विकृति विज्ञान में गट माइक्रोबायोटा और म्यूकोसल एसोसिएटेड इनवेरिएंट टी (एमएआईटी) कोशिकाओं की बातचीत और प्रभाव को समझना। अन्वेषक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. मधु नागप्पा, डॉ. डीवी शेषगिरि, डॉ. के गोकुलकृष्णन (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

6. निर्देशित ध्यान के माध्यम से अनुसूचित जाति (एससी) को सशक्त बनाना। अन्वेषक: डॉ. विनोदा कोचुपिल्लई, श्री श्री इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, बैंगलोर, डॉ. मोनोजीत देबनाथ (डीएसटी–सीड द्वारा वित्त पोषण)।

7. प्रारंभिक विकास में रोगजनक सीएलटीसी वेरिएंट के प्रभाव की विशेषता। अन्वेषक: डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी, डॉ. चेतन जीके, डॉ. बीजू विश्वनाथ (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

8. गुइलेन बर्रे सिंड्रोम: पूर्ववर्ती संक्रामक ट्रिगर, आनुवंशिक प्रवृत्ति, गैंग्लियोसाइड और गैंग्लियोसाइड जटिल ऑटोएंटीबॉडी की व्यापक रूपरेखा। श्री देबप्रसाद दत्ता। मार्गदर्शक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. वी. रवि, डॉ. मधु नागप्पा (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

9. न्यूरोनल कोशिका विभेदन में ट्रांसक्रिप्शनल फैक्टर Pax3 भूमिका की खोज। श्री नरेनकुमार एम. मार्गदर्शक: डॉ. मथिवनन जोथी, डॉ. एआर प्रभु राज (डीबीटी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

10. सिज़ोफ्रेनिया में इम्यूनो–इंफ्लेमेटरी मार्करों पर ऐड–ऑन योग थेरेपी के प्रभावों को समझना। श्री त्रिनाथ एम. मार्गदर्शक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. मोइनक बनर्जी (आरजीसीबी, तिरुवनंतपुरम) (वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

11. कंकाल की मांसपेशी विभेदन में मांसपेशी–विशिष्ट स्प्लिस वैरिएंट मेटाविनकुलिन जीन की भूमिका। अन्वेषक: सुश्री अबिनयासेल्वी एम. मार्गदर्शक: डॉ. मथिवनन जोथी, डॉ. नंदीश (आईसीएमआर/एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

12. पृथक पॉलीमाइक्रोगाइरिया के एटिओलॉजी में व्यापक आनुवंशिक जांच। सुश्री श्रुति श्रीधरन। मार्गदर्शक: डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी, डॉ. चेतन जीके, डॉ. हंसाश्री पद्मनाभ।

13. अल्कोहल उपयोग विकार वाले रोगियों में परिधीय न्यूरोपैथी: इम्यूनो–इंफ्लेमेटरी, ऑक्सीडेटिव और नाइट्रोसेटिव तनाव (आईओ एंड एनएस) मार्गों की भूमिका की खोज। सुश्री निकिता श्रीनिवास। मार्गदर्शक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, डॉ. मधु नागप्पा (एसईआरबी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)।

14. प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी के प्रतिरक्षा–रोगजनन में Th17–पाथवे की भूमिका को समझना। श्री सैकत डे. मार्गदर्शक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. प्रमोद के पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. प्रदीप कुमार (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

15. प्रसव पूर्व मनोवैज्ञानिक तनाव और मातृ प्रतिरक्षा सक्रियण के एपिजेनेटिक संकेतों और संतानों के व्यवहार पर उनके प्रभाव की पहचान करने के लिए एक अंतर–पीढ़ीगत अध्ययन। सुश्री काव्या वी.पी. मार्गदर्शक: डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. प्रभा एस चंद्रा, डॉ. सुंदरनाग गंजेकर, डॉ. वेंकटराम शिवकुमार, प्रो. हेलेन शार्प (लिवरपूल विश्वविद्यालय), और डॉ. क्रिस्टोफर मुर्गट्रायोड (मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी) (एमआरसी, यूके द्वारा वित्त पोषण) .

16. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में अल्ट्रा–डीप सीक्वेंसिंग और डीप फेनोटाइपिंग द्वारा कॉर्टिकल विकास की फोकल विकृतियों की व्यापक जांच। सुश्री राम्या सुकृता गद्दामु। मार्गदर्शक: डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी, डॉ. चेतन जीके, डॉ. रवींद्रनाथ सीएम, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. अरिवाझगन ए.।

17. मानव ग्लियोमा के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में प्रतिलेखन कारक Pax3 का मूल्यांकन। सुश्री सौंदर्यलता बी. मार्गदर्शक: डॉ. मथिवनन

जोथी, डॉ. प्रभु राज (यूजीसी–सीएसआईआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

18. कंकाल की मांसपेशी विभेदन के दौरान मायोजेनिक जीन अभिव्यक्ति कार्यक्रम की स्थापना में WNT7BB भूमिका की खोज। सुश्री एन मैरी ए.एस. मार्गदर्शक: डॉ. मथिवनन जोथी, डॉ. बीएन नंदीश (सीएसआईआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

19. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में मस्तिष्क–विशिष्ट miRNAs का विश्लेषण। सुश्री भार्गवी के.एम. मार्गदर्शक: डॉ. चेतन जीके, डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत, डॉ. सारदा सुब्रमण्यम, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी, डॉ. नुपुर प्रुथी।

20. बाहरी विकारों पर ध्यान देने के साथ न्यूरोडेवलपमेंट और अनुभूति में miRNAs की भूमिका का आकलन। सुश्री निवेदिता बी.एस. मार्गदर्शक: डॉ. जीके चेतन (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

## न्यूरोकेमेस्ट्री

1. सिस्टम मेडिसिन दृष्टिकोण के माध्यम से ग्लियोब्लास्टोमा में कोरो1 सिग्नलिंग मार्ग की भूमिका का विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. द्वारकानाथ एस (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

2. डीएनए मिथाइलोम बायोमार्कर गर्भावधि मधुमेह की भविष्यवाणी करने और जीवनशैली हस्तक्षेप (मेटबायोविन) द्वारा गर्भवती महिलाओं में भविष्य में टाइप –2 मधुमेह को रोकने के लिए। अन्वेषक: डॉ. कुप्पन गोकुलकृष्णन (डीबीटी–वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

3. एक्स–लिंक्ड एड्रेनोलुकोडिस्ट्रॉफी के निदान के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री–आधारित लक्षित मेटाबोलॉमिक्स। सुश्री अर्चना नटराजन। मार्गदर्शक: डॉ. रीता क्रिस्टोफर, डॉ. नेत्रावती एम, डॉ. माया भट्ट।

4. इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में एस्पिरिन थेरेपी के लिए प्लेटलेट प्रतिक्रिया के जैव रासायनिक और आनुवंशिक निर्धारक। श्री पी सुंदरवडिवेल। मार्गदर्शक: डॉ. रीता क्रिस्टोफर, डॉ. सुबाश्री आर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

5. अल्जाइमर रोग में न्यूरॉन व्युत्पन्न प्लाज्मा एक्सोसोमल प्रोटीन: एक केस नियंत्रण अध्ययन। सुश्री गीतू कृष्णा। मार्गदर्शक: डॉ. सारदा सुब्रमण्यन, डॉ. पीटी शिवकुमार (सीएसआईआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

6. गैर–ट्रांसजेनिक अल्जाइमर रोग (एडी) चूहे के मॉडल में नींद की वास्तुकला और संज्ञानात्मक कार्यों पर श्रव्य–दृश्य उत्तेजना प्रेरित गामा दोलनों का प्रभाव। श्री सुशील कुमार जे. मार्गदर्शक: डॉ. सारदा सुब्रमण्यम, डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. योगनारसिम्हा डोरेस्वामी (आईसीएमआर–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

7. ग्लियोब्लास्टोमा के एंजियोजेनेसिस में मेटाबोट्रोपिक ग्लूटामेट रिसेप्टर सिग्नलिंग की भूमिका। श्री गेजो गंगाधरन। मार्गदर्शक: डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. विकास वाझायिल (डीएसटी–एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

8. ग ्लूटामेट रिसेप्टर्स द्वारा रेडॉक्स एंजाइमों की भूमिका की खोज और उच्च ग्रेड ग्लियोमा में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग के साथ इसका संबंध। श्री हेमन्त कुमार टी. मार्गदर्शक: डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. द्वारकानाथ एस, डॉ. चंद्रजीत पी (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

9. VY9Vδ2 टी–कोशिकाओं का सक्रियण और रोगी–व्युत्पन्न ग्लियोब्लास्टोमा स्टेम कोशिकाओं और ग्लियोब्लास्टोमा के म्यूरिन मॉडल पर इसका प्रभाव। श्री महेश एम. मार्गदर्शक: डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. एआर प्रभुराज (सीएसआईआर–यूजीसी नेट जेआरएफ (डीबीटी) द्वारा वित्त पोषण)।

10. सिज़ोफ्रेनिया में कियूरेनिन मार्ग की भूमिका और रिसपेरीडोन उपचार के प्रभाव की जांच। श्री निखिल जे. मार्गदर्शक: डॉ. के गोकुलकृष्णन, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. प्रियंवदा शर्मा (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

11. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस और अवसाद के जोखिम के इंटरफेस पर न्यूरोलॉजिकल बायोमार्कर और डीएनए मिथाइलेशन की भूमिका की जांच करना। श्री तिरुमूर्ति सी. मार्गदर्शक: डॉ. के गोकुलकृष्णन, डॉ. बीएन श्रीकुमार (डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

## न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी

1. न्यूरोलेप्टोस्पायरोसिस और विभेदक जीन अभिव्यक्ति अध्ययन का सूक्ष्मजीवविज्ञानी और नैदानिक मूल्यांकन। सुश्री सयानी माजी। मार्गदर्शक: डॉ. एस नागरत्ना, डॉ. एचबी वीणा कुमारी, डॉ. नेत्रावती एम (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

2. सेलुलर और आणविक स्तरों पर क्रिप्टोकोकल मेनिनजाइटिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस के लिए संक्रामक दृष्टिकोण–एक इनविट्रो अध्ययन। सुश्री प्रिया कृष्णन, मार्गदर्शक: डॉ. नागरत्ना एस, डॉ. वीणा कुमारी एचबी, डॉ. नेत्रवती, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी, डॉ. मंजूनाथ।

3. ब्रुसेलोसिस और न्यूरोब्रुसेलोसिस– ब्रुसेला एंटीजन की विशेषता, नैदानिक क्षमता और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया अध्ययन। सुश्री प्रतिमा कुमारी. मार्गदर्शक: डॉ. नागरत्ना एस, डॉ. एचबी वीणाकुमारी, डॉ. नेत्रवती एम।

4. क्रोनिक मैनिंजाइटिस के एटियलॉजिकल स्पेक्ट्रम का पता लगाने के लिए मेटागेनोमिक्स अगली पीढ़ी के अनुक्रमण का अनुप्रयोग। सुश्री काव्या एम. मार्गदर्शक: डॉ. एस नागरत्ना, डॉ. एचबी वीणा कुमारी, डॉ. अर्घदीप समद्दर, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी।

## न्यूरोफिजियोलॉजी

1. ध्यान के दीर्घकालिक अभ्यासकर्ताओं के बीच न्यूरोफिज़ियोलॉजी और सपने देखने की घटना का आकलन: चेतना पर ध्यान के स्थायी प्रभाव का पता लगाने के लिए एक खिड़की। अन्वेषक: डॉ. बिंदू कुट्टी, डॉ. रवींद्र पीएन (डीएसटी–सत्यम, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)।

2. जिज्ञासा और सीखने पर प्रारंभिक जीवन के तनाव का प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. लक्ष्मी टी. राव, डॉ. योगनरसिम्हा डोरेस्वामी, डॉ. श्रीनिवास भरत एमएम (सीएसआईआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)।

3. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में हृदय स्वायत्त कार्यों और कॉर्टिकल प्लास्टिसिटी उपायों पर योग के पूरक उपचारों के प्रभावों की जांच करना। अन्वेषक: डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. सत्यप्रभा टीएन, डॉ. जगदीश टी, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. नंदकुमार, डॉ. बिनुकुमार, डॉ. उर्वक्ष मेहता (डीएसटी, सत्यम द्वारा वित्त पोषण)।

4. न्यूरोस्टेरॉयड और मूड संबंधी विकार: फायनास्टराइड के प्रभाव को नियंत्रित करने में ग्लुकोकोर्तिकोइद प्रणाली की भूमिका की जांच करना। अन्वेषक: डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (एसईआरबी–डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

5. छिटपुट एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स की भूमिका: रोगी व्युत्पन्न प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं पर एक इन–विट्रो अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. के विजयालक्ष्मी (डीएसटी–एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

6. किशोर अवसाद में अतिरिक्त हस्तक्षेप के रूप में योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक व्यापक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रवींद्र पीएन, डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. जॉन विजयसागर, डॉ. हेमथ भार्गव, डॉ. गोकुल कृष्णन, डॉ. अरुण शशिधरन (डीएसटी–सत्यम द्वारा वित्त पोषण)।

7. वयस्कों में नींद की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक वस्तुनिष्ठ मीट्रिक का मूल्यांकन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रवींद्र पीएन, डॉ. बिंदू कुट्टी, डॉ. अरुण शशिधरन, डॉ. रामजेयम (टर्टल टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर द्वारा वित्त पोषण)।

8. सरलीकृत कुंडलिनी योग (एसकेवाई) अभ्यास और कल्याण: कल्याण प्राप्त करने के लिए न्यूरोविसरल एकीकरण के महत्व का पता लगाने के लिए एक पायलट अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रवींद्र पीएन, डॉ. बिंदू कुट्टी, डॉ. अरुण शशिधरन, डॉ. रामजेयम (टेम्पल ऑफ कॉन्शसनेस, अलियार, कोयंबटूर के पास द्वारा वित्त पोषण)।

9. न्यूरोफीडबैक और क्लोज्ड–लूप श्रवण न्यूरोमॉड्यूलेशन (क्लोज्ड–लूप असिस्टेड ब्रेन ट्रेनिंग) के एक नए संयोजन के लिए प्रौद्योगिकी विकास और पुराने दर्द वाले रोगियों में ऐड–ऑन थेरेपी के रूप में इसका पायलट स्केल परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. अरुण, डॉ. रवींद्र पीएन, डॉ. गीता देसाई, डॉ. रामजयम, सुश्री श्रुति सुसान कुराकोस (डीएसटी–बीडीटीडी द्वारा वित्त पोषण)।

10. एएलएस में ग्लिया ने न्यूरोइन्फ्लेमेशन की मध्यस्थता की – एक ट्रांसलेशनल मानव अध्ययन और प्रायोगिक मॉडल के माध्यम से दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. विजयलक्ष्मी के, डॉ. ए नलिनी, डॉ. जीतेन्द्र सैनी, डॉ. प्रदीप, डॉ. भुपेश मेहता, डॉ. बीजू विश्वनाथ, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. मंजूनाथ एमवी (आईसीएमआर–सीएआरई II द्वारा वित्त पोषण)।

11. मिर्गीजनन और मिर्गी से जुड़ी नींद और संज्ञानात्मक शिथिलता में क्लोराइड ट्रांसपोर्टरों और ग्लाइम्फैटिक प्रणाली की भूमिका। सुश्री करिश्मा अभिषेक एस. मार्गदर्शक: डॉ. बीएस शंकरनारायण राव, डॉ. बीएन श्रीकुमार (डीएसटी–इंस्पायर द्वारा वित्त पोषण)।

12. सपने देखने का न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल आधार: स्वस्थ मानव स्वयंसेवकों में एक व्यापक पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन। श्री गुलशन कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. बिंदु एम. कुट्टी, डॉ. रवि यादव।

13. अनुभूति और कल्याण पर ईशा योग (शांभवी महामुद्रा) की प्रभावकारिता: एक न्यूरोसाइकोफिजियोलॉजिकल और इमेजिंग अध्ययन। श्री एम साकेत. मार्गदर्शक: डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. सीमा मेहरोत्रा, डॉ. जॉन पी जॉन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

14. तंत्रिका दोलन गतिशीलता और अनुभूति: एक न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल अध्ययन। श्री राहुल वेणुगोपाल। मार्गदर्शक: डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. जॉन पी जॉन, डॉ. नितिन नागराज (एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईएएस), डॉ. कविराजा उडुपा (निम्हान्स इंट्रामुरल फंडिंग)।

15. कीमोथेरेपी से गुजर रहे स्तन कार्सिनोमा वाले रोगियों में अनुभूति और हृदय संबंधी कार्यों पर एकीकृत योग चिकित्सा का प्रभाव। डॉ. इनबराज जी. मार्गदर्शक: डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. राघवेंद्र राव (निदेशक, सीसीआरवाईएन, दिल्ली), डॉ. जमुना राजेश्वरंगी।

16. सहरुग्ण अल्कोहल उपयोग विकार और वयस्क एडीएचडी वाले पुरुषों में न्यूरोबायोलॉजिकल सहसंबंधों का मूल्यांकन। सुश्री मृदुला के. मार्गदर्शक: डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. अरुण के., डॉ. जमुना राजेश्वरन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

17. किशोरावस्था और युवा वयस्कता में चूहों में जोखिम लेने वाले व्यवहार पर प्रारंभिक जीवन तनाव और पोषण अनुपूरण का दीर्घकालिक प्रभाव। श्री अबंती चौधरी। मार्गदर्शक: डॉ. लक्ष्मी टी. राव, डॉ. बी.एस. शंकरनारायण राव (सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

18. प्रारंभिक जीवन तनाव के संपर्क में आने वाले चूहों में जिज्ञासा और व्यसनी व्यवहार। सुश्री श्रुति एस शर्मा। मार्गदर्शक: डॉ. लक्ष्मी टी. राव, डॉ. योगनारसिम्हा दोरेस्वामी (सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

19. चूहे के मॉडल में हिस्टोन डीएसेटाइलेज़ इनहिबिटर और बाधा प्रेरित आंदोलन थेरेपी के साथ संयोजन उपचार के बाद मोटर कॉर्टेक्स में इस्केमिक स्ट्रोक रिकवरी तंत्र। डॉ. रिनी पी.जी. मार्गदर्शक: डॉ. लक्ष्मी टी राव, डॉ. योगनरसिम्हा दोरेस्वामी, डॉ. रवि एस मुधाशेट्टी (सीबीआर-आईआईएससी, बेंगलुरु) (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

20. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (विशादा) के रोगियों में एलोपैथिक दवा के पूरक आयुर्वेदिक अवसादरोधी दवा (नार्डोस्टैचिस जटामांसी डीसी) के प्रभावों की जांच करना। डॉ. जिस्मी वी.एस. मार्गदर्शक: डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. उर्वक्ष एम मेहता (सीसीआरएएस द्वारा वित्त पोषण)।

21. डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (ममसा मेडागाटा वात) से पीड़ित रोगियों में कार्यात्मक, कार्डियक ऑटोनोमिक और कॉर्टिकल एक्साइटेबिलिटी उपायों पर अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में आयुर्वेद हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। डॉ. रश्मि आर. मार्गदर्शक: डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. नलिनी ए (सीसीआरएएस द्वारा वित्त पोषण)।

22. इंट्राड्यूरल स्पाइनल ट्यूमर के न्यूरोसर्जिकल छांटने के लिए पूर्वानुमानित उपाय के रूप में न्यूरोफिज़ियोलॉजी मार्करों का मूल्यांकन। सुश्री परानी एल. मार्गदर्शक: डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. नुपुर प्रुथी, डॉ. गोपाल कृष्ण केएन, डॉ. टीएन सत्यप्रभा (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

23. अंतर्जात अवसाद के एक पशु मॉडल में ट्रांसक्यूटेनियस ऑरिकुलर वेगस तंत्रिका उत्तेजना (टीएवीएनएस) का प्रभाव: एक सेलुलर, आणविक और व्यवहारिक अध्ययन। श्री केएस संघमित्रा. मार्गदर्शक: डॉ. डी योगनरसिम्हा, डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (निम्हान्स इंट्रामुरल और यूजीसी)।

24. अंतर्जात अवसाद के एक पशु मॉडल में ट्रांसक्यूटेनियस ऑरिकुलर वेगस तंत्रिका उत्तेजना (टीएवीएनएस) के प्रभाव पर एक न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल अध्ययन। श्री पी पूवरसन। मार्गदर्शक: डॉ. डी योगनरसिम्हा, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

25. मनोदशा और अनुभूति पर फायनास्टराइड के प्रभाव को नियंत्रित करने में ग्लुकोकोर्तिकोइद प्रणाली की भूमिका। सुश्री नयना जोस। मार्गदर्शक: डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषण)।

26. मनोदशा और अनुभूति पर फिनास्टराइड के लिंग-निर्भर प्रभाव में कोलीनर्जिक प्रणाली की भूमिका। सुश्री अमृता आर नायक। मार्गदर्शक: डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

27. अभिघातजन्य तनाव विकार के चूहे मॉडल में एलोप्रेग्नानोलोन के प्रभावों की जांच। सुश्री गंगा के. मार्गदर्शक: डॉ. बीएन श्रीकुमार, डॉ. बीएस शंकरनारायण राव (डीएसटी-इंस्पायर फ़ेलोशिप)।

28. एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस रोगियों से मस्तिष्कमेरु द्रव और चिटोट्रायोसिडेज़ प्रेरित माइक्रोग्लिअल प्लास्टिसिटी: प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं पर एक इन-विट्रो अध्ययन। सुश्री निशा सरकार। मार्गदर्शक: डॉ. विजयलक्ष्मी के, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. मंजूनाथ वी, डॉ. सीना वेंगालिल (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

29. स्पोरैडिक एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के पैथोफिजियोलॉजी में ओलिगोडेंड्रोग्लिअल भूमिका - रोगी से प्राप्त प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं पर एक इन-विट्रो प्रयोगात्मक अध्ययन। सुश्री राम्या वी. मार्गदर्शक: डॉ. विजयलक्ष्मी के, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. सरस्वती नाशी (आईसीएमई केयर II प्रोजेक्ट द्वारा वित्त पोषण)।

30. मानव माइक्रोग्लियल सेल लाइन HMC3 पर पुनः संयोजक चिटोट्रायोसिडेज़-1 (rCHIT-1) प्रोटीन के प्रभाव पर एक इन-विट्रो अध्ययन। सुश्री संदीपना चक्रवर्ती। मार्गदर्शक: डॉ. विजयलक्ष्मी के, डॉ. टीएन सत्यप्रभा (निम्हान्स वजीफा)।

31. हल्के संज्ञानात्मक हानि वाले रोगियों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर स्लीप स्पिंडल मॉड्यूलेशन का प्रभाव: एक झपकी अध्ययन। सुश्री सफ़ूरा नाज़। मार्गदर्शक: डॉ. पीएन रवींद्र, डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. जॉन पी जॉन, डॉ. पीटी शिवकुमार।

32. किशोर अवसाद में अल्पकालिक ऐड-ऑन योग हस्तक्षेप के न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल तंत्र पर एक अध्ययन। सुश्री सुमा भास्कर। मार्गदर्शक: डॉ. पीएन रवींद्र, डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. हेमंत भार्गव। (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

33. ईईजी-माइक्रोस्टेट-डायनामिक्स की मैपिंग और स्वस्थ वयस्कों के बीच सहज उल्लेख की घटना पर फ्रंटल-मिडलाइन-थीटा प्रशिक्षण का प्रभाव। सुश्री अमृतरेखा पी. मार्गदर्शक: डॉ. पीएन रवींद्र, डॉ. बिंदू एम कुट्टी, डॉ. जमुना राजेश्वरन,

## न्यूरोवायरोलॉजी

1. कोविड-19 न्यूरोलॉजिकल रोग: ब्राजील, भारत और मलावी में एक संभावित अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अनीता एस. देसाई, डॉ. नेत्रवती एम (एमआरसी, यूके द्वारा वित्त पोषण)।

2. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में संदिग्ध तीव्र मस्तिष्क संक्रमण वाले रोगियों के निदान और शीघ्र अस्पताल प्रबंधन में सुधार के लिए एक मानक देखभाल पैकेज की स्थापना करना। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. प्रदीप बीएस (एनएलएचआर, यूके द्वारा वित्त पोषण)।

3. नेशनल क्लिनिकल रजिस्ट्री ऑफ कोविड-19 (एनसीआरसी)। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई, डॉ. नेत्रवती एम (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

4. न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन (पीसीवी) रोलआउट के प्रभाव को समझने के लिए भारत में न्यूमोकोकल मेनिनजाइटिस के लिए प्रयोगशाला निगरानी को मजबूत करना। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई, डॉ. अश्विन वाईबी, डॉ. वरुण सीएन (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए द्वारा वित्त पोषण)।

5. डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए जापानी एन्सेफलाइटिस के लिए क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई (डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषण)।

6. बाल रोगियों में तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम से जुड़े एटियोलॉजिकल एजेंटों को निर्धारित करने के लिए एक एल्गोरिदम को डिजाइन और मान्य करना। अन्वेषक: डॉ. टीना दामोदर (प्रारंभिक कैरियर फेलो) (डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

7. SARS-CoV-2 टीकाकरण की इम्यूनोलॉजी: एक क्रॉस सेक्शनल और अनुदैर्ध्य अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई, डॉ. के. मुरलीधरन, डॉ. अश्विनी एमए (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

8. तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम वाले बच्चों में स्क्रब टाइफस का निदान करने के लिए एक उपन्यास होस्ट ट्रांसक्रिप्ट-आधारित परीक्षण विकसित करना। अन्वेषक: डॉ. टीना दामोदर (अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान बीज निधि अनुदान द्वारा वित्त पोषण - एन्सेफलाइटिस सोसायटी)।

9. भारत में Sars-CoV-2 के लिए जीनोमिक निगरानी: भारतीय Sars-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इंसाकॉग)। अन्वेषक: डॉ. अनीता देसाई, डॉ. रीता मणि, डॉ. मंजूनाथ एमवी (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

10. भारत में SARS-CoV-2 के लिए जीनोमिक निगरानी: भारतीय SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (INSACOG-चरण 2)। अन्वेषक: डॉ. रीता एस मणि, डॉ. अश्विन वाईबी, डॉ. वरुण सीएन (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

11. आरएफएफआईटी द्वारा रेबीज एंटीबॉडी के लिए रक्त के नमूनों का परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. रीता एस मणि (कैडिला फार्मास्यूटिकल्स द्वारा वित्त पोषण)।

12. रेबीज निदान के लिए प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण। अन्वेषक: डॉ. रीता एस मणि (एनसीडीसी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)।

13. चरण 4 नैदानिक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला समर्थन। अन्वेषक: डॉ. रीता एस मणि, डॉ. अश्विनी एमए (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषण)।

14. न्यूरोलॉजिकल अभिव्यक्तियों के साथ बच्चों में SARS-CoV-2 प्रेरित मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (MIS-C) में मेजबान प्रतिक्रिया को परिभाषित करने के लिए एक सिस्टम बायोलॉजी दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. रीता एस. मणि, डॉ. टीना दामोदर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

15. रेबीज के लिए उन्नत प्रयोगशाला निगरानी के लिए एक स्वास्थ्य प्रणाली का लाभ उठाना। अन्वेषक: डॉ. रीता एस. मणि, डॉ. अश्विनी एमए (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

16. सह-रुग्णताओं और सह-संक्रमणों सहित एचआईवी/एड्स की रोकथाम और उपचार के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में रोग की गतिशीलता को समझने के लिए जनसंख्या-आधारित अनुसंधान अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. रंगा उदयकुमार, डॉ. मुरुगावेल (वाईआरजी केयर), डॉ. केशव प्रसाद (येनेपोया आरसी) (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

17. भारत और यूके में भारतीयों के बीच COVID-19 की अलग-अलग गंभीरता को समझाना। अन्वेषक: डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. गिरिधर बाबू (पीएचएफआई, बैंगलोर) (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

18. तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम का एटियलॉजिकल स्पेक्ट्रम: एल्गोरिथम दृष्टिकोण और उन्नत आणविक पहचान विधियों का उपयोग करके पता लगाना बढ़ाना। सुश्री रिशा रशीद। मार्गदर्शक: डॉ. अनिता देसाई, डॉ. वी. रवि, डॉ. नलिनी ए।

19. SARS-CoV-2 के जीव विज्ञान को समझना: ऊतक ट्रॉपिज़्म, रोगजनन और जीनोम लक्षण वर्णन। श्री नरेंद्र कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. अनिता देसाई।

20. बी सेल सक्रिय कारक (बीएएफएफ) की अभिव्यक्ति और गुइलेन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) में इसके प्रचार कारक का मूल्यांकन। श्री तन्मय नंदी। मार्गदर्शक: डॉ. अश्विन वाई बेलुडी, डॉ. विनीता शोभा, डॉ. नेत्रवती, डॉ. सीना वी, डॉ. मंजूनाथ एम।

21. एचआईवी-1 संक्रमण में प्रतिरक्षा सक्रियण: प्री-एआरटी व्यक्तियों और पुराने संक्रमण वाले एआरटी पर रहने वाले लोगों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। सुश्री रुथु एन. मार्गदर्शक: डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. अनीता एस. देसाई, प्रो. उदयकुमार रंगा।

22. SARS-CoV-2 वैक्सीन के प्रति ह्यूमरल और सेल मध्यस्थ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का वर्णन: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन। सुश्री प्रीति दास। मार्गदर्शक: डॉ. अनिता देसाई, डॉ. मंजूनाथ एमवी।

23. वायरल रोगजनकों के आणविक लक्षण वर्णन पर ध्यान देने के साथ बच्चों में समुदाय-अधिग्रहित निमोनिया के एटियोलॉजी और जोखिम कारक। सुश्री सौरभ सुरन। मार्गदर्शक: डॉ. रीटा एस मणि, डॉ. जीवी बसवराज, डॉ. मीरा पुरुषोत्तम

# व्यवहार विज्ञान

## बाल एवं किशोर मनोरोग

1. लिंग, कामुकता और व्यक्तिगत सुरक्षा का मूल्यांकन: एक स्कूल आधारित संवेदीकरण कार्यक्रम। अन्वेषक : डॉ. ईशा शर्मा, डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. कविता जंगम (भारत सरकार की निर्भया योजना द्वारा वित्त पोषण)।

2. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) के लिए भारतीय बच्चों की स्क्रीनिंग के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म (कॉग्निएबल) का विकास। अन्वेषक: डॉ. के जॉन विजय सागर (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

3. आचरण विकार वाले किशोरों में बचपन के प्रतिकूल अनुभवों का गुणात्मक अध्ययन। डॉ.पुनीत खन्ना. मार्गदर्शक: डॉ. के. जॉन विजय सागर, डॉ. ईशा शर्मा।

4. कोविड-19 महामारी के दौरान प्रमुख अवसाद के निदान के साथ किशोरों के जीवंत अनुभव। डॉ. अमित झा. मार्गदर्शक: डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. के जॉन विजय सागर, डॉ. श्रेयोशी घोष।

5. तृतीयक देखभाल मनोरोग सेटिंग में उपचार चाहने वाले किशोरों के बीच सोशल मीडिया के उपयोग के व्यक्तिपरक अनुभव: एक गुणात्मक अध्ययन। डॉ. टोनी लज़ार थॉमस। मार्गदर्शक: डॉ. के. जॉन विजय सागर, डॉ. ईशा शर्मा, डॉ. अरुण कंडासामी।

6. विघटनकारी लक्षणों वाले बच्चों का जीवंत अनुभव: एक व्याख्यात्मक घटनात्मक विश्लेषण। डॉ निर्मल्य मुखर्जी. मार्गदर्शक: डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. के जॉन विजय सागर।

## नैदानिक मनोविज्ञान

1. टेली-कनेक्ट: सीओवीआईडी-19 महामारी के दौरान मनोचिकित्सा और परामर्श में चिकित्सक का दृष्टिकोण, ज्ञान और टेली-प्रैक्टिस का उपयोग। अन्वेषक: पूर्णिमा भोला, डॉ. नित्य पूर्णिमा संतोष।

2. त्वरित कार्रवाई: कोविड के बाद की तीव्र आवश्यकताओं का आकलन और उपचार करने के लिए मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. राजकुमारी रेड्डी, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. पॉलोमी सुधीर, डॉ. मीना के.एस.

3. सामान्य मानसिक विकारों में मनोचिकित्सा प्रतिक्रिया के भविष्यवक्ताओं के रूप में संज्ञानात्मक नियंत्रण और मस्तिष्क कनेक्टिविटी। अन्वेषक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. राजकुमारी रेड्डी, डॉ. मंजुला एम, डॉ. पॉलोमी सुधीर, डॉ. उर्वाख्श मेहता, डॉ. रोज़ डॉन भरत (डीएसटी-सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

4. अवसाद में न्यूरोकॉग्निशन और मेटाकॉग्निशन। अन्वेषक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. राजकुमारी रेड्डी, डॉ. मरियम्मा फिलिप, डॉ. हरीश टी, डॉ. गीता देसाई।

5. भारतीय नमूने में जुनून और मजबूरियों के लिए संज्ञानात्मक मूल्यांकन उपकरण (सीएआईओसी-13) का सत्यापन। अन्वेषक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी।

6. कोविड-19 के संदर्भ में काम कर रहे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए एक एकीकृत योग आधारित तनाव न्यूनीकरण कार्यक्रम (आईवाईबीएसआर) का विकास और सत्यापन। अन्वेषक: डॉ. मंजुला एम, डॉ. पॉलोमी सुधीर, डॉ. हेमन्त भार्गव, डॉ. बीएस नागराजा, डॉ. टीके श्रीकांत, डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. अजय कुमार (डीएसटी-सत्यम)।

7. जुनूनी-बाध्यकारी विकार के लिए व्यक्तिगत संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (आईपी-सीबीटी) की तुलना में वीडियो-कॉन्फ्रेंस आधारित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (वी-सीबीटी) की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जांचकर्ता: डॉ. अजय कुमार, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी, डॉ. पॉलोमी सुधीर, डॉ. एम मंजुला, डॉ. श्याम सुंदर ए, डॉ. जयसूर्या टीएस, डॉ. नितिन आनंद, डॉ. श्रीनिवास बालाचंदर, डॉ. लावण्या पी शर्मा ( आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

8. भारत में प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य: एक सत्यापन और समूह अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. किशोर एमटी, डॉ. चंद्रा पीएस, डॉ. थिप्पेस्वामी एच, डॉ. देसाई जी (राष्ट्रीय प्रसवकालीन महामारी विज्ञान इकाई, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषण)।

9. संगीत और लय के तंत्रिका संबंधी संबंधों को समझना भारतीय संगीत की धारणा और प्रभाव तथा लय आधारित पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक उपचार। प्रधानाचार्य अन्वेषक: डॉ. शांताला हेगड़े, डॉ. मैचेरी एस केशवेन और डॉ. गॉटफ्राइड श्लाग, (मेंटर्स), डॉ. प्रमोद के पाल, डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम, डॉ. जितेंदर सैनी, डॉ. मरियम्मा फिलिप (वेलकम ट्रस्ट यूके-इंडिया अलायंस डीबीटी प्रोजेक्ट द्वारा वित्त पोषण)।

10. संकटग्रस्त युवा वयस्कों के लिए गैर-उपचार चाहने वाले बहु-घटक सहायता-चाहने वाले हस्तक्षेप का विकास और पायलट मूल्यांकन। सुश्री सांघवी प्राची भावेश। मार्गदर्शक: डॉ. सीमा मेहरोत्रा, डॉ. मनोज कुमार शर्मा (आईसीएमआर फेलोशिप का वित्तपोषण)।

11. अवसाद के इलाज के लिए इंटरनेट आधारित और आमने-सामने का मिश्रित हस्तक्षेप। सुश्री सिंधुजा सुदर्शन। मार्गदर्शक: डॉ. सीमा मेहरोत्रा, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली (आईसीएमआर फेलोशिप का वित्तपोषण)।

12. मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार वाले युवाओं के बीच परिवार

आधारित चिकित्सा का विकास और कार्यान्वयन। सुश्री तान्या आनंद। मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन, डॉ. अरुण के (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

13. अवसादग्रस्त महिलाओं के लिए संक्षिप्त एकीकृत मनोचिकित्सा: विकास और व्यवहार्यता। सुश्री चैत्रा कुंबले। मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन, डॉ. गीता देसाई (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

14 आईपीवी से बची महिलाओं के लिए नैरेटिव एक्सपोज़र थेरेपी की व्यवहार्यता। सुश्री शिल्पा के.एस. मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन, डॉ. वीणा एएस (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

15. चिंता और अवसादग्रस्त विकारों वाले व्यक्तियों में चिंतन केंद्रित सीबीटी की प्रभावकारिता। सुश्री प्रतिष्ठा पेटवाल। मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, डॉ. ए. श्याम सुंदर (यूजीसी अनुसंधान छात्रवृत्ति का वित्तपोषण)।

16. जुनूनी–बाध्यकारी विकार में निरोधात्मक शिक्षण–आधारित जोखिम प्रतिक्रिया रोकथाम चिकित्सा: विकास और प्रभावकारिता परीक्षण। सुश्री मरीना थम्पी। मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी, डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. अजय कुमार (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

17. वयस्क एडीएचडी में मूल्यांकन और उपचार योजना के लिए नैदानिक उपाय का विकास और सत्यापन। सुश्री शेरोन सुगंती कैरोलिन। मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, डॉ. विवेक बेनेगल, डॉ. थेन्नारासु के., डॉ. उर्वाख्श मेहता (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

18. किशोरों के बीच प्रौद्योगिकी के स्वस्थ उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समूह हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास। सुश्री प्रांजलि चक्रवर्ती ठाकुर। मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. जॉन विजय सागर, डॉ. नितिन आनंद।

19. स्क्रीन टाइम की सर्वव्यापकता: वयस्कों के बीच शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव। सुश्री अश्विनी ताड़पत्रीकर। मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. गीता देसाई, डॉ. सेंथिल अमुधन।

20. पालन–पोषण और मनोविकृति विज्ञान के साथ इसका संबंध, क्लस्टर बी व्यक्तित्व विकार वाले युवाओं और उनके माता–पिता में विनियमन और पारस्परिक संबंधों को प्रभावित करता है। सुश्री अपूर्वा श्रीवास्तव। मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. के जॉन विजय सागर, डॉ. हरीश टी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

21. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी और स्वीकृति प्रतिबद्धता थेरेपी में परिवर्तन की प्रक्रिया। श्री सायमा जमील. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. के. थेन्नारासु, डॉ. श्याम सुंदर (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

22. अभिघातज के बाद के तनाव विकार में संशोधित संज्ञानात्मक प्रसंस्करण चिकित्सा की प्रभावशीलता: एक प्रारंभिक प्रक्रिया परिणाम अध्ययन। सुश्री कृष्णा कुमारी के. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. शांतला हेगड़े, डॉ. मुरलीधरन के (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

23. मनोरोग सेवाओं में भाग लेने वाले आत्मघाती जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए संक्षिप्त संज्ञानात्मक चिकित्सा: एक प्रारंभिक परिणाम अध्ययन। सुश्री स्वर्णलक्ष्मी एस. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. सेंथिल कुमार रेड्डी (यूजीसी–नेट जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

24. क्लस्टर सी व्यक्तित्व विकार वाले व्यक्तियों के लिए स्कीमा थेरेपी की प्रभावकारिता और प्रक्रिया: एक एकाधिक आधारभूत अध्ययन। सुश्री तवलीन कौर कोहली। मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी, डॉ. अर्नौड अन्ट्र्ज़ (निम्हान्स वेतन)।

25. सामान्य मानसिक विकारों वाली महिलाओं में यौन क्रियाकलाप को प्रभावित करने वाले कारक: एक मिश्रित तरीकों का खोजपूर्ण अध्ययन। सुश्री रेशमा एंटनी। मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला, डॉ. गीता देसाई (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

26. अवसाद में संज्ञानात्मक, भावात्मक, अनम्यता का सामना करना, और व्याख्या पूर्वाग्रह। सुश्री ज्योतिका सिंह। मार्गदर्शक: डॉ. देवव्रत कुमार, डॉ. नरेन पी राव (यूजीसी–जेआरएफ/एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)

27. सिज़ोफ्रेनिया में पुनर्प्राप्ति पूंजी के मूल्यांकन के लिए एक पैमाने का विकास और सत्यापन। श्री विष्णु दिगम्बर. मार्गदर्शक: डॉ. देवव्रत कुमार, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. कृष्णा प्रसाद (यूजीसी–जेआरएफ/एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

28. उभरते वयस्कों में विशिष्ट लगाव आयाम, चिंतनशील कार्यप्रणाली, पारस्परिक क्षमता और सीमावर्ती व्यक्तित्व विशेषताएं। सुश्री महक सिकंद। मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला, डॉ. मीना केएस (यूजीसी–जेआरएफ और यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

29. सीमावर्ती व्यक्तित्व विकार वाली माताओं में माता–पिता की चिंतनशील कार्यप्रणाली और पालन–पोषण के अनुभव। सुश्री कनिका मेहरोत्रा। मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला, डॉ. गीता देसाई (निम्हान्स फ़ेलोशिप)।

30. मानसिककरण विगनेट्स कार्य का विकास और सत्यापन – पारस्परिक संदर्भ में मानसिककरण का एक ट्रांसडायग्नोस्टिक उपाय। सुश्री लखानी शीतल अमित। मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला, डॉ. बी बिनुकुमार, डॉ. उर्वाख्श मेहता

31. मानसिक स्वास्थ्य सेटिंग में युवाओं के बीच गैर–आत्मघाती आत्म–चोट और पुनर्प्राप्ति अनुभवों की विशेषताएं। सुश्री दीक्षा रावत। मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला, डॉ. सेंथिल वी रेड्डी (यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

32. अवसादग्रस्तता और चिंता विकारों वाली माताओं में माता–पिता की चिंतनशील कार्यप्रणाली, पालन–पोषण के अनुभव और प्रारंभिक

संबंधपरक आघात। सुश्री मनस्विता सिन्हा। मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला, डॉ. गीता देसाई (निम्हान्स वजीफा)।

33. आंतरिक विकारों में विकासात्मक दक्षताएं, स्वभाव, पालन–पोषण की प्रथाएं और मनोसामाजिक प्रतिकूलताएं। सुश्री पूर्णिमा वी. मार्गदर्शक: डॉ. एम थॉमस किशोर, डॉ. शेखर पी शेषाद्रि, डॉ. बीनू वीएस (यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

34. विकासात्मक और मनोगतिक दृष्टिकोणों के माध्यम से शिशु मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान और हस्तक्षेप। सुश्री श्वेता नारायण. मार्गदर्शक: डॉ. एम थॉमस किशोर, डॉ. शेखर पी शेषाद्रि, डॉ. हरीश टी (आईसीएमआर–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

35. किशोरों के बीच गैर–आत्मघाती आत्म–चोट के प्रबंधन के लिए कट–डाउन कार्यक्रम की प्रभावशीलता। सुश्री ओशीन सक्सैना. मार्गदर्शक: डॉ. थॉमस किशोर, डॉ. अजय कुमार, डॉ. के जॉन विजय सागर, डॉ. बी बिनुकुमार (यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

36. किशोरों में लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम में परिवर्तन के मनोसामाजिक भविष्यवक्ता। सुश्री अनघा ए.यू. मार्गदर्शक: डॉ. रूपेश बीएन, डॉ. वीणा एएस।

37. सीखने की अक्षमता वाले बच्चों और किशोरों में न्यूरोसाइकोलॉजिकल कार्य, तेजी से स्वचालित नामकरण और ध्वनि संबंधी प्रसंस्करण। सुश्री सीई सौपर्णिका. मार्गदर्शक: डॉ. रूपेश बीएन, डॉ. राजेंद्र के (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

38. पारस्परिक आघात के संपर्क में आए युवाओं के बीच आघात केंद्रित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी: एक व्यवहार्यता अध्ययन। सुश्री अरुणाश्री बी. मार्गदर्शक: डॉ. वीणा ए सत्यनारायण, डॉ. अरुण के, डॉ. गीतांजलि नारायणन।

39. घरेलू हिंसा के लिए मदद मांगने वाली महिलाओं में आत्म–नुकसान व्यवहार के पूर्वानुमानकर्ता। सुश्री अभिलाषा दास. मार्गदर्शक: डॉ. वीणा ए सत्यनारायण, डॉ. गीता देसाई,

40. न्यूरोसाइकोलॉजिकल और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल तरीकों का उपयोग करके मनोविकृति के साथ और बिना पार्किंसंस रोग के रोगियों में अनुभूति, भावना धारणा और जीवन की गुणवत्ता। श्री मोहित गोठवाल. मार्गदर्शक: डॉ. शांतला हेगड़े, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. श्याम सुंदर अरुमुगम (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

41. विशिष्ट सीखने की अक्षमता वाले बच्चों में संगीत धारणा, ध्वन्यात्मक कौशल, संज्ञानात्मक कार्य और संगीत प्रशिक्षण के साथ और उसके बिना विशेष रूप से विकासशील बच्चे। सुश्री वसुधा हांडे एच. मार्गदर्शक: डॉ. शांतला हेगड़े, डॉ. प्रीति जैकब, डॉ. मरियम्मा फिलिप।

42. संगीत और लय आधारित संज्ञानात्मक उपचार कार्यक्रम का विकास और अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में इसकी प्रभावशीलता। सुश्री प्रतिमा ए.आर. मार्गदर्शक: डॉ. शांताला हेगड़े, डॉ. अरिवाझगन, डॉ. मरियम्मा फिलिप (यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

43. मस्तिष्क और उसके कार्यों पर संगीत प्रशिक्षण का प्रभाव: तालवाद्यवादियों और गैर–ताकतवादकों के बीच तंत्रिका संबंधी और तंत्रिका संबंधी अंतर। सुश्री टोपोटी बरुआ। मार्गदर्शक: डॉ. शांतला हेगड़े, डॉ. जितेंद्र सैनी (डब्ल्यूटी–डीबीटी इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

44. न्यूरोसाइकोलॉजिकल प्रोफाइल और एमआरआई मल्टीपल स्केलेरोसिस से संबंधित हैं: एक अनुवर्ती प्री–पोस्ट खोजपूर्ण अध्ययन। श्री विनायक यादव. मार्गदर्शक: डॉ. शांतला हेगड़े, डॉ. नेत्रवती, डॉ. मनोज (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

45. आघात प्रसंस्करण पैमाने का विकास और सत्यापन। सुश्री इशिता मंडल। मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. प्रभा एस चंद्रा, डॉ. वीणा ए सत्यनारायण (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

46. सामुदायिक वयस्कों के लिए योग मनोविज्ञान आधारित मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम का विकास और परीक्षण। सुश्री गनेर रिया किशोर। मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. सी नवीन कुमार (यूसीजी–जेआरएफ/एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

47. अवसादग्रस्त विकारों के लिए एकीकृत त्रिगुण और पंचकोश आधारित मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता। सुश्री सुलक्षणा कश्यप. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. शिवराम वरम्बली।

48. संज्ञानात्मक विकृति वाले किशोरों के मनोवैज्ञानिक–सामाजिक कल्याण पर योग परामर्श मॉड्यूल के प्रभाव पर एक अध्ययन। श्री राजेश राव के. मार्गदर्शक: डॉ. सत्य प्रकाश पुरोहित, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल (एस–व्यासा यूनिवर्सिटी फ़ेलोशिप द्वारा वित्त पोषण)।

49. भावना विनियमन के लिए चिकित्सीय लेखन हस्तक्षेप– विकास और व्यवहार्यता अध्ययन। सुश्री मेरलिन एस. मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. प्रभा एस चंद्रा (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

50. विघटनकारी विकार में भावनात्मक, संज्ञानात्मक और पारस्परिक कारकों की भूमिका। सुश्री पार्वती जयन. मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. हरीश टी (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

51. जुनूनी–बाध्यकारी विकार वाले रोगियों में एक एकीकृत संज्ञानात्मक नियंत्रण प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। सुश्री महाश्वेता भट्टाचार्य. मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी (एडीबीएस द्वारा वित्त पोषण)।

52. जुनूनी बाध्यकारी विकार में आवेग और बाध्यकारीता के न्यूरोसाइकोलॉजिकल सूचकांक। सुश्री उमा महेश्वरी गणेश. मार्गदर्शक:

डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. श्याम सुंदर (वेलकम–डीबीटी इंडिया अलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

53. मनोचिकित्सीय परामर्श चाहने वाले व्यक्तियों के बीच भावनात्मक जागरूकता और मनोचिकित्सा तत्परता। सुश्री मिरियम वी कोशी. मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

54. मनोचिकित्सकीय परामर्श चाहने वाले व्यक्तियों के बीच मानसिक बीमारी संबंधी मान्यताएँ और नोचिकित्सा संबंधी अपेक्षाएँ। सुश्री नारोलिना आर मराक. मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

55. मनोचिकित्सा संबंधी अपेक्षाएँ: मनोचिकित्सीय परामर्श चाहने वाले व्यक्तियों के बीच बीमारी की धारणा, आत्म–प्रतिबिंब और मनोवैज्ञानिक सेवाओं के बारे में विश्वास के साथ संबंध। सुश्री सारिका पी.एस. मार्गदर्शक: डॉ. एलएन सुमन (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

56. कोविड–19 के संदर्भ में अनिश्चितता, मनोवैज्ञानिक लचीलापन, मुकाबला और परिणामों के प्रति सहिष्णुता। सुश्री सिंधुरा लक्ष्मीकांत. मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर, डॉ. ए. श्याम सुंदर।

57. वयस्कों के बीच सोते समय विलंब, आत्म–जागरूक भावनाओं और आत्म–करुणा का सहसंबंध। सुश्री अदिति हेबालकर. मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर।

58. मनोवैज्ञानिक संकट और विलंब पर विलंब, पूर्णतावाद और भावना विनियमन रणनीतियों के बारे में विश्वास। सुश्री जेमिमा जॉनसन. मार्गदर्शक: डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर।

59. वयस्कों के बीच साइबरकॉन्ड्रिया गंभीरता स्केल–12 की भारतीय मान्यता। सुश्री राम्या दर्शिनी पी. मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. नितिन आनंद (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

60. स्मार्टफोन की लत के पैमाने की भारतीय मान्यता – लघु संस्करण। श्री जॉर्ज फेलिक्स. मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. नितिन आनंद निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

61. इंटरनेट गेमिंग विकार पैमाने की भारतीय मान्यता। श्री तस्लीमा नाज़रीन. मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. नितिन आनंद (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

62. अवसाद और चिंता विकारों में सामाजिक अनुभूति, भावना विनियमन और पारस्परिक कार्यप्रणाली। सुश्री चारुमथी लोगनाथन. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला (निम्हान्स छात्रवृत्ति)।

63. व्यक्तित्व विकार वाले लोगों में आत्म–कलंक, शर्म, जीवन की गुणवत्ता और आशा। सुश्री मुस्कान जैन. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला।

64. बॉर्डरलाइन व्यक्तित्व विकार और परिहार व्यक्तित्व विकार वाले व्यक्तियों में स्कीमा मोड और सहानुभूति, पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक कार्यप्रणाली से इसका संबंध। सुश्री अपूर्वा वाजपेई. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला (निम्हान्स छात्रवृत्ति)।

65. संक्षिप्त मनोचिकित्सा में ग्राहक द्वारा देखे गए परिवर्तन में अंतर्दृष्टि, अपेक्षाओं और चिकित्सीय गठबंधन की भूमिका। सुश्री उमर खान. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला (निम्हान्स छात्रवृत्ति)।

66. सीमावर्ती व्यक्तित्व विकार वाले व्यक्तियों में प्रतिबद्धता पूर्णतावाद, ज्ञानमीमांसीय विश्वास और पारस्परिक प्रतिक्रिया का डर। सुश्री अत्रेयी गांगुली. मार्गदर्शक: डॉ. एम मंजुला (निम्हान्स छात्रवृत्ति)।

67. दूसरे पर विश्वास करना: सीमावर्ती व्यक्तित्व विशेषताओं वाले वयस्कों में ज्ञानमीमांसा विश्वास, मानसिककरण, लगाव शैली और रक्षा तंत्र के बीच संबंधों की खोज करना। श्री प्रतीक शर्मा. मार्गदर्शक:डॉ. पूर्णिमा भोला (निम्हान्स वेतन)।

68. दुनिया को अंदर–बाहर विभाजित करना: सीमावर्ती व्यक्तित्व प्रस्तुतियों में मानसिक स्थिति के गुणों और पहचान के प्रसार के बीच बातचीत। सुश्री वृंदा रूपारेलिया. मार्गदर्शक: डॉ. पूर्णिमा भोला (निम्हान्स वेतन)।

69. मातृ स्व–रिपोर्ट की गई परेशानी और बाल विकास संबंधी परिणाम: साझा देखभाल की भूमिका। सुश्री हरिकृपा श्रीधर.मार्गदर्शक: डॉ. थॉमस किशोर, डॉ. प्रभा चंद्रा (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

70. भारत में बाल मनोचिकित्सा अनुसंधान की एक व्यवस्थित समीक्षा और कथा संश्लेषण। श्री सैयद यासीन अहमद. मार्गदर्शक: डॉ. थॉमस किशोर (यूजीसी–जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

71. गंभीर मानसिक बीमारी वाले वयस्कों के माता–पिता की देखभाल करने वालों के बीच स्व–कथित क्षमता और अर्थ निर्माण। सुश्री चिन्मयी जे. मार्गदर्शक: डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी।

72. वयस्कों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में असाधारण मान्यताएँ। सुश्री लिजी विजयन. मार्गदर्शक: डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी।

73. गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में आघात–सूचित देखभाल: हितधारक का परिप्रेक्ष्य। सुश्री सिल्पा ए.के. मार्गदर्शक: डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी।

74. सांस्कृतिक दक्षताओं पर मनोचिकित्सकों का दृष्टिकोण – एक खोजपूर्ण अध्ययन। श्री हरि श्रीराम बी. मार्गदर्शक: डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी।

75. साइबर हिंसा और ऑनलाइन उत्पीड़न के साथ जीवंत अनुभव की खोज। सुश्री अंजू एस नायर. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. मनोज कुमार शर्मा (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

76. उभरते वयस्कों के बीच साइबरबुलिंग के मार्गों की खोज। सुश्री पूजा बिस्ता. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. मनोज कुमार शर्मा (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

77. आत्मघाती जोखिम मूल्यांकन पैमाने का विकास और सत्यापन। सुश्री सिमरन जी. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. टीएस जयसूर्या, डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. बीनू वीएस (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

78. आत्मघाती जोखिम के विरुद्ध सुरक्षात्मक कारकों के मूल्यांकन के लिए पैमाने का विकास और सत्यापन। सुश्री अहसाना टी.एच. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. श्यामसुंदर, डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. बीनू वीएस (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

79. बचपन के अनुभव, लगाव, प्रभावित लक्षण, और समस्याग्रस्त सोशल मीडिया के साथ उनका संबंध। सुश्री देवांशी वर्मा. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. अनामिका साहू (निम्हान्स इंट्रामुरल फंडिंग)।

80. भावनात्मक चिंतन, नैतिक अलगाव, उदासीन प्रवृत्ति और साइबर-धमकाने वाले अनुभवों के बीच संबंधों की खोज। सुश्री अस्मा थबासुम के. मार्गदर्शक: डॉ. नितिन आनंद, डॉ. राजेश कुमार (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

81. अवसाद के लिए भारतीय मनोविज्ञान आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का अनुकूलन। सुश्री अश्वथी लोकनाथ. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. शिवराम वरम्बली (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

81. कोविड-19 महामारी के दौरान मृत्यु की चिंता, क्लेश और अभिघातज के बाद की वृद्धि। सुश्री रिसाना कलाथिंगल। मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

82. देवताओं के साथ संबंध: समुदाय में रहने वाले वयस्कों के साथ एक खोजपूर्ण अध्ययन। सुश्री ऐश्वर्या दहाले. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. सीमा मेहरोत्रा (यूजीसी-जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

83. वृद्ध वयस्कों में सब-सिंड्रोमल अवसाद के लिए भारतीय मनोविज्ञान आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का परीक्षण। श्री .आयुष जी. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. पीटी शिवकुमार (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

84. सामान्य मानसिक विकारों में त्रिगुण, व्यक्तित्व एवं संघर्ष समाधान शैली। सुश्री तारा मीना हरि. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. संतोष एल (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

85. मनोरोग संबंधी बीमारियों से पीड़ित रोगियों में सुधार और व्यक्तिगत विकास की कहानियों की खोज करना। श्री. साईराम जी. मार्गदर्शक: डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. शिवराम वरम्बली (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

87. पहले से मौजूद प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले बुजुर्ग रोगियों पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव - एक मिश्रित विधि अध्ययन। डॉ. आरती जे.एस. मार्गदर्शक: डॉ. पीटी शिवकुमार, डॉ. प्रीति सिन्हा, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

88. मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्तियों की पारिवारिक देखभाल करने वालों पर कोविड-19 के प्रभाव पर एक गुणात्मक अध्ययन। डॉ शादाब रहमान. मार्गदर्शक: डॉ. पीटी शिवकुमार, डॉ. प्रीति सिन्हा, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

89. विशद के लिए सत्ववजय चिकित्सा मॉड्यूल का विकास, सत्यापन और व्यवहार्यता। डॉ. दिव्या टी. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. रश्मी ए (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

90. सामान्य मानसिक विकारों में तंत्रिका-संज्ञानात्मक प्रदर्शन का सहसंबंध। सुश्री दीक्षा दुगर. मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप।

91. अवसादग्रस्तता और चिंता विकार वाले व्यक्तियों में कार्यकारी कार्य और भावना विनियमन। सुश्री तनीषा शेट्टी. मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. उर्वाख्श मेहता।

92. अवसाद के लिए एक एकीकृत संज्ञानात्मक नियंत्रण प्रशिक्षण हस्तक्षेप का अनुकूलन और व्यवहार्यता। सुश्री प्रीति कोडान्चा। मार्गदर्शक: डॉ. हिमानी कश्यप, डॉ. गीता देसाई।

93. तृतीयक उपचार केंद्र में समस्याग्रस्त इंटरनेट उपयोग के साथ उपचार चाहने वालों में व्यवहार और संज्ञानात्मक संबंध होता है। सुश्री रितु मकाल। मार्गदर्शक: डॉ. राजेश कुमार, डॉ. मनोज कुमार शर्मा।

94. खाली घोंसला सिंड्रोम: मनोवैज्ञानिक संकट और प्रौद्योगिकी का उपयोग सहसंबद्ध है। सुश्री रिम्पल दहिया, मार्गदर्शक: डॉ. राजेश कुमार, डॉ. नितिन आनंद।

95. वास्तविकता में बदलाव: सोशल मीडिया के उपयोग के मनोवैज्ञानिक संबंध। सुश्री श्वेता सुनील, मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. नितिन आनंद।

96. मेटाकॉग्निशन, अनजाने में विलंब और समस्याग्रस्त स्मार्टफोन का उपयोग। श्री आदित्य रमेश, मार्गदर्शक: डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. रविकांत पिंजरकर।

## समग्र चिकित्सा

1. तंत्रिका विज्ञान में योग और आयुर्वेद: उत्कृष्ट आयुर्स्वास्थ्य योजना केंद्र के तहत ट्रांसलेशनल रिसर्च एक्सेलेरेटर प्रोग्राम (यंत्र)। लीड प्रोजेक्ट - I - सिज़ोफ्रेनिया, लीड प्रोजेक्ट - II - डिप्रेशन, लीड प्रोजेक्ट - III - मल्टीपल स्केलेरोसिस, लीड प्रोजेक्ट - IV - अल्जाइमर डिमेंशिया। जांचकर्ता: इंटीग्रेटिव मेडिसिन विभाग डॉ. किशोर कुमार

आर, डॉ. हेमंत भार्गव, डॉ. उमेश सी, डॉ. लक्ष्मी निशिता जे, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. शिवकुमार वी, डॉ. सत्यप्रभा टीएन, डॉ. पीटी शिवकुमार, डॉ. नेत्रवती, डॉ. नरेन पी राव, डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम, डॉ. कविराजा उडुप्पा, डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. के गोकुलकृष्णन, डॉ. मरियम्मा फिलिप, डॉ. सुलोचना भट्ट, बीएएमएस, एमडी, सहायक निदेशक प्रभारी, केंद्रीय मेटाबोलिक विकारों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

2. पारंपरिक उपचार के अलावा आयुर्वेदिक हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और बाल चिकित्सा एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) में एपिजेनेटिक्स, न्यूरो/गट बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग की परस्पर क्रिया का पता लगाना। अन्वेषक: डॉ. जॉन विजय सागर, डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. सुलोचना भट, डॉ. श्रीनिबाश साहू, डॉ. उमेश सी, डॉ. के गोकुलकृष्णन, डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. बीएन रूपेश, डॉ. शिवकुमार वी, डॉ. भरत होल्ला (केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

3. माइग्रेन के प्रबंधन में आयुष एम-3 का डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित मल्टीसेंट्रिक क्लिनिकल परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. गिरीश कुलकर्णी, डॉ. उमेश सी (केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

4. ओपिओइड उपयोग विकार और प्रबंधन में सहायक के रूप में योग की भूमिका (औदार्यम): प्रभावशीलता और तंत्र का परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. हेमंत भार्गव, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, डॉ. उर्वाख्श एम मेहता, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. मैचेरी केशवन, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. प्रियंवदा शर्मा (डीबीटी-वेलकम इंडिया अलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

5. मनोविकृति के एंडोफेनोटाइप के रूप में संज्ञानात्मक शिथिलता और नींद की गड़बड़ी: न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल, न्यूरोइमेजिंग और न्यूरोइम्यून सहसंबंधों का एक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. वी शिवकुमार, डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम जी, डॉ. नरेन पी राव, डॉ. जनार्दन सीएन, डॉ. विजयकुमार केजी (डीबीटी-वेलकम इंडिया अलायंस द्वारा वित्त पोषण)

6. पार्किंसंस रोग के अनुकूलित पारंपरिक प्रबंधन के अतिरिक्त आयुर्वेद चिकित्सीय आहार: नैदानिक, कॉर्टिकल एक्साइटेबिलिटी न्यूरोइम्यून और ऑटोनोमिक फ़ंक्शन मापदंडों के मूल्यांकन के लिए एक आरसीटी। अन्वेषक: डॉ. उमेश सी, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. सत्यप्रभा टीएन, डॉ. किशोर कुमार रामकृष्ण, डॉ. नितेश कांबले, डॉ. मंजूनाथ एमवी, डॉ. शिवकुमार वी, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. कविराजा उडुपा, डॉ. श्रीनिबाश साहू (केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

7. वयस्क आबादी में सिरदर्द के लक्षण पर विशिष्ट योग मुद्रा और मंत्र हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। सुश्री कंचन पांडे। मार्गदर्शक: डॉ. हेमन्त भार्गव, डॉ. पूजा एम, डॉ. लक्ष्मी निशिता जे, सुश्री. कंकन गुलाटी (सलाहकार)।

8. सिज़ोफ्रेनिया के नकारात्मक लक्षणों में वमन और विरेचन कर्म के संभावित प्रभाव – एक यादृच्छिक खुला लेबल अध्ययन। डॉ. अखिला सोमन. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. श्रीराज वी.एस., डॉ. कविराजा उडुपा।

9. विशद के लिए सत्ववजय चिकित्सा मॉड्यूल का विकास, सत्यापन और व्यवहार्यता। डॉ. दिव्या टी. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार, डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, डॉ. रश्मी ए।

10. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में आयुर्वेद के त्रिदोष और अष्ट विभ्रम आकलन के साथ आधुनिक मनोविकृति-आधारित आकलन को सहसंबंधित करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन। डॉ. काव्या के. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार, डॉ. भरत होल्ला।

11. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए एकीकृत योग और आयुर्वेद प्रबंधन कार्यक्रम की सामग्री सत्यापन और व्यवहार्यता परीक्षण। डॉ. पी साई मनोज. मार्गदर्शक: डॉ. उमेश सी, डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. हेमंथ भार्गव, डॉ. निशिता जे।

12. सिज़ोफ्रेनिया रोगियों और इसके आंत माइक्रोबायोम में अग्निदुष्टि की अवधारणा को सहसंबंधित करने वाला एक अध्ययन। डॉ. अयाना. मार्गदर्शक: डॉ. उमेश चिक्कना, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. गोकुल कृष्ण, डॉ. शिवकुमार।

13. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में विरेचनकर्म के न्यूरोबायोलॉजिकल सहसंबंधों की जांच करने वाला एक पायलट अध्ययन। डॉ. कृष्णजा. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. विजया कुमार केजी, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. हेमन्त भार्गव।

14. प्रतिस्पर्धी तैराकों में तनाव और मानसिक दृढ़ता से उबरने पर योग का प्रभाव। सुश्री हर्षिता जे. मार्गदर्शक: डॉ. लक्ष्मी निशिता जस्ती, डॉ. भरत होल्ला।

15. अवसाद के रोगियों में अतिरिक्त उपचार के रूप में वामन धौति की व्यवहार्यता और सहनशीलता: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ अदिति गर्ग. मार्गदर्शक: डॉ. किशोर कुमार आर, डॉ. निशिता जस्ती, डॉ. शिवकुमार, डॉ. कविराजा उडुपा।

16. ओपिओइड उपयोग विकार वाले रोगियों के वापसी लक्षणों के प्रबंधन में सहायक योग चिकित्सा की भूमिका। डॉ. सुदाला गौतम। मार्गदर्शक: डॉ. हेमन्त भार्गव, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. रवीन्द्र पी.एन.

17. चेतना की गैर-सामान्य अवस्थाएँ – मनोविकृति या आध्यात्मिक जागृति का अग्रदूत? प्रश्नावली का विकास. डॉ. गोकुल राज. मार्गदर्शक: डॉ. हेमन्त भार्गव।

18. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में हृदय गति परिवर्तनशीलता पर ऐड-ऑन योग थेरेपी का प्रभाव: एक ओपन लेबल पायलट अध्ययन। डॉ. भावित बंसल। मार्गदर्शक: डॉ. वी. शिवकुमार, डॉ. कविराज उडुपा, डॉ. हेमन्त भार्गव, डॉ. भरत होल्ला, डॉ. उमेश सी.

19. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में मनोदशा के लक्षणों पर आगे और पीछे झुकने वाले आसन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। सुश्री अमीषा वर्नेकर। मार्गदर्शक: डॉ. लक्ष्मी निशिता जे, डॉ. हेमन्त भार्गव।

## मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा

1. भारतीय वायु सेना में अधिकारियों और प्रशिक्षकों के लिए सलाह और मानसिक कल्याण पर एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। अन्वेषक: डॉ. केएस मीना (भारतीय वायु सेना द्वारा वित्त पोषण)।

2. एक लघु फिल्म "ए रे ऑफ होप" के माध्यम से प्रजनन प्रणाली और त्वचा पर मनो-सक्रिय पदार्थों के उपयोग के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में युवा वयस्कों का ज्ञान: एक पायलट अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. केएस मीना, डॉ. लता के.

3. प्रसवोत्तर अवसाद के लिए वीडियो हस्तक्षेप (संभव) का उपयोग करके जागरूकता और प्रबंधन आधारित स्वास्थ्य कार्रवाई पर अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. लता के, डॉ. केएस मीना, डॉ. सुंदरनाग गंजेकर, डॉ. विरुपाक्ष एचएस, डॉ. सोमशेखर एआर, डॉ. सुमन जी, डॉ. दिनेश राजाराम, डॉ. मरियम्मा फिलिप, डॉ. किम्नेइहाट वैफेई (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण) ).

4. मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन रणनीति के रूप में निम्हान्स आरोग्य जागृति केंद्र में रोगी शिक्षा संसाधनों की प्रभावशीलता: एक खोजपूर्ण अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. लता के, डॉ. मुरलीधरन केसवन।

5. मीडिया पेशेवरों और छात्रों के लिए मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर एक मिश्रित ई-लर्निंग पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता। अन्वेषक: डॉ. लता के, डॉ. के.एस. मीना।

## नर्सिंग

1. सामुदायिक स्वयंसेवकों द्वारा मानसिक विकारों के लिए घर पर देखभाल (सीएडी-सीवी)। अन्वेषक: डॉ. राधाकृष्णन गोविंदन, डॉ. सी नवीन कुमार, डॉ. रजनी पी, डॉ. सुरेश बड़ा मठ, डॉ. मंजूनाथ एन, डॉ. विनय बी गौड़ा (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

2. बैंगलोर के एक आर्ट्स कॉलेज में रचनात्मक कला के छात्रों के बीच मनो-सक्रिय पदार्थों के उपयोग और संबंधित मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की खोज। अन्वेषक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. केएस मीना।

3. कॉलेज के छात्रों के बीच भांग के उपयोग को रोकने के लिए एक हस्तक्षेप का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण। श्री कन्नन के. मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. जयंत महादेवन डॉ. के.एस. मीना।

4. निम्हान्स, बेंगलुरु में एंटीसाइकोटिक्स प्राप्त करने वाले बाह्य रोगियों के लिए स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और बनाए रखने पर नर्स परामर्श का प्रभाव। सुश्री कृतिदीपा मोहंती, मार्गदर्शक: डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. जगदीशा तीर्थहल्ली, डॉ. एम. कृष्ण प्रसाद।

5. निम्हान्स, बेंगलुरु के हाउसकीपिंग स्टाफ के बीच तंबाकू समाप्ति कार्यक्रम की प्रभावशीलता का विकास और परीक्षण: एक मिश्रित विधि अध्ययन। सुश्री कृति छेत्री, मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. जयंत महादेवन।

6. कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक बीमारी से पीड़ित बच्चों की प्राथमिक देखभाल करने वालों के अनुभवों का गुणात्मक अध्ययन। सुश्री ज्योति गोगोई, मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन जी, डॉ. के. जॉन विजय सागर।

7. मनोचिकित्सक पुनर्वास सेटिंग, निम्हान्स में COVID-19 महामारी के दौरान व्यावसायिक प्रशिक्षकों का अनुभव। सुश्री गीतू के.आर. मार्गदर्शक: डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. टी. शिवकुमार।

8. निम्हान्स, बेंगलुरु में मनोरोग पुनर्वास सेवाओं, सीओवीआईडी -19 महामारी के दौरान टेली-पुनर्वास तक पहुंचने में सुविधाकर्ताओं और बाधाओं के बारे में अंतिम उपयोगकर्ताओं की धारणा। सुश्री पद्मावती जे. मार्गदर्शक: डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. टी. शिवकुमार।

9. निम्हान्स में लिथियम थेरेपी के संबंध में बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर (बीपीएडी) के रोगियों और उनकी प्राथमिक देखभाल करने वालों की धारणाओं का पता लगाने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन। सुश्री दीपा जोस, मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. रश्मी ए।

10. मानसिक बीमारी वाले किशोरों के माता-पिता के बीच तनाव, चिंता और अवसाद पर नर्स के नेतृत्व वाली प्रगतिशील मांसपेशी आराम (पीएमआर) की प्रभावशीलता। श्री सिजेश जॉर्ज, मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन जी, डॉ. के. जॉन विजय सागर।

11. निम्हान्स, बेंगलुरु की गंभीर देखभाल इकाइयों में भर्ती वेंटिलेटर पर रोगियों की देखभाल करने वालों की चिंता पर योग हस्तक्षेप की प्रभावशीलता। श्रीमती सुकन्या एस. मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. हेमन्त भार्गव।

12. एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु में सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्तियों के बीच दवा के पालन की धारणा। सुश्री बी वनिता, मार्गदर्शक: डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. कृष्ण प्रसाद एम.

13. निम्हांस में इलाज चाहने वाले किशोरों में आत्महत्या के विचार और इसके नैदानिक, मनोसामाजिक संबंध। सुश्री लताशा। मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन जी, डॉ. के. जॉन विजय सागर।

14. सेंटर फॉर एडिक्शन मेडिसिन, निमहंस, बेंगलुरु में शराब पर निर्भरता वाले व्यक्तियों के बीच स्वस्थ आहार के बारे में ज्ञान पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। सुश्री .पूंगुलाली एस. मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. जयंत महादेवन।

15. उपचार चाहने वाले किशोरों के बीच अवसाद और उसके सामाजिक-जनसांख्यिकीय, नैदानिक सहसंबंधों का आकलन करने के लिए वर्णनात्मक अध्ययन। श्री सुनील भीमनगर. मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन जी, डॉ. के. जॉन विजय सागर।

16. बैंगलोर के एक चयनित स्कूल में हाई स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता के स्तर पर साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण (सीएसएटी) का प्रभाव। सुश्री सपना सिंह. मार्गदर्शक: डॉ. प्रशांति नट्टाला, डॉ. मनोज कुमार शर्मा।

17. सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों और उनकी देखभाल करने वालों में सकारात्मक परिणामों के लिए दैनिक जीवन मॉड्यूल की देखभालकर्ता की मध्यस्थता वाली वाद्य गतिविधियों का विकास: एक व्यवहार्यता अध्ययन। सुश्री एनी जॉन पी. मार्गदर्शक: डॉ. साइलक्ष्मी गांधी, डॉ. एम मंजुला, डॉ. एम कृष्णा प्रसाद।

## नर्सिंग कॉलेज

1. एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु में कार्यरत स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच इंजेक्शन सुरक्षा प्रथाओं पर शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक पूर्व-प्रयोगात्मक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. कनिथा डी, श्रीमती विजया जे, श्रीमती बरनादम्मा आर, श्रीमती शांति रामजेयम, श्रीमती गौरी नारायणन, श्रीमती मल्लिका टीके, श्रीमती मोहिनी एम नाइक, श्रीमती अनिता शांतराज, श्रीमती थिलागावती एम, श्रीमती। बीनामोल केएस, श्रीमती जूलियट एसआर।

2. प्रसवोत्तर माताओं में चिंता संबंधी प्रसवपूर्व, प्रसवोत्तर, प्रसवोत्तर अवधि। अन्वेषक: डॉ. कनिथा डी.

3. चयनित सेटिंग्स में स्टाफ नर्सों के बीच कार्यस्थल की असभ्यता का ज्ञान और अनुभव। अन्वेषक: डॉ. कनिथा डी.

4. नर्सों के बीच साक्ष्य आधारित अभ्यास का ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास और बाधाएं। अन्वेषक: डॉ. जोथिमनी।

## मनोरोग पुनर्वास सेवाएँ

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन समुदाय आधारित का उपयोग करके गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिए समर्थित रोजगार का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण ग्रामीण समुदाय में पुनर्वास दिशानिर्देश। अन्वेषक: डॉ. टी शिवकुमार, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली, डॉ. सी नवीन कुमार, डॉ. आरती जगन्थन, डॉ. शनिवरम रेड्डी के (द लिव लव लाफ फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषण)।

2. कर्नाटक के जिला और तालुक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में मनोदैहिक दवाओं के उपयोग पैटर्न का अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. टी शिवकुमार, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली, डॉ. सी नवीन कुमार, डॉ. रजनी पार्थसारथी (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

3. सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों में आत्म-कलंक, निष्क्रिय दृष्टिकोण और भूमिका कार्य: एक मिश्रित-तरीकों का अध्ययन। सुश्री पूजा गुप्ता, मार्गदर्शक: डॉ. देववर्त कुमार, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली, डॉ. टी शिवकुमार।

## मनोरोग सामाजिक कार्य

1. निम्हान्स में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशाला सह प्रदर्शनी में भाग लेने का मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका संबंधी विकार वाले व्यक्तियों का अनुभव - एक गुणात्मक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. केएस मीना (विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

2. लिंग आधारित हिंसा से बची महिलाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव, मनोसामाजिक और पुनर्वास आवश्यकताएँ, सेवाओं तक पहुँचने में बाधाएँ। अन्वेषक: डॉ. वृंदा एमएन, डॉ. नवीन कुमार सी, डॉ. ए तिरुमूर्ति (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

3. आघात और दुःख देखभाल का विकास - COVID-19 के कारण शोक संतप्त बच्चों और किशोरों का समर्थन करना। अन्वेषक: डॉ. वृंदा एमएन, डॉ. गोबिंदा माझी (आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)।

4. तृतीयक देखभाल केंद्र में लंबे समय तक रहने वाले रोगियों के मनोसामाजिक भविष्यवक्ता और प्रोफाइल। प्रधान अन्वेषक: डॉ. वृंदा एमएन, डॉ. जगदीशा टी, डॉ. थिरुमूर्ति, डॉ. नवीन कुमार सी, डॉ. अमरेशा।

5. प्रसवकालीन अवसाद और चिंता पर समुदाय-आधारित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: बहुकेंद्रित अध्ययन। प्रधान अन्वेषक: डॉ. किम्नेइहत वैफेई, सह-अन्वेषक: डॉ. रश्मी ए, डॉ. हरीश टी, डॉ. सुंदरनाग, डॉ. वीणा एस, डॉ. अरविंद बीए, डॉ. प्रचेथ आर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

6. भारत में किशोर मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा: युवा चिंता और अवसाद को लक्षित करने वाले सिस्टम हस्तक्षेप का एक सह-डिज़ाइन किया गया व्यवहार्यता अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. एन जनार्दन, डॉ. पूर्णिमा भोला। (एमआरसी-लीड्स विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषण)।

7. बाल गृहों और बाल कल्याण समितियों – बेंगलुरु की देखभाल और सुरक्षा के तहत कठिन परिस्थितियों में बच्चों और उनके परिवारों के लिए मनो-सामाजिक हस्तक्षेप। अन्वेषक: डॉ. एन जनार्दन, डॉ. उमा एच, डॉ. बीपी निर्मला, डॉ. जॉन विजय सागर (केएसआईसीपीएस, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

8. बच्चों की देखभाल करने वाले: पुरानी बीमारी से पीड़ित माता-पिता के साथ रहने और देखभाल करने वाले किशोर बच्चों के अनुभव और ज़रूरतें। अन्वेषक: डॉ. एन जनार्दन, डॉ. निर्मला बीपी, डॉ. कनमनी, डॉ. मंजुला, डॉ. सानी सिंह (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

9. दिव्यांगजनों द्वारा बनाई गई पेंटिंग प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कला कार्यशालाएं सह प्रदर्शनी। अन्वेषक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. शनिवरम रेड्डी, डॉ. मीना केएस, डॉ. शिवकुमार टी (विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय कोष, विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

10. समुदाय में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले व्यक्तियों के लिए आभासी-योग और आमने-सामने योग का तुलनात्मक प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. आरती जगननाथन, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. दीपेश्वर कुमार, डॉ. जूडू इलावरसु, डॉ. हेमन्त भार्गव (डीएसटी-सत्यम द्वारा वित्त पोषण)।

11. भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों का डेटाबेस विकसित करने की आवश्यकता। अन्वेषक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. जनार्दन एन, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली, श्रीमती सिंधु एमजी (सुखशेमा जी ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषण)।

12. शहरी आत्म-नुकसान अध्ययन (यूएसएचएएस) – आत्महत्या के प्रयास से बचे लोगों के बीच आत्महत्या के इरादे और भविष्य के प्रयास को कम करने के लिए मूल्यांकन और हस्तक्षेप। अन्वेषक: डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. धनसेकरा पांडियन, डॉ. बीनू कुमार, डॉ. मीना केएस, डॉ. के. जॉन विजय सागर, डॉ. नितिन आनंद (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, एमएच एंड एफडब्ल्यूएफ, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

13. कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य कल्याण और व्यावसायिक संवर्धन के लिए कार्यक्रम (पदोन्नति)। अन्वेषक: डॉ. डॉ. अनीश वी चेरियन आर धनशेखरा पांडियन, डॉ. जॉन विजय सागर, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी, डॉ. श्याम सुंदर ए, डॉ. जयसूर्या टीएस, डॉ. डॉ. मीना केएस, डॉ. नितिन आनंद, डॉ. बिनुकुमार बी, डॉ. गोबिंदा माझी, डॉ. अजय कुमार (टीवीएस मोटर कंपनी द्वारा वित्त पोषण)।

14. आत्महत्या और आत्म-हानि (सुरक्षा) पर नज़र रखने के लिए निगरानी प्रणाली। अन्वेषक: डॉ. अनीश वी चेरियन विकास मेनन, डॉ. रजनी पी, डॉ. प्रिया श्रीधरन, डॉ. आदर्श एएम, डॉ. नवीनकुमार सीएन, डॉ. के जॉन विजय सागर, डॉ. आर धनशेखरा पांडियन, डॉ. कनमनी टीआर, डॉ. मीना केएस (हिमालय वेलनेस कंपनी द्वारा वित्त पोषण)।

15. आईहोप – आत्महत्या के जोखिम वाले व्यक्तियों के संकट का प्रबंधन करने के लिए एक मोबाइल फोन एप्लिकेशन का विकास। अन्वेषक: डॉ. अनीश वी चेरियन के जॉन विजय सागर, डॉ.आर धनशेखरा पांडियन, डॉ. मीना केएस, डॉ. नितिन आनंद (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

16. डिमेंशिया के लिए घर आधारित बहुविषयक देखभाल। अन्वेषक: डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. फहीम अरशद (फंडिंग – कॉर्पोरेट से दान)।

17. नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. जानकी रमण, डॉ. तिरुमूर्ति, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. अरविंद राज ई (समाज कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

18. कर्नाटक के इंटीग्रेटेड रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स (आईआरसीए) में काम करने वाले पुनर्वास पेशेवरों के लिए लत प्रबंधन पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. जनार्दन एन (राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)

19. सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों के उपचार में परिवार के प्रतिधारण से जुड़े कारक। श्री तेजस एफ वसावा, मार्गदर्शक: डॉ. गोबिंदा माझी, डॉ. डी. मुरलीधर, डॉ. देववर्त कुमार।

20. तीव्र मस्तिष्क संक्रमण वाले व्यक्तियों की देखभाल के तरीकों को प्रभावित करने वाले सामाजिक कारक। सुश्री वसुन्धरा एस नायर, मार्गदर्शक: डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. नेत्रवती एम।

21. शराब पर निर्भरता सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्तियों के लिए समूह चिकित्सा। श्री बैकियाराज एस. मार्गदर्शक: डॉ. ई सिनु, डॉ. आर धनशेखरा पांडियन (यूजीसी-जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

22. शराब पर निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों की पत्नियों के बीच अंतरंग साथी हिंसा के लिए सामाजिक समूह कार्य। श्री चिन्नादुरई पी. मार्गदर्शक: डॉ. सिनु ई, डॉ. वृंदा एमएन, डॉ. गीतांजलि नारायणन, डॉ. अरुण के (आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषण)।

23. सिज़ोफ्रेनिया और संबंधित विकारों वाले व्यक्तियों के लिए स्व-प्रबंधन रणनीतियों की प्रभावशीलता। सुश्री प्रियंकादेवी एस. मार्गदर्शक: डॉ. वृंदा एमएन, डॉ. विजयकुमार केजी (पीएसडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषण)।

24. पार्किंसंस रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए समूह आधारित रचनात्मक आंदोलन चिकित्सा का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण। श्री अरुण एम. मार्गदर्शक: डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. जिल बन्स (एसोसिएट लेक्चरर, डर्बी विश्वविद्यालय), डॉ. प्रमोद कुमार पाल (यूजीसी द्वारा वित्त पोषण)।

25. सामाजिक कार्य छात्रों के लिए आत्महत्या रोकथाम प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन – एक प्रयोगात्मक अध्ययन। श्री भरत आर. मार्गदर्शक: डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. संतोष लोगानाथन, डॉ. प्रभा एस चंद्रा, डॉ. ग्रेगरी आर्मस्ट्रांग (सीनियर रिसर्च फेलो और एनएचएमआरसी अर्ली करियर फेलो, नोसल इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, मेलबर्न स्कूल ऑफ पॉपुलेशन और वैश्विक स्वास्थ्य, चिकित्सा, दंत चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, मेलबर्न विश्वविद्यालय) (यूजीसी जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

26. प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए आत्महत्या रोकथाम प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन। श्री हरीश कुमार डी.पी. मार्गदर्शक: डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. आर धनसेकरा पांडियन, डॉ. सी नवीन कुमार (यूजीसी–एनएफओबीसी द्वारा वित्त पोषण)।

27. मादक द्रव्यों के सेवन विकार वाले व्यक्तियों के लिए आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रम का विकास और पायलट परीक्षण। श्री मुहम्मद नूरुद्दीन। मार्गदर्शक: डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. धनसेकरा पांडियन, डॉ. नितिन आनंद, डॉ. लेखांश शुक्ला, डॉ. कैथी ब्रेनन (यूजीसी–जूनियर रिसर्च फेलोशिप द्वारा वित्त पोषण)।

28. स्कूली शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता एवं आत्महत्या रोकथाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। श्री थंगादुराईपंडी आर मार्गदर्शक: डॉ. आर धनशेखर पांडियन, डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. राजेंद्र केएम, डॉ. नंद किशोर कन्नूरी, डॉ. तातियाना सैलिसबरी (यूजीसी–एनएफएससी द्वारा वित्त पोषण)।

29. आत्महत्या के प्रयास से बचे लोगों की देखभाल करने वालों के लिए एक संक्षिप्त हस्तक्षेप मॉड्यूल की प्रभावशीलता। सुश्री शंकवी वी. मार्गदर्शक: डॉ. आर धनशेखरा पांडियन, डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. सियोभान ह्यूज जोन्स (एनएफओबीसी – जेआरएफ (यूजीसी) द्वारा वित्त पोषण)।

30. कलंक में कमी के लिए सामाजिक संपर्क रणनीति: मानसिक बीमारी के अनुभव वाले लोगों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन। श्री गुरुचरण भास्कर मेंडन. मार्गदर्शक: डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. संतोष लोगनाथन (परियोजना द्वारा वित्त पोषण)।

31. मीडिया छात्रों के लिए आत्महत्या रिपोर्टिंग पर एक मॉड्यूल का विकास – एक व्यवहार्यता अध्ययन। सुश्री लक्ष्मी विमला। मार्गदर्शक: डॉ. आर धनसेकरा पांडियन, डॉ. अनीश वी चेरियन, डॉ. संतोष लोगनाथन, डॉ. रिचर्ड रेगो (एसोसिएट प्रोफेसर, संचार विभाग, सेंट जोसेफ कॉलेज, बैंगलोर) (यूजीसी जेआरएफ द्वारा खोज)।

32. युवाओं के लिए आत्महत्या साक्षरता मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन। सुश्री आर्य तिरुमनी। मार्गदर्शक: डॉ. आर. धनशेखर पांडियन, डॉ. के.एस. मीना (यूजीसी–एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

33. गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के बीच तनाव कम करने का कौशल। सुश्री गोपिका जीजी। मार्गदर्शक: डॉ. सोजन एंटनी, डॉ. जयकुमार सी, डॉ. सिडनी मोइरांगथेम।

34. गंभीर मानसिक बीमारी वाले अविवाहित वयस्कों के बीच विवाह संबंधी अपेक्षाएं और दृष्टिकोण। सुश्री लाविनिया एडेला मैरी लिंगदोह। मार्गदर्शक: डॉ. सोजन एंटनी, डॉ. के. जानकी रमन, डॉ. ए तिरुमूर्ति, डॉ. चेतन बी.

35. गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति की देखभाल करने में लचीलापन, जीवन की गुणवत्ता और मानसिक बीमारी से पीड़ित देखभाल करने वालों के अनुभव। श्री एम मुथुकुमारन। मार्गदर्शक: डॉ. गोबिंदा माझी, डॉ. सिडनी मोइरांगथेम।

36. प्रसवोत्तर मनोविकृति वाली महिलाओं की देखभाल करने वालों के लिए संरचित पारिवारिक मनो–शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता। सुश्री रूपा सनदी। मार्गदर्शक: डॉ. ई अरविंद राज, डॉ. प्रभा एस चंद्रा।

37. स्कूल जाने वाले किशोरों के लिए लचीलापन वृद्धि कार्यक्रम की प्रभावशीलता। सुश्री कृपा ए.एल. मार्गदर्शक: डॉ. जनार्दन एन, डॉ. शनिवरम के रेड्डी।

38. गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के जीवनसाथियों के बीच पालन–पोषण का अनुभव – एक खोजपूर्ण अध्ययन। श्री प्रथ्वीराज बाजपे। मार्गदर्शक: डॉ. जनार्दन एन, डॉ. टीआर कनमानी।

39. बाल देखभाल संस्थानों से बाहर निकलने के बाद जीवन पर एक गुणात्मक अध्ययन: युवा वयस्क के जीवन की खोज। सुश्री उषा किरण के.टी. मार्गदर्शक: डॉ. जनार्दन एन, डॉ. जॉन विजय सागर कोम्मू।

40. बदमाशी को रोकने के लिए स्कूल के माहौल में सुधार: एक बहुस्तरीय पारंपरिक अध्ययन। सुश्री जयलक्ष्मी के.पी. मार्गदर्शक: डॉ. जनार्दन एन, डॉ. पूर्णिमा भोला।

41. मादक द्रव्यों के सेवन विकार वाले युवा वयस्कों के लिए संक्षिप्त पारिवारिक हस्तक्षेप का विकास और व्यवहार्यता। श्री बिनुमोन के.वी. मार्गदर्शक: डॉ. सिनु ई, डॉ. जनार्दन एन, डॉ. प्रभात कुमार चंद।

42. रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के लिए कल्याण कार्यक्रम: एक व्यवहार्यता अध्ययन। श्री पालेर्ला श्रीकांत। मार्गदर्शक: डॉ. शनिवरम रेड्डी के, डॉ. बीपी निर्मला, डॉ. एन जनार्दन, डॉ. अनुपम गुप्ता (यूजीसी एसआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

43. गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित बेघर महिलाओं के स्वतंत्र जीवन

कौशल पर समर्थित आवास कार्यक्रम का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण: एक संभावित अध्ययन। सुश्री लिडिया वी. मार्गदर्शक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. जगदीशा तीर्थल्ली, डॉ. पोन्नुचामी एल।

44. सामान्य मानसिक विकार वाले व्यक्तियों के लिए रामायण पर आधारित सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक मनोचिकित्सा तकनीकों की व्यवहार्यता परीक्षण। सुश्री छाया शांताराम कुरहाडे। मार्गदर्शक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. सुश्रुत सिवाना (आध्यात्मिक अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अमृता विश्व विद्यापीठम, तमिलनाडु के एसोसिएट प्रोफेसर)।

45. स्वास्थ्य देखभाल प्रशिक्षुओं की भलाई पर प्रकृति आधारित हस्तक्षेप (एनबीआई) कार्यक्रम का विकास और व्यवहार्यता परीक्षण। श्री आदिल हकीम। मार्गदर्शक: डॉ. आरती जगन्नाथन, डॉ. के. जानकी रमन, डॉ. मेरेडिथ सीएफ पॉवर्स (सामाजिक कार्य के सहायक प्रोफेसर, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, ग्रीन्सबोरो) (यूजीसी-जेआरएफ द्वारा वित्त पोषण)।

46. कॉलेज जाने वाले युवा वयस्कों के बीच मादक द्रव्यों के उपयोग पर अलगाव, सामाजिक नेटवर्क, व्यक्तित्व और मनोवैज्ञानिक संकट का प्रभाव। श्री प्रदीप कुमार पी.सी. मार्गदर्शक: डॉ. सोजन एंटनी, डॉ. ए तिरुमूर्ति, डॉ. प्रतिमा मूर्ति ।

47. वृद्धाश्रमों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए समूह आधारित अनुकूलन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास। सुश्री अलीना मथाई। मार्गदर्शक: डॉ. सोजन एंटनी, डॉ. पीटी शिवकुमार।

48. शराब सेवन विकार वाले व्यक्तियों और उनके शराब न पीने वाले प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों में साझा और गैर-साझा वातावरण: एक सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य। श्री एम श्रीनिवासुलु। मार्गदर्शक: डॉ. सिनु, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, डॉ. गीतांजलि नारायणन (वित्त पोषण - एडीबीएस परियोजना)

## मनश्चिकित्सा

1. नमन - निम्हान्स एएचटी ग्रामीण समुदायों के लिए व्यापक स्वास्थ्य कार्रवाई कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. नवीन कुमार सीएन, डॉ. केएस मीना, (आश्रय हस्त ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषण)।

2. टेली-मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्य भर में नेटवर्किंग (टेली-मानस): राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. नवीन कुमार सी, डॉ. केएस मीना (भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

3. मिर्गी में कलंक और देखभाल को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. केएस मीना।

4. वृद्ध व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के लिए मनोभ्रंश और मानसिक स्वास्थ्य पर कौशल प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल। अन्वेषक: डॉ. पीटी शिवकुमार, डॉ. केएस मीना, डॉ. लता के (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा वित्त पोषण)

5. बाह्य विकारों और व्यसनों की संवेदनशीलता पर संघ (सी-वेडा) अन्वेषक: डॉ. विवेक बेनेगल (एमआरसी, किंग्स कॉलेज ऑफ लंदन द्वारा वित्त पोषण)।

6. मानव रोग (एएसएचडी) में स्टेम सेल प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में तेजी लाना। अन्वेषक: डॉ. जनार्दन रेड्डी वाईसी, डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम जी, डॉ. विवेक बेनेगल, डॉ. जॉन पी जॉन (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

7. छत्तीसगढ़ के लिए एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य और व्यसन में कुशल क्षमता निर्माण और गुणवत्ता देखभाल के लिए गैर-विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की टेली मेंटरिंग का कार्यान्वयन और प्रभावशीलता। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा वित्त पोषण)।

8. कर्नाटक के डीएमएचपी जिलों के मौजूदा कर्मचारियों द्वारा अल्कोहल उपयोग विकारों (एयूडी) में गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करने में कुशल क्षमता निर्माण के लिए वर्चुअल निम्हान्स इको टेली मेंटरिंग मॉडल को जोड़ने की प्रभावशीलता। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

9. निम्हान्स डिजिटल अकादमी-वर्चुअल नॉलेज नेटवर्क की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद। (सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल परिणामों के लिए विस्तार द्वारा वित्त पोषण)।

10. सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा पर चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद (सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशालय, ओडिशा द्वारा वित्त पोषण)।

11. निम्हान्स डिजिटल अकादमी के सहयोग से मानसिक स्वास्थ्य के लिए गुजरात डिजिटल अकादमी को सुविधा प्रदान करना और कार्यान्वित करना। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद। (गुजरात मानसिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा वित्त पोषण)।

12. वर्चुअल नॉलेज नेटवर्क, निम्हान्स डिजिटल अकादमी का ऑनलाइन शिक्षण और प्रशिक्षण। अन्वेषक: डॉ. प्रभात चंद।

13. तम्बाकू समाप्ति के लिए क्षेत्रीय क्विटलाइन। डॉ. प्रभात कुमार चंद (एमएच एंड एफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

14. गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सेटिंग आधारित स्वास्थ्य संवर्धन हस्तक्षेप लागू करना। अन्वेषक: डॉ. अरुण

के (एक्सा बिजनेस एंड पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषण)।

15. दक्षिण एशिया में मानसिक और शारीरिक सहरुग्णता और विकास अनुसंधान क्षमता (प्रभाव) में परिणामों में सुधार। अन्वेषक: डॉ. प्रतिमा मूर्ति (राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, यूके और यॉर्क विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषण)।

16. कोविड-19 के रोगियों में तम्बाकू के उपयोग की व्यापकता और इसका कोविड-19 पर प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. प्रभात कुमार चंद। (कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

17. तम्बाकू समाप्ति पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का विकास एवं कार्यान्वयन। अन्वेषक: डॉ. प्रभात कुमार चंद (बीईएफ: बजाज इलेक्ट्रिकल्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषण)।

18. बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और विकास के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और जैविक भविष्यवक्ता: यूके और भारत में साझा और विशिष्ट जोखिम और सुरक्षात्मक कारक (बीसीएचएडी अध्ययन) अन्वेषक: डॉ. प्रभा एस चंद्रा (मेडिकल रिसर्च काउंसिल-यूके और आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

19. कर्नाटक में दवा की मांग में कमी के लिए संसाधनों का मानचित्रण करने के लिए एक सर्वेक्षण। अन्वेषक: डॉ. अरुण के (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कर्नाटक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सोसायटी (KH&FWS) द्वारा वित्त पोषण)

20. वृद्ध वयस्कों में सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए डिजिटल हस्तक्षेप का विकास और व्यवहार्यता। अन्वेषक: डॉ. अरुण के (इंडो-स्वीडन (आईसीएमआर और फोर्टे) कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषण)।

21. व्यवहारिक लत का संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान: इनाम और बाध्यकारी सर्किट की भूमिका की खोज। अन्वेषक: डॉ. जयसूर्या, डॉ. जनार्दन सीएन, डॉ. शिवकुमार वी (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

22. प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य के लिए संगीतमय सहभागिता के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप (CHIME)। अन्वेषक: डॉ. प्रभा एस चंद्रा, डॉ. शांताला हेगड़े, डॉ. किम्नेइहाट वाजपेई ((साझेदारी) सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूके द्वारा वित्त पोषण)।

23. कोविड के बाद की स्थिति में न्यूरोसाइकिएट्रिक अभिव्यक्तियाँ: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। डॉ. पौलमी लाहा। मार्गदर्शक: डॉ. गुरु एस गौड़ा, डॉ. वी सेंथिल कुमार रेड्डी, डॉ. सिडनी मोइरांगथेम, डॉ. हरीश टी, डॉ. बी बिनुकुमार, डॉ. एचबी वीणाकुमारी।

## आपदा प्रबंधन में मनोवैज्ञानिक सहायता

1. स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी और प्रबंधन। अन्वेषक: डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषण)।

2. सीबी-फेम परियोजना के तहत वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा (राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान द्वारा वित्त पोषण)।

3. कोविड-19 महामारी के प्रभावों को कम करने के लिए अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए मनोसामाजिक समर्थन पर क्षमता निर्माण। अन्वेषक: डॉ. अजय गोयल, डॉ. दिनाकरन, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, डॉ. जयकुमार सी (प्रज्ञा इंडिया (एनजीओ) द्वारा वित्त पोषण)।

4. आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रति संस्थागत और सामुदायिक लचीलापन बढ़ाना। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषण)।

5. यूएनडीपी भारत के लिए कोविड हस्तक्षेप में मनोसामाजिक देखभाल का एकीकरण। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषण)।

6. पुलिस कल्याण कार्यक्रम. अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (पुलिस विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

7. मनोसामाजिक देखभाल और तैयारी मॉड्यूल और आईईसी सामग्री तैयार करना। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा वित्त पोषण)।

8. कोविड-19 महामारी में शिक्षकों की समग्र भलाई। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा, डॉ. दिनाकरन (संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल शिक्षा कोष द्वारा वित्त पोषण)।

9. ईएससी कैडर/भारत-तिब्बत सीमा पुलिस कल्याण कार्यक्रम के कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन और परामर्श पाठ्यक्रम की डिजाइनिंग। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा वित्त पोषण)।

10. एलजीबीटीक्यू समुदायों के लिए समग्र मनोसामाजिक कल्याण मॉड्यूल का विकास। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी, डॉ. दिनाकरन (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषण)।

11. दक्षिणी राज्य के लिए समुदाय आधारित देखभाल के माध्यम से मनोसामाजिक समर्थन और तैयारी। अन्वेषक: डॉ. जयकुमार सी (यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषण)।

# तंत्रिका विज्ञान:

## क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज

1. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और सिज़ोफ्रेनिया और संबंधित विकारों वाले किशोरों में आराम की स्थिति कनेक्टिविटी और कामकाजी स्मृति का एक कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन। डॉ. अपूर्व एम धर्मेंद्र। मार्गदर्शक: डॉ. के. जॉन विजय सागर, डॉ. प्रीति जैकब।

2. जुनूनी बाध्यकारी विकार में उपचार प्रतिरोध के न्यूरोबायोलॉजिकल मार्कर। डॉ. सैयद फारूक अली. मार्गदर्शक: डॉ. श्याम सुंदर ए, डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम।

3. बाइपोलर I विकार के नैदानिक चरणों में न्यूरो-प्रगतिशील परिवर्तन: सीरम बायोमार्कर और न्यूरोकॉग्निटिव कार्य प्रदर्शन की संभावित भूमिका को समझना। डॉ. प्रीति वी रेड्डी। मार्गदर्शक: डॉ. मुरुलीधरन के, डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. राजकुमार पी रेड्डी।

4. मुख्य रूप से संदूषण और वर्जित विचार संबंधी लक्षणों के साथ जुनूनी बाध्यकारी विकार में तंत्रिका-संज्ञानात्मक कामकाज के दौरान विभेदक तंत्रिका सक्रियण। डॉ. थातिकोंडा नव्या स्पुर्ति। मार्गदर्शक। डॉ. श्याम सुंदर ए, डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

5. हाल ही में शुरू हुए और क्रोनिक सिज़ोफ्रेनिया का एक क्रॉस-सेक्शनल ग्रे और सफेद पदार्थ संरचनात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन। डॉ विनीत मोहन. मार्गदर्शक: डॉ. जॉन पी जॉन, डॉ. सिडनी मोइरांगथेम, डॉ. जितेंद्र सैनी (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

6. हल्के संज्ञानात्मक हानि वाले रोगियों में न्यूरो हेमोडायनामिक्स और अनुभूति पर tDCS का प्रभाव। डॉ. सुभाषिनी के.आर. मार्गदर्शक: डॉ. पीटी शिवकुमार, डॉ. वेंकटसुब्रमण्यम जी।

7. सिज़ोफ्रेनिया में वेगस तंत्रिका मॉड्यूलेशन के न्यूरोइमेजिंग, न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और न्यूरोइम्यून सहसंबंध: एक खोजी टीवीएनएस अध्ययन। डॉ. स्वर्ण बुद्ध नायक. मार्गदर्शक: डॉ. जी वेंकटसुब्रमण्यम, डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. शिवकुमार वी (आईसीएमआर और डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

8. मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी (एमईजी) का उपयोग करके मिर्गी की न्यूरो-डायनामिक्स। डॉ. जीके भार्गव, पीएचडी स्कॉलर। मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. के. थेन्नारासु, डॉ. सियोन रेमन।

9. कंपकंपी प्रमुख पार्किंसंस रोग, आवश्यक कंपकंपी और आवश्यक कंपकंपी प्लस सिंड्रोम में बेसल गैन्ग्लिया थैलामो-कॉर्टिकल और सेरेबेलो-थैलामो-कॉर्टिकल नेटवर्क की संरचनात्मक और कार्यात्मक कनेक्टिविटी की खोज। डॉ. श्वेता प्रसाद। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रोज़ डॉन भरत, डॉ. जीतेन्द्र सैनी।

## महामारी विज्ञान

1. युवा स्पंदना - एक युवा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन कार्यक्रम और जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. अरविंद बीए (युवा सेवा विभाग, एनएसएस विंग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

2. युवा कनाजा. अन्वेषक: डॉ. प्रदीप बीएस (युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

3. जीवन कौशल. अन्वेषक: डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. अरविंद बीए (युवा सेवा विभाग, एनएसएस विंग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

4. निम्हान्स -स्कैन परियोजना। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. अरविंद बीए (स्कैन रिसर्च ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषण)।

5. उत्तराखंड में बच्चों और किशोरों में ऑटिज्म, बौद्धिक विकार और सामान्य मानसिक विकारों का महामारी विज्ञान सर्वेक्षण। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. के जॉन विजय सागर, डॉ. आशुतोष सयाना, डीन और प्रिंसिपल, सरकार, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून (राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखंड सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

6. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण - मेगा सिटी सर्वेक्षण। अन्वेषक: डॉ. अरविंद बीए, डॉ. एन जनार्दन, डॉ. सुरेश बड़ा मठ, डॉ. नितिन, डॉ. मंथुनाथ एन, डॉ. नवीन (भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

7. बैंगलोर शहरी मानसिक स्वास्थ्य पहल (बूमही): नवीन शिक्षण प्रबंधन प्रणाली का लाभ उठाकर कार्यान्वित एक मॉडल शहरी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम। अन्वेषक: अन्वेषक: डॉ. अरविंद बीए, डॉ. एन मंजूनाथ, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. नवीन कुमार सी, डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. सुरेश बड़ा मठ (एचसीएल द्वारा वित्त पोषण)।

8. बैंगलोर शहरी मानसिक स्वास्थ्य पहल (बूमही): चरण 2. जांचकर्ता: डॉ. अरविंद बीए, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. प्रदीप बीएस (बायोकॉन द्वारा वित्त पोषण)।

9. बिगर्स – बेंगलुरु चैप्टर। बेंगलुरु महानगरीय क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जोखिम कारकों की निगरानी। अन्वेषक: डॉ. गौतम मेलुर सुकुमार (जॉन्स हॉपकिन्स इंटरनेशनल इंजरी रिसर्च यूनिट द्वारा वित्त पोषण)।

10. यूनिसेफ–निमहंस। बाल सड़क यातायात चोट निवारण परियोजना। भारत में बच्चों के लिए सुरक्षा. अन्वेषक: डॉ. गौतम एमएस, डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. धवल पी शुक्ला, डॉ. कनमनी राजू (यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषण)।

11. बेंगलुरु शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने का अभियान (BIGRS परियोजना का हिस्सा)। अन्वेषक: डॉ. गौतम मेलुर सुकुमार (जॉन्स हॉपकिन्स इंटरनेशनल इंजरी रिसर्च यूनिट द्वारा वित्त पोषण)।

12. प्रोजेक्ट एसयूएमएस (स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य का स्तर बढ़ाना): डिजाइनिंग और मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. सेंथिल अमुधन आर, डॉ. कविता वी जंगम (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

13. स्कूल मानसिक स्वास्थ्य: किशोरों में प्रौद्योगिकी की लत को संबोधित करते हुए, अन्वेषक: डॉ. सेंथिल अमुधन आर, डॉ. गिरीश एन राव, डॉ.मनोज कुमार शर्मा, डॉ. ईशा शर्मा (बायोकॉन द्वारा वित्त पोषण)।

14. शराब: दूसरों को नुकसान पहुँचाता है चरण II – भारत उप अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. गिरीश एन राव (डब्ल्यूएचओ और थाई स्वास्थ्य द्वारा वित्त पोषण)। मनोचिकित्सा विभाग से स्थानांतरित।

## न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर

1. मस्तिष्क सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव प्रलाप और संज्ञानात्मक शिथिलता पर इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज (सीएसआरआई, डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

2. न्यूरोसर्जरी में नॉन–ओपियोइड बनाम ओपियोइड पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिया: एक संभावित बहु–केंद्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (कोई दर्द परीक्षण नहीं) बहु–केंद्रित। अन्वेषक: डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. सुधीर वी (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

3. न्यूरोसर्जरी के बाद कार्डिएक ऑटोनोमिक डिसफंक्शन और पेरिऑपरेटिव परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. संगीता आरपी, डॉ. श्रीगणेश के (विज्ञान और प्रौद्योगिकी में विजन ग्रुप, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

4. विभिन्न प्रकार के इंटुबैषेण करने वाले स्वयंसेवक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के बीच हृदय गति परिवर्तनशीलता और चिंता। अन्वेषक: डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. राजीब कुमार मिश्रा, डॉ. सत्यप्रभा टीएन।

5. पिछले कोविड–19 संक्रमण वाले रोगियों में न्यूरो–सर्जिकल उपचार के पेरिऑपरेटिव परिणाम (पोस्ट कोविड–19 अध्ययन)। अन्वेषक: डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. धवल शुक्ला।

6. अस्पताल में गुर्दे की रिकवरी एकेआई प्राप्त: एक बहुकेंद्रीय गैर हस्तक्षेप अवलोकन अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. श्रीगणेश के.

7. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में दीर्घकालिक कार्यात्मक परिणाम के उन्नत चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) आधारित भविष्यवक्ता। अन्वेषक: डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. जीएस उमामहेश्वर राव, डॉ. रोज़ डॉन भरत, डॉ. नूपुर प्रुथी, डॉ. सोनिया बंसल (निम्हान्स इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

8. न्यूरो–सघन देखभाल इकाई में नींद – एक प्रश्नावली आधारित गुणात्मक नींद का मूल्यांकन और न्यूरोलॉजिकल रोगियों के सचेत उपसमूह में नींद की गड़बड़ी के पूर्वानुमानकर्ताओं की पहचान करना – एक संभावित समूह अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. संगीता आरपी, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. धृतिमान सी, डॉ. श्वेता एस नाइक।

9. भारतीय आईसीयू में वायुमार्ग प्रबंधन अभ्यास और इंट्यूबेशन की जटिलताएं (प्रभाव): भारतीय आईसीयू में एक संभावित बहुकेंद्रीय समूह अध्ययन और "भारतीय आईसीयू में कला के दौरान प्रतिकूल घटनाएं (नुकसान): एक संभावित बहुकेंद्रीय समूह अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, डॉ. श्वेताश्री के.आर.

10. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव कॉग्निटिव डिसफंक्शन (पीओसीडी) की घटना और जोखिम कारक – एक संभावित समूह अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. सुपर्णा भारद्वाज, डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. गोपालकृष्ण के, डॉ. सुभाष कोनार (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

11. वैकल्पिक बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनीमिया – एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. श्वेता एस नाइक, डॉ. श्रीगणेश के.

12. पेरी–ऑपरेटिव जमावट असामान्यताएं और इंट्रावेंट्रिकुलर घावों के लिए न्यूरोसर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव – एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. श्वेता एस नाइक, डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. विकास वी।

13. जीबीएस के रोगियों में रेक्टस फेमोरिस मांसपेशियों में परिवर्तन का यूएसजी मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. श्वेता एस नाइक, डॉ. वी भद्रीनारायण, डॉ. सरस्वती नाशी।

14. गुइलेन बैरे सिंड्रोम वाले रोगियों में चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय के बाद संवहनी एंडोथेलियल अखंडता का आकलन। अन्वेषक: डॉ. श्वेताश्री केआर, डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. विजय कुमावत, डॉ. सारदा सुब्रमण्यन, डॉ. मधु नागप्पा (एसईआरबी, सीआरजी द्वारा वित्त पोषण)।

15. इंट्राक्रानियल न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान लाल रक्त कोशिका आधान प्राप्त करने वाले रोगियों में नॉनइनवेसिव और पॉइंट–ऑफ–केयर हीमोग्लोबिन मूल्यांकन के बीच तुलना। अन्वेषक: डॉ. भरत एस, डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. श्वेताश्री केआर, डॉ. निशांत सदाशिव।

16. तंत्रिका गहन देखभाल इकाई में सीरम प्रोकैल्सीटोनिन परख की उपयोगिता – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. भरत एस, डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. राकेश, डॉ. संध्या वी, डॉ. श्वेताश्री केआर।

17. भारतीय गहन देखभाल इकाइयों में मौजूद नमक आधारित या संतुलित समाधान रुझान – एक बहुकेंद्रीय संभावित अवलोकन संबंधी समूह अध्ययन (घुलनशील अध्ययन)। अन्वेषक: डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. भरत एस, डॉ. राजीब कुमार मिश्रा, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज (आईएससीसीएम द्वारा वित्त पोषण)।

18. न्यूरो गहन देखभाल इकाइयों में भर्ती हवादार रोगियों में खुले एंडोट्रैचियल सक्शन की आवश्यकता को कम करने के लिए ट्रेचफ्लश डिवाइस के साथ कृत्रिम खांसी पैंतरेबाज़ी: एक व्यावहारिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. भरत एस, डॉ. अभिनित शशिधर।

19. सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस वाले रोगियों में मल्टीमॉडल मस्तिष्क निगरानी– एक खोजपूर्ण अध्ययन। डॉ. प्राची शर्मा। मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज, डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. प्रीतम राजा, डॉ. अभिनित शशिधर, डॉ. आलोक मोहन उप्पार (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)

20. तीव्र गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के साथ बेहोश रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी और बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स प्रतिक्रियाशीलता। डॉ. गायत्री सरकार. मार्गदर्शक: डॉ. रमेश वीजे, डॉ. रोहिणी एम सर्वे।

21. टूटे हुए इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म के एंडोवास्कुलर एम्बोलिज़ेशन के दौरान सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन परिवर्तनों का आकलन: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। डॉ. पार्थिबन जी. मार्गदर्शक: डॉ. केआर मधुसूदन रेड्डी, डॉ. सुधीर वी, डॉ. संगीता आरपी, डॉ. अरविंदा एचआर।

22. स्पाइन सर्जरी के लिए पारंपरिक एनाल्जेसिया बनाम इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक प्राप्त करने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव दर्द, पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिया की खपत और सर्जिकल तनाव की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ एम महेंद्रनाथ. मार्गदर्शक: डॉ. श्रीगणेश के., डॉ. श्वेताश्री के.आर.

23. न्यूरोइंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में दर्द का आकलन – एक संभावित अध्ययन। डॉ. तेजस्वी जीएम. मार्गदर्शक: डॉ. रमेश वीजे, डॉ. रोहिणी एम सुर्वे, डॉ. श्वेताश्री केआर।

24. बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जिकल रोगियों में प्रारंभिक पश्चात की जटिलताएँ – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ अमृता निराले. मार्गदर्शक: डॉ. श्रीगणेश के, डॉ.धवल शुक्ला, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज, डॉ. संगीता आरपी।

25. वयस्क वैकल्पिक न्यूरोसर्जिकल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव फुफ्फुसीय जटिलताएँ– एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. एसबी दीप्ति चंदना, मार्गदर्शक: डॉ. एम राधाकृष्णन, डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. एस भरत।

26. न्यूरो क्रिटिकल केयर रोगियों में एक्सट्यूबेशन विफलता की घटना, जोखिम कारक और परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. रकुलप्रसाद एस, मार्गदर्शक: डॉ. श्रीगणेश के, डॉ. संगीता आरपी।

27. विलंबित सेरेब्रल इस्किमिया पर कम खुराक अंतःशिरा केटामाइन का प्रभाव और एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड रक्तस्राव के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. मंशी गांधी, मार्गदर्शक: डॉ. वीजे रमेश, डॉ. राजीब कुमार मिश्रा, डॉ. धवल शुक्ला, डॉ. कार्तिक के.

28 क्लिपिंग के दौर से गुजर रहे पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार के टूटे हुए रोगियों में डेसफ्लुरेन और प्रोपोफोल एनेस्थीसिया के बीच सेरेब्रल रक्त प्रवाह वेग, सेरेब्रल ऑटो विनियमन और क्षेत्रीय ऑक्सीजन संतृप्ति की तुलना – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. एस कार्तिक. मार्गदर्शक: डॉ. मधुसूदन रेड्डी, डॉ. भरत एस.

29. ऐच्छिक क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में इंट्राऑपरेटिव मस्तिष्क सूजन की घटना और जोखिम कारक– एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. शिव केशव मूर्ति ए. मार्गदर्शक: डॉ. राधाकृष्णन एम, डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. अभिनित शशिधर।

30. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत सुप्राटेंटोरियल घावों के लिए सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सेवोफ्लुरेन, आइसोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन के सेरेब्रल वासोडिलेटरी प्रभावों की तुलना। डॉ मयंक अरोड़ा. मार्गदर्शक: डॉ. सुधीर वेंकटरमैया, डॉ. सुपर्णा भारद्वाज।

31. बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी रोगियों में उभरते प्रलाप के लिए घटना और जोखिम कारकों का आकलन – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ. सौम्या के.आर. मार्गदर्शक: डॉ. श्वेताश्री के.आर., डॉ. श्रीगणेश के.

31. तीव्र दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव स्कोरिंग सिस्टम का उपयोग करके इंट्राऑपरेटिव हाइपोटेंशन की घटनाओं की भविष्यवाणी। डॉ. मेश्वा देसाई। मार्गदर्शक: डॉ. श्वेता एस. नाइक, डॉ. भरत एस.

32. यांत्रिक रूप से हवादार रोगियों में निचले श्वसन पथ में स्राव / जीवाणु उपनिवेशण की सूक्ष्म आकांक्षा की रोकथाम के लिए एक स्वचालित स्राव और मौखिक स्वच्छता प्रबंधन उपकरण, "वीएपी केयर" और पारंपरिक देखभाल की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। डॉ. मुरलीधर पी. मार्गदर्शक: डॉ. धृतिमान चक्रवर्ती, डॉ. श्वेता एस नाइक (इनएक्सेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण)।

33. QoR-40 स्कोर का उपयोग करके इंट्राक्रैनियल और स्पाइनल सर्जरी के बाद रोगियों में रिकवरी की गुणवत्ता का अध्ययन करना और रोगी की रिकवरी प्रोफ़ाइल का आकलन करना। डॉ.प्रिया. मार्गदर्शक: डॉ. वी. भद्रिनारायण, डॉ. संगीता आरपी।

34. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले यांत्रिक रूप से हवादार रोगियों में श्वसन यांत्रिकी पर ऑप्टिक तंत्रिका म्यान व्यास में भिन्नता का प्रभाव: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। डॉ दिव्या राणा. मार्गदर्शक: डॉ. रोहिणी एम. सुर्वे, डॉ. राजीब कुमार मिश्रा।

35. सुपरटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले ओपियोइड और ओपियोइड मुक्त एनाल्जेसिया प्राप्त करने वाले रोगियों में एनाल्जेसिया नोसिसेप्टिव इंडेक्स, सर्जिकल प्लीथ इंडेक्स और हानिकारक उत्तेजनाओं के हेमोडायनामिक मापदंडों में परिवर्तन की तुलना - एक खुला लेबल तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. राकेश टी.एल. मार्गदर्शक: डॉ. सोनिया बंसल, डॉ. श्वेताश्री, श्रीगणेश।

## न्यूरो इमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

1. भारत में न्यूरोथ्रोम्बेक्टोमी उपकरणों से उपचारित तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों के मूल्यांकन के लिए PRAAN-संभावित रजिस्ट्री। अन्वेषक: डॉ. अरविंदा एचआर, डॉ. कार्तिक के.

2. इंटेलिस्पेस पोर्टल का सत्यापन 13. अन्वेषक: डॉ. रोज़ डॉन भरत।

3. पार्किंसंस रोग में सूजन मध्यस्थों के लिए मस्तिष्क के सफेद पदार्थ की संवेदनशीलता: एक खोजपूर्ण डीटीआई अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. मधुरा इंगाल्हिकर (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

4. उच्च कोणीय रिज़ॉल्यूशन प्रसार एमआरआई के माध्यम से आवश्यक कंपन में संरचनात्मक संयोजी पर शुरुआत की उम्र के प्रभावों की जांच करना। अन्वेषक: डॉ. जितेंद्र सैनी (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

5. उच्च-रिज़ॉल्यूशन मल्टी-मोडल एमआरआई विश्लेषण के माध्यम से पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश की विशेषता। अन्वेषक: डॉ. जितेंद्र सैनी (डीएसटी-सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

6. आराम-अवस्था एफएमआरआई का उपयोग करके स्ट्रोक में छिड़काव की कमी के बेहतर लक्षण वर्णन की ओर। अन्वेषक: डॉ. जितेंद्र सैनी (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

7. ग्लिओमास में CDKN2A/B परिवर्तनों के लिए रेडियोजीनोमिक्स। अन्वेषक: डॉ. कार्तिक के, डॉ. जितेंद्र सैनी (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

8. एक्यूट ऑप्टिक न्यूरिटिस के मूल्यांकन में सिंगल शॉट इकोप्लानर डीडब्ल्यूआई (एसएसडीडब्ल्यूआई) और रीडआउट सेगमेंटेड (आरएस_डीडब्ल्यूआई) की तुलना। अन्वेषक: डॉ. माया दत्तात्रय भट्ट, डॉ. कार्तिक के.

9. सिज़ोफ्रेनिया के नकारात्मक लक्षणों के लिए अनुकूलित प्रीफ्रंटल और सेरेबेलर इंटरमिटेंट थीटा बर्स्ट उत्तेजना-इमेजिंग और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल परिणामों के साथ डबल ब्लाइंड अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. संध्या एम (डीएचआर द्वारा वित्त पोषण)।

10. न्यूरोवास्कुलर विकारों में मल्टीलेबल एएसएल इंट्राम्यूरल। अन्वेषक: डॉ. संध्या एम.

11. अपक्षयी रीढ़ और दर्दनाक ग्रीवा रीढ़ की चोट में टी1, टी2 और जीई इमेजिंग का उपयोग करके स्पाइनल इमेजिंग में विभिन्न गहन शिक्षण एल्गोरिदम की तुलना करना। अन्वेषक: डॉ. संध्या एम, डॉ. केदारनाथ, कम्प्यूटेशनल विज्ञान और गणित विभाग, एनआईटीके, सुरथकल।

12. हिस्टोलॉजी और आणविक मार्करों का उपयोग करके ग्लियोमा में कीमो-प्रतिरोध का पता लगाने के लिए नए रेडियो-ट्रेसर का विकास और सत्यापन। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रिप्ती ठाकुर (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

13. ग्लियोमा रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ सहसंबंध में 99mTc-मेथियोनीन की 11C-मेथियोनीन और एमआरआई के साथ नैदानिक प्रभावकारिता की तुलना करना। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. संध्या मैंगलोर, डॉ. चंद्रजीत, डॉ. चंदना, डॉ. निशांत, डॉ. मनीष, डॉ. वाणी, डॉ. पूजा पंवार, डॉ. अनिल मिश्रा (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण) -एसईआरबी)।

14. पीईटी का उपयोग करके रसायन प्रतिरोध के एक मार्कर के रूप में पी-ग्लाइकोप्रोटीन अभिव्यक्ति की गैर-आक्रामक मात्रा का ठहराव। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रदीप चौधरी, एसीटीआरईसी, मुंबई (बीआरएनएस न्यू द्वारा वित्त पोषण)।

15. न्यूरोवास्कुलर विकारों में बहु-विलंब धमनी स्पिन लेबलिंग की भूमिका की खोज। अन्वेषक: डॉ. संध्या एम, डॉ. कार्तिक के.

16. मालिकाना क्षेत्र सुधार के साथ एमआर ऑक्सीमेट्री का उपयोग करके संवहनी मनोभ्रंश के विभेदक निदान के लिए एक न्यूरोइमेजिंग उपकरण। अन्वेषक: डॉ. जोसेफ पॉल, डॉ. कार्तिक के (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

17. ग्लूटामेटेरिक और जीएबीएर्जिक न्यूरो ट्रांसमीटरों का विवो मूल्यांकन और दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोइन्फ्लेमेटरी प्रतिक्रियाओं के मॉड्यूलेशन में उनकी भूमिका: नैदानिक परिणामों को चिह्नित करने में एक बहु निर्माता दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. मनोज कुमार (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

18. डोपामाइन-प्रतिरोधी पार्किंसंस कंपकंपी में गामा-एमिनोब्यूट्रिक एसिड का चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण: संभावित भूमिका और चिकित्सीय निहितार्थ। अन्वेषक: डॉ. श्वेता प्रसाद, डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. मनोज कुमार (डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस (ईसीएफ) द्वारा वित्त पोषण)।

19. रेडियोमिक्स और मशीन लर्निंग का उपयोग करके उच्च ग्रेड ग्लियोमास का फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण वर्णन। डॉ अभिलाषा इंदौरिया. मार्गदर्शक: डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. चंद्रजीत प्रसाद, डॉ. द्वारकानाथ श्रीनिवास, डॉ. मनीष बेनीवाल, डॉ. नीलम सिन्हा।

## तंत्रिका विज्ञान

1. मिर्गी, मनोवैज्ञानिक गैर-मिर्गी दौरे, मनोवैज्ञानिक आंदोलन विकारों और अवसाद में मस्तिष्क-व्यवहार संबंधों के मूल्यांकन में सामान्य और विशिष्ट कार्यात्मक मस्तिष्क नेटवर्क - एक एफएमआरआई अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. कार्तिक के, डॉ. संजीब सिन्हा (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

2. भारत में जन्मजात मायस्थेनिक सिंड्रोम के जीनोमिक परिदृश्य को समझना: रोगजनक विज्ञान में एक व्यापक फेनोटाइपिंग और कार्यात्मक जांच। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वी (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

3. भारत में एएलएस प्रवृत्ति की आनुवंशिकी को समझना-नए, रोग संबंधी आनुवंशिक वेरिएंट की खोज करना। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. गौतम अरुणाचल, डॉ. सरस्वती नाशी (वेरिएंट बायो द्वारा वित्त पोषण)।

4. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक मेडिसिन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICGNMD)। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. सरस्वती नाशी (इंटरनेशनल सेंटर फॉर जीनोमिक मेडिसिन द्वारा वित्त पोषण। यूसीएल, लंदन यूके)।

5. नॉनसेंस म्यूटेशन डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और ओपन लेबल एक्सटेंशन वाले मरीजों में चरण 3 यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित प्रभावकारिता और अटल्यूरेन का सुरक्षा अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. सरस्वती नाशी (पीटीसी थेराप्यूटिक इंक द्वारा वित्त पोषण)।

6. दुर्लभ और अन्य वंशानुगत विकारों के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. सरस्वती नाशी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

7. एनआईएमएचएएनएस में पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों वाले रोगियों के लिए न्यूरो-पैलिएटिव और सहायक देखभाल मॉडल का विकास। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नेत्रवती, डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. धनशेखर पांडियन (सीआईपीएलए द्वारा वित्त पोषण) कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी)।

8. एस एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर न्यूरोमस्कुलर जेनेटिक्स में सुधार के लिए डीएसटी फिस्ट फंड। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

9. नवीन नैदानिक रोग-विशिष्ट मार्करों की पहचान के लिए तपेदिक मैनिंजाइटिस में मस्तिष्कमेरु द्रव और रक्त में परिसंचारी संपूर्ण माइक्रोआरएनए प्रोफाइल को समझना। अन्वेषक: डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. हंसाश्री पद्मनाभ (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

10. गहरी मस्तिष्क उत्तेजना (डीबीएस) के बाद पार्किंसंस रोग के रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक और मैलोन्डियलडिहाइड स्तर में परिवर्तन का अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. प्रमोद पाल (इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी द्वारा वित्त पोषण)।

11. फोकल मिर्गी में मोटर प्लास्टिसिटी का व्यापक और बहु-मोडल मूल्यांकन और दवा प्रतिरोधी मिर्गी के पूर्व-सर्जिकल मूल्यांकन में इसकी भूमिका। अन्वेषक: डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. निशांत सदाशिव, डॉ. उर्वख्श मेहता, डॉ. नंदकुमार डीएन, डॉ. रवींद्रनाथ मुंडलामुरी, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. एलजी विश्वनाथन, डॉ. मरियप्पा एन, डॉ. अरिवाझगन ए, डॉ. मल्ला भास्कर राव, डॉ. कार्तिक के, डॉ. रोज़ डॉन भरत (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

12. भारत में कोविड-19 महामारी और तंत्रिका विज्ञान - सीओआईएन अध्ययन: तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान और प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं पर प्रभाव का सर्वेक्षण। अन्वेषक: डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. अभिनित शशिधर, डॉ. हर्ष देवड़ा, डॉ. उर्वाख्श मेहता, डॉ. बी बिनुकुमार। डॉ. एलजी विश्वनाथन।

13. मिर्गी में कलंक और देखभाल के तरीकों को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस, डॉ. केएस

मीना, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रवींद्रनाथ मुंडलामुरी, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. एलजी विश्वनाथन।

14. फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया में मस्तिष्क स्वास्थ्य में सामाजिक संपर्क और शारीरिक गतिविधि की भूमिका। अन्वेषक: डॉ. फहीम अरशद, डॉ. सुवर्णा अल्लादी (ग्लोबल ब्रेन हेल्थ इंस्टीट्यूट, अल्जाइमर एसोसिएशन और अल्जाइमर सोसाइटी यूके द्वारा वित्त पोषण)।

15. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित न्यूनतम इनवेसिव, एकल ऑपरेटर संचालित, सक्शन-आधारित मांसपेशी बायोप्सी तकनीक के लिए एक स्वदेशी उपन्यास उपकरण: अवधारणा प्रोटोटाइप विकास का प्रमाण। अन्वेषक: डॉ. दीपक मेनन, डॉ. अरुण थिट्टाई, प्रोफेसर आईआईटी मद्रास, डॉ. सुजेश एस, जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, एससीटीआईएमएसटी (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

16. भारतीय संदर्भ में फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया एफटीडी/एफटीडी ओवरलैप सिंड्रोम और प्रारंभिक शुरुआत अल्जाइमर डिमेंशिया वाले मरीजों में बायोमार्कर के रूप में इमेजिंग पैटर्न पहचान और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल। अन्वेषक: डॉ. आर सुबाश्री, डॉ. सुवर्णा अल्लादी (डीएसटी, सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

17. स्कैल्प ईईजी-2021 से 2023 तक चेतना के विकारों का मशीन लर्निंग आधारित वर्गीकरण। जांचकर्ता: डॉ. आर सुबाश्री, डॉ. राघवेंद्र, डॉ. बिनी (आईआईटी कोट्टायम), डॉ. श्रीलक्ष्मी (पीएचडी छात्रा आईआईटीके), डॉ. सोनिया बी , डॉ. रवीन्द्रनाथ चौधरी (आईआईटी कोट्टायम द्वारा वित्त पोषण)।

18. क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल, दीर्घकालिक संज्ञानात्मक और कार्यात्मक परिणाम और गहन सीवीटी में पूर्वानुमान संबंधी संकेतक। अन्वेषक: डॉ. आर सुबाश्री, डॉ. गिरीश कुलकर्णी, डॉ. अमेया, डॉ. ताराचंद।

19. पोस्ट स्ट्रोक वाचाघात वाले विषयों में भाषण कल्पना को डिकोड करना: एक खोजपूर्ण उच्च घनत्व ईईजी अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. आर सुबाश्री, डॉ. एजी रामकृष्णन, डॉ. गिरीश कुलकर्णी, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. राघवेंद्र, डॉ. वंदना वीपी, डॉ. अवंती पापलीकर (माइल लैब, आईआईएससी द्वारा वित्त पोषण)।

20. उपभोक्ता ग्रेड ईईजी का उपयोग करके पोस्ट स्ट्रोक वाचाघात वाले विषयों में भाषण इमेजरी को डिकोड करना। अन्वेषक: डॉ. आर सुबाश्री, डॉ. माधव राव, डॉ. गिरीश कुलकर्णी, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. राघवेंद्र, डॉ. वंदना वीपी, डॉ. अवंती पापलीकर (आईआईआईटी बैंगलोर द्वारा वित्त पोषण)।

21. स्मार्ट टीवीएनएस: एक उपकरण जो दुर्दम्य मिर्गी की निगरानी और उपचार के लिए गैर-इनवेसिव ट्रांसक्यूटेनियस वेगल तंत्रिका उत्तेजना (टीवीएनएस) को अनुकूलित करने के लिए बंद-लूप तकनीक और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। अन्वेषक: डॉ. रवींद्रनाथ चौधरी एम, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. अरुण शशिधरन, सुश्री ऐश्वर्या स्वामी (डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

22. क्रोनिक अनिद्रा के रोगियों में ऐड-ऑन थेरेपी के रूप में एसडीए - 217 का एक यादृच्छिक, बहु-केंद्रित, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. शेषगिरी डीवी, डॉ. रवि यादव, डॉ. मधु एन (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

23. चुंबकीय स्रोत इमेजिंग के लिए स्वचालित लैंडमार्क पहचान के साथ एमईजी-एमआरआई कोर पंजीकरण उपकरण का विकास: एमआईटी-निमहंस सहयोगात्मक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अनीता एच (प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, एमआईटी, मणिपाल), डॉ. संजीब सिन्हा (डीएचआर-जीआईए द्वारा वित्त पोषण)।

24. बेंगलुरु महानगरीय क्षेत्र के अस्पतालों में तीव्र स्ट्रोक पुनरोद्धार और रोगियों के व्यवस्थित स्थानांतरण में सुधार के लिए समर्पित स्ट्रोक कमांड और नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन: एक स्टेप-वेज क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. नुपुर प्रूथी, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. प्रीतम राजा, डॉ. लिंगराजू टीएस, डॉ. गौतम एमएस, डॉ. अरविंद बीएस, डॉ. बीनू वीएस (एसकेएएन द्वारा वित्त पोषण) विश्वास)।

25. पारिवारिक हेमिप्लेजिक माइग्रेन का व्यापक जीनोमिक मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. पूजा एम, डॉ. गिरीश बी कुलकर्णी, डॉ. गौतम अरुणाचल, डॉ. चेतन जीके (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

26. मोटर उतार-चढ़ाव के साथ पार्किंसंस रोग के रोगियों में मोटर और गैर-मोटर अभिव्यक्तियों पर ऐड-ऑन योग चिकित्सा का प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. पूजा एम, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. रश्मी ए, डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. रता क्रिस्टोफर (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

27. सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस (एसएसपीई) में आईएल-12/आईएफएन-γ अक्ष के कार्यात्मक निहितार्थ का विश्लेषण: एक एकीकृत नैदानिक, जैव रासायनिक, आनुवंशिक और जीन अभिव्यक्ति अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. विश्वनाथन एलजी (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

28. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र। अन्वेषक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. सीना वी (एमआरसी, यूके द्वारा वित्त पोषण)।

29. एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस रोगियों के पोस्टमॉर्टम ऊतक में जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग। अन्वेषक: डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. नलिनी ए, डॉ. गौतम अरुणाचल यू, डॉ. सीना वेंगालिल, डॉ. अनीता महादेवन (एसईआरबी पावर द्वारा वित्त पोषण)।

30. युवा बनाम देर से शुरू होने वाले पार्किंसंस रोग की मोटर और गैर-मोटर विशेषताओं के नैदानिक, इमेजिंग, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल और आनुवंशिक बायोमार्कर की तुलना: भारत से 1000-पीडी समूह का एक अनुदैर्ध्य रोग प्रगति अध्ययन (वाईएलओपीडी बायोमार्कर अध्ययन)। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद

कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम होल्ला और अन्य (स्कैन द्वारा वित्त पोषण)।

31. क्या कॉर्टिकल उत्तेजना परिवर्तन पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक हानि की शुरुआत की भविष्यवाणी कर सकते हैं? अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. नितीश कांबले (डीएसटी–सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

32. पार्किंसंस रोग, मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी–पार्किंसनिज़्म और प्रगतिशील सुपरन्यूक्लियर पाल्सी के बीच अंतर करने के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए का प्रसार। अन्वेषक: डॉ. रवि यादव, डॉ. प्रमोद कुमार पाल (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

33. पार्किंसंस रोग के लिए प्रोटीन बायोमार्कर की खोज। अन्वेषक: डॉ. अखिलेश पांडे, आईओबी, निम्हान्स, डॉ. प्रमोद कुमार पाल (वेलकम ट्रस्ट–डीएसटी इंडिया अलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

34. भारतीय मूवमेंट डिसऑर्डर रजिस्ट्री और बायोबैंक: भारतीय रोगियों में मूवमेंट विकारों का नैदानिक और आनुवंशिक मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. अखिलेश पांडे, डॉ. रवि यादव, डॉ. बेबीलक्ष्मी मुथुसामी (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

35. पार्किंसंस रोग में सूजन मध्यस्थों के लिए मस्तिष्क के सफेद पदार्थ की संवेदनशीलता: एक खोजपूर्ण डीटीआई अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. मधुरा इंगाल्हिकर (डीएसटी–एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

36. मानव मस्तिष्क के संरचनात्मक संयोजन का उन्नत नेटवर्क विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. मधुरा इंगाल्हिकर, पीएचडी, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, सिम्बायोसिस सेंटर फॉर मेडिकल इमेज एनालिसिस, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. जितेंद्र सैनी (डीएसटी–एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

37. एक साथ ईएमजी–एफएमआरआई और डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग का उपयोग करके पार्किंसंस रोग और आवश्यक कंपकंपी में पोस्टुरल और रेस्ट कंपकंपी के रोगजनन में बेसल गैन्लिया–थैलामो–कॉर्टिकल और सेरेबेलो–थैलामो–कॉर्टिकल नेटवर्क की भूमिका की खोज करना। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. जितेंद्र सैनी, डॉ. नितीश एल कांबले, डॉ. जॉन पी जॉन (डीएसटी–एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

38. भारत में पार्किंसंस रोग की आनुवंशिक संरचना। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. मोनोजीत देबनाथ (मेचेल जे फॉक्स फाउंडेशन, यूएसए द्वारा वित्त पोषण)।

39. ब्रेन आयरन संचयन (एनबीआईए) विकारों के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन का आणविक विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. अखिलेश पांडे, डॉ. बेबीलक्ष्मी मुथुसामी, डॉ. रवि यादव (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

40. आनुवंशिक उत्परिवर्तन का स्पेक्ट्रम और प्रगतिशील सुपरन्यूक्लियर पाल्सी के नैदानिक फेनोटाइप के साथ उनका संबंध। अन्वेषक: डॉ. रवि यादव, डॉ. प्रमोद कुमार पाल (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

41. स्पाइरल डीएक्स: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके कंपकंपी का निदान और मात्रा का ठहराव। अन्वेषक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम होल्ला (डीबीटी द्वारा वित्त पोषण)।

42. हाइपोकैनेटिक और हाइपरकिनेटिक मूवमेंट विकारों के रोगियों में लिखावट और ड्राइंग की गतिक विशेषताओं का मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. नितीश कांबले, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, श्री अमिताभ भट्टाचार्य।

43. भारतीय मल्टीपल स्केलेरोसिस और संबद्ध डिमाइलेटिंग विकार रजिस्ट्री और अनुसंधान नेटवर्क। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. गीता देसाई, डॉ. माया भट, डॉ. प्रिया थ्रीसा थॉमस, डॉ. के. थेनारुसु, डॉ. शिवरामा वरम्बली, डॉ. शांताला हेगड़े, डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. केएस मीना (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

44. मल्टीपल स्केलेरोसिस के प्रबंधन में एकीकृत योग आधारित जीवन शैली चिकित्सा की प्रभावकारिता। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. शिवराम वरम्बली, डॉ. माया भट, डॉ. प्रिया थॉमस, डॉ. हेमन्त भार्गव, डॉ. किशोर कुमार आर (डीएसटी सत्यम द्वारा वित्त पोषण)।

45. कोविड–19 न्यूरोलॉजिकल रोग: ब्राजील, भारत और मलावी में एक संभावित अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता देसाई (डीएचएससी/यूकेआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

46. मस्तिष्क संक्रमण पर एनआईएचआर वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान समूह। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता देसाई, डॉ. प्रदीप बीएस, डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस (एनआईएच द्वारा वित्त पोषण)।

47. मस्तिष्क संक्रमण पर एनआईएचआर वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान समूह – एनईपीएसवाईकॉन सबस्टडी। प्रधान अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता देसाई (एनआईएच द्वारा वित्त पोषण)।

48. सेरोनिगेटिव एनएमओ में बायोमार्कर खोज। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता महादेवन (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

49. एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, जिसमें नॉन–रिलैप्सिंग सेकेंडरी प्रोग्रेसिव मल्टीपल स्केलेरोसिस (हरक्यूलिस) वाले प्रतिभागियों में एसएआर442168 की प्लेसबो से तुलना की गई। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम (सनोफी– सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण)।

50. एसएआर442168 – ईएफसी16034 – एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, जिसमें मल्टीपल स्केलेरोसिस के पुनरावर्ती रूपों वाले प्रतिभागियों में एसएआर442168 की तुलना टेरीफ्लुनोमाइड (ऑबागियो®) से की गई है। मिथुन राशि। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम. (सनोफी– सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण)।

51. SAR442168 – EFC16035 – एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, प्राथमिक प्रगतिशील मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले प्रतिभागियों में SAR442168 की तुलना प्लेसबो से की गई। पर्सियस। अन्वेषक: डॉ. नेत्रवती एम (सैनल्फी–सिंथेलाबो (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण)।

52. पार्किंसंस रोग और अनुमस्तिष्क गतिभंग के रोगियों में व्यवहार और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल उपकरणों का उपयोग करके आंदोलन की शुरुआत और नियंत्रण के तंत्र को समझना। जांचकर्ता: डॉ. नितीश कांबले, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. जितेंद्र सैनी।

53. राष्ट्रीय स्ट्रोक देखभाल रजिस्ट्री कार्यक्रम का एचटीए – भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री (एचबीएसआर) का विकास। अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. पूजा, डॉ. सुवर्णा अल्लादी (राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर), बैंगलोर द्वारा वित्त पोषण, आईसीएमआर नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित)।

54. भारत में स्ट्रोक देखभाल में सुधार – निर्देश संचालन और नेटवर्क को आगे बढ़ाना (इम्प्रोविस–एशन। जांचकर्ता: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. पूजा (सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) यूनाइटेड किंगडम द्वारा वित्त पोषण)

55. स्मार्टफोन आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व वाला एक्यूट स्ट्रोक मैनेजमेंट (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. पूजा, डॉ. गिरीश एन राव (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

56. इंडियन स्ट्रोक क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क (INSTRuCT)–2. अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. सुबाश्री आर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

57. आंतरिक परीक्षण – सहज इंट्रासेरेबरल रक्तस्राव में ट्रैनेक्सैमिक एसिड का भारतीय परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

58. जीवित बचे लोगों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए मोबाइल मेडिकल एप्लिकेशन आधारित पोस्ट स्ट्रोक देखभाल रणनीति (गतिशीलता): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

59. निम्हान्स बैंगलोर में शिरापरक थ्रोम्बो–एम्बोलिक विकारों पर आईसीएमआर–राष्ट्रीय रजिस्ट्री (आई–रेगवीईडी)। अन्वेषक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. सरस्वती, डॉ. पूजा (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

60. क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों द्वारा न्यूरोलॉजिकल रोगों के निदान और उपचार के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित और मान्य करना: एक पायलट अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. गिरीश एन राव (कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

61. जटिल कौशल और कम साक्षरता के संदर्भ में अनुभूति का आकलन करने और मनोभ्रंश का निदान करने के लिए एक कौशल–आधारित तंत्रिका–संज्ञानात्मक परीक्षण प्रोटोकॉल का विकास। अन्वेषक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. अतानु बिस्वास, डॉ. जमुना राजेश्वरन, डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, डॉ. रोज़ डॉन भरत, डॉ. फहीम अरशद, डॉ. अवंती पापलीकर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

62. मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल के लिए एक अभिनव मॉडल के रूप में एक मनोभ्रंश डिजाइन स्टूडियो का विकास। अन्वेषक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. प्रिया थॉमस, डॉ. फहीम अरशद (लोव्स सर्विस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण)।

63. बड़े वाहिका अवरोधों के कारण तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के लिए एंडोवास्कुलर थेरेपी के दौरान बायोसिमिलर टीएनके बनाम टीपीए का यादृच्छिक परीक्षण: पुनः खोलें। अन्वेषक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. अरविंदा एचआर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

64. कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, मूवमेंट व्यवहार और गेमिंग के संयोजन से ऊपरी छोर के स्ट्रोक के उपचार के लिए एक व्यापक रूपरेखा। अन्वेषक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. गिरीश बाबू राव कुलकर्णी, डॉ. रोज़ डॉन बाराथ, डॉ. अनुपम गुप्ता (यूएवाई (आईसीएमआर) द्वारा वित्त पोषण [आईआईटी मद्रास और टीसीएस])।

65. नींद और स्ट्रोक: नींद के चरणों और स्लीप एपनिया की स्वचालित एआई आधारित स्कोरिंग की अनुभवजन्य जांच और एआई मॉडलिंग विकास और पीएसजी के खिलाफ पीपीजी, बीसीजी का सत्यापन और इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में नींद के अल्पकालिक परिणाम। अन्वेषक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. बापी राजू (आईआईआईटी–हैदराबाद), डॉ. रवि यादव, डॉ. रवींद्र पीएन, डॉ. केशव कुमार, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. केशव कुमार (आईहब डेटा और आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा वित्त पोषण) .

66. अल्कोहल उपयोग विकार में न्यूरोपैथी: व्यापकता, प्रोफ़ाइल, निर्धारकों और पैथोबायोलॉजिकल सबस्ट्रेट्स का एक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. मधु नागप्पा, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, डॉ. मोनोजीत देबनाथ, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

67. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग पर कम-आवृत्ति आरटीएमएस के एक सत्र का नियामक प्रभाव: एक मल्टीमॉडल ईईजी-एफएमआरआई अध्ययन। श्री भारद्वाज एस. मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. भरत आरडी, डॉ. उडुपा के।

68. OXPHOS विकारों का आणविक आधार: जीनोटाइपिक, फेनोटाइपिक और कार्यात्मक सहसंबंध। सुश्री दीफा एस. मार्गदर्शक: डॉ. गायत्री एन, डॉ. बिंदू पीएस, डॉ. मधु नागप्पा।

69. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी के साथ द्विभाषियों में कार्यकारी नियंत्रण का तंत्रिका-संज्ञानात्मक मूल्यांकन: एक एमईजी जांच। डॉ. नितिन टी.एच. मार्गदर्शक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. संजीब सिन्हा (डीएसटी सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

70. इस्केमिक स्ट्रोक से बचे लोगों में नींद की सूक्ष्म वास्तुकला में परिवर्तन का मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. मैथिरयी एस. मार्गदर्शक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. रवि यादव, डॉ. जितेंद्र सैनी (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

71. सार्कोग्लाइकेनोपैथी में कार्डिएक एमआरआई - पायलट अध्ययन। डॉ. बी विजय कुमार। मार्गदर्शक: डॉ. नलिनी ए, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. सीना वी, डॉ. आशिता बार्थर, एसोसिएट। प्रोफेसर, रेडियोलॉजी विभाग, एसजेआईसीआर, बेंगलुरु।

72. प्रीसर्जिकल मूल्यांकन और पोस्टऑपरेटिव जब्ती परिणाम की भविष्यवाणी में [18एफ] एफडीजी पीईटी-एमआरआई की भूमिका - एक पूर्वव्यापी अध्ययन। डॉ. मित्ता नंदिनी। मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रोज़ डॉन भरत, डॉ. रवींद्रनाथ सी, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. विश्वनाथन एलजी, डॉ. वेंकटेश मूर्ति।

73. असामान्य पार्किंसनिज़्म रोगियों की शृंखला की नैदानिक प्रोफ़ाइल और नैदानिक परिणाम और "एटिपिकल" असामान्य पार्किंसनिज़्म सिंड्रोम में पुनर्वर्गीकरण। डॉ. पवन कुमार कतरागड्डा। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. रोहन महाले, डॉ. विक्रम होल्ला।

74. डिस्फ़र्लिनोपैथी में कार्डिएक एमआरआई - पायलट अध्ययन। डॉ. अनीशा थॉमस। मार्गदर्शक: डॉ. नलिनी ए, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. सीना वी, डॉ. आशिता बार्थर, एसोसिएट। प्रोफेसर, रेडियोलॉजी विभाग, एसजेआईसीआर, बेंगलुरु (पीटीसी द्वारा वित्त पोषण)।

75. नैदानिक प्रोफ़ाइल, निर्णय लेने, आपातकालीन प्रबंधन और तीव्र स्ट्रोक के रोगियों के परिणाम पर एक पूर्वव्यापी अस्पताल-आधारित अध्ययन। डॉ. मनीषा गुप्ता. मार्गदर्शक: डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. प्रीतम राजा।

76. एमओजी एंटीबॉडी संबंधित रोग (एमओजीएडी) के रोगियों में उपचार विकल्पों की तुलनात्मक प्रभावकारिता। डॉ क्षितिजा जैन. मार्गदर्शक: डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. माया दत्तात्रेय भट्ट,

77. चलने-फिरने संबंधी विकार वाले रोगियों, उनकी देखभाल करने वालों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में आनुवंशिक परीक्षण का ज्ञान दृष्टिकोण और धारणा। डॉ. स्नेहा डी कामथ। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला।

78. संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण के साथ युवा शुरुआत पार्किंसंस रोग वाले रोगियों का क्लिनिकोजेनेटिक सहसंबंध। डॉ. स्नेहा डी कामथ। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला, डॉ. बेबीलक्ष्मी मुथुसामी, अनुसंधान वैज्ञानिक, जैव सूचना विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु।

79. भारतीय संदर्भ में संज्ञानात्मक हानि वाले व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत संज्ञानात्मक उत्तेजना चिकित्सा का अनुकूलन और व्यवहार्यता। डॉ. एस संदीप कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. प्रिया थॉमस, डॉ. फहीम अरशद,

80. मनोभ्रंश के रोगियों की नैदानिक, इमेजिंग और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन। डॉ. एस संदीप कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. प्रिया थॉमस, डॉ. फहीम अरशद।

81. जुवेनाइल मायोक्लोनिक मिर्गी (जेएमई) में मस्तिष्क संरचनात्मक सहप्रसरण नेटवर्क: एक ग्राफ विश्लेषण। डॉ. रविन्दु. मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रवींद्रनाथ सीएम, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. कार्तिक के।

82. बाल चिकित्सा तंत्रिका संबंधी विकारों में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण की नैदानिक प्रभावकारिता। डॉ. नागराज ए.आर. मार्गदर्शक: डॉ. हंसाश्री पी, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. गौतम अरुणाचल उडुपी।

83. क्रुट्ज़फेल्ट जैकब रोग के रोगियों में गति संबंधी विकारों की व्यापकता और पैटर्न। डॉ. संदीप गुर्रम. मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रवि यादव, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला।

84. मनोविकृति के साथ और बिना पार्किंसंस रोग के रोगियों में कॉर्टिकल उत्तेजना, निरोधात्मक और सुविधाजनक गुणों की तुलना। डॉ. संदीप गुर्रम. मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला। डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी.

85. जीएनई मायोपैथी - फेनोटाइप-जीनोटाइप विशेषताओं और रोग की प्रगति पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन। डॉ. दीप्ति भास्कर. मार्गदर्शक: डॉ. नलिनी ए, डॉ. दीपक मेनन, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. सीना वेंगालिल।

86. बाल चिकित्सा समूह में मिर्गी सर्जरी के परिणाम-एक पूर्वव्यापी अध्ययन। डॉ. उषा हम्बी. मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. निशांत सदाशिव, डॉ. राघवेंद्र

के, डॉ. एलजी विश्वनाथन।

87. मायोफिब्रिलर मायोपैथी: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। डॉ. हाबिल थॉमस ओमेन। मार्गदर्शक: डॉ. नलिनी ए, डॉ. सरस्वती नाशी, डॉ. सीना वेंगालिल।

88. प्रीसर्जिकल मूल्यांकन और पोस्ट ऑपरेटिव जब्ती परिणाम की भविष्यवाणी में मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी की भूमिका–एक पूर्वव्यापी अध्ययन। डॉ. सिंधु डीएम। मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रवींद्रनाथ चौधरी एम, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. कार्तिक के, डॉ. मरियप्पा एन।

89. एनसीसीटी पहलुओं और सीटी एंजियोग्राफी पहलुओं की अंतरपर्यवेक्षक परिवर्तनशीलता और रोधगलितांश मात्रा के साथ सहसंबंध। डॉ. अनुष रंगराजन। मार्गदर्शक: डॉ. सृजितेश पीआर, डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. अरविंदा एचआर।

90. एनएमओएसडी और एमओजी एंटीबॉडी रोग वाले रोगियों में उपचार विकल्पों की तुलनात्मक प्रभावकारिता। डॉ. कामाक्षी धनमीजा, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. माया दत्तात्रय भट्ट।

91. आनुवंशिक पार्किंसंस रोग के रोगियों के नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन। डॉ. प्रवीण शर्मा। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला।

92. डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) रोगियों में बैटरी प्रतिस्थापन के बाद क्लिनिकल प्रोफाइलिंग और बैटरी फ़ंक्शन के पैटर्न का अध्ययन। डॉ. प्रवीण शर्मा। मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. द्वारकानाथ श्रीनिवास, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. विक्रम वी होल्ला।

93. भारतीय आबादी में ऊपरी अंग की संवेदी तंत्रिकाओं का मानक डेटा स्थापित करना। डॉ. ए.एस. वामसी चलसानी. मार्गदर्शक: डॉ. मधु नागप्पा, डॉ. डीवी शेषगिरी, डॉ. विश्वनाथन एलजी.

94. ड्यूचेन और बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी में कार्डियक एमआरआई – एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। डॉ. ए.एस. मनु एसजी. मार्गदर्शक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. आशिता बार्थर, डॉ. इतिहास वी, डॉ. रवीश एच.

95. पार्किंसंस रोग और आवेग नियंत्रण विकारों के रोगियों में संरचनात्मक संबंध। डॉ. ए.एस. अंसारी मोहम्मद फरहान. मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. जीतेन्द्र सैनी, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. रोहन महाले, डॉ. विक्रम वी होल्ला (मूवमेंट डिसऑर्डर फंड, आईसीएमआर और गोल्डन जुबली फंड द्वारा वित्त पोषण)।

96. चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके टेम्पोरल लोब मिर्गी को पार्श्वीकृत करने में जीएबीए, ग्लूटामेट एकाग्रता और इसके अनुपात की भूमिका। डॉ. ए.एस. निखिलेश प्रधान. मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. संध्या एम, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. मनोज कुमार।

97. मनोभ्रंश उपप्रकारों में रक्त और रेटिना बायोमार्कर का अध्ययन। डॉ. ए.एस. रोहिदास बोरसे के लिए. मार्गदर्शक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. सारदा सुब्रमण्यन, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. पूजा एम, डॉ. रजनी बट्टू (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

98. फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया / फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया ओवरलैप सिंड्रोम और अल्जाइमर डिमेंशिया की शुरुआत में उम्र का निर्धारण करने वाले कारक। डॉ. ए.एस. अरुण गोकुल पोन, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. संजीव जैन, डॉ. चंद्रजीत प्रसाद, डॉ. गौतम अरुणाचल (डीएसटी सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

99. न्यू ऑनसेट स्टेटस एपिलेप्टिकस के लिए फेनोटाइपिक लक्षण वर्णन और पूर्वानुमानित बायोमार्कर की पहचान। डॉ. ए.एस. शरथ अडिगा एम. मार्गदर्शक: डॉ. शरथ अडिगा रवीन्द्रनाथ चौधरी एम, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. नंदकुमार डीएन (गोल्डन जुबली फंडिंग)।

100. पार्किंसंस रोग में मस्तिष्क चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके घ्राण बल्ब की मात्रा और घ्राण सल्कस गहराई के मूल्यांकन का अध्ययन और एटिपिकल पार्किंसनिज़्म और संवहनी पार्किंसनिज़्म के साथ तुलना। डॉ. ए.एस. देबायन दत्ता मुफ्त एमपी3 डाउनलोड मार्गदर्शक: डॉ. रोहन आर महाले, डॉ. प्रमोद के पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम होल्ला, डॉ. कार्तिक के.

101. हंटिंगटन रोग के रोगियों में गैर–मोटर लक्षण, जीवन की गुणवत्ता और देखभाल करने वाले। डॉ. ए.एस. दीपक कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. नितीश कांबले, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. रोहन महाले, डॉ. विक्रम वी होल्ला.

102. माइग्रेन में पूरक और वैकल्पिक दवा सहित तीव्र और रोगनिरोधी दवा के उपयोग का पैटर्न। डॉ. ए.एस. अविनाश कुमार. मार्गदर्शक: डॉ. पूजा एम, डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी, डॉ. गिरीश एन राव.

103. क्रोनिक इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग न्यूरोपैथी: चुंबकीय अनुनाद न्यूरोग्राफी और उच्च–रिज़ॉल्यूशन तंत्रिका अल्ट्रासाउंड का तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. ए.एस. जयन्त एस.एस. मार्गदर्शक: डॉ. इतिहास वी, डॉ. ए नलिनी, डॉ. कार्तिक के, डॉ. सरस्वती नाशी.

104. इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथी में स्वायत्त और हृदय संबंधी मूल्यांकन। – एक संभावित कार्डियक एमआरआई आधारित अध्ययन। डॉ. मोहम्मद समीम मंडल। मार्गदर्शक: डॉ. ए नलिनी, डॉ. टीएन सत्यप्रभा, डॉ. सीना वी, डॉ. सरस्वती एन, डॉ. आशिता बार्थर, सहायक। एसजेआईसीएसआर के न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर।

105. स्वस्थ बुजुर्गों और मनोभ्रंश में जीवन पाठ्यक्रम के अनुभवों और अनुभूति के बीच संबंध का अध्ययन। डॉ विक्रम सिंह. मार्गदर्शक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. सुबाश्री आर, डॉ. राघवेंद्र के, डॉ. जितेंद्र सैनी (डीएसटी सीएसआरआई द्वारा वित्त पोषण)।

105. ईईजी में अल्फा लय और सौम्य मिर्गी के प्रकारों का अध्ययन: एक पूर्वव्यापी वर्णनात्मक अध्ययन। डॉ. टीए संगीत। मार्गदर्शक: डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. रवींद्रनाथ चौधरी एम, डॉ. राघवेंद्र केंचिया, डॉ. अजय असरन्ना, डॉ. कार्तिक के, डॉ. रोज़ डॉन भरत।

106. आनुवंशिक प्रोफ़ाइल और इडियोपैथिक डिस्टोनिया वाले रोगियों में नैदानिक, न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और कोरियो-रेटिनल परिवर्तनों से इसका संबंध। डॉ देबज्योति धर. मार्गदर्शक: डॉ. प्रमोद के पाल, डॉ. रवि यादव, डॉ. नितीश कांबले, डॉ. विक्रम वी होल्ला, डॉ. बेबीलक्ष्मी मुथुसामी, जैव सूचना विज्ञान संस्थान (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

## तंत्रिका रोग चिकित्सा पुनर्वास

1. अपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में एक्सोस्केलेटल रोबोट के साथ चाल प्रशिक्षण और हरकत पर इसका प्रभाव: एक संभावित प्री-पोस्ट अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. अनुपम गुप्ता, डॉ. मीका खन्ना, डॉ. नवीन बीपी, डॉ. सुबाश्री आर (IIIT, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषण)।

2. स्ट्रोक के बाद के रोगियों में यौन रोग - भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। डॉ. अमृता विश्वनाथ। मार्गदर्शक: डॉ. मीका खन्ना, डॉ. अनुपम गुप्ता, डॉ. नवीन बीपी।

3. मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी (एमएसए) वाले मरीजों में यूरोलॉजिकल लक्षणों का मूल्यांकन और लोअर यूरिनरी ट्रैक्ट डिसफंक्शन (एलयूटीडी) के सिस्टोमेट्रोग्राफी पैटर्न की खोज। डॉ. हाफिस रहमान एम.सी. मार्गदर्शक: डॉ. अनुपम गुप्ता, डॉ. नवीन बीपी, डॉ. प्रमोद कुमार पाल, डॉ. विक्रम होल्ला।

## तंत्रिकाविकृति विज्ञान

1. एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा में बायोमार्कर पहचान- एक ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग आधारित दृष्टिकोण। अन्वेषक: डॉ. वाणी संतोष, डॉ. अरिवाझगन, डॉ. थेनारासु, प्रोफेसर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

2. ब्रेन बैंक नेटवर्क इंडिया पहल: तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान के लिए भारत में सैटेलाइट ब्रेन बैंकों की स्थापना। अन्वेषक: डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. शिल्पा राव, डॉ. बीडी रादोत्रा, डॉ. कीर्ति गुप्ता, डॉ. सुवेंदु पुरकैट, एम्स भुवनेश्वर (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

3. सेरोनिगेटिव न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका (एनएमओ) में बायोमेकर की खोज। जांचकर्ता. डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. बी पद्मनाभन, डॉ. केशव प्रसाद, सेंटर फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर मेडिसिन, येनेपोया (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

4. मेसियल टेम्पोरल स्केलेरोसिस के कारण मानव दवा प्रतिरोधी टेम्पोरल लोब मिर्गी में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन की भूमिका का मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. श्रीनिवास भरत, डॉ. मल्ला भास्कर राव, डॉ. अरिवाझगन ए, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. पी. सतीशचंद्र, डॉ. राघवंद्र के, डॉ. जे सैनी (डीएसटी एसईआरबी द्वारा वित्त पोषण)।

5. ब्रेन ट्यूमर के चित्रण के लिए बिमोडल इंट्रा-ऑपरेटिव जांच। अन्वेषक: डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. विकास वी, डॉ. शिल्पा राव, डॉ. हार्दिक पंड्या, आईआईएससी, बैंगलोर (डीएसटी द्वारा वित्त पोषण)।

6. माउस मॉडल में अल्जाइमर रोग की प्रगति की शुरुआत पर मंडुकपर्णी (सेंटेला एशियाटिका) और ब्राह्मी (बाकोपा मोनिएरी) रसायन का प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. के.पी. गुरुप्रसाद और डॉ. के सत्यमूर्ति, एमएएचई, मणिपाल, (प्रतीक्षा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषण)।

7. पूर्व-विवो मानव मस्तिष्क की उच्च रिज़ॉल्यूशन टेरापिक्सल इमेजिंग के लिए कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक मंच। अन्वेषक: डॉ. अनीता महादेवन, डॉ. मोहनशंकर शिवप्रकाशम, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर, आईआईटी मद्रास के प्रमुख, डॉ. पार्थ मित्रा, प्रोफेसर, कोल्ड स्प्रिंग हार्बर प्रयोगशाला; प्रतिष्ठित विजिटिंग चेयर प्रोफेसर, सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल ब्रेन रिसर्च, आईआईटी मद्रास, डॉ. जयराज जोसेफ, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास, डॉ. आनंद रघुनाथन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, पर्ड्यू विश्वविद्यालय; प्रतिष्ठित विजिटिंग चेयर प्रोफेसर, सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल ब्रेन रिसर्च, आईआईटी मद्रास, डॉ. जॉर्ज वर्गीस, प्रोफेसर और प्रमुख, संक्रामक रोग विभाग, सीएमसी वेल्लोर, डॉ. जे कुमुथा, प्रोफेसर और प्रमुख, नियोनेटोलॉजी विभाग, सवेथा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, तमिलनाडु सरकार के विशेषज्ञ सलाहकार बाल स्वास्थ्य (आईआईटी मद्रास के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

8. निम्हान्स, बेंगलुरु में उभरते और दोबारा उभरते संक्रमणों के लिए उच्च जोखिम शव परीक्षण सूट और जैव नमूनों की एक राष्ट्रीय बायोरिपोजिटरी की स्थापना। अन्वेषक: डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. शिल्पा राव, डॉ. नंदीश बीएन, डॉ. यशा टीसी, डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. विक्रम होल्ला, डॉ. नेत्रवती एम, डॉ. अनीता देसाई, डॉ. रीता मणि, डॉ. मंजूनाथ वी, डॉ. वीणाकुमारी सिंह, डॉ. प्रदीप बीएस (आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषण)।

9. प्राथमिक संस्कृति से प्राप्त ग्लियोब्लास्टोमा कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल परिवर्तनों का विश्लेषण। अन्वेषक: डॉ. शिल्पा राव, डॉ. वाणी संतोष, डॉ. यशा टीसी, (फंडिंग डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस)।

10. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक मेडिसिन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र। अन्वेषक: डॉ. नंदीश बीएन, डॉ. मधु नागप्पा (एमआरसी - यूके द्वारा वित्त पोषण)।

11. हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस और फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया के जीव विज्ञान में एस्ट्रोसाइटिक और माइक्रोग्लियल फेनोटाइप की भूमिका। सुश्री अदिति गोयल। मार्गदर्शक: डॉ. अनिता महादेवन, डॉ. संजीब सिन्हा, डॉ. अरिवाहगन

ए, डॉ. भूपेश मेहता, डॉ. शिल्पा राव (एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित मिर्गी परियोजना द्वारा वित्त पोषण)।

12. इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा मांसपेशी विकारों की बायोप्सी में ऑटोफैगी मार्करों का मूल्यांकन। डॉ अभिषेक चौधरी. मार्गदर्शक: डॉ. यशा टीसी, डॉ. नंदीश बीएन।

## न्यूरोसर्जरी

1. माइक्रो-वैस्कुलर एनास्टोमोसिस में अस्थायी क्लैंप के विकल्प के रूप में हाफ-शूलेस गाँठ: एक प्रायोगिक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. नूपुर प्रुथी (निम्हांस इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

2. विज़ुअलाइज़ेशन को बढ़ाने के लिए माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसेस में आईसीजी का उपयोग। अन्वेषक: डॉ. नूपुर प्रुथी (निम्हांस इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

3. सूक्ष्म-संवहनी एनास्टामोटिक सर्जरी में क्लैंप को हटाने के बाद हेमोस्टैट के रूप में पीआरपी की प्रभावकारिता का परीक्षण - एक प्रायोगिक अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. नूपुर प्रुथी (निम्हांस इंट्राम्यूरल फंडिंग)।

4. न्यूरोसर्जिकल मामलों में अस्थायी बाहरी सीएसएफ जल निकासी के संकेतों और परिणामों का एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। अन्वेषक: डॉ. हर्ष देवड़ा, डॉ. अभिनित शशिधर।

5. क्रोनिक ड्रग रेसिस्टेंट मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी के रोगियों में हिप्पोकैम्पस न्यूरोजेनेसिस पर योग और ध्यान का प्रभाव। अन्वेषक: डॉ. मल्ला भास्कर राव, डॉ. संजीब सिन्हा (एपिलेप्सी कोलोक्वियम रिसर्च फंड द्वारा वित्त पोषण)।

6. कर्नाटक में प्राथमिक से तृतीयक देखभाल सेवाओं में सामान्य न्यूरोलॉजिकल रोगों का निदान और उपचार: प्रोटोकॉल विकास, कार्यान्वयन और पायलट अध्ययन का प्रभाव मूल्यांकन। अन्वेषक: डॉ. सुवर्णा अल्लादी, डॉ. केएस मीना, (कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषण)।

## स्पीच पैथोलॉजी एवं ऑडियोलॉजी

1. माता-पिता ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के भाई-बहनों के लिए शीघ्र हस्तक्षेप की मध्यस्थता की, जो ऑटिज्म और संबंधित विकारों के विकास के उच्च पारिवारिक जोखिम में हैं। अन्वेषक: डॉ. एसएस मीरा (वेलकम ट्रस्ट डीबीटी इंडिया एलायंस द्वारा वित्त पोषण)।

2. एएनएसडी वाले व्यक्तियों में विकलांगता के आकलन के लिए साइकोमेट्रिक प्रश्नावली। अन्वेषक: डॉ. प्रदीप युवराज, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अजित (डीएचआर द्वारा वित्त पोषण)।

3. मनोभ्रंश से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों पर शिक्षा और tDCS का प्रभाव, अन्वेषक: डॉ. श्रीविद्या ए, (पर्यवेक्षक) डॉ. बीके यामिनी (ICSSR द्वारा वित्त पोषण)।

4. एकतरफा वेस्टिबुलर श्वाननोमा वाले रोगियों में केंद्रीय वेस्टिबुलर मुआवजा। श्री सुमन एन. मार्गदर्शक: डॉ. अरविंद कुमार आर, डॉ. नूपुर पुर्थी, डॉ. के. थेनेरासु।

5. प्रसवोत्तर गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित माताओं में मातृ भाषाई इनपुट और हावभाव का उपयोग और उनके शिशुओं की भाषा क्षमताओं पर इसका प्रभाव। सुश्री रेनी राजू। मार्गदर्शक: डॉ. एसएस मीरा, डॉ. प्रभा चंद्रा।

6. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के उच्च जोखिम वाले शिशुओं के शुरुआती घरेलू भाषा परिवेश का मूल्यांकन करने के लिए दिन भर की रिकॉर्डिंग का उपयोग। सुश्री दिव्या स्वामीनाथन। मार्गदर्शक: डॉ. एसएस मीरा, डॉ. सेंथिल अमुधन, डॉ. अशोक एमवी।

7. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और संबंधित विकारों के लिए उच्च पारिवारिक जोखिम वाले शिशुओं के लिए माता-पिता की मध्यस्थता वाला प्रारंभिक हस्तक्षेप, ऑनलाइन दिया गया। सुश्री मालवी श्रीकर। मार्गदर्शक: डॉ. एसएस मीरा, डॉ. जॉन विजय सागर।

8. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) वाले पूर्वस्कूली बच्चों में भाषा की विशेषताएं। सुश्री अखिला एस गिरिमाजी। मार्गदर्शक: डॉ. बीके यामिनी, डॉ. प्रीति जैकब, डॉ. मरियम्मा फिलिप।

9. श्रवण न्यूरोपैथी स्पेक्ट्रम विकार: स्वर उत्पादन और धारणा के बीच संबंध। श्री प्रशस्ति. मार्गदर्शक: डॉ. बीके यामिनी, डॉ. ए नलिनी।

10. भारतीय संदर्भ में प्राथमिक प्रगतिशील वाचाघात के मूल्यांकन के लिए भाषा के सांस्कृतिक रूप से मान्य परीक्षण का विकास। सुश्री दर्शिनी के.जे. मार्गदर्शक: डॉ.वंदना.वीपी. डॉ. सुवर्णा अल्लादी।

# अनुसंधान परियोजना (2022-23)

| | परियोजना संख्या | कुल राशि शामिल ( ) | प्रति वर्ष कुल राशि ( ) |
|---|---|---|---|
| **ए. नए स्वीकृत परियोजना** | | | |
| *1. राष्ट्रीय* | | | |
| मौलिक विज्ञान | 12 | 46983411 | 12914676 |
| ब्यवहार विज्ञान | 40 | 378173792 | 217969459 |
| स्नायु विज्ञान | 17 | 436268942 | 84273623 |
| *2. अंतराष्ट्रीय* | | | |
| मौलिक विज्ञान | 0 | 0 | 0 |
| ब्यवहार विज्ञान | 3 | 25622219 | 24804699 |
| स्नायु विज्ञान | 0 | 0 | 0 |
| **कुल** | **72** | **887048364** | **339962457** |
| **बी. चालू** | | | |
| *1. राष्ट्रीय* | | | |
| मौलिक विज्ञान | 69 | 390565490 | 291611806 |
| ब्यवहार विज्ञान | 132 | 1619884029 | 1302962196 |
| स्नायु विज्ञान | 97 | 952625269 | 815523707 |
| *2. अंतराष्ट्रीय* | | | |
| मौलिक विज्ञान | 1 | 17349328 | 17349328 |
| ब्यवहार विज्ञान | 15 | 241492503 | 232885259 |
| स्नायु विज्ञान | 8 | 26047936 | 25557359 |
| **कुल** | **322** | **3247964555** | **2685889655** |
| **सी. पूर्ण और समाप्त** | **76** | **662146253** | **589075057** |

## अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ


1. आचार्य यूवी, कुलंथैवेलु के, पांडा आर, सैनी जे, गुप्ता एके, शंकरन बीपी, एट अल. ज्वर संबंधी दौरे में कार्यात्मक नेटवर्क कनेक्टिविटी छाप. विज्ञान प्रतिनिधि 2022 फरवरी 28;12(1):3267.

2. अदिति देवी एन, फिलिप एम, वरम्बली एस, क्रिस्टोफर आर, गंगाधर बीएन। मोनोथेरेपी के रूप में योग प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में प्रोबीडीएनएफ – परिपक्व बीडीएनएफ अनुपात को बदल देता है। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 मार्च;81:103429.

3. अहमद एस, सैनी जे, गोरांटला पी, कुलंथावेलु के, शशिधर ए, देवरा एच, एट अल। रोगसूचक विकास संबंधी शिरापरक विसंगतियों के पैथोमैकेनिज्म की एक उदाहरणात्मक समीक्षा। जे कम्प्यूट असिस्ट टोमोग्र। 2023 जुलाई 24;

4. अहमद एस, सैनी जे, नेत्रवती एम, मनोहर पी, चन्द्रशेखर एन. क्रिप्टोकोकस गट्टी: देखने लायक एक मुद्रा! क्यूरियस. 2022 अगस्त;14(8):ई28344.

5. अल्बर्ट स्टेज़िन, सुजस भारद्वाज, सुनील खोखर, शांतला हेगड़े, संजीव जैन, रोज़ डॉन भरत, जितेंद्र सैनी, प्रमोद कुमार पाल। प्रारंभिक स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग 2 में विवो माइक्रोस्ट्रक्चरल सफेद पदार्थ में परिवर्तन – पबमेड [इंटरनेट]। [उद्धृत 2023 सितंबर 16]. एक्टा न्यूरोल स्कैंड 2021 मार्च;143(3):326–332.

6. अलकेन्टारा एम, एनजीओ एम, डे ला क्रूज़ जे, मेनन डी, बार्नेट–तापिया सी, काट्ज़बर्ग एच, एट अल। टेम्पोरल फैलाव और डिस्टल कंपाउंड मसल एक्शन पोटेंशियल की अवधि, डायबिटिक सेंसोरिमोटर पोलीन्यूरोपैथी को क्रोनिक इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पोलीन्यूरोपैथी से अलग नहीं करती है। फ्रंट न्यूरोल. 2022;13:872762.

7. अल–हकीम एचके, अल–मुसावी एएफ, अल–मुल्ला ए, अल–दुजैली एएच, देबनाथ एम, मेस एम। न्यूरो–इम्यून विषाक्तता के चालक के रूप में इंटरल्यूकिन–6/इंटरल्यूकिन–23/टी हेल्पर 17–अक्ष प्रमुख न्यूरोकॉग्निटिव साइकोसिस या डेफिसिट सिज़ोफ्रेनिया में: एक सटीक नॉमोथेटिक मनोरोग विश्लेषण। एक और 2022;17(10):ई0275839.

8. अंड्राडे सी. दीर्घकालिक एंटीडिप्रेसेंट दवा के उपयोग से जुड़े प्रतिकूल चिकित्सा परिणामों पर एक अवलोकन अध्ययन को गंभीरता से कैसे पढ़ा जाए, इस पर एक प्राइमर। जे क्लिन मनोरोग. 2022 दिसंबर 7;83(6):22f14733.

9. अंड्राडे सी. प्रसव उम्र की महिलाओं को वैल्प्रोएट के नुस्खे की समस्या को संबोधित करते हुए: टेस्टेनहोये और अन्य को उत्तर दें। जे क्लिन मनोरोग. 2022 अक्टूबर 12;83(6):22एलआर14566ए.

10. अंड्राडे सी. अवसादरोधी दवाएं और स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता: "वायरल" शोध पत्र की आलोचनात्मक नजर से जांच कैसे करें, इस पर एक पाठक की मार्गदर्शिका। जे क्लिन मनोरोग. 2022 मई 25;83(3):22f14527.

11. अंड्राडे सी. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों के लिए एन–एसिटाइलसिस्टीन के साथ एंटीसाइकोटिक ऑग्मेंटेशन। जे क्लिन मनोरोग. 2022 सितम्बर 26;83(5):22f14664.

12. अंड्राडे सी. अटेंशन–डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, और गर्भावस्था के दौरान एंटीसाइकोटिक ड्रग एक्सपोजर से जुड़े अन्य न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम। जे क्लिन मनोरोग. 2022 मई 30;83(3):22f14529.

13. अंड्राडे सी. बेंजोडायजेपाइन और जेड–हिप्नोटिक्स का गर्भकालीन एक्सपोजर और संतानों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और ध्यान–अभाव/अतिसक्रियता विकार का खतरा। जे क्लिन मनोरोग. 2023 मार्च 27;84(2):23f14863.

14. अंड्राडे सी. अल्जाइमर रोग में उदासीनता के लिए मिथाइलफेनिडेट और अन्य औषधीय उपचार। जे क्लिन मनोरोग. 2022 फ़रवरी 1;83(1):22f14398.

15. अंड्राडे सी. जुनूनी–बाध्यकारी विकार, टिक विकार, और प्रारंभिक जीवन संक्रमण। बायोल मनोरोग. 2023 जून 1;93(11):ई35.

16. अंड्राडे सी. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में सामान्य नैदानिक संदर्भों के लिए ओरल रेसमिक केटामाइन: एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप जिसे उपचार दिशानिर्देशों में कभी शामिल नहीं किया जा सकता है। द्विध्रुवी विकार. 2022 मार्च;24(2):113–4.

17. अंड्राडे सी. प्रैक्टिकल साइकोफार्माकोलॉजी: कम दवा की खुराक पर मरीजों को अधिक तेजी से स्थिर करने के लिए फार्माकोकाइनेटिक्स के ज्ञान का उपयोग करना। जे क्लिन मनोरोग. 2022 नवंबर 30;83(6):22f14722.

18. अंड्राडे सी. प्रोलैक्टिन-बढ़ाने और प्रोलैक्टिन-बख्शने वाली एंटीसाइकोटिक दवाएं और सिज़ोफ्रेनिया, डिमेंशिया और अन्य विकारों वाले मरीजों में फ्रैक्चर और नाजुकता फ्रैक्चर का जोखिम। जे क्लिन मनोरोग. 2023 जनवरी 30;84(1):23f14790।.

19. अंड्राडे सी. लंबे आधे जीवन के साथ साइकोट्रोपिक दवाएं: दवा बंद करने के लिए निहितार्थ, कभी-कभी छूटी हुई खुराक, खुराक का अंतराल और गर्भावस्था की योजना। जे क्लिन मनोरोग. 2022 अगस्त 1;83(4):22f14593.

20. अंड्राडे सी. इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी के संज्ञानात्मक प्रतिकूल प्रभावों के क्षीणन के लिए औषधीय हस्तक्षेप के लाभों पर पुनर्विचार। जे क्लिन मनोरोग. 2022 अक्टूबर 3;83(5):22f14668.

21. अंड्राडे सी. अनुसंधान डिजाइन और ओवरफिटिंग: जेलोवैक और मैक्लॉघलिन को उत्तर। जे क्लिन मनोरोग. 2022 अप्रैल 18;83(3):21एलआर14371ए.

22. अंड्राडे सी. चयनात्मक सेरोटोनिन रीपटेक अवरोधक गर्भावस्था और प्रसवोत्तर रक्तस्राव के जोखिम में उपयोग। जे क्लिन मनोरोग. 2022 अप्रैल 4;83(2):22f14455.

23. अंड्राडे सी. इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी से जुड़े कंकाल और दंत फ्रैक्चर। जे क्लिन मनोरोग. 2023 फ़रवरी 6;84(1):23f14797.

24. अंड्राडे सी. साइकोफार्माकोलॉजी में आधे जीवन का व्यावहारिक महत्व। जे क्लिन मनोरोग. 2022 जुलाई 25;83(4):22f14584.

25. आंद्रेओली एल, सेन पी, लिनी डी, विंज़े एमएन, श्रेइबर के, अग्रवाल वी, एट अल। इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथी वाली महिलाओं में प्रसवपूर्व अवधि के दौरान कोविड-19 वैक्सीन सुरक्षा। रुमेटोलॉजी (ऑक्सफ़ोर्ड)। 2023 जून 1;62(6):ई175-9.

26. अंगोथु एच, अजमेरा एस, थानापाल एस, रेड्डी केएस, जगन्नाथन ए, मुलियाला केपी, एट अल। भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट के तहत एक दशक से अधिक समय से निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना में विकलांग व्यक्तियों का कम नामांकन। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. 2022 सितम्बर;38(3):297.

27. अंगोथु एच, थिरथल्ली जे. बौद्धिक विकास में विकार वाले व्यक्तियों को जीवन-अवधि दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के साथ मुख्यधारा में लाना: विशिष्ट विधानों की आवश्यकता। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2022 दिसंबर 1;9(4):351-5.

28. अंजनप्पा एस, गोविंदन आर, मुनिवेंकटप्पा एम, भास्करपिल्लई बी। स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच क्रोध के स्तर, समस्या सुलझाने के कौशल, संचार कौशल और समायोजन पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता। जे एडुक हेल्थ प्रमोट। 2023 मार्च 31;12:90.

29. अन्नाजी गौड़ा एचएच, वाजावत बी, बनर्जी डी, देसाई जी. महिला यौन रोग के मूल्यांकन और प्रबंधन में बाधाएं: मनोरोग में रेजिडेंट प्रशिक्षुओं के बीच एक सर्वेक्षण। अकाद मनोरोग. 2022 जून;46(3):347-51.

30. अन्नपुरेड्डी जे, रे एस, कांबले एन, कुमार जी, पाल पीके, शेषगिरी डीवी, एट अल। हंटिंगटन रोग के रोगियों में रेम नींद के साथ सैकैडिक असामान्यताओं का संबंध। स्लीप मेड. 2022 मई;93:84-9.

31. अंशू के, नायर एके, श्रीनाथ एस, लक्ष्मी टीआर। ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के प्रीनेटल वैल्प्रोइक एसिड एक्सपोज़र मॉडल में नर और मादा चूहों में परिवर्तित विकासात्मक प्रक्षेपवक्र। जे ऑटिज़्म देव विकार। 2022 अगस्त 17;

32. अंटल ए, लुबेर बी, ब्रेम एके, बिक्सन एम, ब्रूनोनी एआर, कोहेन कदोश आर, एट अल। गैर-आक्रामक मस्तिष्क उत्तेजना और न्यूरोएनहांसमेंट। क्लिन न्यूरोफिज़ियोल अभ्यास। रेव. 2022;7:146-65.

33. अनुषा-किरण वाई, मोल पी, डे जी, भट एफए, चटर्जी ओ, देवलंकर एससी, एट अल। माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन में क्षेत्रीय विविधता मानव मस्तिष्क की उम्र बढ़ने में क्षेत्र विशिष्ट भेद्यता को रेखांकित करती है: न्यूरोडीजेनेरेशन के लिए निहितार्थ। फ्री रैडिक बायोल मेड। 2022 नवंबर 20;193(पं 1):34-57.

34. अरसप्पा आर, रंगैया यूआरएम, नंजुंदास्वामी एमएच, गंजेकर एस, वरम्बली एस, चंद्रा पीएस। आंतरिक रोगी मातृ शिशु इकाई में भर्ती माताओं में संयुक्त मातृ शिशु योग हस्तक्षेप की व्यवहार्यता और स्वीकार्यता। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 अप्रैल;82:103461.

35. अर्जुन बीएस, अनिल विष्णु जीके, राव एस, बेनीवाल एम, पंड्या एचजे। मानव मस्तिष्क के ऊतकों की विद्युत फेनोटाइपिंग: ट्यूमर चित्रण के लिए एक स्वचालित प्रणाली। आईईईई एक्सेस। 2022;10:17908-19.

36. अर्जुन बीएस, अलेक्या बी, हरि आरएस, विकास वी, महादेवन ए, पंड्या एचजे। मानव मस्तिष्क के ऊतकों का इलेक्ट्रोमैकेनिकल लक्षण वर्णन: ट्यूमर चित्रण के लिए एक संभावित बायोमार्कर। आईईईई ट्रांस बायोमेड इंजी. 2022 नवंबर;69(11):3484-93.

37. अरोले एएच, देशमुख पी, श्रीधर ए, पद्मनाभन बी। बीआरडी2 ब्रोमोडोमेन्स के खिलाफ पाइरानो-1,3-ऑक्साजिन व्युत्पन्न और फेनेंथ्रिडिनोन कोर मोइटी की संरचनात्मक जांच। एक्टा क्रिस्टलोग्र एफ स्ट्रक्चर बायोल कम्यून। 2022 मार्च 1;78(पं 3):119-27.

38. अरोड़ा सी, पद्मनाभ एच, क्रिस्टोफर आर, महाले आर, भट एम, अरुणाचल जी, एट अल। छद्म-नवजात एड्रेनोलुकोडिस्ट्रॉफी: एक दुर्लभ पेरोक्सीसोमल विकार। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(2):275-8.

39. अरोड़ा एस, जॉली ए जे, सुहास एस, अरसप्पा आर, कांबले एन, पाल पीके, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया के रूप में प्रकट होने वाला सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस: न्यूरोसाइकियाट्री में डायग्नोस्टिक ओवरशेडोइंग का एक उदाहरण। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2022 मई 12;24(3):21cr02997.

40. अरोड़ा एस, रेड्डी पीवी, देसाई जी, केसवन एम, चंद्रा पीएस। द्विध्रुवी विकार वाली प्रजनन आयु की महिलाओं में वैल्प्रोएट नुस्खे–क्या नियामक तरीके ही एकमात्र समाधान हैं? द्विध्रुवी विकार. 2023 मई;25(3):249–50.

41. अरशद एफ, अल्लादी एस, कुलंथावेलु के. एसपीएएसटी पी.प्रो26थ्र वेरिएंट वाले एक मरीज में स्पास्टिक पैरापलेजिया के बिना रैपिडली प्रोग्रेसिव बिहेवियरल सिंड्रोम। डिमेंट न्यूरोकॉग्न डिसऑर्डर. 2022 अप्रैल;21(2):79–82.

42. अरशद एफ, सिंह वी, प्रसाद सी, यादव आर, अल्लादी एस. एलेक्सिया बिना एग्रैफिया के एक बुजुर्ग व्यक्ति में स्ट्रोक के कारण सीओवीआईडी –19 संक्रमण के कारण हुआ। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2022 जून 25;1–3.

43. अरशद एफ, वेंगालिल एस, नलिनी ए, पोलावरपु के, शमीम यू, जबीन एस, एट अल। फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया ओवरलैप सिंड्रोम से जुड़ा नया टीबीके1 वैरिएंट। एक्टा न्यूरोल स्कैण्ड. 2022 अप्रैल;145(4):399–406.

44. अरुण्या बी, सुधीर पीएम, अरुमुघम एसएस। भारत में चिंता विकारों में एकीकृत प्रोटोकॉल का प्रारंभिक मूल्यांकन: एक एकाधिक आधारभूत अध्ययन प्रोटोकॉल। क्लिनिकल परीक्षण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2023 जनवरी 23;10(1):81–7.

45. अवन ए, हाचिंस्की वी, ब्रेन हेल्थ लर्न एंड एक्ट ग्रुप। मस्तिष्क स्वास्थ्य: स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की कुंजी। अल्जाइमर रोग. 2022 जुलाई;18(7):1396–407.

46. बेबी पी, फिलिप ए, साइमन एई, सिबी एएम, शाजू एएम, अब्राहम एएम, एट अल। कोविड–19 महामारी के दौरान स्नातक नर्सिंग छात्रों के ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के अनुभव। स्वास्थ्य व्यवसायों में शिक्षा. 2023 अप्रैल;6(1):42.

47. बेबी पीएम, कुमार पी, कुमार आर, जैकब एसएस, रावत डी, नायर बीवीएस, एट अल। न्यूजीलैंड सफेद खरगोशों में अंतःशिरा प्रशासित रेडियोधर्मी 51 करोड़ 3+ के ऊतक जैव वितरण और रक्त निकासी दरों की स्थापना। जीव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के ब्राजीलियाई अभिलेखागार। 2022;65.

48. बागाडे आर, करिया एस, शाह एन, एंड्रेड सी. क्लोज़ापाइन के 10,000 मिलीग्राम के ओवरडोज़ से बचे रहना: एक केस रिपोर्ट। स्किज़ोफ़र रेस. 2022 जनवरी;239:31.

49. बगली के, श्रीराज वीएस, मेहता यूएम, वेंकटसुब्रमण्यम जी, तीर्थहल्ली जे. चिकित्सीय ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना अध्ययन में दिखावटी नियंत्रण के रूप में मध्यवर्ती थीटा विस्फोट उत्तेजना की व्यवहार्यता। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 जनवरी;79:103390.

50. बालाचंदर एस, थातिकोंडा एनएस, कन्नमपुझा एजे, भट्टाचार्य एम, शेठ एस, रमेश वी, एट अल। जुनूनी–बाध्यकारी विकार में मनोविकृति का पारिवारिक जोखिम: नैदानिक विशेषताओं, सहरुग्णता और उपचार प्रतिक्रिया पर प्रभाव। जे मनोचिकित्सक रेस. 2022 दिसंबर;156:557–63.

51. बालाकुमार पी, श्रीकुमार बीएन, रमेश बी, जगदीश जी। प्रभावी अनुसंधान योजना, वैज्ञानिक लेखन और संचार के महत्वपूर्ण चरण। वॉल्यूम. 18, फार्माकोग्नॉसी पत्रिका। मेडनो; 2022. पी. 1–3.

52. बनर्जी ए, बिस्वास डी, बारपांडा ए, हलदर ए, सिब्बल एस, कट्टीमनी आर, एट अल। पिट्यूटरी ग्रंथि की बेहतर समझ के लिए मिलान किए गए पूर्वकाल और पीछे के लोब से पहला पिट्यूटरी प्रोटीन लैंडस्केप। मोल सेल प्रोटिओमिक्स। 2023 जनवरी;22(1):100478.

53. बनर्जी डी, अरसप्पा आर, चंद्रा पीएस, देसाई जी। "ऐसा लगता है कि मां बनने की इच्छा मेरी गलती है..." – गंभीर मानसिक बीमारी वाली महिलाओं में मातृत्व से संबंधित अनुभव और धारणाएं। एशिया पैक मनोरोग. 2022 दिसंबर;14(4):ई12519.

54. बंसल एस, कोनार एस, शुक्ला डी, श्रीनिवास डी, पांडे वी, जयन एम, एट अल। क्रानियोसिनेस्टोसिस वाले बच्चों में क्रेनियल वॉल्ट रीमॉडलिंग के दौरान इंट्राक्रैनियल दबाव का अंतःक्रियात्मक माप। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जनवरी;13(1):80–6.

55. बर्धन एम, अंजनप्पा आरएम, पोलावरपु के, प्रीतिश–कुमार वी, वेंगालिल एस, नाशी एस, एट अल। भारत के एक बड़े समूह में सार्कोग्लाइकेनोपैथियों की नैदानिक, आनुवंशिक प्रोफ़ाइल और रोग प्रगति: एसजीसीबी सी.544ए>सी का उच्च प्रसार। न्यूरोजेनेटिक्स। 2022 जुलाई;23(3):187–202.

56. भास्कर डी, मेनन डी, राव एस, पाल पीके। हेन्सन की बीमारी पोलीन्यूरोपैथी के रूप में प्रस्तुत हो रही है: एक असामान्य प्रस्तुति। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2023 अप्रैल;123(2):611–3.

57. बसु डी, घोष ए, नस्कर सी, बालाचंदर एस, फर्नांडीस जी, वैद्य एन, एट अल। भारतीय बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों के बहु–केंद्रीय समूह से जोखिम क्लस्टरिंग और मनोचिकित्सा। देव साइकोपैथोल। 2023 मई;35(2):800–8.

58. बाउर एम, ग्लेन टी, अक्टयेस ईडी, एल्डा एम, अगाओग्लू ई, अल्टिनबास के, एट अल। द्विध्रुवी I विकार में पहले एपिसोड की ध्रुवीयता और सौर सूर्यातप के बीच संबंध। जे साइकोसोम रेस. 2022 सितम्बर;160:110982.

59. बेथलेहेम आरएआई, सीडलिट्ज़ जे, व्हाइट एसआर, वोगेल जेडब्ल्यू, एंडरसन केएम, एडम्सन सी, एट अल। मानव जीवन काल के लिए मस्तिष्क चार्ट। प्रकृति। 2022 अप्रैल;604(7906):525–33.

60. भालेराव जीवी, पारेख पी, सैनी जे, वेंकटसुब्रमण्यम जी, जॉन जेपी, एडीबीएस कंसोर्टियम। टी1–भारित एमआर–छवियों पर गुणवत्ता और वॉल्यूमेट्रिक मूल्यांकन पर विरूपण के प्रभाव का व्यवस्थित मूल्यांकन। जे न्यूरोरेडिओल. 2022 मई;49(3):250–7.

61. भारद्वाज एस, कोनार एस, आकाश वीएस, गोपालकृष्ण केएन, चक्रवर्ती डी, कामथ एस। इंट्राक्रानियल न्यूरोसर्जरी के बाद उभरता हुआ प्रलाप– एक संभावित समूह अध्ययन। जे क्लिन न्यूरोसाइंस. 2022 अक्टूबर;104:12–7.

62. भारद्वाज एस, पलानीस्वामी एसआर। पेरिऑपरेटिव न्यूरोसाइंसेज में ट्रांसलेशनल रिसर्च। एशियन जे अनेस्थिसियोल. 2022 सितम्बर 1;60(3).

63. भार्गव एच, ईमान एन, जस्ती एन, मोरे पी, कुमार वी, होला बी, एट अल। प्रमुख मानसिक विकारों में योग–दर्शन आधारित मानसिक लक्षणों (गुणों) की संरचना: एक ट्रांस–डायग्नोस्टिक दृष्टिकोण। फ्रंट साइकोल. 2023;14:107506.

64. भार्गव एच, जॉर्ज एस, वरम्बली एस. योग और मानसिक स्वास्थ्य: प्रत्येक मनोचिकित्सक को क्या जानना आवश्यक है। बीजेपीसाइक एडवांस. 2023;29(1):44–55.

65. भार्गव एच, होल्ला बी, रामकृष्ण केके, शिवकुमार वी, गोकुलकृष्णन के, वरम्बली एस, एट अल। योग और एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल: भारत में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (NIMHANS) से सबक। इंट जे योग. 2022;15(2):150–7.

66. भार्गव एच, शर्मा एस, महादेवन जे, बोकडे आर। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों वाले रोगियों में सहायक टेली–योग थेरेपी की व्यवहार्यता। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 जून;11(6):3386–7.

67. भास्करन एएस, रेड्डी वीएसके, सुचंद्रा एचएच, गौड़ा जीएस, मुलियाला केपी। उच्च आत्महत्या जोखिम वाले व्यक्तियों में भविष्य में आत्महत्या के प्रयासों के पूर्वानुमानकर्ताओं को भारत में एक तीव्र मनोरोग आत्महत्या हस्तक्षेप इकाई में भर्ती कराया गया। एक उत्तरजीविता विश्लेषण अध्ययन. एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 दिसंबर;78:103270.

68. भास्करपिल्लई बी, मिश्रा आरके, राव जीएन, गोविंदन आर. तृतीयक स्तर के स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के वयस्क शिक्षार्थियों के बीच डिजिटल शिक्षा और परीक्षाओं पर विश्वास और अपेक्षाएं। जे एडुक हेल्थ प्रमोट। 2022;11:349.

69. भट्टाचार्य ए, कांबले एन, यादव आर, स्टेज़िन ए, पाल पीके। रैपिड आई मूवमेंट स्लीप बिहेवियर डिसऑर्डर के साथ पार्किंसंस रोग में असामान्य इंट्राकोर्टिकल फ़ंक्शन। कैन जे न्यूरोल विज्ञान. 2022 सितम्बर;49(5):672–7.

70. भिदयासिरी आर, फुएनपाथोम डब्ल्यू, टैन एएच, लेटा वी, फुम्फिड एस, चौधरी केआर, एट अल। वास्तविक दुनिया के नैदानिक अभ्यास में पार्किंसंस रोग में डिस्पैगिया और गैस्ट्रोपेरेसिस का प्रबंधन – औषधीय और गैर–औषधीय दृष्टिकोण को संतुलित करना। फ्रंट एजिंग न्यूरोसाइंस. 2022;14:979826.

71. भिडे एसआर, भार्गव एच, वरम्बली एस, देसाई जी। सीओवीआईडी –19 से मुकाबला: हम पतंजलि योग सूत्र से क्या सीख सकते हैं? मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2022;1(2):125–8.

72. बीनू वीएस, विक्रम श्रीधर, सुब्बा एसएच, प्रत्युषा पीवी, साबू केएम। बाल विवाह से जुड़े प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कारक: एनएफएचएस–4 डेटा का उपयोग करके भारत से साक्ष्य। बाल दुर्व्यवहार उपेक्षा. 2022 सितम्बर;131:105785.

73. बिसानी एस, जगन्नाथन ए. दक्षिण भारत में हाई स्कूल किशोरों के लिए नैतिक विकास कार्यक्रम की प्रभावशीलता: एक मिलान नियंत्रित डिजाइन। एप्लाइड कॉन्शसनेस स्टडीज जर्नल. 2022;10(2):104.

74. बिस्टा एस, जस्ती एन, भार्गव एच, सिन्हा एस, गुप्ता एस, रामाराव पी, एट अल। स्वास्थ्य और रोग में गैस डिस्चार्ज विज़ुअलाइज़ेशन इमेजिंग के अनुप्रयोग: एक व्यवस्थित समीक्षा। अल्टरनेटिव थेर हेल्थ मेड. 2023 सितम्बर;29(6):AT6764.

75. बोइनी एसवाई, महाले आर, डोनिपार्थी वेंकट एस, कांबले एन, होला वी, पाल पीके, एट अल। ओकुलोमोटर असामान्यताएं और प्रगतिशील सुपरन्यूक्लियर पाल्सी में नींद के चरणों के साथ इसका संबंध। स्लीप मेड. 2022 अक्टूबर;98:34–8.

76. बोलोग्ना एम, वाल्स–सोले जे, कांबले एन, पाल पीके, कोंटे ए, गुएरा ए, एट अल। डिस्टोनिया, कोरिया, हेमीबैलिसमस और अन्य डिस्केनेसिया। क्लिनिकल न्यूरोफिज़ियोलॉजी. 2022;140:110–25.

77. बोंद्रे एपी, श्रीवास्तव आर, रघुराम एच, तुगनावत डी, खान ए, गुप्ता एस, एट अल। मध्य प्रदेश, भारत में मानसिक स्वास्थ्य अनुप्रयोगों का उपयोग करने में सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों, देखभाल करने वालों और चिकित्सकों की अनुमानित आवश्यकताओं और बाधाओं का गुणात्मक अन्वेषण। एसएसएम मानसिक स्वास्थ्य। 2022 दिसंबर;2:100063.

78. बोरजा एजे, सैनी जे, रेनोर डब्ल्यूवाई, अयूबचा सी, वर्नर टीजे, अलावी ए, एट अल। मस्तिष्क ट्यूमर के निदान और प्रबंधन में पीईटी/एमआर इमेजिंग के साथ आणविक इमेजिंग की भूमिका। पीईटी क्लीनिक. 2022;17(3):431–51.

79. ब्रेउर ई, कोमास–हेरेरा ए, फ्रीमैन ई, अल्बानीज़ ई, अल्लादी एस, अमौर आर, एट अल। परियोजना से परे: सात मध्यम आय वाले देशों में मनोभ्रंश देखभाल, उपचार और समर्थन अंतराल को संबोधित करने के लिए परिवर्तन का एक रणनीतिक सिद्धांत बनाना। डिमेंशिया (लंदन)। 2022 जनवरी;21(1):114–35.

80. ब्रेउर ई, फ्रीमैन ई, अल्लादी एस, ब्रीड्ट एम, गोविया आई, लोपेज़–ओर्टेगा एम, एट अल। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मनोभ्रंश देखभाल और

सेवाओं की योजना में मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों का सक्रिय समावेश। डिमेंशिया (लंदन)। 2022 फरवरी;21(2):380–95.

81. ब्रूनोनी एआर, एख्तियारी एच, एंटल ए, औविचायपत पी, बेकन सी, बेंसनोर आईएम, एट अल। डिजिटलीकृत ट्रांसक्रानियल विद्युत उत्तेजना: एक सर्वसम्मति वक्तव्य। क्लिन न्यूरोफिज़ियोल. 2022 नवंबर;143:154–65.

82. सर्विन एम, ओसीडी गंभीरता बेंचमार्क कंसोर्टियम, मैटैक्स–कोल्स डी. जीवन भर जुनूनी–बाध्यकारी विकार के लिए अनुभवजन्य गंभीरता बेंचमार्क। विश्व मनोरोग. 2022 जून;21(2):315–6.

83. चंद पीके, पांडा यू, महादेवन जे, मूर्ति पी. अल्कोहलिक लिवर रोग के रोगियों में अल्कोहल विदड्रॉल सिंड्रोम का प्रबंधन। जे क्लिन ऍक्स्प हेपाटोल। 2022;12(6):1527–34.

84. चटर्जी ओ, गोपालकृष्णन एल, पुल्लिमामिडी डी, राज सी, येलामांची एस, गंगाधरप्पा बीएस, एट अल। ऑरेक्सिन–ऑरेक्सिन रिसेप्टर सिग्नलिंग प्रणाली का एक आणविक नेटवर्क मानचित्र। जे सेल कम्यून सिग्नल. 2023 मार्च;17(1):217–27.

85. चावला टी, प्रीतिश–कुमार वी, पोलावरपु के, वेंगालिल एस, बर्धन एम, पुरी आर, एट अल। नवीन उत्परिवर्तन और असामान्य फेनोटाइप के साथ देर से शुरू होने वाला पोम्पे रोग। जे न्यूरोमस्कुल डिस. 2022;9(2):261–73.

86. चेन आर, बेरार्डेली ए, भट्टाचार्य ए, बोलोग्ना एम, चेन केएचएस, फसानो ए, एट अल। पार्किंसंस रोग और पार्किंसनिज़्म की क्लिनिकल न्यूरोफिज़ियोलॉजी। क्लिन न्यूरोफिज़ियोल अभ्यास। 2022;7:201–27.

87. चेरियन एवी, मेनन वी, रथिनम बी, ऐमन ए, श्रीनिवास भट यू, अरहंताबैलु पी, एट अल। भारत में कॉलेज के छात्रों के बीच आत्महत्या संकट सहायता सेवा विकल्पों के बारे में जागरूकता और प्राथमिकताएँ: एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अगस्त;74:103172.

88. छाबरा एच, सेल्वराज एस, श्रीराज वीएस, दामोदरन डी, शिवकुमार वी, कुमार वी, एट अल। श्रवण–मौखिक मतिभ्रम वाले सिज़ोफ्रेनिया रोगियों में कार्यात्मक निकट–अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी: प्रारंभिक अवलोकन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 जुलाई;73:103127.

89. चित्रा एनके, सुहास एस, श्रीराज वीएस, वेंकटसुब्रमण्यम जी। जुनूनी–बाध्यकारी विकार के उपचार में ट्राइफ्लुओपेराज़िन की नैदानिक उपयोगिता: एक केस रिपोर्ट। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 मई;71:103051.

90. चित्रा यू, सामंतराय एस, कुमार वी, राजकुमार के, मैती के, नाथिया ई, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में लगातार श्रवण मतिभ्रम के प्रबंधन के लिए बाएं टेम्पोरोपैरिएटल जंक्शन पर ऐड–ऑन त्वरित निरंतर थीटा बर्स्ट स्टिमुलेशन (ए–सीटीबीएस): एक केस शृंखला। मस्तिष्क उत्तेजना. 2022;15(6):1511–2.

91. चित्रा वाई, डे जी, घोष वी, चंद्रमोहन वी, गौतमी एन, वासुदेव वी, एट अल। डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स I अवरोध के कारण प्रोटीन प्रोफ़ाइल और प्रोटीन ऑक्सीकरण में परिवर्तन होता है: पार्किंसंस रोग के लिए निहितार्थ। न्यूरोकेम रेस. 2023 अगस्त;48(8):2360–89.

92. चितरंजन एंड्राडे, सतीश सुहास। विशिष्ट मौखिक एंटीसाइकोटिक्स के उपयोग से जुड़े बढ़े हुए मृत्यु दर जोखिम की जांच – पबमेड [इंटरनेट]। [उद्धृत 2023 सितंबर 4]। यहां उपलब्ध है: https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/35032905/

93. चित्तरंजन एंड्राडे। अवसादरोधी दवाओं और न्यूरोडेवलपमेंट के लिए गर्भकालीन एक्सपोजर: भाषा, गणित, बुद्धि और अन्य संज्ञानात्मक परिणामों की एक परीक्षा। क्लिनिकल मनोचिकित्सा जर्नल [इंटरनेट]। 2022 जनवरी 25 [उद्धृत 2023 सितंबर 4];83(1).

94. चोएडॉन टी, सेठी वी, किलीन एसएल, गंजेकर एस, सत्यनारायण वी, घोष एस, एट अल। भारत में प्रसवपूर्व स्वास्थ्य कार्यक्रमों में पोषण और मानसिक स्वास्थ्य जांच, जोखिम की पहचान और प्रबंधन को एकीकृत करना। इंट जे गाइनैकोल ओब्स्टेट. 2023 सितम्बर;162(3):792–801.

95. चौधरी डी, शशिभूषण आरबी, शंकरनारायण राव बीएस, श्रीकुमार बीएन। मिफेप्रिस्टोन नर चूहों में एलोप्रेग्नानोलोन के चिंताजनक और अवसादरोधी जैसे प्रभावों को रोकता है। इंट जे न्यूरोसाइंस. 2022 दिसंबर 7;1–10.

96. कोहेन ए, नसलुंड जेए, चांग एस, नागेंद्र एस, भान ए, रोज़ातकर ए, एट अल। कोविड–19 के दौरान स्मार्टफोन डिजिटल फेनोटाइपिंग के साथ सिज़ोफ्रेनिया में पुनरावृत्ति की भविष्यवाणी: एक संभावित, तीन–साइट, दो–देश, अनुदैर्ध्य अध्ययन। सिज़ोफ्रेनिया (हीडल्ब)। 2023 जनवरी 27;9(1):6.

97. डी'क्रूज़ एम, एंड्रेड सी. चिकित्सा और न्यूरोसाइकियाट्री में अश्वगंधा (विथानिया सोम्नीफेरा) के संभावित नैदानिक अनुप्रयोग। विशेषज्ञ रेव क्लिन फार्माकोल। 2022 सितम्बर;15(9):1067–80.

98. दादरवाल एमसी, श्रीराज वीएस, सुहास एस, राव एनपी, वेंकटसुब्रमण्यम जी। सिज़ोफ्रेनिया में संज्ञानात्मक घाटे के मूल्यांकन के लिए एक स्क्रीनिंग टूल के रूप में मॉन्ट्रियल संज्ञानात्मक मूल्यांकन (एमओसीए) और अंक प्रतीक प्रतिस्थापन परीक्षण (डीएसएसटी)। मनोरोग रेस. 2022 अक्टूबर;316:114731.

99. दास ए, शर्मा एमके, कश्यप एच, गुप्ता एस. भविष्य पर निर्णय: ज्योतिष के बढ़ते उपयोग का अवलोकन। इंट जे समाज मनोचिकित्सा. 2022 अगस्त;68(5):925–32.

100. दास पी, शुक्ला एम, शर्मा ए. पूरे जीवन काल में महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य। इंट जे इंडियन साइकोल. 2022 सितम्बर 19 [उद्धृत 2023 सितम्बर 29];10(3). यहां उपलब्ध है: https://ijip.in/articles/women-mental-health-across-life-span/

101. डैश एस, महाले आर, नेत्रवती एम, कांबले एनएल, होल्ला वी, यादव आर, एट अल। मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी (एमएसए) और इसके न्यूरोइमेजिंग सहसंबंध वाले मरीजों में अनुभूति: एक संभावित केस-कंट्रोल अध्ययन। क्यूरियस. 2022 जनवरी;14(1): ई21717.

102. देबनाथ एम, डे एस, श्रीनिवास एन, पाल पीके, यादव आर. प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी के जेनेटिक और एपिजेनेटिक कंस्ट्रक्शंस। ऐन न्यूरोसाइंस. 2022 अप्रैल;29(2-3):177-88.

103. देवड़ा एच, मिश्रा ए, गुप्ता आर, कोनार एस, वाझायिल वी, शशिधर ए, एट अल। बाल चिकित्सा क्रोनिक सबड्यूरल हेमेटोमा: इन मामलों के प्रबंधन में पूर्वगामी कारक और परिणाम क्या हैं? बच्चों की तंत्रिका प्रणाली. 2022 जनवरी;38(1):123-32.

104. देवराज ए, प्रसाद वाई, थिरथल्ली जे, एंड्रेड सी. द्विपक्षीय इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी से उपचारित अवसादग्रस्त रोगियों में स्थानिक संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली का संरक्षण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 जनवरी;79:103367.

105. देवराज आर, महाले आरआर, सिंधु डीएम, स्टेज़िन ए, कांबले एन, होल्ला वीवी, एट अल। नीमन-पिक रोग प्रकार सी में आंदोलन विकारों का स्पेक्ट्रम। ट्रेमर अन्य हाइपरकिनेट मूव (एनवाई)। 2022;12:28.

106. डे एम, नवीन आर, निकिफोरौ ई, सेन पी, साहा एस, लिलेकर जेबी, एट अल। ऑटोइम्यून सह-रुग्णता वाले मायोसिटिस रोगियों में अल्पकालिक सीओवीआईडी -19 वैक्सीन प्रतिकूल घटनाओं का उच्च जोखिम: सीओवीएडी अध्ययन के परिणाम। रुमेटोलॉजी (ऑक्सफ़ोर्ड)। 2023 मई 2;62(5):ई147-52.

107. धर डी, डे टी, समीम एमएम, पद्मनाभ एच, चटर्जी ए, नाज़नीन पी, एट अल। कोविड-19-SISCoV अध्ययन में प्रणालीगत सूजन सिंड्रोम: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। बाल रोग विशेषज्ञ रेस. 2022 मई;91(6):1334-49.

108. धर डी, होल्ला वीवी, कांबले एन, यादव आर, श्रीनिवास डी, पाल पीके। दुर्लभ गतिविधि विकारों में सर्जिकल परिणाम: भारत के सत्रह मरीजों की एक रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। ट्रेमर अन्य हाइपरकिनेट मूव (एनवाई)। 2022;12:22.

109. धर डी, जयपुरियार आरएस, मोंडल एमएस, शुनमुगाकानी एसपी, नागरत्ना एस, कुमारी पी, एट अल। बाल चिकित्सा न्यूरोब्रुसेलोसिस: केस रिपोर्ट के साथ एक व्यवस्थित समीक्षा। जे ट्रॉप बाल रोग विशेषज्ञ। 2022 दिसंबर 5;69(1):fmad004.

110. धर डी, कांबले एन, पाल पीके। क्लिनिकल न्यूरोलॉजी में लंबी विलंबता सजगता: एक व्यवस्थित समीक्षा। कैन जे न्यूरोल विज्ञान. 2023 सितम्बर;50(5):751-63.

111. धरगवे पी, अत्चयराम एन, जेम्स टीटी, सेंदिलकुमार आर, रघुराम एन, राजू टीआर, एट अल। डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता पर शारीरिक थेरेपी और योग का प्रभाव-एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

112. दत्ता डी, कार्तिक के, होला वीवी, कांबले एन, यादव आर, पाल पीके, एट अल। घ्राण बल्ब की मात्रा, पार्किंसंस रोग में घ्राण सल्कस गहराई, एटिपिकल पार्किंसनिज्म। मूव डिसॉर्डर क्लिन प्रैक्टिस। 2023 मई;10(5):794-801.

113. दत्ता डी, नागप्पा एम, श्रीकुमारन नायर बीवी, दास एसके, वाहतुले आर, सिन्हा एस, एट अल। टोल-लाइक रिसेप्टर (टीएलआर) और टीएलआर सिग्नलिंग पाथवे-संबंधित जीन के भीतर भिन्नताएं और गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के जोखिम पर उनके सहक्रियात्मक प्रभाव। जे परिधीय तंत्रिका सिस्ट। 2022 जून;27(2):131-43.

114. द्वारकानाथ एस, देवड़ा एच. बोनी कैलवेरियल और स्कल बेस ट्यूमर: पेंडोरा बॉक्स। न्यूरोऑन्कोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2021 नवंबर;4(सप्ल 1):एस113.

115. इवान थॉमस जे, सारा जॉर्ज ई, बी आनंदी सुब्रमण्यम, कृष्णा प्रसाद एम, सिडनी एम, वेंकट सेंथिल कुमार आर, एट अल। द्विध्रुवी विकार में कैटेटोनिया और ऑटोइम्यून थायरॉयडिटिस की सहवर्तीता की जटिलताएँ: एक केस शृंखला और चयनात्मक समीक्षा। मस्तिष्क, व्यवहार और प्रतिरक्षा - स्वास्थ्य [इंटरनेट]। 2022 मार्च 10 [उद्धृत 2023 सितंबर 27];22। यहां उपलब्ध है: https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/36118271/.

116. फियोरिटो एएम, एलेमन ए, ब्लासी जी, बॉर्के जे, काओ एच, चान आरसीके, एट अल। क्या भावनाओं के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया सिज़ोफ्रेनिया का एक विश्वसनीय एंडोफेनोटाइप है? एक छवि-आधारित कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मेटा-विश्लेषण। बायोल मनोरोग. 2023 जनवरी 15;93(2):167-77.

117. फ्रोंटेरा जेए, टैम्बोस्र्का एए, डोहेम एमएफ, गार्सिया-अज़ोरिन डी, गेज़ेगेन एच, गुएख्त ए, एट अल। कोविड-19 टीकों के बाद रिपोर्ट की गई न्यूरोलॉजिकल घटनाएं: वीएईआरएस का विश्लेषण। ऐन न्यूरोल. 2022 मार्च 2;91(6):756-71.

118. गजेरा जीवी, पांडे पी, मालाथेश बीसी, निरीशा पीएल, सुचंद्रा केएचएच, इब्राहिम एफए, एट अल। प्राथमिक देखभाल मनोचिकित्सा में मिश्रित बनाम पूरी तरह से डिजिटल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: भारत से एक पूर्वव्यापी तुलना। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2023;14(1):91-7.

119. गणराजा वीएच, होल्ला वीवी, स्टेज़िन ए, कांबले एन, यादव आर, पुरूषोत्तम एम, एट अल। स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया 12 की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल: एक अस्पताल-आधारित समूह विश्लेषण। ट्रेमर अन्य हाइपरकिनेट मूव (एनवाई). 2022;12:13.

120. गणराजा वीएच, नेत्रवती एम, कांबले एन, होल्ला वीवी, श्रीनिवास डी, यादव आर, एट अल। दक्षिण भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र में बचपन के

डिस्टोनिया के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन किया गया। आंदोलन विकारों का इतिहास। 2021;4(3):136–42.

121. गणेश ए, जनार्दन एम, मैथ्यू के, बॉस्को एस, गोकुल ए, महादेवन जे, एट अल। गंभीर मानसिक बीमारी के रोगियों के एक्सोम डेटा के खनन से मनोभ्रंश जीन में दुर्लभ हानिकारक वेरिएंट का पता चलता है। यूरोपीय न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी। 2022 अक्टूबर 1;63:ई308.

122. गणेश एस, वेमुला ए, भट्टाचार्जी एस, मैथ्यू के, इथल डी, नवीन के, एट अल। घने परिवारों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण मेंडेलियन और जटिल न्यूरोसाइकिएट्रिक सिंड्रोम के बीच आनुवंशिक प्लियोट्रॉपी का सुझाव देता है। विज्ञान प्रतिनिधि 2022 दिसंबर 7;12(1):21128.

123. गनी ए यु आर, तिरुमूर्ति ए, जंगम केवी, सागर केजेवी। गंभीर मानसिक बीमारी वाले बच्चों के कामकाज को प्रभावित करने वाले सामाजिक–पर्यावरणीय कारक: एक गुणात्मक जांच। मनोसामाजिक पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2023;1–19.

124. गनी ए यु आर, तिरुमूर्ति ए, जंगम केवी, विजय सागर केजे। गंभीर मानसिक बीमारी वाले बच्चों की मनोसामाजिक कार्यप्रणाली और संबंधित सामाजिक–पर्यावरणीय कारक: भारत में तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र से निष्कर्ष। मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक कार्य। 2023 मई 4;21(3):243–68.

125. गर्ग डी, योगनाथन एस, शमीम यू, मांकड़ के, गुलाटी पी, बोनिफाती वी, एट अल। 27 भारतीय बच्चों में डिस्टोनिया 1 और 2 के साथ हाइपरमैंगनसीमिया की नैदानिक प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम। मूव डिसॉर्डर क्लिन प्रैक्टिस। 2022 अक्टूबर;9(7):886–99.

126. गौतम बी, चटर्जी ए, केंचैया आर, नारायणन एम, डबले एस, चौधरी मुंडलामुरी आर, एट अल। आराम की अवस्था के दौरान और मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी का उपयोग करके खाने के दौरान मिर्गी खाने में नेटवर्क परिवर्तन। मिर्गी व्यवहार. 2022 दिसंबर;137(पं ए):108946.

127. गौतम बीके, मुखर्जी जे, नारायणन एम, केंचैया आर, मुंडलामुरी आरसी, असरन्ना ए, एट अल। मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी का उपयोग करके क्रॉस फ्रीक्वेंसी कपलिंग के साथ टेम्पोरल लोब मिर्गी का स्वचालित पार्श्वकरण। बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग और नियंत्रण। 2022;72:103294.

128. गायत्री आर, अबिरामी के, कल्पना एन, मनसा वीएस, सुधा वी, शोभना एस, एट अल। अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त एशियाई भारतीय वयस्कों में इंसुलिन संवेदनशीलता और सीरम लिपिड पर बादाम के सेवन का प्रभाव–एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। सामने का नट. 2022;9:1055923.

129. गज़ुला एच, रूट्स–मर्डी के, होला बी, बसोडी एस, झांग जेड, वर्नर ई, एट अल। COINSTAC में फ़ेडरेटेड विश्लेषण से लगभग 2,000 किशोरों के दिमाग में धूम्रपान और शराब की खपत के लिए कार्यात्मक नेटवर्क कनेक्टिविटी और स्पेक्ट्रल लिंक का पता चलता है। तंत्रिका सूचना विज्ञान। 2023 अप्रैल;21(2):287–301.

130. घटक एम, अग्रवाल एके, सिंघई के, माचेवाड एन, जयराजन आरएन, विश्वनाथ बी, एट अल। निर्जीव वस्तुओं का कैपग्रास भ्रम: एक डुप्लिकेट दुनिया। मनोरोग अनुसंधान मामले की रिपोर्ट। 2023;2(1):100106.

131. गिब्सन एडी, येल जी, कोर्फमैट जे, अप्पुपिल्लई एम, गिगांटे सीएम, लोप्स एम, एट अल। एकीकृत वन हेल्थ दृष्टिकोण के माध्यम से गोवा, भारत में मानव रेबीज का उन्मूलन। नेट कम्यून. 2022 मई 19;13(1):2788.

132. गिरिजा एमएस, तिवारी आर, वेंगालिल एस, नाशी एस, प्रीतिश–कुमार वी, पोलावरपु के, एट अल। इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोसिटिस में पीईटी–एमआरआई: इमेजिंग निष्कर्षों के साथ नैदानिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों का तुलनात्मक अध्ययन। न्यूरोल रेस प्रैक्टिस। 2022 अक्टूबर 10;4(1):49.

133. गिरिमाजी एएस, मीरा एसएस, केशवप्रसाद वाईबी, जैकब पी, फिलिप एम, राजगोपाल एच। ध्यान आभाव सक्रियता विकार वाले कन्नड़ भाषी पूर्वस्कूली बच्चों में संचार समस्याओं की पहचान करने के लिए बच्चों की संचार चेकलिस्ट –2 का उपयोग: एक प्रारंभिक अध्ययन। एफवी इंडियन जर्नल ऑफ मनोवैज्ञानिक चिकित्सा. 2023 सितम्बर 1;45(5):539–41.

134. गोकुलकृष्णन के, निखिल जे, श्रीराज बनाम, होला बी, थिरुमूर्ति सी, संध्या एन, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में परिवर्तित आंतों की पारगम्यता बायोमार्कर: उपनैदानिक सूजन के साथ एक संभावित लिंक। ऐन न्यूरोसाइंस. 2022 अप्रैल;29(2–3):151–8.

135. गोपालकृष्णन एल, चटर्जी ओ, रविशंकर एन, सुरेश एस, राजू आर, महादेवन ए, एट अल। ओपिओइड रिसेप्टर्स सिग्नलिंग नेटवर्क। जे सेल कम्यून सिग्नल. 2022 सितम्बर;16(3):475–83.

136. गोपिका जीजी, एंटनी एस, सीजे, मोइरांगथेम एस. गंभीर मानसिक बीमारियों वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के बीच तनाव कम करने का कौशल [इंटरनेट]। 2022 [उद्धृत 2023 सितंबर 29].

137. गोराईन आरके, रामू आर, सिन्हा पी, गोविंदन आर. मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों की कार्यात्मक क्षमता के स्तर पर संरचित शारीरिक गतिविधि कार्यक्रम का प्रभाव। शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन जर्नल. 2022;11.

138. गौड़ नेरेल्ला एस, गौस महम्मद एस, नागराजू चंदना, भरत रोज डॉन, अलवला मल्लिका, कुमार प्रदीप। फ्लोरीन–18 के साथ कौमारिन–ट्रायजोल हाइब्रिड का स्वचालित रेडियोसंश्लेषण और आणविक डॉकिंग अध्ययन: एक व्यवहार्यता अध्ययन। इंजेंटा कनेक्ट। 2022; (10)40–49. यहां उपलब्ध है: https://www.ingentaconnect.com/content/ben/crp/2022/00000015/00000001/art00006

139. गौड़ एनएस, गौस एमएस, नागराजू सी, भरत आरडी, अलवला एम, कुमार पी. फ्लोरीन–18 के साथ कौमरिन–ट्रायजोल हाइब्रिड का स्वचालित रेडियोसिंथेसिस और आणविक डॉकिंग अध्ययन: एक व्यवहार्यता अध्ययन। क्यूर रेडियोफार्मा। 2022;15(1):40–9.

140. गुप्ता ए, रंगा ए, प्रकाश एनबी, खन्ना एम. पोस्ट-कोविड-19 वैक्सीन-संबंधी गुइलेन-बैरी सिंड्रोम वाले रोगियों में पुनर्वास परिणाम। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):684-90.

141. गुप्ता के, अग्रवाल जे. भारतीयों के कल्याण पर अनासक्ति (गैर-लगाव) और अहंकार (अहंकार) के प्राचीन ज्ञान प्रभाव का एक अनुभवजन्य अध्ययन। मानसिक स्वास्थ्य के यूरोपीय जर्नल. 2022;17(3):78-95.

142. गुर्रम एस, होल्ला वीवी, श्रीराम एन, फुलपागर पी, झा एस, शर्मा पी, एट अल। आनुवंशिक रूप से सिद्ध एबेटालिपोप्रोटीनेमिया में गतिभंग के साथ ऑप्थाल्मोप्लेजिया का एक दुर्लभ मामला। मूव डिसॉर्डर क्लिन प्रैक्टिस। 2023 मार्च;10(3):514–7.

143. हांडे वी, जयन पी, किशोर एमटी, भास्करपिल्लई बी, कोम्मू जेवीएस। बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों के माता-पिता में सकारात्मक मुकाबला करने के निर्धारकों का आकलन करने के लिए एक पैमाने का विकास। जे बुद्धि विकलांगता. 2023 मार्च;27(1):156-69.

144. हन्ना अल-शेख आर, मिलनोस्की एलएम, होला वीवी, कुरिहारा के, यादव आर, कांबले एन, एट अल। चार अलग-अलग आबादी में PLA2G6-संबद्ध न्यूरोडीजेनेरेशन-केस श्रृंखला और साहित्य समीक्षा। पार्किंसनिज़्म रिलेट डिसॉर्डर। 2022 अगस्त;101:66-74.

145. हर्षा पीके, रंगनायकी एस, येल जी, डे जी, मंगलापर्थी केके, यारलागड्डा ए, एट अल। रेबीज वायरस से संक्रमित मानव और कुत्ते के दिमाग में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन। न्यूरोकेम रेस. 2022 जून;47(6):1610-36.

146. हर्षराजा एसवी, गोविंदन आर, रामू आर, दामोधरन डी, कंडासामी ए। मनोदैहिक दवाओं के सुरक्षित संचालन पर नर्सों के ज्ञान पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग. 2022;19(1):61.

147. हेंडरसन सी, औली यू, बकोलिस आई, बर्बेचे एन, भट्टाराई के, ब्रोहन ई, एट अल। अनुभवी और प्रत्याशित मानसिक स्वास्थ्य संबंधी भेदभाव (रीड-एमएच) का जवाब देने में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण: एक अंतरराष्ट्रीय मल्टीसाइट व्यवहार्यता अध्ययन के लिए प्रोटोकॉल। रेस वर्ग. 2022 मार्च 28;rs.3.rs-1466318.

148. हर्बर्ट एचएस, मंजुला एम. कॉलेज के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लचीलापन आधारित हस्तक्षेप: भारत से एक प्रारंभिक व्यवहार्यता अध्ययन। मानसिक स्वास्थ्य एवं रोकथाम. 2022;26:200239.

149. हिमा पेंढारकर. हेलमेट पहनें, समस्या से बचें, दृष्टि बचाएं। जे क्लिनिकल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी.2022 दिसंबर 15; 2.

150. हिरोली डी, श्रीनिवासैया बी, मुथुचेल्लप्पन आर, चक्रवर्ती डी. न्यूरोइंटेंसिव केयर यूनिट में एक्सट्यूबेशन विफलता की भविष्यवाणी में क्लिनिकल स्कोरिंग और अल्ट्रासाउंड-आधारित डायाफ्राम मूल्यांकन: एक एकल-केंद्र अवलोकन अध्ययन। न्यूरोक्रिट केयर। 2023 मार्च 1;

151. होल्ला वीवी, नीरजा के, स्टेज़िन ए, प्रसाद एस, सुरीसेटी बीके, नेत्रवती एम, एट अल। डिस्टोनिया में क्लिनिकल एक्सोम सीक्वेंसिंग की उपयोगिता: भारत से एक एकल-केंद्र अध्ययन। जे मूव डिसॉर्डर. 2022 मई;15(2):156-61.

152. होल्ला वीवी, रंगराजन ए, अरुणाचल जी, मुथुसामी बी, कांबले एन, यादव आर, एट अल। एसआरडी5ए3-संबंधित ग्लाइकोसिलेशन के जन्मजात विकारों में मिरर मूवमेंट और डिस्टोनिया: फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का विस्तार। मूव डिसॉर्डर क्लिन प्रैक्टिस। 2023 मार्च;10(3):510–3.

153. होल्ला वीवी, सुरीसेटी बीके, प्रसाद एस, नीरजा के, कांबले एन, मुथुसामी बी, एट अल। डोपा-उत्तरदायी पार्किंसनिज़्म में मस्तिष्क की गहरी उत्तेजना - लाल झंडों पर ध्यान दें। पार्किंसनिज़्म रिलेट डिसॉर्डर। 2023 मई;110:105213.

154. हावर्ड एलएम, विल्सन सीए, चंद्रा पीएस। अंतरंग साथी हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य: COVID-19 महामारी से सबक। विश्व मनोरोग. 2022 जून;21(2):311–3.

155. हुद्दर ए, शेषगिरि डीवी, नंदीश बी, कुलंथावेलु के, गोरांटला पी, केंचैया आर। कैडासिल की एक्यूट फैटल ल्यूकोएन्सेफैलोपैथिक प्रस्तुति। कैन जे न्यूरोल विज्ञान. 2023 मई 19;1-3.

156. ह्यूग-जोन्स एस, जनार्दन एन, अल-जनाबी एच, भोला पी, कुक पी, फज़ल एम, एट अल। भारत में किशोर मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा (एसएएमए): भारत में किशोर चिंता और अवसाद को लक्षित करने वाले स्कूल सिस्टम हस्तक्षेप के कोडसाइन और व्यवहार्यता अध्ययन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। बीएमजे ओपन. 2022 अप्रैल 4;12(4):e054897.

157. हरज़ुक एस, फ़रीना एन, पट्टाबिरमन एम, रामासामी एन, अल्लादी एस, राजगोपालन जे, एट अल। भारत में मनोभ्रंश की समझ, अनुभव और दृष्टिकोण: एक गुणात्मक अध्ययन। डिमेंशिया (लंदन)। 2022 अक्टूबर;21(7):2288–306.

158. इबनेज़ ए, रीस एबी, कस्टोडियो एन, अल्लादी एस. संपादकीय: अल्जाइमर रोग और संबंधित डिमेंशिया में अंतर्दृष्टि। फ्रंट एजिंग न्यूरोसाइंस. 2022;14:1068156.

159. इनबराज जी, अर्जुन के, मेघना ए, प्रीतिश-कुमार वी, जॉन एपी, पोलावरपु के, एट अल। डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों में न्यूरो-कार्डियो-ऑटोनॉमिक मॉड्यूलेशन। जे न्यूरोमस्कुल डिस. 2023;10(2):227-38.

160. इनबराज जी, सत्यप्रभा टीएन, उडुपा के, राम ए, पाटिल एस, राजेश्वरन जे, एट अल। कीमोथेरेपी से गुजर रहे स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता

के संबंध में संज्ञानात्मक हानि और हृदय संबंधी शिथिलता पर एकीकृत योग चिकित्सा का प्रभाव: दो-हाथ वाले यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। सामने ओंकोल. 2022;12:955184.

161. इनबराज जी, उडुपा के, राघवेंद्र आरएम, राम ए, पाटिल एस, राजेश्वरन जे, एट अल. एडजुवेंट कीमोथेरेपी से गुजर रहे स्तन कैंसर के मरीजों में कार्डिएक ऑटोनोमिक फंक्शन पर 18-सप्ताह के एकीकृत योग कार्यक्रम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। इंटीग्र कैंसर वहाँ. 2023;22:15347354231168796.

162. इनबराज जी, उडुपा के, वासुकी पीपी, नलिनी ए, सत्यप्रभा टीएन. पोस्टुरल टैचीकार्डिया सिंड्रोम में कार्डियोवस्कुलर डिसऑटोनोमिया के निदान मार्कर के रूप में आराम दिल की दर परिवर्तनशीलता। जे बेसिक क्लिन फिजियोल फार्माकोल। 2023 जनवरी 1;34(1):103–9.

163. इस्साक टीजी, मुक्कु एसएसआर, मैंगलोर एस, सिन्हा पी, शिवकुमार पीटी. मनोभ्रंश में प्रतिबिंबित छवि प्रसंस्करण असामान्यताएं - एक केस श्रृंखला और समीक्षा। न्यूरोकेस. 2022 अप्रैल;28(2):258-62.

164. इवानोव आई, बोएधो पीएसडब्ल्यू, अबे वाई, अलोंसो पी, एमीस एसएच, अर्नोल्ड पीडी, एट अल। ओसीडी में जीवनकाल के दौरान सबकोर्टिकल मॉर्फोलॉजी के साथ दवा का जुड़ाव: अंतर्राष्ट्रीय एनिग्मा कंसोर्टियम से परिणाम। जे प्रभाव विकार. 2022 दिसंबर 1;318:204-16.

165. जगन्नाथन ए, अंगोथु एच, रेड्डी एस। तृतीयक देखभाल अस्पताल में दीर्घकालिक प्रवेश के तहत मानसिक बीमारी से पीड़ित महिलाओं के लिए आवश्यकता-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम: एक व्यवहार्यता अध्ययन। सामाजिक मनोचिकित्सा का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2022;207640221136996-207640221136996।

166. जगन्नाथन ए. भारत से स्वदेशी सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप के विकास की आवश्यकता। एप्लाइड कॉन्शसनेस स्टडीज जर्नल. 2022 अप्रैल 1;10(2):95.

167. जगताप एस, पोतदार सी, यादव आर, पाल पीके, दत्ता आई. डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स एलआरआरके2 आई1371वी-प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल से भिन्न होते हैं जो कम उपज, α-सिन्यूक्लिन पैथोलॉजी और कार्यात्मक हानि प्रदर्शित करते हैं। एसीएस केम न्यूरोसाइंस। 2022 सितम्बर 7;13(17):2632-45.

168. जगताप एस, सौमित्रा, यादव आर, पाल पीके, दत्ता आई. भारतीय जातीयता के स्वस्थ व्यक्तियों से प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं (एनआईएमएचआई004-ए, एनआईएमएचआई005-ए और एनआईएमएचआई006-ए) का निर्माण, जिसमें पार्किंसंस रोग से संबंधित जीन में कोई उत्परिवर्तन नहीं है। स्टेम सेल रेस. 2022 अप्रैल;60:102716.

169. जयसूर्या टीएस, भास्करपिल्लई बी, मनोज एल, सुनील कुमार जी, गोकुल जीआर, तेन्नरसु के. पुरानी चिकित्सा बीमारी वाले प्राथमिक देखभाल रोगियों में चिंता और अवसादग्रस्तता विकारों के जोखिम का अनुमान - एक भारतीय अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अगस्त;74:103190.

170. जमील एस, मुनिवेंकटप्पा एम, अरुमुघम एसएस, थेनारासु के. अवसाद के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी का सांस्कृतिक अनुकूलन: भारत के रोगियों और चिकित्सकों के विचारों की खोज करने वाला एक गुणात्मक अध्ययन। संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सक. 2022;15:ई16.

171. जेम्स टीटी, सेल्वा गणपति वी, कांबले एन, धारगवे पी, पाल पीके, मुरलीधरन के. स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया वाले मरीजों में मात्रात्मक चाल विश्लेषण - एक खोजपूर्ण विश्लेषण। एनल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर.2022 जुलाई 21;5:106-111.

172. जयमणि जे, थंगाराजू पी, हुचेगौड़ा एस. कोविड-19 महामारी और टेलीमेडिसिन का त्वरित विकास: एक अंतर विश्लेषण। कम संसाधन वाली सेटिंग में स्वास्थ्य सेवा। 2022;10(1).

173. जीवेंद्र कुमार डी, गोयल एस, अरशद एफ, पुरूषोत्तम वीवी, रामकृष्णन एस, अल्लादी एस। लॉगोपेनिक प्रोग्रेसिव एफेसिया में पोस्टीरियर कॉर्टिकल एट्रोफी: एक केस रिपोर्ट। संचार में सीमाएँ [इंटरनेट]। 2022 [2023 सितम्बर 2023 उद्धृत ]; 7. यहां उपलब्ध: https://www.frontiersin.org/articles/10.3389/fcomm.2022.979475.

174. झा एस, असरन्ना ए, कुलंथावेलु के, संजयसिंह बी, रामकृष्णन एस, महादेवन ए, एट अल। HLA-B5 सकारात्मकता के साथ NMDAR और CASPR2 एंटीबॉडी का सह-अस्तित्व: एटिपिकल न्यूरोइमेजिंग के साथ एक गूढ़ त्रयी। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):946–8.

175. जिंदल एके, चौधरी एच, त्यागी आर, रावत ए, सूरी डी, पात्रा पीके, एट अल। प्राथमिक एंटीबॉडी की कमी में मेनिंगोएन्सेफलाइटिस: उत्तर पश्चिम भारत से हमारा अनुभव। जे न्यूरोइम्यूनोल. 2022 अक्टूबर 15;371:577952.

176. जॉन ए, गांधी एस, प्रसाद एमके, मंजुला एम। सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों में कामकाज में सुधार के लिए आईएडीएल हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंट जे समाज मनोचिकित्सा. 2022 मई;68(3):500–13.

177. जॉन एपी, गांधी एस, प्रसाद एमके, मंजुला एम. कोविड-19 महामारी के दौरान मनोरोग पुनर्वास सेवाओं का लाभ उठा रहे व्यक्तियों में दैनिक जीवन की गतिविधियों के प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग। मनोसामाजिक पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022;9(1):107–12.

178. जॉन एपीपी, उडुपा के, अवंगापुर एस, सुजान एमयू, इनबराज जी, वासुकी पीपी, एट अल। टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में हृदय संबंधी स्वायत्त शिथिलताएँ: हृदय गति परिवर्तनशीलता उपायों के साथ एक खोजी अध्ययन। एम जे कार्डियोवास्क डिस. 2022;12(4):224-32.

179. जॉन डीवी, आर्यलक्ष्मी बी, देवरा एच, पुरूषोत्तम एम, राजू आर, महादेवन ए, एट अल। 16एस/18एस आरआरएनए जीन पीसीआर और अनुक्रमण द्वारा संस्कृति-नकारात्मक मस्तिष्क फोड़ा नमूनों में माइक्रोबियल एजेंटों की पहचान। ट्रॉप बायोमेड। 2022 दिसंबर 1;39(4):489-98.

180. जोशी डी, प्रसाद एस, सैनी जे, इंगाल्हिकर एम. पार्किंसंस रोग (पीडी) में धमनी स्पिन लेबलिंग (एएसएल) छवियों की भूमिका: एक व्यवस्थित समीक्षा। एकेड रेडियोल. 2023 अगस्त;30(8):1695-708.

181. काकू एसएम, बंसल एस, राव यूजी, भरत आरडी, श्रीनाथ एस, गिरिमाजी एससी। न्यूरो-एटिपिकल नियंत्रण की तुलना में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों में बेहोश करने की क्रिया के लिए उच्च संवेदनाहारी खुराक की आवश्यकता-एक संभावित अवलोकन अध्ययन। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों में अनुसंधान। 2023;101:102086.

182. कलमाडी एसवी, पॉल एके, नारायणस्वामी जेसी, अग्रवाल आर, शिवकुमार वी, ग्रीनशॉ एजे, एट अल। जुनूनी-बाध्यकारी विकार की भविष्यवाणी: न्यूरोबायोलॉजी-एडेड फ़ीचर डिज़ाइन और क्रॉस-डायग्नोसिस ट्रांसफर लर्निंग का महत्व। बायोल मनोचिकित्सा कॉग्न न्यूरोसाइ न्यूरोइमेजिंग। 2022 जुलाई;7(7):735-46.

183. कांबले एन, भट्टाचार्य ए, हेगड़े एस, विद्या एन, गोथवाल एम, यादव आर, एट अल। पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक हानि के एक मार्कर के रूप में कॉर्टिकल उत्तेजना में परिवर्तन होता है। बिहेव ब्रेन रेस. 2022 मार्च 26;422:113733.

184. कंड्रेगुला एस, शशिधर ए, राव एस, बेनीवाल एम, शुक्ला डी, श्रीनिवास डी, एट अल। ग्रैन्युलर सेल ट्यूमर और पिट्यूटरी ग्रंथि के स्पिंडल सेल ओंकोसाइटोमा: इमेजिंग और इंट्राऑपरेटिव साइटोलॉजी डायग्नोस्टिक दुविधाएं और प्रबंधन चुनौतियां। जे न्यूरोल सर्जन ए सेंट यूरो न्यूरोसर्ज। 2022 सितम्बर;83(5):442-50.

185. कैंडी एसके, निमोणकर एमएम, डैश एसएस, मेहता बी, मार्कंडेय वाईएस। ग्लूटामेट रिसेप्टर निषेध और माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन के सुधार के माध्यम से न्यूरोनल एक्साइटोटॉक्सिसिटी के खिलाफ एस्टैक्सैन्थिन संरक्षण। मार्च ड्रग्स. 2022 अक्टूबर 18;20(10):645.

186. कपानी एआरएम, मीना केएस, नट्टाला पी, मंजूनाथ एन, सुधीर पीएम. अवसाद के लिए संक्षिप्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप पर मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) के लिए एक प्रशिक्षण वीडियो का डिजाइन और विकास। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 जुलाई;11(7):3862-7.

187. करण एन, बंसल एस, मेहता यूएम, चक्रवर्ती डी, रेड्डी एम. पोस्टऑपरेटिव विलंबित न्यूरोकॉग्निटिव रिकवरी: इसकी घटना का मूल्यांकन और इंट्राऑपरेटिव सेरेब्रल डीसेचुरेशन के साथ सहसंबंध - एक संभावित अवलोकन अध्ययन। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज. 2023 अप्रैल;227:107642.

188. करण एन, रमेश वीजे, श्रीराम वी. मिर्गी सर्जरी के बाद पोस्टीरियर रिवर्सिबल एन्सेफैलोपैथी सिंड्रोम, कम-प्रसंस्कृत इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी स्तरों द्वारा सचेत: एक केस रिपोर्ट। ए ए अभ्यास. 2022 मई 1;16(5):e01590.

189. काशीनाथ जी मेत्री, नागरत्न रघुराम, मीरा नारायण, कार्तिक श्रवण, संजना सेकर, हेमंत भार्गव, नतेश बाबू, श्रीलॉय मोहंती, ऋषभ रेवनकर। क्रोनिक मस्कुलोस्केलेटल दर्द से पीड़ित महिला शिक्षकों में दर्द के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य, नींद की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता पर कार्यस्थल योग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन - कार्य। 2023 फरवरी 21. डीओआई: 10.3233/डब्ल्यूओआर-210269.

190. कश्यप आर, भारद्वाज एस, सनी एएस, भट्टाचार्जी एस, उडुपा के, कुमार एम, पाल पीके, भरत आरडी। संचलन विकारों में ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का पर्टर्बेशनल मानचित्र। मस्तिष्क विकार.2023 मार्च 13; 9:100071.

191. कश्यप आर, भट्टाचार्जी एस, भरत आरडी, वेंकटसुब्रमण्यम जी, उडुपा के, बशीर एस, एट अल। विशिष्ट क्षेत्रों में मस्तिष्कमेरु द्रव की भिन्नता ट्रांसक्रानियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना में फोकलिटी को नियंत्रित करती है। फ्रंट हम न्यूरोसाइंस. 2022;16:952602.

192. कथरानी एन, चौहान आरएस, कोटवाल ए, कुलंथावेलु के, भट एमडी, सैनी जे, एट अल। फैलाना मिडलाइन ग्लियोमास में H3 K27M उत्परिवर्तन स्थिति का प्रसार और छिड़काव इमेजिंग बायोमार्कर। न्यूरोरेडियोलॉजी। 2022 अगस्त;64(8):1519-28.

193. कथरानी एनवी, चौहान आरएस, रामलिंगैया एएच, सैनी जे, देवी बीआई। स्पाइनल एपिड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला का परक्यूटेनियस एम्बोलिज़ेशन: 2 मामलों की रिपोर्ट और तकनीकी विचार। जे वास्क इंटरव रेडिओल। 2023 मार्च;34(3):498-500.ई3.

194. कटला एन, रामसहाय ए, तुलसी ए, इलावरसु जे, जगन्नाथन ए, भार्गव एच, एट अल। योग मॉड्यूल विकास और सत्यापन: पद्धति संबंधी दिशानिर्देशों के साथ एक व्यवस्थित समीक्षा। योग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2022;15(3):175.

195. कौल एस, पापलीकर ए, वर्गीस एफ, अल्लादी एस, शर्मा एम, धालीवाल आरएस, एट अल। पाँच भारतीय भाषाओं में MoCA: भाषाई रूप से विविध सेटिंग में मनोभ्रंश और MCI का निदान करने के लिए एक संक्षिप्त स्क्रीनिंग उपकरण। इंट जे जेरियाट्र मनोरोग। 2022 अगस्त 31;37(10).

196. कौर जीपी, वैफेई के, गंजेकर एस, थिप्पेस्वामी एच, चंद्रा पीएस, देसाई जी। प्रसवकालीन अवधि के दौरान गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित महिलाओं के बीच वैवाहिक और पारिवारिक संबंध, भारत की मातृ शिशु मनोरोग इकाई में भर्ती कराए गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ। 2023 जनवरी 27;10(2):672-6.

197. काव्या आर, औटी एस, जोस एस, प्रसाद टीके, कुमुदा केएन, उन्नी एस, एट अल। मोनोमेरिक $\alpha$-सिन्यूक्लिन के साथ सेलेस्ट्रोल का उच्च-आत्मीयता

बंधन इन विट्रो एकत्रीकरण को कम करता है। जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन। 2023 फरवरी 6;1-11.

198. केम्प एसए, चेंग एमटीके, हैमिल्टन डब्ल्यूएल, कैमेलियन के, इंडियन SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (INSACOG), सिंह एस, एट अल। टीका लगाए गए स्वास्थ्य कर्मियों के बीच बी.1.617.2 डेल्टा संस्करण का संचरण। विज्ञान प्रतिनिधि 2022 जून 21;12(1):10492.

199. खान एएफ, रथिनम बी, चेरियन एवी, वेंकटेश आरके। बौद्धिक विकासात्मक विकलांगता (आईडीडी) वाले एक बेघर व्यक्ति का पारिवारिक पुन:एकीकरण: एक केस रिपोर्ट। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2022 दिसंबर 1;9(4):441-5.

200. खन्ना एम, गुप्ता ए, हलधर पी, टैली एबी। मायलोपैथी के कारण विकलांगता वाले व्यक्तियों में यौन रोग और यौन चिंताएँ: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):636-40.

201. खन्ना एम, शिवदास डी, गुप्ता ए, हलधर पी, प्रकाश एनबी। स्ट्रोक के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर आंतरिक रोगी पुनर्वास का प्रभाव। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):800–3.

202. किमेल एम, थिप्पेस्वामी एच, कैम्परमैन ए, माधुरी एचएन, पुत्नाम के, शिलर सी, एट अल। मनोवैज्ञानिक विशेषताओं के साथ प्रसवोत्तर प्रमुख अवसाद को समझने के लिए क्रॉस-कॉन्टिनेंटल सहयोग। फ्रंट ग्लोब महिला स्वास्थ्य. 2022;3:996501.

203. किशोर वीके, विश्वनाथन एलजी, असरन्ना ए, केंचियाह आर, चौधरी एमआर, सिन्हा एस। इंट्रावेनस मिथाइलप्रेडनिसोलोन रिंग क्रोमोसोम 20 सिंड्रोम के लिए एक संभावित ऐड-ऑन थेरेपी है। जब्ती। 2022 मार्च;96:118-20.

204. कोनार एसके, कंड्रेगुला एस, बेनीवाल एम, सदाशिव एन, पटेल केआरके, नागेश एम, एट अल। कोरॉइड प्लेक्सस ट्यूमर का प्रबंधन: तृतीयक अस्पताल से एक व्यापक अध्ययन। क्लिनिकल न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी। 2021 फरवरी 1;201:106454.

205. कोंग एक्सजेड, एनिग्मा लेटरलिटी वर्किंग ग्रुप, फ्रैंक्स सी. चयनात्मक रिपोर्टिंग के अभाव में पुनरुत्पादन: बड़े पैमाने पर मस्तिष्क विषमता अनुसंधान से एक चित्रण। हम ब्रेन मैप. 2022 जनवरी;43(1):244-54.

206. कोरान वी, जैकब ए, लू बी, देवी पी, थोंसे यू, नागेंद्र बी, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में आराम की स्थिति में प्रभावी कनेक्टिविटी पर इंट्रानैसल ऑक्सीटोसिन का प्रभाव। स्किज़ोफ़र बुल. 2022 सितम्बर 1;48(5):1115-24.

207. कोरान वी, सुहास एस, अप्पाजी ए, नागेंद्र बी, पद्मनाभ ए, जैकब ए, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में रेटिना संवहनी उपायों और मस्तिष्क सफेद पदार्थ घावों के बीच संबंध। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अप्रैल;70:103042.

208. कोरान वी, थोंसे यू, जैकब ए, देवी पी, पद्मनाभ ए, भरत आरडी, एट अल। 442. सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों में शहरी पालन-पोषण और कॉर्टिकल गाइरिफिकेशन के बीच संबंध। जैविक मनोरोग. 2023;93(9):एस273.

209. कोशी केजी, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी, नंदीश बीएन। आंतों का जिआर्डियासिस तीव्र संवेदी गतिभंग के रूप में प्रकट होता है। पोस्टग्रेजुएट मेड जे. 2022 फरवरी 1;98(ई1):ई34-5.

210. कोटाम्बेल ए, सेल्वम पी, मुथुसामी के, थॉमस एम, सुधाकर एसवी, घाटी सी, एट अल। जनसंख्या बाधा और अलगाव के कारण भारतीय समुदाय में किशोर कैनावन रोग का समूहन: एक संस्थापक घटना के जीनोमिक हस्ताक्षर। यूर जे हम जेनेट. 2023 जनवरी;31(1):73-80.

211. कोटवाल ए, रामलिंगैया एएच, शुक्ला डी, राधाकृष्णन एम, कोनार एसके, श्रीनिवासैया बी, एट अल। विलंबित सेरेब्रल इस्किमिया में निमोडिपिन और मिल्रिनोन की भूमिका। विश्व न्यूरोसर्जन। 2022 अक्टूबर;166:ई285-93.

212. कृष्णा जी, संतोषकुमार आर, शिवकुमार पीटी, अल्लादी एस, महादेवन ए, दहले एबी, एट अल। अल्जाइमर रोग और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया के बीच न्यूरोनल एक्सोसोम-व्युत्पन्न सिनैप्टिक और ऑर्गेनेल मार्कर स्तर में पैथोलॉजिकल (डिस) समानताएं। जे अल्जाइमर डिस. 2023;94(एस1):एस387-97.

213. कृष्णकुमार एम, गोपालकृष्ण केएन, धृतिमान सी, भद्रनारायण वी, सुंदरम एम, गोयल ए, एट अल। सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर वाले मरीजों में इंट्राऑपरेटिव मस्तिष्क की स्थिति की भविष्यवाणी करने के लिए ऑप्टिक तंत्रिका म्यान व्यास और हृदय गति परिवर्तनशीलता का प्रीऑपरेटिव मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जे क्लिन मोनिट कंप्यूट। 2023 जून;37(3):765-73.

214. कुकले पीएल, गीता टीएस, चौधरी आर, सथिरापोंगसासुति जेएफ, गोयल वी, कंडादाई आरएम, एट अल। जीनोम-वाइड पॉलीजेनिक स्कोर भारत के मोनोजेनिक अज्ञात युवा शुरुआत पार्किंसंस रोग रोगियों में उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की बड़ी संख्या की भविष्यवाणी करता है। एडवोकेट बायोल (वेन्ह)। 2022 नवंबर;6(11):ई2101326.

215. कुलमरवा के, चिक्कन्ना यू, रामकृष्ण केके, भार्गव एच, वेलायुथम एसजी, वरम्बली एस। इंटीग्रेटिव अप्रोच स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया -2 में गिरने के जोखिम और पोस्टुरल स्थिरता में सुधार करता है - एक केस रिपोर्ट। इंट जे योग. 2022;15(2):168-72.

216. कुलंथावेलु के, जबीन एस, सैनी जे, राजू एस, नलिनी ए, सदाशिव एन, एट अल। उच्च श्रेणी के ग्लियोमास से ट्यूबरकुलोमा के विभेदन के लिए एमाइड प्रोटॉन ट्रांसफर इमेजिंग: प्रारंभिक अनुभव। न्यूरोरेडियोल जे. 2021 अक्टूबर;34(5):440–8.

217. कुलंथावेलु के, पीर एस, बिस्वास एस, प्रसाद सी, सैनी जे, पेंढारकर एचएस, एट अल। प्रवाह-विवर्तित धमनीविस्फार के मूल्यांकन में धमनी स्पिन लेबलिंग पर "ट्रैप्ड लेबल स्पिन"-संबंधित संकेत: प्रारंभिक अनुभव। न्यूरोरेडियोलॉजी। 2022 जनवरी;64(1):77-93.

218. कुमार ए, कुमार पी, ठाकुर आर, जोशी आरके। एक डबल कार्ट्रिज दृष्टिकोण ने [11C] मेथियोनीन रेडियोकेमिकल उपज को 20% तक बढ़ा दिया। जर्नल ऑफ़ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री। 2023;1-7.

219. कुमार जी, यादव पीएस, शशिधरन ए, यादव आर, नागेंद्र आरपी, गोविंदराज आर, एट अल। कोविड-19 महामारी, नींद की गुणवत्ता और सपनों का भावनात्मक स्वर: यह देखने के लिए एक मॉडल कि मनोवैज्ञानिक तनाव नींद की गुणवत्ता, सपने और भावनात्मकता को कैसे प्रभावित करता है। ड्रीम रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2023;40-51.

220. कुमार एम, हिरेमठ सी, खोखर एसके, बंसल ई, सागर केजेवी, पद्मनाभ एच, एट अल। परिवर्तित अनुमस्तिष्क लोब्यूलर वॉल्यूम भाई-बहनों और एएसडी वाले बच्चों में नैदानिक कमी से संबंधित है: बच्चों से साक्ष्य। जे अनुवाद मेड. 2023 अप्रैल 7;21(1):246.

221. कुमार एन, संतोषकुमार आर, प्रसाद पी, जॉर्ज एके, अय्यर जे, जोशी एस, एट अल। भारत में COVID-19 महामारी की पहली लहर के दौरान प्रसारित SARS-CoV-2 वैरिएंट B.1.210 पर एक अल्ट्रास्ट्रक्चरल और जीनोमिक अध्ययन। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल। 2023;41:45-52.

222. कुमार पी, ठाकुर आर, आचार्य पीसी, मोहन एचके, पल्लवी यूएन, माहेश्वरी डी, एट अल। पीजीपी केमोरेसिस्टेंस इमेजिंग मार्कर के रूप में फ्लोरीन-18-एवीटी-011 का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और रेडियोसंश्लेषण। विज्ञान प्रतिनिधि 2022 नवंबर 3;12(1):18584.

223. कुमार पीसीपी, जॉन एस, चेरियन ए, पांडियन आर, आनंद एन, राव टी। मानव इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) वाले लोगों में अवसाद के बारे में एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (आईसीटीसी) परामर्शदाताओं की जागरूकता और ज्ञान: कर्नाटक से एक वर्णनात्मक अध्ययन . औद्योगिक मनोरोग जर्नल. 2023 अगस्त 11;

224. कुमार पीएनएस, मेनन वी, एंड्रेड सी. विटामिन डी की कमी से जुड़े प्रमुख अवसादग्रस्त विकार में विटामिन डी वृद्धि का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, 12-सप्ताह का परीक्षण। जे प्रभाव विकार. 2022 अक्टूबर 1;314:143-9.

225. कुमार एसवी, नारायण एस, मालो पीके, भास्करपिल्लई बी, थिप्पेस्वामी एच, देसाई जी, एट अल। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विकासात्मक कठिनाइयों के लिए प्रारंभिक बचपन के हस्तक्षेप कार्यक्रमों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अप्रैल;70:103026.

226. कुमार वी, रेड्डी एल, शर्मा एसके, दादी के, यारा सी, राजू बी, एट अल। mulEEG: ईईजी सिग्नल पर एक मल्टी-व्यू रिप्रेजेंटेशन लर्निंग। बायोरेक्सिव. 2022;2022-04.

227. कुमारी आर, होला वीवी, फुलपगार पी, श्रीराम एन, हेगड़े एजी, वेंगालिल एस, एट अल। संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण और प्रतिलेख विश्लेषण वुडहाउस-सकती सिंड्रोम के अंतर्निहित DCAF17 जीन में एक उपन्यास रोगजनक ब्याह स्थल उत्परिवर्तन की खोज करता है। जे न्यूरोएंडोक्रिनोल. 2022 अक्टूबर;34(10):ई13185.

228. कुमावत वी, गोयल एम, रानी एस। ट्रांसफ़्यूज़न से संबंधित-ग्राफ्ट बनाम होस्ट रोग के एक घातक मामले में अस्थि मज्जा परिवर्तन। ट्रांसफ़स मेड. 2023 फ़रवरी;33(1):90-1.

229. लाहिरी एस, चन्द्रशेखर एन. क्रिप्टोकोकस प्रजाति कॉम्प्लेक्स के नैदानिक और पर्यावरणीय आइसोलेट्स में एंटीफंगल संवेदनशीलता और प्रतिरोध गुणों के लक्षण वर्णन के लिए उन्नत दृष्टिकोण। संक्रामक औषधि. 2022;1(3):147-53.

230. लखटकिया टी, बोंद्रे ए, चंद पीके, चतुर्वेदी एन, चौधरी एस, क्यूरी डी, एट अल। वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्मार्टफ़ोन डिजिटल फेनोटाइपिंग, सर्वेक्षण और संज्ञानात्मक मूल्यांकन: एक अंतरराष्ट्रीय प्रथम एपिसोड मनोविकृति अध्ययन से प्रारंभिक डेटा और नैदानिक सहसंबंध। अंक स्वास्थ्य. 2022;8:20552076221133760.

231. लक्कीरेड्डी एसपी, बालाचंदर एस, दयालमूर्ति पी, भट्टाचार्य एम, जोसेफ एमएस, कुमार पी, एट अल। न्यूरोकॉग्निशन और प्रतिकूल बचपन के अनुभवों और मानसिक बीमारी के पारिवारिक जोखिम के साथ इसका संबंध। प्रोग न्यूरोसाइकोफार्माकोल बायोल मनोरोग। 2022 दिसंबर 20;119:110620.

232. ली जे, मीजर ई, लंगा केएम, गांगुली एम, वर्गीस एम, बनर्जी जे, एट अल। भारत में मनोभ्रंश की व्यापकता: एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन से राष्ट्रीय और राज्य का अनुमान। अल्जाइमर रोग. 2023 जुलाई;19(7):2898-912.

233. लेमे केआर, कोगन सीएस, रेबेलो टीजे, कीली जेडब्ल्यू, भार्गव आर, शरण पी, एट अल। बौद्धिक विकास के विकारों के लिए ICD-11 व्यवहार संकेतकों का एक अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र अध्ययन। जे इंटेलेक्ट डिसेबिलिटी रेस। 2022 अप्रैल;66(4):376-91.

234. लेंका ए, हेगड़े एस, अरुमुघम एसएस, सिंह पी, यादव आर, पाल पीके। पार्किंसंस रोग में दृश्य और मामूली मतिभ्रम के संज्ञानात्मक सहसंबंध। कैन जे न्यूरोल विज्ञान. 2023 जनवरी;50(1):44-8.

235. लेरोई आई, करंजा डब्ल्यू, एड्रियन ईआर, अल्लादी एस, कस्टोडियो एन, गोस्वामी एसपी, एट अल। व्यावहारिक मनोभ्रंश अनुसंधान में समानता और संतुलन: वैश्विक सहयोग के लिए आचरण और चेकलिस्ट का एक चार्टर। इंट जे जेरियाट्र मनोरोग। 2022 जुलाई;37(7).

236. लिब्रे-गुएरा जे जे, हेवेनर ए, ब्रुकी एसएमडी, मारांटे जेपीडी, पिंटाडो-कैपा एम, चेन वाई, एट अल। अल्जाइमर रोग और संबंधित मनोभ्रंश में नैदानिक परीक्षण वैश्वीकरण का आह्वान। अल्जाइमर रोग. 2023 जुलाई;19(7):3210-21.

237. लिडिया वी, जगन्नाथन ए, अंगोथु एच, रेड्डी एस। तृतीयक देखभाल अस्पताल में दीर्घकालिक प्रवेश के तहत मानसिक बीमारी से पीड़ित महिलाओं के लिए आवश्यकता-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम: एक व्यवहार्यता अध्ययन। इंट जे समाज मनोचिकित्सा. 2023 मई;69(3):763-73.

238. मद्दाली एमवी, चुरपेक एम, फाम टी, रेजोगली ई, झूओ एच, झाओ डब्लू, एट अल। क्लिनिकल डेटा का उपयोग करके मशीन-लर्निंग मॉडल द्वारा पहचाने गए एआरडीएस सबफेनोटाइप्स की मान्यता और उपयोगिता: एक अवलोकन, मल्टीकोहोर्ट, पूर्वव्यापी विश्लेषण। लैंसेट रेस्पिर मेड. 2022 अप्रैल;10(4):367-77.

239. मैडिल ए, भोला पी, कोलुची ई, क्राउचर के, इवांस ए, ग्रेबर आर। हम सतत विकास लक्ष्यों की सीमा को शामिल करते हुए अनुसंधान में मानसिक स्वास्थ्य को मुख्यधारा में कैसे ला सकते हैं? परिवर्तन का एक सिद्धांत. पीएलओएस ग्लोब पब्लिक हेल्थ। 2022;2(8):ई0000837.

240. मेस एम, रचायोन एम, जिराक्रान के, सोडसाई पी, क्लिंचनहोम एस, देबनाथ एम, एट अल। प्रतिकूल बचपन के अनुभव भावात्मक विकारों की घटना की भविष्यवाणी करते हैं और इन प्रभावों को स्टेजिंग, न्यूरोइम्यूनोटॉक्सिक और ग्रोथ फैक्टर प्रोफाइल द्वारा मध्यस्थ किया जाता है। कोशिकाएँ। 2022 मई 7;11(9):1564.

241. मेस्त्रे जी, कैरिलो एम, कलारिया आर, अकोस्टा डी, एडम्स एल, एडौकोनोउ टी, एट अल। नैरोबी घोषणा-निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में मनोभ्रंश के बोझ को कम करना: एलएमआईसी में मनोभ्रंश और मस्तिष्क की उम्र बढ़ने पर 2022 संगोष्ठी की घोषणा। अल्जाइमर रोग. 2023 मार्च 11;

242. महादेवन जे, पांडा यू, कावती डीपी, लिखिता सी, कुबेनथिरन एन, चंद पीके, एट अल। अल्कोहल उपयोग विकार प्रबंधन पर प्रशिक्षण के लिए एक कार्यक्रम में भाग लेने वाले हेपेटोलॉजिस्टों के बीच स्व-रिपोर्ट किए गए परिणामों का मूल्यांकन करने वाला एक पायलट अध्ययन। में: व्यसन विज्ञान और नैदानिक अभ्यास। बीएमसी कैंपस, 4 क्रिनान एसटी, लंदन एन1 9एक्सडब्ल्यू, इंग्लैंड; 2022.

243. महाले आरआर, गौतम जे, मेलनकोडी पी, पद्मनाभ एच, मथुरानाथ पीएस। MT-TL1 जीन में m.3243A > G उत्परिवर्तन के कारण पृथक माइटोकॉन्ड्रियल मायोपैथी। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2022 अगस्त;122(4):1115–6.

244. महाले आरआर, कृष्णन एस, दिव्या केपी, जिशा वीटी, किशोर ए। प्रगतिशील सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी में लिंग अंतर। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2022 अप्रैल;122(2):357-62.

245. महाले आरआर, तिवारी आर, अरुणाचल जी, पद्मनाभ एच, मेलनकोडी पी। मायोक्लोनस मिर्गी और पोटेशियम चैनल म्यूटेशन (एमईएके) के कारण गतिभंग: प्रगतिशील मायोक्लोनिक मिर्गी का एक कारण। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2022 जून;122(3):801–3.

246. मलिक ए, सुधीर पीएम, प्रत्युषा पीवी, मुनिवेंकटप्पा एम, कुमार ए, शर्मा एमपी। मनोचिकित्सा में होमवर्क के पालन में आने वाली बाधाओं पर ग्राहकों का दृष्टिकोण: भारत से एक खोजपूर्ण अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 सितम्बर;75:103206.

247. मलिक के, पारिख आर, साहू आर, सुधीर पी, फेयरबर्न सीजी, पटेल वी, एट अल। यदि किसी बात को लेकर कोई तनाव है, तो मैं इसे हल कर सकता हूं: भारत में आम किशोर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए संक्षिप्त समस्या-समाधान हस्तक्षेपों के परीक्षण में परिवर्तन प्रक्रियाओं की गुणात्मक जांच। साइकोल साइकोथेर. 2023 मार्च;96(1):189–208.

248. ममतानी एच, चतुर्वेदी एसके। अल्प्राजोलम: कुछ के लिए अच्छा है, सभी के लिए अच्छा नहीं! जे क्लिन साइकोफार्माकोल। 2023 जून 1;43(3):204–8.

249. ममतानी एच, पाठक एच, सखरदांडे केए, गौड़ा जीएस, मुलियाला केपी, मोइरांगथेम एस, एट अल। क्या परिधीय मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक (बीडीएनएफ) सिज़ोफ्रेनिया में आत्महत्या के जोखिम का संभावित बायोमार्कर हो सकता है? स्किज़ोफ़र रेस. 2022 मई;243:203–5.

250. मैंगलोर एस, चौरसिया केके, मूर्ति वी. विभिन्न न्यूरो अपक्षयी विकारों के इमेजिंग में एक संभावित बायोमार्कर के रूप में धमनी स्पिन लेबलिंग: एक तृतीयक न्यूरोसाइकियाट्रिक संस्थान में एक पीईटीएमआर/पीसीएएसएल अध्ययन। 2023 अक्टूबर 10.

251. मैंगलोर एस, कुमार एम, पाल पी, सैनी जे, पाशा एस, यादव आर। मल्टीवोक्सल एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी की भूमिका - एक प्रारंभिक अध्ययन। न्यूरोलॉजी भारत. 2022 नवंबर 1;70(6):2388.

252. मैंगलोर एस, पीर एस, गुप्ता एके। विभिन्न डिमेंशिया की प्रोफाइलिंग के लिए बायोमार्कर के रूप में स्ट्रक्चरल एमआरआई की घुमावदार मल्टीफॉर्मेट इमेजिंग - एमआर/पीईटी के साथ एक एल्गोरिदमिक दृष्टिकोण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 जुलाई;73:103094.

253. मैंगलोर एस, पीर एस, खोखर एसके, भरत आरडी, कुलंथावेलु के, सैनी जे, एट अल। ट्राई-मॉडेलिटी ईईजी-एमआर/पीईटी इमेजिंग के संभावित विकल्प के रूप में रेस्टिंग-स्टेट फंक्शनल एमआरआई/पीईटी प्रोफाइल: ड्रग-रिफ्रैक्टरी मिर्गी में एक खोजपूर्ण अध्ययन। एशियन जे न्यूरोसर्ज। 2023 मार्च;18(1):53-61.

254. मंजुला वी, मुनिवेंकटप्पा एम, नवनीतम जे, फिलिप एम। यौन रोग वाले जोड़ों में वैवाहिक संबंध और यौन संपर्क की गुणवत्ता: भारत से एक खोजपूर्ण अध्ययन। जर्नल ऑफ साइकोसेक्सुअल हेल्थ. 2021 अक्टूबर 1;3(4):332-41.

255. मार्कंडेय वाईएस, ग्रेगोरिच जेडआर, फेंग एल, रामचंद्रन वी, ओ'हारा टी, वैद्यनाथन आर, एट अल। केवोलिन-3 और केवोले वेंट्रिकुलर रिपोलराइजेशन

को नियंत्रित करते हैं। जे मोल सेल कार्डियोल। 2023 अप्रैल;177:38–49.

256. मैथ्यू एसटी, निर्मला बीपी, कोम्मू जेवीएस। सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों में पुनर्प्राप्ति का व्यक्तिगत अर्थ। इंट जे समाज मनोचिकित्सा. 2023 फ़रवरी;69(1):78–85.

257. मैथ्यू टी, कामथ वी, जॉन एसके, नेत्रवती एम, अय्यर आरबी, राघवेंद्र एस, एट अल। मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में नेटालिज़ुमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा पर एक वास्तविक विश्व बहु केंद्र अध्ययन। मल्टी स्क्लेर रिलेट डिसॉर्डर। 2022 अक्टूबर;66:104059.

258. मैकटविश जेआर, चंद्रा पीएस, स्टीवर्ट डीई, हेरमैन एच, मैकमिलन एचएल। मानसिक स्वास्थ्य सेटिंग्स में बाल दुर्व्यवहार और अंतरंग साथी हिंसा। इंट जे एनवायरन रेस पब्लिक हेल्थ। 2022 नवम्बर 25;19(23):15672.

259. मीना पी, सुब्रमण्यम एस, देसाई जी, कृष्णा जी, राजेश्वरन जे। ईईजी–न्यूरोफीडबैक प्रशिक्षण और चिंता विकारों में प्रोलिडेज़: एक खोजपूर्ण अध्ययन। न्यूरोरेग्यूलेशन। 2022;9(3):127–127.

260. मेहा एस, सुहास एस, राव एनपी। कोविड–19 के बाद आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले गंभीर अवसाद के इलाज के लिए केटामाइन का सफल उपयोग – एक केस रिपोर्ट। मनोचिकित्सा रेस केस प्रतिनिधि 2023 जून;2(1):100100.

261. मेहरोत्रा के, भोला पी, देसाई जी। सीमावर्ती व्यक्तित्व कमजोरियों वाले व्यक्तियों में मातृत्व का संदर्भ: भारतीय संदर्भ में अभिभावक विकास साक्षात्कार–संशोधित का सांस्कृतिक अनुकूलन। रेस साइकोथेर. 2023 फरवरी 3;26(1):675.

262. मेहता यूएम, बसवराजू आर, रमेश ए, केसवन एम, थिरथल्ली जे। एक्शन ऑब्जर्वेशन के दौरान मोटर रेजोनेंस और वर्चुअल क्लिनिकल परामर्श के लिए इसकी प्रासंगिकता: ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का उपयोग करके अवलोकन अध्ययन। जेएमआईआर मानसिक स्वास्थ्य। 2022 अक्टूबर 21;9(10):ई40652.

263. मेलुइश एस, भोला पी, गुटिरेज़ एमसी, क्रिचफील्ड के, एटवुड के. कोविड–19 पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव और नैदानिक मनोविज्ञान प्रतिक्रियाएं। मनोविज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य. 2022;

264. मेनन डी, ब्रिल वी. नए जैविक पर विशेष जोर के साथ सामान्यीकृत मायस्थेनिया ग्रेविस की फार्माकोथेरेपी। औषधियाँ। 2022 जून;82(8):865–87.

265. मेनन डी, होल्ला वीवी, पाल पीके। पीओएलजी उत्परिवर्तन से "आग" लग रही है। जब्ती। 2023 जनवरी;104:41–2.

266. मेनन डी, मैन्सफील्ड पी, कॉर्डिस डी, स्टुडर सी, ओ'लेरी एम, शीन जी, एट अल। मौखिक गुहा और ऑरोफरीन्जियल मांसपेशियों के मूल्यांकन के लिए एक नवीन ट्रांसमेम्ब्रेनस इलेक्ट्रोमायोग्राफी उपकरण का पायलट अध्ययन। मांसपेशी तंत्रिका. 2022 मार्च;65(3):303–10.

267. मेनन डी, मरासाकटला एस, होल्ला वीवी, कांबले एन, नेत्रवती एम, पाल पीके। बुखार से संबंधित सुपर–दुर्दम्य स्थिति मिर्गीप्टिकस: एक उपन्यास पीओएलजी संस्करण की वयस्कता प्रस्तुति: एक केस रिपोर्ट। जब्ती। 2022 जुलाई;99:24–6.

268. मेनन डी, उर्रा पिंचेरा ए, ब्रिल वी. मायस्थेनिया ग्रेविस के उपचार के लिए उभरती दवाएं। विशेषज्ञ की राय इमर्ज ड्रग्स। 2021 सितम्बर;26(3):259–70.

269. मेनन वी, चेरियन एवी, आर्मस्ट्रांग जी. भारत की राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति: नए दृष्टिकोण, नई उम्मीदें। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 मार्च;81:103408.

270. मेनन वी, चेरियन एवी, ज्ञानदास जे, कार एसके, विजयकुमार एल। एनसीआरबी भारतीय आत्महत्या डेटा 2021: प्रमुख रुझान और उनके निहितार्थ। मनोचिकित्सा के एशियाई जर्नल. 2023;84:ई103568.

271. मेनन वी, चेरियन एवी, विजयकुमार एल. भारत में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं और बदलती जनसांख्यिकी: रोकथाम नीतियों को फिर से व्यवस्थित करने का समय? एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 मार्च;69:102983.

272. मेनन वी, वरदराजन एन, अंड्राडे सी. चीन में कोविड–19 फ्रंटलाइन स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं में चिंता और अवसाद। इंट जे समाज मनोचिकित्सा. 2022 फ़रवरी;68(1):223.

273. मेनन वी, वरदराजन एन, बास्करेन एस, अंड्राडे सी. फोकल हैंड डिस्टोनिया में दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना और ट्रांसक्रानियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना की प्रभावकारिता: हस्तक्षेप परीक्षणों की व्यवस्थित समीक्षा। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 फरवरी;80:103437.

274. मेनन वी, वरदराजन एन, बास्करेन एस, अंड्राडे सी. भारत में दो प्रमुख मनोरोग पत्रिकाओं में महिला लेखन के रुझान। मनोरोग रेस. 2022 जुलाई;313:114621.

275. मेटिविएर ई, प्रसाद एम, प्रसाद सी. नवजात हाइपरइंसुलिनिज्म–विभेदक निदान का विस्तार। बाल चिकित्सा बाल स्वास्थ्य. 2023 मई;28(2):67–8.

276. मेट्री केजी, रघुराम एन, नारायण एम, श्रवण के, शेखर एस, भार्गव एच, एट अल। क्रोनिक मस्कुलोस्केलेटल दर्द से पीड़ित महिला शिक्षकों में दर्द के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य, नींद की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता पर कार्यस्थल योग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। काम। 2023 फरवरी 21;

277. माइकल बीडी, वाल्टन डी, वेस्टेनबर्ग ई, गार्सिया–अज़ोरिन डी, सिंह बी,

टैम्बोरस्का एए, एट अल। वयस्क कोविड-19 एन्सेफैलोपैथी रोगियों के निदान और प्रबंधन के लिए आम सहमति नैदानिक मार्गदर्शन। जे न्यूरोसाइकिएट्री क्लिन न्यूरोसाइंस। 2023;35(1):12-27.

278. मिनिक जैनिसिजेविक एस, जोवानोविक आईपी, गाजोविक एनएम, ज्यूरिसेविक एमएम, देबनाथ एम, आर्सेनिजेविक एनएन, एट अल। गैलेक्टिन-3 ने स्थिर सिज़ोफ्रेनिया में सूजन के जोखिम की मध्यस्थता की, अनुभूति के लिए केवल संभावित माध्यमिक परिणाम। विश्व जे मनोरोग. 2022 सितंबर 19;12(9):1183-93.

279. मिश्रा ए, नायर एनएस, कुमार केएच, बीनू वी, हीश एसएस। क्लिनिकल डेटा मॉडलिंग में बहुसंरेखता से निपटने में प्रमुख घटक विश्लेषण का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च. 2022;16(7).

280. मिश्रा आरके, सालिहुंडम डीसी, सर्वे आरएम। द्विपक्षीय आंतरिक कैरोटिड धमनी स्टेनोसिस वाले रोगी में क्रोनिक सबड्यूरल हेमेटोमा को निकालने के बाद कम फ्रंटल क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन का सामान्यीकरण। जे क्लिन मोनिट कंप्यूट। 2023 जून;37(3):925–8.

281. मिश्रा आरके, श्रीगणेश के, सुर्वे आरएम, संगीता आरपी, चक्रवर्ती डी, शशिधर ए, एट अल। न्यूरोसर्जरी से गुजरने वाले कोविड-19 और गैर-कोविड-19 मरीजों की पेरिऑपरेटिव विशेषताओं और नैदानिक परिणामों की तुलना-एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। जे न्यूरोएनेस्थ क्रिट केयर। 2022 जून;09(2):99–105.

282. मोहनराज एन, जोशी एनएस, पॉलोज़ आर, पाटिल आरआर, संतोषकुमार आर, कुमार ए, एट अल। सिनैप्टिक डिसरेग्यूलेशन के कारण सीसा विषाक्तता-प्रेरित स्मृति हानि का पता लगाने के लिए एक प्रोटिओमिक अध्ययन। टॉक्सिकोल प्रतिनिधि 2022;9:1501-13.

283. मोल पी, बलाया आरडीए, दगामाजलु एस, बाबू एस, चंद्रशेखरन पी, राघवन आर, एट अल। शारीरिक और रोग संबंधी स्थितियों में जीडीएनएफ/आरईटी सिग्नलिंग मार्ग का एक नेटवर्क मानचित्र। जे सेल कम्यून सिग्नल. 2023 सितम्बर;17(3):1089-95.

284. मोल पी, चटर्जी ओ, गोपालकृष्णन एल, मंगलापार्थी केके, भट एफ, कुमार एम, एट अल। मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स द्वारा निर्धारित मानव हिप्पोकैम्पस उपक्षेत्रों में आयु-संबंधित आणविक परिवर्तन। ओमिक्स। 2022 जुलाई;26(7):382-91.

285. मोल पी, गोपालकृष्णन एल, चटर्जी ओ, मंगलापर्थी केके, कुमार एम, दुर्गाड एसएस, एट अल। वयस्क मानव हिप्पोकैम्पस उपक्षेत्रों का प्रोटीन विश्लेषण प्रोटीन अभिव्यक्ति में क्षेत्रीय विविधता को प्रदर्शित करता है। जे प्रोटीन रेस. 2022 अक्टूबर 7;21(10):2293-310.

286. मुखर्जी ए, कुमार जी, तुरुक ए, भल्ला ए, बिंगी टीसी, भारद्वाज पी, एट अल। टीकाकरण जीवन बचाता है: पुरानी बीमारियों और गंभीर सीओवीआईडी -19 संक्रमण वाले रोगियों का वास्तविक समय का अध्ययन। क्यूजेएम. 2023 फरवरी 14;116(1):47-56.

287. मुखर्जी जे, गोयल एस, अरशद एफ, नाशी एस, सृजितेश पीआर, कुलकर्णी जीबी, अल्लादी एस. एंटी-एन-मिथाइल-डी-एस्पार्टेट रिसेप्टर एन्सेफलाइटिस और सीओवीआईडी -19 संक्रमण की सहवर्तीता - संक्षिप्त विवरण के साथ दो रोगियों की केस श्रृंखला साहित्य की समीक्षा। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज.2022 अगस्त 01;13(8):245.

288. मुखर्जी जे, केंचैया आर, गौतम बीके, नारायणन सी, अफसर एम, नारायणन एम, एट अल। टेम्पोरल लोबेक्टोमी के बाद दौरे के परिणाम की भविष्यवाणी: एक मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी-आधारित ग्राफ सिद्धांत दृष्टिकोण"। जब्ती। 2022 अप्रैल;97:73-81.

289. मुखोपाध्याय एस, होला बी, भार्गव एच, रामकृष्ण केके, चिक्कन्ना यू, वरम्बली एस, एट अल। "चिकित्सा" के रूप में एकीकृत चिकित्सा: एक परिप्रेक्ष्य। वॉल्यूम. 1, इंटीग्रेटिव मेडिसिन रिपोर्ट। मैरी एन लिबर्ट, इंक., प्रकाशक 140 ह्यूजेनॉट स्ट्रीट, तीसरी मंजिल नई...; 2022. पी. 86-94.

290. मुक्कु एसएसआर, जगताप एन, मुलियाला केपी, शिवकुमार पीटी, सिन्हा पी, मैंगलोर एस, एट अल। क्या थैलेमिक घाव संज्ञानात्मक हानि वाले वृद्ध वयस्कों में अनुचित यौन व्यवहार के लिए एक योगदान कारक है? जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 अप्रैल;13(2):343–7.

291. मुलियाला के, थिरथल्ली जे. तंबाकू के उपयोग को संबोधित करने वाली सेवाएं गंभीर मानसिक बीमारियों वाले व्यक्तियों के पुनर्वास का अभिन्न अंग होनी चाहिए। मनोसामाजिक पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022 मई 30;9.

292. मुलियाला केपी, सुजई आर, थिरथल्ली जे. न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर वाले वयस्कों में मल्टीमॉर्बिडिटी की देखभाल बढ़ाना। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2023;10(1):5–9.

293. मुरलीधरन एन, मुरुगन ए, राज पीए, जोथी एम। कार्यात्मक PAX3 ट्रांसक्रिप्शनल फैक्टर की बहाली, PAX3b आइसोफॉर्म-डिप्लेटेड न्यूरोब्लास्टोमा कोशिकाओं में न्यूरोनल भेदभाव को बढ़ाया। कोशिका ऊतक रेस. 2023 जनवरी;391(1):55-65.

294. मूर्ति एनएस, बालाचंदर एस, निर्मला बीपी, पांडियन आरडी, चेरियन एवी, अरुमुघम एसएस, एट अल। जुनूनी-बाध्यकारी विकार वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों में परिवार के कामकाज के निर्धारक। जे प्रभाव विकार. 2022 मई 15;305:179-87.

295. मूर्ति पी, शदाक्षरी डी, महादेवन जे, चांद पीके। अल्कोहलिक लिवर रोग के रोगियों में अल्कोहल उपयोग विकार का प्रबंधन। जे क्लिन ऍक्स्प हेपाटोल। 2022;12(6):1514-26.

296. मुरुमकर वी, पीर एस, सैनी जे, अरविंदा एचआर। लगातार हाइपोग्लोसल धमनी से जुड़े विच्छेदन पश्च सेरेब्रल धमनी धमनीविस्फार का एंडोवस्कुलर प्रबंधन: एक केस रिपोर्ट। जे वास्क ब्रा. 2021;20:ई20200142.

297. मुरुमकर वी, प्रियदर्शिनी बैश्या पी, कुलंथावेलु के, सैनी जे, मंजूनाथ एन, कुमार गुप्ता आर। तीव्र ऑप्टिक न्यूरिटिस के सटीक निदान में 3डी डबल इनवर्जन रिकवरी (डीआईआर) बनाम 3डी फ्लुइड एटेन्यूएटेड इनवर्जन रिकवरी (फ्लेयर) की तुलना। यूरो जे रेडिओल. 2022 अक्टूबर;155:110505.

298. मुस्टी एस, चक्रवर्ती डी, बंसल एस। सामान्य एनेस्थीसिया के तहत रीढ़ की सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में सर्जिकल प्लीथ इंडेक्स पर प्रोन पोजिशनिंग का प्रभाव – एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल। 2022;38(4):646–51.

299. मुथुकुमारन एम, सेल्वराज एस, बालाचंदर एस, नडेला आरके, श्रीराज वीएस, मुल्लाप्पागारी एस, एट अल। प्रमुख मानसिक बीमारी से प्रभावित कई परिवारों में सामाजिक कामकाज की साझा और अनूठी कमी [इंटरनेट]। medRxiv; 2023 [उद्धृत 2023 अगस्त 30]. पी. 2023.05.25.23290270.

300. मुथुकुमारन पी, कांबले एनएल, मिश्रा टी, यादव आर, श्रीनिवास डी, पाल पीके। युवा और देर से शुरू होने वाले पार्किंसंस रोग वाले मरीजों के प्री–डीप ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिकल प्रोफाइल की तुलना। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1214–6.

301. नागराज सी, जोशी आरके, कुमार डी, चक्रवर्ती डी, सिंह पीके, मैंगलोर एस, एट अल। एक साथ पीईटी/एमआरआई पर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और अन्य कर्मियों के लिए विकिरण सुरक्षा: लंबे समय तक स्कैन करते समय मरीजों से संभावित विकिरण जोखिम। जर्नल ऑफ़ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर. 2022;9(03):162–7.

302. नागराजा सीटी, रामलिंगैया एएच, अरिमप्पमगन ए, मित्रा एस, शुक्ला डी, श्रीनिवास डी, एट अल। कैवर्नस साइनस के सर्जिकल रूप से कटे हुए घावों का स्पेक्ट्रम: एक न्यूरोपैथोलॉजिक ऑडिट। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जुलाई;13(3):495–509.

303. नागेंद्र आरपी, सत्यप्रभा टीएन, कुट्टी बीएम. लंबे समय तक माइंडफुलनेस ध्यान अभ्यास करने वालों में डीहाइड्रोएपियनड्रोस्टेरोन का बढ़ा हुआ स्तर एन3 नींद चरण के साथ सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध होता है। नींद विज्ञान. 2022;15(2):179–87.

304. नायक एसएस, कृष्णकुमार एम, सुंदरम एम, गोयल ए. घंटी द्वारा बचाया गया: बढ़े हुए इंट्राक्रैनियल दबाव में देखभाल का बिंदु नेत्र अल्ट्रासाउंड। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):806–7.

305. नायक एसएस, राकेश टीएल, कृष्णकुमार एम. बाएं आंतरिक गले की नस में केंद्रीय शिरापरक कैथेटर का इनफोल्डिंग। बाल रोग विशेषज्ञ. 2023 मई;33(5):408–9.

306. नायर केपी, सलाका आरजे, श्रीकुमार बीएन, कुट्टी बीएम, शंकरनारायण राव बीएस। समृद्ध पर्यावरण जीर्ण मिरगी के चूहों में खराब नींद–जागने की वास्तुकला और असामान्य तंत्रिका गतिशीलता से बचाता है। तंत्रिका विज्ञान. 2022 जुलाई 15;495:97–114.

307. नायर एस, सिन्हा पी, चंद पी, साहू पी, गोरथी एनवी, वर्गीस एम, एट अल। भारत में डिमेंशिया–प्रभावकारिता के लिए चिकित्सकों की सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल परिणाम आधारित टेलीमेंटोरिंग के लिए विस्तार। सामने मनोरोग. 2022;13:869685.

308. नंजुंडस्वामी एमएच, गौड़ा एसएम, गंजेकर एस, थिप्पेस्वामी एच, देसाई जी, चंद्रा पीएस। मानसिक बीमारी से ग्रस्त महिलाएं भारत में विशेषज्ञ प्रसवकालीन मनोचिकित्सा सेवा में गर्भधारण परामर्श की मांग कर रही हैं। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 दिसंबर;78:103313.

309. नरसिम्हा वीएल, अरविंद बीए, होल्ला बी, ताडेपल्ली आर, कंडासामी ए, मूर्ति पी. अध्ययन का शीर्षक: मादक द्रव्यों के सेवन वाले रोगियों के प्रति डॉक्टरों का व्यवहार और रवैया: दक्षिण भारत से एक अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 नवंबर;77:103247.

310. नारायण स्वामी एस, युवराज पी, पृथी एन, थेन्नारसु के, राजशेखरन एके। ऑब्जेक्टिव वेस्टिबुलर टेस्ट के लिए व्यापक मानक डेटा। क्यूरियस. 2023 जून;15(6):ई40080.

311. नरेंदिरन एस, देबनाथ एम, शिवराम एस, कन्नन आर, शर्मा एस, क्रिस्टोफर आर, एट अल। उपन्यास भारत में वंशानुगत स्पास्टिक पैरापलेजिया की आनुवंशिक प्रोफ़ाइल पर प्रकाश डालता है। जे न्यूरोजेनेट. 2022 मार्च;36(1):21–31.

312. नाशी एस, पोलावरपु के, बर्धन एम, अंजनप्पा आरएम, प्रीतिश–कुमार वी, वेंगालिल एस, एट अल। जीनोटाइप–फेनोटाइप सहसंबंध और डिस्फ़रलिनोपैथी का प्राकृतिक इतिहास अध्ययन: भारत से एक एकल–केंद्र अनुभव। न्यूरोजेनेटिक्स। 2023 जनवरी;24(1):43–53.

313. नस्कर ए, स्टेज़िन ए, धर्मप्पा ए, हेगड़े एस, फिलिप एम, कांबले एन, एट अल। फाइब्रिनोजेन और पूरक कारक एच संज्ञानात्मक हानि के साथ पार्किंसंस रोग के लिए सीएसएफ प्रोटीन बायोमार्कर का वादा कर रहे हैं – एक प्रोटिओमिक्स–एलिसा–आधारित अध्ययन। एसीएस केम न्यूरोसाइंस। 2022 अप्रैल 6;13(7):1030–45.

314. नसलुंड जेए, त्यागी वी, खान ए, सिद्दीकी एस, काकरा अभिलाषी एम, धुर्वे पी, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया मूल्यांकन, स्वास्थ्य सहायक के लिए रेफरल और जागरूकता प्रशिक्षण (सारथा): ग्रामीण भारत में मिश्रित–तरीकों के पायलट अध्ययन के लिए प्रोटोकॉल। इंट जे एनवायरन रेस पब्लिक हेल्थ। 2022 नवंबर 13;19(22):14936.

315. नट्टाला पी, किशोर एमटी, मूर्ति पी, क्रिस्टोफर आर, वीरबाथिनी जेएस,

सुरेश एस. शराब पर निर्भरता वाले पिताओं की किशोर संतानों के बीच माता–पिता द्वारा रिपोर्ट किए गए कार्यकारी कार्यों और स्व–रिपोर्ट की गई भावनात्मक समस्याओं के बीच संबंध। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जुलाई;13(3):441–7.

316. नवीन आर, पैरोडिस आई, जोशी एम, सेन पी, लिंडब्लॉम जे, अग्रवाल वी, एट अल। ऑटोइम्यून बीमारियों में सीओवीआईडी–19 टीकाकरण (सीओवीएडी) अध्ययन: रूमेटोइड गठिया में टीका सुरक्षा और सहनशीलता। रुमेटोलॉजी (ऑक्सफ़ोर्ड)। 2023 जुलाई 5;62(7):2366–76.

317. नयना जे, शंकरनारायण राव बीएस, श्रीकुमार बीएन। कृंतकों में अवसाद और चिंता जैसे व्यवहार पर मिफेप्रिस्टोन का प्रभाव। स्टेरॉयड. 2022 अगस्त;184:109058.

318. नयोक एसबी, बोस ए, बगली केबी, मैती के, श्रीराज वीएस, शिवकुमार वी, एट अल। त्वरित tDCS सिज़ोफ्रेनिया में कोरोलरी डिस्चार्ज डेफिसिट और भविष्यवाणी त्रुटि सिग्नलिंग में सुधार करता है: एक केस रिपोर्ट। मस्तिष्क उत्तेजना. 2022;15(5):1218–20.

319. नयोक एसबी, श्रीराज वीएस, शिवकुमार वी, वेंकटसुब्रमण्यम जी। टिप्पणी: वेगस तंत्रिका उत्तेजना की खिड़की के माध्यम से सिज़ोफ्रेनिया में इंटरओसेप्शन को समझना। तंत्रिका विज्ञान और जैवव्यवहार संबंधी समीक्षाएँ। 2022;104844.

320. नायोक एसबी, श्रीराज वीएस, शिवकुमार वी, वेंकटसुब्रमण्यम जी। वेगस तंत्रिका उत्तेजना की खिड़की के माध्यम से सिज़ोफ्रेनिया में अंतःविषय को समझना। न्यूरोसाइंस बायोबेहाव रेव. 2022 अक्टूबर;141:104844।282.

321. नेडुंगोटिल सी, अग्रवाल जे, शर्मा एमपी, मूर्ति पी. शराब पर निर्भरता वाले और बिना शराब पर निर्भरता वाले पुरुष: त्रिगुण, अनासक्ति, व्यक्तित्व और व्यक्तिपरक कल्याण का एक तुलनात्मक अध्ययन। इंट जे योग. 2022;15(3):222–9.

322. नेरेला एसजी, कुमार एम, सोलिंगपुरम साई केके, दिगवाल सीएस। संपादकीय: ऑन्कोलॉजी, कार्डियोलॉजी और न्यूरोलॉजी में लक्ष्य–आधारित पीईटी आणविक इमेजिंग के लिए चयनात्मक कार्बन –11 रेडियोलिगैंड का विकास। फ्रंट मेड (लॉज़ेन)। 2023;10:1137088.

323. नेत्रवती एम, धमीजा के, गुप्ता एम, टैम्बोरस्का ए, नलिनी ए, होल्ला वीवी, एट अल। कोविड–19 वैक्सीन से संबंधित डीमाइलिनेशन और एमओजी एंटीबॉडी के साथ इसका संबंध। मल्टी स्क्लेर रिलेट डिसॉर्डर। 2022 अप्रैल;60:103739.

324. नेत्रवती एम, होल्ला वीवी, सैनी जे, महादेवन ए. एमओजी–एंटीबॉडी संबंधित विकार में प्रोड्रोमल इमिसेस। मल्टी स्क्लेर रिलेट डिसॉर्डर। 2022 फ़रवरी;58:103463.

325. निंबालकर वीपी, कृतिका बीएस, श्रव्या पी, राव एस, सुगुर एचएस, चिकबासाविया वाईटी, एट अल। चिटिनेज 3–लाइक 2. एम जे क्लिन पैथोल। 2022 अक्टूबर 6;158(4):521–9.

326. निरीशा पीएल, मालथेश बीसी, कुलल एन, हर्षिता एनआर, इब्राहिम एफए, सुहास एस, एट अल। मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) के लिए प्रौद्योगिकी संचालित मानसिक स्वास्थ्य कार्य–स्थानांतरण का प्रभाव: प्रशिक्षण के दो तरीकों के यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण से परिणाम। सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य जे. 2023 जनवरी;59(1):175–84.

327. निशधाम वी, बर्धन एम, पोलावरपु के, वेंगालिल एस, नाशी एस, मेनन डी, एट अल। मायस्थेनिया ग्रेविस में थाइमिक घाव: भारत से एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन। जे न्यूरोमस्कुल डिस. 2022;9(3):411–22।

328. निशधाम वी, राव एस, सरवनन ए, कुलंथावेलु के, वेंगालिल एस, वेंकटप्पा एचए, एट अल। सूजन संबंधी मायोफाइब्रोब्लास्टिक ट्यूमर: निदान और चिकित्सीय चुनौतियों पर जोर देने वाली एक लघु शृंखला। क्लिन न्यूरोपैथोल. 2023;42(3):100–11.

329. ओमर एफ, घोष ए, आहूजा सीके, बसु डी, होला बी, अवस्थी ए। कैनबिस–प्रेरित मनोविकृति में आराम–राज्य नेटवर्क कनेक्टिविटी: क्या यह भारी कैनबिस के उपयोग के साथ पहले एपिसोड सिज़ोफ्रेनिया से अलग है? एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 सितम्बर;75:103201.

330. ओमन एटी, वेंगालिल एस, बास्कर डी, थॉमस ए, कुलंथावेलु के, बर्धन एम, एट अल। शास्त्रीय हिरयामा रोग प्रगतिशील स्पास्टिक क्वाड्रिपैरेसिस के रूप में प्रस्तुत होता है। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2023;26(3):308–10.

331. ओरम एस, फिशर एचएल, मिनिस एच, सीडैट एस, वाल्बी एस, हेगार्टी के, एट अल। अंतरंग साथी हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य पर लैंसेट मनोरोग आयोग: मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान और नीति को आगे बढ़ाना। लांसेट मनोरोग. 2022 जून;9(6):487–524.

332. पी पाल, एस प्रसाद, आर भरत, जे सैनी। ट्रेमर प्रमुख पार्किंसंस रोग और आवश्यक ट्रेमर प्लस सिंड्रोम में ट्रेमर नेटवर्क की असामान्य भिन्नात्मक अनिसोट्रॉपी। आंदोलन विकार 37, एस428–एस428–

333. पद्मावती जे, गांधी एस, शिव कुमार टी. टेली–पुनर्वास सेवाओं तक पहुंचने में सुविधाकर्ताओं और बाधाओं के बारे में अंतिम–उपयोगकर्ताओं की धारणा पर व्यवस्थित समीक्षा। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2023 मार्च 27;1–12।

334. पाई एनएम, माल्यम वी, मुरुगेसन एम, गंजेकर एस, मोइरांगथेम एस, देसाई जी। सीओवीआईडी –19 संक्रमण के परिणाम के रूप में चिकित्सीय खुराक पर लिथियम विषाक्तता: एक केस शृंखला और संभावित तंत्र। इंट क्लिन साइकोफार्माकोल। 2022 जनवरी 1;37(1):25–8.

335. पाई एसए, भादुड़ी बी, चन्द्रशेखर एस, अल्लादी पीए, काजा टी, महादेवन ए, एट अल। अपेंडिसाइटिस में रहस्यमय एपोप्टोसिस: बच्चों में कोविड–19 का

सुराग या संयोग? जे क्लिन पैथोल. 2022 अगस्त;75(8):575–6.

336. पलानीचामी टी, शर्मा एमके, चंद्रा पीएस, कंडावेल टी. भारतीय संदर्भ में इंटरनेट के उपयोग के मूल्यांकन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन। इंडस्ट्रीज़ मनोचिकित्सा जे. 2023;32(1):120–9.

337. पलानीस्वामी रामास्वामी, रीता क्रिस्टोफर, प्रमोद कुमार पाल, मोनोजीत देबनाथ, रवि यादव। प्रगतिशील सुपरन्यूक्लियर पाल्सी की पहचान के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में प्लाज्मा माइक्रोआरएनए। डायग्नोस्टिक्स (बेसल) 2022 मई 11;12(5):1204.

338. पल्लवी के, गोयल ए, कामथ एस. वेंट्रिकुलर फिब्रिलेशन एन्यूरिज्मल क्लिपिंग और ट्राइजेमिनल श्वानोमा रिसेक्शन के लिए एक साथ सर्जरी के दौरान ट्राइजेमिनोकार्डियक रिफ्लेक्स की एक असामान्य अभिव्यक्ति के रूप में। जर्नल ऑफ़ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर. 2022;9(03):209–10.

339. पल्लेरला एस, कृष्णारेड्डी एसआर, पार्थसारथी एनबी, नवनीतम जे, गुप्ता ए। रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों के परिवार की देखभाल करने वालों की मनोसामाजिक आवश्यकताओं पर पुनर्वास पेशेवरों के परिप्रेक्ष्य: भारत से एक गुणात्मक अध्ययन। कोरियाई जे फैम मेड. 2023 मई;44(3):168–76.

340. पंडित पी, भगत एस, रानानवरे पी, मोहंता जेड, कुमार एम, तिवारी वी, एट अल। आयरन ऑक्साइड नैनोकण एनकैप्सुलेटेड; एमआरआई के लिए फोलिक एसिड टेथर्ड डुअल मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क-आधारित नैनोकम्पोजिट और स्तन कैंसर कोशिकाओं को व्यक्त करने वाले फोलेट रिसेप्टर का चयनात्मक लक्ष्यीकरण। माइक्रोपोरस और मेसोपोरस सामग्री। 2022;340:112008।

341. पप्लिकर ए, राजगोपालन जे, अल्लादी एस. कोविड-19 महामारी के बीच मनोभ्रंश रोगियों और देखभाल करने वालों की देखभाल। सेरेब सर्क कॉग्न बिहेव। 2022;3:100040.

342. पप्लिकर ए, वंदना वीपी, मेकला एस, दर्शिनी केजे, अरशद एफ, अय्यर जीके, एट अल। मनोभ्रंश में शब्दार्थ स्मृति हानि: एक अंतर-सांस्कृतिक अनुकूलन अध्ययन। न्यूरोल विज्ञान. 2022 जनवरी;43(1):265–73.

343. पप्लिकर ए, वर्गीस एफ, अल्लादी एस, वंदना वीपी, दर्शिनी केजे, अय्यर जीके, एट अल। संज्ञानात्मक हानि और मनोभ्रंश से ग्रस्त भाषाई रूप से विविध आबादी के लिए चित्र-नामकरण परीक्षण। इंट जे लैंग कम्युन डिसॉर्डर। 2022 जुलाई;57(4):881–94.

344. पप्लिकर ए, वेणुगोपाल ए, बल्लाल डी, वर्गीस एफ, रामप्पा आर, शेखर आर, एट अल। डिमेंशिया और एमसीआई की व्यापकता पर द्विभाषावाद का प्रभाव: भारत से एक सामुदायिक अध्ययन। अल्जाइमर और डिमेंशिया. विली; 2022 दिसंबर 20;18/एस7:ई065972.

345. पारेख पी, विवेक भालेराव जी, एडीबीएस कंसोर्टियम, जॉन जेपी, वेंकटसुब्रमण्यम जी। संरचनात्मक मस्तिष्क एमआरआई सुविधाओं का उपयोग करके मल्टीसाइट सामंजस्य प्राप्त करने के लिए नमूना आकार की आवश्यकता। न्यूरोइमेज। 2022 दिसंबर 1;264:119768.

346. परिहार जे, डैश डी, अग्रवाल बी, काबरा एम, राजन आर, विभा डी, एट अल। लेट-ऑनसेट नीमन-पिक डिजीज टाइप सी के मूवमेंट डिसऑर्डर का स्पेक्ट्रम। कैन जे न्यूरोल साइंस। 2022 नवंबर;49(6):804–8.

347. पटेल वी, जयसूर्या टीएस, कांबले एन, यादव आर, थेनारासु के, पाल पीके, एट अल। पार्किंसंस रोग और एटिपिकल पार्किंसोनियन सिंड्रोम में मनोरोग सहरुग्णता और बहुरुग्णता की व्यापकता और सहसंबंध। जे जेरियाट्र मनोचिकित्सा न्यूरोल। 2023 मार्च;36(2):155–63.

348. पाठक एच, नायक एसबी, कनकराज एल, घनघोरिया एच, श्रीराज वीएस, वरम्बली एस, एट अल। उपचार-प्रतिरोधी जुनूनी-बाध्यकारी विकार में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए त्वरित एचडी-टीडीसीएस: एक केस रिपोर्ट। मस्तिष्क उत्तेजना. 2022;15(5):1091–2.

349. पति एस, बैद यू, एडवर्ड्स बी, शेलर एम, वांग एसएच, रीना जीए, एट अल। फ़ेडरेटेड लर्निंग दुर्लभ कैंसर सीमा का पता लगाने के लिए बड़े डेटा को सक्षम बनाता है। नेट कम्यून. 2022 दिसंबर 5;13(1):7346.

350. पटवाल आर, जॉली ए जे, कुमार ए, यादव आर, देसाई जी, थिप्पेस्वामी एच। कार्यात्मक कमजोरी, संवेदी और आंदोलन विकारों के लिए नैदानिक संकेतों और जांच की नैदानिक सटीकता: एक व्यवस्थित समीक्षा। जे साइकोसोम रेस. 2023 मई;168:111196.

351. पटवाल आर, पाई एनएम, गंजेकर एस, अरशद एफ, अल्लादी एस, शर्मा एमके, एट अल। स्किज़ेंसेफली और मनोविकृति का न्यूरोडेवलपमेंटल मॉडल। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(2):740–3.

352. पटवाल आर, पाई एनएम, गंजेकर एस, उडुपी जीए, पूजा एम, संध्या एम एट अल। एटिपिकल इडियोपैथिक एनबीआईए (मस्तिष्क में लौह संचय के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन) क्लोज़ापाइन पर प्रतिक्रिया करने वाले उपचार-प्रतिरोधी द्विध्रुवी उन्माद से जुड़ा हुआ है। द्विध्रुवी विकार. 2022 दिसंबर;24(8):840–3.

353. पटवाल आर, सचदेवा ए, भास्करपिल्लई बी, अरसप्पा आर, मुलियाला केपी, देसाई जी। तपेदिक के रोगियों में आत्मघाती विचारों और आत्महत्या के प्रयासों की व्यापकता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। जर्नल ऑफ साइकोसोमैटिक रिसर्च. 2023 अप्रैल 1;167:111171.

354. पटवर्धन ए, मुखर्जी जे, म्हात्रे आर, लंका वी, असरन्ना ए, तिवारी आर, एट अल। स्नायु एमआरआई-आधारित शोष पैटर्न पहचान: पैथोलॉजिकल रूप से सिद्ध लिपिड स्टोरेज मायोपैथी के मामले में उल्लेखनीय निष्कर्ष। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1184–7.

355. पॉल ए, श्रीगणेश के, चक्रवर्ती डी, रेड्डी केआरएम। क्रोनिक कंप्रेसिव सर्वाइकल मायलोपैथी वाले मरीजों में पोस्टइंडक्शन हाइपोटेंशन और उन्नत कार्डियक पैरामीटर्स पर प्रीएनेस्थेटिक फ्लूइड लोडिंग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जुलाई;13(3):462–70.

356. पॉल एके, बोस ए, कलमाडी एसवी, शिवकुमार वी, श्रीराज वीएस, पार्लिकर आर, एट अल। सुपीरियर टेम्पोरल गाइरस कार्यात्मक कनेक्टिविटी सिज़ोफ्रेनिया में ट्रांसक्रानियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करती है: एक मशीन लर्निंग अध्ययन। सामने मनोरोग. 2022;13:923938.

357. पीर एस, सैनी जे, प्रसाद सी, कुलंथावेलु के, सदाशिव एन, नंदीश बीएन, एट अल। मेनिंगियोमा के अन्य हिस्टोपैथोलॉजिकल उपप्रकारों से कॉर्डॉइड मेनिंगियोमा के विभेदन में मल्टीपैरामीट्रिक प्री–ऑपरेटिव चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता–एक पूर्वव्यापी अध्ययन। न्यूरोरेडियोलॉजी। 2022 फरवरी;64(2):253–64.

358. पीर एस, शर्मा डीए, प्रसाद सी, कार्तिक के। अंतःशिरा डेक्सामेथासोन लेने वाले रोगी में तीव्र गंभीर हाइपोवोलेमिक हाइपोनेट्रेमिया। क्यूरियस. 2022 मार्च;14(3):ई23080.

359. पेलरिन डी, डेन्ज़ी एमसी, विल्के सी, रेनॉड एम, फ़ज़ल एस, डिकैरे एमजे, एट अल। लेट–ऑनसेट सेरेबेलर एटैक्सिया में डीप इंट्रॉनिक FGF14 GAA रिपीट एक्सपेंशन। एन इंग्लिश जे मेड. 2023 जनवरी 12;388(2):128–41.

360. पेंढारकर एच, जबीन एस, पृथी एन, नरसिंगा राव केवीएलएन, शुक्ला डी, कांबले एन, एट अल। भारत में अपमानजनक सिर का आघात: इमेजिंग से पर्दा उठता है। इंट जे इंज कॉन्ट्र सैफ प्रमोशन। 2022 मार्च;29(1):103–11.

361. पर्नाजे सीतारम एस, शंकर एमएस वी, उडुपा के, ए आर, रेड्डी एन। तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम में हृदय गति परिवर्तनशीलता का पूर्वानुमानित मूल्य। जे बेसिक क्लिन फिजियोल फार्माकोल। 2023 मई 1;34(3):337–47.

362. पोलावरपु के, थॉम्पसन आर, माटलोंगा एल, नंदीश बी, वेंगालिल एस, प्रीतिश–कुमार वी, एट अल। एफपी.21 डेस्मिन एग्रीगेट्स के साथ जन्मजात मायस्थेनिक सिंड्रोम: आवर्ती तीव्र डीईएस उत्परिवर्तन के कारण अप्रभावी डेस्मिनोपैथियों में एक नया संबंध। न्यूरोमस्कुलर विकार. 2022 अक्टूबर 1;32:एस79.

363. पोतदार सी, कौशल ए, राज ए, मल्लिक आर, दत्ता आई। कैसिइन कीनेस 2α के डाउनरेगुलेशन के माध्यम से फॉस्फोराइलेटेड α–सिन्यूक्लिन की कमी डोपामिनर्जिक–न्यूरोनल फ़ंक्शन को कम करती है। बायोकेम बायोफिज़ रेस कम्यून। 2022 जुलाई 30;615:43–8.

364. पॉवेल्स पीजेडब्ल्यू, ब्रिएन्ड सी, लियू एफ, डी जूड एनटी, ओटाडुय एमसीजी, पास्टोरेलो बी, एट अल। जुनूनी–बाध्यकारी विकार का वैश्विक बहु–केंद्र और मल्टी–मोडल चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन: स्वस्थ स्वयंसेवकों और प्रेत में प्रोटोकॉल का सामंजस्य और निगरानी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेथड्स इन साइकियाट्रिक रिसर्च। 2023 मार्च;32(1):ई1931.

365. प्रभुराज एआर, मेहता एस, सदाशिव एन, पृथी एन, अरिमा ए, राव केएन, एट अल। सौम्य स्पाइनल नर्व शीथ ट्यूमर में पुनरावृत्ति की भविष्यवाणी करने वाले कारक: एक ही संस्थान से 457 रोगियों का पूर्वव्यापी अध्ययन। जे क्लिन न्यूरोसाइंस. 2023 अगस्त;114:158–65.

366. प्रदीप कुमार पीसी, मूर्ति पी, लोहित आरपी, हेगड़े एस, चंद पी, सेथुरमन एल। कॉलर विशेषताओं और छोड़ने की दरों पर कोविड–19 का प्रभाव: भारत से क्षेत्रीय तंबाकू क्विटलाइन का अनुभव। निकोटिन टॉब रेस. 2023 जनवरी 5;25(2):247–53.

367. प्रकाश वीजी, कोहली एम, प्रथोश एपी, जुनेजा एम, गुप्ता एम, साईराम एस, सीतारमन एस, बैंगलोर एएस, कोम्मू जेवी, सैनी एल, उपयोग पीआर. वीडियो–आधारित वास्तविक समय मूल्यांकन और निदान गहरे तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार। विशेषज्ञ सिस्टम। 2023.

368. प्रसाद एस, राकेश के, कांबले एन, होला वीवी, मेलनकोडी पी, लेंका ए, एट अल। भारत में पार्किंसंस रोग की प्रारंभिक शुरुआत: पहेली को जटिल बनाना। पार्किंसनिज़्म रिलेट डिसॉर्डर। 2022 दिसंबर;105:111–3.

369. प्रसन्नकुमार ए, कोरान वी, जैकब ए, भरत आरडी, कुमार वी, वरम्बली एस, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में फ्रंटल पोल वॉल्यूम और संज्ञानात्मक अंतर्दृष्टि के बीच संबंध। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अक्टूबर;76:103204.

370. प्रसन्नकुमार ए, सुहास एस, कुमार वी. एमिसुलप्राइड–प्रेरित प्रोलैक्टिन स्तर में उच्च उन्नयन। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2023 जनवरी 12;25(1):22सीआर03262.

371. प्रवीणबाबू पी, होल्ला वीवी, फुलपगार पी, कांबले एन, नेत्रवती एम, यादव आर, एट अल। एनडीआरजी1 जीन में एक ब्याह परिवर्तनशील प्रकार चारकोट–मैरी–टूथ रोग, प्रकार 4डी का कारण बनता है। न्यूरोल विज्ञान. 2022 जुलाई;43(7):4463–72.

372. प्रीतिश–कुमार वी, शाह ए, पोलावरपु के, कुमार एम, सफ़ाई ए, वेंगालिल एस, एट अल। डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी में बाधित संरचनात्मक संयोजी और तंत्रिका–संज्ञानात्मक कार्य: डीपी140 डायस्ट्रोफिन आइसोफॉर्म के आधार पर वर्गीकरण और उपप्रकार। जे न्यूरोल. 2022 अप्रैल;269(4):2113–25.

373. कादरी एसडब्ल्यू, कुमार एन, संतोषकुमार आर, देसाई ए, रवि वी, वेंकटस्वामी एमएम। चिकनगुनिया वायरस के न्यूरोपैथोजेनेसिस का अध्ययन करने के लिए मानव माइक्रोग्लियल सेल लाइन सीएचएमई–3 का संक्रमण। जे न्यूरोविरोल. 2022 जून;28(3):374–82.

374. आर तल्लापल्ली एवी, शिवराम एस, गुप्ता एम, कुलकर्णी जीबी। सिरदर्द का उतार और प्रवाह: इडियोपैथिक इंट्राक्रानियल उच्च रक्तचाप में साइनस स्टेनोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी का एक सुराग? जे पोस्टग्रेजुएट मेड. 2023;69(3):179-81.

375. राघवन ए, सत्यनारायण वीए, फिशर जे, गंजेकर एस, श्रीवास्तव एम, आनंद एस, एट अल। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य के लिए लिंग परिवर्तनकारी हस्तक्षेप-एक विस्तृत समीक्षा। इंट जे एनवायरन रेस पब्लिक हेल्थ। 2022 सितम्बर 28;19(19):12357.

376. राघवेंद्र पीए, हेगड़े एस, फिलिप एम, केसवन एम. अवसाद में संगीत और तंत्रिका-संज्ञानात्मक कमी। फ्रंट साइकोल. 2022;13:959169.

377. रघुवीर पी, भाटिया आर, मोटप्पा आर, सचिथ एम। कर्नाटक के मैंगलोर में एक मेडिकल कॉलेज में स्नातक छात्रों के बीच आध्यात्मिक स्वास्थ्य और इसके संबंधित कारकों के आकलन पर एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। F1000Res. 2022;11:1546.

378. रघुवीर पी, हलीमा एम. तृतीयक देखभाल अस्पताल के प्रसवपूर्व क्लिनिक में भाग लेने वाली गर्भवती महिलाओं के बीच सामाजिक समर्थन प्राप्त हुआ। जे एडुक हेल्थ प्रमोट। 2023;12:88.

379. राय डी, जयसूर्या टीएस, नारायणस्वामी जेसी, अरुमुघम एसएस, रेड्डी वाईजे। जुनूनी बाध्यकारी विकार में व्यवहारिक व्यसन-व्यापकता और नैदानिक सहसंबंध। मनोरोग अनुसंधान संचार। 2022;2(1):100016.

380. राज ए, कौशल ए, दत्ता आई। मोनोमेरिक और एकत्रित जंगली-प्रकार और ए 30 पी / ए 53 टी डबल-उत्परिवर्ती α-सिन्यूक्लिन का एंटीऑक्सिडेंट तंत्र और सुसंस्कृत एस्ट्रोसाइट्स के ग्लूटामेट चयापचय प्रोफाइल पर प्रभाव। जे न्यूरोसाइ रेस. 2022 फरवरी;100(2):681-706.

381. राजा पी, मुंडलामुरी आरसी, वासुकी पीपी, कुलकर्णी जीबी, केंचैया आर, असरन्ना ए, एट अल। सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस वाले मरीजों में देर से दौरे के पूर्वानुमानकर्ता: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):569-72.

382. राजगोपालन जे, अरशद एफ, होस्केरी आरएम, नायर वीएस, हुरज़ुक एस, अन्नम एच, एट अल। भारत में COVID-19 महामारी के दौरान मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों और उनकी देखभाल करने वालों के अनुभव: एक मिश्रित-तरीके का अध्ययन। डिमेंशिया (लंदन)। 2022 जनवरी;21(1):214-35.

383. राजगोपालन जे, अरशद एफ, थॉमस पीटी, वर्गीस एफ, हुरज़ुक एस, होस्केरी आरएम, एट अल। कोविड-19 महामारी के दौरान मनोभ्रंश में अनुभूति, व्यवहार और देखभालकर्ता का तनाव: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। डिमेंट गेरियाट्र कॉग्न डिसऑर्डर। 2022;51(1):90–100.

384. राजलु बीएम, इंदिरा देवी बी, शुक्ला डीपी, शुक्ला एल, जयन एम, प्रसाद के, एट अल। एक प्राकृतिक प्रयोग के COVID-19 महामारी-समय-श्रृंखला विश्लेषण के दौरान दर्दनाक मस्तिष्क की चोट। बीएमजे ओपन. 2022 अप्रैल 8;12(4):e052639।

385. राजालु बीएम, जयराजन डी, मुलियाला केपी, शर्मा पी, गांधी एस, चंद पीके। सिज़ोफ्रेनिया और संबंधित मानसिक विकारों वाले रोगियों के बीच व्यक्तिगत तंबाकू समाप्ति हस्तक्षेप पैकेज की प्रभावशीलता - एक दो-समूह प्रयोगात्मक अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 मार्च;81:103447.

386. राजेश्वरी आरटी, अरविंदा एचआर, अरिवाझगन ए, बेविनहल्ली एनएन, राव एमबी, महादेवन ए। केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के संवहनी विकृतियों के एपिलेप्टोजेनेसिस के पैथोबायोलॉजी में पेरिलेसनल ऊतक की भूमिका का मूल्यांकन। जे मिर्गी रेस. 2022 दिसंबर;12(2):53-61.

387. राजू आर, खुराना एस, महादेवन ए, जॉन डीवी। रोगजनक मुक्त-जीवित अमीबा के कारण केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में संक्रमण: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। ट्रॉप बायोमेड। 2022 जून 1;39(2):265-80.

388. राजुला आरआर, सैनी जे, उन्नीकृष्णन जी, वेंगालिल एस, नाशी एस, बर्धन एम, एट अल। डायाफ्रामिक अल्ट्रासाउंड: एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस में श्वसन मांसपेशियों की भागीदारी का आकलन करने के लिए एक उपकरण के रूप में संभावनाएं। जे क्लिन अल्ट्रासाउंड. 2022 जनवरी;50(1):131-5.

389. राजुला आरआर, सैनी जे, उन्नीकृष्णन जी, वेंगालिल एस, नाशी एस, बर्धन एम, एट अल। फासीक्यूलेशन का पता लगाने में मांसपेशी अल्ट्रासोनोग्राफी: एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के लिए एक गैर-आक्रामक निदान उपकरण। जे क्लिन अल्ट्रासाउंड. 2022 फरवरी;50(2):286-91.

390. रामकृष्ण केके, भार्गव एच, होल्ला बी, चिक्कन्ना यू, जस्ती एन, कुमार एस, एट अल। भारतीय स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तन: प्रधान मंत्री मोदी के मन की बात में कल्पना के अनुसार साक्ष्य-आधारित चिकित्सा को आगे बढ़ाने के लिए एनआईएमएचएएनएस में एक प्रणालीगत एकीकृत हेल्थकेयर मॉडल। आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान जर्नल. 2023;7(5):19.

391. रामकृष्ण एमपी, प्रसाद आरएम, हुचेगौड़ा एस, रमन्ना एम, शर्मा एमके, हुचेगौड़ा आर। महिला प्रजनन स्वास्थ्य पर प्लास्टिसाइज़र और कीटनाशकों के प्रतिकूल प्रभाव। जर्नल ऑफ साइकोसेक्सुअल हेल्थ. 2022;4(1):38-42.

392. रामप्रसन्नाकुमार एसके, भद्रनारायण वी, वेंकटरमैया एस। चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग से गुजरने वाले बच्चों के लिए बेहोश करने की तीन विधियों की प्रभावशीलता: एक नैदानिक अध्ययन। एनेस्थ निबंध रेस. 2022;16(3):345-52.

393. रामप्रसन्नकुमार एसके, करण एन, प्रुथी एन, कामथ एस। सीओवीआईडी -19 महामारी के दौरान ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन के बाद दर्द की दवाओं और अनुवर्ती परामर्श तक पहुंच। सऊदी जे अनास्थ. 2022;16(4):406–11.

394. रामप्रसन्नकुमार एसके, शेट्टीहल्ली विश्वनाथरेड्डी एस, श्रीनिवासैया बी. फ़्लेक्सोमेटेलिक ट्यूब में सर्पिलों के खुलने के कारण गतिशील बाधा। एनेस्थिसियोलॉजी। 2022 जुलाई 1;137(1):79–80.

395. रामास्वामी एस, सागर जेवी, शेषाद्रि एस. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में बच्चों और किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक ट्रांसडिसिप्लिनरी सार्वजनिक स्वास्थ्य मॉडल। लैंसेट क्षेत्रीय स्वास्थ्य–दक्षिणपूर्व एशिया। 2022;3.

396. रमज़ानु एस, बॉतिस्ता सी, ग्रीन टी, रूडी एलएम, रोगाडो एमआईसी, बेबी पी, एट अल। स्ट्रोक नर्सिंग अनुसंधान में चुनौतियाँ और अवसर: नर्स शोधकर्ताओं के एक पैनल से वैश्विक विचार। जे न्यूरोसाइ नर्स. 2022 जून 1;54(3):111–5.

397. रमज़ानु एस, चिसाले एमआरओ, बेबी पी, वू वीएक्स, मबकाया बीसी। स्ट्रोक के बाद संवहनी वाचाघात के दौरान पारिवारिक संचार पैटर्न का मेटा–संश्लेषण: अभ्यास का मार्गदर्शन करने के लिए साक्ष्य। विश्वदृष्टि साक्ष्य आधारित नर्सें। 2022 अगस्त;19(4):282–96.

398. रंगा ए, खन्ना एम, गुप्ता ए, प्रकाश एनबी। न्यूरोब्रुसेलोसिस के मामले में पुनर्वास परिणाम: दक्षिण भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल से अनुभव। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन। 2022;32(3):100–2.

399. रंगराजन ए, मुंडलामुरी आरसी, केंचैया आर, प्रत्युषा पीवी, विश्वनाथन एलजी, असरन्ना ए, एट अल। मिर्गी एन्सेफैलोपैथी में पल्स अंतःशिरा मिथाइलप्रेडनिसोलोन की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे न्यूरोल न्यूरोसर्ज मनोचिकित्सा। 2022 दिसंबर;93(12):1299–305.

400. रानी ए, रमन केजे, एंटनी एस, थिरुमूर्ति ए। गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए गए दुर्व्यवहार की प्रकृति को समझने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन। हिंसा और लिंग. 2023;10(1):45–56.

401. रानी ए, रमन केजे, सिंह वीके, एंटनी एस, अम्मापट्टियन टी, चेतन बी, एट अल। गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए गए दुर्व्यवहार की व्यापकता और प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा। हिंसा और लिंग. 2022 दिसंबर;9(4):147–63.

402. राव एस, जैन पी, चौरसिया के, बेनीवाल एम, सदाशिव एन, कुलंथैवेलु के, एट अल। प्राथमिक इंट्राक्रानियल एल्वोलर सॉफ्ट पार्ट सारकोमा: 3 मामलों की एक रिपोर्ट। इंट जे सर्ज पैथोल। 2023 सितम्बर;31(6):1146–51.

403. राव एस, सुनीथा के, लंका वी, कुलंथावेलु के, अरिवाझगन ए, चौधरी आर, एट अल। हाइपोथैलेमिक हैमार्टोमा में टीटीएफ–1 और एवीपी की प्रतिरक्षण क्षमता की खोज। क्लिन न्यूरोपैथोल. 2022;41(1):18–24.

404. राव टीएस, एंड्रेड सी. एंटीडिप्रेसेंट्स और यौन रोग: क्या वोर्टिओक्सेटीन अपवादों में से एक है? वॉल्यूम. 4, जर्नल ऑफ साइकोसेक्सुअल हेल्थ। सेज प्रकाशन सेज इंडिया: नई दिल्ली, भारत; 2022. पी. 155–6.

405. रैटलिफ़ जेबी, शेफ़र एसएम, चिटनिस एस, कूनी जेडब्ल्यू, हेस सीडब्ल्यू, ओकुबाडेजो एन, एट अल। आंदोलन विकारों में फ़ेलोशिप प्रशिक्षण के लिए मील के पत्थर पर दृष्टिकोण। मूव विकार. 2022 अगस्त;37(8):1605–9.

406. रवि एस, ब्रैडशॉ ए, आब्दी एच, मीरा एसएस, पैरिश–मॉरिस जे, यान्कोविट्ज़ एल, एट अल। क्या प्रारंभिक सामाजिक संचार कौशल बाद में ऑटिस्टिक निदान किए गए शिशुओं में भाषा विकास के लिए एक अग्रदूत साबित होते हैं? – एक मानकीकृत सामाजिक संचार मूल्यांकन का उपयोग करते हुए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन। फ्रंट कम्यून (लॉज़ेन)। 2022;7:977724.

407. रवि वी, हमीद एसकेएस, देसाई ए, मणि आरएस, रेड्डी वी, वेलायुधन ए, एट अल। भारत में तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम की एटियोलॉजी की पहचान करने के लिए एक एल्गोरिदमिक दृष्टिकोण: 4 साल के उन्नत निगरानी अध्ययन के परिणाम। लैंसेट ग्लोब हेल्थ। 2022 मई;10(5):e685–93.

408. रे एस, कांबले एन, यादव आर, पाल पीके। हेमिमैस्टिकेटरी ऐंठन के दीर्घकालिक परिणाम। जे मूव डिसॉर्डर. 2022 मई;15(2):146–50.

409. रे एस, केंचैया आर, असरन्ना ए, पद्मनाभ एच, कुलनथैवेलु के, मुंडलामुरी आरसी, एट अल। पार्श्विका–पश्चकपाल ग्लियोसिस के द्वितीयक बाल चिकित्सा दवा दुर्दम्य मिर्गी का नैदानिक स्पेक्ट्रम। मिर्गी रेस. 2021 दिसंबर;178:106804.

410. रे एस, पद्मनाभ एच, गौड़ा वीके, महाले आर, क्रिस्टोफर आर, श्रीधरन एस, एट अल। टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन चयापचय के विकार: दक्षिण भारत से अनुभव। मेटाब ब्रेन डिस. 2022 मार्च;37(3):743–60.

411. रेड्डी एस, अरुमुघम एसएस, तेवतिया वी, पाइडा पीके। दुर्दम्य जुनूनी–बाध्यकारी विकार के लिए आईटीबीएस प्रोटोकॉल का उपयोग करके त्वरित गहरी ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना। मस्तिष्क उत्तेजना. 2023;16(2):556–7.

412. रोथ जे, पेरेकोपाइको वाई, कोज़ीरेव डीए, कॉन्स्टेंटिनी एस, पीडियाट्रिक कोलाइड सिस्ट स्टडी ग्रुप (पीसीसीएसजी)। बाल चिकित्सा कोलाइड सिस्ट: एक बहुराष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय अध्ययन। एक IFNE–ISPN–ESPN सहयोग। जे न्यूरोसर्ज बाल रोग विशेषज्ञ। 2022 मई 1;29(5):543–50.

413. रॉय आर, जगन्नाथन ए, थिरथल्ली जे. मानसिक बीमारी की सामाजिक उत्पत्ति को कम करने के लिए परिवार–केंद्रित पुनर्वास की आवश्यकता: केस परिदृश्य। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2022 दिसंबर 1;9(4):433–9.

414. रॉय आर, सुकुमार जीएम, फिलिप एम, गोपालकृष्ण जी. काम से संबंधित

तनाव का आकलन और वर्गीकरण करने के लिए एक नए विकसित उपकरण का चेहरा, सामग्री, मानदंड और निर्माण वैधता मूल्यांकन (टीएडब्ल्यूएस-16)। एक और। 2023;18(1):e0280189.

415. एस बिरुआ जीजे, सिकरिया ए, त्यागी जी, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. एक विशालकाय थ्रोम्बोस्ड वर्टेब्रोबैसिलर आर्टरी सिस्टम एन्यूरिज्म मिमिकिंग ब्रेनस्टेम लेसियन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1738-9.

416. एस बिरुआ जीजे, त्यागी जी, बेनीवाल एम, एल राव एनकेवी, सैनी जे, द्वारकानाथ एस. एंडोस्कोपिक ट्रांसस्फेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी में विलंबित वासोस्पास्म: दो केस रिपोर्ट और समीक्षाएं। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):996-1003.

417. एस बिरुआ जीजे, त्यागी जी, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. डिसप्लास्टिक आंतरिक कैरोटिड धमनी के साथ पोस्टीरियर सेरेब्रल धमनी की शुद्ध धमनी विकृति। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1292–3.

418. सचदेवा ए, मेहता यूएम, थिरथल्ली जे। सिज़ोफ्रेनिया में एंटीसाइकोटिक उपचार प्रतिक्रिया के न्यूरो-मार्कर के रूप में मोटर कॉर्टिकल प्लास्टिसिटी की जांच करने के लिए एक पायलट-अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 अप्रैल;82:103515.

419. सदाशिव एन, कदम आर, अरिमप्पमगन ए, राव एमबी, मुंडलामुरी आरसी, राघवेंद्र के, एट अल। ड्रॉप अटैक के साथ गैर-स्थानीयकृत दवा प्रतिरोधी मिर्गी के लिए कॉर्पस कैलोसोटॉमी। विश्व न्यूरोसर्जन। 2023 मार्च;171:e57-63.

420. साध के, मूर्ति एमएस, दत्ता डी, पटेल वी, बसवराजप्पा सी, महाले आर, एट अल। गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2022 नवंबर 10;24(6):21सीआर03198.

421. सफाई ए, वखारिया एन, प्रसाद एस, सैनी जे, शाह ए, लेंका ए, एट अल। ग्राफ अटेंशन नेटवर्क का उपयोग करके पार्किंसंस रोग की मल्टीमॉडल ब्रेन कनेक्टोमिक्स-आधारित भविष्यवाणी। फ्रंट न्यूरोसाइंस. 2021;15:741489.

422. सहोता पीबीके, डी'मेलो आरजे, शानभाग वी, नंजुंदास्वामी एमएच, गंजेकर एस, कश्यप एच, एट अल। किसी की आवाज़ ढूँढना: भारतीय संदर्भ में विघटनकारी मोटर विकारों के लिए मनोचिकित्सा। समकालीन मनोचिकित्सा जर्नल. 2022;52(3):249-55.

423. साहू पी, थिप्पेस्वामी एच, चतुर्वेदी एसके। विटामिन बी12 की कमी में न्यूरोसाइकिएट्रिक अभिव्यक्तियाँ। विटम होर्म. 2022;119:457-70.

424. सैनी जे, सांखे एसएस, ली ए. असामान्य बैक्टीरियल, रिकेट्सिया, स्पिरोचेट और फंगल संक्रमण का इमेजिंग। न्यूरोइमेजिंग क्लिन एन एम. 2023 फरवरी;33(1):83-103.

425. सखरदांडे केए, पाठक एच, महादेवन जे, मुलियाला केपी, मोइरांगथेम एस, रेड्डी वीएसके। समवर्ती कैटेटोनिया और सीओवीआईडी -19 संक्रमण - भारत में तृतीयक देखभाल मनोरोग अस्पताल से चुनौतियों और मामलों के प्रबंधन का एक अनुभवात्मक विवरण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 मार्च;69:103004.

426. सकरीकर जीआर, बुद्धि एम, पटेल आरडी, मथकर एसएस। रिफ्रैक्टरी वेंट्रिकुलर स्टॉर्म में वीडियो-असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक (वैट) द्विपक्षीय कार्डियक सिम्पैथेक्टोमी का प्रबंधन: एक केस रिपोर्ट। ऐन कार्ड एनेस्थ. 2022;25(1):103–6.

427. सलाका आरजे, नायर केपी, शशिभूषण आरबी, उदयकुमार डी, कुट्टी बीएम, श्रीकुमार बीएन, एट अल। हिप्पोकैम्पस CA1 सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी पर लेवेतिरेसेटम के विभेदक प्रभाव और मिर्गी के चूहों में डेंटेट गाइरस में आणविक परिवर्तन। न्यूरोकेम इंट. 2022 सितम्बर;158:105378.

428. सालेह एम, कोलाइकोवो एस, नेपियर एमपी, प्रसाद एएन, रूपर सीए, प्रसाद सी. सजातीय बाल चिकित्सा आबादी के लिए आनुवंशिक परीक्षण में नुकसान। केस प्रतिनिधि जेनेट. 2022;2022:9393042।

429. समद्दर ए, दिवाकर जे, कृष्णन पी, वीना कुमारी एचबी, काव्या एम, कोनार एस, एट अल। ट्राइकोस्पोरोन डोहेन्से के कारण होने वाला सीओवीआईडी-19-संबंधित मस्तिष्क फोड़ा: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। मेड माइकोल केस प्रतिनिधि 2022 मार्च;35:9-14.

430. सामंतराय एनएन, मिश्रा ए, सिंह एआर, सुधीर पीएम, सिंह पी. एक भविष्यवक्ता के रूप में चिंता संवेदनशीलता, और एक प्राकृतिक मानसिक स्वास्थ्य सेटिंग में जुनूनी-बाध्यकारी विकार के लिए सीबीटी परिणाम के भविष्यवक्ताओं और मध्यस्थों के रूप में गैर-विशिष्ट चिकित्सीय कारक। जे प्रभाव विकार. 2023 मार्च 1;324:92-101.

431. सामंतराय टी, सैनी जे, गुप्ता सीएन। स्पार्सिटी डिपेंडेंट मेट्रिक्स पार्किंसंस रोग में मस्तिष्क नेटवर्क कनेक्टिविटी में परिवर्तन को दर्शाता है। अन्नू इंट कॉन्फ आईईईई इंजी मेड बायोल सोसायटी। 2022 जुलाई;2022:698-701.

432. समीम एमएम, धर डी, अरशद एफ, अनुदीप डीडीएस, पटेल वीजी, निहारिका एसआर, एट अल। सह-वैन अध्ययन: कोविड-19 वैक्सीन से संबंधित तंत्रिका संबंधी रोग- एक शीर्ष तंत्रिका विज्ञान केंद्र से एक अनुभव और साहित्य की समीक्षा। जे क्लिन न्यूरोसाइंस. 2023 फरवरी;108:37-75.

433. समीम एमएम, धर डी, गोयल एस, डे टी, परवीन एन, शाह आरडी, एट अल। एआई-सीओवी अध्ययन: ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस सीओवीआईडी -19 और इसके टीकों से जुड़ा हुआ है-एक व्यवस्थित समीक्षा। जे क्लिन न्यूरोल. 2022 नवंबर;18(6):692-710।

434. सनाहन आर, पुरुषोत्तम डी, अरशद एफ, दहले एबी। स्किज़ोफेक्टिव डिसऑर्डर में थाइमोमा और एंटी-जीएडी65 एंटीबॉडी सकारात्मकता। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2023 फरवरी 16;25(1):22सीआर03341.

435. संगीता आरपी, रमेश वीजे, कामथ एस, चक्रवर्ती डी, क्रिस्टोफर आर, अरविंदा एचआर, एट अल। एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड हेमोरेज में सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति पर रिमोट इस्कीमिक प्रीकंडीशनिंग का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण का माध्यमिक विश्लेषण। जे क्लिन न्यूरोसाइंस. 2022 अप्रैल;98:78–82.

436. संगीता आरपी, वेंकटपुरा आरजे, कामथ एस, क्रिस्टोफर आर, भट डीआई, अरविंदा एचआर, एट अल। सेरेब्रल वैसोस्पास्म पर रिमोट इस्केमिक प्रीकंडीशनिंग का प्रभाव, सेरेब्रल इस्किमिया के बायोमार्कर, और एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड हेमोरेज (ईआरवीएएस) में कार्यात्मक परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट परीक्षण। ब्रेन सर्किल. 2021;7(2):104–10.

437. संन्यासी जी, खन्ना एम, गुप्ता ए, प्रकाश एन. न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन सेटिंग में रीढ़ की हड्डी की चोट वाले मरीज में सामान्यीकृत स्पास्टिसिटी के रूप में एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस: एक केस रिपोर्ट। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2023;14(2):346–8.

438. सरकार ए, जैस्मीन ई, थॉमस एसएल, एंड्रेड सी. कोविड–19 महामारी के दौरान कॉलेज के छात्रों में सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के मार्कर। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2022 मई 10;24(3):22एम03247.

439. सतीश एस. अवसाद के इलाज के लिए घर–आधारित न्यूरोमॉड्यूलेशन के उपयोग के संबंध में सतर्क आशावाद। लांसेट मनोरोग. 2023 मार्च;10(3):156–7.

440. शिएस एन, कैटाल्डी आर, ओकुन एमएस, फोदरगिल–मिस्बाह एन, डोरसी ईआर, ब्लोम बीआर, एट अल। पार्किंसंस रोग में वैश्विक असमानताओं को दूर करने के लिए छह कार्रवाई कदम: विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्राथमिकता। जामा न्यूरोल. 2022 सितम्बर 1;79(9):929–36।

441. सेल्वराज एस, शिवकुमार वी, काव्या पीवी, मुल्लापुडी टी, भालेराव जी, श्रीराज वीएस, एट अल। कामकाजी स्मृति की कमी वाले स्किज़ोफ्रेनिया रोगियों में बीडीएनएफ जीन अभिव्यक्ति का न्यूरोहेमोडायनामिक सहसंबंध: एक कार्यात्मक एमआरआई अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 नवंबर;77:103261.

442. शेषगिरी डीवी, विश्वनाथन एलजी, गोयल ए, नागप्पा एम, कुलंथैवेलु के, प्रुथि एन, एट अल। एड्स और न्यूरोसाइफिलिस से पीड़ित एक प्रतिरक्षाविहीन रोगी में ग्रैनुलोमेटस अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस। तंत्रिका विज्ञान. 2023 सितम्बर 12;101(11):495–6.

443. शाह ए, दास एन, अरसप्पा आर, गंजेकर एस, थिप्पेस्वामी एच, सत्यनारायण वीए, एट अल। प्रसवपूर्व अवसाद–क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स में मामले की समीक्षा। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2023;2(1):59–65।

444. शाह एसबी, गुट्टल जीके, चिक्कन्ना यू, सज्जनर एनजे। वर्धमान में पिप्पली की प्रभावकारिता और प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म में निश्चित खुराक पैटर्न – एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। जे आयुर्वेद इंटीग्र मेड. 2022;13(2):100555.

445. शमन्ना वी, मेहता यूएम, नाइक एसएस, बसवराजू आर, थिरथल्ली जे। प्रमुख मनोविकारों में मिरर न्यूरॉन सिस्टम गतिविधि, इको–घटना और मन के सिद्धांत के बीच संबंधों की ट्रांसडायग्नोस्टिक जांच। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 अप्रैल;82:103504.

446. शरथ कुमार जीजी, दीपलम एस, सिद्दीकी ए, अडिगा सीपी, कुमार एस, शिवलिंगप्पा एसएस, एट अल। कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड–19)–एसोसिएटेड राइनो–ऑर्बिटो–सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस: इमेजिंग पैटर्न का एक बहु–संस्थागत पूर्वव्यापी अध्ययन। विश्व न्यूरोसर्जन। 2022 जून;162:ई131–40.

447. शर्मा ए, नायर आईआर, योगनारसिम्हा डी. सुबिकुलर कॉम्प्लेक्स में आकर्षक गतिशीलता। जे न्यूरोसाइंस. 2022 अक्टूबर 5;42(40):7594–614.

448. शर्मा एके, शदाक्षरी डी, चांद पी, मूर्ति पी. शराब पर निर्भरता वाले मरीजों के लिए स्मार्टफोन आधारित रिलैप्स रोकथाम ऐप "क्रेस्ट" का डिजाइन, विकास और पायलट परीक्षण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 मई;83:103572.

449. शर्मा ई, गोलहर टी. ऐसा न हो कि हम माता–पिता–किशोर नृत्य में माता–पिता को भूल जाएं! जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ। 2022;18(3):214–7.

450. शर्मा ई, रवि जीएस, कुमार के, थेनारासु के, हेरोन जे, हिकमैन एम, एट अल। भारतीय जनसंख्या नमूने में कार्यकारी और सामाजिक संज्ञानात्मक क्षमताओं के लिए विकास पथ: जनसांख्यिकीय और मनोसामाजिक निर्धारकों का प्रभाव। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 अप्रैल;82:103475.

451. शर्मा एमके, अमुधन एस, आर्य एस, आनंद एन, साहू ए, कुमार आर, एट अल। केस–आधारित परिप्रेक्ष्य से वृद्धावस्था द्वि घातुमान–देखने को समझना। जराचिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022;9(2):109.

452. शर्मा एमके, गंजेकर एस, राज ईए, अमुधन एस, मिश्रा पी, साहू ए, एट अल। स्वास्थ्य संबंधी चिंता और ऑनलाइन स्वास्थ्य जानकारी: क्लिनिकल सेटिंग में प्रतिसंक्रमण। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 मार्च;81:103445.

453. शर्मा पी, होल्ला वीवी, गुर्रम एस, कांबले एन, यादव आर, पाल पीके.बचपन की शुरुआत की मायोक्लोनस–डायस्टोनिक प्रस्तुति DYT–GCH1: भारत से एक रिपोर्ट। जे मूव डिसॉर्डर. 2023 जनवरी;16(1):101–3.

454. शर्मा पी, श्वेताश्री केआर, चक्रवर्ती डी, सदाशिव एन, शाह के, गोपालकृष्ण केएन. एनाल्जेसिया नोसिसेप्शन इंडेक्स (एएनआई) बाल चिकित्सा क्रैनियोटॉमी में पेरी–ऑपरेटिव नोसिसेप्शन–एंटीनोसाइसेप्शन संतुलन के मॉनिटर के रूप में: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। बच्चों की तंत्रिका प्रणाली. 2023 अगस्त;39(8):2169–76.

455. शर्मा पीपी, शेषगिरी डीवी, नागप्पा एम, मुल्लापुडी टी, श्रीनिवास एन, डे एस, एट अल। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम में IL-33/ST2 प्रतिरक्षा अक्ष पर विटामिन डी का नियामक प्रभाव... आप क्या सोचते हैं? यूरो जे न्यूरोल. 2022 जुलाई;29(7):ई22–3।

456. शर्मा पीपी, शेषगिरी डीवी, नागप्पा एम, मुल्लापुडी टी, श्रीनिवास एन, डे एस, एट अल। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम की इम्युनोबायोलॉजी में परिवर्तित IL-33/ST2 प्रतिरक्षा अक्ष की भूमिका। यूरो जे न्यूरोल. 2022 जुलाई;29(7):2074-83.

457. शर्मा एस, गोविंदन आर, कोम्मू जेवीएस। ऑटिज़्म और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर वाले बच्चों के माता-पिता के बीच चिंता और तनाव को कम करने में माता-पिता-से-अभिभावक सहायता समूह की प्रभावशीलता। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 नवंबर;44(6):575–9..

458. शर्मा एस, सैनी जे, खन्ना जी, गोयल ए, महादेवन ए, देवरा एच, एट अल। तीव्र बैक्टीरियल सेरेब्राइटिस की विविध इमेजिंग और नैदानिक प्रस्तुतियाँ। इमर्ज रेडिओल. 2022 अगस्त;29(4):791–9.

459. शर्मा एसएस, श्रीनिवास भरत एमएम, डोरेस्वामी वाई, लक्ष्मी टीआर। किशोर चूहों में चिंता और जिज्ञासा पर तनाव हाइपोरेस्पॉन्सिव अवधि (एसएचआरपी) के दौरान प्रारंभिक जीवन तनाव का प्रभाव। ऍक्स्प ब्रेन रेस. 2022 अप्रैल;240(4):1127-38.

460. शशिधर ए, अरिमप्पमगन ए, मधुसूदन एन, नरसिंगा राव केवीएल, भट डी, शुक्ला डी, एट अल। पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए ट्रांसक्रानियल दृष्टिकोण - दो दशकों से अधिक के सर्जिकल दृष्टिकोण और पेरी-ऑपरेटिव रुग्णता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज। 2021 जनवरी;200:106400।

461. शाविट आरजी, शेषचला के, हेज़ल डीएम, वॉल एमएम, बालाचंदर एस, लोचनर सी, एट अल। जुनूनी-बाध्यकारी विकार के प्रतिलिपि प्रस्तुत करने योग्य मस्तिष्क हस्ताक्षरों की पहचान पर एक वैश्विक अध्ययन में नैदानिक मूल्यांकन विधियों की माप निष्ठा। तंत्रिका मनोविज्ञान. 2023 मार्च;37(3):330-43.

462. शाविट आरजी, वैन डी ह्यूवेल ओए, लोचनर सी, रेड्डी वाईसीजे, मिगुएल ईसी, सिम्पसन एचबी. संपादकीय: जीवन भर जुनूनी-बाध्यकारी विकार (ओसीडी): वर्तमान नैदानिक चुनौतियाँ और व्यक्तिगत उपचार की खोज। सामने मनोरोग. 2022;13:927184.

463. शेफर्ड ई, स्टर्न ईआर, वैन डी ह्यूवेल ओए, कोस्टा डीएलसी, बातिस्टुज़ो एमसी, गोडॉय पीबीजी, एट अल। ओसीडी के उपचार का मार्गदर्शन करने के लिए अनुमानी न्यूरोसर्किट-आधारित वर्गीकरण का विस्तार करना: जुनूनी-बाध्यकारी विकार में संयोजी परिवर्तनों के आनुवंशिक और आणविक सहसंबंधों की जांच करना। मोल मनोरोग. 2022 सितम्बर;27(9):3560–1.

464. शेट्टी केवी, देसाई एम, श्रीवास्तव ए, मारीमुथु पी, मणिकप्पा एसके, बामनी यू। दक्षिण भारत के धारवाड़ जिले में पहली लहर के दौरान सीओवीआईडी-19 रोगियों के बीच चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहरुग्णता: एक क्रॉस -अनुभागीय अध्ययन. मानसिक स्वास्थ्य के पुरालेख. 2022;62–6.

465. शिधाये आर, बंगल वी, भार्गव एच, तिलेकर एस, थानगे सी, गोरे एस, एट अल। कोविड-19 संकट के दौरान मातृ मानसिक स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा कार्य में सुधार के लिए योग की व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और प्रारंभिक प्रभावकारिता (योग-एम2 परीक्षण): एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। फ्रंट हम न्यूरोसाइंस. 2023;17:1115699.

466. शिवराम एस, नागप्पा एम, शेषगिरी डीवी, सैनी जे, गोविंदराज पी, सिन्हा एस, एट अल। वयस्कों में eIF2B उत्परिवर्तन के कारण ल्यूकोडिस्ट्रॉफी। कैन जे न्यूरोल विज्ञान. 2022 सितम्बर;49(5):708–12।

467. श्रीवास्तव एम, असरन्ना ए, केंचियाह आर, मुंडलामुरी आर, विश्वनाथन एलजी, कुलंथैवेलु के, एट अल। 1200 वयस्कों में दवा प्रतिरोधी मिर्गी के चरण 1 पूर्व-सर्जिकल मूल्यांकन के लिए वीडियो इलेक्ट्रो एन्सेफैलोग्राफी की उपज: निम्न-मध्यम-आय वाले देश में स्थित तृतीयक केंद्र से एक पूर्वव्यापी अध्ययन। एक्टा न्यूरोल बेल्ज. 2023 अक्टूबर;123(5):1773-80.

468. शुक्ला ए, एंड्रेड सी. विश्वविद्यालय के छात्रों में सोने के समय विलंब की व्यापकता और सोने के समय विलंब पैमाने की पुनर्परीक्षा। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2023 फरवरी 28;25(1):22एम03334.

469. श्याम सुंदर अरुमुघम, समीर के. प्रहराज, उमेश श्रीकांतैया, और अन्य। क्लोज़ापाइन-प्रतिरोधी/असहिष्णु सिज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों में इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी की नैदानिक प्रभावकारिता और न्यूरोबायोलॉजिकल सहसंबंध: एक मल्टी-साइट समानांतर बांह डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक शम-नियंत्रित अध्ययन का अध्ययन प्रोटोकॉल। यहां उपलब्ध है: https://wellcomeopenresearch.org/articles/7-2

470. सिद्दीकी एस, पोलावरपु के, बर्धन एम, प्रीतिश-कुमार वी, जोशी ए, नाशी एस, एट अल। एक समान जीएमपीपीबी जीन उत्परिवर्तन वाले वयस्कों की श्रृंखला में विशिष्ट और पहचानने योग्य मांसपेशी एमआरआई पैटर्न। जे न्यूरोमस्कुल डिस. 2022;9(1):95–109.

471. सिंधु डीएम, हुद्दार ए, सैनी जे, वेंगालिल एस, नाशी एस, बर्धन एम, एट अल। भारतीय जनसंख्या में अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग करके ऊपरी और निचले छोरों में नसों के क्रॉस-अनुभागीय क्षेत्र संदर्भ मूल्य। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):449-56.

472. सिंह ए, रानी ए, मेनन पीजी, नायर बीएस, थेन्नारासु के, जयसूर्या टीएस। 18 साल की उम्र में आजीवन बाल यौन शोषण का आकलन: केरल, भारत के कॉलेज छात्रों का एक सर्वेक्षण। इंडस्ट्रीज़ मनोचिकित्सा जे. 2022;31(1):172-6.

473. सिन्हा पी, श्रीकांतैया यू, गोयल एन, श्रीराज वीएस, अरुमुघम एसएस, सामंतराय एस, एट अल। उपचार-प्रतिरोधी अवसाद में tDCS प्राइमेड आईटीबीएस और ईसीटी के साथ अनुक्रमिक उपचार की नैदानिक प्रभावकारिता और न्यूरोबायोलॉजिकल सहसंबंधों के मूल्यांकन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। वेलकम ओपन रिसर्च। 2022;7(242):242.

474. सिरोया एचएल, भट डीआई, देवी बीआई, शुक्ला डीपी, सत्यप्रभा टीएन, आलेख्य टीएसएल। जन्मजात क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन विसंगतियों में प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव हृदय गति परिवर्तनशीलता सूचकांकों के बीच छह साल का अनुदैर्ध्य संभावित तुलनात्मक अध्ययन। जे क्रानियोवर्टेब्र जंक्शन स्पाइन। 2022;13(4):439-53.

475. शिवकुमार टी, अरुमुघम एस, चांद पीके, मूर्ति पी, वर्गीस एम. मरीजों के बिना परीक्षाएँ: सीओवीआईडी -19 महामारी के दौरान मनोचिकित्सा में स्नातकोत्तर निकास परीक्षाएँ। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2022;1(1):27–9.

476. शिवकुमार टी, बसवराजप्पा सी, फिलिप एम, कुमार सीएन, थिरथल्ली जे, पार्थसारथी आर। सीओवीआईडी -19 महामारी के बीच ग्रामीण दक्षिण भारतीय समुदाय में गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के परिणाम पर आशा को प्रोत्साहित करने का प्रभाव। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 फरवरी;80:103388.

477. शिवकुमार टी, थिरथल्ली जे. संसाधन-खराब सेटिंग्स में बौद्धिक विकास संबंधी विकार वाले व्यक्तियों के लिए भविष्य की देखभाल योजना। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2022 सितम्बर 1;9(3):235–8.

478. शिवकुमार टी. पुस्तक समीक्षा: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों वाले परिवारों के लिए वित्तीय योजना: दो पीढ़ियों के लिए योजना बनाने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 मई 1;45(3):314-5.

479. स्मिता पीएस, उडुपा के, विनुथा एस. क्लिनिकल हार्ट फेल्योर में सिस्टोलिक समय अंतराल। एशियाई अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन 2022, 58: 36-39।

480. सोमन ए, वेंकटराम एस, चिक्कन्ना यू, रामकृष्ण केके, भार्गव एच, मेलनकोडी पी, एट अल। माइग्रेन के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद: नैदानिक साक्ष्य की एक कथात्मक समीक्षा। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 अगस्त;11(8):4228-35.

481. सौमित्रा एस, जैन एनके, भोंडे आर, दत्ता आई। फॉस्फेटिडिल-इनोसिटॉल-3-किनेज पाथवे के माध्यम से व्हार्टन की जेली मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के अप्रत्यक्ष संपर्क से हाइपोक्सिक-इस्केमिक-रीपरफ्यूजन चोट के संपर्क में आने वाले मानव भ्रूण स्टेम कोशिकाओं-व्युत्पन्न तंत्रिका पूर्वजों की पुनर्प्राप्ति . सेल मोल न्यूरोबायोल. 2022 मई;42(4):1167-88.

482. स्पूर्ति एस, श्रीधरन एस, होसदुर्गा आर, राव आरजे, प्रभु एस, पाल पीके, एट अल। पार्किंसंस रोग वाले प्रतिभागियों पर मौखिक स्वच्छता शैक्षिक पारंपरिक कार्यक्रमों की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। क्विंटेसेंस इंटरनेशनल (बर्लिन, जर्मनी: 1985)। 2023;0–0.

483. श्रावंती एल, कोम्मू जेवीएस, गिरिमाजी एससी, शेषाद्रि एस। जुनूनी-बाध्यकारी विकार वाले बच्चों और किशोरों के जीवित अनुभव: व्याख्यात्मक घटनात्मक विश्लेषण। बाल किशोर मनोरोग मानसिक स्वास्थ्य। 2022 जून 16;16(1):44.

484. श्रावंती एल, वेलुसामी एजे, कार्की यू, कोम्मू जेवी, गिरिमाजी एससी. निदान किए गए बच्चों और किशोरों की नैदानिक प्रोफ़ाइल भारतीय संदर्भ में एनोरेक्सिया नर्वोसा। एशियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2022 मार्च 11;71:103077.

485. श्रीराज वी.एस., शिवकुमार वी., भालेराव जी.वी., कलमाडी एस.वी., नारायणस्वामी जे.सी., वेंकटसुब्रमण्यम जी. आराम-अवस्था कार्यात्मक कनेक्टिविटी, बिना दवा वाले सिज़ोफ्रेनिया में एंटीसाइकोटिक उपचार से संबंधित है। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2023 अप्रैल;82:103459.

486. श्रीगणेश के, भारद्वाज एस, शांतन्ना एच, राव जीएसयू, क्रेमर बीडब्ल्यू, सत्यप्रभा टीएन। क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड बनाम नॉनोपियोइड एनाल्जेसिया: एक व्यवस्थित समीक्षा और यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का मेटा-विश्लेषण। विश्व न्यूरोसर्जरी। 2023;173:ई66-75.

487. श्रीगणेश के, भारद्वाज एस, शांतन्ना एच, राव जीएसयू, क्रेमर बीडब्ल्यू, सत्यप्रभा टीएन। स्पाइन सर्जरी के लिए ओपियोइड बनाम गैर-ओपियोइड एनाल्जेसिया: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। यूरो स्पाइन जे. 2023 जनवरी;32(1):289-300.

488. श्रीकांत पी, अगाडी एस, लोबो आर, निर्मला बीपी, के एसआर, गुप्ता ए. रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद समग्र पुनर्वास दृष्टिकोण के निहितार्थ: भारत से एक केस अध्ययन। विकलांगता, सीबीआर और समावेशी विकास। 2022;33(4):89-98.

489. श्रीकांत पी, निर्मला बीपी। न्यूरोलॉजिकल विकलांगता वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति। न्यूरोबिहेवियरल साइंसेज जर्नल. 2022 अगस्त;9(2):46.

490. श्रीकांत पी, शनिवरम रेड्डी के, निर्मला बीपी, जनार्दन एन, गुप्ता ए। रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के लिए कल्याण कार्यक्रम। सामाजिक विज्ञान प्रोटोकॉल. 2021 दिसंबर 19;4:1-17.

491. श्रीकांत पी, वृंदा एमएन, थॉमस पीटी, राघवेंद्र के. प्रजनन आयु के वर्षों में मिर्गी से पीड़ित महिलाएं और अपेक्षित मनोसामाजिक प्रबंधन रणनीतियाँ। न्यूरोबिहेवियरल साइंसेज जर्नल. 2022 अप्रैल;9(1):36.

492. श्रीकांत यू, हरि ए, लोकनाथ वाईके, सोमसुंदर डी, राव एस। पूर्वकाल ग्रीवा डिस्केक्टॉमी और आर्थ्रोप्लास्टी के बाद विलंबित सी 5 पक्षाघात – "फ्लोसीलोमा" की एक असामान्य घटना द्वारा दो मामलों की दुर्लभ प्रस्तुति। स्पाइनल सर्जरी जर्नल. 2022;9(2):128–33.

493. श्रीकर एम, राजू आर, ददलानी एन, स्वामीनाथन डी, वैद्यनाथन पी, मीरा एसएस। अक्सर सामना किया जाता है लेकिन शायद ही कभी रिपोर्ट किया जाता है: ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले द्वि/बहुभाषी बच्चों में हस्तक्षेप के लिए भाषा (भाषाओं) का चयन करने में चुनौतियाँ। बाल विज्ञान जर्नल. 2022 जनवरी;12(1):ई55–66.

494. श्रीनिवास डी, मनोहर एच, शर्मा ई, अरुमुघम एसएस, शर्मा एलपी, घोष एस। रिफ्रैक्टरी टॉरेट सिंड्रोम और कोमॉर्बिड ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर वाले एक किशोर में द्विपक्षीय एटरोमेडियल ग्लोबस पैलिडस इंटर्नस का डीप ब्रेन स्टिमुलेशन– एक केस रिपोर्ट। मस्तिष्क उत्तेजना. 2022;15(6):1415–7.

495. श्रीनिवास डी, त्यागी जी, सिंह जीजे। शंट प्रत्यारोपण – अतीत, वर्तमान और भविष्य। न्यूरोल इंडिया. 2021;69(अनुपूरक):एस463–70.

496. श्रीनिवास डी. धमनीशिरापरक विकृतियों का प्रबंधन – एक सिसिफ़ियन कार्य? न्यूरोल इंडिया. 2022;70(6):2340–2.

497. श्रीनिवास डी. प्रोफेसर रवि मार्तंड वर्मा – एक दूरदर्शी उत्कृष्टता। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):1767–8.

498. श्रीनिवासन वी, जैन एस, क्वोन डब्ल्यू, बायेटी सी, चेरियन एवी, माथियास के। भारत में मनोसामाजिक देखभाल प्रदान करने के लिए किन नवीन प्रथाओं और प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है? तीन गैर–लाभकारी सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य संगठनों का गुणात्मक केस अध्ययन। एसएसएम – मानसिक स्वास्थ्य। 2023 दिसंबर 15;4:100220.

499. श्रीविद्या आरएन, अरेलिंगैया एम, गौतम एमएस, प्रदीप बीएस। कर्नाटक, भारत में युवाओं के लिए जीवन कौशल मूल्यांकन उपकरण की समवर्ती वैधता। 2021;

500. स्टीवलिंक आर, अल–टोमा डी, जानसेन एफई, लैम्बेरिन्क एचजे, असदी–पूया एए, फ़राज़दाघी एम, एट अल। किशोर मायोक्लोनिक मिर्गी से पीड़ित लोगों में दवा बंद करने के बाद दवा प्रतिरोध और दौरे की पुनरावृत्ति की व्यक्तिगत भविष्यवाणी: एक व्यवस्थित समीक्षा और व्यक्तिगत प्रतिभागी डेटा मेटा–विश्लेषण। EClinicalMedicine। 2022 नवंबर;53:101732.

501. स्टेज़िन ए, पाल पीके। उपचार योग्य गतिभंग: भूसे के ढेर में सुई कैसे खोजें? जे मूव डिसॉर्डर. 2022 सितम्बर;15(3):206–26.

502. सुब्बान्ना एम, शिवकुमार वी, भालेराव जी, वरम्बली एस, वेंकटसुब्रमण्यम जी, देबनाथ एम। Th17 पाथवे–संबंधित जीन के वेरिएंट मस्तिष्क के रूपात्मक परिवर्तनों और एपिस्टैटिक इंटरैक्शन के माध्यम से सिज़ोफ्रेनिया के जोखिम को प्रभावित करते हैं। मनोचिकित्सक जेनेट. 2022 अगस्त 1;32(4):146–55.

503. सुभादीप डी, श्रीकुमार बीएन, शंकरनारायण राव बीएस, कुट्टी बीएम। वेंट्रल सबिक्युलर घाव वयस्क विस्टार चूहों में सामाजिक–समर्थक सहानुभूति जैसे व्यवहार को ख़राब करता है। न्यूरोसाइ लेट. 2022 अप्रैल 17;776:136535.

504. सुब्रमणियन एस, कांचीभोटला डी, वरम्बली एस, उडुपा के. कोविड–19 महामारी के कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने में योग की प्रभावकारिता: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी. 2022 फ़रवरी 1;8.

505. सुधीर एन, कुमार वी, भिडे एसआर, नाइक एसएस, बालिगा एस, वरम्बली एस, एट अल। क्या योगाभ्यास इलेक्ट्रो–कन्वल्सिव थेरेपी से प्रेरित तंत्रिका–संज्ञानात्मक घाटे को रोक सकता है? – एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण से निष्कर्ष। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अक्टूबर;76:103244.

506. सुहास एस, चंद्रा पीएस, चतुर्वेदी एसके. पत्रिकाओं के पत्रों और पत्राचार अनुभागों में लिंग के प्रति असंवेदनशील अभिवादन। आर्क महिला मानसिक स्वास्थ्य. 2022 अप्रैल;25(2):533.

507. सुहास एस, मालो पीके, कुमार वी, इसाक टीजी, चित्रा एनके, भास्करपिल्लई बी, एट अल। सेरोटोनिन रीपटेक इनहिबिटर–प्रतिरोधी जुनूनी–बाध्यकारी विकार के लिए उपचार रणनीतियाँ: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों का एक नेटवर्क मेटा–विश्लेषण। विश्व जे बायोल मनोरोग। 2023 फ़रवरी;24(2):162–77.

508. सुहास एस, मेहता यूएम। 2021 में सिज़ोफ्रेनिया अनुसंधान का एक पुनर्वितरण। सिज़ोफ्र रेस। 2022 मई;243:458–61.

509. सुहास एस, श्रीराज वीएस, अमृता सी, देसाई जी, वेंकटसुब्रमण्यम जी। क्या एलोप्यूरिनॉल अल्ट्रा–प्रतिरोधी सिज़ोफ्रेनिया के अंतिम चरण में एक चमत्कार है? स्किज़ोफ़र रेस. 2022 मार्च;241:12–3.

510. सुकुमार जीएम, बनंदुर पी, डागर वी, नेमा एस, वेलु एसआर, बनवारम ए, एट अल। भारत में युवा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन क्लीनिक (युवस्पंदन केंद्र) में भाग लेने वाले लाभार्थियों के बीच तंबाकू के उपयोग से जुड़ी व्यापकता और कारक: एक केस–रिकॉर्ड विश्लेषण। टोब प्रीव सेसैट। 2022;8:37.

509. सुकुमार जीएम, शहाणे एसएस, शेनॉय एबी, नागराजा एसआर, वासुकी पीपी, लिंगैया पी, एट अल। बड़े पैमाने पर युवा–केंद्रित जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श सेवा कार्यक्रम (एलएसटीसीपी) के प्रतिभागियों के बेहतर जीवन कौशल स्तर से जुड़े प्रभावशीलता और कारक: भारत से साक्ष्य। व्यवहार विज्ञान (बेसल)। 2022 जून 15;12(6):191.

511. सुकुमारन एसके, पॉल पी, गुट्टल वी, होल्ला बी, वेमुला ए, भट्ट एच, एट अल। पारिवारिक द्विध्रुवी विकार में तंत्रिका अग्रदूत कोशिकाओं के प्रवास में असामान्यताएं। डिस मॉडल मेक. 2022 अक्टूबर 1;15(10):डीएमएम049526.

512. सुमन एनएस, पूवैया पीपी, रंगराजन ए, तिवारी आर, नाशी एस, युवराज पी, एट अल। सुसैक सिंड्रोम में सरवाइकल और ओकुलर वेस्टिबुलर इवोक्ड मायोजेनिक पोटेंशियल रिकवरी: एक केस रिपोर्ट। एम जे ऑडियोल. 2022 दिसंबर 5;31(4):1059-66.

513. सुंदर एसपी, भोला पी. आयामी व्यक्तित्व लक्षण और उभरते वयस्कों के बीच गैर-आत्मघाती आत्म-चोट: मानसिककरण की मध्यस्थता भूमिका। मनोवैज्ञानिक अध्ययन. 2022;67(2):218–27.

514. सुरीसेटी बीके, प्रसाद एस, होल्ला वीवी, कांबले एन, यादव आर, पाल पीके। रेडियोथेरेपी और सर्जिकल प्रक्रियाओं से जुड़े आंदोलन विकार। जे मूव डिसॉर्डर. 2023 जनवरी;16(1):42-51.

515. स्वामी सुमन एन, कुमार राजशेखरन ए, युवराज पी, पृथी एन, थेन्नारसु के. सेंट्रल वेस्टिबुलर मुआवजे का उपाय: एक समीक्षा। जे इंट एडवोकेट ओटोल। 2022 सितम्बर;18(5):441–6.

516. सैयदा एस, बंसल एस, चक्रवर्ती डी, भद्रीनारायण वी। दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में एनेस्थीसिया को शामिल करने के लिए प्रोपोफोल की आवश्यकता द्विपक्षीय बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स और लक्ष्य नियंत्रित जलसेक का उपयोग करके निर्धारित की जाती है - एक अवलोकन समूह अध्ययन। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल। 2023;39(2):208-14.

517. तल्लापल्ली एवीआर, शिवराम एस, कुलंथैवेलु के, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी। फाल्सिन ट्यूबरकुलोमा क्रोनिक सिरदर्द के साथ प्रस्तुत होता है - एक दुर्लभ वस्तु। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):804–5.

518. थंबी ए, बजाज ए, एल मनोज, जी सुनील कुमार, जीआर गोकुल, के थेन्नारासु, एट अल। बिगड़ा हुआ माँ-शिशु संबंध: भारत से एक सामुदायिक अध्ययन। जे रिप्रोड शिशु साइकोल। 2022 सितम्बर 22;1-12.

519. थातिकोंडा एनएस, विनोद पी, बालाचंदर एस, भास्करपिल्लई बी, अरुमुघम एसएस, रेड्डी वाईसीजे। जुनूनी-बाध्यकारी विकार में सहवर्ती चिंता और अवसाद के लक्षणों पर दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: यादृच्छिक शम-नियंत्रित परीक्षणों का एक मेटा-विश्लेषण। कैन जे मनोचिकित्सा. 2023 जून;68(6):407-17.

520. थिरुमूर्ति सी, दीपा एम, श्रीकुमार बीएन, हन्ना डब्ल्यू, वेंकटेशन यू, निखिल पीजे, एट अल। एशियाई भारतीय महिलाओं में अवसाद और गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस के इंटरफेस पर न्यूरोबायोलॉजिकल बायोमार्कर के परिवर्तित स्तर। न्यूरोपेप्टाइड्स। 2022 जून;93:102245.

521. थॉमस पीटी, वारियर एमजी, अरुण एस, भुवनेश्वरी बी, वेंगालिल एस, नाशी एस, एट अल। एमएनडी/एएलएस से पीड़ित व्यक्तियों और कम संसाधन वाले उनके परिवारों के लिए एक व्यक्तिगत मनोसामाजिक हस्तक्षेप कार्यक्रम। क्रॉनिक इलन. 2023 जून;19(2):458-71.

522. त्रिपाठी पीपी, कुमारी एस, प्रभात एन, लांबा डीएस, हंस आर, गोयल एमके, एट अल। दुर्लभ तंत्रिका संबंधी विकार आइज़ैक सिंड्रोम के मामले में चिकित्सीय प्लाज्मा विनिमय की प्रभावशीलता। एशियाई जे ट्रांसफ़स विज्ञान। 2023;17(1):117–20.

523. त्रिपाठी पीपी, कुमावत वी, शंकरा एनबी। बेंज़िल निकोटिनेट और हेपरिन के संयोजन के सामयिक अनुप्रयोग के बाद दान के बाद फ़्लेबोटॉमी साइट पर छाले का गठन: दान के बाद एक अप्रिय अनुभव। ट्रांसफ़स क्लिन बायोल। 2023 फ़रवरी;30(1):24–5.

524. त्रिपाठी पीपी, शर्मा आरआर, कोप्प सीआर, बासनेट ए, रामकृष्णन एस, लांबा डीएस, एट अल। हेपेटाइटिस बी वायरस और प्लाज्मा विनिमय भूमिका से संबंधित पॉलीआर्थराइटिस नोडोसा का दिलचस्प दुर्लभ मामला? - एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। एशियाई जे ट्रांसफ़स विज्ञान। 2023;17(1):7-12.

525. त्रिपाठी पी.पी. दक्षिण भारत के तृतीयक देखभाल अस्पताल में लाल कोशिका की मांग और उपयोग पैटर्न। एन अफ्र मेड. 2023;22(1):33–9.

526. त्यागी जी, देवड़ा एच, सिंह जीजे, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. कंबाइंड पोस्टीरियर ट्रांसपेट्रोसल: प्रेसिग्मॉइड और सबटेम्पोरल रिसेक्शन ऑफ ए लार्ज पेट्रोक्लिवल मेनिंगियोमा। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):1800–2.

527. त्यागी जी, कुलंथैवेलु के, सैनी जे, गौड़ा ए, श्रीनिवास डी. एक पेरिपार्टम सीओवीआईडी -19-पॉजिटिव रोगी में एक टूटी हुई कोरॉइडल धमनी धमनीविस्फार विकृति का तीव्र एंडोवास्कुलर प्रबंधन। इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी. 2022 दिसंबर;11(3):277–9.

528. त्यागी जी, सिकारिया ए, बिरुआ जीजेएस, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. मल्टीपल कैवर्नोमा वाले बाल रोगी में एक साथ सुप्रा- और इन्फ्राटेंटोरियल हेमोरेज का सर्जिकल प्रबंधन। जे सेरेब्रोवास्क एंडोवैस्क न्यूरोसर्ज। 2022 सितम्बर;24(3):262–6.

529. त्यागी जी, सिंह जीजे, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. मेडुलोब्लास्टोमा के एक मामले में स्टेज्ड लिगेशन के साथ एक पर्सिस्टेंट ओब्लिक ओसीसीपिटल साइनस का प्रबंधन: एक केस रिपोर्ट। बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जन। 2021;56(5):460–4.

530. त्यागी जी, सिंह जीजे, बेनीवाल एम, श्रीनिवास डी. 13-वर्षीय लड़के में ज़ैंथोग्रानुलोमेटस कोलाइड सिस्ट: एक केस रिपोर्ट और सर्जिकल निहितार्थ। बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जन। 2022;57(3):202–6.

531. उन्नी एस, देशमुख पी, कृष्णप्पा जी, भरत एमएमएस, पद्मनाभन बी. क्लोरहेक्सिडिन एक Keap1-Nrf2 अवरोधक के रूप में: पार्किंसंस रोग चिकित्सा के लिए एक पुरानी दवा के लिए एक नया लक्ष्य। जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन। 2023;41(12):5367-81.

532. उप्पर एएम, शुक्ला डी, नायक एन, राव जी, द्वारकानाथ एस. सिंड्रोमिक क्रानियोसिनेस्टोसिस: क्रैनियो-फेशियल रीमॉडलिंग सर्जरी के बाद उद्देश्य और माता-पिता द्वारा रिपोर्ट किए गए परिणाम माप। बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जन। 2022;57(1):17-27.

533. वैद्य एन, होला बी, हेरोन जे, शर्मा ई, झांग वाई, फर्नांडीस जी, एट अल। भारत में बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों के बीच मस्तिष्क संबंधी विसंगतियों द्वारा मध्यस्थ निम्न-स्तरीय आर्सेनिक एक्सपोजर और कार्यकारी कार्य का तंत्रिका-संज्ञानात्मक विश्लेषण। जामा नेटवर्क खुला। 2023 मई 1;6(5):e2312810.

534. वैफेई के, यारेशीमी एस, यांग जेएमके, डि फ्लोरियो ए, चंद्रा पीएस, थिप्पेस्वामी एच। प्रसवोत्तर मनोविकृति (पीपी) के जीवंत अनुभव वाली महिलाओं के एक हितधारक समूह का गठन - भारत में प्रसवकालीन मनोरोग सेवा से अनुभव। एशियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2023 जून 1;84:103592.

535. वैथियालिंगम बी, बंसल एस, रमेश वीजे, मुथुचेलप्पन आर. एक गर्भवती रोगी के लिए इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी (ईसीटी) के दौरान ट्रांस-नासल ह्यूमिडिफाइड रैपिड इंसफ्लेशन वेंटीलेटरी एक्सचेंज (थ्राइव) वेंटिलेशन - एक नई तकनीक। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अप्रैल;70:103023.

536. वैथियालिंगम बी, मुथुचेल्लप्पन आर. न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रुग्ण रूप से मोटे रोगियों में थ्राइव ऑक्सीजनेशन और इंट्रा-ऑपरेटिव फेफड़े-सुरक्षात्मक वेंटिलेशन की व्यवहार्यता। सऊदी जे अनास्थ. 2022;16(3):361–3.

537. वैथियालिंगम डीबी, कोटवाल डीए, कुलंथैवेलु डीके। मायलोग्राफी के दौरान अनजाने में बड़ी मात्रा में लिग्नोकेन का इंजेक्शन - कभी नहीं होने वाली घटना। जे न्यूरोरेडिओल. 2022 नवंबर;49(6):434-5.

538. वल्लियाम्मल शनमुगम, कथ्यायिनी बी.वी. किशोरों में सकारात्मक आत्म-अवधारणा और आत्म-क्षमता विकसित करने पर नर्स के नेतृत्व में हस्तक्षेप।, जीजेआरए - ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस (जीजेआरए), जीजेआरए | वर्ल्ड वाइड जर्नल्स [इंटरनेट]। [उद्धृत 2023 सितंबर 22].

539. वैन हाउते एल, ओ'कॉनर ई, डियाज़-माल्डोनाडो एच, मुनरो बी, पोलावरपु के, हॉक डीएच, एट अल। टीईएफएम वेरिएंट माइटोकॉन्ड्रियल ट्रांस्क्रिप्शन को ख़राब कर देता है, जिससे बचपन में न्यूरोलॉजिकल बीमारी हो जाती है। नेट कम्यून. 2023 फरवरी 23;14(1):1009.

540. वंदना वीपी, दर्शिनी जेके, अफसर एम, शुक्ला डी, राजेश्वरन जे। काम पर वापस जाना: दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद काम में पुनः प्रवेश के लिए संज्ञानात्मक-संचारी भविष्यवक्ता। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2023 मार्च 1;10(1):25-33.

541. वंदना वीपी, दर्शिनी जेके, शंकरन बीपी. PLA2G6-एसोसिएटेड न्यूरोडीजेनेरेशन वाले बच्चों में ऑडियोलॉजिकल निष्कर्ष। जे एम एकेड ऑडियोल. 2022 नवंबर 29;

542. वार्ष्णेय के, नारायणाचर एसजी, गिरिशा केएम, भवानी जीएस, नारायणन डी, फड़के एस, एट अल। भारत से डायगवे-मेल्चियोर-क्लॉज़ेन डिसप्लेसिया और स्मिथ-मैककॉर्ट डिसप्लेसिया वाले 24 व्यक्तियों में नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और आणविक अध्ययन। जे मेड जेनेट. 2023 फ़रवरी;60(2):204–11.

543. वार्ष्णेय पी, मालथेश बीसी, निरीशा पीएल, हर्षिता एनआर, कुलल एन, कुमार सीएन, एट अल। भारतीय सार्वजनिक मानसिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की भूमिका पर हितधारक दृष्टिकोण: एक गुणात्मक अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 नवंबर;11(11):7308-15.

544. वसंत्रा सीआर, थिरुमूर्ति ए, एंटनी एस, प्रसाद के, राव जीएन, पीटी एस। भारत में डिमेंशिया के साथ रहने वाले व्यक्तियों के परिवार की देखभाल करने वालों की मनोसामाजिक सहसंबंध और अनुमानित आवश्यकताएं। अल्जाइमर और डिमेंशिया. 2022;18:ई065501.

545. वीरब्रह्मचार आर, बिस्टा एस, बोकडे आर, जस्ती एन, भार्गव एच, बिस्टा एस। इलेक्ट्रो-फोटोनिक इमेजिंग द्वारा मूल्यांकन किए गए ऊर्जा स्तर और सात चक्रों के संरेखण पर नाद योग ध्यान का तत्काल प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित क्रॉसओवर पायलट अध्ययन। सलाहकार माइंड बॉडी मेड। 2023 शीतकालीन;37(1):11-6.

546. विजयन जे, मेनन डी, बार्नेट सी, काट्ज़बर्ग एच, लोवब्लॉम एलई, ब्रिल वी। बहुत देर से शुरू होने वाले मायस्थेनिया ग्रेविस वाले रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और सहवर्ती बीमारियों का प्रभाव। मांसपेशी तंत्रिका. 2021 अक्टूबर;64(4):462–6.

547. विनय के, नागराज के, अरविंदा एचआर, विकास वी, राव एम. निचले अंगों की रोकथाम और व्यायाम के लिए एक उपकरण का डिज़ाइन। आईईईई जे ट्रांसल इंजीनियरिंग हेल्थ मेड। 2021;9:2100107.

548. विश्वनाथन एलजी, नागप्पा एम, शेषगिरी डीवी, कुलंथावेलु के, नागरत्ना एस, सिन्हा एस। द्विपक्षीय ऑप्टिक ट्रैक्ट एन्हांसमेंट: न्यूरोसाइफिलिस में एक असामान्य इमेजिंग खोज। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):489-90.

549. विश्वनाथन पी, किशोर एमटी, शेषाद्रि एसपी, बीनू वी.एस. आंतरिक विकारों वाले बच्चों में विकासात्मक दक्षताएं, स्वभाव, पालन-पोषण की प्रथाएं और मनोसामाजिक प्रतिकूलताएं - एक पायलट अध्ययन। क्लिन चाइल्ड साइकोल मनोरोग। 2023 अप्रैल;28(2):483-99.

551. विवेक एस एम, कुलंथावेलु के, नागराज सी, राघवेंद्र के, म्हात्रे आर, मुंडलामुरी आर, एट अल। रासमुसेन की एन्सेफलाइटिस: एक साथ एफडीजी-पीईटी और एमआरआई इमेजिंग सहसंबंध पर इमेजिंग स्पेक्ट्रम। क्लिन इमेजिंग. 2022 मई;85:48-54.

552. व्रंदा एमएन, सिसिल आरवी। कोविड-19 में विधवा हुई महिलाएं-अदृश्य वायरस की शिकार। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022;8(2):127.

553. वृंदा एमएन, कुमार सीएन, फेबना एम, अम्मापट्टियन टी, शिरी एसएस। बहु-विकलांगता से पीड़ित बलात्कार पीड़िता के परिवार के सदस्य की देखभाल और सहायता प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को महसूस किया गया। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022;8(2):107.

554. वाधवा ए, आकाश वीएस, भारद्वाज एस, कदरपुरा एनजी, कोनार एसके, नाइक एस, एट अल। कपाल न्यूरोसर्जरी के बाद रोगी की विशेषताओं और असंतोष के बीच संबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2023;14(2):280–5.

555. वालिन ए, अल्लादी एस, ब्लैक एसई, चेन सी, ग्रीनबर्ग एसएम, गुस्ताफसन डी, एट अल। संवहनी संज्ञानात्मक विकारों पर शोध के लिए अल्जाइमर रोग के एडुकानुमाब उपचार का क्या मतलब है? सेरेब सर्क कॉग्न बिहेव। 2022;3:100044.

556. वॉरियर एमजी, थॉमस पीटी, सदाशिवन ए, नाशी एस, वेंगालिल एस, नलिनी ए। भारतीय संदर्भ में मोटर न्यूरॉन रोग से पीड़ित व्यक्तियों की घर-आधारित देखभाल में लगे जीवनसाथी के लिए दिशानिर्देशों का विकास। जे रोगी ऍक्स्प. 2022;9:23743735221077536.

557. वीलैंड सीजे, कास्प्रज़क एस, डी जूड एनटी, अबे वाई, अलोंसो पी, एमिस एसएच, एट अल। थैलेमस और उसके उपनाभिक-जुनूनी-बाध्यकारी विकार का प्रवेश द्वार। अनुवाद मनोरोग. 2022 फरवरी 21;12(1):70.

558. वॉक डीए, डेट्रे जेए। धमनी स्पिन लेबलिंग एमआरआई: अल्जाइमर रोग और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों के लिए एक उभरता हुआ बायोमार्कर। कर्र ओपिन न्यूरोल। 2012 अगस्त;25(4):421–8.

559. यादव एन, पेंढारकर एच, गुप्ता एके, प्रसाद सी, शुक्ला डी, कंडावेल टी, एट अल। मोयमोया रोग में गतिशील संवेदनशीलता कंट्रास्ट छिड़काव के साथ धमनी स्पिन लेबलिंग छिड़काव की तुलना। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2023;14(2):286-92.

560. यांकोविट्ज़ एलडी, पेट्रुल्ला वी, प्लेट एस, टुनक बी, गुथरी डब्ल्यू, मीरा एसएस, एट अल। बाद में जिन शिशुओं में ऑटिज्म का निदान हुआ, उनमें जीवन के पहले वर्ष में विहित बड़बड़ाने का अनुपात कम होता है। मोल ऑटिज्म. 2022 जून 27;13(1):28.

561. येओले यू, प्रभुराज एआर, अरिवाझगन ए, नरसिंगाराव केवीएल, वाझायिल वी, भट डी, एट अल। 10 सेमी 3 से अधिक बड़े वेस्टिबुलर श्वानोमा के लिए गामा नाइफ रेडियोसर्जरी: एक एकल-केंद्र भारतीय अध्ययन। जे न्यूरोल सर्जन बी स्कल बेस। 2022 जून;83(सप्ल 2):ई343-52.

562. जकारियास एल, क्रिस्टी जे, रूपेश बीएन, बीनू वीएस, दास एसके, सेकर के. आपदा-प्रवण क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए मनोसामाजिक अनुकूलन पर एक उपकरण का विकास। आपदा जोखिम न्यूनीकरण का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2022 जनवरी 1;68:102716.

## राष्ट्रीय पत्रिकाएँ

1. अग्रवाल ए, अलीयार ए, राव एस, महादेवन ए, गर्ग ए, श्रीवास्तव ए. एनएमओएसडी और एमओजीएडी दोहरी सकारात्मकता: एक अत्यंत दुर्लभ घटना। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1174–6.

2. आहिल एन, हिरीसावे यू, मेहरोत्रा एस. किशोरों के परिप्रेक्ष्य से "कल्याण" को समझना: एक खोजपूर्ण अध्ययन। जे इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोल। 2022: 48(2).

3. अयर ए, सत्यनारायण वीए, सुमन एलएन। बौद्धिक विकलांगता वाले वयस्क व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों का अनुमानित बोझ और उपचार संबंधी अपेक्षाएँ। इंडियन जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ. 2022;9(3).

4. अमुधन एस, शर्मा एमके, श्रीवास्तव के, आनंद एन, विश्वकर्मा ए, अज़हगनन के. कहां, कब और किसके लिए गेमिंग के उद्देश्य हानिकारक हो सकते हैं? एक व्यवस्थित समीक्षा. इंडस्ट्रीज़ मनोरोग जे. 2022;31(2):197–206.

5. आनंद टी, कंडासामी ए, सुमन एलएन. आत्म-कलंक, भविष्य के लिए आशा, और पुनर्प्राप्ति: प्रारंभिक-शुरुआत मादक द्रव्यों के सेवन विकार वाले पुरुषों का एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंडस्ट्रीज़ मनोरोग जे. 2022;31(2):299-305.

6. अंड्राडे सी, डी'क्रूज़ एम, शर्मा एन, वडलामणि एन. डेटा के अति-विश्लेषण से जुड़े जोखिम। इंडियन जे मेड रेस. 2022 जुलाई;156(1):155.

7. अंड्राडे सी, रेयाजुद्दीन एम, थारायिल एचएम। "सोमैटोफॉर्म डिसऑर्डर में देखभालकर्ता का बोझ और विकलांगता: एक खोजपूर्ण अध्ययन" पर टिप्पणियाँ। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 मई;44(3):320–1.

8. अंड्राडे सी. न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग के जोखिम को दीर्घकालिक रूप से कम करने में स्टैटिन की संभावित भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकिएट्री. 2022;2(02):44–6.

9. एंड्रेड सी. रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षणों में इंटेंट-टू-ट्रीट (आईटीटी) बनाम कम्प्लीटर या प्रति-प्रोटोकॉल विश्लेषण। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 जुलाई;44(4):416–8.

10. अंड्राडे सी. रिसर्च डिज़ाइन: कोहोर्ट स्टडीज़। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2022 फरवरी 21;44:189-191.

11. अंड्राडे सी. डेटा मास्टरशीट बनाने के लिए युवा शोधकर्ता की मार्गदर्शिका। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 नवंबर;44(6):618–9.

12. अंड्राडे सी. एक समूह अध्ययन शुरू करने के लिए युवा शोधकर्ता की मार्गदर्शिका। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 सितम्बर;44(5):523–4.

13. अंड्राडे सी. अनुसंधान में सांख्यिकीय शोर को समझना: 1. बुनियादी अवधारणाएँ। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जनवरी;45(1):89-90.

14. अंड्राडे सी. अनुसंधान में सांख्यिकीय शोर को समझना: 3. प्रतिगमन विश्लेषण में शोर। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मई;45(3):310–1.

15. अंगोथु एच, अजमेरा एस, थानापाल एस, रेड्डी केएस, जगन्नाथन ए, मुलियाला केपी, एट अल। भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट के तहत एक दशक से अधिक समय से निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना में विकलांग व्यक्तियों का कम नामांकन। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. 2022 सितम्बर;38(3):297.

16. अंगोथु एच, फिलिप एस, जाधव पी, जयराजन डी, जगन्नाथन ए, कृष्णा प्रसाद एम, एट अल। लोक सेवा आयोग द्वारा अधिसूचित कोटा-आधारित रोजगार आरक्षण में विकलांग मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों वाले व्यक्तियों का असमान प्रतिनिधित्व। इंडियन जे ऑक्युप एनवायरन मेड. 2022;26(4):230–3.

17. अंगोथु एच, फिलिप एस, जयराजन डी, रचना ए, जगन्नाथन ए, प्रसाद एमके. राज्य-वित्त पोषित तृतीयक देखभाल मनोरोग अस्पतालों में मानसिक विकार वाले व्यक्तियों का लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बेहिसाब प्रभाव। मानसिक स्वास्थ्य के पुरालेख. 2022 जनवरी 1;24.

18. अंगोथु एच, थिरथल्ली जे. बौद्धिक विकास में विकार वाले व्यक्तियों को जीवन-अवधि दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के साथ मुख्यधारा में लाना: विशिष्ट विधानों की आवश्यकता। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2022 दिसंबर 1;9(4):351-5.

19. अन्नापल्ली एसआर, जगन्नाथन ए, किशोर टी, मुरलीधर डी, कुमार सीएन। मानसिक बीमारी वाले छात्रों के शैक्षणिक पुनर्एकीकरण पर सहायक कारकों का प्रभाव: एक गुणात्मक अध्ययन। मनोसामाजिक पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2023;10(2):247-54.

20. अनु केएन, थिरुमूर्ति ए, एंटनी एस, शिवकुमार पीटी, वसंतरा सीआर। मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्तियों के बीच घूमने-फिरने के व्यवहार के प्रबंधन में मनोसामाजिक हस्तक्षेप। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग। 2022 सितम्बर;13(3):376–9.

21. अरोड़ा सी, पद्मनाभ एच, क्रिस्टोफर आर, महाले आर, भट एम, अरुणाचल जी, एट अल। छद्म-नवजात एड्रेनोलुकोडिस्ट्रॉफी: एक दुर्लभ पेरोक्सीसोमल विकार। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(2):275–8.

22. अरुणा आर, मरियप्पा एन, सिन्हा एस, नागप्पा एम, वेलमुरुगन जे, सैनी जे, एट अल। विल्सन रोग के रोगियों में चुंबकीय विकसित क्षेत्र विश्लेषण से अंतर्दृष्टि। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):1963-70.

23. बेबी पी, सृजितेश पीआर, रेड्डी एवी, राजशेखरन एके, फिलिप एम, अक्कुंजे पीएस, एट अल। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ स्ट्रोक स्केल (एनआईएचएसएस) के कन्नड़ संस्करण का ट्रांसकल्चरल अनुकूलन और सत्यापन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(2):224–8.

24. बेबी पी. भारत में डीजेंडरिंग नर्सिंग पेशा: नर्सिंग पाठ्यक्रम में नारीवादी शिक्षाशास्त्र का उपयोग करते हुए कार्रवाई का आह्वान। सतत नर्सिंग शिक्षा के भारतीय जर्नल. 2023;24(1):3.

25. बगरोडिया वी, होल्ला वीवी, कांबले एनएल, पाल पीके, यादव आर. पार्किंसंस रोग और पहनने योग्य प्रौद्योगिकी: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):817–20.

26. बरुआ यू, शर्मा पी, थॉमस पीटी, धमीजा आरके। भारत में न्यूरोपैलिएटिव देखभाल - बाधाएँ, चुनौतियाँ और भविष्य की दिशाएँ। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2023;26(2):107-11.

27. बसवराजप्पा सी, ग्रोवर एस, दलाल पीके, अवस्थी ए, कुमार सीएन, मंजूनाथ एन, एट अल। भारत में वर्तमान टेलीसाइकिएट्री अभ्यास - मनोचिकित्सकों का एक ऑनलाइन सर्वेक्षण। भारतीय जे मनोरोग. 2022;64(3):307-11.

28. भास्कर डी, नाशी एस, रेड्डी ए, वांगयालापति एस, अरशद एफ, श्रीजीतेश पीआर, एट अल। ग्रथोस्टोमियासिस के कारण इओसिनोफिलिक मायलाइटिस का एक दुर्लभ मामला। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(1):395–8.

29. बस्कर डी, आर तल्लापल्ली एवी, किशोर पी, अरशद एफ, कुलंथैवेलु के, नाशी एस, एट अल। न्यूरोसाइफिलिस का एक दुर्लभ मामला जो सामान्य दबाव हाइड्रोसिफ़लस सिंड्रोम के रूप में प्रस्तुत होता है। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(1):377–9.

30. भारद्वाज एस, मुथुचेलप्पन आर. सुपरसेलेक्टिव एनेस्थीसिया स्पाइनल कॉर्ड आर्टेरियोवेनस मालफॉर्मेशन के एंडोवास्कुलर एम्बोलिज़ेशन के दौरान डायाफ्राम की कार्यात्मक परीक्षा। इंडियन जे रेडिओल इमेजिंग। 2022 सितम्बर;32(3):430–2.

31. भास्करपिल्लई बी, मिश्रा आरके, राव जीएन, गोविंदन आर. तृतीयक स्तर के स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के वयस्क शिक्षार्थियों के बीच डिजिटल शिक्षा और परीक्षाओं पर विश्वास और अपेक्षाएं। शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन जर्नल. 2022;11.

32. भट एम, नटराजन ए, चंद्रा एसआर, क्रिस्टोफर आर, नेत्रावती एम. 48 एक्स-लिंक्ड एड्रेनोलुकोडिस्ट्रॉफी मरीजों के क्लिनिकल और इमेजिंग विशेषताओं का स्पेक्ट्रम: एक विश्वविद्यालय अस्पताल से हमारा अनुभव। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1554-61.

33. भट्ट एएस, नंदीश बीएन, म्हात्रे आर, महादेवन ए, संतोष वी, यशा टीसी। तृतीयक न्यूरोसेंटर में कक्षीय घावों का सरगम-एक दशक की अवधि में देखे गए घावों का एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1069-76.

34. भट्टाचार्य ए, स्टेज़िन ए, कांबले एन, मोहम्मद शेरीफ पीएम, कश्यप बी, पाल पीके। विल्सन रोग के रोगियों में रेटिनल डीजनरेशन: एशियाई भारतीय जनसंख्या में एक ओसीटी अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):852–7.

35. भिड़े एसआर, भार्गव एच, वरम्बली एस, देसाई जी। कोविड-19 से निपटना: हम पतंजलि योग सूत्र से क्या सीख सकते हैं? मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2022;1(2):125–8.

36. भोयर एपी, महाले आर, कांबले एन, होल्ला वी, पाल पीके, यादव आर। भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आंदोलन विकार आपात स्थितियों का स्पेक्ट्रम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):890–6.

37. बिज्जल एस, श्रीनिवास एच, रवीश एच, हरबिशेट्टर वी. चिंता विकार के निदान परीक्षण के रूप में बाल कोर्टिसोल के स्तर का सत्यापन अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2022;64(सप्ल 3):एस534.

38. बिसानी एस, जगन्नाथन ए. दक्षिण भारत में हाई स्कूल किशोरों के लिए नैतिक विकास कार्यक्रम की प्रभावशीलता: एक मिलान नियंत्रित डिजाइन। एप्लाइड कॉन्शसनेस स्टडीज जर्नल. 2022;10(2):104.

39. बिस्वास एस, पेंढारकर एचएस, मुरुमकर वीएस। विषाक्त एन्सेफैलोपैथी का एमआरआई स्पेक्ट्रम-एक संस्थागत अनुभव। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1525-33.

40. बोइनी एसवाई, महाले आर, डोनापर्थी एस, कांबले एन, होला वीवी, पाल पीके, एट अल। प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी में स्लीप आर्किटेक्चर: एक वीडियो-पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):858-63 .

41. चंदर केआर, मोइरांगथेम एस, पैटली आर, फिलिप एस, वार्ष्णेय पी, बसवराजू वी, एट अल। भारत में सामुदायिक मनोरोग का एक शिविर दृष्टिकोण: अतीत, वर्तमान और भविष्य। इंडस्ट्रीज़ मनोचिकित्सा जे. 2022;31(2):191-6.

42. चटर्जी ए, मुंडलामुरी आरसी, असरन्ना ए, केंचैया आर, भार्गव जीके, नारायणन एम, एट अल। हल्के ऑलिगोडेंड्रोग्लिअल हाइपरप्लासिया और मिर्गी (एमओजीएचई) में पोस्ट-ऑपरेटिव जब्ती स्वतंत्रता को मायावी होने की आवश्यकता नहीं है। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2021;24(6):1009–11.

43. चिन्नादुरई पेरियासामी, सिनु एझुमलाई। पारिवारिक हिंसा के शिकार बच्चों के जीवंत अनुभव: एक गहन विश्लेषण। नेशनल जर्नल ऑफ़ हेल्थ सोशल वर्क. 2021;3(2)16-22.

44. चिराग एलयू, कालरा पी, अरिवाझगन, शशिधर ए, सिंह जीजे, सैनी जे। इसे एक स्टीरियोटाइप पर न रखें। इंडियन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स। 2023 फ़रवरी 14;34–7.

45. देबनाथ एम, डे एस, श्रीनिवास एन, पाल पीके, यादव आर. प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी के जेनेटिक और एपिजेनेटिक कंस्ट्रक्शंस। ऐन न्यूरोसाइंस. 2022 अप्रैल;29(2-3):177-88.

46. देसाई जी, चंद्रा पीएस। भारत में प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य: मुक्ति का समय! जर्नल ऑफ़ साइकियाट्री स्पेक्ट्रम 2(1):पी 1-3, जनवरी-जून 2023.

47. देवी पी, नरसिम्हा वीएम, कुमार वी. गंभीर मानसिक बीमारी में स्व-प्रबंधन के महत्व को समझना: एक सिंहावलोकन। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग। 2022 मार्च;13(1):83–7.

48. धरगवे पी, जेम्स टीटी, सेंथिलकुमार आर. भारत के दक्षिणी राज्यों से डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों में कार्यात्मक स्थिति और जीवन की गुणवत्ता के बीच संबंध-एक क्रॉस अनुभागीय विश्लेषण। में: मांसपेशी और तंत्रिका। विली 111 रिवर एसटी, होबोकेन 07030-5774, एनजे यूएसए; 2022. पी. S7-S7.

49. धरगवे पी, सेंथिलकुमार आर, जेम्स टीटी। फिजियोथेरेपी और योग व्यायाम प्रोटोकॉल के साथ डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले बच्चों की कार्यात्मक स्थिति में पूर्वानुमान - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल थेरेपी एंड रिसर्च. 2022;4(1):14.

50. दिनाकरन डी, मंजूनाथ एन, कुमार सीएन, मैथ एसबी, थिरथल्ली जे। भारत के प्राथमिक देखभाल डॉक्टरों के लिए एक मनोरोग पाठ्यक्रम डिजाइन करने के लिए तर्क और मार्गदर्शक सिद्धांत। नेटल मेड जे इंडिया. 2022;35(1):32–7.

51. दिनाकरन डी, श्रीराज वी.एस., वेंकटसुब्रमण्यम जी. डेंगू और मनोरोग: अभिव्यक्तियाँ, तंत्र और प्रबंधन विकल्प। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 सितम्बर;44(5):429–35.

52. दत्ता डी, देबनाथ एम, शेषगिरी डीवी, नायर बीवीएस, दास एसके, वाहातुले आर, एट अल। गुइलेन–बैरे सिंड्रोम में गैंग्लियोसाइड्स और गैंग्लियोसाइड कॉम्प्लेक्स के खिलाफ एंटीबॉडी पर पूर्ववर्ती संक्रमण का प्रभाव: एक सहसंबंधी अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):401–6.

53. इलावारासी ए, राव एस, रामकृष्णन एस, भट्ट डी. दृष्टि हानि और गतिभंग वाले रोगी में मस्तिष्क के घावों का लुप्त होना: कॉर्टिकोस्टेरॉयड संबंधित प्रतिगमन के साथ सीएनएस लिंफोमा का एक मामला। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):536–40.

54. एझुमलाई एस, शनमुगम बी, चंद पीके, मूर्ति पी. सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) 2003 की धारा 7 (2) का अनुपालन, कर्नाटक में खुले तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध: एक क्रॉस–अनुभागीय अध्ययन। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मार्च;45(2):139–45.

55. फैसल एम, करिया एस, शाह एन, एंड्रेड सी. क्लोज़ापाइन और ब्लोनानसेरिन की बहुत अधिक खुराक के साथ संयुक्त ओवरडोज़ से बचाव: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जनवरी;45(1):99–100.

56. फातिमा रिनी एफ, कश्यप एच, कंडावेल टी, रेड्डी वाईजे। रेमिटेड ऑब्सेसिव–कम्पल्सिव डिसऑर्डर में एक नवीन स्मार्टफोन एप्लिकेशन का उपयोग करके संज्ञानात्मक नियंत्रण प्रशिक्षण: एक पायलट अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023;02537176231172301.

57. गणराजा एचवी, महादेवन ए, सैनी जे, नलिनी ए, पाल पीके, सतीशचंद्र पी, एट अल। भारतीय परिदृश्य में प्रसारित सिस्टीसरकोसिस – एक शिक्षण विश्वविद्यालय अस्पताल से अनुभव। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1032–40.

58. गणराजा वीएच, सुबाश्री आर, नेत्रवती एम. फैमिलियल न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका और स्जोग्रेन ओवरलैप सिंड्रोम–एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1191–3.

59. गंजेकर एस, मोइरांगथेम एस, कुमार सीएन, देसाई जी, बड़ा मठ एस। भारत में बौद्धिक विकलांगता वाली महिलाओं के प्रजनन अधिकार। इंडियन जे मेड एथिक्स। 2023;आठवीं(1):53–60.

60. जॉर्ज एस, जयसूर्या टीएस, मेनन वी. क्या भारत में मनोचिकित्सकों को और अधिक शोध में संलग्न होना चाहिए? पश्चिम से सबक. इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. 2022;38(2):114–7.

61. गनी एस, दहले एबी, बसवराजप्पा सी, जयसूर्या टीएस, जैन एस, मूर्ति पी। भारत में साइकोसर्जरी का प्रारंभिक युग: मैसूर सरकारी मानसिक अस्पताल से एक पूर्वव्यापी डेटा समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 मार्च 3;025371762311548.

62. गिरिमाजी एएस, मीरा एसएस, केशवप्रसाद वाईबी, जैकब पी, फिलिप एम, राजगोपाल एच। ध्यान आभाव सक्रियता विकार वाले कन्नड़ भाषी पूर्वस्कूली बच्चों में संचार समस्याओं की पहचान करने के लिए बच्चों की संचार चेकलिस्ट –2 का उपयोग: एक प्रारंभिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 सितम्बर 1;45(5):539–41.

63. गोकुलकृष्णन के, निखिल जे, श्रीराज बनाम, होला बी, थिरुमूर्ति सी, संध्या एन, एट अल। सिज़ोफ्रेनिया में परिवर्तित आंतों की पारगम्यता बायोमार्कर: उपनैदानिक सूजन के साथ एक संभावित लिंक। ऐन न्यूरोसाइंस. 2022 अप्रैल;29(2–3):151–8.

64. गोथवाल एम, अरुमुघम एसएस, यादव आर, पाल पीके, हेगड़े एस. पार्किंसंस रोग के रोगियों में भावना धारणा और अनुभूति में कमी: एक व्यवस्थित समीक्षा। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):367–75.

65. गौड़ा वीके, गुप्ता पी, शिवप्पा एसके, भट्ट एम. लेप्टोस्पायरोसिस के बाद बेसल गैंग्लिया ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):2121–4.

66. गौड़ा वीके, श्रीनिवासन वीएम, सैनी जे, भट्ट एमडी। GJC2 जीन में मिसेन्स वैरिएंट वाली एक भारतीय लड़की में पेलिज़ियस–मर्ज़बैकर रोग जैसा विकार। कर्नाटक बाल चिकित्सा जर्नल. 2023;37(3):93–5.

67. गोयल ए, पल्लवी के, कृष्णकुमार एम, सर्वे आरएम, भद्रनारायण वी, चक्रवर्ती डी. इंट्राक्रानियल सर्जरी से गुजरने वाले न्यूरोसर्जिकल मरीजों में पोस्ट–इंडक्शन हाइपोटेंशन की भविष्यवाणी के लिए अल्ट्रासाउंड के साथ प्री–इंडक्शन इनफियरियर वेना कावा असेसमेंट की विश्वसनीयता। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1568–74.

68. गोयल एस, दर्शिनी केजे, शर्मा डी, नाशी एस, अरशद एफ, वंदना वीपी, एट अल। एक्सोनल स्फेरोइड्स और पिगमेंटेड ग्लिया (एएलएसपी) के साथ वयस्क–शुरुआत ल्यूकोएन्सेफैलोपैथी, प्राथमिक प्रगतिशील वाचाघात का मुखौटा। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(4):777–9.

69. गोयल एस, कांबले एन, मुखीम मुदब्बिर एमए, भट्टाचार्य ए, यादव आर, पाल पीके। संवहनी पार्किंसनिज़्म वाले मरीजों में लेवोडोपा प्रतिक्रिया के निर्धारक। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1075–9.

70. गुप्ता ए, प्रकाश एनबी, होनावर पीआर। अपूर्ण दर्दनाक और गैर–दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट वाले मरीजों में रोबोटिक एक्सोस्केलेटन सहायता प्राप्त पुनर्वास प्रणाली के साथ चाल प्रशिक्षण: एक पायलट अध्ययन और साहित्य की समीक्षा। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2023 जनवरी;26(सप्ल 1):एस26–31.

71. गुप्ता अनुपम, नवीन बी प्रकाश, रहमान हाफिस। "गतिभंग में पुनर्वास"। इंड जे फिज मेडिसिन पुनर्वास 2023.

72. गुप्ता एम, कुलकर्णी जीबी। तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन. इंडस्ट्रीज़ जे मेडिकल रिसर्च.;152 : एस152.

73. ज्ञानी जे एस बिरुआ, त्यागी जी, बेनीवाल एम, एल राव एनकेवी, सैनी जे, द्वारकानाथ एस. एंडोस्कोपिक ट्रांसस्फेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी में विलंबित वासोस्पास्म: दो केस रिपोर्ट और समीक्षाएं। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3): 996–1003.

74. हरबिशेट्टर वी. क्या फेथ हीलर्स के दृष्टिकोण से कोई सीख मिली है? मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2022 दिसंबर;1(2): 73.

75. हर्षराजा एसवी, गोविंदन आर, रामू आर, दामोदरन डी, कंडासामी ए। मनोदैहिक दवाओं के सुरक्षित संचालन पर नर्सों के ज्ञान पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग. 2022;19(1):61.

76. हेसारूर एन, बर्धन एम, तल्लापल्ली ए, नाशी एस, उडुपी जीए, कुलकर्णी जीबी। लिचेंस्टीन–नॉर सिंड्रोम: सेंसोरिनुरल बहरापन के साथ गतिभंग का एक दुर्लभ मामला। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):970–3.

77. हज डीवी, भट एएस, चेरियन एवी, राव एस, मोंटेइरो एफएनपी। तृतीयक देखभाल अस्पताल में भाग लेने वाले शराब निर्भरता सिंड्रोम वाले पुरुषों के जीवनसाथियों के बीच अंतरंग साथी हिंसा और आम मानसिक विकारों के साथ इसका संबंध। केरल जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2022 जनवरी 20;35(1):9–15.

78. ह्यूग–जोन्स एस, जनार्दन एन, अल–जनाबी एच, भोला पी, कुक पी, फज़ल एम, एट अल। भारत में किशोर मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा (एसएएमए): भारत में किशोर चिंता और अवसाद को लक्षित करने वाले स्कूल सिस्टम हस्तक्षेप के कोडसाइन और व्यवहार्यता अध्ययन के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। बीएमजे ओपन. 2022 अप्रैल 1;12(4):ई054897.

79. इन्नामुरी आर, फिलिप एस, महादेवन जे, तुलचन पी, गोरथी एनवी, सिंह ए, एट अल। प्रभावी मौखिक प्रस्तुतियाँ: पोडियम पर प्रभाव डालने के चरण। इंडियन जर्नल ऑफ प्राइवेट साइकेट्री. 2022 अगस्त 31;16(2):99–102.

80. इन्नामुरी आर, फिलिप एस, महादेवन जे, तुलचन पी, गोरथी एनवी, सिंह ए, एट अल। एक प्रभावशाली पोस्टर के लिए नट और बोल्ट लगाना। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकिएट्री. 2022;2(01):45–9.

81. जैकब पी, दत्ता बीके, किशोर एमटी, मेहता यूएम, फिलिप एम। भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और ध्यान घाटे की सक्रियता विकार में कथित पालन–पोषण के बीच संबंध: एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंडस्ट्रीज़ मनोरोग जे. 2021;30(2):335–40.

82. जगन्नाथन ए. भारत से स्वदेशी सामाजिक–सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप के विकास की आवश्यकता। एप्लाइड कॉन्शसनेस स्टडीज जर्नल. 2022;10(2):95.

83. जयसूर्या टीएस, भास्करपिल्लई बी, मनोज एल, सुनील कुमार जी, गोकुल जीआर, थेनारासु के. पुरानी चिकित्सा बीमारी वाले प्राथमिक देखभाल रोगियों में चिंता और अवसादग्रस्तता विकारों के जोखिम का अनुमान – एक भारतीय अध्ययन। एशियाई जे मनोचिकित्सक. 2022 अगस्त;74:103190.

84. जयसूर्या टीएस, जनार्दन रेड्डी वाईसी। जुनूनी–बाध्यकारी विकार में कार्यात्मक पुनर्प्राप्ति। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2023 मार्च;10(1):11–3.

85. जयसूर्या टीएस, जोसेफ एस, कलारानी केएस, मेनन एम, स्मिता जीएस, शिनी वीएस, एट अल। केरल, भारत में राज्य–व्यापी कॉलेज मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की रूपरेखा और अवलोकन। मुख्य सहयोगी. 2023;45(5):526.

86. जेम्स जेडब्ल्यू, थिरथल्ली जे, शिवकुमार टी, कुमार सीएन। दक्षिण भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गंभीर मानसिक विकार वाले व्यक्तियों के लिए समुदाय आधारित पुनर्वास की प्रभावशीलता। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2022 दिसम्बर 31;49–61.

87. जेम्स टीटी, सेल्वा गणपति वी, कांबले एन, धारगवे पी, पाल पीके, मुरलीधरन के. स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया वाले रोगियों में मात्रात्मक चाल विश्लेषण – एक खोजपूर्ण विश्लेषण। आंदोलन विकारों का इतिहास। 2022 अगस्त;5(2):106.

88. जनार्दन एन, जयलक्ष्मी, स्फूर्ति प्रभु जी, ऋत्विका नाग, मुथुराज ए, कृपा एएल। किशोर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रम और नीतियां। नेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क.2023 फ़रवरी 23;21/विशेष अंक:64–77.

89. जनार्दन एन, शरीफ आई ए. भारत में व्यावसायिक सामाजिक कार्य का आत्मनिरीक्षण। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2023 फ़रवरी 23;21/विशेषांक:10–24.

90. जनार्दन. एन, पूर्णिमा बी, स्फूर्ति प्रभु जी, मुथुराज ए, ऋत्विका नाग, जयलक्ष्मी केपी, कृपा ए एल। भारत में किशोर मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा: हस्तक्षेप पैकेज। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2023 फरवरी 23;21:88–98.

91. जंगम केवी, गनी और, पुरूषोत्तम के, नांबियार पीपी, कोम्मू जेवीएस। परिवार सहायता और कल्याण कार्यक्रम (एफएसडब्ल्यूपी): कानून के साथ संघर्ष में बच्चों के माता–पिता के लिए मनोसामाजिक सेवाओं को मजबूत करने वाला एक विशेष परिवार। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 नवंबर;11(11):7196–203.

92. जयशंकर पी, मंजूनाथ एन, राव जीएन, गुरुराज जी, वर्गीस एम, बेनेगल वी, एट अल। सामान्य मानसिक विकारों की महामारी विज्ञान: भारत के "राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण", 2016 के परिणाम। मनोचिकित्सा के भारतीय जर्नल। 2022;64(1):13.

93. जयलक्ष्मी, जनार्दन। भारतीय स्कूलों में बदमाशी: इसका प्रभाव और स्कूल आधारित हस्तक्षेप की आवश्यकता। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2023 फ़रवरी 23; 21/विशेष अंक:49-57.

94. झा एस, असरन्ना ए, कुलंथावेलु के, संजयसिंह बी, रामकृष्णन एस, महादेवन ए, एट अल। HLA-B5 सकारात्मकता के साथ NMDAR और CASPR2 एंटीबॉडी का सह-अस्तित्व: एटिपिकल न्यूरोइमेजिंग के साथ एक गूढ़ त्रयी। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):946–8.

95. झा एस, भास्कर डी, नंदीश बीएन, वेंगालिल एस, चौधरी आर, नलिनी ए, एट अल। यंग ऑनसेट एर्डहाइम-चेस्टर रोग की एकान्त अभिव्यक्ति के रूप में ऑब्सट्रक्टिव हाइड्रोसिफ़लस। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2023;26(1):77-80.

96. झा एस, नागराज सी, मुंडलामुरी आरसी, अल्लादी एस, नाशी एस, केंचैया आर, एट अल। ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में एफडीजी-पीईटी: उपयोगिता, असामान्यताओं का पैटर्न, और ऑटोएंटीबॉडी के साथ सहसंबंध। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1122–9.

97. झा एस, तल्लापल्ली एवीआर, किशोर पी, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी। असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव और एनीमिया के साथ सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस में एंटीकोआग्यूलेशन जारी रखने और रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए ट्रैनेक्सैमिक एसिड का एक छोटा कोर्स। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1236–8.

98. जितेंद्रिय बी, होल्ला बी, शिवकुमार वी, चंद पीके, मूर्ति पी, वेंकटसुब्रमण्यम जी, एट अल। शराब की पुनरावृत्ति पर ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट उत्तेजना का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2022;64(सप्ल 3):एस629.

99. कल्याणसुंदरम जेआर, मेरला एस, चेतन बी, चिप्पागिरी एस, अर्चना आर, रॉय आर, एट अल। गंभीर मानसिक बीमारी और यौन शोषण के इतिहास वाली बेघर महिलाओं के लिए पुनर्एकीकरण सेवाएँ। जे साइकोसोक पुनर्वास मानसिक स्वास्थ्य। 2023 मार्च;10(1):73–9.

100. कनगराजन एसएस, वार्ष्णेय पी, गंजेकर एस, मुरलीधर ए, देसाई जी। पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वाली भारतीय महिलाओं में मनोरोग संबंधी सहरुग्णताएं: एक स्कोपिंग समीक्षा। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2023;2(1):7-15.

101. कंड्रेगुला एस, कोनार एस, सदाशिव एन, नागेश एम, कालाहस्ती एसआर, कृष्णा यू, एट अल। वयस्कों में फैलाना आंतरिक पोंटीन ग्लिओमास: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(2):584-90.

102. कश्यप एच, मेहता यूएम, रेड्डी आरपी, भरत आरडी। मनोचिकित्सा में संज्ञानात्मक नियंत्रण की भूमिका: एक एकीकृत समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2022;02537176221128611.

103. कौल एस, गोयल एस, पापलीकर ए, वर्गीस एफ, अल्लादी एस, मेनन आर, एट अल। भारत से स्ट्रोक समूह में आईसीएमआर-न्यूरो कॉग्निटिव टूल बॉक्स (आईसीएमआर-एनसीटीबी) का उपयोग करके संवहनी संज्ञानात्मक हानि का मूल्यांकन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1130–7.

104. केदारी एस, बोटलगुंटा एस, अंकेम पी, रघुनाथ एम, रश्मी एस। सुअर में एसोफेजियल सबम्यूकोसल ग्रंथियों की अल्ट्रास्ट्रक्चर (सस स्क्रोफा)। 2023;

105. खोखर एसके, कंबली एम, मुसावीरा एस, बिंदू ओएस, लक्ष्मी टीआर। चूहों में हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला की संरचना और कार्यों में प्रारंभिक जीवन के तनाव-प्रेरित परिवर्तनों को सुधारने में समृद्ध वातावरण की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी। 2022;66(1):16-28.

106. किशोर वीके, तल्लापल्ली एवीआर, दत्ता डी, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी। एक गैर-इम्यूनोकम्प्रोमाइज्ड रोगी में क्रिप्टोकोकल मेनिनजाइटिस के लक्षण के रूप में द्विपक्षीय एक साथ निचली मोटर तंत्रिका चेहरे का पक्षाघात। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):812–4.

107. कृष्णमूर्ति एस, मीना केएस, चतुर्वेदी एसके, कपानी एआरएम, कृष्णमूर्ति एल, चेरियन ए। बेंगलुरु में आत्महत्या की मीडिया रिपोर्टिंग तीन प्रमुख भारतीय दैनिक समाचार पत्रों का ई-संस्करण: एक अभिलेखीय अध्ययन। भारतीय जे सार्वजनिक स्वास्थ्य. 2022;66(3):348-51.

108. कृपा ए एल, जनार्दन, शनिवरम रेड्डी. लचीलापन और स्कूल. नेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क.2023 फ़रवरी 23;21/विशेष अंक:116-123.

109. कुलकर्णी जीबी, महाजन एनपी, अरविंदा एचआर. तृतीयक देखभाल सार्वजनिक अस्पताल में थ्रोम्बोलिसिस में बाधाएँ - भारत के दक्षिणी भाग से एक संभावित अवलोकन अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):972–7.

110. कुमार जी, मुखर्जी ए, तुरुक ए, भल्ला ए, तालुकदार ए, शिवनिटवार एसके, एट अल। कोविड -19 की तीसरी लहर की विशेषता: कोविड -19 की राष्ट्रीय नैदानिक रजिस्ट्री से एक विश्लेषण। इंडियन जे मेड रेस. 2022;155(5 एवं 6):478-84.

111. कुमार एन, संतोषकुमार आर, प्रसाद पी, जॉर्ज एके, अय्यर जे, जोशी एस, एट अल। भारत में कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान प्रसारित एसएआरएस-कोव-2 वैरिएंट B.1.210 पर एक अल्ट्रास्ट्रक्चरल और जीनोमिक अध्ययन। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल। 2023;41:45-52.

112. कुमार पी सी पी, जॉन एस, चेरियन ए, पांडियन आर, आनंद एन, राव टी।

मानव इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) वाले लोगों में अवसाद के बारे में एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (आईसीटीसी) परामर्शदाताओं की जागरूकता और ज्ञान: कर्नाटक से एक वर्णनात्मक अध्ययन . औद्योगिक मनोरोग जर्नल. 2023 अगस्त 11;

113. कुंबले सीएन, सुमन एलएन. राज्य आश्रय गृह में महिलाओं के बीच विश्वासघात का आघात, विघटनकारी अनुभव और आघात के बाद का संज्ञान। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022;8(2):100.

114. लाहिरी एस, माजी एस, मंजूनाथ एन, बाहुबली वीएच, चन्द्रशेखर एन. प्री- और पोस्ट-एचआईवी युग के दौरान सीएनएस क्रिप्टोकॉकोसिस के रुझान: दक्षिण भारत से 38 साल का पूर्वव्यापी समूह विश्लेषण। जे माइकोल मेड. 2023 मई;33(2):101358.

115. लखानी एस, शर्मा वी, देसाई एनजी. उत्तर भारत में रूपांतरण विकार से पीड़ित ग्राहकों के सांस्कृतिक फॉर्मूलेशन का गुणात्मक सामग्री विश्लेषण। भारतीय जे मनोरोग. 2022;64(1):73–9.

116. लक्ष्मी जे, शिवकुमार टी, अंगोथु एच, जयराजन डी, किशोर एमटी. प्रीशियस सोल्स: ए जर्नी इनटू द इंस्पायरिंग लाइव्स ऑफ स्पेशल बच्चे और उनके परिवार: मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबक पेशेवर. इंडियन जे साइकोल मेड. 2022;44(6):623-24.

117. महादेवन ए, उप्पिन एम, सरकार सी. तंत्रिका तंत्र के गैर-नियोप्लास्टिक विकार: छाया से उभरना। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;(65 सप्ल 1):एस122–4.

118. महादेवन जे, सूद आर, नडेला आरके, वाणी पी, सुब्रमण्यम एजी, पॉल पी, एट अल। लक्षित अनुक्रमण उन प्रकारों का पता लगाता है जो न्यूरोसाइकिएट्रिक विकारों के जोखिम में योगदान कर सकते हैं। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 सितम्बर;44(5):516–22.

119. महाले आर, पोन एजी, संदीप एम, पद्मनाभ एच, मेलनकोडी पी, पावागाडा एम. लेवोडोपा नॉन-रिस्पॉन्सिव पार्किंसनिज्म इन ट्यूबरकुलस सेरेब्रल आर्टेराइटिस: ए रेयर ऑकरेंस। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):519–20.

120. महाले आर, पोन एजी, संदीप एम, पद्मनाभ एच, मैलानकोडी पी, पावागाडा एम. लेवोडोपा नॉन-रिस्पॉन्सिव पार्किंसोनिज्म इन ट्यूबरकुलस सेरेब्रल आर्टेराइटिस: ए रेयर ऑकरेंस। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):519–20.

121. महाले आरआर, दुब्बल आर, पद्मनाभ एच, मेलनकोडी पी. मोयामोया रोग में डिस्टोनिया के साथ संवहनी पार्किंसनिज़्म: आंदोलन विकार फेनोमेनोलॉजी का एक विस्तार। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):572–4.

122. महाले आरआर, जयंत एसएस, दत्ता डी, मनु एसजी, पद्मनाभ एच, मेलनकोडी पी. केसीएनए1 म्यूटेशन में सेरेबेलर एटैक्सिया के साथ सर्वाइकल डिस्टोनिया: एक फेनोटाइपिक विस्तार। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):942–4.

123. महाले आरआर, पटवर्धन ए, मेलनकोडी पी, पद्मनाभ एच, मथुरानाथ पीएस। वर्निक एन्सेफैलोपैथी वाले रोगी में कंपकंपी के साथ विलंबित सरवाइकल डिस्टोनिया: जटिलता का एक विस्तार। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1720–1.

124. मेलनकोडी पी, बट्टू आर, लेंका ए, मोहम्मद शेरीफ पीएम, थेनारासु के, यादव आर, एट अल। पार्किंसंस रोग में रेटिनल परिवर्तन: एक अनुदैर्ध्य अनुवर्ती अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1149-53.

125. मैलानकोडी पी, वरम्बली एस, थेनारासु के, पाल पीके. पार्किंसंस रोग में योग: विकार से व्यवस्था की ओर गति। न्यूरोल इंडिया. 2023;71(3):570–1.

126. माझी जी, वसावा टीएफ. देखभाल करने वालों के बोझ और जीवन की गुणवत्ता पर मानसिक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों का बफरिंग प्रभाव। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 अक्टूबर;11(10):6420–6.

127. मल्होत्रा एस, चांद पी, चटर्जी के, ब्रह्मा ए. टेलीसाइकिएट्री का अभ्यास और इसकी वर्तमान कानूनी स्थिति। भारतीय जे मनोरोग. 2022 मार्च;64(सप्ल 1):एस176-84.

128. मालो पीके, भास्करपिल्लई बी, केसवन एम. वयस्कों में तीव्र द्विध्रुवी उन्माद के उपचार के लिए फार्माकोलॉजिकल हस्तक्षेपों का मल्टीवेरिएट बायेसियन आर्म-आधारित नेटवर्क मेटा-विश्लेषण। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जनवरी;45(1):5–13.

129. ममतानी एच, कर्णम एसएस, अल्लम ए, अरुमुघम एसएस. एथिलीनडायमिनेटेट्राएसेटिक एसिड-निर्भर स्यूडोथ्रोम्बोसाइटोपेनिया, जो रिसपेरीडोन से जुड़े नकली पैन्टीटोपेनिया के रूप में प्रस्तुत होता है। भारतीय जे मनोरोग. 2023 मार्च;65(3):386–7.

130. मैंगलोर एस, कुमार एम, पाल पी, सैनी जे, पाशा एस, यादव आर. मल्टीवोक्सल एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी की भूमिका - एक प्रारंभिक अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(6):2388-91.

131. मैंगलोर एस, पीर एस, गुप्ता एके. स्मार्ट (रेडिएशन थेरेपी के बाद स्ट्रोक जैसा माइग्रेन अटैक) सिंड्रोम में एमआर-पीईटी निष्कर्ष। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1757–8.

132. मंजूनाथ एन, जयशंकर पी, सुहास एस, राव जीएन, गोपालकृष्ण जी, वर्गीस एम, एट अल। भारत के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2016 से चिंता विकारों की व्यापकता और इसके सहसंबंध। भारतीय जे मनोरोग। 2022;64(2):138-42.

133. मनुकृष्णन. आंतरिक प्रवासन के चालकों की जाँच: त्रिवेन्द्रम जिले में एक गुणात्मक जाँच। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल स्टडीज एंड ह्यूमैनिटीज.2023; 1(14)/अप्रैल–जून.

134. मथाई ए, एंटनी एस, शिवकुमार पीटी. वृद्धाश्रमों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की अनुकूलन आवश्यकताएँ और चिंताएँ। भारतीय जराचिकित्सा अकादमी का जर्नल. 2022;18(3):113.

135. मेनारिया एस, जेम्स टीटी, गांवकर पी, सक्सेना एस, धारगवे पी. कॉलेज जाने वाले छात्रों में आगे की गर्दन की मुद्रा और कार्य पर स्मार्टफोन के उपयोग का प्रभाव। 2022 सितम्बर 9;5:8–12.

136. मेनारिया एस, जेम्स टीटी, नायक जे, सक्सेना एस, धारगवे पी. आम जनता के बीच फिजियोथेरेपी के बारे में जागरूकता – एक क्रॉस सेक्शनल सर्वेक्षण विश्लेषण। एक्टा साइंटिफिक ऑर्थोपेडिक्स। 2022 अक्टूबर 18;5:111–4.

137. मेनारिया एस, जेम्स टीटी, सक्सेना एस, आदिल जेड, धारगवे पी. मानसिक स्वास्थ्य में फिजियोथेरेपी की भूमिका। एक्टा साइंटिफिक ऑर्थोपेडिक्स.2023 मार्च 01;6/3:1–2.

138. मेनन डी, वर्गीस एन, नागरत्ना एस, सैनी जे, नेत्रावती एम। कॉडा इक्विना और स्पास्टिक पैरापैरेसिस के लिए एक असामान्य कारण: स्पोंडिलोडिसाइटिस या संवैधानिक लक्षणों के बिना ब्रुसेलर एराक्नोइडाइटिस के दो मामले। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1241–3.

139. मेनन वी, वरदराजन एन, जोसेफ आर, प्रहराज एसके, एंड्रेड सी। भारत की क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री में पंजीकृत अध्ययनों का प्रकाशन: 2009–2019 तक मूड डिसऑर्डर अनुसंधान प्रोटोकॉल का एक ऑडिट। भारतीय जे मनोरोग. 2023 जनवरी;65(1):68–74.

140. मिश्रा ए, नायर एनएस, कुमार केएच, बीनू वी, हीश एसएस. क्लिनिकल डेटा मॉडलिंग में बहुसंरेखता से निपटने में प्रमुख घटक विश्लेषण का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च. 2022;16(7).

141. मिश्रा एस, बाबू बीवी, मारीमुथु पी. WHO–QOL–BREF का उपयोग करके गैर–घातक सड़क यातायात दुर्घटना पीड़ितों के बीच जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. 2022;38(2):161–7.

142. मोंडल जी, सिन्हा पी, वर्गीस एम, फिलिप एम. अस्पताल आधारित संभावित अध्ययन में वृद्धावस्था आबादी में कमजोरी और अवसाद के बीच बातचीत। इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2022;64(सप्ल 3):एस562.

143. मुखर्जी डी, नरसिम्हा वीएल, शुक्ला एल, महादेवन जे, मूर्ति पी, बेनेगल वी. शराब के सेवन से जुड़े विकार वाले व्यक्ति चुनाव के सूखे दिनों के बारे में कैसे सोचते हैं और कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 मई;44(3):313–5.

144. मूर्ति एनएस, बालाचंदर एस, निर्मला बीपी, पांडियन आरडी, चेरियन एवी, अरुमुघम एसएस, एट अल। जुनूनी–बाध्यकारी विकार वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों में परिवार के कामकाज के निर्धारक। जे प्रभाव विकार. 2022 मई 15;305:179–87.

145. मुरुमकर वी.एस., कुलंथावेलु के., गोयल एस., बिस्वास एस. पेरचेरॉन इन्फार्क्ट की धमनी – ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस की एक असामान्य जटिलता। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):2331–2.

146. मुरुमकर वी.एस., कुलनथैवेलु के., नेत्रवती एम., होल्ला वी.वी. बालो के कंसेंट्रिक स्केलेरोसिस में शास्त्रीय प्याज बल्ब जैसी उपस्थिति। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(1):164–5.

147. मुथुकलाई एस, बंसल एस, चक्रवर्ती डी, राव जीयू। रक्तस्राव के एपिसोड के दौरान एनाल्जेसिया नोसिसेप्शन इंडेक्स (एएनआई) और सर्जिकल प्लेथ इंडेक्स (एसपीआई) की विश्वसनीयता – एक पायलट अध्ययन। भारतीय जे अनास्थ. 2022 जुलाई;66(7):505–10.

148. मुथुकुमारन पी, कांबले एनएल, मिश्रा टी, यादव आर, श्रीनिवास डी, पाल पीके। युवा और देर से शुरू होने वाले पार्किंसंस रोग वाले मरीजों के प्री–डीप ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिकल प्रोफाइल की तुलना। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1214–6.

149. नागप्पा एम, नारायणप्पा जी. मेटाबोलिक मायोपैथी के निदान के लिए दृष्टिकोण। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस277–90.

150. नागप्पा एम, वाहतुले आर, बिंदु पीएस, सिन्हा एस, टैली एबी. गुइलेन बर्रे सिंड्रोम में संवेदी चालन असामान्यताओं का स्पेक्ट्रम। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(6):2393–400.

151. नागराज डी, यशस्वी एमसी, ऐश्वर्या बी, रॉय ए, बनंदुर पी, बनवारम एए. ग्रामीण कर्नाटक में युवाओं (16–30 वर्ष) के बीच सेल फोन की लत के जोखिम पर जनसंख्या–आधारित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलेसेंट हेल्थ (ई–आईएसएसएन: 2349–2880)। 2023;10(1):8–15.

152. नागराजू एस, सरोजा एओ, नाइक केआर, हरबिशेट्टर वी. विकलांगता, देखभाल करने वाले बोझ और स्ट्रोक से बचे लोगों में अवसाद से निपटने के बीच संबंध: दक्षिण भारत में एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन। जराचिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022;9(2):93–9.

153. नायर वी.एस., थॉमस पीटी, नेत्रावती एम. पिछले दशक में मस्तिष्क संक्रमण अनुसंधान में मनोसामाजिक कारक: एक स्कोपिंग समीक्षा। इंडियन जे कम्युनिटी मेड. 2022;47(4):495–500.

154. नंदीश बीएन, नारायणप्पा जी, यशा टीसी. न्यूरोमस्कुलर प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए बुनियादी आवश्यकताएँ। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस233–40.

155. नंदीश बीएन, राव एस, महादेवन ए. सीएनएस के गैर-ग्रैनुलोमेटस सूजन संबंधी घाव: निदान के लिए दृष्टिकोण। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस135-45.

156. नंदीमथ ओवी, सुहास एस, मलिक वाई, मालथेश बीसी. राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019: समानता की आवश्यकता। इंडियन जे मेड एथिक्स। 2022 जुलाई-सितंबर;VII(3):229-230. 157. नंजुंदप्पा एन, कृष्णा पी, सुजया बी, घोष आर, थेनारासु के. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में जीवन की गुणवत्ता। नेट जे फिजियोल फार्म फार्माकोल। 2023;13(6):1339-1339.

158. नंजुंदप्पा एन, उमादेवी बी, जयसिम्हा आर, थेन्नारसु के. स्वाद धारणा पर रंग का प्रभाव। नेट जे फिजियोल फार्म और फार्माकोल। 2023;13(10).

159. नरसिम्हैया डी, महादेवन ए. छोटे फाइबर न्यूरोपैथी के निदान में त्वचा पंच बायोप्सी की भूमिका-न्यूरोपैथोलॉजिस्ट के लिए एक समीक्षा। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस329-36.

160. नारायण एस, किशोर एमटी, सत्यनारायण वी, भास्करपिल्लई बी, देसाई जी, चंद्रा पी. बॉन्डिंग और शिशुओं का विकास और जीवन की गुणवत्ता: छूट में गंभीर मानसिक बीमारियों वाली माताओं के बीच एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 मई;45(3):250–6.

161. नेत्रवती एम. सीएनएस डिमाइलेटिंग विकारों में ऑटोइम्यूनिटी के पदचिह्नों को समझना। अन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(5):787–9.

162. निधि ममतानी, हरकिशन ममतानी, हरीश थिप्पेस्वामी, रोनी जैकब जॉर्ज, संतोष के चतुर्वेदी। "एस्किटालोप्राम और एमिट्रिप्टिलाइन के उपयोग के बाद इंट्राओकुलर दबाव और इरिडोकॉर्नियल कोण में परिवर्तन पर एक संभावित अवलोकन अध्ययन" पर टिप्पणियाँ। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मई;45(3):323-324.

163. ओमन एटी, पोलावरपू के, क्रिस्टोफर आर, नेत्रावती एम. बायोटिन-रेस्पॉन्सिव बेसल गैन्ग्लिया रोग: एसएलसी19ए3 उत्परिवर्तन के साथ उपचार योग्य मेटाबोलिक विकार जो तेजी से प्रगतिशील मनोभ्रंश के रूप में प्रस्तुत होता है। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(2):733–6.

164. ओमन एटी, वेंगालिल एस, बास्कर डी, थॉमस ए, कुलंथावेलु के, बर्धन एम, एट अल। शास्त्रीय हिरयामा रोग प्रगतिशील स्पास्टिक क्वाड्रिपैरेसिस के रूप में प्रस्तुत होता है। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2023;26(3):308-10.

165. गुइलेन-बैरी सिंड्रोम में गंभीर हाइपोग्लाइकेमिया के इलाज के लिए पलानीस्वामी एसआर, श्रीनिवासैया बी, वेंकटरमैया एस. ऑक्टेरोटाइड। भारतीय जे अनास्थ. 2022 जुलाई;66(7):538–9.

166. परमसिवम आर, एलंगोवन एआर, अमुधन एस, कोम्मू जेवीएस, हरिदास एच, श्रीरामलु एसबी। भारत में सामुदायिक स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए हस्तक्षेप-आधारित मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण – एक व्यवस्थित समीक्षा। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 अप्रैल;11(4):1237-43.

167. पटेल ए, नायर बीवीएस, दास एसके, कुमार पी, शर्मा पीएसवीएन। प्रजनन समस्या सूची के साइकोमेट्रिक गुणों की पुनः जांच: भारत से एक क्लिनिक-आधारित अध्ययन। जे हम रिप्रोड साइंस। 2022;15(2):177-86.

168. पटवाल आर, पाई एनएम, गंजेकर एस, अरशद एफ, अल्लादी एस, शर्मा एमके, एट अल। स्किज़ेंसेफली और मनोविकृति का न्यूरोडेवलपमेंटल मॉडल। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(2):740–3.

169. पटवर्धन ए, मुखर्जी जे, म्हात्रे आर, लंका वी, असरन्ना ए, तिवारी आर, एट अल। स्नायु एमआरआई-आधारित शोष पैटर्न पहचान: पैथोलॉजिकल रूप से सिद्ध लिपिड स्टोरेज मायोपैथी के मामले में उल्लेखनीय निष्कर्ष। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(6):1184–7.

170. पटवर्धन एए, जोशी टीएच, रामकृष्णन एस. सीओवीआईडी-19 से जुड़े सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस की क्लिनिकल और इमेजिंग विशेषताएं: एक संक्षिप्त समीक्षा। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(1):441-2.

171. पेटवाल पी, सुधीर पीएम, सुंदर एएस. अवसाद और चिंता विकार वाले मरीजों में रूमिनेशन फोकस्ड कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (आरएफसीबीटी) की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता-एक प्रारंभिक जांच। खंड 49 मार्च 2022 संख्या 2022;49(1):77-80.

172. फिलिप एस, चंदर केआर, वार्ष्णेय पी, पैटली आर, पांडे पी, सुहास एस, एट अल। भारत में आम लोगों को मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के रूप में प्रमाणित करने की वैधता और नैतिक मुद्दे। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2022 नवंबर;44(6):537-43.

173. फिलिप एस, सुहास एस, निरीशा पीएल, पांडे पी, मंजूनाथ एन, कुमार सीएन, एट अल। भारत में मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों में कोविड- 19 टीकाकरण से संबंधित नैतिक और कानूनी मुद्दे। इंडस्ट्रीज़ मनोरोग जे. 2022;31(2):183-90.

174. पोन एजी, आर तल्लापल्ली एवी, रेड्डी एचके, नाशी एस, मैंगलोर एस, श्रीजितेश पीआर, एट अल। मस्तिष्क में कीड़ा: सीएनएस ग्रथोस्टोमियासिस का एक मामला। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(6):2458-60.

175. प्रदीप कुमार पी सी, एंटनी एस, मूर्ति पी, थिरुमूर्ति ए, फिलिप एम। कॉलेज जाने वाले युवा वयस्कों के बीच पदार्थ के उपयोग के साथ सामाजिक नेटवर्क विशेषताओं का संघ: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मार्च;45(2):155-61.

176. प्रसाद सी, नेत्रवती एम, कुलंथावेलु के, भट एमडी, पेंढारकर एच. सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस: प्रतिबंधित प्रसार और नैदानिक विकास। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(1):275-80.

177. प्रसाद एस, मुरुमकर वी, सैनी जे, पाल पीके। हेमीकोरिया–हेमीबैलिसमस सेकेंडरी टू ए पोस्टीरियर पुटामिनल कैवर्नोमा: एक दुर्लभ इकाई। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):2311–2.

178. प्रशांत कुमार केएस, पवार ए, गिरीश एमएच, गंगानायक एस, राव एस, हिरेमठ जे, एट अल। सुअर के नासॉफिरिन्जियल टॉन्सिल का सकल, ऊतक विज्ञान और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन। 2022;

179. प्रथ्वीराज बाजपे, जनार्दन एन. स्कूल जाने वाले बच्चों का पालन–पोषण, पुरानी बीमारी वाले माता–पिता का रहना और उनकी देखभाल करना। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2023 फ़रवरी 23;21/विशेष अंक:216–225.

180. राजा पी, मुंडलामुरी आरसी, वासुकी पीपी, कुलकर्णी जीबी, केंचैया आर, असरन्ना ए, एट अल। सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस वाले मरीजों में देर से दौरे के पूर्वानुमानकर्ता: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):569–72.

181. राजा पी, सृजितेश पीआर, मिथिरायी एस, यादव आर. क्लिनिशियन्स ह्यूरिस्टिक इंप्रेशन ऑफ़ द प्रेजेंटेशन्स ऑफ़ रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम: ए सर्वे अमंग मेडिकल ग्रेजुएट ट्रेनीज़ इन एन एकेडमिक हॉस्पिटल इन इंडिया। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):507–10.

182. राजालु बीएम, जयराजन डी, मुलियाला केपी, शर्मा पी, गांधी एस, चंद पीके. भारत में सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक व्यक्तिगत तंबाकू समाप्ति हस्तक्षेप पैकेज (पीटीसीआईपी) का विकास। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मार्च;45(2):132–8.

183. राकेश के, भट्टाचार्य ए, गणराजा वीएच, कांबले एन, होला वीवी, यादव आर, एट अल। पार्किंसंस रोग और अन्य गतिशीलता विकारों वाले रोगियों पर कोविड–19 महामारी का प्रभाव। एनल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर–वॉल्यूम। 2022;5(2):113.

184. रंगा ए, खन्ना एम, गुप्ता ए, प्रकाश एनबी। न्यूरोब्रुसेलोसिस के मामले में पुनर्वास परिणाम: दक्षिण भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल से अनुभव। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन। 2022;32(3):100–2.

185. रंगा ए, संन्यासी जी, खन्ना एम, गुप्ता ए, प्रकाश एनबी. कोविड–19 संक्रमण के बाद स्पास्टिक एटैक्सिक सिंड्रोम के एक मामले में नैदानिक प्रस्तुति और पुनर्वास परिणाम। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन। 2022;32(2):91–2.

186. राव एस, नागप्पा एम, महादेवन ए. प्रतिरक्षा मध्यस्थता डिमाइलेटिंग न्यूरोपैथी के निदान में हालिया प्रगति। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस310–7.

187. राव एस, नेत्रवती एम, महादेवन ए. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस के निदान में रोगविज्ञानी की भूमिका। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस198–206.

188. राव एस, सुनीथा के, लंका वी, कुलंथावेलु के, अरिवाझगन ए, चौधरी आर, एट अल। हाइपोथैलेमिक हैमार्टोमा में टीटीएफ–1 और एवीपी की प्रतिरक्षण क्षमता की खोज। क्लिन न्यूरोपैथोल. 2022;41(1):18–24.

189. रवीश बीएन, मुनोली आरएन, गौड़ा जीएस. परामर्श–संपर्क मनोरोग में उत्तेजना का मूल्यांकन और प्रबंधन। भारतीय जे मनोरोग. 2022 मार्च;64(सप्ल 2):एस484–98.

190. रवींद्रन एस, जाधव पी, फिलिप एस, बसवराजप्पा सी, कुमार सीएन, तीर्थहल्ली जे, एट अल। विश्व स्वास्थ्य संगठन विकलांगता मूल्यांकन अनुसूची 2.0 का उपयोग करके बेंचमार्क विकलांगता के लिए कटऑफ: ग्रामीण दक्षिण भारत से एक समुदाय–आधारित क्रॉस–अनुभागीय अध्ययन। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जुलाई;45(4):397–404.

191. रवुन्निकुट्टी पीएम, कृष्णमूर्ति एल, मूर्ति एमकेएस, कपानी एआरएम, चतुर्वेदी एसके, सैनी डी. किशोरों और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच चिंता पर धारणा और कॉमिक स्ट्रिप का विकास। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मई;45(3):271–6.

192. रेड्डी एमएम, श्रीविद्या ए, काव्या वी, भरत आर, श्रीकर एम, कुमार डीवी. एमएसएमई पर कोविड–19 महामारी का प्रभाव: तेलंगाना राज्य के करीमनगर जिले का एक अध्ययन। SEDME (लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार जर्नल)। 2022;49(1):82–106.

193. रेड्डी तल्लापल्ली एवी, शिवराम एस, गुप्ता एम, नाशी एस, वेंगालिल एस, कुलकर्णी जीबी, एट अल। एंटी–एनएक्सपी2 एंटीबॉडी के कारण एक बच्चे में सूजन संबंधी मायोसिटिस, भारत से पहला मामला रिपोर्ट। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1194–6.

194. रेड्डी तल्लापल्ली एवी, नाशी एस, कामथ एसडी, सृजितेश पीआर, कुलकर्णी जीबी, अल्लादी एस. ए रेयर जेनेटिक कॉज़ ऑफ़ यंग ऑनसेट रैपिडली प्रोग्रेसिव डिमेंशिया– भारत से पहली रिपोर्ट। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(2):781–3.

195. रेड्डी तल्लापल्ली एवी, नाशी एस, श्रीवास्तव एम, राजेंद्रन एस, कुलकर्णी जीबी, अल्लादी एस. स्पाइनल कॉर्ड इन्फार्क्ट के निदान के लिए एक इमेजिंग सुराग। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1760–1.

196. रहमान गनी एयू, जयकुमार सी, कासी एस. मल्टी हैज़र्ड क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के बीच मनोवैज्ञानिक प्रभाव और लचीलेपन पर समाजशास्त्रीय चर का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. 2022 जून;38(2):168.

197. ऋत्विका नाग, जनार्दन एन. ट्रॉमा भारत में स्कूलों में सूचित देखभाल। नेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क.2023 फ़रवरी 23; 21/विशेष अंक: 42–48.

198. रॉय ए, जयराजन डी, शिवकुमार टी. भारत में एक मनोरोग पुनर्वास डेकेयर कार्य कार्यक्रम की वित्तीय व्यवहार्यता। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जुलाई;45(4):443–4.

199. रॉय ए, शिवकुमार टी. मनोरोग पुनर्वास केंद्रों में मरीजों के लिए "आय सृजन कार्यक्रम"। इंडियन जर्नल ऑफ बिहेवियरल साइंसेज. 2022 मई 8;25(01):60–8.

200. रॉय आर, वृंदा एमएन, जगन्नाथन ए, सिसिल वीआर, प्रभु जेआर। अंतरंग साथी हिंसा से बची महिला के साथ संयुक्त युगल थेरेपी: ताकत और चुनौतियाँ। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 फरवरी 24;02537176231154820.

201. आरएस जयश्री, अनीता महादेवन, सीएनएस–इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल के परजीवी संक्रमण के निदान के लिए गैर आक्रामक परीक्षण। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस164–एस175.

202. रूपा एम, आहिल, हिरिसेव यू, रामकृष्ण जे. वीडियो का विकास: माता–पिता के प्रशिक्षण के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण [इंटरनेट]। 2022 [9 अक्टूबर 2023 उद्धृत]। यहां उपलब्ध है: https://jmhedu.org/development-of-videos-an-innovative-approachto-parent-training/

203. सचदेवा ए, शर्मा एलपी, पांडियन टी, सोलंकी ए, वारियर एम, बालाचंदर एस, एट अल। जुनूनी–बाध्यकारी विकार (ओसीडी) के लिए तीन दशकों की विशेष देखभाल: ओसीडी क्लिनिक, एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर में इलाज चाहने वाले मरीजों की नैदानिक प्रोफ़ाइल। भारतीय जे मनोरोग. 2022 मार्च;64(सप्ल 3):एस657.

204. साध के, मूर्ति एमएस, दत्ता डी, पटेल वी, बसवराजप्पा सी, महाले आर, एट अल। गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस। प्राइम केयर कंपेनियन सीएनएस विकार। 2022 नवंबर 10;24(6):21सीआर03198.

205. साहू पी, गौड़ा जीएस, विजयकुमार केजी, गांजेकर एस, मूर्ति पी, तिप्पेस्वामी एच. मानसिक स्वास्थ्य में गुणवत्ता देखभाल के प्रत्यायन के लिए दायरा और चुनौतियां – भारत से परिप्रेक्ष्य। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2022 जून;1(1):21.

206. समीम एमएम, धर डी, सिंह वी, नागराजा बीएस, शाहयान एमएस, डे टी, एट अल। CoRe अध्ययन: कोविड–19 और रेमेडिसविर: वर्तमान स्वास्थ्य योजना और नीति में एक अंतर्दृष्टि। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 अगस्त;11(8):4671–87.

207. सांघवी पीबी, मेहरोत्रा एस, शर्मा एमके. सामान्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के लिए पेशेवर मदद मांगने में बाधाएं और समर्थक: युवा वयस्कों के लिए गैर–उपचार चाहने वाले परेशान लोगों के परिप्रेक्ष्य। ऑनलाइन जे हेल्थ एलाइड एससी। 2022;21(2):9.

208. संन्यासी जी, ओझा आर, प्रकाश एनबी, इसाक जे, माहेश्वरी वी, महासंपत जीएस, एट अल। स्ट्रोक के बाद चाल की विशेषताएं: कार्यात्मक विद्युत उत्तेजना के साथ टखने–पैर के ऑर्थोसिस की तुलना करने के लिए एक संभावित क्रॉसओवर अध्ययन। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):1830–5.

209. संतोषकुमार आर, नारायणप्पा जी. कंकाल मांसपेशी विकारों के निदान में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी: इसकी उपयोगिता और सीमाएं। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस291–9.

210. संतोष वी, राव एस. एस्ट्रोसाइटोमा, आईडीएच–म्यूटेंट और ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा, आईडीएच–म्यूटेंट और 1पी/19क्यू कोडलेटेड के विशेष संदर्भ में डब्ल्यूएचओ सीएनएस5 वर्गीकरण में वयस्क–प्रकार के फैलाए गए ग्लियोमास की समीक्षा। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस14–23.

211. सत्यनारायण राव टीएस, शाह एन, एंड्रेड सी. भारत में वैवाहिक बलात्कार। जर्नल ऑफ साइकोसेक्सुअल हेल्थ. 2022 अक्टूबर 31;4(4):221–222.

212. सावरदेकर ए, एचआर ए, प्रुथी एन, अरिवाझगन ए, भट डीआई, श्रीनिवास डी, एट अल। केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के संवहनी विकृतियों का पैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम: एक दशक का एकल संस्थान का अनुभव। इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी. 2022;12(01):064–70.

213. सीतारम एसपी, शंकर वी, उडुपा के, रेड्डी एन, रवीशा ए. इस्केमिक हृदय रोग के रोगियों में परक्यूटेनियस कोरोनरी हस्तक्षेप से पहले और बाद में हृदय गति परिवर्तनशीलता में परिवर्तन। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी। 2022;66(3):188–95.

214. शाह ए, दास एन, अरसप्पा आर, गंजेकर एस, तिप्पेस्वामी एच, सत्यनारायण वीए, एट अल। प्रसवकालीन अवसाद – क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स में मामले की समीक्षा। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2023 जून;2(1):59.

215. शाह आर, महाले आरआर, बाबू के, शाह डी, विंसेंट एम, नंदा एस, एट अल। मल्टीपल स्केलेरोसिस में ग्रैनुलोमेटस पैनुवेइटिस: एक दुर्लभ घटना। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(2):296–8.

216. शमिक बिस्वास, हिमा एस पेंढारकर, विवेक मुरुमकर। डुप्लीकेट सरवाइकल आईसीए–ए दुर्लभ भ्रूणीय संस्करण। न्यूरोल इंडिया. 2022 जुलाई–अगस्त;70(4):1755–1756.

217. शंकर एसके, महादेवन ए. भारत में ब्रेन बैंकिंग: वर्तमान अभ्यास में प्रासंगिकता। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक):एस218–25.

218. शर्मा ई, गोलहर टी. ऐसा न हो कि हम माता–पिता–किशोर नृत्य में माता–पिता को भूल जाएं! जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ। 2022;18(3):214–7.

219. शर्मा एमके, अमुधन एस, आचार एम, विश्वकर्मा ए. कोविड–19 महामारी, जोखिम और दोष गुण: एक व्यापक समीक्षा। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 मई;44(3):227–33.

220. शर्मा एमके, अमुधन एस, आर्य एस, आनंद एन, साहू ए, कुमार आर, एट अल। केस–आधारित परिप्रेक्ष्य से वृद्धावस्था द्वि घातुमान–देखने को समझना। जराचिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022;9(2):109.

221. शर्मा एमके, कुमार ए, भार्गव एच, भट आर, आनंद एन, दिगंबर वी, एट अल। माइंडफुलनेस–आधारित हस्तक्षेप: पोर्नोग्राफ़ी के उपचार की संभावनाएँ। आयुहोम। 2021;8(2):101.

222. शर्मा आरके, राय डी, गुप्ता एस, जेम्स टीटी, मेनारिया एस, धारगवे पी. सबस्यूट और क्रोनिक स्ट्रोक हेमिपेरेटिक रोगियों में ऊपरी अंगों की शिथिलता और संतुलन के बीच संबंध की पहचान करना: एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन। जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट. 2022;6(2):41.

223. शर्मा एस, गोविंदन आर, कोम्मू जेवीएस. ऑटिज़्म और ध्यान घाटे की सक्रियता विकार वाले बच्चों के माता–पिता के बीच चिंता और तनाव को कम करने में माता–पिता–से–अभिभावक सहायता समूह की प्रभावशीलता। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2022;44(6):575–9.

224. शर्मा एस, गोविंदराज पी, चिक्कबसवय्या वाईटी, सिरम आर, श्रोती ए, शेषगिरी डीवी, एट अल। भारत में वंशानुगत न्यूरोपैथी का आनुवंशिक स्पेक्ट्रम। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):407–16।

225. शेट्टी केवी, मणिकप्पा एसके, हमजा ए, श्रीवास्तव ए. अज्ञात से ज्ञात: गंभीर मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति का पारिवारिक पुनर्एकीकरण: एक मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य। भारतीय मनोचिकित्सा के इतिहास. 2023 मार्च;7(1):75.

226. शेट्टी केवी, मणिकप्पा एसके, मूर्ति एस, अंजनप्पा जे, रावत वी.एस. शराब पर निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के परिवारों के बीच व्यक्त भावनाएं: एक पायलट अध्ययन। भारतीय मनोचिकित्सा के इतिहास. 2022 दिसंबर;6(4):374.

227. शेट्टी केवी, शर्मा यू, कल्याणसुंदरम एम, कुमार एस, बामनी यू. भारत में सीओवीआईडी –19 रोगियों के लिए टेलीफोन–आधारित संक्षिप्त मनोसामाजिक हस्तक्षेप विकसित करने के लिए प्रोटोकॉल। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2022 सितम्बर;11(9):5479–84.

228. शिल्पा केएस, सुमन एलएन. अल्पावास आश्रय गृहों में महिलाओं के बीच अंतरंग साथी हिंसा का इतिहास: मनोसामाजिक हस्तक्षेप के लिए निहितार्थ। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022;8(1):39.

229. शिवा एल, देसाई जी, सत्यनारायण वीए, वेंकटराम पी, चंद्रा पीएस. प्रसवोत्तर अवधि में दैहिक लक्षण और बच्चे के जन्म से संबंधित अभिघातजन्य तनाव विकार और अवसाद के साथ उनका संबंध: एक क्रॉस–अनुभागीय अध्ययन। मनोरोग स्पेक्ट्रम जर्नल. 2023;2(1):41–5.

230. शिवराम एस, नागप्पा एम, वर्गीस एन, शेषगिरी डीवी, डबले एस, सिद्दप्पा एसए, एट अल। मायस्थेनिया ग्रेविस में रिटक्सिमैब– निम्न और मध्यम आय वाले देश (एलएमआईसी) सेटिंग से अनुभव। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(5):1931–41.

231. शिवराम एस, तल्लापल्ली एवीआर, गुप्ता एम, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी, अल्लादी एस. एंटी–जीएडी–एंटीबॉडी–एसोसिएटेड पैरानियोप्लास्टिक सिंड्रोम में स्पॉन्टेनियस डाउनबीट निस्टागमस। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जुलाई;13(3):546–9.

232. शिवराज पी, चांदना एएस, ममतानी एच. जब कला आघात को अमान्य करती है – "चुप: द रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट" की मूवी समीक्षा। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 मई; 45(3):321–2.

233. शुक्ला एम, पांडा टीके, निक्केथा बीएस, क्रिस्टी जे, दामोदरन डी. मंकीपॉक्स आउटब्रेक–ए वेक–अप कॉल के समय एलजीबीटीक्यू समुदाय के बीच कलंक, भेदभाव और मनोवैज्ञानिक संकट। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जनवरी;45(1):101–2.

234. सिद्देगौड़ा वाई एस, जनार्दन एन, शरीफ आई ए. भारत में युवा विकास। नेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्क. 2023 फरवरी 23;21:25–35.

235. सिंधु डीएम, हुद्दार ए, सैनी जे, वेंगालिल एस, नाशी एस, बर्धन एम, एट अल। भारतीय जनसंख्या में अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग करके ऊपरी और निचले छोरों में नसों के क्रॉस–अनुभागीय क्षेत्र संदर्भ मूल्य। अन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):449–56.

236. सिंह एलके, गिरि एके, छलोत्रे वी, शर्मा आरके, राव जीएन, गोपालकृष्ण जी, एट अल। छत्तीसगढ़ में मानसिक विकारों की व्यापकता: राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्ष। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 जनवरी 14;025371762211416.

237. सिंघई के, वाणीश्री बीएनजी, शिवकुमार टी. पुरानी मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिए किफायती आवासीय पुनर्वास सुविधाएं: एक उभरती हुई आवश्यकता। भारतीय जे मनोरोग. 2022;64(5):520–4.

238. शिवकुमार टी, जाधव पी, नबी जे, त्रिपाठी ए, गोयल एसजी, मुंडा एसके, एट अल। मनोरोग विकारों के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले रोगियों की समाजशास्त्रीय और नैदानिक प्रोफ़ाइल: एक भारतीय मनोरोग सोसायटी बहुकेंद्रित अध्ययन। भारतीय जे मनोरोग. 2022;64(4):335–41.

239. शिवकुमार टी. पुस्तक समीक्षा: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों वाले परिवारों के लिए वित्तीय योजना: दो पीढ़ियों के लिए योजना बनाने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन. 2023 मई 1;45(3):314–5.

240. श्रावंती एल, कोम्मू जेवी, सुस्वरम एस, यादव एएस, संगीत ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले भारतीय बच्चों की प्राथमिकताएँ और उनके परिवारों द्वारा संगीत चिकित्सा की स्वीकार्यता: एक खोजपूर्ण अध्ययन। औद्योगिक मनोरोग जर्नल. 2023;32(1):176–86.

241. श्रीराज वी.एस., अरुमुघम एस.एस., वेंकटसुब्रमण्यम जी. मनोचिकित्सा में ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन के उपयोग के लिए नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश। इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री. 2023;65(2):289.

242. श्रीजितेश पीआर, मिथिरायी एस. पार्किंसंस रोग में व्यायाम और आसन योग: साक्ष्य और परिभाषा का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(4):1702–4.

243. श्रीकांत यादव बोइनी, रोहन महाले, शेषगिरि दोनापर्थी, नितीश कांबले, विक्रम वी होल्ला, प्रमोद कुमार पाल, बिंदू कुट्टी, रवि यादव। प्रोग्रेसिव सुप्रान्यूक्लियर पाल्सी में स्लीप आर्किटेक्चर: एक वीडियो–पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022 सितंबर–अक्टूबर;25(5):858–863.

244. श्रीनिवासैया बी, मुथुचेल्लप्पन आर, भारद्वाज एस, कदम आरएस। हाल ही में ड्रग–एल्यूटिंग कोरोनरी स्टेंट प्राप्तकर्ता में सहज ग्रीवा स्पाइनल एपिड्यूरल हेमेटोमा – एक चिकित्सीय चुनौती। भारतीय जे अनास्थ. 2022 जुलाई;66(7):544–5.

245. सुब्बन्ना एम, शिवकुमार वी, भालेराव जी, वरम्बली एस, वेंकटसुब्रमण्यम जी, देबनाथ एम। Th17 पाथवे–संबंधित जीन के वेरिएंट मस्तिष्क के रूपात्मक परिवर्तनों और एपिस्टैटिक इंटरैक्शन के माध्यम से सिज़ोफ्रेनिया के जोखिम को प्रभावित करते हैं। मनोचिकित्सक जेनेट. 2022 अगस्त 1;32(4):146–55।

246. सुदर्शन एस, मेहरोत्रा एस, तीर्थहल्ली जे. अवसाद के लिए आमने–सामने थेरेपी के साथ इंटरनेट–आधारित स्व–देखभाल कार्यक्रम को एकीकृत करना: अवलोकन और उभरती अंतर्दृष्टि। इंडियन जे साइकोल मेड. 2023 जुलाई;45(4):415–9.

247. सुहास एस, लक्ष्मी निरीशा पी, मालातेश बीसी, कुलल एन, हर्षिता एनआर, गजेरा जी, एट अल। भारत के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए एक नवीन मानसिक स्वास्थ्य जांच और परामर्श उपकरण की अंतर–रेटर विश्वसनीयता और समवर्ती वैधता। भारतीय जे मनोरोग. 2022 मार्च 1;64(सप्ल 3):एस533–4.

248. सुंदर एसपी, भोला पी. आयामी व्यक्तित्व लक्षण और उभरते वयस्कों के बीच गैर–आत्मघाती आत्म–चोट: मानसिककरण की मध्यस्थता भूमिका। मनोवैज्ञानिक अध्ययन. 2022;67(2):218–27.

249. सर्वे आरएम, दास बीपी, वेंकटेश्वरन पी, कुलंथावेलु के. कम्युनिटी एक्वायर्ड स्टैफिलोकोकस ऑरियस नेक्रोटाइज़िंग निमोनिया और गुइलेन बर्रे सिंड्रोम: एक किशोर रोगी में एक असामान्य प्रस्तुति। न्यूरोल इंडिया. 2022;70(3):1200–2.

250. सुतार आर, मजूमदार ए, अमुधन एस, सत्पथी पी, सिंह वी. भारत में आपदा और मानसिक स्वास्थ्य तैयारी: एक व्यापक समीक्षा। सामुदायिक स्वास्थ्य के भारतीय जर्नल. 2022;34(2):154–60.

251. टी. सोनिया, बनंदुर एस. प्रदीप, गौतम एम सुकुमार, अनुषा बी शेनॉय, बनवाराम ए. अरविंद, आरएन श्रीविद्या, वीक्षा राय, उपासना मेधी, आज़ाद देवयानी। 2017 से 2022 तक पूरे कर्नाटक में जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श सेवा कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के बीच "धूम्र रहित तंबाकू के सर्वदा उपयोग" से जुड़े प्रचलन और कारक। इंडस्ट्रीज़ सामाजिक मनोरोग। 2023.

252. टी. सोनिया, बनंदुर एस. प्रदीप, गौतम एम सुकुमार, अनुषा बी शेनॉय, बनवाराम ए. अरविंद, आरएन श्रीविद्या, वीक्षा राय, उपासना मेधी, आज़ाद देवयानी। कर्नाटक भर में प्रतिभागियों के जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श सेवा कार्यक्रम (2017–2022) के बीच स्मोक्ड तंबाकू निर्भरता और इसके सहसंबंध। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2023.

253. तल्लापल्ली एवीआर, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी, अल्लादी एस, चिक्कबसवय्या वाईटी. ग्रैनुलोमेटस अमीबिक एन्सेफलाइटिस एक ट्यूमर की तरह पेश हो रहा है जो एक निदानात्मक पहेली बन गया है। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2021;24(6):968–70.

254. तल्लापल्ली एवीआर, शिवराम एस, कुलंथैवेलु के, नाशी एस, कुलकर्णी जीबी। फाल्सिन ट्यूबरकुलोमा क्रोनिक सिरदर्द के साथ प्रस्तुत होता है – एक दुर्लभ वस्तु। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022;13(4):804–5.

255. तेजस्वी जीएम, श्रीगणेश के, श्रीराम वी. सीओवीआईडी 19 वैक्सीन प्रेरित थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिया, सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस और न्यूरोजेनिक स्टंक्ड मायोकार्डियम। भारतीय जे अनास्थ. 2023 फ़रवरी;67(2):224–5.

256. थेक्कुमकारा एसएन, जगन्नाथन ए, मुलियाला केपी, मूर्ति पी. भारत में मानसिक और मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों वाले कैदियों के लिए एक सहकर्मी सहायता कार्यक्रम का विकास और सत्यापन। भारतीय जे मनोरोग. 2022;64(3):316–21.

257. थेक्कुमकारा एसएन, जगन्नाथन ए, मुलियाला केपी, मूर्ति पी. मानसिक और मादक द्रव्यों के सेवन विकार वाले कैदियों के लिए मनोसामाजिक हस्तक्षेप: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 मई;44(3):211–7.

258. उप्पिन एम, महादेवन ए, सरकार सी. न्यूरोमस्कुलर पैथोलॉजी की वर्तमान स्थिति: भारतीय परिदृश्य के विशेष संदर्भ में एक सिंहावलोकन। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;(65 सप्ल 1):एस230–2.

259. उषा किरण, जनार्दन एन. कानून के साथ टकराव में पड़ रहे बच्चों में स्कूल के माहौल का असर। नेशनल जर्नल ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क.2023 फ़रवरी 23;21/विशेष अंक:172–180.

260. वैथियालिंगम बी, चक्रवर्ती डी. ग्राउंड इलेक्ट्रोड का स्थान उत्पन्न संभावित निगरानी के दौरान रिसाव वर्तमान हस्तक्षेप को कम कर सकता है। न्यूरोल इंडिया. 2023;71(1):194–5.

261. वैथियालिंगम बी, वेंकटरमैया एस. पार्किंसंस से प्रेरित मस्तिष्क की गहरी उत्तेजना के लिए गंभीर प्रतिबंधात्मक श्वसन संबंधी शिथिलता – एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का दृष्टिकोण। भारतीय जे अनास्थ. 2022 जुलाई;66(7):540–1.

262. वसंत्रा सी, अम्मापट्टियन टी, एंटनी एस, राव जी, प्रसाद के, अनु के, एट अल। कोविड–19 महामारी के दौरान मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्तियों की घर–आधारित देखभाल: देखभाल करने वालों के अनुभव। जराचिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य जर्नल. 2022 जनवरी 1;9:9.

263. वेंगालिल एस, महाले आर, चक्रधर एन, अल्लूरी एस, सागर नवनीथ पीआर, गणराजा वीएच, एट अल। न्यूरो–कोविड का स्पेक्ट्रम: भारत के व्यापक रूप से जांचे गए बड़े समूह का एक अध्ययन। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(2):194–202.

264. वेंगालिल एस, पोलावरपु के, प्रीतिश–कुमार वी, नाशी एस, अरुणाचल जी, चावला टी, एट अल। प्राथमिक लिपिड भंडारण मायोपैथी का उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रम। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(1):106–13.

265. विष्णु वीवाई, भाटिया आर, खुराना डी, रे एस, शर्मा एस, कुलकर्णी जीबी, एट अल। स्मार्टफोन–आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम "स्ट्रोक फिजिशियन" के नेतृत्व वाला एक्यूट स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया): क्लस्टर–रैंडमाइज्ड परीक्षण के लिए एक प्रोटोकॉल। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):422–7.

266. विश्वनाथन ए, कश्यप एच, रेड्डी आरपी, फिलिप एम, थिप्पेस्वामी एच, देसाई जी. चिंता विकारों में न्यूरोकॉग्निशन और मेटाकॉग्निशन। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 नवंबर;44(6):558–66.

267. विश्वनाथन एलजी, नागप्पा एम, शेषगिरी डीवी, कुलंथावेलु के, नागरत्ना एस, सिन्हा एस। द्विपक्षीय ऑप्टिक ट्रैक्ट एन्हांसमेंट: न्यूरोसाइफिलिस में एक असामान्य इमेजिंग खोज। एन इंडियन एकेड न्यूरोल। 2022;25(3):489–90.

268. व्रंदा एमएन, सिसिल आरवी. कोविड–19 में विधवा हुई महिलाएं – अदृश्य वायरस की शिकार। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022 दिसंबर;8(2):127.

269. व्रंदा एमएन, सिसिल वीआर. अंतरंग साथी हिंसा से बचे लोगों के लिए टेली–परामर्श: मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए दिशानिर्देश। इंडियन जे साइकोल मेड. 2022 जुलाई;44(4):349–53.

270. वृंदा एमएन, जनार्दन एन, कुमार सीएन. मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच अंतरंग साथी हिंसा के पैमाने पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयारियों का विकास। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2023;14(1):98–102.

271. वृंदा एमएन, कुमार सीएन, फेबना एम, अम्मापट्टियन टी, शिरी एसएस. बहु–विकलांगता से पीड़ित बलात्कार पीड़िता के परिवार के सदस्य की देखभाल और सहायता प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को महसूस किया गया। मनोचिकित्सा के तेलंगाना जर्नल. 2022;8(2):107.

272. वृंदा एमएन, कुमार सीएन, जनार्दन एन. तृतीयक देखभाल सेटिंग में मानसिक बीमारी वाली महिलाओं के बीच अंतरंग साथी हिंसा को मापने के लिए मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए एक स्क्रीनिंग टूल विकसित करना। जे न्यूरोस्की ग्रामीण अभ्यास। 2022 जुलाई;13(3): 393–7.

273. वृंदा एमएन, कुमार सीएन, जनार्दन एन. अंतरंग साथी हिंसा से बची महिलाओं के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करने में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों का विकास और प्रशिक्षण – एक पूर्व–पोस्ट मूल्यांकन अध्ययन। इंडस्ट्रीज़ मनोरोग जे. 2022;31(2): 325–30.

274. यशा टीसी, शर्मा एस, गायत्री एन, नंदीश एनबी. वंशानुगत न्यूरोपैथी: आनुवंशिकी और तंत्रिका बायोप्सी की उपयोगिता। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2022 मई;65(अनुपूरक) : एस318–28.

# पुस्तक अध्याय/सम्मेलन कार्यवाही

1. अग्रवाल जे. (i) योग-ध्यान और सकारात्मक मनोविज्ञान। इन: स्वाति पात्रा (सं.). सकारात्मक मनोविज्ञान पर पाठ्यक्रम पुस्तक-1, दिल्ली, इग्नू; 2022.पी.368-386 (ii) योगिक परंपरा और कल्याण। इन: सिबनाथ देब, ब्रायन ए (संस्करण)। जेरार्ड स्प्रिंगर हैंडबुक ऑफ़ हेल्थ एंड वेलबीइंग: चुनौतियाँ, रणनीतियाँ और भविष्य के रुझान (प्रथम संस्करण)। स्प्रिंगर प्रकाशन; 2022. पी.711-737 (iii) भगवद गीता और मानसिक स्वास्थ्य: एक ट्रांसडायग्नोस्टिक परिप्रेक्ष्य। इन: बसवरद्दी आई.वी. (ईडी)। वेबिनार शृंखला, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, दिल्ली, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; 2022. पी .37-40.

2. अनन्या केएच, हेगड़े एस. संगीत-आधारित हस्तक्षेप: सामाजिक-सांस्कृतिक से तंत्रिका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में एक आदर्श बदलाव। इन: अलेक्जेंडर टी, रमेश ए, दीपक ए, (संस्करण)। चेन्नई, भारत: इंडस, थिंकमाइंस मीडिया; 2022.

3. अनीशा शाह. वैवाहिक चिकित्सा के सिद्धांत और अभ्यास. इन: मृगेश वैष्णव, टीएसएस राव, आदर्श त्रिपाठी, नरेश नेभिनानी (संस्करण)। कामुकता और यौन चिकित्सा की आईपीएस पाठ्यपुस्तक, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2022.पी.369-380.

4. बरुआ टी, हेगड़े एस. स्वास्थ्य पर शोर का हानिकारक प्रभाव: न्यूरोसाइकोलॉजिकल प्रभाव. इन: अलेक्जेंडर टी, रमेश ए, दीपक ए (संस्करण)। इन साउंड हेल्थ ए हैंडबुक ऑन साउंड, म्यूजिक एंड हेल्थ, चेन्नई, भारत: इंडस, थिंकमाइन्स मीडिया; 2022.

5. भादुड़ी बी, अल्लादी पीए। बेसल गैंग्लिया विकारों में तंत्रिका अध: पतन के प्रमुख ऑर्केस्ट्रेटर के रूप में ग्लियाल कोशिकाएं। इन: पेट्रो, आई, सेठ पी, पेट्रो एन, टंडन पीएन। (सं.). ग्लियाल कोशिकाओं की जीवविज्ञान: हालिया प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022. पी.401-437.

6. भारद्वाज एस, कामथ एस. न्यूरोएनेस्थीसिया में वायुमार्ग प्रबंधन। इन: उबराडका आरएस, गुप्ता एन, बिडकर पीयू, त्रिपाठी डीके, गुप्ता ए. (संस्करण)। वायुमार्ग मैनुअल. स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2023. पी.570-591.

7. भारद्वाज एस, हेगड़े एस. संगीत और स्वास्थ्य: संगीत और शारीरिक स्वास्थ्य और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव। इन: अलेक्जेंडर टी, रमेश ए, दीपक ए (संस्करण)। इन साउंड हेल्थ ए हैंडबुक ऑन साउंड, म्यूजिक एंड हेल्थ, चेन्नई, भारत: इंडस, थिंकमाइन्स मीडिया; 2022.

8. भार्गव पीएच, भार्गव एच, अर्सप्पा आर, वरम्बली एस. मानसिक स्वास्थ्य और सहवर्ती बीमारियों के लिए योग। इन: इंद्रनील बसु-रे, दर्शन मेहता (संस्करण)। कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन में योग के सिद्धांत और अभ्यास। स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022.पी.335-344.

9. भोला पी, इसाक आर, दुग्गल सी. भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए मनोवैज्ञानिक समर्थन: परावर्तक लेंस का उपयोग करना। इन: एच. कॉनिफ़ (सं.). हेल्थकेयर में मनोवैज्ञानिक स्टाफ सहायता: सोच और अभ्यास (प्रथम संस्करण)। सिकोइया बुक्स, यूके; 2022.पी.268-284.

10. चंद पीके, कुमार एम, मोल्ला एआर, शिवसुब्रमण्यम एस. मोबाइल रोबोट का दोष-सहिष्णु फैलाव। एल्गोरिदम और असतत अनुप्रयुक्त गणित: 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, CALDAM 2023, गांधीनगर, चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग। 9-11 फरवरी 2023, पी.28-40।

11. डी'क्रूज़ एम, एंड्रेड सी, राव टीएसएस। वृद्ध वयस्कों में कामुकता और यौन विकार। इन: वैष्णव एम, सत्यनारायण राव, टीएस, त्रिपाठी ए, नेभिनानी एन (संस्करण)। कामुकता और यौन चिकित्सा की आईपीएस पाठ्यपुस्तक, जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली; 2022. पी.427-449.

12. दीप्ति नरसिम्हैया, अनीता महादेवन। मस्तिष्क की संवहनी विकृतियाँ। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यता, (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022.

13. देवकी एनएस, कासी एस, गोयल एके, मणिकप्पा एसके। कोविड-19 महामारी के दौरान लॉक-डाउन के दौरान फंसे मरीजों और देखभाल करने वालों के लिए मनो-सामाजिक सहायता आधारित हस्तक्षेप: भारत से एक केस स्टडी रिपोर्ट। आपदा प्रबंधन पर 5वीं विश्व कांग्रेस में: खंड III। टेलर और फ्रांसिस, 2023.

14. देवकी एनएस, कासी एस, गोयल एके, मणिकप्पा एसके, डोड्डामणि, ए. कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों के समुदाय के लिए मनोसामाजिक सहायता। आपदा प्रबंधन पर 5वीं विश्व कांग्रेस: खंड III। टेलर और फ्रांसिस, 2023.

15. गणराजन इंबराज, उडुपा के, सत्यप्रभा टीएन। योग के हृदय संबंधी प्रभाव का हृदय गति परिवर्तनशीलता उपायों से मूल्यांकन किया गया। इन: आई. बसु-रे, डी. मेहता (संस्करण)। कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन में योग के सिद्धांत और अभ्यास, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर; 2022. पी.89-96.

16. गोकुलकृष्णन के, संध्या एन, तिरुमूर्ति सी, निखिल जे. न्यूरोइन्फ्लेमेशन में एडिपोकिन्स की भूमिका। इन: बिस्वास जे, चन्द्रशेखर एस (संस्करण)। सूजन, खंड 2, चैनरे हेल्थकेयर एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड प्रकाशक; 2022.

17. गौड़ा जीएस, भोला पी. आत्मघात और आत्महत्या पर प्रतिक्रिया: वायु सेना परामर्श कार्यक्रम में दक्षताओं का निर्माण। इन: मीना केएस, नट्टाला पी, भोला

पी (एड्स)। भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षक वायु योद्धाओं के लिए सलाह, परामर्श और मानसिक कल्याण पर प्रशिक्षण मैनुअल। बेंगलुरु: निम्हांस; 2022.

18. गौतमी एन, श्रीनिवास भरत एमएम। दर्दनाक मस्तिष्क की चोट (टीबीआई) में सिनैप्टिक और माइटोकॉन्ड्रियल परिवर्तन: फाइटोकेमिकल्स और हर्बल उत्पादों के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव। इन: सैम यंग, मुरलीधरा, रजनी पीएस (संस्करण)। तंत्रिका संबंधी विकारों में आयुर्वेदिक हर्बल तैयारी। एल्सेवियर प्रकाशन; 2023.पी.205-228.

19. गोयल एके, कासी एस, कुमार सीएन, रूपेश बीएन, कुमार एम संजीव, दिनाकरन दामोदरन, कमलदीप साध। भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान जनसंख्या स्तर के अस्थायी पैटर्न व्यवहार की तलाश में मदद करते हैं: एक खोजपूर्ण अध्ययन। आपदा प्रबंधन पर 5वीं विश्व कांग्रेस में: खंड III। टेलर और फ्रांसिस, 2023।

20. गोयल ए.के. संचार का वर्गीकरण और उसके अनुप्रयोग। इन: प्रबंधन कार्यवाही अकादमी। ब्रियरक्लिफ मनोर, एनवाई 10510: प्रबंधन अकादमी, 2022.पी. 16269.

21. हर्षिनी मनोहर, शेखर शेषाद्रि, आदित्य शर्मा. प्रभाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड महामारी का असर और किशोर. सेव द चिल्ड्रेन की प्रमुख वार्षिक रिपोर्ट के लिए, बच्चों के अधिकार और एजेंसी. बच्चों को बचाएं; 2023.

22. हिमा पेंढारकर. (i) रीढ़ की हड्डी की संवहनी विकृतियाँ। इन: डॉ. सी केशवदास, डॉ. बेजॉय थॉमस, डॉ. जयदेवन ईआर (संस्करण)। क्लिनिकल रेडियोलॉजी की आईआरआईए व्यापक पाठ्यपुस्तक, प्रथम, भारत, एल्सेवियर-सॉन्डर्स, मोस्बी, चर्चिल; 2023 (ii) स्पाइनल एंजियोग्राम। इन: डॉ. सी केशवदास, डॉ. बेजॉय थॉमस, डॉ. जयदेवन ईआर (संस्करण), आईआरआईए कॉम्प्रिहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ क्लिनिकल रेडियोलॉजी, फर्स्ट, इंडिया, एल्सेवियर-सॉन्डर्स, मोस्बी, चर्चिल; 2023.

23. जगन्नाथन ए, जुव्वा एस, प्रिया टी थॉमस। प्रशामक देखभाल: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। इन: टेरी अल्टिलियो शर्ली ओटिस-ग्रीन, जॉन जी कैगल (संस्करण)। द ऑक्सफ़ोर्ड टेक्स्टबुक ऑफ़ पैलिएटिव सोशल वर्क-2, ऑक्सफ़ोर्ड, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; 2022.

24. जस्ती एन, रेड्डी एवी, रामकृष्ण केके, भार्गव एच, कुलकर्णी जीबी। स्ट्रोक प्रबंधन में योग की भूमिका: वर्तमान साक्ष्य और भविष्य की दिशाएँ। इन: इंद्रनील बसु-रे, दर्शन मेहता (संस्करण)। हृदय चिकित्सा में योग के सिद्धांत और अभ्यास। स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022.पृ.253-265.

25. जोथिमनी जी, बीवी कथ्यायनी। नर्सिंग शिक्षा में देखभाल प्रथाओं-नैतिकता का प्रतिबिंब। इन: विजयालक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बी.वी. मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता। निम्हांस; 2022.

26. ज्योति एचजे, भादुड़ी बी, हिंगमायर एम, वर्मा पी, यशा टीसी, अल्लादी पीए। उम्र बढ़ने और पार्किंसंस रोग में सर्केडियन लयबद्धता। इन: ज्योति एचजे, भादुड़ी बी, हिंगमायर एम, वर्मा पी, यशा टीसी, अल्लादी पीए, जगोटा ए (संस्करण)। उम्र बढ़ने और दीर्घायु में नींद और घड़ियाँ, चाम, स्प्रिंगर; 2023. पी.237-255.

27. के एन. जयंती, जोथिमनी जी. नर्सिंग नैतिकता का परिचय। इन: विजयालक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बीवी (संस्करण)। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता, निम्हांस; 2022.

28. कार्तिक कुलनथैवेलु, अनिल कुमार शर्मा, जीतेन्द्र चतुर्वेदी, राजीव शर्मा, शमिक बिस्वास, हर्ष देवड़ा, भगवतुला इंदिरा देवी। अभिघातजन्य कैरोटिड कैवर्नस फिस्टुला। अध्याय 24, में: सिन्हा, सुमित (संस्करण)। न्यूरोट्रॉमा की हैंडबुक: खंड 2: क्रेनियल ट्रॉमा- सैलुब्रिस पब्लिशर्स। किंडल संस्करण। 2022. पी.479.

29. कृष्णकुमार एम, सुंदरम एम, श्रीगणेश के. सहवर्ती फुफ्फुसीय समस्याओं वाले न्यूरोसर्जिकल रोगियों में द्रव प्रबंधन। इन: प्रभाकर एच, एस टंडन एम, कपूर आई, महाजन सी. (संस्करण)। क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज में ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस। स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022. पी.171-181.

30. कुलंथावेलु के, वैंकयालापति एस, प्रसाद सी, श्रीनिवास डी. एंजियोआर्किटेक्चर ऑफ ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला। इन: लव एक्स (एड.). इंट्राक्रानियल और स्पाइनल ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुलस [इंटरनेट]। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर; 2022. पी.71-80.

31. मंजुला एम, अपूर्वा श्रीवास्तव। लचीलापन: सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य की स्थिरता के लिए अवधारणाएं, दृष्टिकोण, संकेतक और हस्तक्षेप। इन: सिबनाथ देब, ब्रायन ए जेरार्ड (संस्करण)। स्वास्थ्य और कल्याण की पुस्तिका, स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022. पी.607-636.

32. मौलिक पीके, लखन आर, किशोर एमटी, साहू ए, बर्टेली एमओ, सागर आर. बौद्धिक विकास संबंधी विकारों की व्यापकता और एटियोपैथोजेनेसिस। इन: बर्टेली एमओ, देब एस, मुनीर के, हसियोटिस ए, साल्वाडोर-कारुल्ला एल, (संस्करण)। बौद्धिक विकलांगता और ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए मनोचिकित्सा की पाठ्यपुस्तक, (पहला संस्करण)। स्प्रिंगर, चाम, स्विट्जरलैंड; 2022. पी.51-70.

33. मेहता, यूएम, चतुर्वेदी एसके। सोमाटाइजेशन: चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत लक्षण। इन: भुगरा, डी (एड.). सामाजिक मनश्चिकित्सा की ऑक्सफोर्ड पाठ्यपुस्तक; अगस्त 2022.

34. मेंडॉन जीबी, बल्लानी वाई, चेरियन एवी, ग्रैनहोम पीसी, थॉर्नक्रॉफ्ट जी, लोगनाथन एस. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मानसिक बीमारी से संबंधित कलंक और भेदभाव। इन: रुएश एन, पोलैंड, एल्सेवियर हेल्थ साइंसेज; 2022.

35. मेनन डी, ब्रिल वी. मधुमेह न्यूरोपैथी में इलेक्ट्रोडायग्नॉस्टिक मूल्यांकन। इन: तवाकोली (सं.). मधुमेह न्यूरोपैथी [इंटरनेट], एल्सेवियर; 2022. पी.35–45.

36. मिश्रा पीएस, वर्गीस एएम, विजयलक्ष्मी के, प्रीतिश–कुमार वी, किरण पी, वेंगालिल एस, नलिनी ए, अल्लादी पीए, सत्यप्रभा टीएन, राजू टीआर। न्यूरोइन्फ्लेमेशन के दौरान माइक्रोग्लिया और एस्ट्रोसाइट्स के बीच परस्पर क्रिया: छिटपुट एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के इन–विट्रो और इन–विवो मॉडल से सीखे गए सबक। इन: मिश्रा पीएस, वर्गीस एएम, विजयलक्ष्मी के, प्रीतिश–कुमार वी, किरण पी, वेंगालिल एस, नलिनी ए, अल्लादी पीए, सत्यप्रभा टीएन, राजू टीआर (संस्करण)। ग्लियाल कोशिकाओं की जीवविज्ञान: हालिया प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022. पी.439–457.

37. मिश्रा पीएस, वर्गीस एएम, विजयलक्ष्मी के, प्रीतिश–कुमार वी, पोलावरपु के, वेंगालिल एस, नलिनी ए, अल्लादी पीए, सत्यप्रभा टीएन, राजू टीआर। न्यूरोइन्फ्लेमेशन के दौरान माइक्रोग्लिया और एस्ट्रोसाइट्स के बीच परस्पर क्रिया: छिटपुट एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस के इन विट्रो और विवो मॉडल से सीखे गए सबक। इन: आई. पात्रो, पी. सेठ, एन. पात्रो, पी.एन. टंडन (संस्करण)। ग्लियाल कोशिकाओं का जीव विज्ञान: हालिया प्रगति। स्प्रिंगर, सिंगापुर; 2022. पी.439–457.

38. मिश्रा आर.के. जमावट असामान्यताएं. इन: प्रभाकर एच, एस टंडन एम, कपूर आई, महाजन सी. ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज, सिंगापुर, स्प्रिंगर; 2022.

39. नंदीश बीएन, शिल्पा राव, अनीता महादेवन। अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोंट। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022.पी.271–276.

40. नटराज एम, कुंबले सीएन, गांजेकर एस, देसाई जी. सामान्य मानसिक विकार। इन: दिनेश भुगरा, ड्रिस मौसौई, टॉम जे क्रेग (संस्करण)। सामाजिक मनश्चिकित्सा की ऑक्सफोर्ड पाठ्यपुस्तक; 2022.

41. निष्ठा यादव, शुमाइला जबीन, हिमा पेंढारकर। मोया मोया और बचपन की वास्कुलोपैथी। में: डॉ. सी केशवदास, डॉ. बिजॉय थॉमस, डॉ. जयदावीन ईआर (संस्करण)। क्लिनिकल रेडियोलॉजी की आईआरआईए व्यापक पाठ्यपुस्तक, प्रथम, भारत, एल्सेवियर–सॉन्डर्स, मोस्बी, चर्चिल, 2023.

42. पद्मावती एन, मुरलीधरन के. मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में नैतिक जलवायु: संगठन की भूमिका। इन: विजयालक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बी.वी. मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता। निम्हांस; 2022.

43. पद्मावती एन. मानसिक बीमारी वाले लोगों के बीच नर्सिंग अनुसंधान का नैतिक पहलू। इन: विजयालक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बीवी (संस्करण)। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता। निम्हांस; 2022.

44. प्रहराज एसके, एंड्रेड सी. यौन विकारों की फार्माकोथेरेपी में प्रगति। इन: वैष्णव एम, सत्यनारायण राव, टीएस, त्रिपाठी ए, नेभिनानी एन (संस्करण)। कामुकता और यौन चिकित्सा की आईपीएस पाठ्यपुस्तक, जेपी पब्लिशर्स, नई दिल्ली; 2022. पी.395–414.

45. राजलक्ष्मी पी, शिल्पा राव, अनीता महादेवन। दवा–प्रतिरोधी मिर्गी की सर्जिकल पैथोलॉजी। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022. पी.277–286.

46. रोहिणी एमएस, भरत एस. यूओयूवी (ऑक्सीजनीकरण करने में असमर्थ, हवादार करने में असमर्थ)। इन: डॉ. तारिक जांजुआ (सं.)। न्यूरोइंटेंसिव केयर में वायुमार्ग प्रबंधन, नेपल्स, FL; 2022. पी.103–129.

47. सचिन बालिगा, प्रीति सिन्हा, श्याम सुंदर अरुमुघम, उर्वाख्श मेहता, वीना कुमारी एचबी, राधाकृष्णन, जगदीशा तीर्थल्ली। इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी और ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का अभ्यास। इन: डॉ. जनार्दन रेड्डी वाई.सी. (सं.)कोविड–19 महामारी के समय में मानसिक स्वास्थ्य, 2022.पी.182.

48. सीना वेंगालिल, सरस्वती नाशी, दीपक मेनन, समीम एमएम, अत्चयराम नलिनी। मायस्थेनिया ग्रेविस और एलईएमएस। इन: न्यूरोलॉजी की आईएएन पाठ्यपुस्तक ।

49. शमाला ए, बिंगी राजेश्वरी जी, राधाकृष्णन। जी. बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या में नैतिक विचार। इन: डॉ. पी. विजयालक्ष्मी (सं.)। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता। निम्हांस ; 2022.

50. शिल्पा राव, श्रीधर एपारी, मेघा उप्पिन। मेलानोसाइटिक ट्यूमर. इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022.पृ.175–178.

51. शुक्ला एल, नरसिम्हा वीएल, कंडासामी ए. शराब के सेवन से होने वाले विकार और तंत्रिका संबंधी बीमारियाँ। इन: पटेल वीबी, प्रीडी वीआर। (सं.). मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और व्यसनों की पुस्तिका। स्प्रिंगर, चाम; 2022.

52. सिंधु उन्नी, जोथिमनी जी. नैतिक संकट: नर्सिंग पेशेवरों के नैतिक लचीलेपन को कैसे मजबूत किया जाए? इन: विजयालक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बीवी (संस्करण)। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सिंग नैतिकता। निम्हांस ; 2022.

53. सुमना वी, शिवकुमार वी, होल्ला बी, वरम्बली एस, गंगाधर बीएन। योग और न्यूरो–इमेजिंग: साक्ष्य की वर्तमान स्थिति। इन: आई. बसु रे, डी. मेहता

(संस्करण)। हृदय चिकित्सा में योग के सिद्धांत और अभ्यास (1/ई)। स्प्रिंगर वेरलाग, सिंगापुर; 2022. पी.151-157.

53. स्वर्णलक्ष्मी एस, मंजुला एम. यूनिट-10 विघटनकारी विकार और दैहिक लक्षण विकार। इन: स्वाति पात्रा (सं.). खंड-3 मानसिक विकार-I, नई दिल्ली, इग्नू; 2022.

54. तवलीन कोही, मंजुला एम. यूनिट 9-पीपीसीसी 111: जुनूनी बाध्यकारी और संबंधित विकार। इन: स्वाति पात्रा (सं.). खंड-3 मानसिक विकार-I, नई दिल्ली, इग्नू; 2022.

55. उडुपा के, भवनानी एबी, मीना आर. तनाव और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र: योग के निहितार्थ। इन: बसु-रे I, मेहता डी, टेल्स एस (संस्करण)। हृदय चिकित्सा में योग का सिद्धांत और अभ्यास। स्प्रिंगर प्रकृति; 2022. पी.105-115.

56. वाणी संतोष, शिल्पा राव। (i) वयस्क-प्रकार का फैलाना ग्लियोमास। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022.पी.7-20 (ii) परिचालित एस्ट्रोसाइटिक ग्लियोमास। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022.पी.21-34 (iii) बाल चिकित्सा-प्रकार फैलाना निम्न-श्रेणी ग्लियोमा। इन: सरकार सी, संतोष वी, चाको जी, महादेवन ए (संस्करण)। डायग्नोस्टिक सर्जिकल न्यूरोपैथोलॉजी की अनिवार्यताएं (दूसरा संस्करण)। थिएम पब्लिशर्स, दिल्ली; 2022. पी.35-43.

57. विक्रम वी होल्ला, श्वेता प्रसाद, प्रमोद कुमार पाल। श्वसन संबंधी शिथिलता के तंत्रिका संबंधी प्रभाव। इन: रॉबर्ट चेन, पैट्रिस जी. गाइनेट (संस्करण)। क्लिनिकल न्यूरोलॉजी की हैंडबुक, खंड 189, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड, एल्सेवियर; 2022. पी.309-329.

58. विश्वनाथन एलजी, सिन्हा एस. बुजुर्गों में मिर्गी-नैदानिक और चिकित्सीय चुनौतियाँ। इन: पीएन सिलाजा (सं.). न्यूरोलॉजी में आईएएन समीक्षाएं 2022.पी.92-99.

59. वी लंका, ए अरबिंद, एस खोखर, सी नागराज, एस मैंगलोर, आरडी भरत। मनोभ्रंश और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार। इन: सी अमरनाथ (सं.). डिमेंशिया के उपचार के लिए नैनोमेडिसिन-आधारित दृष्टिकोण, एल्सेवियर; 2023. पी.1-36.

## मोनोग्राफ/मैनुअल/रिपोर्ट

1. जयसूर्या टीएस. इंटरनेट गेमिंग विकार में संक्षिप्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप-एक उपचार मैनुअल। निम्हान्स प्रकाशन; 2023.

2. जयकुमार सी, एसोसिएट प्रोफेसर (i) यूनिसेफ परियोजना, 2022 के तहत कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षकों की समग्र भलाई (ii) एनडीएमए, 2023 के तहत प्रकाशित मॉड्यूल (ए) मॉड्यूल 1: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण मॉड्यूल मनोसामाजिक प्राथमिक चिकित्सा (बी) मॉड्यूल 2: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण आपदा में मॉड्यूल मनोसामाजिक देखभाल (सी) मॉड्यूल 3: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण मॉड्यूल मनोसामाजिक तैयारी (डी) मॉड्यूल 4: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण मॉड्यूल आपदा मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं (ई) मॉड्यूल 5: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण मॉड्यूल राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का कार्यान्वयन ।

3. किशोर एम.टी. किशोरावस्था के दौरान विकास और किशोरावस्था में मुद्दे और समस्याएं। इन: किशोर एमटी (एड.). किशोरावस्था के मुद्दों को समझना और प्रबंधित करना (पहला संस्करण)। नवोदय विद्या संगठन, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त।

4. मीना केएस, कपानी एआरएम, कृष्णमूर्ति एल, चतुर्वेदी एसके, बैद एच. मानसिक स्वास्थ्य संकट और इसका प्रबंधन, निम्हान्स, 2022.

5. प्रचेथ आर. की प्रभावशीलता पर हस्तक्षेप मैनुअल लोगों के बीच कोविड-19 वैक्सीन संबंधी झिझक को दूर करने के लिए हस्तक्षेप गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएँ: एक बहु-केंद्रित यादृच्छिक भारत से नियंत्रित परीक्षण, अंग्रेजी, हिंदी में प्रकाशित, कन्नड़ और मराठी भाषाएँ।

6. रेड्डी अन्नापल्ली एस, जगन्नाथन ए, किशोर एमटी, डालीबोइना एम, कुमार सीएन। मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले छात्रों के लिए समर्थित शिक्षा कार्यक्रम: मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों और अकादमिक परामर्शदाताओं के लिए एक मैनुअल, निम्हान्स, बेंगलुरु, 2022.

7. साईलक्ष्मी गांधी, पॉलोमी एम सुधीर, मंजुला एम, रविकांत पी, माया साहू (i) मानसिक स्वास्थ्य स्व-देखभाल, (ए) नर्सों के लिए चरण-दर-चरण प्रशिक्षण पैकेज। भाग ए: फैसिलिटेटर गाइड, भाग बी: प्रशिक्षु मैनुअल (बी) डब्ल्यूएचओ-भारत सरकार सहयोगात्मक गतिविधियों, 2022 के हिस्से के रूप में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए एक चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका।

8. साईलक्ष्मी गांधी. (i) (ए) समूह की गतिशीलता और टीम दृष्टिकोण (बी) आपात स्थिति से निपटने के दौरान विचार करने योग्य मानवीय पहलू। नर्सों के राष्ट्रीय जीवन आपातकालीन सहायता के लिए फैसिलिटेटर मैनुअल। MoH&FW, भारत सरकार; 2022.

# समाचार पत्र/स्मारिका एवं सामान्य जनता के लिए लेखन

1. अग्रवाल ए, चंद्रा पीएस। लेख समीक्षा: एक अंतरराष्ट्रीय नमूने में जीवन भर मासिक धर्म से पहले के लक्षण: एक मोबाइल एप्लिकेशन से डेटा, IAWMH–न्यूज़लेटर, फरवरी 2023.

2. अजीत बी दहले, पोषण और मानसिक कल्याण, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

3. अरविंद राज ई. मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए स्वस्थ कार्यस्थल, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

4. भुवनेश्वरी एल, एम फिल स्कॉलर, सुश्री फातिमा शिबिन सी, एम फिल स्कॉलर, श्री पल्लेरला श्रीकांत, पीएचडी स्कॉलर, डॉ. बीपी. निर्मला. गुइलेन बर्रे सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्तियों में संकट का निर्धारण करने वाले कारक – एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर दृष्टिकोण। मनोरोग विभाग सामाजिक कार्य समाचार पत्र, जून 2022.

5. ईशा शर्मा, बच्चों में खुशहाली को कैसे बढ़ावा दें? लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

6. गौतम मेलूर सुकुमार (i) वॉच योर हेड, 2–व्हीलर राइडर्स, बैंगलोर मिरर, 7 मार्च 2023 (ii) निम्हान्स ने काम के तनाव को मापने के लिए भारत में पहला उपकरण विकसित किया, डेक्कन हेराल्ड, 16 जनवरी 2023 (iii) आपके तनाव को मापने के लिए उपकरण काम का तनाव निम्हान्स द्वारा विकसित, साइकोलॉग्स पत्रिका, 17 जनवरी 2023 (iv) निम्हांस ने काम के तनाव को मापने के लिए अपनी तरह का पहला उपकरण विकसित किया, द टाइम्स ऑफ इंडिया, 18 जनवरी 2023 (v) निम्हांस ने काम से संबंधित तनाव की पहचान करने के लिए उपकरण विकसित किया : यहां वह सब कुछ है जो आपको जानना आवश्यक है, द न्यूज मिनट, 20 जनवरी 2023 (vi) बेंगलुरु में गैर–आईएसआई हेलमेट पहनना? जुर्माना भरने के लिए तैयार रहें, डेक्कन हेराल्ड, न्यूज़लेटर पेपर, 22 जनवरी 2023 (vii) यह टूल यह आकलन करने में मदद करता है कि क्या आपका कार्यस्थल आपको तनावग्रस्त कर रहा है: हम क्या जानते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स, 24 जनवरी 2023 (viii) निम्हान्स कार्यस्थल तनाव परीक्षण विकसित किया: आपको इसे अपने हृदय स्वास्थ्य पर क्यों ले जाना चाहिए, इंडियन एक्सप्रेस, 31 जनवरी 2023.

7. हिमा पेंढारकर. मस्तिष्क तथा रीड की धमाणियाँ तथा नासों से संबंधित विकृतियाँ तथा उनका उपचार। एंडोवास्कुलर डिसऑर्डर और न्यूरोइंटरवेंशनल मैनेजमेंट के बारे में आम जनता को जागरूक करने के लिए एक लेख, मन–दर्पण (हिंदी पत्रिका), निम्हान्स प्रकाशन; 2022.

8. जॉन पी जॉन, विशालाक्षी एस. नींद और मानसिक कल्याण, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

9. कृष्णाजा, गौतम, हेमंत भार्गव, किशोर कुमार आर. मानसिक कल्याण को बढ़ाने में योग और आयुर्वेद की भूमिका, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

10. मरीना थम्पी, पॉलोमी एम सुधीर। मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में शारीरिक गतिविधि की भूमिका, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

11. सोनिया बी. AXONE में प्रकाशित एक लेख का आलोचनात्मक विश्लेषण। सोसायटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर (एसएनसीसी) का त्रैमासिक समाचार पत्र, जुलाई 2022.

12. शांतला हेगड़े, सुश्री टोपोटी बरुआ, संगीत और स्वास्थ्य, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

13. श्रीकला भरत. महिला एवं कल्याण, लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

14. वरम्बली एस, गोकुल आर, जगन्नाथन ए, भार्गव एच, देव पीएम. (i) समत्वम (ए) मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण के रूप में योग, अक्टूबर 2022 (बी) एक चिकित्सा के उभरते प्रतिमान, जनवरी 2023.

15. वरम्बली एस, कारंत वी, जगन्नाथन ए, भार्गव एच, देव पीएम. (i) समत्वम् (ए) आधुनिक युग में पारंपरिक जीवन शैली, अप्रैल 2022 (बी) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, जुलाई 2022.

16. विजयकुमार हरबिशेट्टर. बुजुर्गों के स्वास्थ्य में सुधार कैसे करें? लाउडस्पीकर पत्रिका, 2022.

# पुस्तक प्रकाशन

1. साई लक्ष्मी गाँधी. मानसिक स्वास्थ्य और मनोरोग नर्सिंग की पाठ्यपुस्तक–सिद्धांत और अभ्यास। एल्सेवियर रिसर्च इंडिया प्रा. लिमिटेड हरियाणा, 2022.

2. विजयलक्ष्मी पी, शमाला ए, जोथिमनी जी, पद्मावती एन, कथ्यायनी बी.वी. नर्सिंग एथिक्स मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, निम्हांस प्रकाशन, 2022.

# सांविधिक निकाय

## संस्थान निकाय

1. **माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** — अध्यक्ष
   भारत सरकार
   नई दिल्ली

2. **माननीय चिकित्सा शिक्षा मंत्री** — उपाध्यक्ष
   कर्नाटक सरकार
   बेंगलूरू

3. **सचिव, भारत सरकार** — सदस्य
   स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
   नई दिल्ली

4. **सचिव, भारत सरकार** — सदस्य
   व्यय विभाग
   वित्त मत्रांलय
   नई दिल्ली

5. **सचिव, भारत सरकार** — सदस्य
   उच्च शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   नई दिल्ली

6. **महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा** — सदस्य
   भारत सरकार
   नई दिल्ली

7. **कुलपति** — सदस्य
   राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
   बेंगलूरू

8. **मुख्य सचिव** — सदस्य
   कर्नाटक सरकार
   बेंगलूरू

9. **प्रो. गीता बाली** — सदस्य
   आशुतोष मुखर्जी फेलो और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी
   मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
   भोपाल

10. **डॉ विजयलक्ष्मी रवींद्रनाथ** — सदस्य
    प्रोफेसर, सेंटर फॉर न्यूरोसाइंस
    भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
    बेंगलूरू

11. **डॉ. सुधीर के खंडेलवाल** — सदस्य
    सेवानिवृत्त प्रोफेसर
    अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
    नई दिल्ली

12. **प्रोफेसर. के राजन्ना** — सदस्य
    मानद प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
    भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
    बेंगलूरू

13. **डॉ. डी नागराज** — सदस्य
    पूर्व निदेशक और सीनियर प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी
    निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **न्यायमूर्ति श्री एन. कुमार** — सदस्य
    पूर्व न्यायाधीश, माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय
    बेंगलूरू

15. **डॉ. सी रामसुब्रमणियन** — सदस्य
    संस्थापक
    एमएस चेल्लामुथु ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउंडेशन
    मदुरै

16. **डॉ. जी गुरुराजी** — सदस्य
    पूर्व निदेशक और सेवानिवृत्त सीनियर प्रोफेसर
    ऑफ एपिडेमियोलॉजी
    निम्हान्स, बेंगलूरू

17. **डॉ भबानी शंकर दास** — सदस्य
    पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोसर्जरी
    निम्हान्स, बेंगलूरू

18. **डॉ राजेश कटोच** — सदस्य
    विशेष सचिव
    आयुष
    पूर्व कुलपति
    गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

19. **डॉ. संतोष कुमार चतुर्वेदी** — सदस्य
    पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
    डीन (व्यवहार विज्ञान)
    निम्हान्स, बेंगलूरू

20. **डॉ. प्रतिमा मूर्ति** — सदस्य
    निदेशक
    निम्हान्स, बेंगलूरू

## शासी निकाय

1. **माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** — अध्यक्ष
   भारत सरकार और अध्यक्ष, निम्हान्स, बेंगलूरु

2. **सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** — सदस्य
   भारत सरकार, नई दिल्ली

3. **महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा** — सदस्य
   भारत सरकार, नई दिल्ली

4. **अपर सचिव एवं प्रबंध निदेशक** — सदस्य
   स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
   भारत सरकार, नई दिल्ली

5. **मुख्य सचिव** — सदस्य
   कर्नाटक सरकार, बेंगलूरु

6. **डॉ जी गुरुराज** — सदस्य
   पूर्व निदेशक और सेवानिवृत्त सीनियर
   प्रोफेसर ऑफ एपिडेमियोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरु

7. **श्री. पी सी मोहन** — सदस्य
   संसद के सदस्य (लोकसभा)
   भारत सरकार, नई दिल्ली

8. **डॉ. डी नागराज** — सदस्य
   पूर्व निदेशक और सीनियर प्रोफेसर , न्यूरोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरु

9. **डॉ राजेश कटोच** — सदस्य
   विशेष सचिव
   आयुष
   पूर्व कुलपति
   गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

10. **प्रोफेसर. के राजन्ना** — सदस्य
    मानद प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन और अनुप्रयुक्त भौतिकी
    विभाग
    भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
    बेंगलूरु

11. **डॉ. बलराम भार्गव** — सदस्य
    महानिदेशक
    भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)
    नई दिल्ली

12. **अपर सचिव (स्वास्थ्य)** — स्थायी आमंत्रित
    स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
    भारत सरकार

13. **संयुक्त सचिव (मानसिक स्वास्थ्य)** — स्थायी आमंत्रित
    स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
    भारत सरकार

14. **डॉ. शेखर पी शेषाद्रि** — सदस्य
    वरीष्ठ प्रोफेसर और प्रमुख
    बाल एवं किशोर मनोरोग और
    डीन– व्यावहारिक विज्ञान
    निम्हान्स, बेंगलूरू

15. **डॉ. रीटा क्रिस्टोफर** — सदस्य
    वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोकैमिस्ट्री और
    डीन– मौलिक विज्ञान
    निम्हान्स, बेंगलूरू

16. **डॉ. बी इंदिरा देवी** — सदस्य
    वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी और
    डीन (तंत्रिका विज्ञान)
    निम्हान्स, बेंगलूरू

17. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** — सदस्य सचिव
    निदेशक
    निम्हान्स, बेंगलूरू

## स्थायी वित्त समिति

1. **सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** — अध्यक्ष
   भारत सरकार,नई दिल्ली

2. **अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार** — सदस्य
   स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
   भारत सरकार, नई दिल्ली

3. **महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा** — सदस्य
   भारत सरकार, नई दिल्ली

4. **कुलपति** — सदस्य
   राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
   बेंगलूरु

5. **डॉ. सुधीर के खंडेलवाल** — सदस्य
   सेवानिवृत्त प्रोफेसर
   अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
   नई दिल्ली

6. **डॉ. डी नागराज** सदस्य
पूर्व निदेशक और वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **डॉ. जी गुरुराज** सदस्य
पूर्व निदेशक और सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रोफेसर
महामारी विज्ञान
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **अपर सचिव (स्वास्थ्य)** स्थायी आमंत्रित
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

9. **संयुक्त सचिव (मानसिक स्वास्थ्य)** स्थायी आमंत्रित
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

10. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** सदस्य सचिव
निदेशक
निम्हान्स, बेंगलूरू

## शैक्षणिक समिति

1. **डॉ. विजयलक्ष्मी रवींद्रनाथ** अध्यक्ष
प्रोफेसर, सेंटर फॉर न्यूरोसाइंस
पुराना टीआईएफआर भवन
भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
बेंगलूरू

2. **डॉ. भबानी शंकर दास** सदस्य
पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोसर्जरी
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **कुलपति** सदस्य
राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
बेंगलूरु

4. **डॉ. राजेश कटोच** सदस्य
विशेष सचिव
आयुष
पूर्व कुलपति
गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

5. **डॉ. जी गुरुराज** सदस्य
पूर्व निदेशक और सेवानिवृत्त सीनियर
प्रोफेसर ऑफ एपिडेमियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरु

6. **डॉ. संतोष कुमार चतुर्वेदी** सदस्य
पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** सदस्य सचिव
निर्देशक
निम्हान्स, बेंगलूरू

## योजना और निगरानी समिति

1. **डॉ. सुधीर के खंडेलवाल** अध्यक्ष
सेवानिवृत्त प्रोफेसर
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली

2. **संस्थान के लिए चुने गए तीन माननीय संसद सदस्यों में** सदस्य
से एक निकाय सदस्य

3. **डॉ. राजेश कटोच** सदस्य
विशेष सचिव
आयुष
पूर्व कुलपति
गुजरात आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय

4. **कुलपति** सदस्य
राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
बेंगलूरु

5. **डॉ. निमेश जी देसाई** सदस्य
निदेशक
मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली

6. **अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव** सदस्य
स्वास्थ्य विभाग, कर्नाटक सरकार

7. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** सदस्य सचिव
निदेशक
निम्हान्स, बेंगलूरू

## स्थायी संपदा समिति

1. **प्रोफेसर. के राजन्ना** — अध्यक्ष
   मानद प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
   भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
   बेंगलूरू
2. **संस्थान निकाय के लिए चुने गए तीन** — सदस्य
   माननीय संसद सदस्यों में से एक सदस्य
3. **डॉ. डी नागराज** — सदस्य
   पूर्व निदेशक और वरीष्ठ प्रोफेसर,
   न्यूरोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
4. **डॉ. टी.जी. सीताराम** — सदस्य
   KSIIDC चेयर और सीनियर प्रोफेसर
   सिविल इंजीनियरिंग विभाग
   भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
   बेंगलूरू
5. **अधीक्षक अभियंता** — सदस्य
   सीपीडब्ल्यूडी, केंद्रीय सदन
   बेंगलूरू
6. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** — सदस्य सचिव
   निदेशक
   निम्हान्स, बेंगलूरू

## शिकायत निवारण समिति

1. **न्यायमूर्ति श्री एन. कुमार** — अध्यक्ष
   पूर्व न्यायाधीश, माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय
   बेंगलूरू
2. **प्रोफेसर. के राजन्ना** — सदस्य
   मानद प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
   भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
   बेंगलूरू
3. **प्रोफेसर. गीता बालि** — सदस्य
   मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी
   मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
   भोपाल
4. **डॉ. सुवर्णा अल्लादि**
   प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी औरअध्यक्ष
   आंतरिक शिकायत समिति
   निम्हान्स, बेंगलूरू
5. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** — सदस्य सचिव
   निदेशक
   निम्हान्स, बेंगलूरू

## अस्पताल प्रबंधन समिति

1. **डॉ. भबानी शंकर दास** — अध्यक्ष
   पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोसर्जरी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
2. **डॉ. सी एन मंजूनाथ** — सदस्य
   निदेशक और प्रोफेसर, कार्डियोलॉजी
   श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च
   बेंगलूरू
3. **प्रमुख, न्यूरोलॉजी विभाग** — सदस्य
   निम्हान्स, बेंगलूरू
4. **संस्थान निकाय के लिए चुने गए तीन माननीय** — सदस्य
   संसद सदस्यों में से एक सदस्य
5. **डॉ. सुधीर के खंडेलवाल** — सदस्य
   सेवानिवृत्त प्रोफेसर
   अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
   नई दिल्ली
6. **डॉ. संतोष कुमार चतुर्वेदी** — सदस्य
   वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा
   और डीन (व्यवहार विज्ञान)
   निम्हान्स, बेंगलूरू
7. **डॉ. प्रतिमा मूर्ती** — सदस्य सचिव
   निदेशक
   निम्हान्स, बेंगलूरू

## अध्ययन बोर्ड

### मौलिक विज्ञान

1. **डॉ. बिंदु एम कुट्टी** — अध्यक्ष
   वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और
   डीन (मौलिक विज्ञान)
   निम्हान्स, बेंगलूरू
2. **डॉ. श्रीपाद पाटिल** — सह–अध्यक्ष
   प्रोफेसर,न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी और
   सह डीन (मौलिक विज्ञान)
   निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **प्रोफेसर. आरएस जयश्री** — सदस्य
पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख
सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी
बेंगलूरू

4. **प्रोफेसर. गणेश नागराजु** — सदस्य
प्रोफ़ेसर, जैव रसायन विभाग
भारतीय विज्ञान संस्थान
बेंगलूरू

5. **प्रमुख** — सदस्य
जैवभौतिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

6. **प्रमुख** — सदस्य
जैव सांख्यिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **प्रमुख** — सदस्य
मानव आनुवंशिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोकैमिस्ट्री विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोवायरोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख** — सदस्य
मौलिक तंत्रिका विज्ञान विभाग (वर्चुअल विभाग)
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **प्रमुख** — सदस्य
क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और
न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

.14 **डॉ बी बीनुकुमार** — आधिकारिक सारणीकार (30.4.2022 तक)
अवर प्रोफेसर, जैव सांख्यिकी
और आधिकारिक टेबुलेटर
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. मरियम्मा फिलिप** — आधिकारिक सारणीकार 1.5.2022) से)
अवर प्रोफेसर जैव सांख्यिकी और
आधिकारिक टेबुलेटर
निम्हान्स, बेंगलूरू

**व्यवहार विज्ञान**

1. **डॉ. संजीव जैन** — अध्यक्ष (31.8.2022 तक)
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरु

**डॉ. प्रभा एस चंद्र** — अध्यक्ष (1.9.2022 से)
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा
और सह डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

2. **डॉमाउ.चए** — सह–अध्यक्ष (1.9.2022 से)
वरीष्ठ प्रोफेसर, नैदानिक मनो विज्ञान और
सह डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **डॉ अहल्या रघुराम** — सदस्य (1.6.2022 तक)
नैदानिक मनोविज्ञान के पूर्व प्रोफेसर
351, कार्नेशन, टावर–3, एम्बेसी प्रिस्टिन
छठा मुख्य, इब्लूर
बेंगलूरू

**डॉ. कल्पना सारथी** — सदस्य (1.8.2022 से)
सामाजिक कार्य के प्रोफेसर एवं उप निदेशक,
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, गुवाहाटी
असम – 781 013

4. **डॉ. सुनीता साइमन कुरपद** — सदस्य
प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा
सेंट जॉन्स नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज
बेंगलूरू

5. **डॉ. अहल्या शर्मा** — सदस्य (28.3.2023 तक)
प्राचार्य, सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेजे
बेंगलूरु

6. **डॉ. राघवेंद्र भट** — सदस्य (28.3.2023 तक)
सह प्रोफेसर, योग और जीवन विज्ञान विभाग
एस–व्यासा विश्वविद्यालय, बेंगलूरु

7. **प्रमुख** — सदस्य
मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** — सदस्य
वृद्धावस्था मनोरोग इकाई
मनोचिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** — सदस्य
मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** — सदस्य
नैदानिक मनोविज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** — सदस्य
मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख** — सदस्य
बाल और किशोर मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **प्रमुख** — सदस्य
नर्सिंग विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **प्रमुख** — सदस्य
मनश्चिकित्सीय पुनर्वास सेवा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

15. **प्रमुख** — सदस्य
समग्र चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

16. **प्रमुख** — सदस्य
पीएसएसडीएम विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

17. **डॉ. प्रतिभा स्वामी** — सदस्य
सह प्रोफेसर
नर्सिंग कॉलेज
निम्हान्स, बेंगलूरू

18. **डॉ बीनुकुमार बी** — सदस्य (30.4.2022 तक)
अवर प्रोफेसर, जीवसांख्याकी और आधिकारिक टेबुलेटर
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. मरियम्मा फिलिप** — सदस्य (1.5.2022 से)
अवर प्रोफेसर, जीवसांख्याकी और आधिकारिक टेबुलेटर
निम्हान्स, बेंगलूरु

## तंत्रिका विज्ञान

1. **डॉ. बी इंदिरा देवी** — अध्यक्ष (31.10.2022 तक)
पूर्व वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी और डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. वाणी संतोष** — अध्यक्ष (1.11.2022 से 31.12.2022 तक)
पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. यशा टी.सी** — अध्यक्ष (1.01.2023 से)
प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

2. **डॉ. भद्रीनारयण** — सह –अध्यक्ष (1.01.2023 से)
प्रोफेसर, न्यूरोएनेस्थेसिया और क्रिटिकल केयर सह डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **डॉ. जीआरके सरमा** — सदस्य (1.6.2022 तक)
प्रोफेसर,न्यूरोलॉजी
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल
बेंगलूरू

4. **डॉ. एस के गुप्ता** — सदस्य (1.6.2022 से)
प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी
पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़– 160012

5. **प्रो. वाई आर यादव** — सदस्य
निदेशक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और प्रमुख , न्यूरोसर्जरी
एनएससीबी (सरकारी) मेडिकल कॉलेज जबलपुर
मध्य प्रदेश

6. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोसर्जरी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोपैथोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख** — सदस्य
स्पीच पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **प्रमुख** — सदस्य
नैदानिक तंत्रिका विज्ञान विभाग (वर्चुअल विभाग)
निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **प्रमुख** — सदस्य
महामारी विज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

15. **प्रमुख** — सदस्य
आधान औषधि विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

16. **डॉ. बीनुकुमार बी** — आधिकारिक टेबुलेटर (30.4.2022 तक)
अवर प्रोफेसर, बायोस्टैटिस्टिक्स
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. मरियम्मा फिलिप** — आधिकारिक टेबुलेटर (1.5.2022 से)
अवर प्रोफेसर, जीवसांख्याकी
निम्हान्स, बेंगलूरु

## पीएचडी समितियां

### मौलिक विज्ञान

1. **डॉ. बिंदु एम कुट्टी** — अध्यक्ष
प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और
डीन (मौलिक विज्ञान) निम्हान्स, बेंगलूरू

2. **डॉ. श्रीपाद पाटिल** — सह–अध्यक्ष
प्रोफेसर,न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी और
सह डीन (मौलिक साइंसेज)

3. **डॉ. शिवप्रकाश एम रुद्रमूर्ति** — सदस्य
प्रोफेसर, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी
पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल
एजुकेशन एंड रिसर्च
चंडीगढ़

4. **डॉ. पी.एन. रंगराजन** — सदस्य
प्रोफेसर, जैव रसायन
भारतीय विज्ञान संस्थान
बेंगलूरू

5. **प्रमुख** — सदस्य
जैवभौतिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

6. **प्रमुख** — सदस्य
जैव सांख्यिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **प्रमुख** — सदस्य
क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और
न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** — सदस्य
मानव आनुवंशिकी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोकैमिस्ट्री विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोफिज़ियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख** — सदस्य
न्यूरोवायरोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **प्रमुख** — सदस्य
मौलिक तंत्रिका विज्ञान विभाग (वर्चुअल विभाग)
निम्हान्स, बेंगलूरू

### व्यवहार विज्ञान

1. **डॉ. संजीव जैन** — अध्यक्ष (31.8.2022 तक)
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
(डीन) व्यवहार विज्ञान
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. प्रभा एस चंद्र** — सह–अध्यक्ष 1.9.2022 से)
वरिष्ठ प्रोफेसर,मनश्चिकित्सा
और सह डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

2. **डॉ. प्रशांत एन.आर** — सदस्य
प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा
बैंगलोर मेडिकल कॉलेज
विक्टोरिया अस्पताल
बेंगलूरू

3. **डॉ. के अनुराधा** — सदस्य
प्रोफेसर, सामाजिक कार्य विभाग
श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालय (एसपीएमवीवी)
तिरुपति, आंध्र प्रदेश

4. **प्रमुख** — सदस्य
बाल और किशोर मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

5. **प्रमुख** — सदस्य
नैदानिक मनोविज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

6. **प्रमुख** — सदस्य
समग्र चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **प्रमुख** सदस्य
मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** सदस्य
मनश्चिकित्सीय पुनर्वास सेवा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** सदस्य
नर्सिंग विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** सदस्य
मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** सदस्य
मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख, पीएसएसडीएम** सदस्य
निम्हान्स, बेंगलूरू

## तंत्रिका विज्ञान

1. **डॉ. बी इंदिरा देवी** अध्यक्ष
वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी –और (31.10.2022
डीन (तंत्रिका विज्ञान) तक)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ .वाणी संतोषी** सह–अध्यक्ष
वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और प्रभारी प्रमुख (1.11.2022 से
आधान चिकित्सा और रुधिरविज्ञान और 31.12.2022
सह डीन (तंत्रिका विज्ञान ) तक)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. यशा टी.सी** अध्यक्ष
प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी (1.1.2023 से)
डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

2. **डॉ. भद्रीनारयण** सह –अध्यक्ष
प्रोफेसर, न्यूरोएनेस्थेसिया और क्रिटिकल केयर
सह डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **डॉ. रंजीत के मूर्ति** सदस्य
प्रोफेसर और प्रमुख (30.12.2022
न्यूरोसर्जरी विभाग तक)
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज
वेल्लोर, तमिलनाडु

**डॉ. मंजरी त्रिपाटी** सदस्य
सीनियर प्रोफेसर (31.12.2022
न्यूरोलॉजी विभाग से)
एम्स, नई दिल्ली सदस्य

4. **डॉ. गोपालकृष्णन एमएस** सदस्य
प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी
जिपमर, पांडिचेरी

5. **प्रमुख** सदस्य
नैदानिक तंत्रिका विज्ञान विभाग (वर्चुअल विभाग)
निम्हान्स, बेंगलूरू

6. **प्रमुख** सदस्य
महामारी विज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

7. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरो क्रिटिकल केयर विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

8. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरो इमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरोपैथोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **प्रमुख** सदस्य
न्यूरोसर्जरी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **प्रमुख** सदस्य
आधान चिकित्सा और रुधिर विज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **प्रमुख** सदस्य
स्पीच पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

## पुनर्वास समिति

1. **डॉ. सी रामसुब्रमणियन** — अध्यक्ष
संस्थापक
एमएस चेल्लामुथु ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउंडेशन
मदुरै, तमिलनाडु

2. **डॉ. संतोष कुमार चतुर्वेदी** — सदस्य
सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोरोग
और पूर्व डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **डॉ. आर धनशेखर पांडियन** — सदस्य
प्रोफेसर और प्रमुख, मनोरोग सामाजिक कार्य
निम्हान्स, बेंगलूरू

4. **डॉ. अनुपम गुप्ता** — सदस्य
प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन
निम्हान्स, बेंगलूरू

5. **डॉ. जी. गुरुराज** — सदस्य
पूर्व निदेशक और सेवानिवृत्त
सीनियर प्रोफेसर ऑफ एपिडेमियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

6. **डॉ. प्रतिमा मूर्ति** — सदस्य सचिव
निदेशक
निम्हान्स, बेंगलूरू

## ह्यूमन एतिक्स कमिटी

### बेसिक और न्यूरोसाइंसेज डिवीजन

1. **डॉ. करुणा रमेशकुमार** — अध्यक्ष
अनुसंधान और आचार समिति अध्यक्ष
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल
जॉन नगर,सरजापुर रोड, बेंगलूरू

2. **डॉ. एच एल विश्वनाथ** — सदस्य (18.5.2022 तक)
(मूल चिकित्सा वैज्ञानिक)
प्रोफेसर और प्रमुख, जैव रसायन विभाग
बैंगलोर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट
बेंगलूरू

**डॉ. रूपकला एम एस** — सदस्य (19.5.2022 से)
(मूल चिकित्सा वैज्ञानिक)
प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान
एमएस रमैया मेडिकल कॉलेज बेंगलुरु

3. **श्री. नारायण रेड्डी एम (अधिवक्ता)** — सदस्य
नंबर 49, पहली मंजिल, आठवीं मुख्य
11वां क्रॉस, विल्सन गार्डन
बेंगलूरू

4. **सुश्री. शोभा एचजी (सामाजिक वैज्ञानिक)** — सदस्य
संपादक,श्री जागृति
नंबर 7, चौथा मुख्य, तीसरा क्रॉस,
एमवी सीतारामैया रोड
गविपुरम एक्सटेंशन, बेंगलूरू

**डॉ.अनिता कुरूप (सामाजिक वैज्ञानिक)** — सदस्य (13.5.2022 से)
प्रोफेसर, फिजियॉलोजी और पूर्व प्रमुख
राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान (एनआइएएस)
आईआईएससी परिसर, बेंगलुरु

5. **डॉ. कविता राजरत्ना** — सदस्य
(फार्माकोलॉजिस्ट)
प्रोफेसर, फर्माकोलोजी
बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान
बेंगलूरू

6. **श्रीमती. सौराभा महेश** — सदस्य
(ले पर्सन)
स्वयंसेवक, ईशा फाउंडेशन
नंबर 2207, 10वीं मुख्य, III ब्लॉक
जयनगर, बेंगलूरू

7. **रेव फादर निल्सन डेविस** — सदस्य
प्रधानाचार्य
क्राइस्ट आईसीएसई स्कूल
होसुर रोड, बेंगलुरु

8. **डॉ. लक्ष्मी वी पंडित** — सदस्य (29.11.2022 तक)
(मनोचिकित्सक)
प्रोफेसर और प्रमुख, मनश्चिकित्सा विभाग
केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान
बेंगलूरू

**डॉ. जीआरके शर्मा** — सदस्य (30.11.2022 से)
(न्यूरोलॉजीस्ट)
न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल
बेंगलूरू

9. **डॉ. वाणी संतोष** — सदस्य (31.11.2022 तक)
वरीष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और
डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. यशा टी.सी** — सदस्य (1.01.2023 से)
प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी
डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **डॉ. चंद्रजीत प्रसाद** — सदस्य
प्रोफेसर,न्यूरो इमेजिंग और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **डॉ. मरियम्मा फिलिप** — सदस्य
अवर प्रोफेसर, बायोस्टैटिस्टिक्स
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **डॉ. नंद कुमार डीएन** — सदस्य
प्रोफेसर, न्यूरोकैमिस्ट्री
संस्थान बायोरिपोजिटरी समिति के प्रतिनिधि
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **डॉ. बी इंदिरा देवी** — सदस्य (31.12.2022 तक)
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी और
डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. भद्रीनारयण** — सदस्य (1.01.2023 से)
प्रोफेसर, न्यूरोएनेस्थेसिया और क्रिटिकल केयर
सह डीन (तंत्रिका विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **डॉ. बिंदु एम कुट्टी** — सदस्य-सचिव
प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और
डीन (मौलिक विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

### व्यवहार विज्ञान प्रभाग

1. **डॉ. एम वी अशोक** — अध्यक्ष
प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा विभाग
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज और अस्पताल
बेंगलूरू

2. **डॉ. टी.वी. वेंकटाद्री** — सदस्य (31.7.2022 तक)
(फार्माकोलॉजिस्ट)
पूर्व प्राचार्य, एमवीजे मेडिकल कॉलेज औरअस्पताल
बेंगलूरू

**डॉ. डेनिस जेवियर** (फार्माकोलॉजिस्ट) — सदस्य (1.8.2022 से)
प्रोफेसर और प्रमुख
फार्माकोलॉजि विभाग
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज
बेंगलुरु

3. **डॉ. गलगली आरबी** — सदस्य (31.7.2022 तक)
(मनोचिकित्सक)
पूर्व प्रोफेसर, मनोचिकित्सा
सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज
बेंगलूरू

**डॉ. विरुपाक्ष (मनोचिकित्सक)** — सदस्य (1.8.2022 से)
मनोरोग विभाग
एमएस रमैया मेडिकल कॉलेज
बेंगलुरु

4. **श्री. रमेश पीएम, (पत्रकार/लेपर्सन)** — सदस्य
उप मुख्य रिपोर्टर
विजयवाणी कन्नड़ दैनिक
बेंगलूरू

5. **श्री. विक्रम फड़के** — सदस्य
(कानून विशेषज्ञ)
502/40, कौशल्या, तीसरा ब्लॉक
राजाजीनगर
बेंगलूरू

6. **सुश्री. सिनू जोसेफ, (सामाजिक वैज्ञानिक), मैनेजिंग ट्रस्टी,** — सदस्य (19.8.2022 को इस्तीफा)
मैथरी स्पीक्स ट्रस्ट, नंबर बी3-405, सह्याद्री ब्लॉक
बीडीए ज्ञानभारती अपार्टमेंटस
वलगेराहल्ली, बेंगलूरू

**डॉ. आभा राव (सामाजिक वैज्ञानिक)** — सदस्य (20.8.2022 से)
अनुसंधान वैज्ञानिक एवं सहायक प्रोफेसर
रामलिंगास्वामी स्वास्थ्य समानता और सामाजिक निर्धारक केंद्र,
पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
बेंगलूरू

7. **डॉ. नीरजा सुंदरम (ले पर्सन)** — सदस्य (26.10.2022 से)
सहायक प्रोफेसर (अंग्रेजी साहित्य)
स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज,
अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी,
बेंगलूरू

8. **डॉ. रश्मी वेंकटेशन (कानूनी विशेषज्ञ)** — सदस्य (26.10.2022 से)
सहायक प्रोफेसर
नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी
बेंगलूरू

9. **डॉ. गीता देसाई** — सदस्य (31.7.2022 तक)
प्रोफ़ेसर,मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. श्याम सुन्दर** — सदस्य (1.8.2022 से)
प्रोफ़ेसर
मनोचिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

10. **डॉ. के.एस. मीना** — सदस्य (31.7.2022 तक)
अतिरिक्त प्रोफेसर और प्रमुख
मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

11. **डॉ. एन जनार्दन** — सदस्य (31.7.2022 तक)
अवर प्रोफेसर
मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. ई. अरविंद राज** — सदस्य (1.8.2022 से)
अवर प्रोफेसर
मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

12. **डॉ. एम मंजुला** — सदस्य (1.8.2022 से)
प्रोफ़ेसर,नैदानिक मनोविज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

13. **डॉ. पॉलोमी एम. सुधीर** — सदस्य (1.8.2022 से)
प्रोफ़ेसर
नैदानिक मनोविज्ञान विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

14. **डॉ. बीजू विश्वनाथ** — सदस्य
अवर प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा विभाग
निम्हान्स, बेंगलूरू

15. **डॉ. राजेंद्र के एम** — सदस्य (1.8.2022 से)
सहायक प्रोफेसर
बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा विभाग
(व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

16. **डॉ. संजीव जैन** — सदस्य-सचिव (31.8.2022 तक)
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. प्रभा एस चंद्र** — सदस्य (1.9.2022 से)
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा और
सह डीन (व्यवहार विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरू

## ह्यूमन एतिक्स कमिटी फार रीसर्च इन आयुष और समग्र चिकित्सा (एचईसीएआईएम)

1. **डॉ. बीआर रामकृष्ण** — अध्यक्ष
कुलपति
एस-व्यासा योग विश्वविद्यालय
बेंगलूरू

2. **डॉ. टीएन सत्यप्रभा** — सदस्य (19.12.2022 तक)
(बेसिक मेडिकल साइंटिस्ट)
प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोफिज़ियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. पी एन रवीन्द्र** — सदस्य (20.12.2022 से)
(बेसिक मेडिकल साइंटिस्ट)
प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोफिज़ियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

3. **डॉ. पीटी शिवकुमार** — सदस्य (19.12.2022 तक)
(मनोरोग विशेषज्ञ)
प्रोफेसर,मनश्चिकित्सा
निम्हान्स, बेंगलूरू

डॉ. गीता देसाई — सदस्य (20.12.2022 से)
(मनोरोग विशेषज्ञ)
मनोचिकित्सा के प्रोफेसर
निम्हान्स, बेंगलूरू

4. **डॉ. नेत्रावती एम** — सदस्य (19.12.2022 तक)
(न्यूरोलॉजी/न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञ)
प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ. नूपुर प्रुथी** — सदस्य (20.12.2022 से)
(न्यूरोलॉजी/न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञ)
प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरू

5. **प्राचार्य** — सदस्य
(चिकित्सक/आयुर्वेद विशेषज्ञ)
सरकारी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज
धन्वंतरि मार्ग
बेंगलूरू

6. **डॉ. जुडू इलावरसु** — सदस्य
(योग विशेषज्ञ)
सह प्रोफेसर, योग
एस -व्यासा विश्वविद्यालय
बेंगलूरू

7. **डॉ. गीता अनंतरमैया** — सदस्य
(फार्माकोलॉजिस्ट)
प्रोफेसर, औषध विज्ञान
बीएमसी और आरआई, बेंगलूरू

8. **डॉ. आरती जगन्नाथन** — सदस्य (19.12.2022 तक)
अवर प्रोफेसर,मनोरोग सामाजिक कार्य
निम्हान्स, बेंगलूरू

**डॉ जे केशव कुमार** — सदस्य (20.12.2022 से)
(सामाजिक वैज्ञानिक)
नैदानिक मनोविज्ञान के प्रोफेसर
निम्हान्स, बेंगलूरू

9. **श्री. शौरी एचआर** — सदस्य
(कानून विशेषज्ञ), वकील
नंबर 53/5, जय संतोषीमाथा कॉम्प्लेक्स
पहला मेन रोड, शेषाद्रिपुरम, बेंगलूरू

10. **श्री. चंद्रशेखर वाई** — सदस्य
(लेपर्सन)
नंबर-3, ए-1, वायसराय अपार्टमेंट
9वां क्रॉस, विल्सन गार्डन पार्क क्षेत्र
बेंगलूरू

11. **डॉ. शिवराम वरमबल्ली** — स्य सचिव
प्रोफेसर और प्रमुख, समग्र चिकित्सा
निम्हान्स, बेंगलूरू

## अनिमल एतिक्स कमिटी

1. **डॉ. बिंदू एम कुट्टी** — अध्यक्ष (31.8.2022 तक)
प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी एवं
डीन(मौलिक विज्ञान)
निम्हान्स, बेंगलूरु

**डॉ. बीएस शंकरनारायण राव** — अध्यक्ष (1.9.2022 से)
प्रोफेसर, न्यूरोफिजियोलॉजी एवं
प्रभारी अधिकारी सीएआरएफ
निम्हान्स, बेंगलूरु

2. **डॉ. इंद्राणी दत्ता** — सदस्य (31.8.2022 तक)
अवर प्रोफेसर, जीवभौतिक्शास्त्र
निम्हान्स, बेंगलूरु

**डॉ. बी. एन. श्रीकुमार** — सदस्य (1.9.2022 से)
अवर प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरु

3. **डॉ. मोनोजीत देबनाथ** — सदस्य (1.9.2022 से)
प्रोफेसर, मानव आनुवंशिकी
निम्हान्स, बेंगलूरु

4. **डॉ. कावेरी** — सदस्य
पशुचिकित्सा
निम्हान्स, बेंगलूरु

5. **डॉ. पिनाकी प्रसाद सेनगुप्ता** — सीपीसीएसईए मुख्य नामांकित (31.8.2022 तक)
प्रंसिपोल वैज्ञानिक एवं प्रभारी
पैरासिटोलोजी प्रयोगशाला
आईसीएआर- निवेदी, आईवीआरआई परिसर
रामगोंडानहल्ली, यलहंका
बेंगलूरु

**डॉ. जगदीश एस. सांगनल** — सीपीसीएसईए मुख्य नामांकित (1.9.2022 से)
प्रोफेसर एवं प्रमुख,
फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी विभाग
वेटरिनरी कॉलेज, हेब्बाल, बेंगलूरु

6. **डॉ. श्रीवास्तव वेंकटरमण** — सीपीसीएसईए लिंक नॉमिनी (31.8.2022 तक)
वैज्ञानिक
प्रभारी अधिकारी लघु पशु गृह
आईएएच और वीबी, हेब्बल, बेंगलूरु

**डॉ. रवीन्द्रनाथ एच. अलादकट्टी** — सीपीसीएसईए लिंक नामांकित (1.9.2022 से)
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी
केंद्रीय पशु सुविधा
भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु

7. **डॉ. शिव कुमार** — सदस्य (31.8.2022 तक)
प्रमुख तकनीकी एवं प्रयोगशालाएँ
प्रोविमी एनिमल न्यूट्रिशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
आईएस-40, केएचबी औद्योगिक क्षेत्र
यलहंका न्यू टाउन, बेंगलूरु

**डॉ. मंजूनाथ पी मुदगल** — सदस्य (1.9.2022 से)
सह - प्राध्यापक
आचार्य एवं बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी
फार्माकोलॉजी विभाग, हेसरघट्टा मुख्य सड़क
चिक्काबाणावरा पोस्ट, बेंगलूरु

8. **डॉ. एम. रामचन्द्र मोहन** — सदस्य (31.8.2022 तक)
प्राणीशास्त्र विभाग
बेंगलूरु विश्वविद्यालय ज्ञानभारती
बेंगलूरु

**श्री. डीआर प्रहलाद** — सदस्य (1.9.2022 से)
पूर्व आईएएफ अधिकारी
बन्नेरुघट्टा, बेंगलूरु

9. **डॉ. बीएस शंकरनारायण राव** — सदस्य सचिव (31.8.2022 तक)
प्रोफेसर, न्यूरोफिजियोलॉजी एवं
प्रभारी अधिकारी सीएआरएफ
निम्हान्स, बेंगलूरु

**डॉ. शारदा सुब्रमणियन** — सदस्य सचिव (1.9.2022 से)
प्रोफेसर, न्यूरोकैमिस्ट्री
निम्हान्स, बेंगलूरु

## संस्थागत बयो सेफ्टी कमिटी

1. **डॉ. एस नागरत्न** — अध्यक्ष
   प्रोफेसर और प्रमुख, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
2. **डॉ. एचबी वीणाकुमारी** — सदस्य
   प्रोफेसर, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
3. **डॉ. मथिवनन जोथि** — सदस्य
   सह प्रोफेसर, मानव आनुवंशिकी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
4. **प्रो. सविता नागराज** — बाहरी विशेषज्ञ
   पूर्व प्रोफेसर,माइक्रोबायोलॉजी
   सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज
   बेंगलूरू
5. **डॉ. सुब्बा राव गंगी सेट्टी** — बाहरी विशेषज्ञ
   भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी)
   बेंगलूरू
6. **डॉ. रीटा एस मणी** — चिकित्सा अधिकारी/ जैव सुरक्षा अधिकारी
   प्रोफेसर, न्यूरोवायरोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
7. **डॉ. बिजू विश्वनाथ** — सदस्य सचिव
   अतिरिक्त प्रोफेसर, मनोचिकित्सा
   निम्हान्स, बेंगलूरू

## आंतरिक शिकायत समिति

1. **डॉ. एल.एन. सुमन** — अध्यक्ष
   प्रोफेसर,नैदानिक मनोविज्ञान
   निम्हान्स, बेंगलूरू
2. **डॉ गीता देसाई** — सदस्य
   प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा
   निम्हान्स, बेंगलूरू
3. **डॉ. लक्ष्मी टी राव** — सदस्य
   प्रोफेसर,न्यूरोफिज़ियोलॉजी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
4. **डॉ. जनार्दन एन** — सदस्य
   प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य
   निम्हान्स, बेंगलूरू
5. **डॉ. सुधीर वी** — सदस्य
   अवर प्रोफेसर
   न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर
   निम्हान्स, बेंगलूरू
6. **डॉ. निशांत सदाशिव** — सदस्य
   सह प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी
   निम्हान्स, बेंगलूरू
7. **श्रीमती. हम्सा जे.** — सदस्य
   वकील
   नंबर 21, पहला मेन रोड, गांधीनगर
   इंडियन ओवरसीज बैंक के सामने
   बेंगलूरू
8. **श्रीमती. रेशमा टी** — सदस्य
   वकील, केंद्र सरकार परामर्शदाता
   नं. 12, प्रथम, 14वां मेन
   न्यायिक लेआउट, जीकेवीके पोस्ट
   बेंगलूरू
9. **डॉ. उत्तरा विद्यासागर** — सदस्य
   संस्थापक ट्रस्टी और निदेशक, 'विवेका'
   बेंगलूरू
10. **श्री. सी लोकेश** — सदस्य सचिव
    निजी सचिव
    रजिस्ट्रार का सचिवालय
    निम्हान्स, बेंगलूरू

## आंतरिक शिकायत निवारण समिति

1. **डॉ. ए. नलिनी** — अध्यक्ष
   न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर
   निम्हान्स, बेंगलूरू
2. **डॉ. ए. तिरुमूर्ति** — सदस्य
   प्रोफेसर मनोरोग सामाजिक कार्य
   निम्हान्स, बेंगलूरू
3. **सुश्री के.एम. भार्गवी** — सदस्य (छात्र प्रतिनिधि)
   पीएच.डी विद्वान
   मानव आनुवंशिकी विभाग
   निम्हान्स, बेंगलूरू
4. **निवासी चिकित्सा अधिकारी** — सदस्य
   निम्हान्स, बेंगलूरु
5. **चिकित्सा अधीक्षक** — सदस्य
   निम्हान्स, बेंगलूरु
6. **सचिव** — सदस्य
   संकाय संघ
   निम्हान्स, बेंगलूरु
7. **अध्यक्ष** — सदस्य
   कर्मचारी संघ
   निम्हान्स, बेंगलूरु

8. **अध्यक्ष** सदस्य
निम्हान्स एससी/एसटी कर्मचारी कल्याण संघ
निम्हान्स, बेंगलूरु

10. **श्रीमती. के. नागवेणी** सदस्य
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी
निम्हान्स, बेंगलूरु

## एंटी रैगिंग कमेटी

1. **डॉ. बिंदू एम कुट्टी** अध्यक्ष
प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और
डीन–मौलिक साइंसेज
निम्हान्स, बेंगलूरु

2. **डॉ. योगनरसिम्हा दोरेस्वामी** सदस्य
अवर प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरु

3. **डॉ. कण्मणी टी.आर** सदस्य
सह प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य
निम्हान्स, बेंगलूरु

4. **डॉ. नीतीश कांबले** सदस्य
सह प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी
निम्हान्स, बेंगलूरु

5. **डॉ. वर्षा एस** सदस्य (विद्यार्थी प्रतिनिधि)
जूनियर रेसिडेंट, मनश्चिकित्सा में एमडी
निम्हान्स, बेंगलूरु

# संकाय और कर्मचारी

## डीन:

**डॉ. बी इंदिरा देवी**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी और डीन–तंत्रिका विज्ञान
(31.10.2022 तक)

**डॉ. वाणी संतोष**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी एवं डीन–तंत्रिका विज्ञान
(01.11.2022 से 31.12.2022 तक)

**डॉ. यशा टीसी**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और डीन–तंत्रिका विज्ञान
(01.01.2023 से)

**डॉ. संजीव जैन**
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोचिकित्सा और डीन – व्यवहार विज्ञान
(31.08.2022 तक)

**डॉ. प्रभा एस चंद्रा**
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोचिकित्सा और डीन – व्यवहार विज्ञान
(01.09.2022 से)

**डॉ. बिंदू एम कुट्टी**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोफिज़ियोलॉजी और डीन – मौलिक विज्ञान
(01.01.2022 से)

## सह डीन:

**डॉ. वाणी संतोष**
वरिष्ठ प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और सह डीन – तंत्रिका विज्ञान
(31.10.2022 तक)

**डॉ. यशा टीसी**
प्रोफेसर, न्यूरोपैथोलॉजी और सह डीन–तंत्रिका विज्ञान
(01.11.2022 से 31.12.2022 तक)

**डॉ. वी.भद्रीनारायण**
प्रोफेसर, न्यूरोअनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर और
सह डीन–तंत्रिका विज्ञान (01.01.2023 से)

**डॉ. प्रभा एस चंद्रा**
वरिष्ठ प्रोफेसर, मनोचिकित्सा और सह डीन – व्यवहार विज्ञान
(31.08.2022 तक)

**डॉ. उमा एच**
वरिष्ठ प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी और सह डीन – व्यवहार विज्ञान
(01.09.2022 से)

**डॉ. श्रीपाद ए पाटिल**
प्रोफेसर, न्यूरोमाइक्रोबायोलॉजी और सह डीन – मौलिक साइंसेज
(01.01.2022 से)

## मौलिक तंत्रिका विज्ञान (वर्चूअल विभाग)

**डॉ. बीएस शंकरनारायण राव**
प्रोफेसर और प्रभारी प्रमुख, न्यूरोफिज़ियोलॉजी

**डॉ. टीसी यशा**
प्रोफेसर एवं प्रमुख न्यूरोपैथोलॉजी

**डॉ. बिनुकुमार**
सह प्रोफेसर, जैवसांख्यिकीशास्त्र

## जैवभौतिकशास्त्र

**डॉ. बालासुंदरम पद्मनाभन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. इंद्राणी दत्ता**
अवर प्रोफेसर

**डॉ.भूपेश मेहता**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. पदवत्तन शिवरामन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. योगानंद एस मार्कंडेय**
सहायक प्रोफेसर

## जैव सांख्यिकी

**डॉ. के थेन्नारासु**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. पी मारीमुथु**
प्रोफेसर

**डॉ. मैरी फिलिप**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. बिनुकुमार बी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. बीनू वी.एस.**
सह प्रोफेसर

## बाल एवं किशोर मनोरोग

**डॉ. के जॉन विजय सागर**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. राजेंद्र केएम**
सह प्रोफेसर

**डॉ. ईशा शर्मा**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. हर्षिनी एम**
सहायक प्रोफेसर

## नैदानिक तंत्रिका विज्ञान (वर्चूअल विभाग)

**डॉ. जी वेंकटसुब्रमणियन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख, मनोचिकित्सा

**डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी**
प्रोफेसर, न्यूरोलॉजी

**डॉ. मोनोजीत देबनाथ**
प्रोफेसर, मानव आनुवंशिकी

## क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी

**डॉ. एमएम श्रीनिवास भरत**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. चित्तरंजन आंद्राडे**
वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ. प्रियंवदा शर्मा**
सह प्रोफेसर

## नैदानिक मनोविज्ञान

**डॉ. सीमा मेहरोत्रा**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. एच उमा**
वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ. अनीशा शाह**
वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ. एल एन सुमन**
प्रोफेसर

**डॉ. जमुना राजेश्वरन**
प्रोफेसर

**डॉ. पॉलोमी मातम सुधीर**
प्रोफेसर

**डॉ. जे केशव कुमार**
प्रोफेसर

**डॉ. मनोज कुमार शर्मा**
प्रोफेसर

**डॉ. एम मंजुला**
प्रोफेसर

**डॉ देवव्रत कुमार**
प्रोफेसर

**डॉ. पूर्णिमा भोला**
प्रोफेसर

**डॉ. थॉमस किशोर एम**
प्रोफेसर

**डॉ. बीएन रूपेश**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. वीणा ए सत्यनारायण**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. अरुणा रोज़ मैरी कपानी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. शांतला हेगड़े**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. नितिन आनंद**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. राजकुमारी पी रेड्डी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. गीतांजलि नारायणन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल**
सह प्रोफेसर

**डॉ. अजय कुमार**
सह प्रोफेसर

**डॉ. हिमानी कश्यप**
सह प्रोफेसर

**डॉ. रविकांत गजानन पिंजरकर**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. राजेश कुमार**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. रविकेश त्रिपाठी**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. अनामिका साहू**
सहायक प्रोफेसर

## महामारी विज्ञान

**डॉ. प्रदीप बीएस**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. गिरीश एन**
प्रोफेसर

**डॉ. सेंथिल अमुधन आर**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. गौतम एमएस**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. बीए अरविंद**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. प्रचेथ आर**
सह प्रोफेसर

## मानव आनुवंशिकी

**डॉ. जीके चेतन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. मोनोजीत देबनाथ**
प्रोफेसर

**डॉ. मथिवनन जोथी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. गौतम अरुणाचल यू**
सह प्रोफेसर

## समग्र औषधि

**डॉ. शिवराम वरम्बली**
प्रोफेसर और प्रभारी प्रमुख, मनोचिकित्सा

**डॉ. किशोर कुमार रामकृष्ण**
प्रोफेसर, आयुर्वेद

**डॉ. हेमन्त भार्गव**
सहायक प्रोफेसर (सीआईएमईआर–योग)

**डॉ. भरत होल्ला**
सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा

**डॉ. उमेश सी**
सहायक प्रोफेसर, आयुर्वेद (13.07.2022 से)

## मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा

**डॉ. केएस मीना**
अवर प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. लता के**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायु संवेदनाहरण और संकटकालीन देखभाल

**डॉ. के श्रीगणेश**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. वी भद्रनारायण**
प्रोफेसर

**डॉ. केआर मधुसूदन रेड्डी**
प्रोफेसर

**डॉ. वीजे रमेश**
प्रोफेसर

**डॉ. एम राधाकृष्णन**
प्रोफेसर

**डॉ. सुधीर वी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. गोपाल कृष्ण केएन**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. सोनिया बंसल**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. रोहिणी एम सुर्वे**
अवर प्रोफेसर, क्रिटिकल केयर

**डॉ. सुपर्णा भारद्वाज**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. धृतिमान चक्रबर्ती**
सह प्रोफेसर

**डॉ. श्वेताश्री केआर**
सह प्रोफेसर

**डॉ. भरत एस**
सह प्रोफेसर

**डॉ. राजीब कुमार मिश्रा**
सह प्रोफेसर

**डॉ. श्वेता एस नायक**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. संगीता आरपी**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायुरासायनशास्त्र

**डॉ. नंदकुमार डीएन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. शारदा सुब्रमणियन**
प्रोफेसर

**डॉ. कुप्पन गोकुलकृष्णन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. रवीश एच**
सहायक प्रोफेसर

## न्यूरो इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

**डॉ. अरविंदा एचआर**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. रोज़ डॉन भरत**
प्रोफेसर

**डॉ. हिमा श्रीनिवास पेंढारकर**
प्रोफेसर

**डॉ. जितेन्द्र सैनी**
प्रोफेसर

**डॉ चंद्रजीत प्रसाद**
प्रोफेसर

**डॉ. माया दत्तात्रेय भट्ट**
प्रोफेसर

**डॉ. एम संध्या**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. प्रदीप कुमार**
सह प्रोफेसर

**डॉ. कार्तिक के**
सह प्रोफेसर

**डॉ. मनोज कुमार**
सहायक प्रोफेसर, बयोलोजिस्ट

## स्नायुविकीय पुनर्वास

**डॉ. अनुपम गुप्ता**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. मीका खन्ना**
अवर प्रोफेसर

**डॉ नवीन बीपी**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायु विज्ञान

**डॉ. सुवर्णा अल्लादी**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. ए नलिनी**
प्रोफेसर

**डॉ. प्रमोद कुमार पाल**
प्रोफेसर

**डॉ. संजीब सिन्हा**
प्रोफेसर

**डॉ. पीएस मथुरानाथ**
प्रोफेसर

**डॉ. गिरीश बाबूराव कुलकर्णी**
प्रोफेसर

**डॉ. रवि यादव**
प्रोफेसर

**डॉ. नेत्रवती एम**
प्रोफेसर

**डॉ. मधु एन**
प्रोफेसर

**डॉ. सृजितेश पीआर**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. सुबाश्री आर**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. रवीन्द्रनाथ चौधरी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. रोहन आर महाले**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. नितीश कांबले**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. पूजा एम**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. राघवेंद्र के**
सह प्रोफेसर

**डॉ. दीपक मेनन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. सरस्वती नाशी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. हंसाश्री पी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. डोनिपार्थी वेंकट शेषगिरी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. सीना वी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. विक्रम वी होल्ला**
सह प्रोफेसर

**डॉ. अजय असरन्ना आईपी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. विश्वनाथन एलजी**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. प्रीतम राजा**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. फहीम अरशद**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायुसूक्ष्म्जैवशास्त्र

**डॉ. एच बी वीणा कुमारी**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. एस नागरत्ना**
प्रोफेसर

**डॉ. श्रीपाद ए पाटिल**
प्रोफेसर

**डॉ. अर्घदीप समद्दर**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायुविकृति विज्ञान

**डॉ. अनिता महादेवन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. वाणी संतोष**
वरिष्ठ प्रोफेसर
(31.12.2022 को सेवानिवृत्त)

**डॉ. टीसी यशा**
प्रोफेसर

**डॉ. बी के चंद्रशेखर सागर**
प्रोफेसर (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी) (31.07.2022 को सेवानिवृत्त)

**डॉ. नंदीश बीएन**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. शिल्पा राव**
सह प्रोफेसर

## स्नायुशरीरक्रिया विज्ञान

**डॉ. बीएस शंकरनारायण राव**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. बिंदू एम कुट्टी**
वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ. टीएन सत्यप्रभा**
प्रोफेसर

**डॉ. लक्ष्मी टी राव**
प्रोफेसर

**डॉ. कविराजा उडुपा**
प्रोफेसर

**डॉ. योगनरसिम्हा दोरेस्वामी**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. श्रीकुमार बीएन**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. विजयलक्ष्मी के**
सह प्रोफेसर

**डॉ. रवीन्द्र पीएन**
सह प्रोफेसर

## स्नायु शस्त्र चिकित्सा विज्ञान

**डॉ. द्वारिकानाथ श्रीनिवास**
प्रोफेसर एवं प्रमुख (13.12.2022 तक)

**डॉ. धवल पी शुक्ला**
प्रोफेसर एवं प्रमुख (14.12.2022 से)

**डॉ. बी. इंदिरा देवी**
वरिष्ठ प्रोफेसर (31.10.2022 को सेवानिवृत्त)

**डॉ. मल्ल भास्कर राव**
प्रोफेसर

**डॉ. ए अरिवाझगन**
प्रोफेसर

**डॉ. नूपुर प्रुथी**
प्रोफेसर

**डॉ. वी विकास**
प्रोफेसर

**डॉ. वेंकटेश एस मधुगिरि**
प्रोफेसर (इस्तीफ 02.02.2022)

**डॉ. ए वी प्रभु राज**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. मनीष बेनीवाल**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. निशांत सदाशिव**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. सुभाष कांति कोनार**
सह प्रोफेसर

**डॉ. अभिनीत शशिधर**
सह प्रोफेसर

**डॉ. आलोक मोहन अपर**
सह प्रोफेसर

**डॉ ज्ञानी जैल सिंह बिरुआ**
सह प्रोफेसर

**डॉ. हर्ष देव**
सह प्रोफेसर

**डॉ. लिंगराजू**
सहायक प्रोफेसर

## स्नायुविषाणु विज्ञान

**डॉ. अनिता एस.देसाई**
प्रोफेसर एवं प्रमुख (28.02.2023 को सेवानिवृत्त)

**डॉ. रीटा सुब्रमणियम मणि**
प्रोफेसर एवं प्रमुख (01.03.2023 से)

**डॉ. मंजूनाथ एमवी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. अश्विन वाईबी**
सहायक प्रोफेसर

## नर्सिंग

**डॉ. साईलक्ष्मी गांधी**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. प्रशांति नट्टला**
प्रोफेसर

**डॉ. जी राधाकृष्णन**
अवर प्रोफेसर

## नर्सिंग कॉलेज

**डॉ. बी.वी. कथ्यायनी**
प्रोफेसर/प्रिंसिपल

**डॉ. प्रतिभा स्वामी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. जयंती केएन**
प्राध्यापक

**श्री. जयकुमार बी**
प्राध्यापक

**श्रीमती. पूर्णिमा एचएन**
प्राध्यापक

**डॉ. प्रिया बेबी**
प्राध्यापक

**डॉ. डी कनिथा**
प्राध्यापक

**डॉ. एस वल्लियाम्मल**
प्राध्यापक

**डॉ. राजेश्वरी सी**
प्राध्यापक

**डॉ. जीवा एस**
प्राध्यापक

## आपदा मनोसामाजिक सहायता प्रबंधन

**डॉ विवेक बेनेगल**
प्रोफेसर, मनोरोग और प्रभारी प्रमुख

**डॉ. जयकुमार सी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा**
सहायक प्रोफेसर

## मनशिचिकित्सा पुनर्वास

**डॉ. जगदीशा तीर्थहल्ली**
प्रोफेसर, मनोरोग और प्रभारी प्रमुख

**डॉ. साईलक्ष्मी गांधी**
प्रोफेसर, नर्सिंग विभाग

**डॉ. देवव्रत कुमार**
प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान

**डॉ. पूर्णिमा भोला**
प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान

**डॉ. कृष्णा प्रसाद एम**
अवर प्रोफेसर, मनोरोग

**डॉ. शिवकुमार टी,**
अवर प्रोफेसर, मनोरोग

**डॉ. आरती जगन्नाथन,**
अवर प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य

**डॉ. अंगोथु हरीश**
सह प्रोफेसर, मनोरोग

**डॉ. शनिवरम रेड्डी के,**
सह प्रोफेसर, मनोरोग सामाजिक कार्य

**डॉ. निशांत केएन**
सहायक प्रोफेसर, मनोरोग

## मनोरोग सामाजिक कार्य

**डॉ. आर धनशेखरा पांडियन**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. ए तिरुमूर्ति**
प्रोफेसर

**डॉ. बीपी निर्मला**
प्रोफेसर

**डॉ. एन जनार्दन**
प्रोफेसर

**डॉ. वृंदा एमएन**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. ई अरविंद राज**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. प्रिया ट्रीसा थॉमस**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. आरती जगन्नाथन**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. कविता वी जंगम**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. ई सिनु**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. गोबिंदा माझी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. बिनो थॉमस**
सह प्रोफेसर

**डॉ. सोजन आंतोनी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. कण्मणी टीआर**
सह प्रोफेसर

**डॉ. अनीश वी चेरियन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. शनिवरम रेड्डी के**
सह प्रोफेसर

**डॉ. के जानकी रामन**
सह प्रोफेसर

**डॉ. किम्नेइहाट वैफेई**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. एल पोन्नुचामी**
सहायक प्रोफेसर

## मनोरोग

**डॉ. प्रतिमा मूर्ति**
निदेशक एवं वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ. वाईसी जनार्दन रेड्डी**
प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. संजीव जैन**
वरिष्ठ प्रोफेसर (31.08.2022 को सेवानिवृत्त)

**डॉ. प्रभा एस चंद्रा**
वरिष्ठ प्रोफेसर

**डॉ विवेक बेनेगल**
प्रोफेसर

**डॉ. जगदीशा तीर्थहल्ली**
प्रोफेसर

**डॉ. जॉन पी जॉन**
प्रोफेसर

**डॉ. सुरेश बाड़ा मठ**
प्रोफेसर

**डॉ. जी वेंकटसुब्रमणियम**
प्रोफेसर

**डॉ. पीटी शिवकुमार**
प्रोफेसर

**डॉ. गीता देसाई**
प्रोफेसर

**डॉ. शिवराम वरम्बली**
प्रोफेसर

**डॉ. प्रभात कुमार चंद**
प्रोफेसर

**डॉ. के मुरलीधरन**
प्रोफेसर

**डॉ. टी हरीश**
प्रोफेसर

**डॉ. सी नवीन कुमार**
प्रोफेसर

**डॉ. संतोष लोगनाथन**
प्रोफेसर

**डॉ. वी सेंथिल कुमार रेड्डी**
प्रोफेसर

**डॉ. श्याम सुंदर ए**
प्रोफेसर

**डॉ. प्रीति सिन्हा**
प्रोफेसर

**डॉ. नरेन पी**
प्रोफेसर

**डॉ. जयसूर्या टीएस**
प्रोफेसर

**डॉ अरुण के**
प्रोफेसर

**डॉ. कृष्णा प्रसाद एम**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. टी शिवकुमार**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. सिडनी मोइरंगथेम**
अवर प्रोफेसर (इस्तीफा 01.2023 .19)

**डॉ. एन मंजुनाथ**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. बीजू विश्वनाथ**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. उर्वाख्श मेहरवान मेहता**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. सुंदरनाग गंजेकर**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. दहाले अजीत भालचंद्र**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. अंगोथु हरीश**
अवर प्रोफेसर

**डॉ. विजय कुमार केजी**
सह प्रोफेसर

**डॉ. रश्मी ए**
सह प्रोफेसर

**डॉ. चेतन बी**
सह प्रोफेसर

**डॉ श्रीराज वी एस**
सह प्रोफेसर

**डॉ. गुरु एस**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. विजयकुमार एस हरबिशेट्टर**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. सुहास एस**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. निशांत के एन**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. लेखांश शुक्ला**
सहायक प्रोफेसर (व्यसन चिकित्सा केंद्र)

**डॉ. जयंत महादेवन**
सहायक प्रोफेसर (व्यसन चिकित्सा केंद्र)

**डॉ. घाडीगांवकर दीपक शांताराम**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. प्रीति वी रेड्डी**
सहायक प्रोफेसर

## वाक और श्रवण

**डॉ. बीके यामिनी**
अव प्रोफेसर एवं प्रमुख

**डॉ. वंदना वीपी**
प्रोफेसर

**डॉ. अरविंद कुमार आर**
सह प्रोफेसर

**डॉ. प्रदीप वाई**
सहायक प्रोफेसर

**डॉ. शोबा श्रीनाथ मीरा**
सहायक प्रोफेसर

## रक्ताधान और रक्त विज्ञान

**डॉ. टीसी यशा**
प्रोफेसर एवं प्रभारी प्रमुख

**डॉ. विजय कुमावत**
सह प्रोफेसर

**डॉ. परमात्मा प्रसाद त्रिपाठी**
सहायक प्रोफेसर

## ग्रुप–ए अधिकारी

**डॉ. संगीता शेषगिरि के**
क्लिनिकल पैथोलॉजिस्ट (विशेषज्ञ ग्रेड)
रक्ताधान और रक्त विज्ञान विभाग

**डॉ. मल्लीथवना एस**
क्लिनिकल पैथोलॉजिस्ट (विशेषज्ञ ग्रेड)
रक्ताधान और रक्त विज्ञान विभाग

**डॉ. शशिधरा एच.एन**
मनोरोग चिकित्सज्ञ (विशेष ग्रेड)

मनोरोग विभाग

**डॉ. विनय बी**
मनोरोग चिकित्सज्ञ (विशेष ग्रेड)
मनोरोग विभाग

**डॉ फाल्गुनी आनंद अल्लादी**
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विज्ञानी–एफ)
क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी और न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी विभाग

**डॉ. शिवकुमार वी**
विज्ञानी –डी
समग्र औषधि विभाग

**डॉ. कृतिका विनोद टी.पी**
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विज्ञानी –सी)
स्नायुरसायनशास्त्र विभाग

**श्री. एन पोन्नुसामी**
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विज्ञानी –सी)
स्नायुशस्त्रचिकित्सा विभाग

**डॉ. मरियप्पा एन**
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विज्ञानी –सी)
स्नायुविज्ञान विभाग

**डॉ. अरुण**
वैज्ञानिक–सी (स्नायु विज्ञान)
चेतना अध्ययन केंद्र
स्नायुशरीरक्रिया विज्ञान विभाग

**डॉ. रामजयम जी**
वैज्ञानिक–सी (योग विज्ञान)
चेतना अध्ययन केंद्र
स्नायुशरीरक्रिया विज्ञान विभाग

**डॉ. लक्ष्मी निशिता जे**
वैज्ञानिक–बी (योग)
समग्र औषधि विभाग

## बयोमेडिकल इंजीनियरिंग अनुभाग

**श्रीमती. एम जी सिंधु**
बायोमेडिकल इंजीनियर

**श्रीमती. वल्ली के**
जूनियर बायोमेडिकल इंजीनियर

**श्री. बबीश परंभन**
हार्डवेयर और नेटवर्क इंजीनियर

**श्री. एसएन जैन**
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, (बीएमई–ग्रेड II)

**श्री. नागेश बाबू सी**
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, (बीएमई– ग्रेड II)

## केंद्रीय पशु अनुसंधान सुविधा

**डॉ. बीएस शंकरनारायण राव**
प्रोफेसर, स्नायुशरीरक्रिया विज्ञान और प्रभारी अधिकारी

**डॉ. कावेरी**
पशुचिकित्सक

## पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएँ

**डॉ. चित्तरंजन अंद्राडे,**
वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रभारी अधिकारी, सीपीएनटी

**श्री. प्रसाद एनएन**
वरिष्ठ लाइब्रेरियन

**श्री. सचिन वाई**
लाइब्रेरियन

**श्री. कुमारस्वामी आर मरीगौडर**
लाइब्रेरियन

## प्रकाशन विभाग

**डॉ. प्रभु देव एम**
सहायक संपादक एवं प्रभारी अधिकारी

**श्रीमती. तेजस्विनी ए**
प्रूफ़ रीडर

**श्री. शिंदे पांडुरंग**
हिंदी अनुवादक (कनिष्ठ)

## जनसंपर्क

**श्री. चंदन कुमार एमटी**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी

## आईटी सेल

**श्री. बिपिन चंद्रा वाई**
सहायक प्रशासनिक अधिकारी

## लीगल अनुभाग और आरटीआई सेल

**श्री. पी करुणाकर गांधी**
वरिष्ठ तकनीशियन एवं लिगल सहायक (प्रतिनियुक्ति पर)

## इंजिनीयरिंग विभाग

**श्री. जी श्रीनिवास**
एईई (सिविल) एवं प्रमुख (प्रतिनियुक्ति )

**श्री. एम.एच. जयराजू**
एओ प्रभारी (7.2.2023 तक)

**श्री. केसी संतोष**
सहायक अभियंता (सिविल)
(प्रतिनियुक्ति) (15.6.2022 तक)

**श्री. सुचिन्द्र**
सहायक अभियंता (सिविल) (प्रतिनियुक्ति)

**श्री. पुनीथ कुमार एस**
जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)

**श्री. रामकृष्णप्पा केएन**
जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)

**श्री. थम्मैया**
जूनियर इंजीनियर (सिविल) (30.6.2022 को सेवानिवृत्त)

**श्री. एम.राजेश**
सहायक अभियंता (सिविल)

**श्री. शिवानंद**
सहायक अभियंता (सिविल)

## प्रशासनिक

**डॉ. बीएस शंकरनारायण राव**
कुलसचिव

**श्री. हर्ष ए एच**
वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी

**श्रीमती के नागवेणी**
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)

**श्री. हेमाप्रभु वी**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (कार्मिक)

**श्री. जयराजू एम एच**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (खरीद) (8.2.2023 से)

**श्री. मुरुगन जे**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (ए&ई)

**श्री. रविकुमार एम.**
लेखा अधिकारी

**श्री. महेशा मैसूरू**
लेखा अधिकारी

**श्रीमती बी.एन. शशिकला**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

**श्रीमती के.एस. सुधा**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (ए एवं ई)

**श्री मंजूनाथ बी एस**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (कार्मिक) (1.6.2022 से)

**श्री. अशोक कुमार डी**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (क्रय) (31.5.2022 को सेवानिवृत्त)

**श्रीमती पी. राधा**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (खरीद)

**श्रीमती ममता**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (दावा)

**श्री. एम. अमरनाथ**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (परियोजना)

## अस्पताल प्रशासन

**डॉ. मुरलीधरन के**
चिकित्सा अधीक्षक

**डॉ. अरविंदा एचआर**
उप. चिकित्सा अधीक्षक

**डॉ. टीएन प्रतिभा**
वरिष्ठ जीडीएमओ

**डॉ. एएसवीएलएन रवींद्र**
वरिष्ठ जीडीएमओ

**डॉ. शशिधरा एचएन**
निवासी चिकित्सा अधिकारी प्रभारी

**डॉ. प्रज्ञा राजेश धरगवे**
मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट

**डॉ. आर. सुमति**
नर्सिंग अधीक्षक (प्रभारी)

**श्री. दोड्डातम्मय्य**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (अस्पताल)

**श्री. केएन पांडियन**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (ओपीडी कैश) (30.11.2022 को सेवानिवृत्त)

**श्री ए.जी. रवींद्रन**
प्रशासनिक अधिकारी प्रभारी (आरएस) (31.3.2023 को सेवानिवृत्त)

**श्री. वी. चन्द्रशेखर**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (ओपीडी)

**श्रीमती भाग्यश्री वीजीके**
सहा.प्रशासनिक अधिकारी (अस्पताल)

**श्री. रुद्राराध्य**
मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी

**श्री. राजन्ना**
मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी

## राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूर

### तुलना पत्र : यथा 31 मार्च 2023

रूपये लाखों में

| कार्पस / पूंजीगत निधि और परिलब्दियाँ | अनुबंध | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| पूंजीगत निधि | 1 | 86,921.33 | 69,317.68 |
| संपत्ति सुरक्षा – परियोजना | 5 | 3,102.34 | 3,236.66 |
| परियोजना, संगोष्ठी, कार्यशाला आदि | 2 | 8,736.54 | 5,998.14 |
| खटले/ स्थायी निधियाँ | 3 | 105,596.56 | 93,592.04 |
| प्रचलित परिलब्दियाँ और प्रावधान | 4 | 8,561.56 | 5,764.25 |
| **कुल** | | **212,918.33** | **177,908.77** |
| | | | |
| **परिसम्पत्तियाँ** | **SCHEDULE** | **2022-23** | **2021-22** |
| स्थिर सम्पत्तियाँ | 5 | 70,757.81 | 67,416.84 |
| निवेश–खटले/ स्थायी निधिया | 6 | 87,407.40 | 54,656.84 |
| निवेश–अन्य | 7 | 26,191.08 | 33,178.13 |
| प्रचलित परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रीम आदि | 8 | 28,562.04 | 22,656.96 |
| **कुल** | | **212,918.33** | **177,908.77** |
| सार्थक लेखाकरण नीतियाँ | 17 | | |
| लेखाकरण की टिप्पणियाँ | 18 | | |

Financial Advisor & Chief Accounts Officer
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

REGISTRAR
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और
तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

DIRECTOR
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 को समाप्त आय और व्यय लेखाकरण

रूपये लाखों में

| विवरण | अनुबंध | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| **आय** | | | |
| सेवा आय | 9 | 7,450.76 | 5,683.74 |
| अनुदान / आर्थिक सहायता | 10 | 64,373.74 | 52,748.55 |
| शुल्क / अंशदान | 11 | 778.97 | 653.73 |
| निवेशनो से आय सरकारी सुरक्षा / बांड | 12 | - | - |
| निवेशो से आय | 13 | 2,057.38 | 1,238.63 |
| अन्य आय | 14 | 3,379.70 | 1,396.89 |
| **कुल (ए)** | | **78,040.55** | **61,721.54** |
| | | | |
| | **अनुबंध** | **2022-23** | **2021-22** |
| **व्यय** | | | |
| स्थापना व्यय | 15 | 48,143.14 | 38,588.84 |
| अन्य प्रशासन व्यय आदि | 16 | 21,652.06 | 15,663.57 |
| मूल्यहांस | 5 | 8,900.41 | 8,454.43 |
| पूर्व अवधि मूल्यहास | | (51.81) | - |
| **कुल (बी)** | | **78,643.80** | **62,706.84** |
| आयोपरी व्यय का संतुलन रखना (ए–बी) | | | |
| पूंजीगत लेखाकरण में परिवर्तन | | **(603.25)** | **(985.30)** |
| **कुल** | | **78,040.55** | **61,721.54** |
| सार्थक लेखाकरण नीतियाँ | 17 | | |
| लेखा टिप्पणियाँ | 18 | | |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

**REGISTRAR**
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और
तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

**DIRECTOR**
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 1 कार्पस/पूंजीगत निधि

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| **वर्ष प्रारंभ में अद्दशेष** | **69,317.68** | **57,129.26** |
| एडीडी: वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान (भारत सरकार) पूंजीगत योजना | 18,000.00 | 13,696.00 |
| एडीडी: स्वच्चता अनुदान सहायता – वर्ष के दौरान पुंजीगत खर्च | 56.90 | 16.63 |
| एडीडी: वर्ष के दौरान (भारत सरकार) पूंजीगत अनुदान दुर्व्यसन केन्द्र | 150.00 | 50.00 |
| | 87,524.58 | 70,891.89 |
| कमी: खर्च न किया गया पूंजीगत अनुदान | - | (588.91) |
| कमी: शेष कुल आय और व्यय लेखाकरण से परिवर्तन और व्यय लेखाकरण से परिवर्तन | (603.25) | (985.30) |
| **कुल** | **86,921.33** | **69,317.68** |

## अनुबन्ध – 2

## परियोजना/संगोष्ठी/परिसंवाद/कार्यशाला/सी.एस.आई.आर. फेलोशिप

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| **अद्यशेष अनुदान पिछले वर्ष से अग्रेशित हैं।** | **5,998.14** | **5,399.62** |
| वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान | 9,059.87 | 5,264.06 |
| | 15,058.01 | 10,663.68 |
| कमी : खर्च पिछले वर्ष में इनकर्ड है। | (7,447.98) | (5,238.53) |
| एडीडी : परियोजना देय (प्राप्तियाँ) | 1,126.51 | 572.99 |
| **कुल** | **8,736.54** | **5,998.14** |

(अनुसूची 18 का नोट 2 देखें)

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 3 : खटले/स्थायी निधियाँ /कर्मचारी लाभार्थ निधियाँ

### अनुबन्ध – 3.1 : खटले/स्थायी निधियाँ

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **क) प्रारंभिक निधियाँ** | | **15,047.65** | | **13,874.14** |
| **ख) अतिरिक्त निधियाँ** | | | | |
| i) अंशदान / अनुदान | 3,185.59 | | 276.63 | |
| ii) निवेशनों पर किये निधि लेखाकरण आय | 802.12 | 3,987.71 | 955.45 | 1,232.08 |
| **कुल (ए+बी)** | | **19,035.36** | | **15,106.22** |
| **ग) निधि प्रयोजन / खर्चो का उद्देश** | | | | |
| i) पूंजीगत खर्च | - | | - | |
| ii) राजस्व खर्च | 196.99 | 196.99 | 58.57 | 58.57 |
| **वर्ष : अंत तक कुल शेष (ए)** | | **18,838.37** | | **15,047.65** |

(अनुसूची 18 का नोट 3 देखें)

### अनुबन्ध – 3.2 : पेंशन और आन्य कर्मचारी लाभार्थ निधियाँ

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **क) प्रारंभिक निधियाँ** | | **78,544.39** | | **75,206.90** |
| **ख) अतिरिक्त निधियाँ** | | | | |
| i) खर्च का प्रावधान | 9,825.54 | | 5,743.11 | |
| ii) निवेशनों पर किये निधि लेखाकरण आय | 3,625.81 | 13,451.35 | 3,008.99 | 8,752.10 |
| **कुल (ए+बी)** | | **91,995.74** | | **83,959.00** |
| **ग) निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोग/व्यय** | | | | |
| i) पूंजीगत खर्च | 5,237.55 | 5,237.55 | 5,414.61 | 5,414.61 |
| **वर्ष अंत तक कुल शेष (बी)** | | **86,758.19** | | **78,544.39** |
| | | | | |
| **वर्ष अंत तक कुल शेष (ए+बी)** | | **105,596.56** | | **93,592.04** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारूप भाग

## अनुबन्ध – 3.1 : खटले/स्थायी निधियाँ

रूपये में

| विवरण | यथा : 01-04-2022 | आवतिया | | कुल | भुगतान | यथा शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुदान/योगदान | ब्याज | | | |
| भरणी जय विजयम अनुसंधान परिधान निधि | 1,015,651.61 | - | 31,939.00 | 1,047,590.61 | - | 1,047,590.61 |
| ब्रेन कैंसर अनुसंधान निध | 791.00 | - | - | 791.00 | - | 791.00 |
| सीवी विशालाक्षम्मा एंडोमेंट स्किजोफ्रनिया शोध निधि | 800,000.00 | - | - | 800,000.00 | - | 800,000.00 |
| सीएम – परिहार निधि | - | - | - | - | - | - |
| बाल मनोवैध्यकीय इकाइ | 769,343.00 | - | - | 769,343.00 | - | 769,343.00 |
| वकिास कार्यों के लिए कॉर्पस फंड | 1,150,507,722.30 | 300,000,000.00 | 65,711,100.36 | 1,516,218,822.66 | - | 1,516,218,822.66 |
| कॉर्पस रीसर्च फंड – प्राजेक्ट्स | 46,281,472.78 | 9,491.00 | 2,070,873.00 | 48,361,836.78 | - | 48,361,836.78 |
| स्नायुविकी पुर्नवास कार्पस निधि | 3,774,499.62 | - | 130,700.00 | 3,905,199.62 | 28,848.00 | 3,876,351.62 |
| कार्पस निधि अपारेषनल डुयल पीएचडी कार्यक्रम | 84,230,792.22 | - | 4,577,504.14 | 88,808,296.36 | - | 88,808,296.36 |
| मनश्चिकित्सा पुर्नवास कार्पस निधि | 4,585,543.00 | - | 323,233.91 | 4,908,776.91 | 10,438.00 | 4,898,338.91 |
| एमएच व एसपी विभाग कार्पस निधि | 3,338,249.00 | - | 172,667.00 | 3,510,916.00 | - | 3,510,916.00 |
| साइकेट्री विभाग– कार्पस निधि | 2,233,481.27 | - | 96,932.92 | 2,330,414.19 | - | 2,330,414.19 |
| डिप्रेशन शिक्षा निधि | 20,000.00 | - | - | 20,000.00 | - | 20,000.00 |
| मनोरोग विभाग सी एफ (तुरुवेकेरे और तिर्थ) | 743,900.00 | 100,000.00 | - | 843,900.00 | 108,000.00 | 735,900.00 |
| डॉ. अनिसा वसंत स्मर्णार्थ पुरस्कार निधि | 198,940.39 | - | 10,800.00 | 209,740.39 | - | 209,740.39 |
| डॉ डी एन प्रसाद एम एफ – बोध व संगीत | 1,615,806.00 | - | 86,099.00 | 1,701,905.00 | - | 1,701,905.00 |
| डॉ. आर एन मूर्ति परिधान निधि | 547,223.41 | - | 30,895.00 | 578,118.41 | - | 578,118.41 |
| डॉ. उषा पूंजा – नर्सिंग छात्र पुरस्कार निधि | 385,300.00 | - | 21,192.00 | 406,492.00 | - | 406,492.00 |
| डॉ. अनिसा वसंत स्मर्णार्थ अरशन निधि | 135,034.83 | - | - | 135,034.83 | - | 135,034.83 |
| डॉ. अनिसा वसंत स्मर्णार्थ अरशन निधि – एमएनडी | 281,547.00 | - | - | 281,547.00 | - | 281,547.00 |
| डॉ. डी एन प्रसाद अरशन | 246,427.47 | - | 12,302.00 | 258,729.47 | - | 258,729.47 |
| डॉ आर एन मूर्ति मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान | 46,494,420.13 | 135,950.00 | 2,628,271.00 | 49,258,641.13 | 2,251,762.00 | 47,006,879.13 |
| इसीजीसी निर्धन रोगी निधि | 10,000,000.00 | - | - | 10,000,000.00 | 7,848,744.00 | 2,151,256.00 |
| मिरगी अनुसंधान निधि | 967,782.00 | - | - | 967,782.00 | - | 967,782.00 |
| न्यूरोरेडियालोजी स्वर्ण महोत्सव पुरस्कार निधि | 883,882.57 | - | 23,815.00 | 907,697.57 | - | 907,697.57 |
| गोविंद स्वामि मेमोरियाल पुरस्कार निधि | 403,110.38 | - | 22,144.00 | 425,254.38 | - | 425,254.38 |
| गोविंदस्वामी मुर्ति राव स्मारण निधि | 40,035.60 | - | 2,992.00 | 43,027.60 | - | 43,027.60 |
| मानव मसमतिष्क कोश एम जैविकी अनुसंधान निधि | 3,178,390.00 | 334,000.00 | - | 3,512,390.00 | - | 3,512,390.00 |
| स्वतंत्रता दिवस / गणतंत्र दिवस समारोह निधि | - | - | - | - | - | - |
| इन्फोसिस फोण्डेशन उत्कृष्ट पुरस्कार निधि | 53,613.34 | - | 8,254.18 | 61,867.52 | 4,400.00 | 57,467.52 |
| संयुक्त सम्मेलन अनुसंधान निधि | 2,332,206.13 | - | 63,799.00 | 2,396,005.13 | - | 2,396,005.13 |
| केएसएपीएस निधि ( सीडी4/ सीडी 8) | 965,723.00 | - | - | 965,723.00 | - | 965,723.00 |
| श्रीमती. राजरेशवरी कृष्ण मूर्ति परिधान निधि | 2,035,417.63 | - | 66,507.00 | 2,101,924.63 | - | 2,101,924.63 |
| मुकुन्द मेमोरियल पुरस्कार निधि | 68,934.70 | - | 10,205.17 | 79,139.87 | 5,440.00 | 73,699.87 |
| **अग्रेशित राशि** | **1,369,135,240.38** | **300,579,441.00** | **76,102,225.68** | **1,745,816,907.06** | **10,257,632.00** | **1,735,559,275.06** |

| विवरण | यथा : 01-04-2022 | आवतिया | | कुल | भुगतान | यथा शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुदान/योगदान | ब्याज | | | |
| **अग्रेषित राशि लाया** | **1,369,135,240.38** | **300,579,441.00** | **76,102,225.68** | **1,745,816,907.06** | **10,257,632.00** | **1,735,559,275.06** |
| राष्ट्रीय बीमारी सहायता निधि | 2,058,883.00 | - | - | 2,058,883.00 | - | 2,058,883.00 |
| राष्ट्रीय स्नायु विज्ञान सूचना सेन्टर निधि | 86,727.00 | - | - | 86,727.00 | - | 86,727.00 |
| न्यूरो आंकालोजी अनुसंधान निधि | 7,232.00 | - | - | 7,232.00 | - | 7,232.00 |
| न्यूरो साइकेट्रिक जनेटिक्स निधि | 31,875.00 | 124,500.00 | - | 156,375.00 | 41,034.00 | 115,341.00 |
| न्यूरोकॉन न्यूरोसर्जरी निधि | 13,048,139.92 | - | 901,188.00 | 13,949,327.92 | 650,000.00 | 13,299,327.92 |
| न्यूरोलोजी स्वर्ण महोत्सव निधि | 20,449,334.65 | 2,000,000.00 | 1,183,329.00 | 23,632,663.65 | 464,954.00 | 23,167,709.65 |
| न्यूरोलोजी न्यूरोसर्जरी कार्पस निधि | 4,540,865.73 | - | 392,701.00 | 4,933,566.73 | 12,783.00 | 4,920,783.73 |
| न्यूरो मस्कुलर अनुसंधान निधि | 691,575.00 | 51,000.00 | - | 742,575.00 | - | 742,575.00 |
| न्यूरोसर्जरी कार्पस निधि | 888,907.86 | - | 32,839.05 | 921,746.91 | 17,793.00 | 903,953.91 |
| निम्हान्स इनट्र मोरल अनुसंधान निधि | 37,500,000.00 | - | - | 37,500,000.00 | - | 37,500,000.00 |
| निम्हान्स सुंदरम कलेटान निधि | 7,943,640.00 | - | - | 7,943,640.00 | - | 7,943,640.00 |
| दुव्यसन निवारण अरशन कार्यक्रम | 101,246.00 | - | - | 101,246.00 | - | 101,246.00 |
| पार्किनसन्स रोग और प्रसारक रोग सहायता निधि आर एफ | 5,756,737.00 | 6,608,508.00 | 249,216.00 | 12,614,461.00 | 2,061,986.00 | 10,552,475.00 |
| प्रिनेटल साइकेट्री सेवा निधि | 816,880.26 | 597,002.00 | 57,014.00 | 1,470,896.26 | 25,886.00 | 1,445,010.26 |
| परधीय स्नायु चोट जनेटिक्स निधि | 204,059.00 | - | - | 204,059.00 | - | 204,059.00 |
| निर्धन निधि | 2,464,632.33 | 809,773.34 | - | 3,274,405.67 | 254,108.00 | 3,020,297.67 |
| प्रेफेसर वी शिवराजन आवार्ड निधि लोखा | 356,375.07 | - | 17,680.00 | 374,055.07 | - | 374,055.07 |
| रेबीस निदान सेवा स्नायु विषाणु विज्ञान | 2,781,538.00 | 427,250.00 | - | 3,208,788.00 | 1,276,641.00 | 1,932,147.00 |
| अनुसंधान कार्पस निधि खाता | 5,829,867.00 | 97,765.00 | - | 5,927,632.00 | - | 5,927,632.00 |
| शोध दान निधि | 2,960,336.27 | - | 401,890.00 | 3,362,226.27 | - | 3,362,226.27 |
| शोध फेलेशीप आरएएमसी/केएस/एम/जएिनएनआर | 2,500,000.00 | - | - | 2,500,000.00 | 1,667,000.00 | 833,000.00 |
| स्कीजेप्रनिया और डिप्रेषन अनुसंधान निधि निधि | 2,168,108.49 | 20,000.00 | 138,999.00 | 2,327,107.49 | - | 2,327,107.49 |
| श्रीमती. सावित्रम्मा और वेंकटेश्या मेमोरियल निधि | 420,974.62 | - | 18,333.00 | 439,307.62 | - | 439,307.62 |
| छात्र नर्स संघ | 77,000.00 | - | - | 77,000.00 | - | 77,000.00 |
| डॉ. सुभद्रा दयानंद राव परिधान निधि | 78,608.00 | - | 4,121.00 | 82,729.00 | - | 82,729.00 |
| टीएमसी अनुसंधान निधि | 36,000.00 | - | - | 36,000.00 | - | 36,000.00 |
| वालेंटर्स लेक्चर निधि | 17,000.00 | - | - | 17,000.00 | - | 17,000.00 |
| खुशहाली स्वैच्छिक निधि | 83,920.00 | 31,574.00 | - | 115,494.00 | 35,890.00 | 79,604.00 |
| विल्सन्स रोग कार्पस निधि | 405,098.50 | - | 18,211.00 | 423,309.50 | - | 423,309.50 |
| वाक व श्रवण कार्पस निधि | 1,241,833.05 | - | 65,493.00 | 1,307,326.05 | - | 1,307,326.05 |
| डॉ. गौरी देवी ओरेशन निधि | 500,000.00 | - | - | 500,000.00 | - | 500,000.00 |
| न्यूरो ट्रामा 2015 | 4,583,040.00 | - | - | 4,583,040.00 | - | 4,583,040.00 |
| सकलवार निधी | 11,705,956.00 | - | 524,306.00 | 12,230,262.00 | - | 12,230,262.00 |
| स्ट्रोक फंड | 5,000.00 | - | - | 5,000.00 | - | 5,000.00 |
| मलंकारा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च बैंगलोर | 1,069,798.00 | - | - | 1,069,798.00 | 363,895.00 | 705,903.00 |
| कुमारैया ऑर्शन फंड क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग | 1,018,703.00 | - | 62,661.00 | 1,081,364.00 | 36,703.00 | 1,044,661.00 |
| निम्हान्स ओसीडी-रिलेटेड डिसऑर्डर फंड्स | 1,273,650.00 | - | - | 1,273,650.00 | 115,904.00 | 1,157,746.00 |
| भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड फंड्स | (74,362.00) | - | - | (74,362.00) | - | (74,362.00) |
| **अग्रेशित राशि** | **1,504,764,419.13** | **311,346,813.34** | **80,170,206.73** | **1,896,281,439.20** | **17,282,209.00** | **1,878,999,230.20** |

| विवरण | यथा : 01-04-2022 | आवतिया | | कुल | भुगतान | यथा शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुदान/योगदान | ब्याज | | | |
| **अग्रेषित राशि लाया** | **1,504,764,419.13** | **311,346,813.34** | **80,170,206.73** | **1,896,281,439.20** | **17,282,209.00** | **1,878,999,230.20** |
| श्री राधाकृष्ण–रुक्मणि मेमोरियल प्रोफेसर पराथसारथी का स्वर्ण पदक फंड | - | 1,000,000.00 | 41,412.00 | 1,041,412.00 | - | 1,041,412.00 |
| एकीकृत चिकित्सा एवं योग सेवा फंड | - | 360,458.00 | - | 360,458.00 | 128,000.00 | 232,458.00 |
| पार्किंसंस राहत फंड | - | 1,000,000.00 | - | 1,000,000.00 | 286,628.00 | 713,372.00 |
| न्यूरोसर्जरी ओरेशन फंड | - | 3,151,281.00 | - | 3,151,281.00 | 2,002,171.00 | 1,149,110.00 |
| न्यूरोपैथोलॉजी रिसर्च फंड | - | 1,700,000.00 | - | 1,700,000.00 | - | 1,700,000.00 |
| **कुल** | **1,504,764,419.13** | **318,558,552.34** | **80,211,618.73** | **1,903,534,590.20** | **19,699,008.00** | **1,883,835,582.20** |

## अनुबन्ध – 3.2 : कर्मचारी लाभार्थ निधियाँ

| विवरण | यथा : 01-04-2022 | आवतिया | | कुल | भुगतान | यथा शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अनुदान/योगदान | ब्याज | | | |
| पेंशन और ग्राच्युटी निधि | 7,271,015,119.01 | 755,743,622.00 | 362,580,751.00 | 8,389,339,492.01 | 516,233,990.00 | 7,873,105,502.01 |
| आर्जित अवकाश नगद बुनाइ निधि | 583,423,661.00 | 226,811,373.00 | - | 810,235,034.00 | 7,521,290.00 | 802,713,744.00 |
| **कुल** | **7,854,438,780.01** | **982,554,995.00** | **362,580,751.00** | **9,199,574,526.01** | **523,755,280.00** | **8,675,819,246.01** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 4: प्रचलित परिलब्दियाँ और प्रावधान

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **क. प्रचलित परिलब्दियाँ** | | | | |
| 1. सण्ड्री क्रेडेटर्स एवं जमा | | | | |
| ए) ई.एम.डी, एस डी, सी.एम.डी | 902.86 | | 872.97 | |
| बी) ट्रेड पेयबल और अन्य | 1,127.98 | 2,030.84 | 899.74 | 1,772.71 |
| 2. संविधिक परिलब्दियाँ | 398.82 | 398.82 | 369.99 | 369.99 |
| 3. अन्य प्रचलित परिलब्दियाँ | 4,276.05 | 4,276.05 | 2,258.85 | 2,258.85 |
| **कुल (ए)** | | **6,705.71** | | **4,401.55** |
| **ख. प्रावधान** | | | | |
| 1. खर्च पर प्रावधान | | 1,855.85 | | 1,362.70 |
| **कुल (बी)** | | **1,855.85** | | **1,362.70** |
| **कुल (ए+बी)** | | **8,561.56** | | **5,764.25** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 5: स्थिर परिसंपत्तियाँ

रूपये लाखों में

| विवरण | वर्ष के प्रारंभ में 01-04-2022 | वर्ष के दौरान जोड | वर्ष के दौरान कटौतियाँ | यथा ग्रास ब्लाक में 31-03-2023 | गरिवट का दर (%) | यथा नेट गिरावट 31-03-2022 | वर्ष के अंत में गिरावट 2022-23 | कुल मूल्याहंस 31-03-2023 | यथा नेट ब्लाक में 31-03-2023 | यथा नेट ब्लाक में 31-03-2022 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जमीन | 71.71 | - | - | 71.71 | 0.00 | - | - | - | 71.71 | 71.71 |
| जमिन पट्टा | 300.00 | - | - | 300.00 | 0.00 | - | - | - | 300.00 | 300.00 |
| भवन | 44,839.39 | 2,396.13 | - | 47,235.52 | 5.00 | 20,236.46 | 2,154.82 | 22,391.28 | 24,844.24 | 24,602.93 |
| साधन | 62,904.02 | 3,090.61 | - | 65,994.63 | 10.00 | 39,829.06 | 4,938.29 | 44,767.35 | 21,227.28 | 23,074.96 |
| कम्प्यूटर्स | 3,111.47 | 34.58 | - | 3,146.05 | 25.00 | 2,560.86 | 200.69 | 2,761.55 | 384.50 | 550.61 |
| फर्निचर | 4,268.14 | 409.37 | - | 4,677.51 | 10.00 | 2,730.89 | 315.97 | 3,046.86 | 1,630.65 | 1,537.25 |
| कार्यालय साधन | 635.41 | 252.54 | - | 887.95 | 10.00 | 308.98 | 79.99 | 388.97 | 498.98 | 326.43 |
| बिजली जोड | 3,948.32 | 310.00 | - | 4,258.32 | 10.00 | 2,320.69 | 387.05 | 2,707.74 | 1,550.58 | 1,627.63 |
| वाहन | 188.81 | 19.40 | - | 208.21 | 10.00 | 161.63 | 8.68 | 170.31 | 37.90 | 27.18 |
| पुस्तकें | 498.18 | - | - | 498.18 | 50.00 | 471.69 | 1.10 | 472.79 | 25.39 | 26.49 |
| इ जर्नल्स (प्रिच्वल्स लाइसन्स) | 3,252.71 | 384.31 | - | 3,637.02 | 50.00 | 3,068.32 | 376.56 | 3,444.88 | 192.14 | 184.39 |
| साफ्टवेयर | 1,177.16 | 6.49 | - | 1,183.65 | 25.00 | 980.33 | 136.35 | 1,116.68 | 66.97 | 196.83 |
| इंफ्रास्ट्रक्चर | 3,133.34 | 2,885.06 | | 6,018.40 | 5.00 | 398.99 | 300.92 | 699.91 | 5,318.49 | 2,734.35 |
| **सब-कुल (ए)** | **128,328.66** | **9,788.49** | **-** | **138,117.15** | | **73,067.90** | **8,900.42** | **81,968.32** | **56,148.83** | **55,260.76** |
| **संपत्तियाँ परियोजना** | - | | | | | | | | | |
| भवन | 44.00 | - | - | 44.00 | 5.00 | 11.00 | 2.20 | 13.20 | 30.80 | 33.00 |
| उपकरण | 6,722.55 | 461.41 | - | 7,183.96 | 10.00 | 3,867.75 | 491.63 | 4,359.38 | 2,824.58 | 2,854.80 |
| कम्प्यूटर्स | 844.01 | - | - | 844.01 | 25.00 | 664.48 | 84.09 | 748.57 | 95.44 | 179.53 |
| फर्निचर व फिक्श्चर | 192.44 | 0.38 | - | 192.82 | 10.00 | 72.77 | 16.51 | 89.28 | 103.54 | 119.67 |
| साफ्टवेयर | 164.14 | 31.68 | - | 195.82 | 25.00 | 114.47 | 33.35 | 147.82 | 48.00 | 49.67 |
| लाईब्रेरी पुस्तक | 15.18 | - | - | 15.18 | 50.00 | 15.20 | - | 15.20 | (0.02) | (0.01) |
| **सब-कुल (बी)** | **7,982.32** | **493.47** | **-** | **8,475.79** | | **4,745.67** | **627.78** | **5,373.45** | **3,102.34** | **3,236.66** |
| **कुल योग (ए+बी)** | **136,310.98** | **10,281.96** | **-** | **146,592.94** | | **77,813.57** | **9,528.20** | **87,341.77** | **59,251.17** | **58,497.42** |
| **पिच्हले वर्ष** | **121,439.16** | **14,871.83** | **-** | **136,310.99** | | **68,725.47** | **9,088.10** | **77,813.57** | | |
| | **Opening Balance** | **Additions** | **Transferred** | | | | | | **As on 31-03-2023** | **As on 31-03-2022** |
| **पूंजीगत काम प्रगति में कुल योग (सी)** | 8,919.43 | 8,245.72 | 5,658.51 | - | - | - | - | - | 11,506.64 | 8,919.42 |
| **कुल योग (ए+बी+सी)** | | | | | | | | | **70,757.81** | **67,416.84** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 6: खटले/स्थायी निवेश निधियाँ

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| 1. सरकारी सुरक्षा और शास्वत बॉन्ड्स | 63,983.72 | 20,515.84 |
| 2. सार्वजनिक उपक्रम बैंकों में | 23,423.68 | 34,141.00 |
| **कुल** | **87,407.40** | **54,656.84** |

## अनुबन्ध – 7: निवेश – अन्य

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| 1. सार्वजनिक उपक्रमों की बैंकें में बान्डस और निवेश | 26,191.08 | 33,178.13 |
| **कुल** | **26,191.08** | **33,178.13** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 का तुलन पत्र प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 8: प्रचलित परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **ए) प्रचलित परिसंपत्तिया** | | | | |
| 1. इन्वेन्ट्रीस: | | | | |
| ए) स्टाक – इन – कंजुमेबल्स (अस्पताल वा अन्य) | 1,419.56 | | 1,552.68 | |
| बी) हैंड स्टेशनरि | 43.49 | 1,463.05 | 10.30 | 1,562.98 |
| 2. संड्री डिबेटर्स | | | | |
| ए) छह माह अवधि की औटस्टांडीग डिबेट्स | 338.75 | | 394.12 | |
| बी) अन्य | 65.40 | 404.15 | 229.83 | 623.95 |
| 3. नगद बट्टे (चेक ड्राफ्ट और इम्प्रेस्ड शामिल हैं) | 8.22 | 8.22 | 6.56 | 6.56 |
| 4. बैंक बेलेन्स | | | | |
| ए) बचत खाता | 8,215.64 | | 9,523.42 | |
| बी) चालू खाता | 3.47 | 8,219.11 | 7.97 | 9,531.39 |
| **कुल (ए)** | | **10,094.53** | | **11,724.88** |
| **बी) ऋण, पेशगियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ** | | | | |
| 1. ऋण: | | | | |
| ए ) कर्मचारी | 22.64 | | 7.47 | |
| बी) पेशगीयाँ प्राप्तियाँ | 704.36 | | 307.69 | |
| सी) पूर्वखर्च भुगतान | 745.81 | | 100.38 | |
| डी) संसाधन से कर कटौती (वसुली) | 231.23 | | 223.74 | |
| इ) मार्जिन मनि डेपाजिट (एल सी) आरंभिक खर्च शामिल हें | 7,304.71 | 9,008.75 | 682.25 | 1,321.53 |
| 2. सप्लायरों को पेशगियाँ | 308.67 | 308.67 | 321.48 | 321.48 |
| 3. नगद पेशगियाँ और मूल प्राप्त अन्य नगद वसूल राशि | | | | |
| ए) कंटेन्जेन्सी और खरीद/सप्लायर/परियोजना अनुभाग | 2,478.40 | | 941.75 | |
| बी) जमा | 205.51 | 2,683.91 | 185.80 | 1,127.55 |
| 4. ब्याज प्राप्तिया (संचिता) | 6,599.00 | 6,599.00 | 8,246.16 | 8,246.16 |
| **कुल (बी)** | | **18,600.33** | | **11,016.72** |
| सी) संदेहास्पद बट्टा प्रावधान | | (132.82) | | (84.64) |
| **कुल (सी)** | | **(132.82)** | | **(84.64)** |
| | | | | |
| **कुल (ए + बी + सी)** | | **28,562.04** | | **22,656.96** |

Financial Advisor & Chief Accounts Officer

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 तक समाप्त आय और व्यय प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 9: सेल्स/सेवा आय

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| 1. सेल्स आय – डी पी एवं एन आर | 17.04 | | 14.23 | |
| 2. सेवा आय | | | | |
| i) अस्पताल सेवा | 7433.53 | | 5669.27 | |
| ii) योग केन्द्र | 0.19 | 7,450.76 | 0.24 | 5,683.74 |
| **कुल** | | **7,450.76** | | **5,683.74** |

## अनुबन्ध – 10: अनुदान / आर्थिक सहायता (अवसूलि अनुदान और प्राप्त आर्थिक सहायता)

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **1. भारत सरकार** | | | | |
| i) संस्थान अनुदान | | | | |
| ए. वेतन अनुदान | 36,200.00 | | 31,000.00 | |
| बी. सामान्य अनुदान | 13,000.00 | 49,200.00 | 10,722.33 | 41,722.33 |
| ii) दुर्व्यसन निवारण | | | | |
| ए. वेतन अनुदान | 750.00 | | 750.00 | |
| बी. सामान्य अनुदान | 275.00 | 1,025.00 | 250.00 | 1,000.00 |
| iii) स्वच्छता एक्शन प्लान | 543.10 | 543.10 | 313.37 | 313.37 |
| **भारत सरकार (कुल ए)** | | **50,768.10** | | **43,035.70** |
| **2. कर्नाटक सरकार** | | | | |
| i) संस्थान अनुदान | | | | |
| ए. वेतन अनुदान | 8,703.50 | | 6,638.50 | |
| बी. सामान्य अनुदान | 4,874.12 | 13,577.62 | 2,933.00 | 9,571.50 |
| ii) कोविड अनुदान | - | - | 31.80 | 31.80 |
| **कर्नाटक सरकार (कुल बी)** | | **13,577.62** | | **9,603.30** |
| **3. आईसीएमआर अनुदान (सी)** | 28.02 | 28.02 | 109.55 | 109.55 |
| **कुल (ए + बी + सी)** | | **64,373.74** | | **52,748.55** |

(अनुसूची 18 का नोट 8 देखें)

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 तक समाप्त आय और व्यय प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 11: शुल्क/अंशदान

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| 1. शुल्क (शैक्षणिक अनुभाग) | 778.97 | 653.73 |
| **कुल** | **778.97** | **653.73** |

## अनुबन्ध –12: सरकारी सुरक्षा / बांड से आय

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| 1. ब्याज | | |
| ए) सरकारी सुरक्षा पर | - | - |
| बी) अन्य बॉंड्स/डिबेंचर्स | - | - |
| **कुल** | **-** | **-** |

Financial Advisor & Chief Accounts Officer

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 तक समाप्त आय और व्यय प्रारुप भाग

## अनुबन्ध –13: ब्याज आमदनी

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| 1. बैंकों में साअवधी जमा: | | | | |
| ए) सेडुल्ड बैंकों में | 2,057.38 | 2,057.38 | 1,238.63 | 1,238.63 |
| **कुल** | | **2,057.38** | | **1,238.63** |

## अनुबन्ध – 14: अन्य आय

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| 1. विविध सेवा शुल्क | | | | |
| ए) पानी व बिजली खर्च | 59.89 | | 68.62 | |
| बी) एन एच एस | 164.74 | 224.63 | 176.27 | 244.89 |
| 2. विविध आय | | | | |
| ए) कन्वेन्शन सेंटर | 175.44 | | 10.24 | |
| बी) प्राजेक्ट ओवार हेड | 240.33 | | 195.98 | |
| सी) डोनेशन | 2,257.25 | | 480.22 | |
| डी) हास्टल और अन्य आय – किराया | 391.52 | | 356.32 | |
| इ) निविदा फारम शुल्क और प्रकाशन | 8.28 | | 6.11 | |
| एफ) विविध प्राप्तिया | 82.25 | 3,155.07 | 103.13 | 1,152.00 |
| **कुल** | | **3,379.70** | | **1,396.89** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 तक समाप्त आय और व्यय प्रारुप भाग

## अनुबन्ध – 15: परिस्थापना खर्च

रूपये लाखों में

| विवरण | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| 1. वेतन और मंजुरियाँ | | | | |
| ए) वेतन | 33,642.58 | | 26,973.27 | |
| बी) मजूरियाँ | 92.24 | 33,734.82 | 42.05 | 27,015.32 |
| 2. स्टायफंड और आवासीय लाभ | 5,743.82 | | 5,171.87 | |
| 3. अन्य अंशदान निधि (एल एस व पी सी) | 3.48 | | 11.00 | |
| 4. पेंशन निधि कांट्रब्युशन | 6,937.16 | | 4,971.11 | |
| 5. मेडिकल इलाज | 1,723.86 | 14,408.32 | 1,419.54 | 11,573.52 |
| **कुल** | | **48,143.14** | | **38,588.84** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

# वर्ष 31 मार्च 2023 को समाप्त आय और व्यय प्रारुप भाग

## अनुबन्ध –16: अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

रूपये लाखों में

| | विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| 1 | विज्ञापन | 14.15 | 14.90 |
| 2 | जंतु शाला | 30.77 | 20.70 |
| 3 | बुक और पिरेडिकलस ई – जर्नल्स और डेटाबेस | 123.06 | 120.43 |
| 4 | कन्वेन्शन सेन्टर | 58.73 | 72.13 |
| 5 | कोविड 2019 खर्च | 258.43 | 199.04 |
| 6 | विकासात्मक कार्यों के लिए कॉर्पस फंड | 3,000.00 | - |
| 7 | भोजन खर्च | 235.70 | 178.56 |
| 8 | डीपीएनआर गतिविधि खर्च | 31.69 | 23.94 |
| 9 | ड्रग दुर्व्यसन निवारण केन्द्र | 304.71 | 315.03 |
| 10 | औषधियाँ | 1,246.44 | 940.50 |
| 11 | बिजली खर्च | 1,240.00 | 1,076.00 |
| 12 | उपकरण कंटेजन्सी | 3,051.60 | 2,359.05 |
| 13 | जनरेटर इंधन | 57.74 | 55.83 |
| 14 | गैस और ऑक्सीजन | 149.08 | 99.59 |
| 15 | अस्पताल आवश्यक आपूर्ति (सर्जिकल व कंजूमेबल्स) | 1,325.82 | 1,444.36 |
| 16 | अस्पताल कंटेजन्सी | 12.52 | 14.90 |
| 17 | सूचना प्राधोगीकी | 215.49 | 90.86 |
| 18 | इंटरवेंशनल एम्प्लांट् | 660.99 | 411.53 |
| 19 | प्रयोगशाला उपकरण व सामग्री | 5.44 | 17.10 |
| 20 | लाइनीन | 179.02 | 39.05 |
| 21 | कार्यालय कंटेजन्सियाँ | 200.73 | 121.32 |
| 22 | डाक, दूरभाषा और कम्युनिकेशन खर्च | 43.44 | 103.54 |
| 23 | मुद्रण और लेखन सामग्री | 115.50 | 57.55 |

| | विवरण | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|
| 24 | प्रोफेशनल चार्जस और कनसलटेन्सी | 7.77 | 11.13 |
| 25 | किराय, दरे और कर | 8.59 | 70.62 |
| 26 | मरम्मत व रखरखाव (भवन, उद्यान और बीएमई) | 1,605.03 | 1,523.32 |
| 27 | अनुसंधान और विकास | 1,074.42 | 745.39 |
| 28 | सुरक्षा और सफाई | 5,136.67 | 4,901.43 |
| 29 | यात्रा और सवारी खर्च | 167.16 | 19.35 |
| 30 | चालू वाहनों का रखरखाव | 55.00 | 58.92 |
| 31 | पानी खर्च | 269.95 | 232.70 |
| 32 | योग केंद्र | - | 0.51 |
| 33 | राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वे (नेट रफिंड अनुदान) | 108.93 | 14.43 |
| 34 | संदेहय नामें का प्रावधान | 48.18 | 5.96 |
| 35 | स्वच्छता एक्शन कार्य | 538.50 | 265.19 |
| 36 | विविध खर्च | 70.81 | 38.71 |
| | **कुल** | **21,652.06** | **15,663.57** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि का लेखाकरण प्रारूप भाग

## अनुबंध –17 – सार्थक लेखाकरण नीतियाँ

1. **प्रणाली और लेखांकन की पद्धति:**
ऐतिहासिक लागत के तहत खाते तैयार किए गए हैं लेखांकन की प्रोद्भवन प्रणाली के साथ समझौता।

2. **राजस्व मान्यता**
अस्पताल को छोड़कर सभी राजस्व उपार्जन आधार पर पहचाने जाते हैं प्रयोगशाला रसीदें जो रुपये से कम हैं। 5,000/– को ध्यान में रखते हुए भौतिकता की अवधारणा।

3. भविष्य निधि के लाभ के लिए स्थापित किया गया निमहांस, बंगलौर के कर्मचारियों को मान्यता दी गई है सेक की उप–धारा (2) के तहत। भविष्य निधि अधिनियम के 8, 1925 (1925 का 19) सरकार द्वारा। भारत सरकार, वित्त मंत्रालय अधिसूचना सं. 4 (1)– ई.वी. 192 (आई, ( दिनांक 24 दिसंबर 1992.

4. **अचल संपत्तियां:**
अचल संपत्तियों का अधिग्रहण की ऐतिहासिक लागत पर हिसाब लगाया जाता है आवक भाड़ा, शुल्कों और करों और आकस्मिक सहित और अधिग्रहण, स्थापना और से संबंधित प्रत्यक्ष व्यय कमीशनिंग।

अचल संपत्तियों का मूल्यांकन संचित लागत घटाकर किया गया है मूल्यह्रास। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है निम्नलिखित दरों पर सीधी रेखा पद्धति।

| विवरण | प्रतिशत का मूल्यह्रास |
|---|---|
| भूमि | 0% |
| रइमातें | 5% |
| उपकरण, कार्यालय उपकरण, विद्युत प्रतिष्ठान और वाहन | 10% |
| कंप्यूटर, बाह्य उपकरणों और सॉफ्टवेयर | 25% |
| लाइब्रेरी बुक्स, ई–जर्नल्स और डेटाबेस स्थायी लाइसेंस | 50% |

संपत्ति के जोड़ पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है वर्ष के दौरान अर्जित किया। निर्धारित से अधिग्रहीत संपत्ति फंड, जहां ऐसी संपत्ति का स्वामित्व निहित है संस्थान, संस्थान की अचल संपत्ति के रूप में शामिल हैं। परियोजना निधियों से अधिग्रहीत संपत्ति को परियोजना संपत्ति के रूप में माना जाता है, और ऐसी संपत्तियों पर दावा किए गए मूल्यह्रास को परियोजना में समायोजित किया जाता है परिसंपत्ति भंडार।

अचल संपत्तियां जो कट–ऑफ–डेट से पहले अधिग्रहित की गई थीं, जैसे नीचे दी गई तालिका में पूरी तरह से मूल्यह्रास लगाया गया है।

| विवरण | कट–ऑफ तारीख |
|---|---|
| भवन | 31/03/2002 |
| उपकरण और टोल, फर्नीचर और वाहन | 31/03/2012 |
| कंप्यूटर, सहायक उपकरण और सॉफ्टवेयर | 31/03/2018 |
| लाइब्रेरी बुक्स, जर्नल्स और डेटाबेस के साथ हमेशा के लिए लाइसेंस | 31/03/2020 |

5. **इन्वेंटरी:**
दवाओं, रसायन, लिनन, स्टेशनरी और अन्य का स्टॉक भौतिक सत्यापन के अनुसार लागत पर भंडार लिया गया था दिनांक 31/03/2023 को विभागाध्यक्षों द्वारा जारी प्रमाण पत्र।

6. **निवेश:**
सभी निवेशों का मूल्यन लागत पर किया गया है।

7. **सरकारी अनुदान:**
भारत सरकार और सरकार से प्राप्त अनुदान कर्नाटक के, को राजस्व के रूप में माना जाता है जब तक कि वे राजधानी न हों अनुदान। अचल संपत्तियों को प्राप्त करने में उपयोग किए जाने वाले पूंजीगत अनुदान हैं सीधे पूंजीगत निधि खाता–अनुसूची 1 के तहत लेखाबद्ध।

8. **निर्धारित/ बंदोबस्ती का निवेश निधि/ कर्मचारी निधि और ब्याज ऐसे निवेशों पर उपार्जित:**

विभिन्न निवेशों पर अर्जित आय निर्धारित निवेशों को प्रोद्भवन आधार पर मान्यता दी गई है राजस्व की मात्रा की भौतिकता के अधीन। प्राप्त ब्याज और इस तरह के निवेश पर अर्जित संबंधित को श्रेय दिया जाता है निधि खाता।

9. **सेवानिवृत्ति लाभ:**

देयताओं के संबंध में बीमांकिक मूल्यांकन कर्मचारियों की गणना एक्चुरियल वैल्यूएटर द्वारा की गई है वेतन वृद्धि दर @ 5% और ब्याज दर की धारणा 1 अप्रैल 2023 को @ 7.5%। मूल्यांकन की गई राशि कॉर्पस फंड से डेबिट किया गया और पेंशन फंड में जमा किया गया।

10. **कराधान:**

संस्थान आयकर के लिए उत्तरदायी नहीं है क्योंकि यह के तहत छूट प्राप्त है सेक। आयकर अधिनियम के 10(23)(सी)(iiiएबी) और 10(23)(सी)(आईआईएसी), 1961, इसलिए करों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

11. तुलनीय बनाने के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से समूहबद्ध किया गया है चालू वर्ष के आंकड़ों के साथ, जहां भी आवश्यक हो।

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

**DIRECTOR**

*Dr. Pratima Murthy*
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# यथा 31 मार्च 2023 : समाप्त अवधि का लेखाकरण प्रारूप अनुबंध भाग

## अनुबंध –18: तुलन पत्र और आय व्यय लेखाकरण प्ररूप की टिप्पणियां

1. वर्ष 2022–23 का वार्षिक लेखा तैयार किया जाता है प्रोद्भवन आधार।

2. परियोजनाओं, सेमिनारों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के लिए अनुदान, फेलोशिप और समान अनुदानों का हिसाब–किताब परियोजनावार किया जाता है। 63 छात्रवृत्ति खाते और 587 परियोजना खाते बनाए रखे जाते हैं 31.03.2023 तक।

3. निर्धारित/बंदोबस्ती निवेश निधि पर अर्जित ब्याज संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है। ब्याज आय नहीं होती इसमें बचत बैंक खातों से ब्याज भी शामिल है प्रत्येक फंड से संबंधित सावधि जमा/बांड पर ब्याज।

4. देनदारियों की पहचान की जाती है और बिल की प्राप्ति पर विचार किया जाता है करंट और अन्य दोनों के संबंध में सामग्री / उपकरण देनदारियाँ।

5. निमहंस स्वास्थ्य योजना के संबंध में, पूर्व – संस्थान के कर्मचारी, ऐसी स्वास्थ्य देखभाल पर होने वाला खर्च सुविधा भुगतान के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

6. वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का वसूली योग्य मूल्य होता है व्यवसाय का सामान्य क्रम, कुल राशि के बराबर बैलेंस शीट में दिखाया गया है।

7. अस्पताल सेवाओं में रुपये की राशि शामिल है। 1.85 करोड़ (पी.वाई. रु. 0.93 करोड़) जिसे वर्ष के दौरान माफ कर दिया गया था।

8. वर्ष के दौरान प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान में से भारत सरकार, राशि रु. 0.61 लाख (पीवाई 0.67 31.03.2023 तक लाखों) अप्रयुक्त रहे, जो मिल गए अलग–अलग के लिए बनाए गए पीएफएमएस सिस्टम रिवर्सल के साथ समायोजित किया गया की सीमा तक पूंजी अनुदान योजना। 0.61 लाख से कम पीएफएमएस और पिछले वर्ष की अव्ययित राशि (वित्तीय वर्ष 2021–22) रुपये का 0.67 लाख रुपये भारत सरकार को वापस हस्तांतरित कर दिये गये पीएफएमएस के माध्यम से कर या है ।

9. वर्ष के दौरान परियोजना से प्राप्त अनुदान भारत सरकार की ओर से राशि रु. 39.90 लाख, एक रकम रु. 31.03.2023 तक 32.65 लाख अप्रयुक्त रहे जिसकी राशि रु. 3.71 लाख का समायोजन पीएफएमएस से हुआ विभिन्न पूंजीगत अनुदान योजना के तहत सिस्टम रिवर्सल किया गया पीएफएमएस एवं अव्ययित राशि रू. 28.94 लाख रुपये ट्रांसफर किये गये पीएफएमएस के माध्यम से भारत सरकार को वापस।

10. पेंशन देनदारी और ग्रेच्युटी का बीमांकिक मूल्यांकन था एक योग्य बीमांकिक द्वारा किया गया। मूल्यांकन प्रमाणपत्र रुपये की कुल सेवा देयता की सिफारिश की. ₹784.09 करोड़ पेंशन और ग्रेच्युटी पर. के कुल प्रावधान के विपरीत शेष राशि के देनदारी पक्ष में 784.09 करोड़ रुपये शामिल हैं शीट, इस प्रावधान के विरुद्ध निवेश केवल रु. 702.38 करोड़.

11. रुपये का संचित प्रावधान. 80.27 करोड़ का बजट बनाया गया है बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार अवकाश नकदीकरण की दिशा में लेकिन नहीं संस्थान द्वारा इसके लिए निधि जमा की गई है।

12. निमहंस के पास है रुपये का कब्जा. 2.52 करोड़ (कैश–इन सहित) हाथ) इंफोसिस रेस्ट होम और लक्ष्मी की ओर से एकत्र किया गया 31.03.2023 तक मित्तल विश्राम गृह। चूँकि उनमें से प्रत्येक हैं अलग–अलग संस्थाएँ, उनकी ओर से प्राप्त धन और व्यय बैलेंस शीट में वर्तमान देनदारियों के रूप में लिया जाता है।

13. संस्थान के वैधानिक लेखा परीक्षक नियंत्रक हैं । भारत महालेखापरीक्षक, लेखापरीक्षकों को दिया जाने वाला पारिश्रमिक नीचे तालिका में दिए गए हैं:

| विवरण | 2022–23 | 2021–22 |
|---|---|---|
| प्रमाणन शुल्क प्रमाणन शुल्क | 4,00,000.00 (प्रावधान) | 4,00,000.00 (प्रावधान) |

14. भूमि

(i) भूमि (145 एकड़ और 4480 वर्ग फुट) निःशुल्क आवंटित की गई थी पिछले दिनों कर्नाटक सरकार द्वारा। मूल्य भूमि (रुपये) 71.71 लाख) को 'अनुसूची 5– अचल संपत्ति' के अंतर्गत दर्शाया गया है अधिग्रहण के संबंध में किया गया आकस्मिक व्यय।

(ii) वर्ष 2012–13 के दौरान NIMHANS आवंटित किया गया है क्यालासनहल्ली में 39 एकड़ और 38 गुंटा की सीमा तक भूमि, बेंगलुरु, कर्नाटक सरकार द्वारा पट्टे के आधार पर। चार लीज राशि की किश्तें रु. 30 के लिए 3 करोड़ (निश्चित)। वर्ष, 6 वार्षिक किस्तों पर रु. 50.00 लाख प्रति वर्ष देय, अब तक भुगतान किया जा चुका है।

15. रुपये की राशि. इस दौरान 12.38 करोड़ रुपये मिले हैं वित्तीय वर्ष 2022–23 विभिन्न के लिए विदेशी योगदान के रूप में अनुसंधान परियोजनायें।

16. अनुसूचियां 1 से 18 संलग्न हैं और इसका अभिन्न अंग हैं 31 मार्च 2023 को बैलेंस शीट और आय और उस तिथि को समाप्त वर्ष का व्यय खाता।

Financial Advisor & Chief Accounts Officer

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

DIRECTOR

Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# वर्ष 2022-2023 की प्राप्तियाँ और भुगतान

रूपये लाखों में

| | प्राप्तियाँ | 2022-23 | 2021-22 | | भुगतान | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I. | **ओपनिंग बैलेन्स** | - | - | I. | **खर्च** | - | - |
| | ए) नकद बट्टे | 6.56 | 5.27 | | ए) स्थापना खर्च | 45,330.72 | 38,911.07 |
| | बी) बैंक बैलन्स | 9,531.39 | 6,598.89 | | बी) प्रशासनिक खर्च | 27,871.95 | 14,708.42 |
| | - | | | | | | |
| II. | **अनुदान प्राप्त** | | | II. | **विभिन्न परियोजनाओं के लिये भुगतान की गई निधियाँ** | | |
| | ए) भारत सरकार – संस्थान | | | | अनुदान परियोजना– परियोजना/संगोठी/परिचर्चा/ | | |
| | i) पुंजिगत जनरल | 18,000.00 | 13,696.00 | | कार्यशाला अनुदान आदि | 8,637.19 | 6,941.62 |
| | ii) जनरल | 13,000.00 | 10,723.00 | | | | |
| | iii) वेतन | 36,200.00 | 31,000.00 | III. | **निवेश और जमा करण** | | |
| | बी) भारत सरकार – दुर्व्यसन निवारण केन्द्र | | | | ए) खटले / स्थायी परिदान निधियों से | 61,471.59 | 9,346.38 |
| | i) पुंजिगत | 150.00 | 50.00 | | बी) स्वयं निधियाँ के परी बैंक में अल्पावधि निवेश | 59,979.01 | 33,557.68 |
| | ii) जनरल | 750.00 | 750.00 | | सी) एल सी मार्जिन राशि ओपनिंग खर्च में शामिल है । | 7,192.75 | 50.44 |
| | iii) वेतन | 275.00 | 250.00 | | | | |
| | सी) भारत सरकार – स्वच्चता कार्य योजना | 600.00 | 330.00 | IV. | **स्थिर परिसंपत्तियाँ व पूंजीगत प्रगती कार्य** | | |
| | डी) भारत सरकार – आइसीएमआर | 28.02 | 16.24 | | स्थिर परिसंपत्तियाँ व पूंजीगत प्रगती काय | | |
| | ई) राज्य सरकार | | | | सपलयर्स को पेशगियाँ | 31,906.61 | 18,622.61 |
| | i) योजना | 13,577.62 | 9,603.30 | | | | |
| | **i) अनुदानित परियोजना – परियोजना/संगोष्टी/** | - | - | | | | |
| | परिचर्चा/कार्यशाला अनुदान | 10,243.51 | 5,472.21 | | | | |
| III. | **निवेशन आय** | | | | | | |
| | खटले / स्थायी निधियाँ सहित अन्य निवेश | 2,261.11 | 1,685.49 | | | | |

| | प्राप्तियाँ | 2022-23 | 2021-22 | | भुगतान | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| IV. | **प्राप्त ब्याज** | - | - | VI. | **अन्य भुगतान** | - | - |
| | बैंक जमा पर | 1,115.38 | 485.18 | | ए) परिधान निधियाँ | 462.32 | 33.56 |
| | | | | | बी) इएमडी / सीएमडी / एसडी भुगतान | 89.06 | 64.08 |
| V. | **आय** | | - | | सी) आयकर कटोतियाँ | 4,750.04 | 1,357.87 |
| | ए) आस्पताल प्राप्तयाँ | 8,847.22 | 3,762.93 | | डी) अव्ययति अनुदान भुगतान | 28.95 | 589.58 |
| | बी) दान | 2,246.55 | 480.22 | | | | |
| | सी) विविध प्राप्तियाँ | 2,397.13 | 604.91 | | | | |
| | डी) योग केन्द्र | 0.19 | 0.24 | VII. | **समापन शेष** | | - |
| | ई) गेस्ट हाऊस | 34.46 | 8.71 | | ए) हाथ में नकद | 8.22 | 6.56 |
| | एफ) शुल्क | 705.67 | 668.08 | | बी) बचत खातों में बैंक शेष | 8,219.11 | 9,531.39 |
| | जी) हास्टल भाडा और अन्य भाडा | 207.35 | 155.94 | | | | |
| | जे) डी पी व एन आर | 16.59 | 12.77 | | | | |
| | के) कन्वेन्शन सेन्टर पेशगी और आय | 149.97 | 0.05 | | | | |
| | एल) फ्रुटस और नट्स सेल | - | 0.51 | | | | |
| | एम) टेंडर्र फार्म और प्रकाशन का सेल | 1.64 | 1.52 | | | | |
| VI. | **अन्य आय और प्राप्तियाँ :** | - | - | | | | |
| | ए) प्राप्त ब्याज | 5,750.07 | 1,647.91 | | | | |
| | बी) आय कर वापस | 10.45 | 102.34 | | | | |
| | सी) निवेश | 121,967.77 | 42,626.13 | | | | |
| | डी) एल सी मार्जिन राशि प्राप्तियाँ | 514.98 | 738.27 | | | | |
| | इ) ईएमडी/सीएमडी/एसडी प्राप्तियाँ | 161.77 | 237.73 | | | | |
| | एफ) अन्य प्राप्तियॉ वसुलिया / लैबलिटिस / परियोजना | 7,197.12 | 2,007.42 | | | | |
| | **कुल** | **255,947.52** | **133,721.26** | | **कुल** | **255,947.52** | **133,721.26** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु - 560 029 Bengaluru - 560 029

**REGISTRAR**
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

**DIRECTOR**
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

**SEPARATE AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF THE NATIONAL INSTITUTE OF MENTAL HEALTH AND NEURO SCIENCES, BENGALURU FOR THE YEAR 2022-23.**

1. We have audited the attached Balance Sheet of National Institute of Mental Health and Neuro Sciences (NIMHANS) Bengaluru as at 31 March 2023 and the Income & Expenditure Account / Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 19(4) of NIMHANS Act, 2012. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects etc., if any, are reported through Inspection Reports / CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material mis-statements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit.

ii) The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Institute's Board of Management and Finance Committee.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Institute in so far as it appears from our examination of such books.

iii) We further report that:

**A. GRANTS-IN-AID:**

The financial position of NIMHANS for the year 2022-23 is as under:

**(₹. In Lakh)**

| Sl. No | Funding from | Grants Type | Opening Balance | Grants Received | Total Grants | Grants utilised during the year | Closing Balance |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Government of India | CAPITAL | -- | 18,000 | 18,000 | 18,000 | -- |
| 2 | Government of India | GENERAL | -- | 13,000 | 13,000 | 13,000 | -- |
| 3 | Government of India | SALARY | -- | 36,200 | 36,200 | 36,200 | -- |
| 4 | Government of India | SAP | -- | 600 | 600 | 600 | -- |
| 5 | Government of Karnataka | GENERAL | -- | 2770.88 | 2770.88 | 2770.88 | -- |
| 6 | Government of Karnataka | SALARY | -- | 8703.50 | 8703.50 | 8703.50 | -- |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | Government of Karnataka | OUT-SOURCE | -- | 2103.24 | 2103.24 | 2103.24 | -- |
| 8 | Government of India- De-Addiction | CAPITAL | -- | 150 | 150 | 150 | -- |
| 9 | Government of India- De-Addiction | GENERAL | -- | 275 | 275 | 275 | -- |
| 10 | Government of India- De-Addiction | SALARY | -- | 750 | 750 | 750 | -- |
| 11 | ICMR | ICMR | -- | 28.02 | 28.02 | 28.02 | -- |
| | | **Total** | -- | **82580.64** | **82580.64** | **82580.64** | -- |

**B. COMMENTS ON ACCOUNTS:**

**--- NIL ---**

**C. MANAGEMENT LETTER:**

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Institute through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

**D. REVISION OF ACCOUNTS:**

The Institute revised its accounts based on the observations of Audit and submitted the Revised Annual Accounts (on 24.07.2023). The net impact of revision is as follows:

(i) The "Sources and Application of Funds" increased by ₹ 530.27 lakh from ₹ 2,12,388.06 lakh to ₹ 2,12,918.33 lakh

(ii) The Income increased by ₹ 9.62 lakh from ₹ 78,030.93 lakh to ₹ 7,80,40.55 lakh The Expenditure decreased by ₹ 90.27 lakh from ₹ 78,734.07 lakh to ₹78,643.80 lakh.

(iii) The excess of expenditure over income decreased by ₹ 99.89 lakh from ₹ 703.14 lakh to ₹ 603.25 lakh

(v) Subject to our observation in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account, dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to significant matters stated above and other matters mentioned in **Annexure** to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

**a.** In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Mental Health and Neuro Sciences, Bangalore as at 31 March 2023; and

**b.** In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

13/9/23

**PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)**
**BENGALURU**

## ANNEXURE

### 1. Adequacy of Internal Audit system

Internal Audit of National Institute of Mental Health and Neurosciences (NIMHANS) is conducted by a Chartered Accountants firm who is also involved in providing guidance on maintenance and finalization of Accounts. However, there is no established internal audit system in the Institute to examine the accuracy of the accounts prepared by various departments of this institute

### 2. Adequacy of Internal Control System

Internal Control System is inadequate and needs to be strengthened by establishment of a regular Internal Audit wing consisting of a Sr. Accounts/Audit Officer and other assisting staff. Several transactions relating to various departments/units viz. procurement of high value equipments, constructions works and other connected activities have been happening in this Institute on a regular basis. Apart from this there are several transactions happening in respect of various sponsored projects which requires coordination from those respective units handling those projects during the time of compilation of accounts so that there is a smooth process of consolidation of accounts.

### 3. System of physical verification of fixed assets

No physical verification of Fixed Assets has been carried out during the year 2022-23.

### 4. System of physical verification of Inventory

The Physical verification of Inventory has been carried out by the Management for the year 2022-23

**5. Regularity in payment of statutory dues**

All statutory dues of the Institute have been remitted within the stipulated time besides maintaining the necessary accounts.

13/9/23

**Pr. Director of Audit (Central)**

**Bengaluru**

**नोट :** प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतयक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है । यदि इसमें कोई विसंगतियॉ परिलक्षित होती है तो, अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा ।

# भविष्य निधि लेखा

## तुलन पत्र – यथा : 31 मार्च 2023

रूपये लाखों में

| कार्पस/पुंजिगत निधि और परिलब्धियाँ | 2022-23 | | 2021-22 | |
|---|---|---|---|---|
| **पंजिगत निधि** | | | | |
| जनरल रिजर्व | **243.42** | | **260.06** | |
| कमी: अधिक आयोपरी आमदनी खर्च | 78.75 | 322.17 | (16.64) | 243.42 |
| **अद्यशेष** | **6,215.45** | | **6,652.15** | |
| जोड : कर्मचारी योगदान | 952.36 | | 1,064.93 | |
| जोड : अया से अधिक व्यय | 430.17 | | 440.75 | |
| | 7,597.98 | | 8,157.83 | |
| कमी : वर्ष के दौरान भुगतान | 1,414.53 | 6,183.45 | 1,942.38 | 6,215.45 |
| **प्रचलित परिलब्दियां** | | | | |
| देय आंशदाता | - | | - | |
| संस्थान देय | - | - | - | - |
| **कुल** | | **6,505.62** | | **6,458.87** |
| **संपत्तियाँ** | | | | |
| **निवेश** | | | | |
| (ए) सरकारी सुरक्षा | 34.15 | | 2,158.37 | |
| (बी) सरकारी शाश्वत बांड में | 5,140.05 | | | |
| (बी) पब्लिक सैक्ट बैंको | 464.47 | | 2,584.66 | |
| (सी) आर बी आई विशेष जमा | 414.09 | 6,052.76 | 414.09 | 5,157.12 |
| **प्रचलित संपत्तियाँ** | | | | |
| नगद बट्टा केनरा बैंक में | 123.15 | | 105.12 | |
| कर्मचारी लेन | 25.84 | | 23.44 | |
| स्थायी बांड का प्रीमयिम भुगतान | 99.22 | | - | |
| संस्थान प्राप्तियाँ | 59.11 | | 14.20 | |
| निवेशनों पर प्राप्त योग्य ब्याज | 145.54 | 452.86 | 1,158.99 | 1,301.75 |
| **कुल** | | **6,505.62** | | **6,458.87** |

Financial Advisor & Chief Accounts Officer
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

REGISTRAR
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और
तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

DIRECTOR
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# भविष्य निधि लेखा

## आय और व्यय लेखा समाप्त वर्ष 31 मार्च 2023

रूपये लाखों में

| आया | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|
| निवेशनों पर ब्याज अर्जन | 518.95 | 424.14 |
| ब्याज और सीपीएफ कांट्रीब्यूशन | | |
| **कुल (ए)** | **518.95** | **424.14** |
| | | |
| **व्यय** | | |
| बैंक व्यय | 0.02 | 0.03 |
| स्थायी बांड का प्रीमयिम भुगतान | 10.01 | - |
| बैंक शुल्क सहति कर्मचारी के भवष्यि नधि खाते में जमा की गई राशि | 430.17 | 440.75 |
| **कुल (बी)** | **440.20** | **440.78** |
| अद्यशेष अधिक आयोपरी व्यय (ए–बी) पुंजिगत खातों में ट्रांसफर करता है | 78.75 | (16.64) |
| **कुल** | **518.95** | **424.14** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

**REGISTRAR**
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और
तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

**DIRECTOR**
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# भविष्य निधि लेखा

## प्राप्तियाँ और भुगतान : वर्ष 2022–23

रूपये लाखों में

| प्राप्तियाँ | 2022-23 | 2021-22 | भुगतान | 2022-23 | 2021-22 |
|---|---|---|---|---|---|
| **ओपनिंग बैलेन्स** | - | | जीपीएफ | 1,427.04 | 1,937.13 |
| बैंक बैलेंस | | | (पेशगीयाँ भुगतान, आहरण और | | |
| 3803 – कैनरा बैंक | 105.12 | 0.06 | अंतिम सेटलमच) | | |
| जीपीएफ प्राप्तियां | 949.00 | 1,766.13 | लोन का पुर्न भुगतान | - | - |
| **निवेश** | 58.75 | 232.25 | बैंक चार्जस | 0.02 | 0.03 |
| | | | **निवेश** | - | - |
| लेन राशि पुर्नभुगतान | 374.87 | 18.31 | | | |
| | | | **क्लोजिंग ब्यालेंस** | - | |
| | | | नकद बैंल्स | | |
| प्रिंसिपल राशि और ब्याज प्राप्ति | 62.47 | 25.53 | 3803 - कैनरा बैंक | 123.15 | 105.12 |
| | **1,550.21** | **2,042.28** | | **1,550.21** | **2,042.28** |

**Financial Advisor & Chief Accounts Officer**
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
Financial Advisor & Chief Accounts Officer
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान
National Institute of Mental Health & Neuro Sciences
बेंगलूरु – 560 029 Bengaluru - 560 029

**REGISTRAR**
कुलसचिव / REGISTRAR
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और
तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences, Bengaluru-560 029

**DIRECTOR**
Dr. Pratima Murthy
Director
National Institute of
Mental Health & Neuro Sciences
Bengaluru - 560 029

# राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान

पी.बी.नं. 2900, बेंगलूर-560 029, भारत

दूरभाष : 091-080-26995000/26995100/26995200 फैक्स : 091-080-26564830/26562121

ई मेल : root@nimhans.ac.in / info@nimhans.ac.in वेबसाइट : http://www.nimhans.ac.in



**मुख्य सम्पादक**

**डॉ. प्रतिमा मूर्ति**
निदेशक
निम्हान्स, बेंगलूर

**संयोजक**

**डॉ. एन गिरीश**
प्रोफेसर, एपिडॉमॉलॉजी

**डॉ. देवव्रत कुमार**
प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान और हिन्दी अधिकारी (प्रभारी)

**डॉ. पूर्णिमा भोला**
प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान

**डॉ. नरेन पी**
अवर प्रोफेसर, मनोरोग

**डॉ. के एस मीना**
अवर प्रोफेसर और प्रमुख
मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग

**डॉ. बी एन श्रीकुमार**
अवर प्रोफेसर, स्नायु शरीर क्रिया विज्ञान

**डॉ. मंजुनाथ एम वी**
सह प्रोफेसर, स्नायुविषाणु विज्ञान

**डॉ. हंसश्री पी**
सह प्रोफेसर, स्नायुविज्ञान

**सम्पादकीय टीम**

अंग्रेजी

**डॉ. प्रभु देव एम,** सहायक सम्पादक
**श्रीमती. तेजस्विनि ए,** प्रूफ रीडर
**श्रीमती. टी डी जयलक्ष्मी,** क्लर्क

हिन्दी

**श्री. शिन्दे पांडुरंग,** हिन्दी अनुवादक
**श्रीमती. ए. धनलक्ष्मी,** हिन्दी टाइपिस्ट

**फोटो श्रेय**

**श्री. रवि**
**फोटोग्राफर, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग**

**श्री. के मंजुनाथ**
जेएसए, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा विभाग



डिजाइन और मुद्रण: **अदिति एंटरप्राइजस** बेंगलूर-560023, फोन: 9243405168, E-mail: aditiprints@yahoo.com

# 2022-23
# संख्या में

## रोगी देखभाल सेवाएँ

ओपीडी गमनागमन
622480

दाखिले
21569

आपातकालीन देखभाल
42195

शल्य प्रक्रियाएं
8393

विशेष क्लिनिक व सेवाएं
257009

लैब और डायग्नोस्टिक्स
2197473

## शैक्षणिक और अनुसंधान

छात्र प्रवेश
(पीजी और यूजी)
499

अनुसंधान परियोजनाएं
394

प्रकाशन
945

सम्मेलन और कार्यशालाएँ
328

**राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और**
**तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स)**

राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
बेंगलूर 560029